59 वार्षिक प्रतिवेदन ANNUAL REPORT 2020-21

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान

National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises

(सू.ल.म. उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार का संगठन एवं आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित)

(An Organisation of the Ministry of MSME, GoI & ISO 9001:2015 Certified)

यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500 045 (तेलंगाना)

Yousufguda, Hyderabad - 500 045 (Telangana)

विषय सूची

1. विहंगावलोकन 1

1.1. पृष्ठभूमि 1

1.2. निम्समे चार्टर 2

1.3. संस्थान के ग्राहक 4

1.4. प्रशासन और प्रबंधन 4

1.5. शासी परिषद के सदस्य 5

1.5.1 शासी परिषद 6

1.6. कार्यकारी समिति 8

1.6.1. कार्यकारी समिति के सदस्य 9

1.7. उत्कृष्टता के स्कूल 10

1.8. आधारभूत सुविधाएं 11

1.8.1. मौजूदा आधारभूत सुविधाएँ 11

1.8.1.1. प्रशिक्षण भवन 11

1.8.1.2. ग्रंथालय 11

1.8.1.3. गेस्ट रूम कॉम्प्लेक्स 12

1.8.1.4. क्लोज्ड सर्किट कैमरे 12

1.8.1.5. खेल और क्रिडाएँ 12

1.8.1.6. चिकित्सा देखभाल 12

1.8.1.7. मनोरंजन सुविधाएँ 12

1.8.1.8. जल शुद्धीकरण संयंत्र (आरओ) 13

1.8.1.9. पार्किंग क्षेत्र 13

1.8.1.10. वस्त्र धुलाई 13

1.8.1.11. सोलार पैनल.. 13
1.8.2. नई आधारभूत सुविधाएँ.. 14
1.8.2.1. निनाद स्टूडियो.. 14
1.8.2.2. सोलार एण्ड विंड हाइब्रिड एनर्जी डेमो यूनिट.................................. 14
1.8.2.3. इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन.. 15
1.8.2.4. नई एआइटी भवन निर्माण 16
1.8.2.4.1. बुनियादी सुविधाओं की वृद्धि.. 16
1.8.2.4.2. शिलान्यास समारोह 17
1.9. कर्मचारियों की संख्या.. 18
1.10. निम्समे का संगठनात्मक स्वरूप.. 19
1.11. अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक की गतिविधियाँ 20
2. अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम.. 21
2.1. एएआरडीओ द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम.. 21
2.1.1. सू.ल.म. उद्यमों के विकास के लिए अनुकूलनीय अभिनव रणनीतियाँ 21
2.1.2. इन्नोवेटिव एग्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज एंड ग्रीन टेक (आईएएफईजी) ... 23
2.1.3. आईसीटी और ई-गवर्नेंस के साथ ग्रामीण समूहों का विकास.................... 25
2.1.4. खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण के लिए सतत ग्रामीण विकास.................. 27
2.1.5. अफ्रीकी-एशियाई देशों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए डिस्रपटीव एग्री टेक पर कार्यक्रम... 30
2.2. विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम 32
2.2.1. हेल्थकेयर क्षेत्र में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देने पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम.......... 32
2.3. केन्या के पूर्व छात्रों की वर्चुअल बैठक 33
3. वेबिनार... 36
3.1. कोविड -19 के माहौल में सू.लघु.म. उद्यमों की चुनौतियाँ और पुनरुद्धार 36

3.2. बौ.सं. वाणिज्यीकरण : सू.ल.म. उद्यम विकास के लिए अनुशंसित रणनीतियाँ ... 37
3.3. सू.ल.म. उद्यमों के निर्यातकों पर कोविड-19 का प्रभाव: चुनौतियाँ और मार्ग..... 39
3.4. कोविड-19 परवर्ती समय में सू.ल.म. उद्यमों के लिए वित्तापूर्ति चुनौतियाँ और अवसर.. 40
3.5. कोविड -19 के बाद क्लस्टरों का प्रबंधन 41
3.6. बी यूवर ओन बॉस 43
3.7. कोविड-19 परवर्ती काल में ग्रीन टेक्नोलॉजीज में व्यापार के अवसर 43
3.8. सू.ल.म. उद्यमों के लिए डिजिटल और सोशल मीडिया मार्केटिंग रणनीतियाँ...... 45
3.9. ई-गवर्नेंस: नीति निर्माण, कार्यान्वयन और मूल्यांकन.................................. 46
3.10. लॉकडाउन के बाद सू.ल.म. उद्यमों के लिए नवाचार महत्वपूर्ण.................... 48
3.11. खुदरा व्यवसाय की चुनौतियों और अवसरों का पुनरावलोकन....................... 49
3.12. उद्यमिता से अपना भविष्य सुनिश्चित बनाएँ.. 49
3.13. कोविड -19 परवर्ती विश्व में भारत के विकास को बनाए रखने के लिए सुधार.. 52
3.14. कृषि आपूर्ति श्रृंखला के पुनर्निर्माण में एफपीओ की भूमिका......................... 53
3.15. बी युवर ओन बॉस: एक उद्यम की स्थापना 55
3.16. सू.ल.म. उद्यमों के लिए विनिर्माण की संभावनाएँ 55
3.17. टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी और ट्रान्सपोर्ट क्षेत्र पर कोविड -19 का प्रभाव और अवसर 56
3.18. ई-गवर्नेंस और सू.ल.म. उद्यमों के लिए इसके निहितार्थ............................ 58
3.19. भारतीय हस्तशिल्प के लिए निर्यात के अवसर 60
3.20. भारत में युवा उद्यमियों के लिए गुंजाइश... 61
3.21. स्टार्ट-अप विफलताओं से सबक 62
3.22. कोविड -19 के बाद भारत में महिला उद्यमियों के लिए अवसर 63
3.23. डिजिटलीकरण के क्षेत्र में साइबर सुरक्षा का महत्व.................................. 64

3.24. कोविड -19 के बाद डिजीटल माध्यम से अपने व्यवसाय का निर्माण करें 66
3.25. निर्यात व्यवसाय कैसे शुरू करें 67
3.26. एएनजीआरएयू के साथ उद्योग-शैक्षिक सहयोग से कृषि शिक्षा संस्थानों का भविष्य बेहतर बनाना 67
3.27. सू.ल.म. उद्यम और उद्यमियों के लिए उद्यम जोखिम प्रबंधन का महत्व 68
3.28. कोविड -19 परवर्ती में काल में सू.ल.म. उद्यमों के लिए लागत प्रबंधन रणनीतियाँ 69
3.29. कोविड-19 के परिप्रेक्ष्य में आतिथ्य और यात्रा व्यवसाय के लिए भारत पहल समर्थन की पुनरुद्धार रणनीतियाँ... 70
3.30. भारत में सामाजिक उद्यमिता की संभावनाएँ.. 72
3.31. अंतर्राष्ट्रीय विपणन में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार-कानूनी मुद्दे............................... 72
3.32. बी युवर ओन बॉस - उद्यम की स्थापना कैसे करें।.................................... 73
3.33. ई-साइबर सुरक्षा 74
3.34. बौद्धिक संपदा संरक्षण-एक तरह से अपने नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए... 74
3.35. एमएसएमई के लिए सरकारी ई-मार्केट प्लेस अवसर................................. 75
3.36. खाद्य प्रसंस्करण पर जागरूकता कार्यक्रम 76
3.37. ई-पुस्तकों का विमोचन: पर्यटन क्षेत्र में एमएसएमई पर कोविड-19 का प्रभाव. 76
3.38. वर्क प्लेस पर महिला सुरक्षा के मुद्दे और चुनौतियाँ 77
3.39. स्टार्ट-अप और एमएसएमई के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार रणनीति........... 79
3.40. कोविड-19 और पुनरुद्धार रणनीतियों के तहत आतिथ्य व्यापार.................. 80
3.41. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वित्त: एमएसएमई के लिए अवसर 82
3.42. डिजिटल युग में एसएमई उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए ट्रेडमार्क प्रबंधन....... 82
3.43. क्लस्टर उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए भौगोलिक संकेतों की भूमिका 83

3.44. एमएसएमई योजनाओं पर जागरूकता 84

3.45. अंतर्राष्ट्रीय पूर्व छात्रों की बैठक 85

3.46. एमएसएमई के लिए औद्योगिक डिजाइन पंजीकरण 86

3.47. निर्यात बाजार को बढ़ाने के लिए एमएसएमई के लिए पैकेजिंग का महत्व 87

4. राष्ट्रीय कार्यक्रम 90

4.1. हेल्थकेयर उत्पादों में उद्यमिता विकास 90

4.2. निर्यात में प्रमाण पत्र - आयात और अंतरराष्ट्रीय व्यापार संचालन 91

4.3. संकाय विकास में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी-एफडीपी) 92

4.4. उत्पाद संवर्धन और पैकेजिंग में डुएल सर्टिफिकेशन पर कार्यक्रम 93

4.5. एनएमडीसी अधिकारियों के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम 93

4.6. उद्यमिता विकास और मेंटरशिप पर एफडीपी 95

4.7. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के प्रशिक्षकों के लिए ईएसडी पर टीओटी, टीएस सरकार 96

4.8. उद्यमिता विकास पर एफडीपी 98

4.9. हेल्थकेयर उत्पादों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 100

4.10. कृषि उद्यमिता में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 101

4.11. एमएसएमई के लिए ई-वेस्ट मैनेजमेंट और रीसाइक्लिंग विकल्प 102

4.12. महिला उद्यमिता प्रशिक्षण और शिक्षकों का कौशल प्रशिक्षण 104

4.13. कृषि उद्यमिता पर (टीओटी) प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 107

4.14. निर्यात प्रलेखन प्रक्रियाएँ और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संचालन 108

4.15. महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम (डब्ल्यूईडीपी) 108

4.16. टेक्सटाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में टीईडीपी 110

4.17. खाद्य प्रसंस्करण और कृषि उद्यमिता में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 111

4.18. एमएसएमई का नियोजन और संवर्धन पर प्रशिक्षण 111

4.19. शिक्षा में मूल्यांकन को बढ़ावा 112
4.20. एनएमडीसी के कार्यकारी प्रशिक्षुओं के लिए अधिष्ठापना कार्यक्रम............... 113
4.21. कृषि और खाद्य प्रसंस्करण समूहों का संवर्धन 114
5. केंद्रों की गतिविधियाँ.. 116
5.1. नेशनल रिसोर्स सेंटर फॉर क्लस्टर डेवलपमेंट (एनआरसीडी) 116
5.1.1. मोत्कुर इकत हैण्डलूम क्लस्टर.. 116
5.1.2 झारखंड राज्य स्फूर्ति क्लस्टर.. 116
5.1.3. एकीकृत नारियल प्रसंस्करण क्लस्टर, तिरूर, केरल 117
5.1.4. लकड़ी इनले क्राफ्ट क्लस्टर, होशियारपुर 118
5.1.5. स्फूर्ति क्लस्टर की समीक्षा 119
5.1.6. रामपुर पैच वर्क शिल्प कारीगरों के साथ बातचीत.............................. 120
5.1.7. नई तकनीकी एजेंसियों का पैनल का मनोनयन 121
5.1.8. लीजा हैंण्डलूम क्लस्टर की समीक्षा.. 122
5.1.9. मोत्कुर स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) सदस्यों के साथ बातचीत........ 122
5.1.10. जोन्नाडा क्लस्टर के लिए क्लस्टर विकास कार्यकारी का चयन 123
5.1.11. समूहों की आंतरिक समीक्षा... 124
5.1.12. कॉयर क्लस्टर्स की समीक्षा.. 125
5.1.13. पेम्पर्ती मेटलवेयर क्लस्टर, पेम्बर्ती 127
5.1.14. महानिदेशक ने मोत्कुर क्लस्टर का दौरा किया 127
5.1.15. लीजा हैंडलूम क्लस्टर की समीक्षा 129
5.1.16. क्लस्टरों की समीक्षा बैठक 130
5.1.17. तिरूर नारियल क्लस्टर के लिए (सीएफसी) के प्रबंधन पर एमडीपी...... 131
5.1.18. एमएसएमई क्लस्टर के लिए सॉफ्ट और हार्ड इंटरवेंशन पर ऑनलाइन प्रशिक्षण 132

5.1.20. कार्यात्मक क्लस्टर कार्यशाला का कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन.. 134
5.1.21. अध्ययन दल महाराष्ट्र में स्फूर्ति समूहों का दौरा............................... 135
5.2. बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र (आईपीएफसी) 136
5.2.1. बौद्धिक संपदा अधिकारों पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) 136
5.2.2. अभिनव उद्यमिता के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) 137
5.2.3. पेटेंट आवेदन मसौदा तैयार करने और फाइलिंग प्रक्रियाओं पर कार्यक्रम.... 138
5.3. जीएसटी सेल 139
5.3.1. जीएसटी और जेम पर प्रशिक्षण 139
5.3.2. जीएसटी रिटर्न फाइलिंग में प्रशिक्षण.. 140
5.3.3. जेम प्लेस और जेम पूल अकाउंट पर कार्यशाला................................. 140
5.3.4. सार्वजनिक खरीद में जेम, जीएफआर और सीपीपी एप्लीकेशन के प्रयोग .. 141
5.3.5. जेम पूल अकाउंट और पीएफएमएस प्रथाओं पर उन्नत प्रशिक्षण 142
5.3.6. टैली के उपयोग से जीएसटी रिटर्न फाइलिंग 143
5.3.7. जीएसटी के तहत ई-चालान और क्यूआरएमपी योजना पर कार्यशाला..... 144
6. एटीआई और एलबीआई के तहत कौशल विकास कार्यक्रम 144
6.1. फैशन डिजाइनिंग में उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम....................... 144
6.2. एटीआई योजना के तहत ईएसडीपी के प्रशिक्षकों के लिए टीओटी कार्यक्रम...... 145
6.3. एससी /एसटी के प्रशिक्षुओं को टूलकिट वितरण.. 146
6.3.1 प्रशिक्षण कार्यक्रम: एनीमेशन, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी 146
6.3.2. प्रशिक्षण कार्यक्रम: सिलाई, फैशन और ब्यूटीशियन कोर्स...................... 147
6.4. एटीआई योजना के तहत ईएसडीपी गतिविधियाँ.. 148
6.5. विभिन्न कार्यक्रमों के लिए ईएसडीपी विदाई.. 152
6.6. आजीविका व्यापार इनक्यूबेटर (LBI) में गतिविधियाँ 154

7. एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए 155

7.1. एशियन सेंटर फॉर इकोनॉमिक एण्ड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट एण्ड एजुकेशन 155

7.2. एनआईटीटीई विश्वविद्यालय 156

7.3. एनआईटीकॉन लिमिटेड 156

7.4. टिकाऊ पर्यावरण के अनुकूल ग्रामीण क्षेत्रों (सेरा) ट्रस्ट 157

7.5. एनसीएफएसई फायर एण्ड सेफ्टी मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड 157

7.6. मास्टर्स यूनियन (एमयू) बिजनेस स्कूल 158

7.7. जोखिम प्रबंधन संस्थान (आईआरएम) 159

7.8. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (NIELIT) .. 160

7.9. भारतीय पैकेजिंग संस्थान 161

7.10. तेलंगाना बीसी सहकारी वित्त निगम लिमिटेड (टीबीसी कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) एल) 161

7.11. पूर्वोत्तर परिषद 162

7.12. भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) 163

7.13. सेंट जोसेफ डिग्री और पीजी कॉलेज 164

7.14. कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) 165

7.15. तेलंगाना अनुसूचित जाति सहकारी विकास निगम लिमिटेड 165

8. अन्य गतिविधियां 167

8.1. उपदेशक विकास कार्यक्रम 167

8.2. पत्रिक समीक्षा के लिए उत्कृष्टता का प्रमाण पत्र 168

8.3. नेशनल वेब कांफ्रेंस वीएफएफ 2020 168

8.4. बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) मूट कोर्ट प्रतियोगिता-2020 169

8.5. आईआईटी-मद्रास के साथ पंख अभियान 170

8.6. कार्यकारी समिति की बैठक 170

8.6.1. 25 वीं कार्यकारी समिति की बैठक 170
8.6.2. 26वीं कार्यकारी समिति की बैठक 171
8.7. तकनीकी संस्थानों के लिए महानिदेशकों के पते 171
8.8. एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर वेब सम्मेलन 172
8.9. बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार मेला 173
8.10. एमएसएमई ऋण मेला 173
8.11. आईआईटी दिल्ली में एमएसएमई के लिए सीओई की स्थापना के लिए परिप्रेक्ष्य 174
8.12. एमएसएमई-असिस्ट पर वर्चुअल प्रोग्राम 175
8.13. मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च 176
8.14. एमएसएमई के लिए डिजिटल सक्षमम लॉन्च 177
9. प्रख्यात और निम्समे अधिकारियों का दौरा 180
9.1. प्रख्यात आगंतुक 180
9.1.1. उद्यमिता विकास कार्यक्रम में अतिथि संकाय 180
9.1.2. लोकमंगल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के साथ परामर्शदात्री बैठक 180
9.1.3. केलिपएफसी संचालन समिति की बैठक 182
9.2. निम्समे अधिकारियों का दौरा 183
9.2.1. कौशल विकास के लिए युवा प्रेरणा शिविर 183
9.2.2. आकाशवाणी पर निम्समे 184
9.2.3. एससी/एसटी महिलाओं के लिए निःशुल्क क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम 185
10. महत्वपूर्ण दिनों का अवलोकन 186
10.1. आतंकवाद विरोधी दिवस 186
10.2. विश्व पर्यावरण दिवस 186
10.3. अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 187

10.4. स्थापना दिवस 188

10.5. स्वतंत्रता दिवस 189

10.6. सद्भावना दिवस 190

10.7. दशहरा महोत्सव 191

10.8. सतर्कता जागरूकता सप्ताह 192

10.9. कौमी एकता सप्ताह 192

10.10. संविधान दिवस 193

10.11. गणतंत्र दिवस 193

10.12. शहीद दिवस 194

10.13. नए साल का दिन 195

10.14. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 196

11. कर्मचारी कॉर्नर 199

11.1 सेवानिवृत्ति 199

11.2. श्रद्धांजलि 199

11.2.1. श्री आई. शेखर 199

11.2.2. श्री एन राजा नरसिंह 200

12. हिंदी खंड 201

12.1. हिंदी दिवस और राजभाषा सप्ताह 201

12.2. नराकास कोर कमेटी की बैठक 202

12.3. हिंदी कार्यशाला 203

12.4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 204

13. भौतिक और वित्तीय प्रदर्शन 206

13.1. भौतिक प्रदर्शन 206

13.2. वित्तीय प्रदर्शन.. 207

14. सूचना का अधिकार अधिनियम 208

प्रमुख 215

उपलब्धियाँ.. 215

वित्तीय रिपोर्ट 217

चित्र सूची

चित्र 1.1. विभिन्न पड़ाव 1
चित्र 1.2. गतिविधियों और सेवाओं का दायरा 2
चित्र 1.3. निम्समे चार्टर 3
चित्र 1.4. उत्कृष्टता के स्कूल 10
चित्र 1.6. निनाद स्टूडियो 14
चित्र 1.7. हाइब्रिड एनर्जी डेमो यूनिट... 15
चित्र 1.8. इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन... 16
चित्र 1.9. बुनियादी सुविधाओं की वृद्धि 17
चित्र 1.10. शिलान्यास समारोह 18
चित्र 1.11. निम्समे का संगठनात्मक स्वरूप 19
चित्र 2.1. सू.ल.म. उद्यमों के विकास के लिए अनुकूलनीय अभिनव रणनीतियाँ 21
चित्र 2.2. इनोवेटिव एग्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज एंड ग्रीन टेक (आईएएफईजी)...... 25
चित्र 2.3. आईसीटी और ई-गवर्नेंस के साथ ग्रामीण समूहों का विकास 27
चित्र 2.4. खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण के लिए सतत ग्रामीण विकास 28
चित्र 2.5. खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण के लिए सतत ग्रामीण विकास पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का समापन 29
चित्र 2.6. अफ्रीकी-एशियाई देशों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए डिस्रपटीव एग्री टेक पर कार्यक्रम। 31
चित्र 2.7. हेल्थकेयर क्षेत्र में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देने पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम 32
चित्र 2.8. केन्या के पूर्व छात्रों की वर्चुअल बैठक... 34

चित्र 3.1. कोविड -19 के माहौल में सू.लघु.म. उद्यमों की चुनौतियाँ और पुनरुद्धार 36
चित्र 3.2. बौ.सं. वाणिज्यीकरण : सू.ल.म. उद्यम विकास के लिए अनुशंसित रणनीतियाँ 38
चित्र 3.3. सू.ल.म. उद्यमों के निर्यातकों पर कोविड-19 का प्रभाव: चुनौतियाँ और मार्ग. 39
चित्र 3.4. कोविड-19 परवर्ती समय में सू.ल.म. उद्यमों के लिए वित्तापूर्ति चुनौतियाँ और अवसर विषय पर वेबिनार 41
चित्र 3.5. कोविड -19 के बाद क्लस्टरों का प्रबंधन 42
चित्र 3.6. कोविड-19 परवर्ती काल में ग्रीन टेक्नोलॉजीज में व्यापार के अवसर 44
चित्र 3.7. सू.ल.म. उद्यमों के लिए डिजिटल और सोशल मीडिया मार्केटिंग रणनीतियाँ .. 45
चित्र 3.8. ई-गवर्नेंस: नीति निर्माण, कार्यान्वयन और मूल्यांकन 47
चित्र 3.9. लॉकडाउन के बाद सू.ल.म. उद्यमों के लिए नवाचार महत्वपूर्ण 48
चित्र 3.10. उद्यमिता की यात्रा के माध्यम से अपने भविष्य के मालिक 51
चित्र 3.11. कोविड -19 परवर्ती विश्व में भारत के विकास को बनाए रखने के लिए सुधार 52
चित्र 3.12. सू.ल.म. उद्यमों के लिए विनिर्माण की संभावनाएँ 56
चित्र 3.13. टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी और ट्रंन्सपोर्ट क्षेत्र पर कोविड -19 का प्रभाव और अवसर 57
चित्र 3.14. ई-गवर्नेंस और सू.ल.म. उद्यमों के लिए इसके निहितार्थ.......................... 58
चित्र 3.15. भारतीय हस्तशिल्प के लिए निर्यात के अवसर.. 60
चित्र 3.16. भारत में युवा उद्यमियों के लिए गुंजाइश 63
चित्र 3.17. डिजिटलीकरण के क्षेत्र में साइबर सुरक्षा का महत्व 66
चित्र 3.18. एएनजीआरएयू के साथ उद्योग-शैक्षिक सहयोग से कृषि शिक्षा संस्थानों का भविष्य बेहतर बनाना 68
चित्र 3.19. कोविड -19 परवर्ती में सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के लिए लागत प्रबंधन रणनीतियाँ.. 70
चित्र 3.20. कोविड-19 के परिप्रेश्य में आतिथ्य और यात्रा व्यवसाय के लिए भारत पहल समर्थन की पुनरुद्धार रणनीतिय़ाँ.. 71
चित्र 3.21. बी युवर ओन बॉस 73
चित्र 3.22. बौद्धिक संपदा संरक्षण... 75

चित्र 3.23. पर्यटन क्षेत्र की पुस्तक में एमएसएमई पर कोविड-19 प्रभाव का वर्चुअल विमोचन 77
चित्र 3.24. वर्क प्लेस पर महिला सुरक्षा के मुद्दे और चुनौतियाँ 78
चित्र 3.25. स्टार्टअप्स और एमएसएमई के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार रणनीति 79
चित्र 3.26. कोविड-19 और पुनरुद्धार रणनीतियों के तहत हॉस्पिटैलिटी बिजनेस 80
चित्र 3.27. कोविड-19 और पुनरुद्धार रणनीतियों के तहत आतिथ्य व्यापार 81
चित्र 3.28. कोविड-19 और पुनरुद्धार रणनीतियों के तहत आतिथ्य व्यापार 82
चित्र 3.29. डिजिटल युग में एसएमई उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए ट्रेडमार्क प्रबंधन ... 83
चित्र 3.30. क्लस्टर उत्पादों के संवर्धन के लिए भौगोलिक संकेतों की भूमिका 84
चित्र 3.31. एमएसएमई योजनाओं पर जागरूकता 84
चित्र 3.32. पूर्व छात्रों की बैठक- अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी 85
चित्र 3.33. एसएमई के लिए औद्योगिक डिजाइन पंजीकरण 86
चित्र 3.34. एमएसएमई के लिए पैकेजिंग का महत्व 89
चित्र 4.1. हेल्थकेयर उत्पादों में उद्यमिता विकास 90
चित्र 4.2. संकाय विकास में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी-एफडीपी) 92
चित्र 4.3. उत्पाद संवर्धन और पैकेजिंग में दोहरी प्रमाण पत्र कार्यक्रम 93
चित्र 4.4. एनएमडीसी अधिकारियों के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम 94
चित्र 4.5. उद्यमिता विकास और मेंटरशिप पर एफडीपी 95
चित्र 4.6. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), टीएस सरकार के प्रशिक्षकों के लिए ईएसडी पर टीओटी 96
चित्र 4.7. उद्यमिता और कौशल विकास में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण का समापन 97
चित्र 4.8. उद्यमिता विकास पर एफडीपी 99
चित्र 4.9. हेल्थकेयर उत्पादों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 100
चित्र 4.10. कृषि उद्यमिता में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 102
चित्र 4.11. एमएसएमई के लिए ई-वेस्ट मैनेजमेंट और रीसाइक्लिंग विकल्प 103
चित्र 4.12. डब्ल्यूईडीपी और टीईडीपी का शुभारंभ 105
चित्र 4.13. डब्ल्यूईडीपी और टीईडीपी का उद्घाटन 106
चित्र 4.14. निर्यात प्रलेखन प्रक्रियाएं और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संचालन 108

चित्र 4.15. महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम (डब्ल्यूईडीपी) 109
चित्र 4.16. टेक्सटाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में एस एम्ड टी उद्यमियों का प्रशिक्षण110
चित्र 4.17. एमएसएमई का नियोजन और संवर्धन पर प्रशिक्षण 111
चित्र 4.18. शिक्षा में मूल्यांकन को बढ़ावा देना.. 112
चित्र 4.19. एनएमडीसी के कार्यकारी प्रशिक्षुओं के लिए अधिष्ठापना कार्यक्रम के प्रतिभागी 114
चित्र 4.20. कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर को बढ़ावा 115
चित्र 5.1. कार्यान्वयन एजेंसी, तिरूर, केरल द्वारा स्फूर्ति परियोजना की समीक्षा........ 118
चित्र 5.2. वुडन इनले क्राफ्ट क्लस्टर, होशियारपुर 118
चित्र 5.3. निर्माणाधीन कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) 119
चित्र 5.4. अन्य क्लस्टर 120
चित्र 5.5. नई तकनीकी एजेंसियों का पैनल 122
चित्र 5.6. मोत्कुर स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) सदस्यों के साथ बातचीत 123
चित्र 5.7. जोन्नाडा क्लस्टर के लिए सीडीई चयन... 124
चित्र 5.8. कयर क्लस्टरों की समीक्षा 126
चित्र 5.9. महानिदेशक ने किया मोत्कुर क्लस्टर का दौरा 128
चित्र 5.10. लीजा हैण्डलूम क्लस्टर की समीक्षा 129
चित्र 5.11. तिरूर नारियल क्लस्टर के लिए सीएफसी के प्रबंधन पर एमडीपी 131
चित्र 5.12. कार्यात्मक समूहों का कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन 135
चित्र 5.13. अध्ययन दल ने महाराष्ट्र में स्फूर्ति क्लस्टरों का दौरा........................... 136
चित्र 5.14. पेटेंट आवेदन मसौदा तैयार करने और फाइलिंग प्रक्रियाओं पर कार्यक्रम.... 139
चित्र 5.15. जीएसटी और जीईएम पर प्रशिक्षण 140
चित्र 5.16. जेम प्लेस और जीईएम पूल अकाउंट पर कार्यशाला 141
चित्र 5.17. सार्वजनिक खरीद में जीईएम, जीएफआर और सीपीपी एप्लीकेशन का प्रयोग 142
चित्र 5.18. जेम पूल अकाउंट और पीएफएमएस प्रथाओं पर उन्नत प्रशिक्षण.............. 142
चित्र 5.19. टैली का उपयोग करके जीएसटी रिटर्न फाइलिंग 143
चित्र 6.1. फैशन डिजाइनिंग में उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम 145

चित्र 6.2. एटीसी योजना के तहत ईएसडीपी के प्रशिक्षकों के लिए मुन्ना कार्यक्रम 146
चित्र 6.3. एससी एसटी प्रशिक्षुओं को टूलकिट वितरण.. 147
चित्र 6.4. टूलकिट वितरण 147
चित्र 6.5. एटीआई योजना के तहत ईएसडीपी गतिविधियाँ 148
चित्र 6.6. एटीआई योजना के तहत ईएसडीपी 150
चित्र 6.7. एटीआई योजना के तहत उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम 151
चित्र 6.8. ईएसडीपीएस वैलिडिक्शन 152
चित्र 6.9. ऑफलाइन उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रमों का समापन समारोह.... 153
चित्र 6.10. एलबीआई में गतिविधि 154
चित्र 7.1. एशियन सेंटर फॉर इकोनॉमिक एण्ड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट एण्ड एजुकेशन 155
चित्र 7.2. टिकाऊ पर्यावरण के अनुकूल ग्रामीण क्षेत्र (सेरा) ट्रस्ट 157
चित्र 7.3. एनसीएफएसई फायर एण्ड सेफ्टी मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड 158
चित्र 7.4. मास्टर्स यूनियन (एमयू) बिजनेस स्कूल... 159
चित्र 7.5 जोखिम प्रबंधन संस्थान (आईआरएम) 160
चित्र 7.6. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी 161
चित्र 7.7. तेलंगाना बीसी को-ऑपरेटिव फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (टीबीसी कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) एल)... 162
चित्र 7.8. पूर्वोत्तर परिषद के साथ एमओयू 163
चित्र 7.9. भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) 163
चित्र 7.10 सेंट जोसेफ डिग्री और पीजी कॉलेज.. 164
चित्र 7.11कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई)...................................... 165
चित्र 7.12. तेलंगाना अनुसूचित जाति सहकारी विकास निगम लिमिटेड.................. 166
चित्र 8.1 प्रमाण पत्र के साथ निम्समे के संकाय 167
चित्र 8.2 पत्रिक समीक्षा के लिए उत्कृष्टता का प्रमाण पत्र 168
चित्र 8.3. ऑनलाइन 25 वीं कार्यकारी समिति... 171
चित्र 8.4. तकनीकी संस्थानों के लिए महानिदेशकों के पते 172
चित्र 8.5. बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार मेला 173

चित्र 8.6. एमएसएमई ऋण मेला 174
चित्र 8.7. आईआईटी दिल्ली में एमएसएमई के लिए सीओई की स्थापना के लिए परिप्रेक्ष्य 175
चित्र 8.8. एमएसएमई-असिस्ट पर वर्चुअल प्रोग्राम 176
चित्र 8.9. मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च 177
चित्र 8.10. एमएसएमई के लिए डिजिटल सक्षमम लॉन्च 178
चित्र 9.1. लोकमंगल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के साथ परामर्शदात्री बैठक 182
चित्र 9.2 केएलआईपीएफसी संचालन समिति की बैठक 183
चित्र 9.3. कौशल विकास के लिए युवा प्रेरणा शिविर 184
चित्र 9.4. आकाशवाणी में संकाय, बलांगीर संसाधन व्यक्ति के रूप में 185
चित्र 9.5. अनुसूचित जाति/जनजाति की महिलाओं के लिए निशुल्क क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम 185
चित्र 10.1. आतंकवाद विरोधी दिवस 186
चित्र 10.2. विश्व पर्यावरण दिवस 187
चित्र 10.3. अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 188
चित्र 10.4. स्थापना दिवस 189
चित्र 10.5. स्वतंत्रता दिवस 190
चित्र 10.6. सद्भावना दिवस 191
चित्र 10.7. दशहरा महोत्सव 191
चित्र 10.8. सतर्कता जागरूकता सप्ताह 192
चित्र 10.9. कौमी एकता सप्ताह 192
चित्र 10.10. संविधान दिवस 193
चित्र 10.11. गणतंत्र दिवस 194
चित्र 10.12. शहीद दिवस 195
चित्र 10.13. नए साल का दिन 195
चित्र 10.14. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 198
चित्र 11.1. श्री की सेवानिवृत्ति। सरवर खान 199
चित्र 11.2. श्री आई. शेखर 200

चित्र 11.3. श्री. एन. राजा नरसिंह 200
चित्र 12.1. हिंदी दिवस और राजभाषा सप्ताह 202
चित्र 12.2. नराकास कोर कमेटी की बैठक 203
चित्र 12.3. हिंदी कार्यशाला.. 204
चित्र 12.4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 205
चित्र 13.1. राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रतिभागी.. 206
चित्र 13.2. विभिन्न गतिविधियां के द्वारा आय 206

तालिका सूची

तालिका 1.1. संस्थान के ग्राहक.. 4
तालिका 1.2. शासी परिषद के सदस्य.. 6
तालिका 1.3. कार्यकारी समिति के सदस्य 9
तालिका 1.4. कर्मचारियों की संख्या.. 18
तालिका 1.5. गतिविधियों का विवरण.. 20
तालिका 1.6: वित्तीय रिपोर्ट 207
तालिका 1.7. सलाहकारों की भर्ती.. 209
तालिका 1.8. शिकायतों के समाधान के लिए नोडल अधिकारी और सूचना हेतु निवेदन के लिए जन-सूचना अधिकारी आदि के पते 210
तालिका 1.8. कार्यकारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मार्च 2021 तक शामिल पूर्व छात्र 211

1. विहंगावलोकन

1.1. पृष्ठभूमि

उत्पत्ति : लघु उद्योगों के लिए गठित तीसरी पंचवर्षीय योजना के कार्य दल की सिफारिशों के आधार पर भारत सरकार ने एक पृथक संस्था की स्थापना करने का निर्णय लिया। तदनुसार अक्तूबर 1960 में केंद्रीय औद्योगिक विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (सीआईईटीआई) की स्थापना दिल्ली में केंद्र सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत विभाग के रूप में की गई । इसका मुख्य उद्देश्य केंद्रीय लघु उद्योग संगठनों और राज्य सरकारों के उद्योग विभागों के कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करना था।

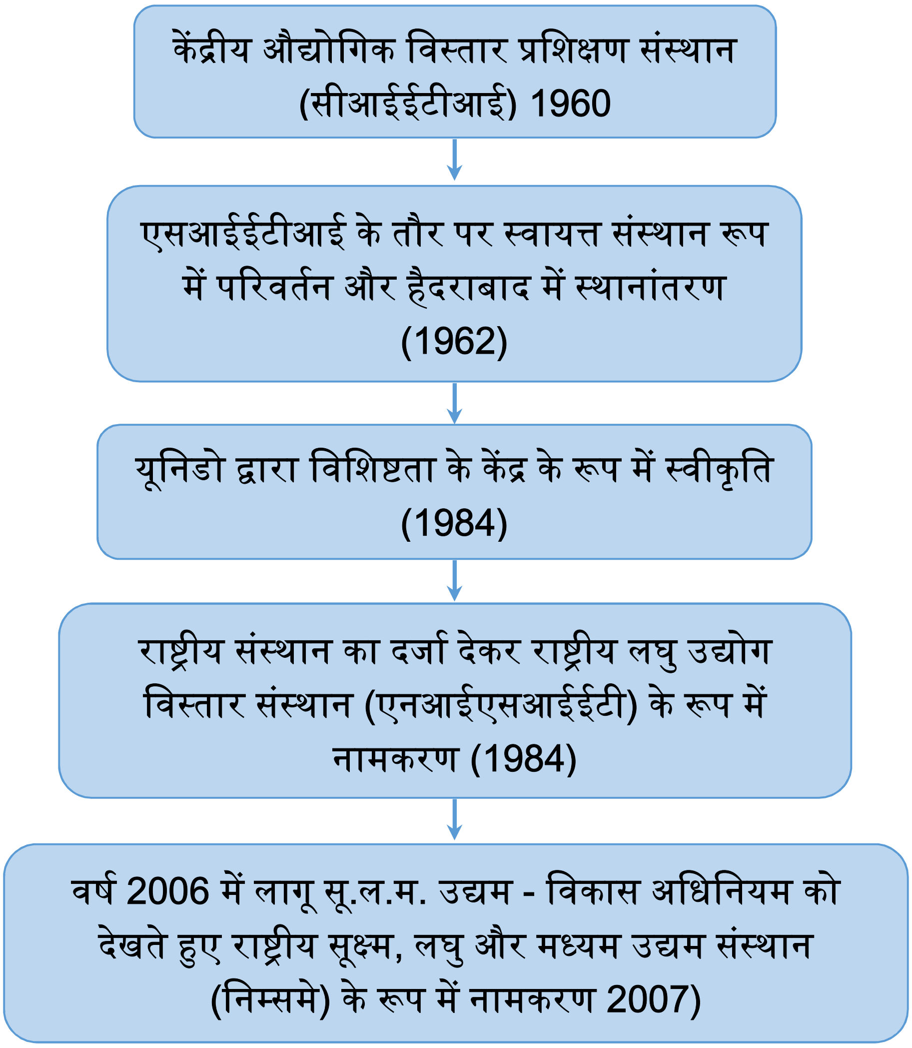

चित्र 1.1. विभिन्न पड़ाव

यह संस्थान अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और संगठनों से जुड़ा रहा, जिनमें खास तौर पर संयुक्त राष्ट्र उद्योग विकास संगठन (यूनिडो), यूनाइटेड नेशन्स एजुकेशनल, साइंटिफिक एण्ड कल्चरल ऑर्गनाइजेशन (यूनेस्को), अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ), कॉमन वेल्थ फंड फॉर टेक्निकल को-ऑपरेशन (सीएफटीसी), संयुक्त राष्ट्र बाल शिक्षा कोष (यूनिसेफ), एफ्रो-एशियन रूरल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (एएआरडीओ), एआरबी बैंक (घाना), गिझ (जर्मनी) आदि शामिल हैं। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संस्थानों के सहयोगात्मक प्रयासों ने इस संस्थान को लक्ष्यों को अधिक परिणामोन्मुख बनाया।

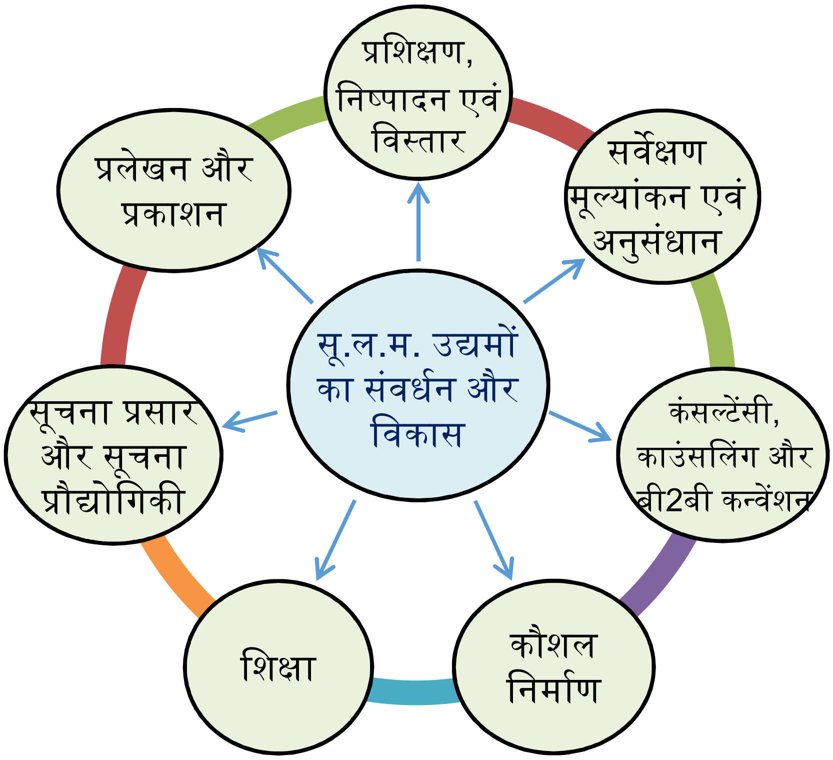

चित्र 1.2. गतिविधियों और सेवाओं का दायरा

संस्थान के कार्यक्रमों को वैश्विक स्तर पर संगत और उचित विशेषज्ञता के अनुसार उन्नत किया गया है। **निम्समे** को उद्यमिता विकास के साथ ही प्रशिक्षण, अनुसंधान और विस्तार संबंधी सुविधाओं के लिए विश्वभर के सर्वश्रेष्ठ संस्थान में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

1.2. निम्समे चार्टर

जैसा कि रिजल्ट फ्रेमवर्क डॉक्यूमेंट (आरएफडी) में निर्दिष्ट किया गया है, 'सेवोत्तम कम्प्लेंट सिटीजन चार्टर', एक सेवोत्तम शिकायत निवारण तंत्र अनिवार्य है। तदनुसार, संस्थान द्वारा एक 'नागरिक चार्टर' अपनाया गया है और इसे संस्थान की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

संस्थान का उद्देश्य सभी सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम सेवा प्रदाताओं के कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों अथवा संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का संचालन करना है । संस्थान द्वारा उद्यमों के विकास और संवर्धन के लिए अनुसंधान एवं परामर्श परियोजनाओं का संचालन किया जाता है, युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं और नागरिकों तथा ग्राहकों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से संबंधित जानकारी भी प्रदान की जाती है।

औद्योगीकरण के माध्यम से आर्थिक विकास के राष्ट्रीय उद्देश्य के अनुरूप और उपलब्ध विशेषज्ञता के आधार पर, **निम्समे** ने संवर्धन और अन्वेषण के लिए निम्नलिखित क्षेत्रों की पहचान की है।

आवश्यकता आधारित कार्यक्रमों को प्राथमिकता देते हुए सम्मेलनों, संगोष्ठियों और कार्यक्रमों के माध्यम से विशिष्ट सामयिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

मूल्यांकन अध्ययन और प्रकाशन

ग्राहक संचालित दृष्टिकोण और अभिनव हस्तक्षेपों की ओर प्रतिमान परिवर्तन

औद्योगीकरण के माध्यम से आर्थिक विकास के राष्ट्रीय उद्देश्य के अनुरूप और उपलब्ध विशेषज्ञता के आधार पर, निम्समे ने संवर्धन और अन्वेषण के लिए निम्नलिखित क्षेत्रों की पहचान की है।

चित्र 1.3. निम्समे चार्टर

उद्यम संवर्धन और उद्यमिता विकास सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान के कार्यों का केंद्रीय ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, संस्थान की दक्षताएं निम्नलिखित डोमेन पर एकाग्र होती हैं :

- उद्यम सृजन के लिए सक्षमीकरण
- उद्यम विकास और स्थिरता के लिए क्षमता निर्माण
- उद्यम संबंधी ज्ञान का निर्माण, विकास और प्रसार

• नीति निर्माण के लिए नैदानिक और विकास अध्ययन

1.3. संस्थान के ग्राहक

निम्समे सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन सक्रिय होने के कारण केंद्र और राज्य सरकारों, सार्वजनिक क्षेत्रों, बैंकों, प्रमुख संस्थानों, निजी क्षेत्रों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के लिए नीति निर्माण के लिए सहयोग, अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श के बारे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। समाप्त वित्त वर्ष में **निम्समे** द्वारा विभिन्न प्रकार के ग्राहकों को सेवाएँ मुहैया की गई जिनकी सूची निम्नलिखित है :-

तालिका 1.1. संस्थान के ग्राहक

केंद्रीय मंत्रालय/विभाग	राज्य सरकारें
• सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय • विदेश मंत्रालय • अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय • कृषि किसान कल्याण मंत्रालय • विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय • राष्ट्रीय खनिज विकास निगम	29 राज्य और 7 केंद्र शासित प्रदेश
बैंक	निजी संगठन
• लघु औद्योगिक विकास बैंक ऑफ इंडिया • एक्सिस बैंक • येस बैंक	• सिंजेंटा फाउंडेशन • लोकमंगल ग्रूप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स
अंतर्राष्ट्रीय संगठन	
अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ)	गुयाना सरकार

1.4. प्रशासन और प्रबंधन

संस्था के कामकाज का प्रबंधन, प्रशासन, निर्देशन और नियंत्रण भारत सराकार द्वारा गठित शासी परिषद के माध्यम से संस्था नियम और विनियम के नियम 22 (ए और बी) के अनुसार किया जाता है।

श्री नितिन जयराम गडकरी, माननीय केंद्रीय सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्री, भारत सरकार संस्था और शासी परिषद के अध्यक्ष हैं। भारत सरकार के सचिव कार्यकारी समिति (ईसी) के पदेन अध्यक्ष हैं। इस वित्त वर्ष के दौरान कार्यकारी समिति के अध्यक्ष का तीन बार परिवर्तन देखा गय। डॉ. अरुण कुमार पंडा. भा.प्र.से. 30 अप्रैल 2020 को सेवानिवृत्त हुए। श्री अरविंद कुमार शर्मा, भा.प्र.से. ने 30 अप्रैल 2020 को सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव का पदभार संभाला और 10 जनवरी 2021 को उन्हें फिर कार्यमुक्त किया गया। 11 जनवरी 2021 को श्री. बिदयुत बिहारी स्वेन, भा.प्र.से. ने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव पद का कार्यभार संभाला । सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव संस्था के उपाध्यक्ष, शासी परिषद के उपाध्यक्ष और कार्यकारी समिति के अध्यक्ष हैं। सुश्री अलका नांगिया अरोड़ा, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव (लघु और मध्यम उद्यम) हैं। जबकि सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा संस्थान की महानिदेशक हैं।

1.5. शासी परिषद के सदस्य

संस्था के कामकाज का प्रबंधन, प्रशासन, निर्देशन और नियंत्रण संस्था के नियम और विनियमों के अनुसार शासी परिषद के माध्यम से किया जाता है, जिसके 20 सदस्य हैं और महानिदेशक सदस्य सचिव हैं।

1.5.1 शासी परिषद

तालिका 1.2. शासी परिषद के सदस्य

क्र.सं.	नाम	पता	पदनाम
1	श्री नितिन गडकरी	माननीय राज्य मंत्री सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार उद्योग भवन, नई दिल्ली -110011	अध्यक्ष (पदेन)
2	श्री अरुण कुमार पंडा, भा.प्र.से. श्री एके शर्मा, भा.प्र.से. श्री बिदयुत बिहारी स्वेन, भा.प्र.से.	सचिव, भारत सरकार, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, उद्योग भवन नई दिल्ली -110 011	उपाध्यक्ष (पदेन)
3	श्री देवेंद्र कुमार सिंह, भा.प्र.से.	अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (एमएसएमई) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार निर्माण भवन मौलाना आजाद रोड नई दिल्ली -110 011	पदेन सदस्य
4	श्री विजोय कुमार सिंह, भा.प्र.से श्री शशांक प्रिया, आईआरएस	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार उद्योग भवन नई दिल्ली -110011	पदेन सदस्य
5	श्रीमती अलका नांगिया अरोड़ा, आईडीएएस	संयुक्त सचिव (एसएमई) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार उद्योग भवन नई दिल्ली-110011	पदेन सदस्य
6	श्री सुधीर गर्ग, आईआरएसईई	संयुक्त सचिव (कृषि एवं ग्रामीण उद्योग) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार	पदेन सदस्य

		उद्योग भवन नई दिल्ली -110011	
7	चेयरमैन	कयर बोर्ड, कयर हाउस एम.जी. रोड, एर्नाकुलम कोच्चि-682016, केरल	पदेन सदस्य
8	चेयरमैन और प्रबंध निदेशक	भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) एमएसएमई विकास केंद्र सी-11, जी-ब्लॉक, बांद्रा- कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व) मुंबई- 400051 महाराष्ट्र	पदेन सदस्य
9	मुख्य कार्यकारी अधिकारी	खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ग्रामोदय, 3 इरला रोड विले पार्ले (पश्चिम) मुंबई – 400056	पदेन सदस्य
10	चेयरमैन और प्रबंध निदेशक	राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी), एनएसआईसी भवन, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट नई दिल्ली-110020	पदेन सदस्य
11	निर्देशक	उद्यमिता विकास संस्थान (वाया अहमदाबाद हवाई अड्डा और इंदिरा ब्रिज) पीओ भाट-382428, गुजरात	पदेन सदस्य
12	प्रधान सचिव	उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय (एफपी एण्ड एमएसएमई) तेलंगाना सरकार हैदराबाद-50002	मनोनीत सदस्य (कार्यकाल पूर्ण)
13	मुख्य महाप्रबंधक	भारतीय स्टेट बैंक स्थानीय प्रधान कार्यालय हैदराबाद-500 095	मनोनीत सदस्य
14	श्री श्रीचरण कुमार थेटापल्ली	# 16-2-835/8, एच.B नंबर 5/A न्यू सैदाबाद कॉलोनी हैदराबाद - 500 059	मनोनीत सदस्य

15	श्री ए. कृष्णा बालाजी	मैनेजिंग पार्टनर, मेसर्स ललिता मेटल्स, ए1 और 2 एपे ऑटो नगर, विशाखापट्टनम - 530 012	मनोनीत सदस्य
16	श्री वीरमशेट्टी विद्यासागर	प्रबंध निदेशक सागर एशिया ग्रुप 201, दूसरी मंजिल, मेफेयर बिल्डिंग सरदार पटेल रोड सिकंदराबाद-500003 तेलंगाना।	मनोनीत सदस्य
17	श्रीमती याडला गीता गंगाधर	501, आनंद निलयम डॉ. अन्ना दोराई चौधरी लेन अमीरपेट, हैदराबाद-500016	मनोनीत सदस्य
18	श्री राजशेखर शीलवंत	एमजी रोड, सराफ बाजार गुलेगड्डा - 587 203 (कर्नाटक)	मनोनीत सदस्य
19	श्री विजय सुराना जैन	24, जानकीपुरी कॉलोनी करखाना, सिकंदराबाद - 500 003	मनोनीत सदस्य
20	श्री अमरनाथ सारंगौला	बी-411, मनसा, बीएचईएल एक्सीक्यूटीव टॉवर्स, मियापुर, हैदराबाद - 500 050	मनोनीत सदस्य
21	सुश्री ग्लोरी स्वरूपा	महानिदेशक राष्ट्रीय सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम संस्थान, यूसुफगुडा, हैदराबाद-500 045	सदस्य सचिव

1.6. कार्यकारी समिति

कार्यकारी समिति के कार्यों में संस्थान के प्रबंधन की सिफारिश के अनुसार संस्थान की वार्षिक योजनाओं और कार्यक्रमों (प्रशिक्षण, अनुसंधान, परामर्श, अन्य गतिविधियों आदि) पर विचार करना तथा शासी परिषद के अनुमोदन के लिए सिफारिश करना शामिल होता है। कार्यकारी समिति में 9 सदस्यों में **निम्समे** की महानिदेशक सदस्य सचिव के रूप में शामिल हैं।

1.6.1. कार्यकारी समिति के सदस्य

तालिका 1.3. कार्यकारी समिति के सदस्य

क्र.सं.	नाम	पता	पदनाम
1	श्री अरुण कुमार पंडा, भा.प्र.से. श्री एके शर्मा, भा.प्र.से. श्री बिदयुत बिहारी स्वेन, भा.प्र.से.	सचिव, भारत सरकार, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, उद्योग भवन नई दिल्ली -110 011	उपाध्यक्ष (पदेन)
2	श्री देवेंद्र कुमार सिंह, भा.प्र.से.	अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (एमएसएमई) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार निर्माण भवन, मौलाना आजाद रोड नई, दिल्ली -110 011	पदेन सदस्य
3	श्री विजोय कुमार सिंह, भा.प्र.से श्री शशांक प्रिया, आईआरएस	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार उद्योग भवन, नई दिल्ली -110011	पदेन सदस्य
4	श्रीमती अलका नांगिया अरोड़ा, आईडीएएस	संयुक्त सचिव (एसएमई) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011	पदेन सदस्य
5	श्री सुधीर गर्ग, आईआरएसईई	संयुक्त सचिव (कृषि एवं ग्रामीण उद्योग) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार उद्योग भवन नई दिल्ली -110011	पदेन सदस्य
6		रिक्त	
7		रिक्त	
8		रिक्त	
9	सुश्री ग्लोरी स्वरूपा	महानिदेशक राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे) यूसुफगुडा, हैदराबाद-500 045	सदस्य सचिव

1.7. उत्कृष्टता के स्कूल

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम संस्थान **(निम्समे)** अपनी स्थापना से लेकर सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम को सेवाएँ प्रदान कर रहा है। **निम्समे** की बौद्धिक गतिविधियों का संचालन संस्थान के चार उत्कृष्टता के स्कूलों द्वारा अपने ग्यारह केंद्रों के माध्यम से किया जाता है, जिसमें विशिष्ट विषयों के लिए समर्पित चार विषय केंद्रित कोशिकाएं भी शामिल हैं .

चार स्कूलों का विवरण निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

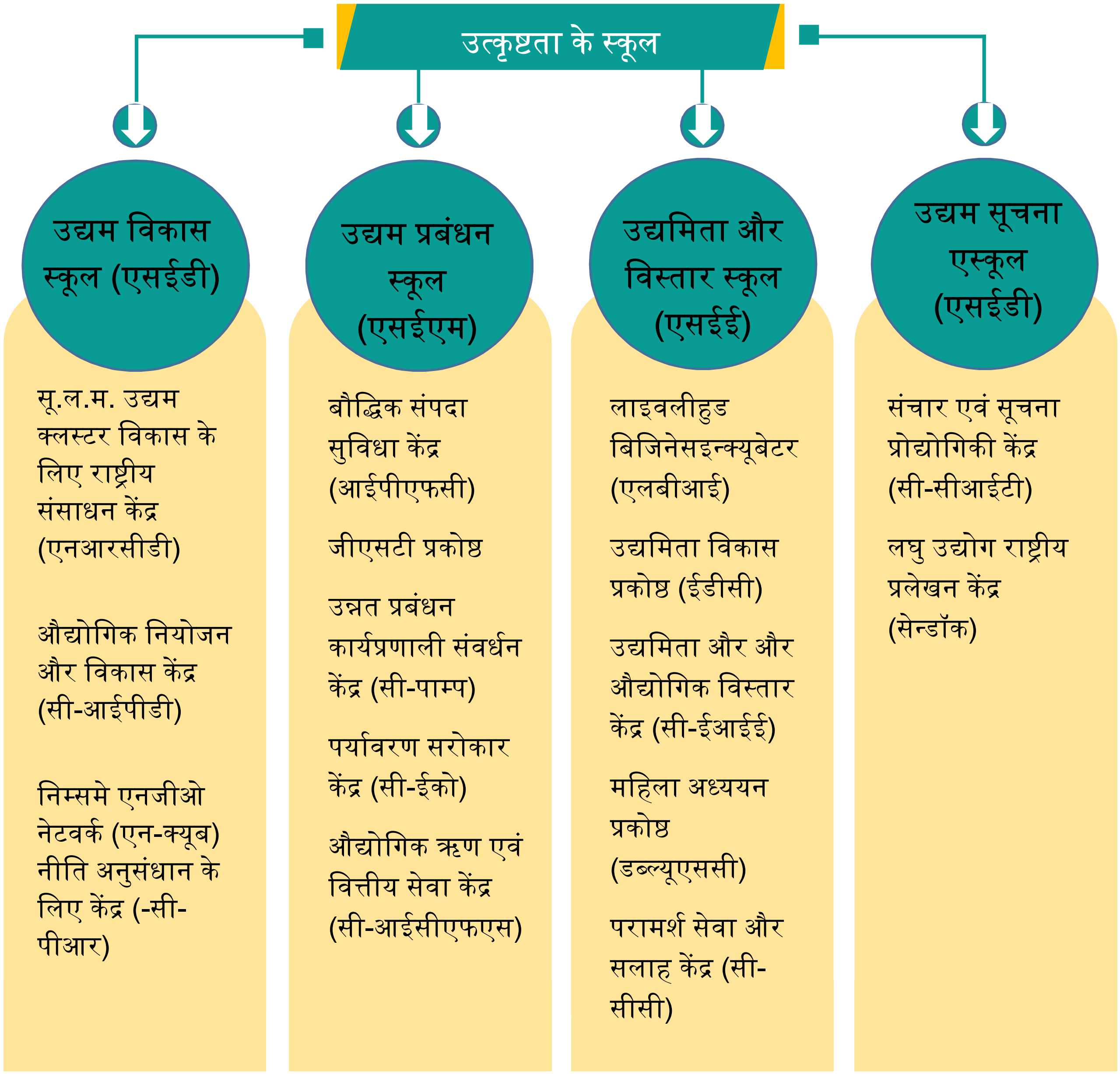

चित्र 1.4. उत्कृष्टता के स्कूल

1.8. आधारभूत सुविधाएं

1.8.1. मौजूदा आधारभूत सुविधाएँ

1.8.1.1. प्रशिक्षण भवन

किसी भी संगठन के बेहतर और कुशल कामकाज का मुख्य आधार बेहतर ढंग से स्थापित बुनियादी सुविधाएँ होती हैं। **निम्समे** की आधारभूत सुविधाएँ संस्थान के कई हेक्टेयर क्षेत्र में उपलब्ध हैं और इन्हें विश्व भर में बेहतरीन सुविधाओं के रूप में जाना जाता है। संस्थान में शिक्षण और प्रशिक्षण के अतिरिक्त उत्कृष्ट पुस्तकालय की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसमें इंटरनेट की सुविधा के साथ ही विशाल और उत्कृष्ट रूप से सुसज्जित वातानुकूलित कक्षाएँ और सम्मेलन कक्ष के अतिरिक्त अत्याधुनिक अनुदेशात्मक एवं कार्यात्मक उपकरण, अत्याधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों के लिए विशिष्ट सॉफ्टवेयर से परिपूर्ण कंप्यूटर,उन्नत लैपटॉप और अन्य अनुदेशात्मक उपकरण जैसी सुविधाएँ **निम्समे** में प्रशिक्षण का एक सुखद अनुभव दिलाती हैं। **निम्समे** परिसर में निम्नलिखित उपलब्ध सुविधाएँ शामिल हैं :

- ऑडिटोरियम : 350 लोगों के बैठने की क्षमता
- सम्मेलन हॉल : 125 लोगों के बैठने की क्षमता
- 18 व्याख्यान हॉल : 30-40 लोगों के बैठके की क्षमता
- सहायक सेवाओं परिपूर्ण संकाय कार्य-स्थल

1.8.1.2. ग्रंथालय

निम्समे का सेन्डॉक भवन देशभर में सबसे उत्कृष्ट विशेषीकृत ग्रंथालय है, जिसमें 40,000 पुस्तकों के साथ ही निम्समे बुलेटिन्स और सेडमे प्रकाशन, 8,100 प्राचीन खंड तथा 100 वर्तमान प्रमुख पत्रिकाएँ, 1,000 प्रोजेक्ट प्रोफाइल और 20,000 समकालीन व्यवसाय रिपोर्टें, इंटरनेट कनेक्टिविटी और प्रलेखन समाधान उपलब्ध हैं।

1.8.1.3. *गेस्ट रूम कॉम्प्लेक्स*

संस्थान परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार आधुनिक सुविधाओं से लैस के स्वच्छ और आरामदेह अतिथि कमरों में 280 से भी अधिक अतिथियों का ठहरने का प्रबंध किया जा सकता है। गेस्ट रूम परिसर में भोजन के लिए साफ-सुथरे कैंटीन की भी सुविधा उपलब्ध है, जो प्रतिभागियों के लिए इस परिसर को अपने घर से दूर रहकर भी घर के समान स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध करता है। संस्थान की इस अतिथ्य सेवा की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :

• पाँच डाइनिंग हॉल सह बहु-व्यंजन शैली का भोजनालय

• अतिथियों और प्रतिभागियों के लिए वातानुकूलित कमरों में प्रबंध

• वीआईपी और गणमान्य हस्तियों के लिए सुइट्स

• सभी कमरों में टीवी, वाई-फाई और इंटरकॉम सुविधा

1.8.1.4. क्लोज्ड सर्किट कैमरे

निम्समे परिसर में अनवरत निगरानी के लिए सभी अहम स्थानों पर कुल 73 सीसी कैमरे स्थापित किये गये हैं, जो मॉनिटरों से जुड़ें हुए हैं।

1.8.1.5. खेल और क्रिडाएँ

संस्थान के प्रतिभागियों में से शारीरिक स्वास्थ्य में रुची रखने वाले उत्साही प्रतिभागियों के लिए परिसर में जॉगिंग ट्रैक और जिम की सुविधा उलब्ध है। इसके अतिरिक्त संस्थान परिसर में टेनिस और फुटबॉल (आउट डोर गेम्स) और बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज तथा कैरम (इंडोर गेम्स) की सुविधा भी उपलब्ध है।

1.8.1.6. चिकित्सा देखभाल

संस्थान परिसर में एक विजिटिंग फिजिशियन की सेवाएँ निर्धारित अवधि के दौरान उपलब्ध हैं, जो आवश्यकता की स्थिति में 24/7 फोन कर प्राप्त की जा सकती हैं।

1.8.1.7. मनोरंजन सुविधाएँ

एम्पीथिएटर 'कलांगन' मनोरंजक संगीतात्मक कार्यक्रमों के मंचन और प्रतिभागियों के लिए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक आदर्श मंच है। परिसर के भीतर स्थित 'म्यूजिंग्ज' एक अन्य खुल स्थान है, जहाँ पर ऊँचे पेडों के बीच छोटा तालाब है।

सामूहिक आयोजनों के लिए यह एक बेहतर स्थान है। 'उत्सव' एक अन्य सुंदर स्थान है, जहाँ पर खुले में बैठकों और सामाजिक समारोह का आयोजन किया जा सकता है। 'हर्बल विस्टा' एक स्थान स्थान है, जहाँ पर औषधी और सुगंधित पौधों को संजोकर रखा गया है। यह आगंतुकों को प्राकृतिक माहौल में समय बिताने का अवसर प्रदान करता है।

1.8.1.8. जल शुद्धीकरण (आरओ) संयंत्र

संस्थान परिसर में स्थित जल शुद्धीकरण (आरओ) संयंत्र सभी भवनों में पेयजल की आवश्यकता की पूर्ति करता है। इससे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों के साथ ही संस्थान के कर्मचारियों करीब 1500 लीटर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जाती है।

1.8.1.9. पार्किंग क्षेत्र

संस्थान परिसर में दो नयी आधारभूत सुविधाएँ विकसित की गई हैं, जिनमें नए प्रशिक्षण भवन से डाइनिंग ब्लॉक को जोड़ने वाला आच्छादित वॉक-वे तथा चार पहिया वाले 16 वाहनों के साथ ही दो-पहिया के 60 वाहन खड़े करने के लिए आच्छादित पार्किंग शामिल है। इसके अतिरिक्त संस्थान परिसर की भूमि को उसके प्राकृतिक स्वरूप के अनुरूप वर्गीकृत कर सुसज्जित और समतल बनाया गया है।

1.8.1.10. वस्त्र धुलाई

संस्थान परिसर में एक साथ थोक में कपड़े धोने और उनका बेहतर रख-रखाव करने के लिए 150 किलोग्राम क्षमता की औद्योगिक वॉशिंग मशीन स्थापित की गई है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए गेस्ट रूम कॉम्प्लेक्स की हर मंजिल पर एक वॉशिंग मशीन स्थापित उपलब्ध कराई गई है।

1.8.1.11. सोलार पैनल

परिसर को हरा-भरा बनाए रखने तथा बिजली की ज़रूरत को पूरा करने के लिए 200 किलेवाट क्षमता के सोलार पैनल स्थापित किए गए हैं।

1.8.2. नई आधारभूत सुविधाएँ

1.8.2.1. निनाद स्टूडियो

महामारी की निरंतर जारी स्थिति के बीच ऑनलाइन माध्यम कामकाज के सामान्य शैली के रूप में हो रहे परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए **निम्समे** द्वारा ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए एक स्टूडियो की स्थापना की है। इस स्टूडियो का उद्घाटन 2 सितंबर 2020 को महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने किया। महानिदेशक ने इसका नाम 'निनाद' रख दिया। इस असर पर **निम्समे** परिवार सदस्यों को संबोधित करते हुए महानिदेशक ने महामारी के विवशतापूर्ण माहौल में इस स्टूडियो की आवश्यकता जताई। उन्होंने संकाय के सभी सदस्यों को अनुदेशात्मक व्याख्यानों, रिकॉर्डिंग और ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन करने के लिएइस स्टूडियो का उपयोग करने की अपील की। इस स्टूडियो में महानिदेशक का साक्षात्कार लेन पर उन्होंने संस्थान के गौरवशाली अतीत की यादों को ताज़ा करते हुए पूरे किए गए कार्यक्रमों तथा विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने स्टूडियो की संकल्पना में साथ देने वाले संकाय दल के सभी सदस्यों को बधाई दी। इसके अलावा उन्होंने 'निनाद' स्टूडियो की स्थापना के प्रयास में संकाय सदस्य श्री जी. सुदर्शन द्वारा किये गये समन्वय के लिए उनकी सराहना की।

चित्र 1.6. निनाद स्टूडियो

1.8.2.2. सोलार एण्ड विंड हाइब्रिड एनर्जी डेमो यूनिट

संस्थान परिसर में विंडस्ट्रीम एनर्जी टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा समर्थित सोलार एण्ड विंड हाइब्रिड एनर्जी डेमो यूनिट स्थापना 12 नवम्बर 2020 को की गई । कंपनी ने अपनी तरह का यह पहला एकीकृत, हाइब्रिड एनर्जी सोल्यूशन विकासित कर इसका परीक्षण किया है और सोलार मिल के रूप में विश्व के 35 से भी अधिक देशों में इसका विपणन और बिक्री की जा रही है। इसका डिज़ाइन हवा की अत्यंत धीमी गति में भी

बिजली का उत्पादन करने के अनुकूल किया गया है । इसे सोलार पैनल भी जोड़कर चौबीसों घंटे और पूरे वर्षभर बिजली का उत्पादन करने के अनुकूल बनाया गया है।

इस यूनिट के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के बीच ऊर्जा के अक्षय ऊर्जा के स्रोतों का उपयोग लोकप्रिय बनाने की दिशा में विंडस्ट्रीम टेक्नोलॉजीज के प्रयासों की सराहना की। प्रबंध निदेशक श्री वेंकट कुमार टंगराला ने कहा कि यह उपकरण वैकल्पिक अक्षय ऊर्जा उत्पादन के उपयुक्त उपकरणों में एक है । वरिष्ठ उपाध्यक्ष (टेक्नोलॉजीज एण्ड मैन्युफैक्चरिंग) श्री टी. वेणु गोपाल ने इसके इंजीनियरिंग से संबंधित पहलुओं के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान ते सदस्य संकायों और अधिकारियों ने भाग लिया।

चित्र 1.7. हाइब्रिड एनर्जी डेमो यूनिट

1.8.2.3. इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन

तेलंगाना राज्य अक्षय ऊर्जा विकास निगम (टीएसआरईडीसी) लिमिटेड समूचे तेलंगाना राज्य में बिजली पर चलने वाले सार्वजनिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन का कार्यान्वयन करने वाली एक नोडल एजेंसी है। इसके द्वारा मार्च 2021 में निम्समे परिसर में दो एसी-001, 10 किलोवाट क्षमता के ईवी चार्जर लगाए गए हैं।

इस सुविधा से एक साथ 4 दो- पहिया और 2 चार पहिया वाहनों को रिचार्ज किया जा सकता है। इसके लिए मंजूरी भारत में ई-वाहनों को बढावा देने के लिए की गई पहल के तहत राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इन्स्ट्रूमेंट्स लि. (आरईआईएल) के माध्यम से फास्टर एडॉप्शन एण्ड मैन्यूफाक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एण्ड इलेक्ट्रिक व्हेहीकल्स इन इण्डिया (एफएएमई-इण्डिया) में दी गई।

चित्र 1.8. इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन

1.8.2.4. नई एआइटी भवन निर्माण

1.8.2.4.1. बुनियादी सुविधाओं की वृद्धि

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान ने नए एटीसी भवन के निर्माण के लिए 16 सितंबर 2020 को केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

हस्ताक्षर समारोह **निम्समे** के मिनी कांफ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया। **निम्समे** की ओर से महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने, जबकि सीपीडब्ल्यूडी, हैदराबाद के एडीजी श्री टी.एस. विवेकानंद की उपस्थिति में सीपीडब्ल्यूडी-2, हैदराबाद के कार्यकारी अभियंता (सिविल) श्री वी. श्रीनिवासुलु ने इस पर हस्ताक्षर किए। श्री एन.एन.एस.एस. राव, मुख्य अभियंता, सीपीडब्ल्यूडी, हैदराबाद तथा **निम्समे** के कर्मचारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री एन.एन.एस.एस. राव ने आश्वासन दिया कि नए एटीआई भवन (जी+3) का निर्माण 15 महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

चित्र 1.9. बुनियादी सुविधाओं की वृद्धि

1.8.2.4.2. शिलान्यास समारोह

गतिविधियों के विस्तार के लिए सुचारू निष्पादन को सुगम बनाने के लिए उपयुक्त बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता होती है। बुनियादी सुविधाओं के घटकों में समुचित भवनों का होना महत्वपूर्ण है। नए भवन का निर्माण भी इसी चरण का एक हिस्सा है।

निम्समे परिसर में नए एआइटी (जी+3) भवन का शिलान्यास 1 अक्तूबर 2020 को दोपहर 12.30 बजे वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से किया गया। यह परियोजना सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा बुनियादी सुविधाओं के विकास तहत शुरू की गई है।

श्री. इस अवसर पर सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव श्री ए.के. शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, मंत्री, भारत सरकार की संयुक्त सचिव सुश्री अलका नांगिया अरोड़ा सम्माननीय अतिथि थीं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने सबी अतिथियों का स्वागत किया।

इस आयोजन में मुख्य अतिथि ने शिलान्यास किया। डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी, संकाय सदस्य (उ.प्र. स्कूल) एवं प्रशासन प्रभारी, **निम्समे**, श्री मुरली किशोर, सहायक रजिस्ट्रार, **निम्समे**, श्री एस.वी.एल. नरसिम्हा राजू, सलीहकार (अभियंता), श्री वी. श्रीनिवासुलु, कार्यकारी अभियंता (सिविल), सीपीडब्ल्यूडी, श्री पी. साई. कोमरेश्वर, कार्यकारी अभियंता (इलेक्ट्रिकल्स), सीपीडब्ल्यूडी, श्री एन. जनार्दन राव, कार्य के ठेकेदार तथा **निम्समे** के संकाय सदस्य एवं अन्य कर्मचारी इस अवसर पर उपस्थित थे। श्री संदीप भटनागर, निदेशक

(विपणन और व्यवसाय विकास), राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (**निम्समे**) ने धन्यवाद ज्ञापित किये।

चित्र 1.10. शिलान्यास समारोह

1.9. कर्मचारियों की संख्या

संस्थान में 31 मार्च, 2021 तक कार्यरत कर्मचारियों की संख्या नीचे की तालिका में दी गई है :

तालिका 1.4. कर्मचारियों की संख्या

श्रेणी	स्वीकृत संख्या	भर्ती पद	रिक्त पद
ग्रूप - ए	23	17	06
ग्रूप - बी	06	03	03
ग्रूप - सी	95	36	59
कुल	124	56	68

1.10. निम्समे का संगठनात्मक स्वरूप

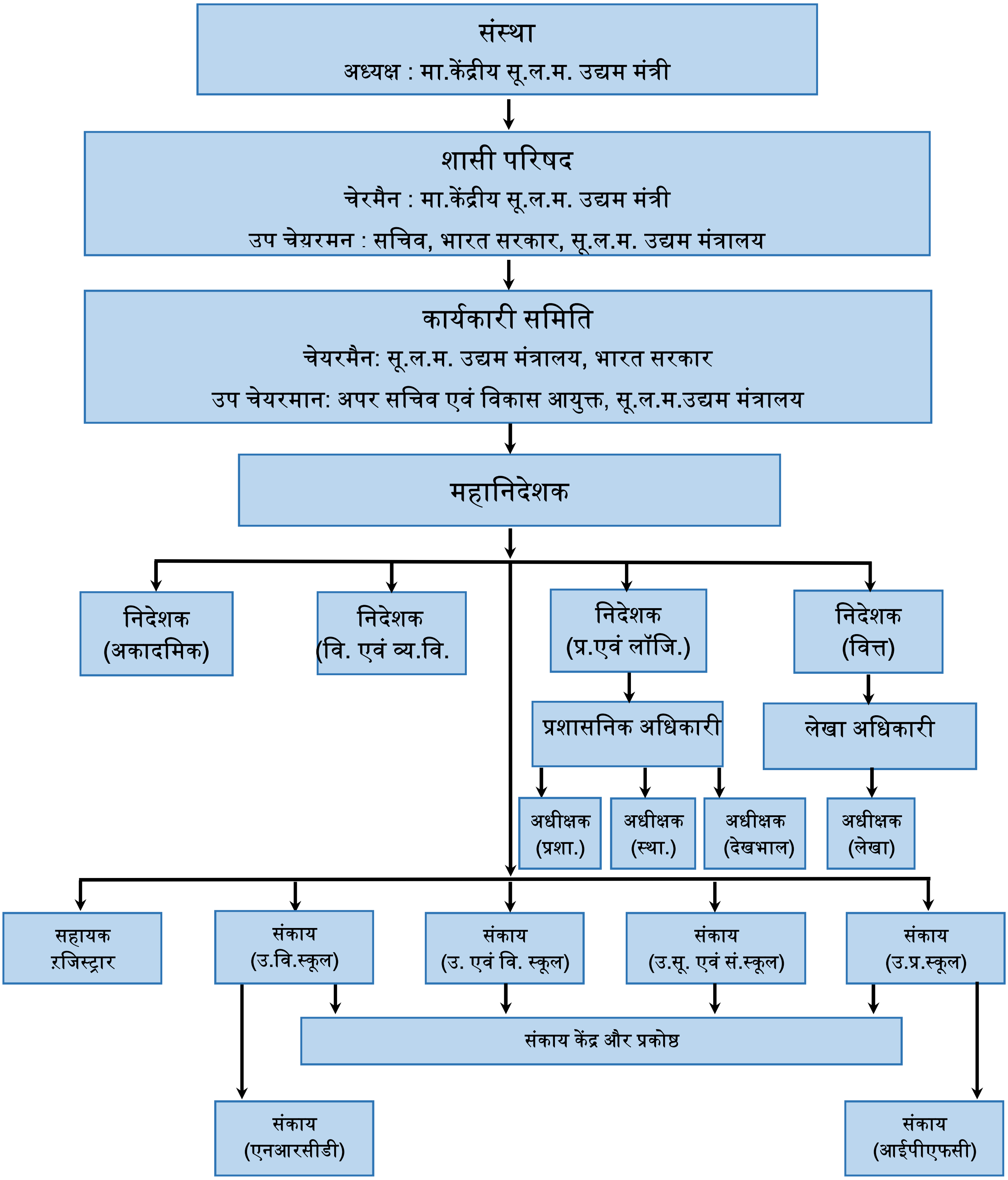

चित्र 1.11. निम्समे का संगठनात्मक स्वरूप

1.11. अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक की गतिविधियाँ

निम्नलिखित तालिका में 01.04.2020 से 31.03.2021 की अवधि में आयोजित कार्यक्रमों, प्रतिभागियों को प्रशिक्षितों के साथ प्रस्तुत किए गए प्रस्तावों का विवरण दिखाया गया है :

तालिका 1.5. गतिविधियों का विवरण

क्र.सं.	गतिविधियाँ	संख्या
1.	अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	06
2.	प्रायोजित कार्यक्रम	64
3.	घोषित कार्यक्रम	19
4.	संगोष्ठयाँ और कार्यशालाएँ	03
5.	उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम	77
6.	वेबिनार	54
7.	प्रशिक्षित प्रतिभागी	11883
8.	अनुसंधान	02
9.	परामर्श	25
10.	प्रस्तुत प्रस्ताव	82

2. अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

2.1. एएआरडीओ द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम

2.1.1. सू.ल.म. उद्यमों के विकास के लिए अनुकूलनीय अभिनव रणनीतियाँ (एआईएसएसडी)

हर चुनौती को पार करने के लिए एक या एक से अधिक की बाधा को पार करना जरूरी होता है। जबकि जरूरतों को पूरा करने के लिए कल्पनाशील सुधारात्मक प्रणालियों और कृतियों की आवश्यकता होती है। इसलिए, जैसा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी कहते हैं कि हर चुनौती को एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। यही बात कोविड-19 महामारी के साथ लागू होती है।

निम्समे द्वारा सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के विकास के लिए अनुकूलनीय अभिनव रणनीतियाँ विषय पर दो सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 20 से 31 जुलाई 2020 तक किया गया, जो अफ्रीकी -एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) द्वारा प्रायोजित था। इस कार्यक्रम में 16 देशों के सभी 46 अधिकारियों ने साझीदार देशों द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों संबंधी अपनाई जा रही नीतियों तथा लागू की जा रही योजनाओं के साथ ही सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के विकास के लिए अनुकूलनीय अभिनव रणनीतियों के बारे में चर्चा की। इस कार्यक्रम से प्रतिभागियों को सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों को आविष्कारो और नवाचारों के लिए आवश्यक समर्थन तथा मार्गदर्शन मिला।

चित्र 2.1. सू.ल.म. उद्यमों के विकास के लिए अनुकूलनीय अभिनव रणनीतियाँ

इस कार्यक्रम का उद्घाटन ए.ए.आर.डी.ओ. के महासचिव डॉ. मनोज नरदेव सिंह ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों से संकाय के साथ चर्चा कर प्रशिक्षण कार्यक्रम से अधिकाधिक लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया। इससे पहले **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विकास से संबंधित **निम्समे** की गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इससे पूर्व प्रारंभ में कार्यक्रम निर्देशक श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ ने प्रतिभागियों और विशेषज्ञों का स्वागत किया। उद्घाटन समारोह का समापन डॉ. एस. एम. ओवैस, प्रमुख (क्षमता निर्माण और विकास परियोजनाएँ) द्वारा किये गये धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

इस आयोजन में मुख्य रूप से चैम्पियन्स के लिए सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम नीति, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के लिए योजनाएँ और कार्यक्रम, क्लस्टर रणनीति, ब्राण्डिंग और विपणन, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विकास के लिए संगठनात्मक ढाँचों, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), निर्यात, मेक इन इंडिया और कोविड -19 से निपटने के लिए नवाचारों पर चर्चा की गई। इन सत्रों का संचालन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान संकाय ने किया, जिन्होंने भारत में हो रहे आविष्कारों और नवाचारों के बारे में भी जानकारी दी। प्रतिभागियों ने अपने –अपने देशों में अपनाये जा रहे नवाचारों को साझा किया और विचारों का आदान-प्रदान करने के साथ ही विभिन्न देशों में कानूनों के किये जा रहे नियमन के कारण महसूस की जा रही खामियों के बारे में चर्चा की। प्रत्येक सत्र के बाद प्रश्न और उत्तर राउंड का आयोजन किया गया। जिनमें प्रतिभागियों ने एक-दूसरे के साथ-साथ तथा वक्ताओं के साथ बातचीत की।

अतिथि वक्ताओं में उद्योग क्षेत्र के कुछ अग्रणी और बौद्धिक एवं प्रतिष्ठित लोग शामिल थे। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ बातचीत करने और अपने ज्ञान के साथ अनुभवों को साझा करने के लिए अपनी व्यस्त जीवन शैली में से भी समय निकाला। इनमें खास तौर पर नेशनल इन्नोवेशन फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. अनिल गुप्ता, ज्योति लैब्स के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के उल्लास कामत, सामाजिक उद्यमी और अनुभवी संरक्षक श्री पार्थो पी. कार, सिडबी के अधिकारी श्री सुनील चौधरी, उद्योग विशेषज्ञ श्री कामेश्वर राव एवं सीमेन्स के श्री अय्यप्पन रामस्वामी ने नवाचार के प्रोत्साहन, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के लिए भारत में उपलब्ध अवसरों, स्टार्ट-अप के लिए वित्तीय उत्पादों तथा सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों एवं अवसरों के साथ ही व्यापार के नीतिगत सिद्धांतों के बारे में भी जानकारी दी। तेलंगाना सरकार के प्रमुख सचिव जयेश रंजन ने महामारी के दौरान उभरती प्रौद्योगिकियों पर प्रतिभागियों को संबोधित

किया और कुछ पहलों का उल्लेख किया जो अपने-अपने देशों में सरकारी अधिकारियों द्वारा की जा सकती हैं।

समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने ई-प्रशिक्षण पर संतोष व्यक्त करते हुए इस आयोजन के लिए एएआरडीओं तथा **निम्समे** के प्रति आभार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उपयोगी रहा और इसमें प्राप्त जानकारी को वे अपने कार्य स्थलों में लागू करेंगे। डॉ. ओवैस ने प्रशिक्षुओं के प्रयासों और उनकी सक्रिय सहभागिती की सराहना की।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने अपने महामारी और अपने-अपने कार्यालयीन कामकाज के बावजूद प्रतिभागियों ने एक-दूसरे से कुछ नया सीखने के लिए समय निकाला। उन्होंने प्रतिभागियों से वर्तमान में सबसे तेजी से बढ़ते हुए स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में नवाचारों के बारे में सोचने की अपील की। इसके अलावा उन्होंने फील्ड लेवल इम्प्लीमेंटेशन पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया।

2.1.2. इन्नोवेटिव एग्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज एंड ग्रीन टेक (आईएएफईजी)

निम्समे और एएआरडीओ का एक-दूसरे का साथ सहयोग दशकों पुराना है। दोनों संगठन प्रगति के मार्ग पर काफी आगे बढ़े हैं। आजयिजत कार्यक्रम इसस्थिति का सहसास करनाने वाला एक अद्भुत अवसर साबित हुआ।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान ने 16 से 26 नवंबर 2020 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से "इनोवेटिव एग्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज एंड ग्रीन टेक" पर दो सप्ताह के अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम एएआरडीओ द्वारा प्रायोजित था। इस कार्यक्रम में 15 विभिन्न देशों के अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों और परियोजना अधिकारियों से मिलकर 41 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संस्थान के उद्यमिता और विस्तार स्कूल के सह-संकाय डॉ. श्रीकांत शर्मा, और उद्यम विकास स्कूल के सह-संकाय श्री जे. कोटेश्वर राव ने इस कार्यक्रम का निर्देशन किया।

कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) के महासचिव डॉ. मनोज नरदेव सिंह ने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने का आग्रह किया। **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि **निम्समे** विकासशील देशों में कृषि खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास और ग्रामीण क्षेत्रों में इसके महत्व की जानकारी देने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। दोनों संगठनों में आपसी सहयोगात्मक गतिविधियों से प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से ग्रामीण विकास के लिए परियोजनाओं का विकस करने

और लागू करना संभव हो जाएगा। भारत सरकार ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कार्यक्रम शुरू किए हैं।

अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) के क्षमता निर्माण और विकास परियोजनाओं (सीबी एण्ड डीपी) डिवीजन के प्रमुख डॉ. एस. एम. ओवैस ने प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों पर ज़ोर दिया, जो सदस्य देशों में ग्रामीण विकास के लिए सीधे तौर पर मददगार हो सकते हैं। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में एएआरडीओ की ओर से श्री मोहसिन भी उपस्थित थे।

इस ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन वेबएक्स के माध्यम से किया गया था, जिसका उद्देश्य कृषि खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों और हरित प्रौद्योगिकी क्षेत्र में प्रतिभागियों के बीच उद्यमशीलता संस्कृति पैदा करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना था। इसमें आइडिया फॉर ए एंटरप्राइज, एग्रो फूड प्रोसेसिंग मेथड्स, स्मॉल बिजनेस में सोलर एप्लीकेशन्स, एग्रीकल्चर सेक्टर, फल और सब्जियाँ , सोलर डिहाइड्रेटर्स, फिश प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन के पहलू, आईपीआर, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम नीतियाँ और योजनाएँ, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के लिए मार्केटिंग, खादी और पावर लूम क्लस्टर अप्रोच जैसे विभिन्न विषयों पर भी सत्रों का संचालन किया गया।

इस कार्यक्रम में बेहतर अनुभव रखने वाले गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ही अपने-अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले व्यावहारिक विशेषज्ञों संकाय ने अपनी सेवाएँ प्रदान की। कार्यक्रम के समापन समारोह के दौरान **निम्समे** की महानिदेशक ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्हें प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त व्यावहारिक प्रदर्शन ज्ञान का उपयोग उद्यमियों को कृषि, खाद्य और हरित तकनीक अनुप्रयोगों के बारे में मर्गदर्शन करने के साथ ही स्वयं का उद्यम शुरू करने के करने की सलाह दी। उन्हें कहा कि इस कार्यक्रम में प्राप्त ज्ञान सभी प्रतिभागियों के देशों में आवश्यक पहलुओं के कार्यान्वयन के साथ ही उनके हितधारकों के सशक्तीकरण में लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने प्रतिभागियों को अपनी सफलता की कहानियाँ **निम्समे** के साथ साझा करने की भी सलाह दी। अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) के क्षमता निर्माण एवं विकास परियोजना (सीबी एंड डीपी) डिवीजन के प्रमुख डॉ. एस. एम. ओवैस ने पूरे कार्यक्रम के दौरान सक्रिय भागीदारी के लिए प्रतिभागियों के साथ ही **निम्समे** के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रश्न और उत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षुओं की सभी शंकाओं का समाधान किया गया।

चित्र 2.2. इनोवेटिव एग्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज एंड ग्रीन टेक (आईएएफईजी)

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आकलन और फीडबैक ऑनलाइन लिया गया। विभिन्न देशों के प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लेने के बाद अपनी विकास योजना के बारे में प्रस्तुति दी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान के संकाय ने इन योजनाओं को लागू करने में भविष्य के मार्गदर्शन और सुझावों में हर संभव सहयोग का करने का आश्वासन दिया। प्रतिभागियों को वर्चुअल माध्यम से प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम निर्देशक डॉ. श्रीकांत शर्मा ने कहा कि भारत सरकार ने हाल ही में कृषि खाद्य प्रसंस्करण उद्यम क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की है ताकि इसे एक व्यवहार्य रूप दिया जा सके और किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। इस तरह के कार्यक्रमों से सरकारी दृष्टिकोण को जमीनी स्तर तक हकीकत में लाना संभव हो जाएगा। प्रतिभागियों ने कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें अपनी वर्तमान सेवाओं में दक्षता बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी।

2.1.3. आईसीटी और ई-गवर्नेंस के साथ ग्रामीण समूहों का विकास

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान ने 30 नवम्बर से 10 दिसंबर 2020 तक आईसीटी और ई-गवर्नेंस के साथ ग्रामीण समूहों के विकास पर एक ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में 12 देशों के कुल 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया। ग्रामीण समूहों के विकास और बाजार विकास, निगरानी और मूल्यांकन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों के अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एएआरडीओ के महासचिव डॉ. मनोज नरदेवसिंह ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने सदस्य देशों के हित के लिए अनुकूलित कार्यक्रम तैयार करने के लिए **निम्समे** के प्रति आभार जताया। इस उम्मीद में कि इस कार्यक्रम से आगे हस्तक्षेप और सार्थक परिणाम होंगे, उन्होंने

आवश्यकता आधारित हस्तक्षेपों और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का आग्रह किया। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने कोविड-19 महामारी जैसे संकट के दौरान ऑनलाइन प्रशिक्षण की पहल के लिए एआरडीओ की सराहना की। उन्होंने इस तरह के हस्तक्षेपों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और प्रशिक्षण और परियोजनाओं सहित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान द्वारा की गई पहलों को रेखांकित किया। उन्होंने ग्रामीण विकास के लिए क्लस्टर रणनीति और क्लस्टर विकास में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान के अनुभवों की प्रासंगिकता को बताया। कार्यक्रम का निर्देशन श्री के. सूर्यप्रकाश गौड और श्री संदीप भटनागर ने किया।

श्री गौड़ ने कोल्हापुर टेक्सटाइल क्लस्टर, पुणे इंजीनियरिंग क्लस्टर तथा मुबारकपुर हैण्डलूम क्लस्टर के हितधारकों/उद्यमियों के साथ मिलकर क्लस्टर अवधारणाओं तथा कार्यप्रणाली, क्लस्टर निदान के महत्व, रणनीतिक हस्तक्षेपों को डिजाइन करने, पिछड़े और आगे के संपर्कों को मजबूत करने के लिए बुनियादी ढाँचे के विकास की आवश्यकता तथा मूल्यवर्धन के लिए हस्तक्षेप के बारे में जानकारी दी। चर्चा के दौरान, कॉयर बोर्ड, खादी और ग्रामोद्योग आयोग तथा वस्त्र मंत्रालय द्वारा प्रचारित कयर और ग्राम उद्योग समूहों संबंधी केस स्टडीज प्रस्तुत की प्रस्तुति की गई तथा अवधारणाओं की बेहतर समझ के लिए वृत्तचित्र फिल्में दिखाई गईं।

कार्यक्रम के समापन के दौरान, एएआरडीओ के प्रमुख (क्षमता निर्माण एवं विकास परियोजनाएँ) डॉ. एस. एम. ओवैस ने प्रतिभागियों के सक्रिय सहयोग की सराहना करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम में समूहों के महत्व, समूहों के सामने आने वाली समस्याओं और उन पर काबू पाने के तरीकों का अच्छा प्रदर्शन किया गया। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान के महानिदेशक ने ऑनलाइन मार्केटिंग, क्लस्टर डेवलपमेंट तथा इंटरनेट बैंकिंग के लिए सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के डिजिटाइजेशन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने डिजिटाइजेशन पर 3 लाख से अधिक सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम को प्रशिक्षित करने के लिए मास्टर कार्ड के साथ किये गये समझौते की भी जानकारी दी।

चित्र 2.3. आईसीटी और ई-गवर्नेंस के साथ ग्रामीण समूहों का विकास

2.1.4. खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण के लिए सतत ग्रामीण विकास

खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी पर सतत ग्रामीण विकास (एफपीटीआरडी) पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन 22 फरवरी, 2021 को किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दो सप्ताह अर्थात 04 मार्च 2021 तक चला, जिसे एएआरडीओ दवारा प्रायोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में 13 विभिन्न देशों के अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों तथा परियोजना अधिकारियों के साथ कुल 53 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का निर्देशन संस्थान के उद्यमिता और विस्तार स्कूल के सह-संकाय सदस्य डॉ. श्रीकांत शर्मा ने किया। अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) के महासचिव डॉ. मनोज नार्डियो सिंह ने कार्यक्रम के उद्घाटन भाषण में प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाब उठाकर जानकारी प्राप्त करने का आग्रह किया।. उन्होंने विश्व में सतत ग्रामीण विकास को प्राप्त करने के लिए खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के महत्व पर जोर दिया।

निम्समे की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि **निम्समे** ने भारत के साथ ही विदेशों के ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का विकास साध्य करने में मदद की है। डॉ. सिंह ने कहा कि **निम्समे** तथा एएआरडीओ हमेशा ही एक – दूसरे के लिए भरोसेमंद साझेदार रहे हैं। उन्होने प्रौद्योगिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से ग्रामीण विकास के लिए संयुक्त परियोजनाओं को विकसित करने और लागू करने की अपार संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में श्री मोहसिन, क्षमता निर्माण तथा विकास

परियोजनाएँ (सीबी एण्ड डीपी) डिवीजन, एएआरडीओ तथा एएआरडीओ के प्रमुख डॉ. एस. एम. ओवैस भी मौजूद थे।

यह कार्यक्रम गूगल मीट के जरिए ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवीनतम खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों पर ज्ञान प्रदान करना था। इसमें बागवानी, पोल्ट्री, डेयरी, मांस प्रसंस्करण, मछली प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, बाजरा, इनक्यूबेशन, पैकेजिंग, क्लस्टर विकास, बौद्धक संपदा अधिकार (आईपीआर), विपणन, निर्यात और ग्रीन टेक अनुप्रयोगों में विशेषज्ञता के साथ अन्य विषयों के बारे में अनुभवी संकाय द्वारा सत्रों का संचालन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न देशों के प्रतिभागियों ने अपने देश की कृषि स्थिति और भविष्य के लिए विकास योजना के बारे में प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों ने सत्रों की सराहना की और उनमें से कुछ ने भविष्य में सहयोग करने के लिए अपनी रुचि व्यक्त की।

चित्र 2.4. खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण के लिए सतत ग्रामीण विकास

कार्यक्रम के समापन समारोह का आयोजन 4 मार्च 2021 को किया गया, जिसमें एएआरडीओ के प्रमुख क्षमता निर्माण एवं विकास परियोजनाओं (सीबीएंड डीपी) डिवीजन, डॉ. एस. एम. ओवैस ने पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी और निम्समे के प्रयासों की सराहना की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आकलन और फीडबैक ऑनलाइन आयोजित किया गया। विभिन्न देशों से आए प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लेने के बाद अपनी विकास योजना के बारे में प्रस्तुति दी।

निम्समे के संकाय ने प्रतिभागियों को उनकी योजनाएँ साकार करने के लिए भविष्य में अपनी ओरप से हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। सभी को वर्चुअल मोड से प्रमाण पत्र वितरण किये गये। कार्यक्रम निर्देशक डॉ. श्रीकांत शर्मा ने कहा कि भारत सरकार ने हाल ही में कृषि-खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की है, ताकि इसे एक व्यवहार्य उद्यम में बदल दिया जा सके और कृषक समुदाय को वित्तीय रूप से सशक्त बनाया जा सके। प्रतिभागियों ने कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें अपनी वर्तमान सेवाओं में अपनी दक्षता बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण के क्षेत्रों में अनुभवों और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की सराहना की और उनमें से कुछ ने भविष्य में सहयोग करने के लिए अपनी रुचि व्यक्त की।

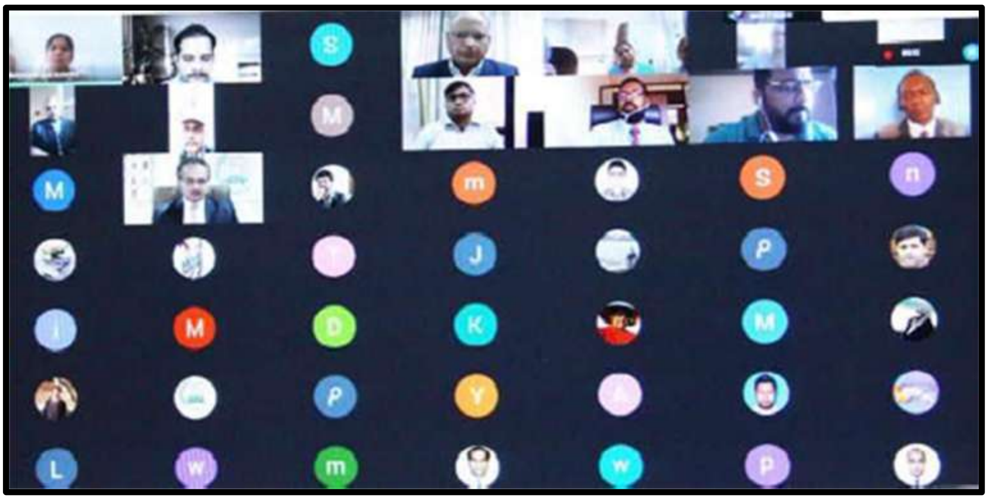

चित्र 2.5. खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण के लिए सतत ग्रामीण विकास पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का समापन

2.1.5. अफ्रीकी-एशियाई देशों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए डिस्रपटीव एग्री टेक पर कार्यक्रम

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान की ओर से 15 से 25 मार्च 2021 तक एएआरडीओ द्वारा प्रायोजित अफ्रीकी-एशियाई देशों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए 'डिस्रपटीव एग्री टेक' पर कार्यक्रम (डीएटीईसी) पर दो सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका औपचारिक उद्घाटन 15 मार्च को किया गया। कार्यक्रम निर्देशक डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी, संकाय सदस्य ने 18 देशों के सभी 57 प्रतिभागियों का स्वागत किया। महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने प्रतिभागियों को 'डिस्रपटीव एग्री टेक' (डीएटी) और विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में उत्पादन की स्थिरता पर इसके प्रभाव के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुँच के बारे में जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों से डीएटी को समझने और अपने-अपने देशों में इसे लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने 2020-21 में पांच कार्यक्रमों को प्रायोजित करने के लिए अराडो को धन्यवाद दिया।

उद्घाटन समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ संगठन राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद, के महानिदेशक डॉ. पी चंद्र शेखर उपस्थित थे। उन्होंने डीएटी की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इसके परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्थाओंमें किसानों को आंका जा सकता है। उन्होंने व्यवहार्य और लागत प्रभावी कृषि प्रौद्योगिकियों पर भी ध्यान आकर्षित किया, जो इन दोनों महाद्वीपों में गरीब और सीमांत किसानों के लिए मददगार साबित होंगे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मनोज नरदेव सिंह, महासचिव, अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) उपस्थित थे। उन्होंने दो सप्ताह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। उन्होंने प्रतिभागियों को डीएटी प्रौद्योगिकियों के बारे में सर्वोत्तम ज्ञान प्राप्त करने और किसानों के लिए बेहतर रिटर्न प्राप्त करने के लिए उन्हें लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि डीएटी के उपयोग से न केवल घरेलू माँग को पूरा करने के लिए,बल्कि अन्य देशों को उत्पादों का निर्यात करने में भी मदद मिलेगी।

दो सप्ताह के इस कार्यक्रम में 16 सत्र शामिल थे। जिनमें प्रशिक्षण विषय से संबंधित कृषि-तकनीकी, स्टार्टअप्स आदि के बारे में जानकारी देने वाले विशेष व्याख्यान शामिल थे।

चित्र 2.6. अफ्रीकी-एशियाई देशों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए डिस्रपटीव एग्री टेक पर कार्यक्रम।

इन विषयों में डीएटी की समझ और उपयोग, कृषि तकनीकी के माध्यम से कृषि उत्पादकता के लिए सलाह और सूचना, विकासशील देशों में कृषि तकनीक को बढ़ावा देने के लिए सरकारी नीतियाँ, कृषि आधारित समूहों में प्रौद्योगिकी व्यवधान, कृषि में डिजिटल व्यवधान, मशरूम की खेती में नवाचार और तकनीकी हस्तक्षेप, छोटे किसानों तक बाजार पहुँच के लिए तकनीकी हस्तक्षेप, डिजिटल रूप से सक्षम कृषि उपकरण सेवा इनपुट क्रेडिट प्लेटफॉर्म, ई-वैलेट और बीमा उत्पाद, डेटा एनालिटिक्स और एग्रीकल्चरल इंटेलिजेंस, किसानो की आबादी के लिए कृषि तकनीकी के प्रसार के तरीके, विकासशील देशों में निर्यात आधारित कृषि रणनीति, कृषि और खाद्य उत्पादों की निर्यात क्षमताएँ और छह नवोद्यमों की प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम के समापन समारोह का आयोजन 25 मार्च 2021 को किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के बारे में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान, मैनेज, आईसीआरआईसैट, डिजिटल ग्रीन और आईआईआईटी हैदराबाद के विशेषज्ञों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की सराहना की। डॉ. एस. एम. ओवैस, प्रमुख क्षमता निर्माण एवं विकास परियोजनाएँ (सीबी एण्ड डीपी) डिवीजन, एएआरडीओ ने समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, ने प्रतिभागियों को डीएटी के प्रसार में वक्ताओं द्वारा दी गई जानकारी की सराहना।

महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों को किसानों की बेहतर आय का लक्ष्य साध्य करने के लिए प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त ज्ञान उपयोग में लाने अपील

की। उन्होंने कहा कि देशों को कृषि-खाद्य निर्यात बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। दो सप्ताह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम निर्देशक डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी द्वारा दिये गये धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

2.2. विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम

2.2.1. हेल्थकेयर क्षेत्र में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देने पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

निम्समे द्वारा हेल्थकेयर सेक्टर में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देने पर एक सप्ताह के ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन 22 से 26 मार्च 2021 तक किया गया, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के आईटीईसी कार्यक्रम के अंतर्गत प्रायोजित था। इस कार्यक्रम का समन्वय सुश्री वी. स्वप्ना तथा संकाय सदस्य श्री जी. सुदर्शन ने किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हेल्थकेयर क्षेत्र में स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा किए गए सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा करना था।

पेरू, वियतनाम, थाईलैंड, कीनिया, मॉरीशस, लाओस, अजरबेजान, सेंट किट्स और नेविस, मालदीव, जॉर्डन, तुर्कमेनिस्तान, नाइजीरिया और कोटे डी आइवर जैसे विकासशील देशों के कुल 19 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित किया गया था और गूगल क्लासरूम के माध्यम से पठन सामग्री मुहैया की गई थी। इस कार्यक्रम में उद्यमिता, भारत में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, संस्थागत सहायता, बाजार सर्वेक्षण, व्यापार योजना तैयार करने, बौद्धिक संपदा रणनीति और हेल्थकेयर क्षेत्र में अभिनव प्रौद्योगिकियों की अवधारणा को शामिल किया गया। इन सत्रों में हेल्थकेयर सेक्टर में सफल स्टार्ट-अप्स की यात्रा भी शामिल थी।

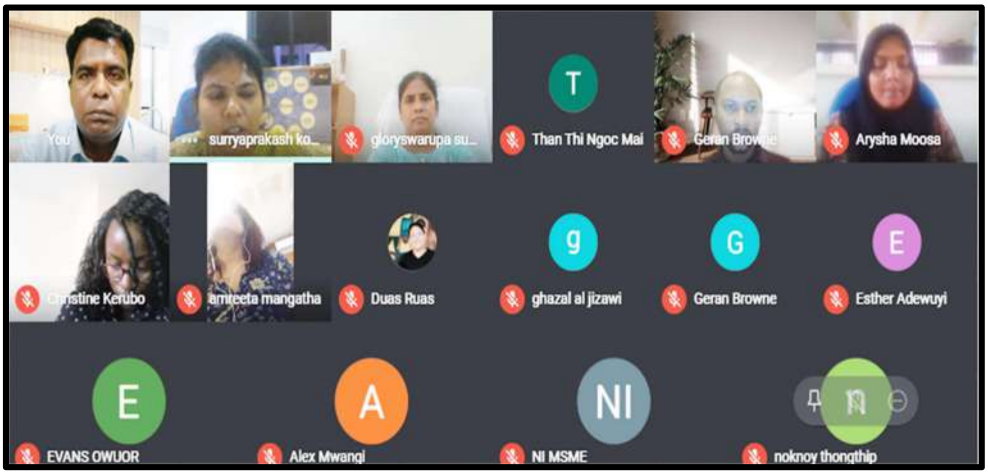

चित्र 2.7. हेल्थकेयर क्षेत्र में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देने पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में रुचि दिखाने के लिए सभी प्रतिभागियों की सराहना की। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि इस कार्यक्रम से विभिन्न देशों के बीच स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं के ज्ञान प्रसार और आदान-प्रदान में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी ने हेल्थकेयर स्टार्टअप्स के लिए बहुत सारे अवसर प्रदान किए हैं। उन्होंने कुछ भारतीय स्टार्टअप्स पर भी प्रकाश डाला, जिन्होंने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कॉस्ट इफेक्टीव और सहज सुलभ प्रौद्योगिकियों को उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न व्यापार मॉडलों को अपनाया है। सत्रों का संचालन **निम्समे** के आंतरिक संकाय के अलावा बाहरी वक्ताओं ने भी किया। इनमें डॉ. रेनू जॉन, सीएफएचई, आईआईटी हैदराबाद, डॉ. एच. पुरुषोत्तम, डीआईआईपीटी, आईपीआर चेयर प्रोफेसर, आंध्र विश्वविद्यालय तथा सुश्री हेतिका शाह, 4एस शील्ड स्टार्ट-अप की संस्थापक शामिल थी।

प्रतिभागियों ने स्टार्ट-अप के लिए अपने देश की पहल और हेल्थकेयर क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में भी प्रस्तुति दी।

समापन के अवसर पर अपने संबोधन में महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने कार्यक्रम के सफल समापन के लिए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने प्रतिभागियों से प्राप्त ज्ञान का अपने-अपने देशों में उपयोग करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने अपनी सफलता की कहानियाँ को **निम्समे** के साथ साझा करने का भी प्रतिभागियों के सुझाव दिया। प्रतिभागियों ने संचालित सत्रों की सराहना करते हुए कहा कि दिये गए ज्ञान से उन्हें अपने-अपने देशों में स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

उन्होंने भारतीय हेल्थकेयर स्टार्ट-अप्स द्वारा विकसित अभिनव प्रौद्योगिकियों की भी सराहना की।

2.3. केन्या के पूर्व छात्रों की वर्चुअल बैठक

22 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए एक आभासी पूर्व छात्रों की बैठक आयोजित की गई थी. पूर्व छात्रों की बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों के साथ चर्चा करना और उनके देश की विशिष्ट आवश्यकताओं से परिचित होना था। पूर्व छात्रों ने प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श के क्षेत्रों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान से केन्या तक सुप-पोर्ट का अनुरोध किया।

एएफएम (सीईई) डॉ. श्रीकांत शर्मा और और सलाहकार विवेक कुमार ने कार्यक्रम का समन्वय किया। इससे पहले विपणन एवं व्यापार विकास निदेशक श्री संदीप भटनागर ने

इसके आयोजन के उद्देश्य की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से केन्या और **निम्समे** दोनों अपनी-अपवनी विभिन्न आवश्यकताओं पर आपसी सहयोग में मदद मिलेगी।

इसके बाद एफएम उ.वि.स्कूल, श्री के सूर्यप्रकाश गौड़ ने संक्षिप्त प्रस्तुति दी। अपनी प्रस्तुति में श्री गौड़ ने जारी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि कैसे **निम्समे** ने युगांडा, इरिट्रिया और घाना के लिए देश विशिष्ट परियोजनाओंक संचालन किया है।

इसके बाद केन्या की ओर से श्री जेरेमी एम द्वारा एक संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान चयनित क्षेत्रों में कौशल वृद्धि के साथ केन्या के लघु और मध्यम उद्यमों की सहाता कर सकता है । उन्होंने भारत की बैंक लिंकेज एक्टिविटी की भी सराहना की और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान से इस संबंध में समर्थन का अनुरोध किया। इसी प्रकार श्री डेविड, श्री केनेथ, सुश्री क्रिस्टीना और सुश्री हैना ने भी निम्समे से उपयोगी सुझाव और अपनी उम्मीदों की जानकारी दी।

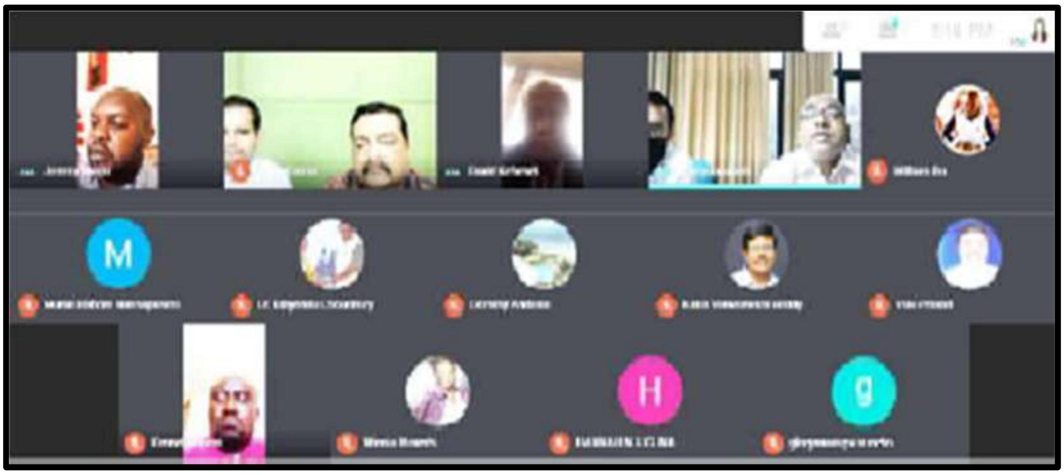

चित्र 2.8. केन्या के पूर्व छात्रों की वर्चुअल बैठक

इस असर पर एफएम डॉ. दिब्येन्दु चौधरी ने बहुमूल्य जानकारियाँ दी और केन्या के लिए अभिनव उपाय कौन-कौनसे किये जा सकते हैं इस बारे में सुझाव दिये। इस दौरान सभी सहभागियों ने आपसी चर्चा भी की, जिसमें उन्होंने विशिष्ट विभागों में अपनी चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद **निम्समे** के सदस्य संकाय ने संभावित समाधान भी सुझाये।

महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने भी इस वर्चुअल मीट को संबोधित किया। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रतिभागी संबंधित विभागीय प्रमुखों के साथ समन्वय कर सकते हैं। उन्हों सभी प्रतिभागियों से **निम्समे** के साथ पत्राचार के माध्यम से सम्पर्क बनाए रखने की भी अपील की। उन्होंने कृषि-पर्यटन के बारे में श्री केनेथ द्वारा प्रस्तुत विचार का विशेष रूप से

उल्लेख करते हुए उसे योजना बद्ध रूप से उचित प्रस्ताव बनाने का भी सुझाव दिया। उन्होंने अन्य केन्याई प्रतिभागियों द्वारा दिए गए सभी सुझावों पर भी अपनी टिप्पणी की।

प्रतिभागियों को गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी ईमानदारी से फीड-बैक देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उपस्थितों ने कार्यक्रम के संचालन में **निम्समे** के प्रयास की सराहना की।

संकाय सदस्य, (उ.प्र.स्कूल) डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए बैठक के दौरान हुई सभी बातों और चर्चा पर प्रकाश डाला।

3. वेबिनार

3.1. कोविड -19 के माहौल में सू.लघु.म. उद्यमों की चुनौतियाँ और पुनरुद्धार

कोविड -19 महामारी ने राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के कामकाज को एक तरीके से बाधित किया है। आपूर्ति श्रृंखला के साथ गतिविधियाँ व्यावहारिक रूप से ठप हो गई हैं।सकल घरेलू उत्पाद के तीन प्रमुख घटक निजी खपत, निवेश और बाहरी व्यापार बुरी तरह प्रभावित हैं। यह प्रकोप भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियाँ पैदा कर रहा है, जिससे माँग और आपूर्ति दोनों पक्ष तत्वों पर गंभीर विरपरीत प्रभाव पड़ रहा है, जिसमें देश के विकास की गति धीमी करने की भी क्षमता है। लगातार लॉकडाउन के विस्तार और परिचालन ठप होने की स्थिति से कई छोटे व्यवसाय पूकी तरह बंद होने की स्थिति में पहुँचे हैं। इसे जानने के लिए **निम्समे** ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रौद्योगिकी द्वारा सुविधाजनक मामले की जाँच करने और विचारों को एकत्र करने की पहल की।

चित्र 3.1. कोविड -19 के माहौल में सू.लघु.म. उद्यमों की चुनौतियाँ और पुनरुद्धार

इस संदर्भ में **निम्समे** द्वारा ने 27 अप्रैल 2020 को कोविड -19 के माहौल में सू.लघु.म. उद्यमों की चुनौतियाँ और पुनरुद्धार विषय पर एक विशेष वेबिनार का आयोजन किया ।

इस असर पर पैनल में उद्योग विशेषज्ञों, बैंकरों और उद्यमियों को आमंत्रित किया गया था। वेबिनारक में सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के प्रतिनिधियों के अपनी शंकाएँ स्पष्ट करने के लिए कहा गया ।

पैनल के विशेषज्ञों में श्री संजय जैन, क्षेत्रीय प्रभारी और महा प्रबंधक, सिडबी, श्री देबाशीष मिश्रा, बिजनेस हेड (एणएसएमई) और उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, श्री वी. पद्मानंद, ग्रांट थॉर्नटन इंडिया एलएलपी के साझेदार, श्री हेमांग पालन, उद्यमी, पालन उद्योग शामिल थे। कार्यक्रम का निर्देशन **निम्समे** के संकाय सदस्य डॉ. दिब्येन्दू चौधरी तथा श्री सूर्यप्रकाश गौड़ ने किया।

इस वर्चुअल वेबिनार में 110 प्रतिभागी शामिल हुए। उनेहोंने कई सवाल पूछे, जिनमें से अधिकांश बैंकिंग और वित्तीय मदद तथा वित्तीय संकट से निजात के बारे में थे।

इस चर्चा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को नकदी प्रवाह की कमी दूर करने के लिए उचित उपायों की जानकारी दी गई। यह हस्तक्षेप भारत सरकार और नीति निर्माताओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जिससे कोविड -19 के कारण उत्पन्न तात्कालिक संकट दूर कर धन का प्रवाह सुनिश्चित किया जा सकता है। इसी के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा 1 लाख करोड़ रुपये की राहत निर्धारित की गई है। हालाँकि यह कहाँ तक पर्याप्त है यह वास्तविक समय मेंस्पष्ट हो जाएगा। इसके अतिरिक्त बाधाओं की पहचान करने ने और उन्हें दूर करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही संवितरण के ढाँचे की निगरानी और संशोधन की भी आवश्यकता जताई गई।

3.2. बौ.सं. वाणिज्यीकरण : सू.ल.म. उद्यम विकास के लिए अनुशंसित रणनीतियाँ

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2020 के अवसर पर 29 अप्रैल 2020 को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान के बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र (आईपीएफसी) ने क्लेरिवेट एनालिटिक्स के सहयोग से " आईपी व्यावसायीकरण के लिए पथ : सू.ल.म. उद्यमों के विकास के लिए अनुशंसित रणनीतियाँ" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया । यह कार्यक्रम के लिए सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के विकास आयुक्त (सू.ल म.उ.) ने समर्थन दिया था।

चित्र 3.2. बौ.सं. वाणिज्यीकरण : सू.ल.म. उद्यम विकास के लिए अनुशंसित रणनीतियाँ

इस वर्ष का विषय 'इन्नोवेट फॉर ए ग्रीन फ्यूचर' रखा गया था। वेबिनार के दौरान सुश्री रिधमा धर, आईपी सॉल्यूशन्स कंसल्टेंट, क्लेरिवेट एनालिटिक्स, दक्षिण पूर्व एशिया ने बौद्धिक संपदा के वाणिज्यीकरण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में चुनौतियाँ, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के अंतर को दूर करने के उपाय, पेटेंट अनुसंधान और विश्लेषण के माध्यम से सफलता प्राप्त करने के महत्व के बारे में जानकारी दी। **निम्समे** के आईपीएफसी प्रकोष्ठ की सह-संकाय सुश्री वी. स्वप्ना ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के संवर्धन के लिए विभिन्न सरकारी पहलों पर चर्चा की।

इस वर्चुअल वेबिनार के लिए करीब 122 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया। वक्ताओं ने प्रतिभागियों से कई सवाल किए। अधिकांश प्रश्न स्टार्ट अप और बौ.सं. अधिकारों की प्रतिपूर्ति से संबंधित योजनाओं पर थे।

इस वेबिनार को अच्छी प्रतिक्रिया मिली । प्रतिभागियों ने कहा कि वेबिनार व्यावहारिक और लाभगदायक रहा।

3.3. सू.ल.म. उद्यमों के निर्यातकों पर कोविड-19 का प्रभाव: चुनौतियाँ और मार्ग

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के निर्यातकों पर कोविड महामारी के परिणाम के स्वरूप और सीमा का आकलन करने के उद्देश्य से **निम्समे** द्वारा 4 मई 2020 को सू.ल.म. उद्यमों के निर्यातकों पर कोविड -19 का प्रभाव और मार्ग विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के उत्पागदों का निर्यात बनाए रखने और और उसे बढ़ाने के अवसरों की पहचान करना था।

इस आयोजन में वक्ता के रूप में श्री के. उन्नीकृष्णन, उप महानिदेशक, एफआईईओ (दक्षिणी क्षेत्र), श्री रामनाथन अय्यर, पूर्व अफ्रीकी प्रमुख, मार्स्क लॉजिस्टिक्स उपस्थित थे। डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी, फैकल्टी मेंबर, निम्समे इस वेबिनार के निर्देशक थे।

इस आयोजन में डॉ. रेड्डी ने कहा कि भारतीय सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम निर्यात सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में शामिल होगा। खास तौर पर कालीन, हस्तशिल्प, जूते, जवाहरात और आभूषण, समुद्री और शीघ्र नाशक वाली वस्तुओं के श्रम प्रधान क्षेत्र प्रभावित होंगे। रद्द किये गये आदेशों के कारण नुकसान की सीमा 25 अरब डॉलर तक हो सकती है। हालाँकि अमरिकी डॉलर की तुलना में रुपये का अवमूल्यन और भुगतान के संकट में संतुलन होगा ।

चित्र 3.3. सू.ल.म. उद्यमों के निर्यातकों पर कोविड-19 का प्रभाव: चुनौतियाँ और मार्ग

श्री अय्यर ने भारतीय सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के लिए विपरीत परिस्थितियों को अवसर में बदलने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि चीन विरोधी वैश्विक भावना एक बड़ा अवसर है, खासकर जापान और अमेरिका जैसे देश पहले ही चीन में स्थापित अपने व्यवसायों को स्थानांतरित करने की घोषणा कर चुके हैं। महामारी से संबंधित स्वास्थ्य और चिकित्सा संबंधी उत्पादों ने वैश्विक स्तर पह बढ़ती माँग ने निर्यात के नए द्वार खोल दिये हैं।

श्री उन्नीकृष्णन ने निर्यात में मंदी से उबरने में निर्यातकों की मदद करने के लिए एफआईईओ की भूमिका का विस्तार से वर्णन किया, जो जटिल मूल्य श्रृंखला संबंधों, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोटिव उत्पादों की विशेषता वाले क्षेत्रों में अधिक भारी होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि स्थिरता, कौशल उननयन और त्वरित अनुकूलनशीलता ही वर्तमान समय की माँग है। वक्ताओं की प्रस्तुतियों के बाद हुए प्रतिभागियों को सवाल पूछने का अवसर दिया गया।

कार्यक्रम निर्देशक ने पैनल वक्ताओं श्री उन्नीकृष्णन और श्री रामनाथन अय्यर को सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के निर्यातकों की चिंताओं को दूर करने और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन करने बहुमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद देते हुए समापन किया। विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 64 प्रतिभागियों ने इस वेबिनार में भाग लिया।

3.4. कोविड-19 परवर्ती समय में सू.ल.म. उद्यमों के लिए वित्तापूर्ति चुनौतियाँ और अवसर

भारत में कोविड-19 लॉकडाउन के कारण सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम शायद सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। उद्योगों पर कोविड-19 के प्रभाव के जवाब में केंद्र सरकार और ङारतीयरिज़र्व बैंक ने महामारी के कारण संकट से सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों को संकट से उबारने के लिए विभिन्न उपायों की घोषणा की। इसी क्रम में सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के संवर्धन और विकास के लिएप्रमुख क्षमता निर्माण प्रशिक्षण संस्थान होने के नाते **निम्समे** द्वारा 6 मई 2020 को कोविड-19 परवर्ती समय में सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के लिए वित्तपोषण की चुनौतियाँ और अवसर विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया ।

इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के वित्तपोषण संबंधी चुनौतियों को समझने और उन्हें दूर करने में मदद करना, कोविड -19 के माहौल में नए अवसरों तथा रेटिंग की पहचान करना था।

चित्र 3.4. कोविड-19 परवर्ती समय में सू.ल.म. उद्यमों के लिए वित्तापूर्ति चुनौतियाँ और अवसर विषय पर वेबिनार

वेबिनार पैनल के वक्ताओं में श्री टी. सी प्रसाद, लागत और प्रबंधन सलाहकार, श्री विद्या सागर, एसोसिएट डायरेक्टर और रेटिंग हेड, केयर रेटिंग्स तथा डॉ. ई. विजया, संकाय सदस्य, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान शामिल थी। इस कार्यक्र में 98 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कई प्रतिभागियों ने विशिष्ट वक्ताओं से विभिन्न बिंदुओं पर स्पष्टीकरण हासिल किया। अधिकांश प्रश्न सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के वित्तपोषण योजनाओं और सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों की रेटिंग के बारे में थे।

वेबिनार ने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के बारे में अपने बहुमूल्य समय, ज्ञान और अनुभव को साझा करने के लिए सभी वक्ताओं को धन्यवाद की अभिव्यक्ति के साथ संपन्न किया .

3.5. कोविड -19 के बाद क्लस्टरों का प्रबंधन

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान के एनआरसीडी की ओऱसे 8 मई 2020 को कोविड-19 के बाद क्लस्टरों के प्रबंधन पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में नोडल एजेंसियों, तकनीकी एजेंसियों, कार्यान्वयन एजेंसियों, क्लस्टर विकास अधिकारियों, विकास एजेंसियों तथा क्लस्टरों के एसपीवी सदस्यों सहित कुल 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एनआरसीडी के संकाय सदस्य और वेबिनार समन्वयक श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ ने तोविड-19 महामारी के कारण सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम समूहों की समस्याओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के लिए यह सही समय है कि वे कोविड-19 के प्रभावों से बचने के लिए उचित रणनीतियों की रूपरेखा बनाकर अपने व्यावसायिक संचालन की समीक्षा करें।

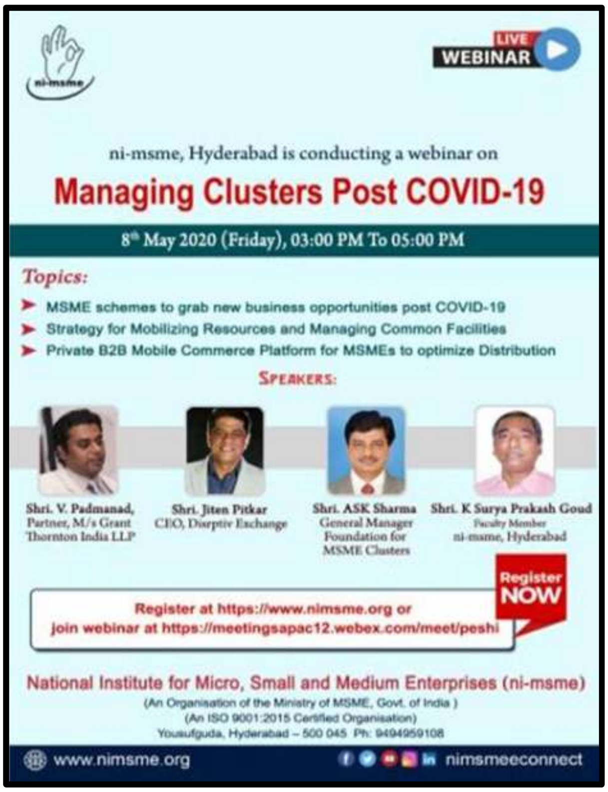

चित्र 3.5. कोविड -19 के बाद क्लस्टरों का प्रबंधन

मेसर्स ग्रांट थॉर्नटन इंडिया एलएलपी के पार्टनर श्री वी. पद्मनाद ने संभावित और अभ्यास करने वाले उद्यमियों के साथ-साथ क्लस्टरों के लिए उपयुक्त सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम योजनाओं पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। क्लस्टरों के हितधारकों और राज्य सरकारों की भूमिका तथा परियोजना कार्यान्वयन के मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

विघटनकारी एक्सचेंज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री जितिन पिटकर ने कोविड -19 के दौरान निर्माताओं, ब्राण्ड आपूर्तिकर्ताओं और वितरकों के सामने आने वाली अभूतपूर्व और असाधारण चुनौतियों पर प्रकाश डाला। एक तरफ आपूर्ति श्रृंखला में इन्वेंट्री आंदोलन या तो रुक गया है या गंभीर रूप से खंडित है, जबकि दूसरी ओर माल की माँग में तेजी से वृद्धि हुई है। सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम क्लस्टरों के लिए फाउंडेशन के महाप्रबंधक श्री ए.एस.के. शर्मा ने सीएफसी के प्रबंधन संबंधी चुनौतियों और रणनीतियों पर चर्चा की। साथ ही

कोविड के प्रभाव, लागत में वृद्धि और बेहिसाब खर्च, एसपीवी प्रमोटरों के शुद्ध मूल्य, एसपीवी से अलग होना, एसपीवी सदस्यों के बीच संघर्ष, खरीद मानदंडों से संबंधित चुनौतियाँ, निविदाओं के लिए खराब प्रतिक्रिया और संबंधित विभागों से आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सत्र में पैनल सदस्यों ले प्रतिनिधियों से सवाल पूछे।

3.6. बी यूवर ओन बॉस

बी यूवर ओन बॉस वेबिनार का आय़ोजन 13 मई 2020 को किया गया । इस वेबिनार का उद्देश्य युवाओं को नौकरी देने वाले करियर के चयन के लिए प्रेरित करना यानी स्वरोजगार और रोजगार सृजन का विकल्प चुनना था।

वर्चुअल स्पेस में पैनल स्पीकर के रूप में हिस्सा लेने वाले डोमेन एक्सपर्ट्स में संस्थान के तीन फैकल्टी मेंबर्स श्री जी. सुदर्शन, डॉ. ई विजया और डॉ. के विश्वेश्वर रेड्डी शामिल थे।

श्री सुदर्शन ने एक छोटा व्यवसाय शुरू करने, वित्तपोषण और संस्थागत सहायता तथा सरकारी योजनाओंके बारे में भी चर्चा की। डॉ. विजया ने वित्तीय नियोजन, पंजीकरण प्रक्रिया और माल और सेवा कर (जीएसटी) का रिटर्न जमा करने के बारे में जानकारी दी। जबकि डॉ. विश्वेश्वर रेड्डी ने प्रॉडक्ट सेलेक्शन और मार्केट सर्वे के बारे में जानकारी दी। इस वेबिनार में 45 उम्मीदवारों ने उम्मीदवारों ने भाग लिया।

3.7. कोविड-19 परवर्ती काल में ग्रीन टेक्नोलॉजीज में व्यापार के अवसर

नवीकरणीय ऊर्जा को पारम्परिक ईंधनों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड रहा है। कोविड -19 से प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं को पुनर्जीवित करने के कार्य का सामना करते हुए, कई देश अपने नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) संवर्धन एजेंडा त्याग रहे हैं। कुछ ऊर्जा समृद्ध अर्थव्यवस्थाएँ पर्यावरणीय प्रतिबंधों को भी शिथिल कर रही हैं। भारत भी बिजली क्षेत्र के लिए बेलआउट पैकेज की घोषणा करने के लिए तैयार है।

इस पृष्ठभूमि में, **निम्समे** द्वारा 13 मई 2020 को कोविड-19 परवर्ती काल में ग्रीन टेक्नोलॉजीज में व्यापार के अवसर विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें उद्योग विशेषज्ञों, बैंकरों और उद्यमियों को संसाधन व्यक्ति के रूप में शामिल किया गया था। यह वेबिनार केवल सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमो के लिए था। सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के सभी प्रतिनिधियों को अपनी शंकाएँ पूछने का अवसर दिया गया। इस आयोजन में सोलर

टेक्नीशियन और सोलर कंसल्टेंसी एग्जिक्युटिव्स का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 100 प्रतिभागी मौजूद थे।

पैनल में सुरभि इंस्टीट्यूट फॉर रिन्यूएबल एनर्जी हैदराबाद के सलाहकार कर्नल डॉ. टी.एस. सुरेंद्र शामिल थे। श्री एन. रामचंदर, एसोसिएट प्रोफेसर, ईईई विभाग, बीवीआईटी, हैदराबाद शामिल थे। **निम्समे** के एसोसिएट फैकल्टी मेंबर, श्री जे. कोटेश्वर राव ने कार्यक्रम का निर्देशन किया। इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य प्रदूषण रहित प्रोद्योगिकियों के बारे में जानकारी प्रदान करना था।

चित्र 3.6. कोविड-19 परवर्ती काल में ग्रीन टेक्नोलॉजीज में व्यापार के अवसर

इस आयोजन में प्रदूषण रहित प्रौद्योगिकियों, जल संरक्षण, ऊर्जा दक्षता, पर्यावरण गुणवत्ता, नवाचार और विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर ध्या केंद्रित किया गया। पैनल के वक्ताओं ने सवालों के जवाब के साथ स्पष्टीकरण दिये। **निम्समे** द्वारा इस वेबिनार के नतीजों ने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम इको सिस्टम और नीति निर्माताओं को नई दिशा दी ।

3.8. सू.ल.म. उद्यमों के लिए डिजिटल और सोशल मीडिया मार्केटिंग रणनीतियाँ

कोविड महामारी के बाद की स्थिति हमारे लिए अपने आपको बदलने के लिए मजबूर करने वाली एक दीर्घावधि मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया बनने की संभावना है। घटती माँ के बीच उपभोक्ताओं के विश्वास जीतने के लिए विपणनकर्ताओं के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह परिवर्तनों के अनुकूल अपने आप को परिवर्तित इसे ध्यान में रखते हुए, **निम्समे** द्वारा 20 मई 2020 को सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के लिए डिजिटल और सोशल मीडिया मार्केटिंग रणनीतियों पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

इस आयोजन के अंतर्गत पैनल में विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री विजय नाडिमिंडटी मुख्य परिचालन अधिकारी, आईडिया, हैदराबाद तथा डॉ. दिब्येन्दू चौधरी, फैकल्टी मेंबर, **निम्समे** एवं श्री सत्य प्रसाद, वरिष्ठ संकाय सलाहकार, **निम्समे** ने सत्रों का संचालन किया।

श्री विजय नाडिमिंडटी ने कहा कि दुनिया भर के ब्रांड महामारी से प्रभावित अस्थिर कारोबारी माहौल में समस्याओं से गुज़र रहे हैं। नवाचार संचालित रिमोट वर्किंग सिस्टम और डिजिटल मार्केटिंग स्ट्रैटेजी पर इस स्थिति में मुख्य रूप से ध्यान देना चाहिए। डॉ. दिब्येन्दू चौधरी ने व्यवसाय के मॉडलों में आए बदलाव की जानकारी दी। इस संकट की स्थिति में डिजिटल मार्केटिग रणनीति ही उपभोक्ताओं तक पहुँचने का कारगर तरीका साबित हो सकती है।

चित्र 3.7. सू.ल.म. उद्यमों के लिए डिजिटल और सोशल मीडिया मार्केटिंग रणनीतियाँ

श्री सत्य प्रसाद ने कार्पोरेट सेशियल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) पर ध्यान केंद्रित करते हुए समाज को कुछ लौटाने की स्थिति पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म ही सीएसआर गतिविधियों के संचालन और उत्पाद बहाजार में उतारन का आदर्श तरीका है। उन्होंने कही कि अनुकूलनशीलता से ही हम संकट से बाहर आ सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग अलग-थलग रहकर कार्य नहीं कर सकता। उन्होंने ऑनलाइन से ऑफलाइन, और ऑफलाइन से ऑनलाइन जाने आदतों को समझने पर ही उपभोक्ताओं के बर्ताव को पहचाना चा सकता है। हमारा ध्यान इसी पर केंद्रित होना चाहिए।

3.9. ई-गवर्नेंस: नीति निर्माण, कार्यान्वयन और मूल्यांकन

नीति निर्माण, कार्यान्वयन और मूल्यांकन पर एक वेबिनार का आयोजन 21 मई 2020 को किया गया। इस कार्यक्रम में तीन बाहरी विशेषज्ञों के साथ संस्थान के संकाय ने सत्रों का संचालन किया। सभी विशेषज्ञों का परिचय **निम्समे** की कार्यक्रम समन्वयक सुश्री सौम्या ने दिया। पैनल सदस्यों में ई-गवर्नेंस (सेंटर ऑफ गुड गवर्नेंस) की निदेशक श्रीमती अर्पिता खरे, श्री विष्णु चंद्रा, उप महानिदेशक (राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र), श्री दीपक उप्पल, निदेशक सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के सलाहकार (पीडब्ल्यूसी) तथा डॉ. गुरप्रीत सिंह गिल, वरिष्ठ संकाय सलाहकार, उद्यम विकास स्कूल, शामिल थे।

वेबिनार की शुरुआत ई-गवर्नेंस, इसकी पृष्ठभूमि और सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की विभिन्न पहलों की जानकारी देने के साथ हुई। सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय तथा राज्यों द्वारा की गई पहलों पर भी इसमें चर्चा की गई। इसके बाद विभिन्न राज्यों में ई-गवर्नेंस की पहल की रूपरेखा तैयार की गई। इस बात पर जोर दिया गया कि सभी राज्य सरकारें अब अपना ध्यान जी 2 सी पर स्थानांतरित कर रही हैं। ई-ऑफिस ई-मेला, उत्तर प्रदेश में लोकवाणी परियोजना, राजस्थान में ई-मित्र परियोजना, केरल में परियोजना मित्र, आंध्र प्रदेश में ई-सेवा, ज्ञानदूत और अन्य जैसी राज्य पहलों पर चर्चा की गई .

इस अवसर पर भारत में ई-गवर्नेंस के अंकर्गत डिजिटल सुविधाओं के बुनियादी ढाँचे का निर्माण और राष्ट्रीय सूचना केंद्र (एनआईसी) की अनिवार्यता के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही इसके वाहकों, बुनियादी सुविधाओँ, नेशनल जीई-विजन एवं हितधारकों के लिए उपलब्ध भू-स्थानिक डेटा के बारे में जानकारी दी गई। ई-ऑफिस, ई-वे बिल, ई-कोर्ट, इंटर ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस), ई-ट्रांसपोर्ट, नेशनल पॉवर पोर्टल और ओपन गवर्नमेंट डेटा जैसे गवर्नेंस के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म और सेवाओं क बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

चित्र 3.8. ई-गवर्नेंस: नीति निर्माण, कार्यान्वयन और मूल्यांकन

इस दौरान चर्चा के अन्य बिंदु थे- सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों की वृद्धि में तेजी लाने में ईज ऑफ डुइंग बिजनेस (ईओडीबी) की भूमिका, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के प्रमुख आंकडों के साथ विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों की भी जीनकारी दी गई, जिनमें लगभग 6.33 करोड़ उद्यम है, जिनमें से 99.4% सूक्ष्म उद्यम हैं। यह भी बताया गया कि ईओडीबी में वर्ष 2020 में भारत 190 देशों में 69वें स्थान पर रहा। 2018 में बिजनेस रिफॉर्म्स एक्शन प्लान (बीआरएपी) को 372 एक्शन पॉइंट्स पर अपडेट किया गया। तेलंगाना 2016 में पहला और 2018 में दूसरा स्थान था।

वेबिनार का यह निष्कर्ष निकाला गया कि विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग और उद्योगों के साथ प्रौद्योगिकी साझेदारी ही समग्र विकास तथा ई-गवर्नेंस प्रक्रिया लागू करने के लिए महत्वपूर्ण है ।

3.10. लॉकडाउन के बाद सू.ल.म. उद्यमों के लिए नवाचार महत्वपूर्ण

निम्समे द्वारा द्वारा सिडबी और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साथ साझेदारी में 22 मई 2020 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इसका विषय लॉकडाउन के बाद सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के नवाचार महत्वपूर्ण रखा गया था। इस कार्यक्रम को इंस्टा बी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रायोजित किया गया। इसमें लगभग सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं, उद्यमियों और छात्रों के साथ कुल 97 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

चित्र 3.9. लॉकडाउन के बाद सू.ल.म. उद्यमों के लिए नवाचार महत्वपूर्ण

सत्र के दौरान इंस्टा बी प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक कल्लू विनय कुमार रेड्डी ने आगे की राह पर उद्यमी के नजरिए के बारे में बताया। हंसा इक्विटी पार्टनर्स के संस्थापक और साझेदार श्री सुनेल रेगुला ने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विकास और स्थिरता पर निवेशकों के नजरिए पर प्रकाश डाला।

निम्समे के निदेशक (एम एंड बीडी) श्री संदीप भटनागर ने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के लिए नवाचार के तरीकों का सुझाव दिया। सिडबी के क्रेडिट वर्टिकल के जीएम श्री अशोक पांडे ने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के लिए व्यापार निरंतरता उपायों और समर्थन प्रणाली

को स्पष्ट किया, जबकि सीआईआई राष्ट्रीय सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम परिषद के सह-अध्यक्ष श्री अशोक सहगल ने रेखांकित किया कि फुर्तीला व्यवसाय व्यापार की दुनिया का नेतृत्व करेंगे, बाद में कोविड -19 और यह भी सुझाव दिया कि व्यवसायों को बदलते वातावरण के माध्यम से अधिक अनुकूली, लचीला और रचनात्मक होने की जरूरत है।

3.11. खुदरा व्यवसाय की चुनौतियों और अवसरों का पुनरावलोकन

महामारी के वर्तमान माहौल के मद्देनज़र **निम्समे** द्वारा 27 मई 2020 को सायं 4.00 से 5.00 बजे तक एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार का सबसे प्रमुख उद्देश्य भारतीय खुदरा उद्योगों में मौजूदा चुनौतियॉ और उनका समाधान था।

सुश्री दीप्ति अग्रवाल, मानव संसाधन और रणनीति सलाहकार ने टीमों के साथ लगातार जुड़े रहने, दोबारा सेवा लेने, पुनर प्रशिक्षण और फ्लेक्स अप करने की क्षमता के साथ कर्मचारियों को फिर से शामिल करने पर बात की। बिक्री आधारित असाधारण पहल के लिए रचनात्मक प्रोत्साहन योजनाओं की पेशकश करने तथा यातायात डेटा के लिए कर्मचारियों का उपयोग करने की उन्होंने सलाह दी । लक्जरी कनेक्ट और लक्जरी कनेक्ट बिजनेस स्कूल के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अभय गुप्ता ने लक्जरी खुदरा बिक्री की तुलना में कोविड संदर्भ में चुनौतियों के बारे में अपने विचार साझा किए। सुश्री इंदु नायर, सह-संस्थापक, आसमी डिजाइन एलएलपी और ihaworld.com. ने आपूर्ति श्रृंखला और व्यवधान के महत्वपूर्ण प्रभावों के बारे में बताया। यदि व्यवधान विस्तारित अवधि के लिए जारी रहते हैं, तो प्रभाव गंभीर हो सकता है।

सीनियर फैकल्टी कंसल्टेंट सुश्री ज्योति गुप्ता ने कहा कि आज खुदरा विक्रेताओं के सामने बड़ी चुनौती महामारी के कारण व्यवधान है। भारतीय खुदरा विक्रेताओं को परिचालन सुधार के माध्यम से अपनी लागतों का प्रबंधन करते हुए "नाऊ", "नेक्स्ट" एण्ड "बियॉन्ड" के लिए रणनीतियाँ तैयार करना आवश्यक है। स्टोर पोर्टफोलियो का मूल्यांकन करके, वे नए उपभोक्ता की सेवा के लिए सेवा, अनुभव और ओमनी-चैनल में भी निवेश करते हैं।

3.12. उद्यमिता से अपना भविष्य सुनिश्चित बनाएँ

तकनीकी उन्नति के साथ ही बौद्धिक संपदा को अधिक महत्व प्राप्त हो रहा है। सभी प्रकार की प्रौद्योगिकी एक बौद्धिक नवाचार है और इसीलिए वह निर्माता की संपत्ति होती है। विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजन्स का उदय और प्रसार नाटकीय रूप से नवाचार के मूल्यों को बढ़ाता है और उसे अत्यंत सावधानी के साथ संरक्षित करने की जरूरत होती है।

निम्समे में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र की ओर से 27 से 29 मई 2020 तक ऑक्सिलियम बिजनेस इन्कयूबेशन सेंटर ऑफ ऑक्सिलियम कॉलेज के सहयोग से उद्यमिता के माध्यम से अपने भविष्य की सुनिश्चिति विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर की वर्चुअल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। श्री गुमानकरण, माथा एजुकेशनल ट्रस्ट नेइस आयोजन में एनजीओ साझेदार के रूप में भाग लिया। इस संगोष्ठी में रसायन विज्ञान (आईपीआर सेल) की सहायक प्रोफेसर डॉ. सुगंता कुमारी वी. और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एबीआईसी) के प्रमुख एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. बेल्लाह सुरेश सह समन्वयक थे। इस संगोष्ठी का संचालन ऑडेशियस ड्रीम्स फाउंडेशन के उत्प्रेरक और कार्यकारी निदेशक श्री दिनेश गजेंद्रन ने किया।

इस संगोष्ठी के पैनल सदस्यों में सुश्री वी. स्वप्ना, सह-संकाय सदस्य, निम्समे तथा पंजीकृत पेटेंट एजेंट और ट्रेडमार्क एजेंट, आईपीएफसी, प्रमाणित जेडटी निर्धारक (क्यूसीआई-इंडिया), डॉ. एल. स्टेनली अब्राहम, साइंटिस्ट-ई, सेंटर फॉर ओशियन रिसर्च (डीएसटी-आईआईवी प्रायोजित), एमओएस-ईटीसी नोडल सेंटर फॉर मरीन बायोटेक्निकल स्टडीज, सत्यामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी (डीम्ड यूनिवर्सिटी), चेन्नई श्री रामागुजरल, क्षेत्रीय प्रमुख, ईडीआईआई, बेंगलुरु शामिल थे।

निम्समे की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उद्घाटन भाषण में उन्होंने उद्यमिता की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने तमिलनाडु के कुछ महान नामों जैसे भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और श्रीमती एम. सुब्बालक्ष्मी के जीवन पर प्रकाश डाला। । उन्होंने प्रतिभागियों को उद्यमिता के प्रति प्रेरित करने के लिए पेप्सिको के पूर्व, सीईओ और गूगल के सीईओ श्री सुंदर पिचाई जैसे सफल उदाहरणों का भी हवाला दिया। उसने दुनिया के लिए विनिर्माण के चीनी तरीके के बारे में बताया। उन्होंने विशेष रूप से युवतियों के लिए उद्यमी होने के लाभों और सरकार द्वारा उद्यम शुरू करने के लिए प्रदान किए जाने वाले विभिन्न लाभों और योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा उन्होंने उद्यमी होने के फायदों के बारे में विस्तार से बताया।

तकनीकी सत्रों के दौरान सुश्री स्वप्ना ने शुरुआती दौर में बौद्धिक संपदा अधिकार और बौद्धिक संपदा (आईपी) हासिल करने के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया। सत्र में भारत में विभिन्न प्रकार के आईपीआर, पेटेंट योग्य और गैर-पेटेंट योग्य आविष्कारों, ट्रेडमार्क आवश्यकताओं और अपवादों, कॉपीराइट और संबंधित अधिकारों के मूल सिद्धांतों पर

प्रकाश डाला गया। उन्होंने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम और स्टार्ट-अप्स के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) पर जागरूकता के निर्माण के लिए एनएमसीपी योजना और स्टार्ट-अप कार्य योजना के तहत शुरू की गई बौद्धिक संपदा संरक्षण योजना पर भी चर्चा की।

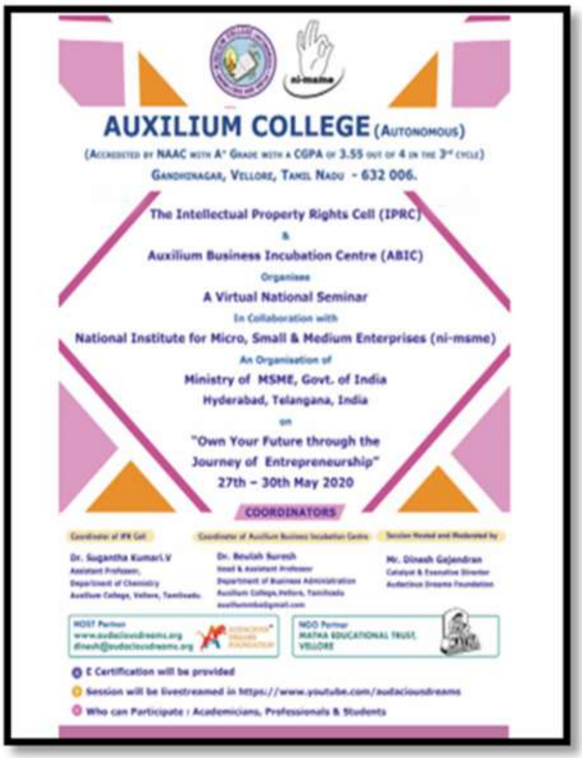

चित्र 3.10. उद्यमिता की यात्रा के माध्यम से अपने भविष्य के मालिक

डॉ. स्टेनली अब्राहम ने पेटेंट ड्राफ्टिंग और फाइलिंग, इसमें शामिल प्रक्रियाओं और संबंधित एजेंसियों के बारे में गहन जानकारी दी। श्री रामागुजरल ने व्यवसाय शुरू करने और सफल होने के लिए अभिनव विचारों का सुझाव दिया।

वेबिनार को काफी बेहतर समर्थन मिला। इस आयोजन के देश भर के विभिन्न कॉलेजों से लिए लगभग 887 ऑनलाइन प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। पहले 500 प्रतिभागियों को लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से वीडियो कांफ्रेंसिंग और अन्य के माध्यम से समायोजित किया गया। सभी सत्रों के लिए धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुगंता कुमारी और डॉ. बेल्लाह सुरेश ने किया। प्रतिभागियों द्वारा एक उपयुक्त बबताया। इस वेबिनार से छात्रों तथा प्रतिभागियों के मन में उद्यमशीलता की भावना को जगाने का प्रयास किया गया।

3.13. कोविड -19 परवर्ती विश्व में भारत के विकास को बनाए रखने के लिए सुधार

पहले दिन 28 मई, 2020 को सुधारों के दृष्टिकोण पर विचार, आंध्र महिला सभा आर्ट्स एण्ड साइंस कॉलेज, हैदराबाद की अध्यक्ष प्रो. उषा मुनिपल्ली ने दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। टिकाऊ बुनियादी ढाँचे में निवेश और बुनियादी ढांचे में निवेश आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने का एक प्रभावी तरीका बताया। उन्होंने कहा कि यह भी विचारणीय होता है कि इंफ्रास्ट्रक्चर किस तरह का बनाया जाना चाहिए। 2008-09 वित्तीय संकट के आंकड़ों से पता चलता है कि दक्षिण कोरिया, जिसने आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) में अन्य अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में तेजी से रिबाउंड, हरित उपायों की दिशा में अपनी उत्तेजना का लगभग 70% निवेश किया। संयुक्त राज्य अमेरिका के 2009 में बडी मंदी के दौरान वसूली पैकेज में स्वच्छ ऊर्जा और सार्वजनिक परिवहन में निवेश पारंपरिक निवेश की तुलना में अधिक रोजगार पैदा की।

दूसरे पहलू की चर्चा में उन्होने कहा भारत का लगभग 90% कार्यबल अनौपचारिक रूप से कार्यरत हैं। जिसमें गिग अर्थव्यवस्था के कामगार भी शामिल हैं। यह आबादी गंभीर आर्थिक संकट की चपेट में है और इसके लिए औपचारिक ऋण और बीमा और पेंशन योजनाओं जैसे सामाजिक सुरक्षा जाल तक अधिक पहुँच की जरूरत है।

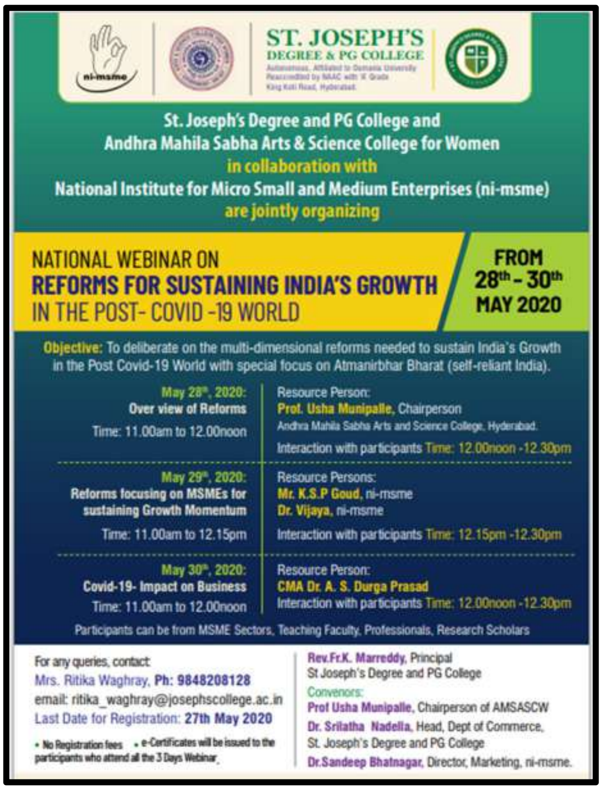

चित्र 3.11. कोविड -19 परवर्ती विश्व में भारत के विकास को बनाए रखने के लिए सुधार

दूसरे दिन यानी 29 मई, 2020 को विकास की गति को बनाए रखने के लिए सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम पर ध्यान केंद्रित करते हुए सुधार, श्री सूर्यप्रकाश गौड़ और सुश्री विजया संकाय, **निम्समे** ने वसूली और लचीलेपन के साथ राजकोषीय तंत्र पर प्रकाश डाला। चूंकि राजकोषीय तंत्र कम कार्बन पदचिह्न को बढ़ावा देते हुए वसूली और लचीलापन प्रयासों का समर्थन करने में मदद कर सकते हैं। भारत सरकार ने 1.7 ट्रिलियन रुपये (24 अरब डॉलर) के आर्थिक प्रोत्साहन की घोषणा की है और अन्य कदमों के अलावा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम) के लिए 750 अरब रुपये के एक और सहायता की जा रही है। हालाँकि सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम को अपने वेतन-बिलों से निपटने के लिए तत्काल वित्तपोषण की जरूरत है, लेकिन सरकार आवश्यक औद्योगिक ऊर्जा दक्षता उन्नयन शुरू करने के लिए उनके लिए पूंजी का संचार भी कर सकती है।

तीसरा दिन यानी 30 मई 2020 शीर्षक के तहत, कोविड -19 का व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला पर प्रभाव विषय पर, डॉ. ए.एस. दुर्गा प्रसाद ने मार्गदर्शन किया। उन्होंने आत्मनिर्भर आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज, सकल घरेलू उत्पाद के 10% (21 लाख करोड़ रुपये) के रूप में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला, अर्थव्यवस्था को एक निश्चित सीमा तक कुशन करता है, लेकिन निश्चित रूप से संरचनात्मक सुधारों को लागू किए जाने तक इससे अधिक किया जा सकता है। यह वर्तमान वैश्विक संदर्भ में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। दिसंबर 2019 में प्रकाशित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की एक रिपोर्ट में पाया गया कि पिछले दो साल से व्यापार प्रतिबंधात्मक उपाय बढ़ रहे हैं क्योंकि अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध बढ़ गया है और वर्तमान में ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर पर है। एक कोविड -19 परवर्ती विश्व में, यह आगे बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि सरकारें दुनिया भर में इस अभूतपूर्व संकट के मद्देनजर भारी बेरोजगारी से निपटती हैं।

3.14. कृषि आपूर्ति श्रृंखला के पुनर्निर्माण में एफपीओ की भूमिका

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान द्वारा 29 मई 2020 को कोविड -19 के दौरान कृषि आपूर्ति श्रृंखला के पुनर्निर्माण में एफपीओ की भूमिका पर एक वेबिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में करीब 250 ऑनलाइन प्रतिभागियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। प्रतिभागी ज्यादातर किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के सदस्य थे। इसने निम्समे यूट्यूब चैनल में भी करीब 130 व्यू को आकर्षित किया।

वक्ताओं ने कहा कि जैसा कि हम जानते हैं, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम और कृषि आधारित उद्यम शायद भारत में कोविड-19 लॉकडाउन के कारण सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं और। केंद्र सरकार ने इस संकट से बाहर आने के लिए विभिन्न समर्थन उपायों की घोषणा की, जिसमें एफपीओ को केंद्र बिंदु के रूप में शामिल किया गया। वेबिनार का मुख्य उद्देश्य महामारी के दौरान एफपीओ द्वारा चुनौतियों को समझना था और कैसे सामूहिक खेती दृष्टिकोण महामारी और उससे आगे के माध्यम से कृषि आपूर्ति श्रृंखला के पुनर्निर्माण में मदद कर सकता है।

इस विषय पर चर्चा करने के लिए, चर्चा में शामिल होने वाले प्रख्यात पैनलिस्ट आईएएस (सेवानिवृत्त) भारतीय प्रशासनिक कर्मचारी कॉलेज, हैदराबाद के महानिदेशक डॉ. शोभना के पट्टानायक थे जिन्होंने मुख्य भाषण दिया। डॉ. श्रीकांत शर्मा, कृषि व्यवसाय विशेषज्ञ, सह-संकाय सदस्य, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान, हैदराबाद, ने कार्यक्रम का निर्देशन किया। डॉ. रश्मि सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, कृषि विस्तार प्रभाग, आईएआरआई, नई दिल्ली, सुश्री पुरबी सरकार, निदेशक टीएआरई और एफपीओ इम्पैक्ट असेसमेंट एण्ड वैल्यू चेन एक्सपर्ट (आईआईएम पूर्व छात्र) और सुश्री फनीप्रिया नंदुला, एफपीओ विशेषज्ञ, समुन्नती फाइनेंशियल इंटरमेडिएशन एण्ड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड।

डॉ. शोभना पट्टानायक ने अपने मुख्य भाषण में महामारी के दौरान देश में कृषि आपूर्ति श्रृंखला के पुनर्निर्माण की दिशा में एफपीओ, सरकारी योजनाओं और पहलों के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. श्रीकांत शर्मा ने कृषि क्षेत्र के सामने आने वाले मुद्दों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि चूंकि 86% किसान छोटे और सीमांत हैं, इसलिए एकत्रीकरण ही एकमात्र रास्ता है और सुझाव दिया गया है । छोटी भंडारण और प्रसंस्करण संरचनाएं भारत में बड़े कारखानों और भंडारण के बजाय अधिक व्यवहार्य हैं।

डॉ. रश्मि सिंह ने एफपीओ द्वारा सर्वोत्तम प्रथाओं और कोविड -19 और उससे आगे मजबूत करने के तरीकों के बारे में चर्चा की। महामारी के दौरान लागत संवेदनशील फसलों के लिए आपूर्ति और मूल्य अस्थिरता के बारे में बोलते हुए, वह उदाहरण के साथ सामूहिक खेती की अवधारणा पर चर्चा की।

सुश्री पुरबी सरकार ने कृषि आपूर्ति श्रृंखला के पुनर्निर्माण के लिए एफपीओ के मूल्य श्रृंखला, कृषि सुधारों और स्थायित्व पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने सूक्ष्म खाद्य उद्यमों (एमएफई),

जड़ी-बूटियों की खेती और मधुमक्खी पालन विकास और ऑपरेशन ग्रीन्स के लिए योजनाओं और वित्तीय आवंटनों के संबंध में वित्तीय उपायों और कानूनी संशोधनों पर ध्यान केंद्रित किया।

सुश्री फनिप्रिया नंदुला ने एफपीओ की माँग और आपूर्ति पक्ष पर चर्चा की और उन्होंने परिदृश्य का कैसे सामना किया है। उन्होंने लॉजिस्टिक्स में व्यवधान, मंडियाँ बंद की जाने से उत्पन्न स्थितियों बारे में जानकारी दी। इस बात पर काफी चर्चा की गई कि कोविड-19 महामारी के माहौल में एफपीओ द्वारा आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन कैसे कर रहे हैं और वे बाजार संपर्क, रसद, व्यापार और पूर्ण कृषि मूल्य श्रृंखला की स्थिरता की दिशा में कोविड -19 के लिए योजना बनाने के संबंध में कृषि मूल्य श्रृंखला का फिर से निर्माण कैसे कर रहे हैं।

3.15. बी युवर ओन बॉस: एक उद्यम की स्थापना

निम्समे ने 5 जून 2020 को वर्चुअल माध्यम से एक कार्यक्रम का आयोजन किया । **निम्समे** के संकाय सदस्य श्री जी. सुदर्शन कार्यक्रम के कार्यक्रम निर्देशक थे. जिन विषयों पर चर्चा की गई उनमें सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम की संशोधित परिभाषा, अवसर की पहचान करने के तरीके, व्यवसाय शुरू करने, स्थान और उत्पाद का चयन, व्यापार योजना तैयार करना, खातों की संरचना करना, बाजार और विपणन ढूंढना, वित्तपोषण स्रोत, सहायता की सरकारी योजनाएं शामिल हैं। पैनल में रिसोर्स पर्सन श्री जी सुदर्शन, डॉ. ई विजया और डॉ. के विश्वेश्वर रेड्डी थे-तीनों निम्समे के फैकल्टी हैं।

3.16. सू.ल.म. उद्यमों के लिए विनिर्माण की संभावनाएँ

निम्समे द्वारा 16 जून 2020 को माइक्रो, स्मॉल एण्ड मीडियम एंटरप्राइजेज के लिए अनलॉकिंग मैन्युफैक्चरिंग पोटेंशियल पर वेबिनार के रूप में एक चर्चा का आयोजन किया गया। इसमें सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं, उद्यमियों और छात्रों ने भाग लिया। वक्ताओं में इय्रू हेड क्वार्टर, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. श्री अय्यापन राममूर्ति, तकनीकी निदेशक, विनिर्माण समाधान, सीमेंस इंडिया, प्रो. अतुल कुमार जैन, अलंकार मत्स्य प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, उदयपुर, राजस्थान, भारत, श्री सूर्यप्रकाश गौड़, संकाय सदस्य, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान, हैदराबाद और कार्यक्रम निर्देशक तथा निदेशक (एमएण्डबी), सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान श्री संदीप भटनागर, शामिल थे। श्री राममूर्ति ने डिजिटल विनिर्माण पर के बारे में जानकारी दी, जिसमें एक

साथ उत्पाद और विनिर्माण प्रक्रिया परिभाषाओं को बनाने के लिए सिमुलेशन, 3डी विज़ुअलाइज़ेशन, एनालिटिक्स और सहयोग उपकरण शामिल एकीकृत, कंप्यूटर आधारित प्रणाली का उपयोग करता है।

चित्र 3.12. सू.ल.म. उद्यमों के लिए विनिर्माण की संभावनाएँ

श्री भटनागर ने कहा कि डिजिटल विनिर्माण योजना और उत्पादन प्रक्रियाओं में उत्पादकता में सुधार करने में मदद करता है। प्रो. जैन ने भारतीय मछली घर व्यापार और मछली घर व्यापार के चार प्रमुख घटकों के बारे में जानकारी दी। इनमें मछली घर और मछली घर सामान, सजावटी मछलियों, फ़ीड और मछली घर सर्विसिंग के बारे में जानकारी शामिल थी।

श्री गौड़ ने महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं की गणना की कि उद्यमी अपने छोटे व्यवसायों के लिए निधि का लाभ उठा सकते हैं।

3.17. टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी और ट्रान्सपोर्ट क्षेत्र पर कोविड -19 का प्रभाव और अवसर

मौजूदा महामारी की स्थिति में, दुनिया भर की सरकारें अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों तथा यात्रा के अन्य साधनों को प्रतिबंधित करके सीमाओं के अंतर्राष्ट्रीय आवा-गमन को पर रोक लगाई जा रही है। यहाँ तक कि विशेष रूप से राज्यों के बीच घरेलू यात्रा पर भी रोक लगाई जा रही

है। विभिन्न देशों और राज्यों में विभिन्न रूप से परिभाषित लॉकडाउन से परिस्थिति बढ़ जाती है। इस परिदृश्य में, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र सबसे अधिक पीड़ित क्षेत्रों में से एक के रूप में उभर रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में, इस क्षेत्र के संचालन को फिर से शामिल करने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए रणनीतियाँ तैयार करना आवश्यक है।

चित्र 3.13. टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी और ट्रंन्सपोर्ट क्षेत्र पर कोविड -19 का प्रभाव और अवसर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान की ओर से 19 जून 2020 को पर्यटन, आतिथ्य और परिवहन (**टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी एण्ड ट्रान्सपोर्ट**) क्षेत्र के बाद कोविड -19 पर प्रभाव और अवसरों पर एक वेबिनार का आयोजन किया था। वक्ताओं के पैनल में प्रमुख विषय विशेषज्ञ सुश्री सुजाता सेसिलिया, संस्थापक निदेशक, मोड ट्रैवल एण्ड टूर्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल थे। श्री पी. उदय शंकर, पूर्व महानिदेशक, **निम्समे**, हैदराबाद, आई.एच.एम. बेंगलुरु के एसेस्ट लेक्चरर डॉ. डी.एस. ड्यूक थावमिन शामिल थे। **निम्समे** के संकाय सदस्य डॉ. दिब्येन्दू चौधरी ने वेबिनार का समन्वयन की। वेबिनार केवल यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य खंडों के सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के लिए खुला था और सभी को अपनी शंकाओं को स्पष्ट करने के लिए स्वतंत्र था।

इस आयोजन में 62 वर्चुअल प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सुश्री सुजाता सीसिलिया ने कहा कि तस्वीर धूमिल है, जब तक कि जल्द से जल्द कोई टीका नहीं मिल जाता और लॉकडाउन हटा लिया जाता है। श्री पी. उदय शंकर ने बिजनेस मॉडल बदलने पर जोर दिया। डॉ. ड्यूक थावमिन ने कहा कि नई चुनौतियाँ बिजनेस मॉडल और बिजनेस में बने रहने के लिए अप्रोच बदलने और समय के साथ आगे बढ़ने के नए मौके देंगी। डॉ. दिबायेंदु चौधरी को ई-कॉमर्स में अपरिहार्य और तेजी से वृद्धि की उम्मीद है। केंद्र सरकार आयात को कम करने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर विचार कर रही है, ऐसे में सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम में तेजी आ रही है. हालांकि, वे गति के साथ कार्य करने और उद्घाटन का जवाब देने की जरूरत है।

3.18. ई-गवर्नेंस और सू.ल.म. उद्यमों के लिए इसके निहितार्थ

वित्त वर्ष-2020 में भारतीय अर्थव्यवस्था पहले से ही एक पंगु स्थिति में थी और कोविड महामारी ने उसका विकास और अधिक बाधित कर दिया है। निम्समे ने अपने आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के साथ बातचीत करने के लिए वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन किया। 25 जून 2020 को ई-गवर्नेंस और सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के लिए इसके प्रभावों पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था।

चित्र 3.14. ई-गवर्नेंस और सू.ल.म. उद्यमों के लिए इसके निहितार्थ

इस आयोजन में पैनल में चार विशेषज्ञ शामिल थे। श्रीमती अर्पिता खरे, निदेशक, ई-गवर्नेंस, सेंटर ऑफ गुड गवर्नेंस (सीजीजी); कॉम्ड. (सेवानिवृत्त) दीपक उप्पल, निदेशक, सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र की कंसल्टेंसी प्राइस-वॉटर कूपर (पीडब्ल्यूसी), श्री जे. राजा किशोर, सहायक उपाध्यक्ष, सीएससी, ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड और डॉ. गुरप्रीत सिंह गिल, सीनियर फैकल्टी कंसल्टेंट, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान। वेबिनार में जिन प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की गई उनमें अर्थव्यवस्था और समावेशी विकास में सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम का महत्व और योगदान था। वर्ष 1999 में दुनियाभर में ई-गवर्नेंस की प्रथा शुरू की गई थी। ई-गवर्नेंस तत्परता में यूएनडेसा सर्वे (2018) ने भारत को 193 देशों में 96वें स्थान पर रखा. इन इंडिया नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विस डिलिवरी इंडेक्स असेसमेंट (एनईडीए) सर्वेक्षण दिसंबर 2019 में प्रकाशित किया गया था। एनईएसडीए ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन श्रेणियों में बांटा। इनमें हिमालयी राज्य, राज्य और केंद्र शासित प्रदेश और उनकी रैंकिंग सात मापदंडों पर आधारित थे। इसमें केंद्रीय मंत्रालयों को भी स्थान दिया गया था। भीम, ई-ऑफिस, भारत नेट, मेघराज फॉर क्लाउड कंप्यूटिंग (जीआई क्लाउड), डिजिलॉकर, ई-साइन (2015 में लॉन्च), ई-हॉस्पिटल, ई-एनएएम, स्वयं, ज्ञानदूत, ई-मित्र, ई-सेवा डिजिटल इंडिया के भीतर ई-गवर्नेंस इंस्ट्रूमेंट्स में से कुछ हैं। सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा शुरू की गई वेबसाइटें हैं- www.champions.gov.in, www.dcmsme.com. www.msmenaukri.com. इनमें स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय अन्य सभी मंत्रालयों में पहले स्थान पर रहा, जबकि राज्यों में केरल पहले स्थान पर रहा।

हिमालयी राज्यों में हिमाचल प्रदेश नंबर वन के रूप में उभरा. अंडमान निकोबार द्वीप समूह केंद्र शासित प्रदेशों में पहला रैंकर था। अंतिम छोर से संपर्क करने के लिए, सीएससी 3,25,000 केंद्रों और 4,000 अकादमियों के साथ भारतनेट का प्रबंधन करता है, सीएससी 600 से 700 से अधिक सेवाओं से संबंधित है और एक लाख गांवों में पहुंच है। सीएससी ने ई-मार्केटिंग के ज़रिए ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पाद बेचने के लिए एक लाख से अधिक ई-स्टोर स्थापित किए हैं। हालाँकि, सफलता का लाभ उठाने और ऐसी पहलों का फल लेने के लिए एक लंबा रास्ता तय करना है।

3.19. भारतीय हस्तशिल्प के लिए निर्यात के अवसर

अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम दिवस 2020 के अवसर पर **निम्समे** द्वारा 27 जून 2020 को भारतीय हस्तशिल्प के लिए निर्यात अवसरों पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। श्री टीएसके रेड्डी, प्रबंध निदेशक, महाराष्ट्र बाँस विकास बोर्ड (एमबीडीबी), नागपुर; श्री प्रभुकरण, क्षेत्रीय निदेशक, डीसी-हैंडीक्राफ्ट, चेन्नई के कार्यालय; श्री बी.एम. एल. दास, क्लस्टर विशेषज्ञ और झारखंड सरकार, रांची के उद्योग विभाग के सेवानिवृत्त अपर निदेशक, श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़, **निम्समे** के संकाय सदस्य शामिल थे। श्री रेड्डी ने हस्तशिल्प, फर्नीचर और औद्योगिक उत्पादों सहित अभिनव बांस उत्पादों के विकास के लिए एमबीडीबी के हस्तक्षेप पर प्रकाश डाला।

चित्र 3.15. भारतीय हस्तशिल्प के लिए निर्यात के अवसर

बाँस एक तेजी से बढ़ने वाला पौधा है, जिसके जीवन काल में 50 से 100 साल का समय होता है और यह मानव जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. एमबीडीबी ने मशीनरी और उपकरणों का उपयोग करके बांस उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के उत्पादन के लिए आम बुनियादी ढांचा बनाया है।

बाँस कारीगरों को अनुभवी डिजाइनरों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है। बर्बादी हस्तशिल्प और अन्य आंतरिक सजावट आदि बनाने में प्रयोग किया जाता है। श्री प्रभुकरण ने विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य देशभर के हस्तशिल्प कारीगरों का कल्याण और लाभ है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिल्प वस्तुओं का उत्पादन, शिल्पकारों की आय में सुधार और राष्ट्र की कलाओं और शिल्प की आवश्यकता को पूरा करना उनके प्रमुख उद्देश्य हैं। उन्होंने कुछ केस स्टडीज भी पेश की। श्री दास ने बताया कि किस तरह हस्तशिल्प क्षेत्र ग्रामीण लोगों के लिए ग्रामीण रोजगार और बड़ी आय प्रदान कर रहा है. उन्होंने कुछ ग्रामीण हस्तशिल्प कारीगरों के बारे में साझा किया जो हस्तशिल्प का उत्पादन कर रहे हैं और देशी के साथ-साथ विदेशी बाजारों में भी बेच रहे हैं। भारत सरकार हस्तशिल्प कारीगरों के कल्याण के लिए अलग-अलग योजनाएं चला रही है और पूरे भारत में हस्तशिल्प कारीगरों के लिए इन योजनाओं के प्रति जागरूकता जरूरी है।

श्री सूर्यप्रकाश गौड़ ने कहा कि हस्तशिल्प कारीगर अपनी रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, हालांकि भारत हथकरघा और हस्तशिल्प के लिए अच्छी तरह से जाना जाता है. कारीगरों को नए अभिनव उत्पादों का उत्पादन करना होगा और पारम्परिक उत्पादों के साथ नए ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विविधीकरण समय की जरूरत है। अधिकांश कारीगर अंशकालिक आधार पर काम कर रहे हैं और अपनी आय के स्तर में सुधार के लिए वर्षभर काम प्रदान करने के लिए हस्तक्षेप की आवश्यकता है। कारीगरों को उन उत्पादों का उत्पादन करना होता है, जिनका उपयोग सरकारी कार्यालयों में किया जाता है, जो व्यापक प्रचार-प्रचार करते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान द्वारा लागू की जा रही कुछ परियोजनाएँ और विकास एजेंसियों से विभिन्न योजनाओं का कारीगरों को पूरा लाभ उठाना चाहिए।

3.20. भारत में युवा उद्यमियों के लिए गुंजाइश

भारत में युवा उद्यमियों के लिए स्कोप पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन 2 जुलाई 2020 को तमिलनाडु सरकार के **निम्समे** और जिला उद्योग केंद्र, वेल्लोर जिला के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग और सेक्रेड हार्ट कॉलेज (स्वायत्त), जिला तिरुपथुर, तमिलनाडु के विस्तार शिक्षा और सेवा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

वेबिनार की शुरुआत सामाजिक कार्य विभाग, सेक्रेड हार्ट कॉलेज के प्रमुख जे एंड्रयूज राजा ने स्वागत भाषण और सहायक प्रोफेसर डॉ. के अरॉकिया राज द्वारा स्पीकर की शुरुआत से की।

निम्समे की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने पहले सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कोविड -19 के माहौल में युवा उद्यमियों के लिए भारत में उद्यमिता के अवसरों की जानकारी दी उन्होंने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के लिए सरकार की सहायक पहलों का वर्णन किया और चैंपियन डेस्क पोर्टल का उल्लेख किया, जिसका उद्देश्य छोटी इकाइयों को उनकी शिकायतों का समाधान, प्रोत्साहित, समर्थन, मदद और हाथ पकड़ कर बड़ा बनाना है। यह एक आईसीटी आधारित प्रणाली है, जो वर्तमान कठिन स्थिति में सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम की मदद के लिए स्थापित की गई है।

डीआईसी, वेल्लोर के संयुक्त निदेशक एवं महाप्रबंधक श्री के रवि ने डीआईसी के माध्यम से राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा लागू किए गए विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं जैसे बेरोजगार युवा रोजगार सृजन कार्यक्रम (यूवा ईजीपी), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), नए उद्यमी सह-उद्यम विकास कार्यक्रम (नीड़ियों), क्रेडिट गारंटी योजना, पूंजी सब्सिडी योजना और सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के लिए जनरेटर सब्सिडी के बारे में बताया. श्री रवि ने प्रतिभागियों से सवाल भी पूछे।

चर्चा सत्र का संचालन सेक्रेड हार्ट इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एसएचआईएमएस) के सहायक प्रोफेसर डॉ. आर अक्रोकिया मेरी ने किया। वेबिनार के बारे में अपनी प्रतिक्रियाओं को साझा करते हुए प्रतिभागियों ने कहा कि यह कार्यक्रम सूचनात्मक है और विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों और पहलों पर प्रकाश डाला गया ।

परियोजना अधिकारी श्री निकोला प्रकाश ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया, जिसमें कुल 267 प्रतिभागियों ने वर्चुअल उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें 130 छात्र, 77 फैकल्टी, 18 एनजीओ प्रतिनिधि, 17 उद्यमी और 25 अन्य क्षेत्रों के थे।

3.21. स्टार्ट-अप विफलताओं से सबक

निम्समे की ओर से असफल स्टार्ट-अप्स से सीख विषय पर एक वेबिनार का आयोजन 3 जुलाई 2020 को किया गया। इस कार्यक्रम का समन्वयन निदेशक (अकादमिक) श्री अश्विनी गोयल ने किया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के कुल 94 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया । चर्चा में यह बात सामने आई कि व्यापक सूचना और व्यावसायिक समझ के आधार पर अपर्याप्त योजना, भागीदारों, बाजारों आदि के अनुचित चयन, बुद्धिमान दृष्टिकोण के बजाय भावनात्मक, प्रत्याशा की कमी और आकस्मिकताओं और अअधि रहित मानसिकता के कारण स्टार्ट-अप

आम तौर पर विफल हो जाते हैं। भावी उद्यम के उम्मीदवार इन बिंदुओं का संज्ञान ले सकते हैं और स्टार्ट-अप जलवायु के लिए खुद को स्वीकार कर सकते हैं।

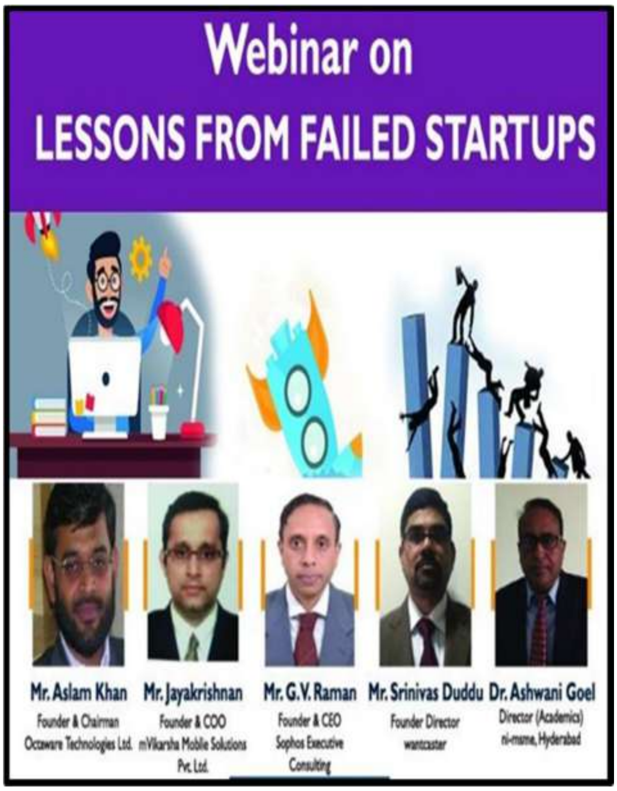

चित्र 3.16. भारत में युवा उद्यमियों के लिए गुंजाइश

3.22. कोविड -19 के बाद भारत में महिला उद्यमियों के लिए अवसर

तमिलनाडु के कावेरी कॉलेज फॉर वुमन (ऑटोनोमस), तिरुचिरापल्ली द्वारा कोविड-19 के बाद भारत में महिला उद्यमियों के लिए अवसर विषय पर एक वेबिनार का आयोजन 9 जुलाई 2020 को किया गया। यह आयोजन कावेरी कॉलेज फॉर वुमन के उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ द्वारा निम्समे के साथ संयुक्त रूप से किया गया था।

वेबिनार की शुरुआत डॉ. (श्रीमती) के स्वागत भाषण से हुई। कावेरी कॉलेज फॉर वुमन (ऑटोनोमस) की प्रिंसिपल वी सुजाता और माइक्रो बायोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर श्रीमती जीनुथुनिशा ने रिसोर्स पर्सन को प्रतिभागियों से मिलवाया।

निम्समे की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने इस महामारी संकट के दौरान भारत में महिलाओं के लिए उद्यमिता के अवसरों का अवलोकन प्रस्तुत किया और सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम उद्यम शुरू करने के लिए उद्यमियों के अभिनव विचारों का समर्थन करने के लिए सरकारी पहलों के महत्व को समझाया, जिससे उद्यमियों के साथ

अर्थव्यवस्था को भी लाभ होगा। इससे रोजगार के अवसर मुहैया करना, मौजूदा समस्याओं का समाधान प्रदान करना भी आसान होगा। उन्होंने प्रतिभागियों को उन युवा महिलाओं के वास्तविक समय के उदाहरणों से प्रभावित किया जिन्होंने महामारी के दौरान आवश्यक सुरक्षा ढाल के निर्माण में स्टार्ट-अप शुरू किया और यह गणना की कि कितने उद्योग अपने उद्यमों को सफलतापूर्वक शुरू करने और चलाने के लिए होमप्रेन्योर्स का समर्थन कर रहे हैं.

चर्चा सत्र को ईडीसी समन्वयकों द्वारा मॉडरेट किया गया और प्रतिभागियों की ओर से रिसोर्स पर्सन से बातचीत की गई। प्रतिभागियों ने बताया कि वेबिनार जानकारी पूर्ण और उद्यमिता के प्रति प्रेरित था।

डॉ. एस. सौम्या, वाणिज्य में सहायक प्रोफेसर डॉ. आर. सुभा, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग की सहायक प्रोफेसर श्रीमती इलाकिया और कावेरी कॉलेज की माइक्रोबायोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर श्रीमती जीनुथिशा कार्यक्रम समन्वयक थीं।

ऑनलाइन घटना एक उपयोगी सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के लिए कृतज्ञता की अभिव्यक्ति के साथ समाप्त हो गया। कुल 263 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन इस कार्यक्रम में भाग लिया, जिनमें से 159 छात्र, 67 संकाय, 18 शोध विद्वान और विविध गतिविधियों के 19 थे।

3.23. डिजिटलीकरण के क्षेत्र में साइबर सुरक्षा का महत्व

निम्समे द्वारा एवियाना एनआरआई, बेंगलुरु के साथ संयुक्त रूप से को साइबर सुरक्षा पर एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन 14 अगस्त 2020 किया गया। श्री प्रभु कुमार (एवियाना एनआरआई के संस्थापक) और **निम्समे** के संकाय श्री के सूर्यप्रकाश गौड़ द्वारा समन्वित वेबिनार में दुनिया के विभिन्न हिस्सों से कुल 48 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

निम्समे की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने उद्घाटन भाषण दिया। उन्होने कहा कि टेक्नोलॉजी एडॉप्शन सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम सेक्टर के लिए हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है। सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों ने डिजिटल बैंकिंग, पेमेंट सर्विसेज, कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट और फाइनेंशियल एप्लीकेशनो के लिए बिजनेस मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर अपनाया है। सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम सेक्टर के लिए डिजिटल एसेट प्रोटेक्शन समय की माँग है। इसके बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं का स्वागत किया।

वक्ताओं के पैनल में श्री सूरी अनंतरामा (सीटीओ, ऑनलाइन एलएलसी, यूएसए) शामिल थे। श्री गुइलौमे कैरोन (सीईओ, वीएआरएस, कनाडा) और श्री मैक्सिमे बोटिन (सीओओ,

वीएआरएस) शामिल थे। उन्होंने साइबर सुरक्षा की आवश्यकता, रैंसमवेयर हमलों से उत्पन्न चुनौतियों, विशिष्ट उदाहरण प्रदान करने, सर्वोत्तम प्रथाओं के माध्यम से चले गए, जिनका संगठनों को पालन करना चाहिए और अंत में वर्चुअल पद्धति से जुड़े प्रतिभागियों के लिए प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारत के अलावा मिस्र, इजराइल, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के उपस्थित लोगों के लिए लाभदायक रहा।

इस आयोजन के अंतर्गत आयोजित सत्र बहुत आकर्षक रहे, जिनमें वक्ताओं ने बताया कि कैसे डेटा डिजिटल विश्व में बढ़ रहा है। सूरी ने बताया कि डेटा 2025 तक 175 झेट्टा बाइट तक पहुँच जाएगा। उन्होंने मौजूदा स्थितियों को देखते हुए हमारे सिस्टम, नेटवर्क और अनुप्रयोगों को सुरक्षित करने की जरूरत पर बल दिया। गुलुमे ने स्फियर फ़िशिंग (साइबर हमले के प्रकार) के बारे में बात की और शार्क टैंक स्टार (बारबरा कोरकोरान), अटलांटा शहर ट्रैवेलेक्स द्वारा रैंसमवेयर द्वारा किये गये साइबर हमलों के कारण महसूस की गई समस्याओं का सामना करना। मैक्स ने विभिन्न प्रकार के रैनसमवेयर हमलों की गहराई से जानकारी दी और हमले के वैक्टर (फ़िशिंग ईमेल, एप्लिकेशन कमजोरियों, आरडीपी, वीपीएन, विरासत प्रणालियों) की व्याख्या की तथा क्रिप्टोलॉकर, रयुक, आरविल/ सोडिनोकिबी, फोबोस और वानाक्राई जैसे रैनसमवेयर के बारे में जानकारी दी।

सूरी ने जीरो डे का कॉन्सेप्ट के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह इतना खतरनाक क्यों है। उन्होंने दिखाया कि कैसे थ्रेट एजेंट और हैकर्स नेटवर्क की जाँच करते हैं और चोरी से घुसपैठ करते हैं, पेलोड डाउनलोड करते हैं, बैकअप करप्ट करते हैं और सुरक्षा के सभी चक्र खत्म करने के बाद साइबर हमले को अंजाम देते हैं। मैक्स ने ट्रिकबोट / रियूक होस्ट को इन्फेक्ट कर उसके साथ गंभीर खतरा उत्पन्न करते हैं। इसके बाद उन्होंने साइबर हमलों से बचने और उनकी रोकथाम के लिए सुरक्षा के 13 चरणों के बारे में जानकारी दी।

तत्पश्चात वक्ताओं ने विभिन्न सवाल पूछे । कुल मिलाकर यह एक अद्‌भुत, शैक्षिक और जानकारीपूर्ण सत्र था। साइबर सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण, सुरक्षा नीतियों की समीक्षा, 3-2-1 बैकअप रणनीति आदि इस अज्ञात दुश्मन के मुकाबले के लिए तैयार रहने के कुछ महत्वपूर्ण तत्व हैं। श्री सूर्यप्रकाश गोड़ द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद ज्ञापन के साथ वेबिनार का सम्पन्न हुआ।

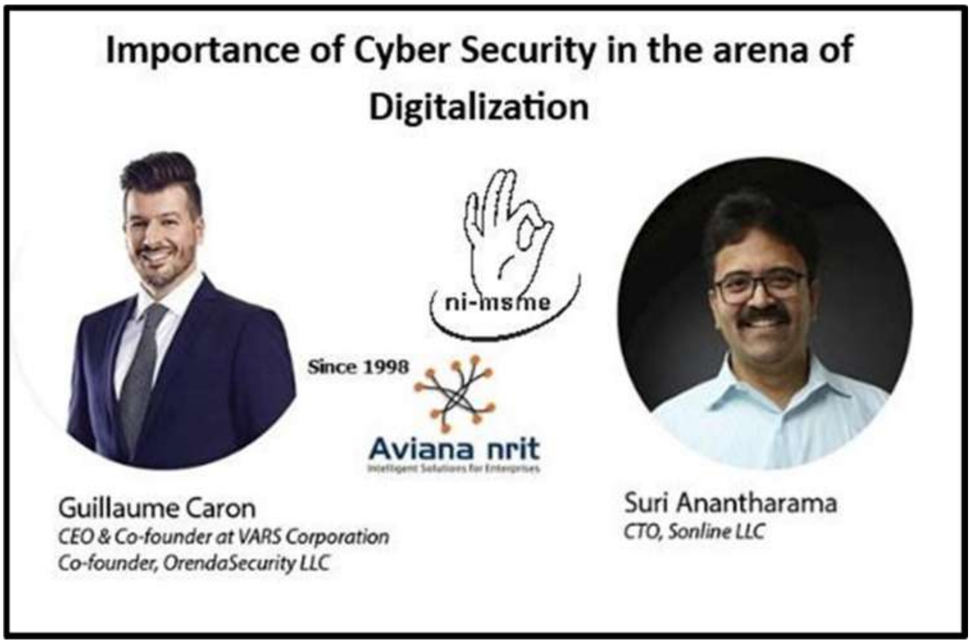

चित्र 3.17. डिजिटलीकरण के क्षेत्र में साइबर सुरक्षा का महत्व

3.24. कोविड -19 के बाद डिजीटल माध्यम से अपने व्यवसाय का निर्माण करें

राष्ट्रीय सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे) तथा इंडियन वुमन इंस्टीट्यूशनल लीग (आईवाइएल इंडिया) द्वारा संयुक्त रूप से एक वेबिनार का आयोजन 17 अक्तूबर 2020 को किया गया, जिसमें देशभर से 95 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

सुश्री दीपा सयाल, सामाजिक उद्यमी, अध्यक्ष और मुख्य संरक्षक, आईवाइएल इंडिया, सीईओ, एडीजी ने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम को डिजिटल मीडिया मार्केटिंग के लाभों के बारे में एक ऑनलाइन प्रस्तुति दी। निदेशक (वि. एवं व्य.वि.) श्री संदीप भटनागर ने डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी के माध्यम से उद्यमिता और रेवेन्यू पाइपलाइन का निर्माण करने और कोविड -19 के बाद व्यापार के अवसर सृजित करने के तरीकों पर प्रस्तुति दी। उत्साही प्रतिभागियों ने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के बारे में पूछताछ की और चर्चा की। वर्चुअल इवेंट का समन्वय श्री संदीप भटनागर ने किया।

3.25. निर्यात व्यवसाय कैसे शुरू करें

निम्समे के उद्यम प्रबंधन स्कूल की ओरसे 20 अक्तूबर 2020 को एक्जिम बिजनेस शुरू करने के तरीके पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन सेंट ऐन्स कॉलेज हैदराबाद के वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. के अनुराधा ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनुराधा ने वर्तमान स्थिति में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के महत्व पर जोर दिया। डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी, संकाय सदस्य (उ.प्र.स्कूल) ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के 58 अंतिम वर्ष के छात्रों को संबोधित किया जिन्होंने कार्यक्रम में आभासी उपस्थिति बनाई। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में विशेषज्ञ होने के नाते, उन्होंने उदारीकरण के बाद की अवधि में प्रलेखन प्रक्रियाओं में हुए व्यापक बदलावों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने एग्जाम बिजनेस शुरू करने में फॉलो किए जाने वाले बुनियादी कदमों के बारे में भी बताया।

इसमें शामिल विषयों में निर्यात-आयात व्यवसाय का महत्व, छोटे व्यवसाय के लिए लाभ, अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय निकाय, आईईई कोड, एक्जिम वित्त, शिपिंग दस्तावेज आदि शामिल थे। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संकाय श्रीमती सुमा रेड्डी ने समापन भाषण दिया। वर्चुअल इवेंट का समन्वय डॉ. के विश्वेश्वर रेड्डी ने किया।

3.26. एएनजीआरएयू के साथ उद्योग-शैक्षिक सहयोग से कृषि शिक्षा संस्थानों का भविष्य बेहतर बनाना

सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने 22 अक्तूबर , 2020 को उद्योग शिक्षा सहयोग के माध्यम से बेहतर भविष्य के लिए कृषि शिक्षा संस्थानों को बदलने पर वेबिनार में एक सत्र लिया, जो संस्थागत विकास योजना, आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया था।

महानिदेशक ने उद्योग और भविष्य की संभावनाओं पर कोविड -19 के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि कॉर्पोरेट और बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया क्योंकि उनकी गतिविधियों का प्रमुख हिस्सा सूचना प्रौद्योगिकी काफी सक्षम है, जबकि अन्य संगठन और उद्यम जो मूल रूप से मैनुअल और रियल टाइम काम के माध्यम से कार्य करते हैं, हें गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ा है।

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम ठीक इस प्रकार के होते हैं। इसके अलावा, निष्क्रियता के लंबे अंतराल उनके उत्पादन, वितरण कार्यक्रम, देय और प्राप्तियों को बाधित करते हैं, जो बदले

में, उनके भविष्य की गतिविधि और आपूर्ति श्रृंखला के साथ सभी हितधारकों को प्रभावित करेंगे। इसलिए कोविड -19 प्रभाव सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम पर मजबूत है.

श्री प्रदीप हजारी, विशेष सचिव सह सलाहकार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार, डॉ. ए विष्णुवर्धन रेड्डी, कुलपति, आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्व विद्यालय के विस्तार निदेशक डॉ. पी राम बाबू और कृषि के डीन डॉ. ए प्रताप कुमार रेड्डी और प्रमुख अन्वेषक (ईडीपी) ने भाग लिया।

इस आयोजन में उद्योग-शिक्षा सहयोग के अवसरों पर एक पैनल चर्चा की गई। जिसमें वर्तमान स्थिति से उबरने के लिए अगले पथ का चयन करने के बारे में बहुत अच्छे सुझाव प्राप्त हुए। धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. टीवी श्रीधर ने किया।

चित्र 3.18. एएनजीआरएयू के साथ उद्योग-शैक्षिक सहयोग से कृषि शिक्षा संस्थानों का भविष्य बेहतर बनाना

3.27. सू.ल.म. उद्यम और उद्यमियों के लिए उद्यम जोखिम प्रबंधन का महत्व

राष्ट्रीय सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे) और इंस्टीट्यूट फॉर रिस्क मैनेजमेंट (यूके) - इंडिया एफिलिएट द्वारा 24 अक्तूबर 2020 को सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के लिए

जोखिम प्रबंधन पर संयुक्त रूप से एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से कुल 997 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस आयोजन का समन्वय **निम्समे** के निदेशक (वि. एवं व्य.वि.) श्री संदीप भटनागर ने किया।

श्री साईराम नटराजन, जीआरसी चैंपियन, डी एण्ड आई एडवोकेट, लंदन ने जोखिम प्रबंधन सिद्धांतों के बारे में सिंहावलोकन प्रस्तुत किया। श्री संदीप भटनागर ने युवा उद्यमों के लिए जोखिम के प्रबंधन पर एक रणनीतिक प्रस्तुति दी, जबकि लंदन, यूनाइटेड किंगडम के प्रबंधन सलाहकार श्री निकोलस स्टाइलिनाकी ने कोविड-19 के बाद जोखिम शमन रणनीतियों पर चर्चा की। कुछ प्रतिभागियों ने प्रश्न पूछे तथा वर्तमान परिदृश्य में सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के परिचालन संबंधी जोखिम के तरीकों पर चर्चा की।

3.28. कोविड -19 परवर्ती में काल में सू.ल.म. उद्यमों के लिए लागत प्रबंधन रणनीतियाँ

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (**निम्समे**) द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के सहयोग से कोविड -19 परवर्ती में काल में सू.ल.म. उद्यमों के लिए लागत प्रबंधन रणनीतियाँ विषय पर एक वेबिनार का आयोजन 6 नवम्बर 2020 को किया गया। इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के सामने कोविड-19 की मौजूद वित्तीय चुनौतियों को समझना और महामारी के बाद सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के निर्वाह् तथा विकास के लिए सर्वोत्तम लागत प्रबंधन रणनीतियों की पहचान करना था। इस वर्चुअल कार्यक्रम का उद्घाटन आईसीएआई के अध्यक्ष सीएमए बिस्वरुप बसु और **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने किया।

उद्घाटन भाषण के दौरान महानिदेशक ने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के लिए सरकारी योजनाओं और आत्मनिर्भर भारत अभियान नीति के सुधारों के बारे में जागरूकता पर जोर दिया ताकि वे अपने उद्यमों के लिए सरकार से मिले समर्थन को समझ सकें। तकनीकी सत्रों के दौरान कार्यक्रम निर्देशक डॉ. ई विजया ने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के सामने आने वाली वित्तीय चुनौतियों और समस्याओं को दूर करने के तरीके की जानकारी दी। आत्मनिर्भर भारत के सुधारों ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों पर ध्यान केंद्रित किया। आईसीएआई के सीएमए सुक्रुत मेहता ने महामारी के बाद सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के लिए विस्तृत लागत प्रबंधन रणनीतियाँ विषय के बारे में जानकारी दी। इस वेबिनार में कुल 75 उद्यमियों तथा आईसीएआई के छात्रों ने भाग लिया।

चित्र 3.19. कोविड -19 परवर्ती में सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के लिए लागत प्रबंधन रणनीतियाँ

3.29. कोविड-19 के परिप्रेश्य में आतिथ्य और यात्रा व्यवसाय के लिए भारत पहल समर्थन की पुनरुद्धार रणनीतिय़ाँ

पर्यटन मंत्रालय, कोविड-19 के परिप्रेश्य में आतिथ्य और यात्रा व्यवसाय के लिए भारत पहल समर्थन की पुनरुद्धार रणनीतियाँ विषय पर **निम्मसे** द्वारा चार वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस श्रृंखला का निर्देशन डॉ. दिब्येन्दू चौधरी, संकाय सदस्य (उ.प्र.स्कूल) ने किया । कार्यक्रम से पहले क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालयों के सहयोग से एक सर्वेक्षण किया गया, जिसमें गूगल सर्वे टूल के माध्यम से अपलोड की गई पूर्व-परीक्षित प्रश्नावली का उपयोग किया गया ।

क) पहला आयोजन 6 नवम्बर को किया गया था । पैनल सदस्यों में श्री संजय बसु, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ डोमेस्टिक टूर्स इंडिया (एडीटीओआई), श्री बालभिम वैद्य, उप महा प्रबंधक,-एसएमई, एलएचओ, हैदराबाद, श्री अनिल ओराव, क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर) और उप महानिदेशक, एमओटी, श्री चेतन शर्मा, महासचिव, एडीटीओआई, श्री पी. उदय शंकर, पूर्व महानिदेशक, **निम्समे**, श्री संजय जैन, क्षेत्रीय प्रभारी एवं महाप्रबंधक, सिडबी तथा डॉ. दिब्येन्दू चौधरी, संकाय सदस्य (उ.प्र. स्कूल) शामिल थे। उत्तरी जोन के करीब 115 लोगों ने इस आयोजन के लिए पंजीकरण कराया।

ख) दूसरा वेबिनार 12 नवम्बर को आयोजित किया गया था, जिसमें निम्नलिखित पैनल सदस्य थे: श्री वेंकटेशन धत्तारायन, क्षेत्रीय निदेशक (पश्चिम और मध्य भारत), भारत पर्यटन, मुंबई, एमओटी, श्री प्रतुल त्रिवेदी, सचिव, एडीटीओआई, एमपी चैप्टर, सुश्री वासुकी सुंदरम, अध्यक्ष, आईएटीओ, महाराष्ट्र चैप्टर, श्री एन श्रीनिवासन, निदेशक,

प्रफुल्ल फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, श्री अजीत नाथ झा, महाप्रबंधक, सिडबी, पुणे क्षेत्रीय कार्यालय, श्री बालभिम वैद्य और डॉ. दिब्येन्दू चौधरी। कुल मिलाकर पश्चिमी और मध्य अंचल के 75 लोगों ने इस आयोजन के लिए पंजीकरण कराया।

ग) 25 नवम्बर को आयोजित तीसरे कार्यक्रम के लिए पैनल सदस्यों में शामिल थे: श्री सग्निक चौधरी, उप महानिदेशक और क्षेत्रीय निदेशक (पूर्व), श्री देबजीत दत्ता, चैप्टर चेयरमैन, आईएटीओ, और एडीटीओआई (पश्चिम बंगाल), श्री बालभिम वैद्य और डॉ. दिब्येन्दू चौधरी।

घ) चौथा और अंतिम वेबिनार 27 नवम्बर को निर्धारित किया गया था । पैनल सदस्यों में थे: श्री एस एस देवबरमैन, क्षेत्रीय निदेशक, भारत पर्यटन, गुवाहाटी, श्री त्रिदीप शर्मा, एचआरए, मुख्य सलाहकार, श्री रंजीत दास, अध्यक्ष टूर ऑपरेटर एसोसिएशन ऑफ असम, श्री अरिजीत पुरकायस्थ, चैप्टर चेयरमैन - नॉर्थ ईस्ट, एडीटीओआई, श्री गोपी नममि, सहायक प्रबंधक, सिडबी-एनईआर, गुवाहाटी, श्री बालभिम वैद्य और डॉ. दिब्येन्दू चौधरी।

चित्र 3.20. कोविड-19 के परिप्रेश्य में आतिथ्य और यात्रा व्यवसाय के लिए भारत पहल समर्थन की पुनरुद्धार रणनीतिय़ाँ

3.30. भारत में सामाजिक उद्यमिता की संभावनाएँ

छत्रपति शाहू इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एजुकेशन एण्ड रिसर्च (सीएसआईबीईआर), कोल्हापुर, महाराष्ट्र और राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे) ने मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) के छात्रों के लिए संयुक्त रूप से सामाजिक उद्यमिता पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया ।

डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी, संकाय सदस्य , प्रभारी प्रशासन और रेक्टर ने 10 नवम्बर 2020 को 'भारत में सामाजिक उद्यमिता की संभावनाएँ' पर एक ऑनलाइन प्रस्तुति दी। प्रस्तुति सामाजिक उद्यमिता की परिभाषा के साथ शुरू हुई और उदाहरण के साथ सामाजिक उद्यम पर प्रवासी भारतियों में सामाजिक उद्यमों और उनकी सेवाओं के कामकाज को दर्शाया गया । कैसे सामाजिक उद्यमिता व्यक्तियों, समूहों, स्टार्ट-अप कंपनियों और उद्यमियों के लिए एक विकल्प है, उन्हें कैसे वित्त पोषित किया जाता है और सामाजिक, सांस्कृतिक या पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में समाधानों को कैसे लागू किया जाए, व्यापक रूप से चर्चा की गई ।

श्री किरण काकडे, अंतिम वर्ष एमएसडब्ल्यू छात्र ने रिसोर्स पर्सन को आमंत्रित किया और विषय की शुरुआत की। सीएसआईईआर के सामाजिक कार्य के एचओडी डॉ. एस.वी. शिरोल ने सामाजिक उद्यमिता पर व्यापक प्रस्तुति के लिए निम्समे और इसके रिसोर्स पर्सन डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी की पहल की सराहना की । डॉ. दुर्गेश दलवी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

3.31. अंतर्राष्ट्रीय विपणन में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार-कानूनी मुद्दे

निम्समे द्वारा इंटरनेशनल ट्रेड के फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स के लिए सेंट एन्स कॉलेज , मेहदीपट्टनम, हैदराबाद के साथ मिलकर इंटरनेशनल ट्रेड पर वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया। श्रंखला के पहले वेबिनार का आयोजन 18 नवम्बर 2020 को किया गया। डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी, संकाय सदस्य, उ.प्र. स्कूल एवं प्रभारी प्रशासन और रेक्टर ने व्यापार के अंतरराष्ट्रीय माहौल, कानूनी बाध्यताएँ, अंतरराष्ट्रीय संधि और कानून, आर्थिक तथा राजनीतिक संघ एवं अंत में मध्यस्थता की अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए 'इंटरनेशनल मार्केटिंग में कानूनी मुद्दों ' पर एक प्रस्तुति दी ।

श्रृंखला का अगला आयोजन 24 नवम्बर को किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के विशेषज्ञ डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी द्वारा निर्यात अनुबंध और निर्यात एजेंसी समझौतों के कानून प्रस्तुत किए गए थे । एक निर्यात अनुबंध का लाइव चित्रण प्रस्तुत किया गया था, जिसमें मुख्य सामग्री शामिल थी।

अतिथि वक्ता और सुश्री सुमा रेड्डी, संकाय, वाणिज्य विभागाध्यक्ष, सेंट ऐन्स कॉलेज ने सभी को धन्यवाद दिये।

3.32. बी युवर ओन बॉस - उद्यम की स्थापना कैसे करें।

उद्यमिता और विस्तार स्कूल,निम्समे ने 13 और 27 नवम्बर 2020 को दो वेबिनार "बी युवर ओन बॉस" (उद्यम की स्थापना कैसे करें) का आयोजन किया। 4 राज्यों के 400 से ऊपर के प्रतिभागियों, जिसमें छात्र, संकाय, इच्छुक और मौजूदा उद्यमी शामिल थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में छात्रों के बीच जोखिम लेने के व्यवहार की आवश्यकता पर बल दिया । आज छात्र गतिशील हैं और नवीनतम तकनीक और जानकारी के बारे में जानते हैं। उद्यमिता अवसर हथियाने के अलावा कुछ नहीं है । उन्होंने बताया कि गुजरात की सुश्री हेतिका शाह लॉकडाउन के दौरान अपने इनोवेटिव प्रॉडक्ट 4एस शील्ड मास्क के लिए ' डिजिटल वुमन अवॉड्‌र्स 2020 ' की प्राप्तकर्ता थीं । उन्होंने सेंट जोसेफ डिग्री और पीजी कॉलेज हैदराबाद के प्राचार्य और डॉ. पी अढ़ी लक्ष्मी, हेड डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट, प्रसाद वी पोटलुरी सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, विजयवाड़ा को छात्रों को वेबिनार में भाग लेने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद दिया ।

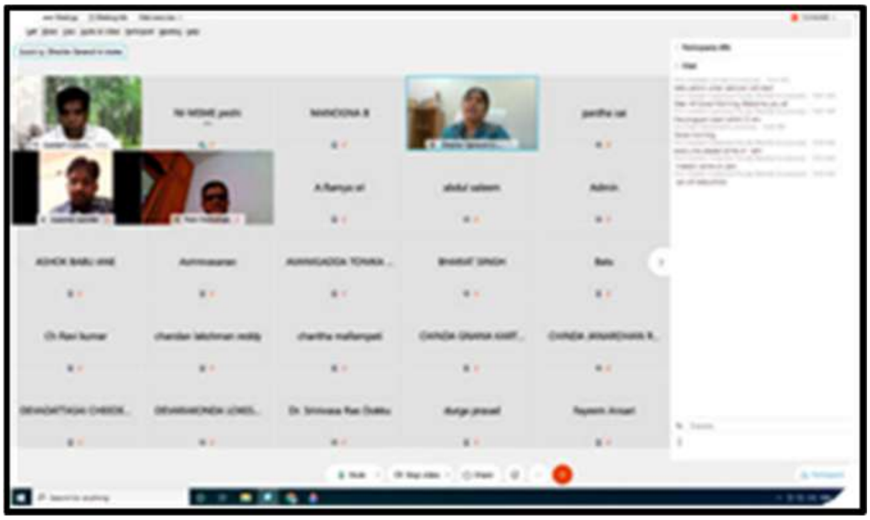

चित्र 3.21. बी युवर ओन बॉस

वेबिनर में शामिल विषय थे- वित्तीय योजनाएँ , एमएसएमई योजनाएँ , संस्थागत सहायता, उधम पंजीकरण और सरकारी ई-मार्केटिंग। वेबिनार का निर्देशन संकाय मेंबर श्री जी सुदर्शन ने किया।

3.33. ई-साइबर सुरक्षा

निम्समे के एनआरसीडी ने 18 नवम्बर 2020 को एवियाना, एनआरआईटी, बेंगलुरु के साथ मिलकर ऑनलाइन ई-साइबर सिक्योरिटी पर फ्री इंटोरी वेबिनर का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम के लिए वर्चुअल अटेंडेंस में 50 प्रतिभागी थे।

वेबिनार का मुख्य उद्देश्य साइबर हमलों, साइबर सुरक्षा के तरीकों और इसके क्रियान्वयन पर युवाओं में जागरूकता पैदा करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवियाना के सीईओ श्री प्रभु और कार्यक्रम के सह आयोजक ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम तकनीकी के साथ-साथ गैर तकनीकी पृष्ठभूमि वाले बेरोजगार युवाओं को करियर का अच्छा अवसर देता है। नियोजित व्यक्तियों को अपने संगठन की गोपनीय जानकारी, डेटा चुनौतियों, व्यक्तिगत जानकारी, संस्थागत डेटा, डेटा धोखाधड़ी चुनौतियों से बचने आदि की गोपनीय जानकारी की रक्षा के लिए साइबर सुरक्षा उपायों में नए विकास चक्रों में भी अंतर्दृष्टि मिलेगी।

श्री दिब्येन्दू चौधरी, संकाय सदस्य ने व्यक्तिगत डेटा हैकिंग में निवारक तरीकों, सुरक्षा उपायों की रक्षा के लिए और कहा, आजकल साइबर सुरक्षा उपायों को लागू करना संगठनों में बहुत जरूरी है।

प्रतिभागियों ने कई प्रश्न पूछे और वक्ताओं से स्पष्टीकरण मांगा। श्री प्रभु ने एक सप्ताह के ऑनलाइन साइबर सुरक्षा कार्यक्रम के संचालन में निम्समे के साथ समन्वय स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की।

3.34. बौद्धिक संपदा संरक्षणएक तरह से अपने नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित - करने के लिए

निम्समे में एमएसएमई के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार सुविधा केंद्र आईपीएफसी) ने सेंट) एन्स कॉलेज , हैदराबाद के सहयोग से 23 नवम्बर 2020 को बौद्धिक संपदा संरक्षणएक - ने नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए एक वेबिनार का तरह से अप आयोजन किया था। इसमें कुल215 बी.कॉम. के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

वेबिनार का मुख्य उद्देश्य संस्थान स्तर पर नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना था। बौद्धिक संपदा और बौद्धिक संपदा अधिकार की बुनियादी अवधारणाओं और परिभाषाओं को लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को प्रासंगिक उदाहरणों के साथ बौद्धिक संपदा प्रबंधन से संबंधित मौजूदा प्रथाओं और प्रक्रियाओं का अवलोकन दिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सेंट एन्स कॉलेज फॉर वूमेन की वाणिज्य विभाग की संकाय श्रीती सुमा रेड्डी ने स्वागत भाषण से की। सत्र को आईपीएफसी, निम्समे की सह संकाय मेंबर सुश्री वी. स्वप्ना ने संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों से बेहतर फीडबैक प्राप्त हुआ।

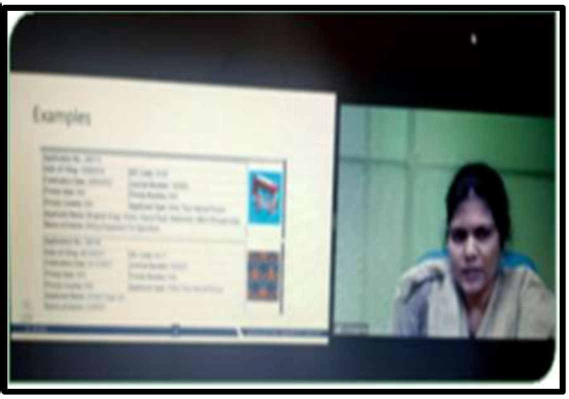

चित्र 3.22. बौद्धिक संपदा संरक्षण

3.35. एमएसएमई के लिए सरकारी ई-मार्केट प्लेस अवसर

राष्ट्रीय, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (**निम्समे**) ने यस बैंक के सहयोग से 17 दिसंबर 2020 को सरकारी ई-मार्केट प्लेस: अवसरों के लिए वर्चुअल मोड में सरकारी ई-मार्केट प्लेस: अवसरों पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। एमएसएमई पर विशेष ध्यान दिया गया। व्यावसायिक विकास गतिविधि के हिस्से के रूप में यस बैंक द्वारा प्रायोजित, वेबिनार का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक खरीद नीतियों, सरकारी ई-मार्केट प्लेस अवधारणाओं, पंजीकरण पर व्यावहारिक ज्ञान, कैटलॉग प्रबंधन, भुगतान प्रक्रिया और एमएसएमई के लिए जेम (जीईएम) पूल खाते के बारे में जागरूकता पैदा करना था। इस कार्यक्रम में 10 राज्यों के कुल 130 एमएसएमई ने ऑनलाइन भाग लिया।

निम्समे और वेबिनार ऑर्गनाइजर की संकाय डॉ. ई. विजया ने पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल्स और गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस की अवधारणाओं के जरिए होने वाले फायदों को समझने के लिए एमएसएमई को सेलर्स के रूप में पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी और जरूरत पर प्रकाश डाला । जेम (जीईएम) विशेषज्ञ श्री रामनाथन ने जेम (जीईएम) पोर्टल में पंजीकरण के व्यावहारिक घटकों को जेम (जीईएम) पोर्टल में शामिल विक्रेताओं, कैटलॉग प्रबंधन और भुगतान प्रक्रियाओं के रूप में समझाया। यस बैंक के प्रबंधक श्री कार्तिक नारायण ने एमएसएमई और जेम (जीईएम) पूल खाता सेवाओं के लिए यस बैंक सेवाओं के बारे में बताया।

अंतिम सत्र को बातचीत के लिए रखा गया था। प्रतिभागियों ने प्रश्न पूछे और खरीद पोर्टलों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अपनी अस्पष्टता स्पष्ट की। उन्होंने सरकारी योजनाओं और

एमएसएमई के लिए खरीद लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए वेबिनार के माध्यम से एमएसएमई को समर्थन देने के लिए **निम्समे** के प्रबंधन की सराहना की।

3.36. खाद्य प्रसंस्करण पर जागरूकता कार्यक्रम

उद्यमिता और विस्तार स्कूल ने 18 दिसंबर, 2020 को फूड प्रोसेसिंग पर वेबिनार का आयोजन किया जिसमें 3 राज्यों के 41 प्रतिभागियों ने वर्चुअल मौजूदगी बनाई। वेबिनार का उद्देश्य इनोवेटिव फूड प्रोसेसिंग प्रोडक्ट्स, एफएसएसएआई, एमएसएमई स्कीम्स और इंस्टीट्यूशनल सपोर्ट के बारे में जानकारी देना था।
प्रश्न एवं उत्तर सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि उन्हें अपना खाद्य व्यवसाय शुरू करने का भरोसा है।

3.37. ई-पुस्तकों का विमोचन: पर्यटन क्षेत्र में एमएसएमई पर कोविड-19 का प्रभाव

वर्चुअल ई-बुक लॉन्च इवेंट 13 जनवरी 2021 को आयोजित किया गया था और सुश्री सोमैया ने इस इवेंट को मॉडरेट किया है। डॉ. चौधरी ने स्वागत भाषण में सभी गणमान्य लोगों को आमंत्रित किया और पर्यटन मंत्रालय के जोनल कार्यालयों की मदद से पैन इंडिया में संचालित चार वेबिनारों के बारे में जानकारी दी। वेबिनार का विषय कोविड-19 के बाद सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों पर प्रभाव और पुनरुद्धार रणनीतियाँ और हॉस्पिटैलिटी और टूरिज्म व्यवसाय था। यह एमएसएमई को समर्थन देने के लिए भारत सरकार की पहल है। वेबिनार उद्योग विशेषज्ञों, बैंकरों और उद्यमियों के साथ पैनल और विषय विशेषज्ञों के रूप में आयोजित किए गए थे। दोनों किताबें चार वेबिनार का आउटपुट हैं। पहली पुस्तक वेबिनार कार्यवाही, चर्चाओं और प्रतिभागियों के विचारों के अंशों के बारे में है। दूसरी पुस्तक में प्राथमिक आंकड़े उत्पन्न करने के लिए किए गए सर्वेक्षण के शोध निष्कर्ष शामिल हैं और जिससे इस खंड के वास्तविक समय के संकट और कोविड-19 के कारण होने वाले नुकसान से निपटने के लिए सरकार के समर्थन की उनकी सख्त आवश्यकता का पता चला है।

निम्समे की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने पुस्तक में आंकड़ों और शोध परिणाम के बारे में बताया था। उन्होंने कहा कि अनुसंधान डेटा 70 से अधिक दिलचस्प डेटा अंक का खुलासा कर रहा है। सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि पर्यटन क्षेत्र के आपूर्ति पक्ष में काम करने वाले सभी उद्यम सूक्ष्म और लघु उद्यमों के सेवा खंड से संबंधित हैं। कुल 242 उत्तरदाताओं में से 40% ने कभी "उद्योग आधार" के बारे में नहीं सुना था। आंकड़ों के सूत्रों ने इस क्षेत्र के तथ्यों और आंकड़ों का खुलासा किया है और इस क्षेत्र को स्थिर करने के लिए सरकार के तत्काल ध्यान देने के दृष्टिकोण का भी अभिप्राय है।

पर्यटन मंत्रालय की उप महानिदेशक सुश्री रुपिंदर बरार ने इस तरह के सूचनात्मक दस्तावेज प्रकाशित करने में रुचि लेने के लिए सू.ल.म. उद्यम मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एवं विकास आयुक्त श्री देवेंद्र सिंह और महानिदेशक **(निम्समे)** के प्रति आभार व्यक्त किया, जिससे निश्चित रूप से नीति निर्माताओं को यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में सभी हितधारकों के बीच खुश होने के लिए वसूली उपायों और सहायक नीतियों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी ।

सू.ल.म. उद्यम मंत्रालय के सहायक सचिल और विकास आयुक्त देवेंद्र कुमार सिंह ने पुस्तकों का विमोचन किया और प्रासंगिक नीतिगत हस्तक्षेपों को सामने लाने के लिए इस तरह के दस्तावेज का सृजन करने के लिए **निम्समे** के प्रयासों की सराहना की । उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से विनिर्माण क्षेत्र को हमेशा सू.ल.म. उद्यम मंत्रालय के भीतर अधिक प्राथमिकताएं दी जाती हैं । उन्होंने यह भी संकेत दिया कि आज की तारीख में सेवा खंड विनिर्माण क्षेत्र की प्रणाली का भी समर्थन करता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सेवा क्षेत्र की आवश्यकताओं को लंबे समय तक नजरअंदाज कर दिया गया है ।

अंत में पर्यटन मंत्रालय की सहायक महानिदेशक सुश्री भारती शर्मा ने पुस्तक के सभी गणमान्य व्यक्तियों, लेखकों और इन पुस्तकों को बाहर लाने में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त किया । अंत में वेबिनार प्रतिभागियों ने किताबों पर अपनी प्रतिक्रिया भी साझा की। सभी आयोजकों और प्रतिभागियों का आभार जताने के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

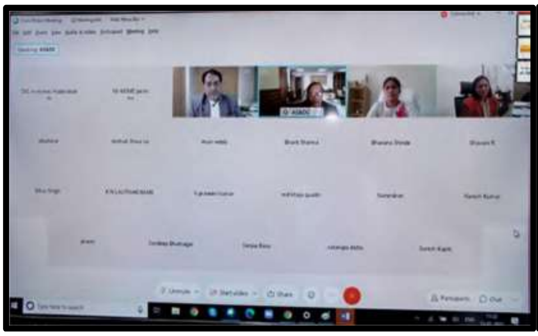

चित्र 3.23. पर्यटन क्षेत्र की पुस्तक में एमएसएमई पर कोविड-19 प्रभाव का वर्चुअल विमोचन

3.38. वर्क प्लेस पर महिला सुरक्षा के मुद्दे और चुनौतियाँ

राष्ट्रीय, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे), हैदराबाद ने 4 फरवरी 2021 को "महिला सुरक्षा: मुद्दों और कार्यस्थल पर चुनौतियाँ" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। भारत भर में सरकारी अधिकारियों, बैंकरों, पेशेवरों और शिक्षाविदों जैसे विभिन्न धाराओं के कुल 9३ प्रतिभागियों ने भाग लिया और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने वेबिनार में भाग लिया । वेबिनार का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा और भलाई के माध्यम से लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता पैदा करना और महिला कर्मचारियों द्वारा

कार्यस्थल पर आने वाले मुद्दों और चुनौतियों से कैसे पार पाना था । वेबिनार का समन्वय **निम्समे** की संकाय मेंबर डॉ. ई. विजया ने किया।

उद्धाटन भाषण के दौरान महानिदेशक निम्समे ने समान काम के लिए समान वेतन के लिहाज से कार्यस्थल में लैंगिक समानता की जरूरत जताई। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल में महिलाओं ने लगभग हर उद्योग में और भारी संख्या में अपनी अद्भूत उपस्थिति साबित की है । लेकिन इतनी बड़ी ख्याति हासिल करने के बावजूद महिलाओं को अभी भी अपने कार्यस्थल में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है । उन्होंने सुझाव दिया कि वर्तमान स्थिति में महिलाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा और भलाई के माध्यम से लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता पैदा करना महत्वपूर्ण और मौलिक है ।

वेबिनार की मुख्य अतिथि श्रीती .बी सुमति, आईपीएस, डीआईजी, सीआईडी, टीएस-महिला सुरक्षा विंग, तेलंगाना सरकार, हैदराबाद थीं। मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों के साथ अपने बहुमूल्य अनुभव साझा करते हुए कहा कि कैसे उन्होंने पुरुष प्रधान समाज में विभिन्न मुद्दों और समस्याओं को सुलझाया । उन्होंने महिला प्रतिभागियों को चुनौतियों को स्वीकार करने में सक्रिय होने के लिए प्रेरित किया और समस्याओं के समाधान में अपनी क्षमता साबित की । उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर और समाज में भी दिन-प्रतिदिन के मुद्दों पर काबू पाने के लिए निर्देशित किया ।

वेबिनार के अंत में, मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और तेलंगाना सरकार, तेलंगाना सरकार से विभिन्न महिला मुद्दों और सहायता सेवाओं पर अपने प्रश्नों को स्पष्ट किया । प्रतिभागियों ने विभिन्न महिलाओं के मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने और कार्यस्थल पर चुनौतियों से कैसे पार करने के लिए वेबिनार के आयोजन के लिए निम्समे के प्रयास की सराहना की । कार्यक्रम का समापन सुश्री वी. स्वप्ना , संकाय सदस्य , निम्समे द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के मतदान के साथ हुआ।

चित्र 3.24. वर्क प्लेस पर महिला सुरक्षा के मुद्दे और चुनौतियाँ

3.39. स्टार्ट-अप और एमएसएमई के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार रणनीति

एमएसएमई के लिए बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र ने इस योजना के तहत बौद्धिक संपदा अधिकार वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन किया। एमएसएमई विकास संस्थान, हैदराबाद द्वारा प्रायोजित "एमएसएमई के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों पर जागरूकता (बौद्धिक संपदा अधिकार) का निर्माण। वेबिनार को बौद्धिक संपदा अधिकार, स्कूल ऑफ एंटरप्राइज मैनेजमेंट, निम्समे के सह संकाय मेंबर वी. स्वप्ना ने बुलाया था ।

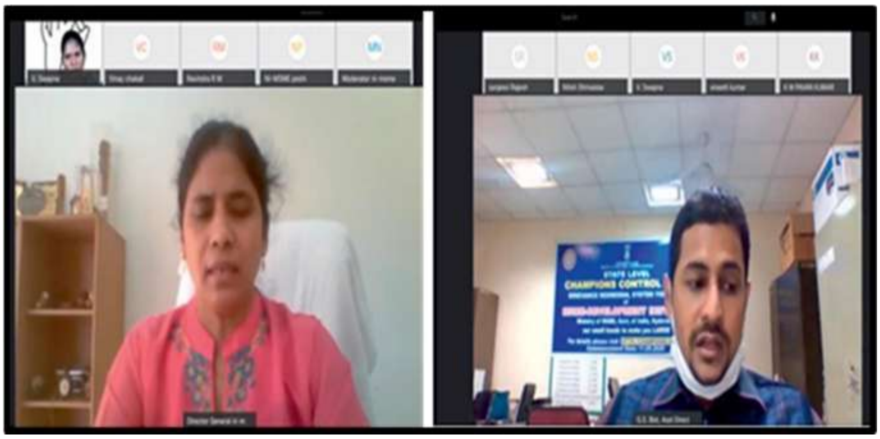

चित्र 3.25. स्टार्टअप्स और एमएसएमई के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार रणनीति

"स्टार्ट-अप्स और एमएसएमई के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार रणनीति" पर वेबिनार का आयोजन 12 फरवरी 2021 को किया गया था। वेबिनार का मुख्य उद्देश्य स्टार्ट-अप्स और एमएसएमई को बौद्धिक संपदा की पहचान करने और उनकी रक्षा करने में मदद करना था, उनके बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकियों के प्रबंधन, व्यावसायीकरण और मुद्रीकरण में एक सफल बौद्धिक संपदा रणनीति को कैसे शामिल किया जाए । स्टार्ट-अप्स, एमएसएमई, इनक्यूबेटर, क्लस्टर स्टेकहोल्डर्स, इंडस्ट्री एसोसिएशंस, स्टेकहोल्डर्स और एमएसएमई सेक्टर में वर्क एक्सपीरियंस रखने वाले कंसल्टेंट्स के कुल 1७0 प्रतिभागियों ने वेबिनार में भाग लिया । उद्घाटन भाषण के दौरान महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, जागरूकता कार्यशालाओं, परामर्श और विभिन्न बौद्धिक संपदा अधिकार पहलुओं में अनुसंधान कार्यों के माध्यम से पिछले 60 वर्षों से एमएसएमई क्षेत्र में **निम्समे** के योगदान के बारे में बताया। उन्होंने आईपीएफसी सेंटर के माध्यम से आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकार की गतिविधियों और स्टार्ट-अप्स और एमएसएमई का

समर्थन करने के लिए अब तक किए गए बौद्धिक संपदा अधिकार पंजीकरण की भी जानकारी दी । उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा फाइलिंग के लिए आईपीएफसी केंद्रों की सेवाओं का उपयोग करने की सलाह दी । सह संकाय मेंबर सुश्री वी. स्वप्ना ने बौद्धिक संपदा अधिकार पर एक सत्र दिया और पेटेंट, ट्रेड मार्क्स, डिजाइन और कॉपीराइट पंजीकरण और अभियोजन प्रक्रियाओं पर चर्चा की । उन्होंने कुछ उदाहरणों को भी ऊंचा किया कि बौद्धिक संपदा स्टार्ट-अप्स और एमएसएमई को कैसे लाभ पहुंचा सकता है । श्री गुलशन बिष्ट। निदेशक एमएसएमई-डीआई हैदराबाद ने एमएसएमई योजनाओं पर एक सत्र दिया। उन्होंने एमएसएमई की नई परिभाषा, जेम रजिस्ट्रेशन, उधम पंजीकरण, इनक्यूबेटर स्कीम, पीएमईजीपी स्कीम, एमएसएमई, चैंपियंस पोर्टल, ईडीसी गतिविधियों और माई एमएसएमई ऐप की जानकारी भी साझा की।

3.40. कोविड-19 और पुनरुद्धार रणनीतियों के तहत आतिथ्य व्यापार

संकाय सदस्य डॉ. दिब्येन्दू चौधरी द्वारा तीन वेबिनार की श्रृंखला का आयोजन किया गया ।

क) पहला वेबिनार 17 फरवरी, 2021 को आयोजित भारत सरकार की सहायता (उत्तर क्षेत्र) योजनाओं के साथ कोविड-19 और पुनरुद्धार रणनीतियों के तहत आतिथ्य व्यापार पर था। ओयो, नई दिल्ली, भारत में कारपोरेट मामलों के उपाध्यक्ष श्री बिकास सिंह द्वारा उद्घाटन भाषण दिया गया। अन्य प्रख्यात वक्ताओं में श्री अनिल ओराव क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर) और उप महानिदेशक, एमओटी, श्री पी उदय शंकर, पूर्व महानिदेशक, निम्समे , श्री बलभिम वैद्य उप महा प्रबंधक, (एसएमई) एलएचओ, हैदराबाद, श्री संजय जैन क्षेत्रीय प्रभारी और महाप्रबंधक, -सिडबी, श्री बिकास सिंह, उपाध्यक्ष कारपोरेट मामले ओयो, नई दिल्ली।

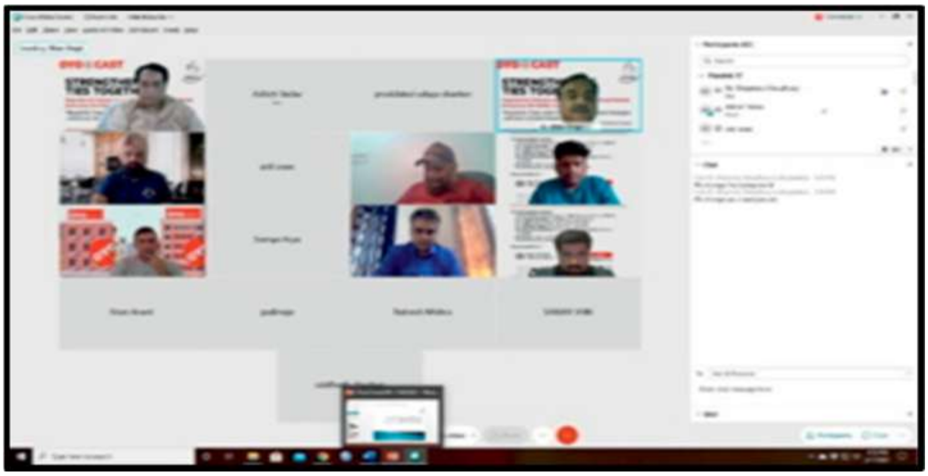

चित्र 3.26. कोविड-19 और पुनरुद्धार रणनीतियों के तहत हॉस्पिटैलिटी बिजनेस

ख) दूसरा वेबिनार पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित और 18 फरवरी 2021 को आयोजित सिहरा के सहयोग से कोविड-19 "होटल उद्योग के लिए पुनरुद्धार रणनीतियों" के तहत आतिथ्य व्यापार पर था।

उद्घाटन भाषण श्री सायमा राजू ने दिया। चेन्नई के सिहरा के निदेशक संचालन श्री सुंदर सिंगाराम ने भी पर्यटन क्षेत्र के लिए वर्तमान चुनौतियों और अवसरों पर सत्र लिया। प्रख्यात वक्ताओं में श्री वेंकटशान दत्तात्रेय क्षेत्रीय निदेशक (पश्चिम और मध्य भारत), एमओटी शामिल थे, डॉ. दिब्येन्दू चौधरी, श्री पी उदय शंकर, श्री बालभिम वैद्य, उप महा प्रबंधक, (एसएमई) एलएचओ, हैदराबाद, श्री संजय जैन, क्षेत्रीय प्रभारी एवं महाप्रबंधक, सिडबी, श्री सुरेश बाबूजी, निदेशक, एमएसएमई-डीआई, श्री वेंकटशान दत्तात्रेय क्षेत्रीय निदेशक (पश्चिम और मध्य भारत), एमओटी। कार्यक्रम में 72 से अधिक प्रतिभागी थे और सिहरा सदस्यों ने इसे बहुत अच्छी तरह से स्वीकार किया।

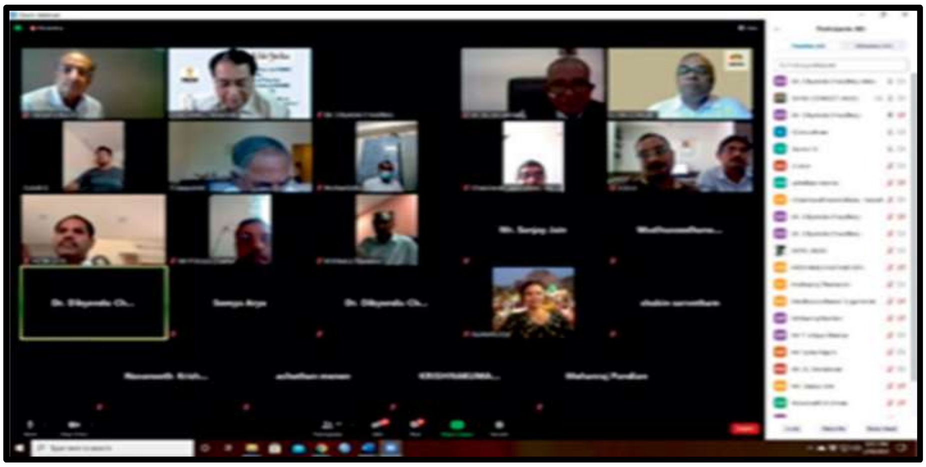

चित्र 3.27. कोविड-19 और पुनरुद्धार रणनीतियों के तहत आतिथ्य व्यापार

क) तीसरा वेबिनार 22 फरवरी, 2021 को आयोजित भारत सरकार की सहायता (पूर्वी क्षेत्र) योजनाओं के साथ कोविड-19 और पुनरुद्धार रणनीतियों के तहत आतिथ्य व्यापार पर था। भारत के ओयो में कॉर्पोरेट मामलों के उपाध्यक्ष श्री बिकास सिंह ने पर्यटन क्षेत्र के लिए वर्तमान चुनौतियों और अवसरों पर बात की। श्री अनिल ओराव, क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर) और उप महानिदेशक, एमओटी, श्री पी उदय शंकर, श्री बालभिम वैद्य, श्री संजय जैन, क्षेत्रीय प्रभारी एवं महाप्रबंधक, -सिडबी, श्री डी के भट्टाचार्य, संयुक्त निदेशक एवं कार्यालय प्रमुख, एमएसएमई-डीआई, कोलकाता। नई दिल्ली, भारत के ओयो में वाइस प्रेसिडेंट कॉर्पोरेट अफेयर्स श्री बिकास सिंह: निम्समे के कार्यक्रम निदेशक डॉ. दिब्येन्दू चौधरी ने सभी वक्ताओं का आभार व्यक्त किया।

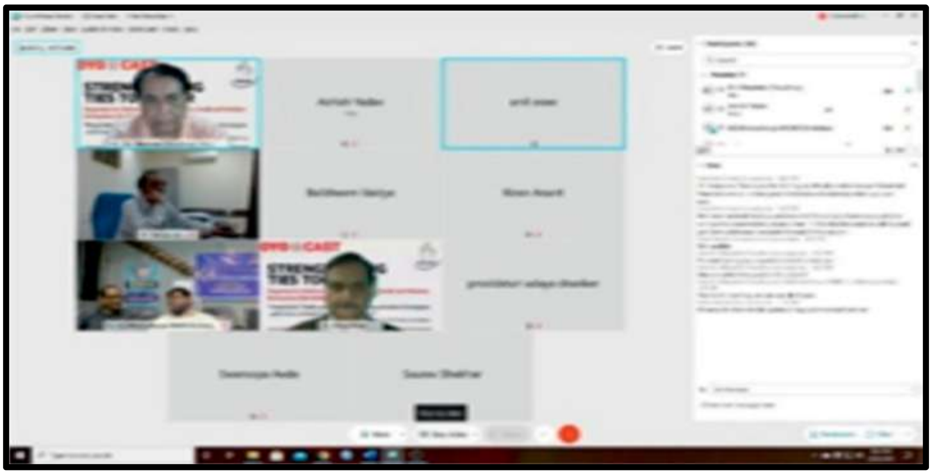

चित्र 3.28. कोविड-19 और पुनरुद्धार रणनीतियों के तहत आतिथ्य व्यापार

3.41. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वित्त: एमएसएमई के लिए अवसर

उद्यम प्रबंधन स्कूल (उ.प्र.स्कूल) ने 19 फरवरी 2021 को "इंटरनेशनल ट्रेड फाइनेंस: अवसर एमएसएमई के लिए अवसर" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया। यह कार्यक्रम यस बैंक द्वारा प्रायोजित है। यह विषय सभी एमएसएमई के लिए बहुत प्रासंगिक है, जो अपने व्यवसाय को बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में प्रवेश करने के इच्छुक हैं। अंतरराष्ट्रीय भुगतान शर्तों, अंतरराष्ट्रीय व्यापार वित्त दोनों पूर्व शिपमेंट और पोस्ट शिपमेंट वित्त, क्रेडिट पत्र सहित विषयों पर चर्चा की गई। इसमें निर्यात वित्त से संबंधित विभिन्न वित्त उत्पादों पर भी प्रकाश डाला गया।

श्री रामनाथन अय्यर, एक अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञ और व्यवसायी, श्री किझेपत गोपाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, व्यापार वित्त और विदेशी मुद्रा, यस बैंक और संकाय सदस्य डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी जैसे प्रमुख वक्ताओं ने वेबिनार में सत्र वितरित किए । वक्ताओं ने एमएसएमई मालिकों के सवालों के जवाब दिए और उन्हें अंतरराष्ट्रीय व्यापार में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित किया।

3.42. डिजिटल युग में एसएमई उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए ट्रेडमार्क प्रबंधन

"डिजिटल-युग में एसएमई उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए ट्रेडमार्क प्रबंधन" पर वेबिनार का आयोजन 23 फरवरी 2021 को किया गया था। कार्यक्रम में स्टार्टअप, एमएसएमई, अकादमिक संस्थानों, व्यक्तिगत सलाहकारों के कुल 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वेबिनार का मुख्य उद्देश्य एसएमई, भारत में अपने व्यापार चिह्न की रक्षा करने के तरीके, ब्रांड नाम का चयन करने के तरीके, पंजीकरण के लिए आवश्यकताएं, ट्रेडमार्क पंजीकरण के लिए प्रक्रियाओं, कुछ प्रासंगिक मामले अध्ययनों पर चर्चा करने के बारे में व्यावहारिक

सलाह प्रदान करना था । वेबिनार ने कुछ एमएसएमई योजनाओं पर भी चर्चा की। कार्यक्रम के वक्ताओं में श्री विजय भास्कर रेड्डी, बौद्धिक संपदा एडवोकेट श्री तुषार भार्गव, सह-संस्थापक एवं मुख्य कानूनी अधिकारी माइक लीगल, श्री गुलशन बिष्ट, निदेशक एमएसएमई-डीआई, हैदराबाद हैं। वेबिनार को आईपीएफसी **निम्समे** की सह संकाय वी. स्वप्ना ने बुलाया था।

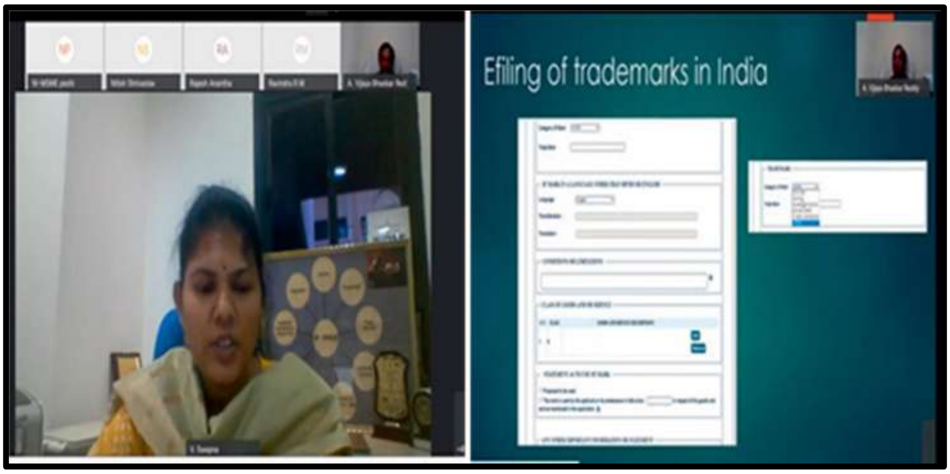

चित्र 3.29. डिजिटल युग में एसएमई उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए ट्रेडमार्क प्रबंधन

3.43. क्लस्टर उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए भौगोलिक संकेतों की भूमिका

निम्समे की ओर से क्लस्टर उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए भौगोलिक संकेतों की भूमिका पर वेबिनार का आयोजन 24 फरवरी 2021 को किया गया । एमएसएमई अधिकारियों, क्लस्टर विकास अधिकारियों, उद्योग संघों, गैर सरकारी संगठनों, तकनीकी एजेंसियों और व्यक्तिगत सलाहकारों के कुल 107 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री के सरवनन, कानूनी एवं अधिकरण अनुभाग प्रभारी, कार्यालय प्रमुख, टीएमआर और जीआई, चेन्नई थे ।

अध्यक्ष ने समूहों के लाभ के लिए जीआई, पंजीकरण प्रक्रियाओं और पोस्ट जीआई उपायों के महत्व पर चर्चा की । श्री गुलशन बिष्ट। हैदराबाद के निदेशक एमएसएमई-डीआई ने एमएसएमई योजनाओं पर एक सत्र दिया। उन्होंने एमएसएमई की नई परिभाषा, जेम रजिस्ट्रेशन, उदयम रजिस्ट्रेशन, एमएसएमई समाधन- विलंबित भुगतान, इनक्यूबेटर योजनाएँ, पीएमईजीपी योजना, एमएसएमई, चैंपियंस पोर्टल, ईडीसी गतिविधियाँ और माई एमएसएमई एप की जानकारी भी साझा की एमएसएमई-विकास संस्थान हैदराबाद के सहायक निदेशक संजीव कुमार सैनी ने क्लस्टर डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए

एसयूआरटीआई योजना की जानकारी दी। कुल मिलाकर वेबिनार को अच्छी प्रतिक्रिया मिली। प्रतिभागियों ने व्यक्त किया कि वेबिनार उपयोगी और जानकारीपूर्ण था।

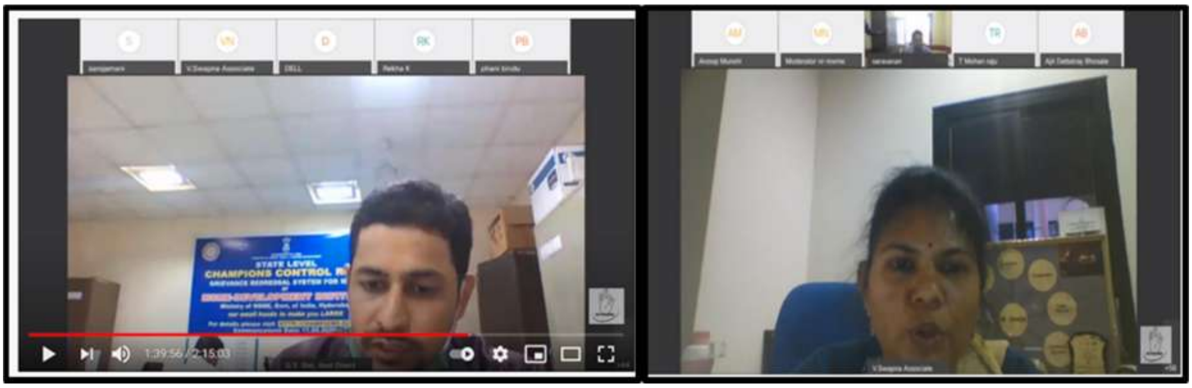

चित्र 3.30. क्लस्टर उत्पादों के संवर्धन के लिए भौगोलिक संकेतों की भूमिका

3.44. एमएसएमई योजनाओं पर जागरूकता

निम्समे ने सोलापुर सोशल फाउंडेशन के सहयोग से 25 फरवरी 2021 को "एमएसएमई योजनाओं के बारे में जागरूकता" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया जिसमें लगभग 100 एमएसएमई ने भाग लिया, जिसमें सोलापुर जिले के संभावित उद्यमी भी शामिल हुए। वेबिनार का उद्घाटन एमएलए और लोकमंगल समूह के संस्थापक सुभाष देशमुख और निम्समे के संकाय सदस्यों के साथ सुश्री एस. ग्लोरी स्वर्णकारा महानिदेशक ने किया।

वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों को निम्समे और उसकी गतिविधियों, एमएसएमई मंत्रालय के क्लस्टर विकास पहलों और एमएसएमई योजनाओं के बारे में उनकी व्यावसायिक आवश्यकताओं और विस्तार के बारे में जानकारी दी गई।

चित्र 3.31. एमएसएमई योजनाओं पर जागरूकता

3.45. अंतर्राष्ट्रीय पूर्व छात्रों की बैठक

अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों की एक वर्चुअल पूर्व छात्र बैठक 26 फरवरी 2021 को आयोजित की गई । इस बैठक का उद्देश्य प्रतिभागियों से बातचीत उनकी भलाई को जानना था। कार्यक्रम में एसंकाय सदस्य सीई के डॉ. श्रीकांत शर्मा और सीई के सलाहकार विवेक कुमार ने समन्वय स्थापित किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों के लगभग 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इससे पहले निदेशक, (विपणन एवं व्यवसाय विकास) श्री संदीप भटनागर ने इसके आयोजन के पीछे के उद्देश्य के बारे में सभा का मूल्यांकन किया । उन्होंने प्रतिभागियों के साथ निम्समे की पोस्ट कोविड-19 एंटरप्राइज प्रमोशनल एक्टिविटीज शेयर की । इसके बाद संकाय सदस्य , उ.प्र. स्कूल के डॉ. दिब्येन्दू चौधरी ने भारत में पर्यटन क्षेत्र पर कोविड-19 के प्रभाव पर एक प्रस्तुति दी । अपनी प्रस्तुति में डॉ. चौधरी ने प्रतिभागियों को कोविड-19 महामारी काल के दौरान भारत सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में भी अपडेट किया । उन्होंने ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अन्य पहलों की स्थिति भी प्रस्तुत की जिससे एमएसएमई क्षेत्र को एक उत्कृष्ट वर्चुअल मंच उपस्थिति में मदद मिली । उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान सामने आने वाली चुनौतियों को पकड़ने के लिए किए गए अध्ययन के परिणाम को भी साझा किया । तब पूर्व छात्रों द्वारा चर्चा के लिए सदन खुला था, उन्होंने अपने विशिष्ट देशों में चुनौतियों के बारे में बात की थी । संकाय मेंबर्स डॉ. ई. विजया और श्री जे कोटेश्वर राव ने भी संभावित समाधान का सुझाव दिया।

आगे की राह के तौर पर एक देश विशिष्ट फेसबुक पेज का भी पारस्परिक रूप से सुझाव दिया गया । इससे न केवल उस विशेष देश के प्रतिभागी एक दूसरे के साथ बातचीत कर सकेंगे बल्कि ठोस लाभ के लिए देश विशिष्ट वर्चुअल मीट भी आयोजित किया जा सकता है । प्रतिभागियों को गूगल फॉर्म के जरिए अपनी ईमानदारी से फीडबैक देने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया । उपस्थित लोगों ने पूर्व छात्रों की बैठक के संचालन में **निम्समे** के प्रयास की सराहना की। संकाय सदस्य श्री जी सुदर्शन ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया

चित्र 3.32. पूर्व छात्रों की बैठक- अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी

3.46. एमएसएमई के लिए औद्योगिक डिजाइन पंजीकरण

एमएसएमई के लिए बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र, एमएसएमई के लिए राष्ट्रीय संस्थान, हैदराबाद ने एमएसएमई विकास संस्थान, हैदराबाद के समर्थन से 12 मार्च 2021 को "एसएमई के लिए औद्योगिक डिजाइन पंजीकरण" पर मुफ्त वेबिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के लिए पंजीकृत एमएसएमई अधिकारियों, क्लस्टर विकास अधिकारियों, उद्योग संघों, गैर सरकारी संगठनों, तकनीकी एजेंसियों और व्यक्तिगत सलाहकारों को शामिल करते हुए कुल 194 प्रतिभागी शामिल हैं।

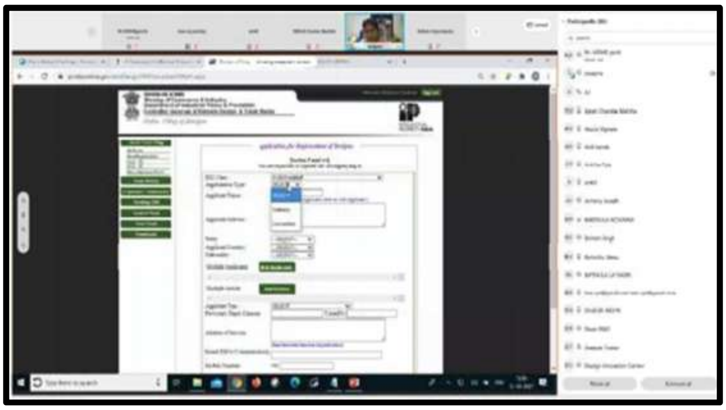

चित्र 3.33. एसएमई के लिए औद्योगिक डिजाइन पंजीकरण

आईपीएफसी **निम्समे** के सह संकाय मेंबर, रजिस्टर्ड पेटेंट एण्ड ट्रेडमार्क एजेंट सुश्री वी. स्वप्ना ने इंडस्ट्रियल डिजाइन रजिस्ट्रेशन और एसएमई को इसके महत्व पर एक सत्र दिया। उन्होंने डिजाइन डाटाबेस में पंजीकृत डिजाइन, डिजाइन पंजीकरण के लिए आवश्यकताओं और ई-फाइलिंग पोर्टल में डिजाइन पंजीकरण दाखिल करने के लिए कदम दर कदम प्रक्रिया की खोज करने पर भी चर्चा की। उन्होंने कुछ उदाहरणों पर भी प्रकाश डाला। एसईईटी के सह संकाय मेंबर श्री जे कोटेश्वर राव ने एमएसएमई योजनाओं पर एक सत्र दिया। उन्होंने आमा निर्भय भारत अभियान के तहत एमएसएमई के लिए नई एमएसएमई परिभाषा, जेम रजिस्ट्रेशन, उधम पंजीकरण, एमएसएमई समांस्था- विलंबित भुगतान, इनक्यूबेटर

योजनाएँ , पीएमईजीपी योजना, एमएसएमई चैंपियंस पोर्टल, ईडीसी गतिविधिय़ाँ, मुद्रा योजना और एमएसएमई के लिए राहत पैकेज की जानकारी साझा की।

वेबिनार प्रश्न और उत्तर सत्र के साथ संपन्न हुआ । अधिकांश प्रतिभागियों ने वेबिनार को "बहुत अच्छा" बताया।

3.47. निर्यात बाजार को बढ़ाने के लिए एमएसएमई के लिए पैकेजिंग का महत्व

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर माइक्रो, स्मॉल एण्ड मीडियम एंटरप्राइजेज (निम्समे), हैदराबाद और फाउंडेशन फॉर इनोवेटिव पैकेजिंग एण्ड सस्टेनेबिलिटी (एफआईपी) ने संयुक्त रूप से 23 मार्च 2021 को निर्यात बाजार को बढ़ाने के लिए एमएसएमई के लिए पैकेजिंग के महत्व पर एक वेबिनार का आयोजन किया है। वेबिनार का उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र से निर्यात के विकास के लिए आधुनिक पैकेजिंग प्रौद्योगिकी और डिजाइन द्वारा पेश किए गए अवसर को उजागर करना था।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में त्रिपुरा सरकार के पूर्व मुख्य सचिव डॉ. यू वेंकटेश्वरू उपस्थित थे। उद्घाटन भाषण के दौरान उन्होंने बाजार की सफलता के लिए पैकेजिंग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया । उन्होंने सुझाव दिया कि हर एमएसएमई उद्यमी को बिक्री के अवसर को बढ़ावा देने के लिए पैकेजिंग द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को समझना चाहिए । कृषि उत्पाद, समुद्री उत्पाद, बागवानी, हथकरघा और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों को ग्रामीण क्षेत्रों में पैकेजिंग उद्योग द्वारा समर्थन दिया जाना चाहिए ताकि चारों ओर विकास को प्रोत्साहित किया जा सके ।

वेबिनार के उद्घाटन सत्र के दौरान **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उपस्थित थीं । अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने भारतीय सकल घरेलू उत्पाद में एमएसएमई क्षेत्र के व्यापक योगदान और कौशल विकास और अन्य गतिविधियों द्वारा इस क्षेत्र को निम्समे द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता के बारे में जोर दिया। उन्होंने बेरोजगार युवाओं और विशेष रूप से महिलाओं के लिए अवसर प्रदान करने के लिए इस क्षेत्र की रोजगार क्षमता पर प्रकाश डाला । उन्होंने जोर देकर कहा कि बौद्धिक संपदा के साथ निम्समे द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन पैकेजिंग के क्षेत्र में कौशल विकास कार्यक्रमों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम था ।

बौद्धिक संपदा के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. एन.सी. साहा ने फाउंडेशन फॉर इनोवेटिव पैकेजिंग एण्ड सस्टेनेबिलिटी के गठन के पीछे के उद्देश्यों और मिशन के बारे में बताया। उन्होंने इस वेबिनार के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और एमएसएमई क्षेत्र को इस विषय पर अधिक जानने और उनके व्यापार विकास के लिए लाभ उठाने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया ।

उन्होंने अपने साथी निदेशकों को पेश किया जो बौद्धिक संपदा के विचार की संकल्पना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। इसके बाद उन्होंने माननीय आकाओं, सलाहकारों, विचार-नेताओं और मुख्य सलाहकारों को पेश किया जो बौद्धिक संपदा की पूरी टीम का गठन करते हैं।

इसके बाद बौद्धिक संपदा की गतिविधियों का पूरा स्कोप आर एण्ड डी एण्ड ट्रेनिंग, बौद्धिक संपदा के निदेशक डॉ. एके घोष ने समझाया। काम के क्षेत्रों में एफआईपीएस अपनी विशेषज्ञता की पेशकश कर सकते है कौशल विकास कर रहे हैं, अनुसंधान और नवाचार, परि योजनाएँ और नवाचार और प्रकाशन और नीति वकालत। इस सब को सक्षम बनाने के लिए डॉ. घोष ने बौद्धिक संपदा के अनूठे पतंग मॉड्यूल पर प्रकाश डाला, अर्थात: ज्ञान मंच, सूचना पैकेज और प्रशिक्षण और शिक्षा।

वेबिनार के उद्घाटन सत्र का समापन एम एण्ड डी के निदेशक श्री संदीप भटनागर ने धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया। उन्होंने मुख्य अतिथि डॉ. वेंकटेश्वरलु और सम्मानित अतिथि सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा को उनके प्रेरक शब्दों के लिए धन्यवाद दिया और दोहराया कि निम्समे निकट भविष्य में संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर बौद्धिक संपदा के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर होंगे।

इसके बाद बौद्धिक संपदा के मुख्य सलाहकार श्री शैलेंद्र सिंह ने वेबिनार के दूसरे भाग की शुरुआत की जिसमें चार तकनीकी सत्र शामिल थे जिसमें सत्र अध्यक्ष के रूप में डॉ. एन.सी साहा शामिल थे।

बौद्धिक संपदा के मुख्य सलाहकार श्री सुभाष भट्टाचार्य ने निर्यात बाजार के लिए पैकेजिंग के महत्व पर बात की। उन्होंने भारत के ईई राज्यों से जैविक उत्पादों के विपणन के अवसर पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारत के 130 उत्पाद जिनमें भौगोलिक संकेत हैं, जिनमें से 18 ईई राज्यों के हैं। उन उत्पादों में उन्होंने ईई अनानास का भी उल्लेख किया जिसके लिए हमारे राष्ट्रपति महामहिम श्री रामनाथ कोविंद ने स्वयं भी त्रिपुरा सरकार द्वारा संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात करने के लिए की गई पहल की प्रशंसा की है। बौद्धिक संपदा के निदेशक डॉ. एके घोष ने अगले तकनीकी सत्र में खाद्य पैकेजिंग अनुप्रयोगों के लिए अभिनव पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कांच और धातु के डिब्बे से लेकर कागज और प्लास्टिक तक खाद्य पैकेजिंग के विकास का पता लगाया।

उन्होंने पैकेजिंग के लिए विकसित किए गए प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का वर्णन किया। उन्नत पैकेजिंग सिस्टम जैसे: संशोधित वातावरण पैकेजिंग, सक्रिय और स्मार्ट पैकेजिंग और बायो-डिग्रेडेबल प्लास्टिक पर चर्चा की गई। उन्होंने टिकाऊ और पुनर्नवीनीकरण पैकेजिंग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

इसके बाद बौद्धिक संपदा के मुख्य सलाहकार श्री राहुल भार्गव ने फार्मा उत्पादों के लिए पैकेजिंग के महत्व के बारे में बताया। फार्मा उत्पाद पैकेजिंग के लिए नियामक और

सांविधिक विनिर्देशों का पालन करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर बल दिया गया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए एक विशिष्ट फार्मा उत्पाद विकास समय अनुसूची रेखांकित की कि सभी अनिवार्य अनुपालन प्रोटोकॉल का पालन किया जाए। अंत में उन्होंने फार्मा उत्पाद पैकेजिंग और इसकी लागत प्रबंधन में नवीनतम रुझानों पर प्रकाश डाला अंत में, निर्यात बाजारों के लिए हस्तशिल्प और अन्य वस्तुओं के पैकेजिंग डिजाइन की भूमिका को बौद्धिक संपदा के मुख्य सलाहकार श्री दीपक मनचंदा द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने पैकेजिंग डिजाइन के प्रमुख तत्वों को प्रस्तुत किया जो किसी भी उत्पाद की बिक्री को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं।

चित्र 3.34. एमएसएमई के लिए पैकेजिंग का महत्व

प्रमुख तत्वों पर प्रकाश डाला गया: ब्रांड संचार, सौंदर्य रूप और विघटनकारी प्रस्तुति। उन्होंने बताया कि कैसे डिजाइन में एक छोटा सा अतिरिक्त निवेश बिक्री की संभावनाओं को बेहद बढ़ावा कर सकता है।

वेबिनार को श्री शैलेंद्र सिंह ने पैकेजिंग के लाभों को न केवल मूल्य वर्धन के साधन के रूप में बल्कि रोजगार के अवसर पैदा करने के साधन के रूप में अभिव्यक्त किया। यहां यह बताना है कि एमएसएमई, व्यक्तिगत, संकाय सदस्यों से मिलकर 86 प्रतिभागियों ने इस वेबिनार में पंजीकरण कराया था।

4. राष्ट्रीय कार्यक्रम

4.1. हेल्थकेयर उत्पादों में उद्यमिता विकास

स्वास्थ्य उन सभी खजाने का सबसे कीमती धन है जो मनुष्य के पास हो सकते हैं। इसलिए, यह व्यक्ति, समाज और सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी बन जाती है कि वह हर जगह और हमेशा सर्वोत्तम स्वास्थ्य के लिए अनुकूल परिस्थितियों के रखरखाव और रखरखाव को सुनिश्चित करे।

निम्समे द्वारा 17 से 19 जून 2020 तक हेल्थकेयर उत्पादों में उद्यमिता विकास पर तीन दिवसीय परिसर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसका निर्देशन एसंकाय सदस्य , एसईडीएम श्री जे कोटेश्वर राव द्वारा किया गया था। कुल मिलाकर 17 प्रतिभागी थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने किया। उन्होंने कोविड-19 महामारी के प्रचलित संदर्भ में स्वास्थ्य उत्पादों के महत्व के बारे में बताया। हालांकि वायरस की व्यापकता ने विश्व राष्ट्रों के मामलों में सबसे ऊपर है, लेकिन इसने उत्साही लोगों के लिए अवसरों के नए रास्ते भी खोल दिए हैं। उत्पादों और योगों स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता, स्वच्छता और सुरक्षा, उपचारात्मक, दवाओं और टीकों, और प्रतिरक्षा बूस्टर के लिए उभरती तत्काल जरूरतों ने घरेलू और निर्यात दोनों आकर्षक चरागाहों का निर्माण किया है। एमएसएमई, अभ्यास के साथ-साथ क्षमता, विस्तार/बढ़ाने या शुरू करने के माध्यम से इस आवश्यकता का जवाब दे सकते हैं, जैसा कि मामला हो सकता है।

चित्र 4.1. हेल्थकेयर उत्पादों में उद्यमिता विकास

इससे पहले, एसईडी के संकाय सदस्य श्री के.एस.पी. गौड़ ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और प्रशिक्षुओं ने अपना परिचय दिया। उद्घाटन समारोह के बाद नियमित सत्रों को गति

मिली। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य दृष्टिकोण को बदलने की आवश्यकता और महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना और महामारी के साथ बातचीत करने में विजेता के रूप में सामने आने के लिए जीवन शैली को फिर से मॉडलिंग करना था।

कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों के लिए हाथों पर प्रशिक्षण और प्रदर्शन सत्र की व्यवस्था की गई थी। इन सत्रों को नचनाराम इंडस्ट्रियल एस्टेट, हैदराबाद के विशेषज्ञ श्री केएस मूर्ति ने संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से प्रैक्टिकल में शामिल होकर विशेषज्ञों से बातचीत की।

प्रशिक्षण अवधि के दौरान **निम्समे** प्रबंधन ने उपयुक्त निर्देश देकर वायरस के संक्रमण से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी एहतियाती उपाय किए हैं। इनमें सामाजिक दूरी बनाए रखना और कार्यक्रम के दिनों में सभी प्रशिक्षुओं द्वारा अक्सर हाथ से साफ-सफाई का उपयोग करना शामिल था।

4.2. निर्यात में प्रमाण पत्र - आयात और अंतरराष्ट्रीय व्यापार संचालन

निम्समे द्वारा भारत एसएमई फोरम के सहयोग से आयात निर्यात और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संचालन पर 29 जून से 18 जुलाई, 2020 तक एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें 10 प्रतिभागी थे, सभी उद्यमियों का अभ्यास कर रहे थे।

18 जून 2020 को उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए इंडिया एसएमई फोरम की महानिदेशक सुषमा मोरथानिया ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के महत्व के बारे में बताया। इससे पहले इंडिया एसएमई फोरम के श्री विनोद कुमार ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उनसे अपने व्यवसाय को बढ़ाने का आग्रह किया। निम्समे के संकाय मेंबर और कार्यक्रम निर्देशक डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी ने कार्यक्रम संरचना का अवलोकन प्रस्तुत किया।

8 दिवसीय कार्यक्रम में कार्यक्रम के प्रत्येक दिन एक घंटे का सत्र शामिल किया गया था। सामग्री की सॉफ्ट कॉपी प्रतिभागियों को पहले से हस्तांतरित की गई थी और प्रत्येक सत्र के लिए पूर्व और बाद का मूल्यांकन किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित विभिन्न विषयों को शामिल किया गया जिसमें शामिल थे- निर्यात कैसे शुरू करें - आयात व्यवसाय, वैश्विक और स्थानीय निकाय, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन, भुगतान शर्तें और शिपिंग दस्तावेज, सरकारी प्रोत्साहन और योजनाएँ , जोखिम प्रबंधन और बीमा, निर्यात आयात वित्त और उत्पाद और बाजार चयन। प्रशिक्षणार्थियों को भाग लेने के ई-प्रमाण पत्र वितरण के साथ 18 जुलाई को ऑनलाइन प्रशिक्षण का समापन किया गया।

4.3. संकाय विकास में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी-एफडीपी)

कोविड-19 महामारी के कारण प्रशिक्षण परिदृश्य और आयाम लगातार बदल रहे हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए महानिदेशक ने प्रशिक्षण/शिक्षा के प्रसार के लिए अभिनव प्रारूपों की खोज करने का सुझाव दिया है ।

इस प्रकार, उ.प्र. स्कूल के संकाय सदस्य डॉ. दिब्येन्दू चौधरी ने विषय पर शोध किया। डॉ. चौधरी, काम इंटरनेट सुविधा का उपयोग कर, कैसे कम से कम निवेश के साथ ऑनलाइन सिखाने के लिए पर संकाय बिरादरी के लिए एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम बनाया । उन्होंने 15 से 21 जुलाई 2020 तक आंतरिक संकाय सदस्यों के लिए प्रशिक्षकों/संकाय विकास कार्यक्रम (टीओटी-एफडीपी) के प्रशिक्षण का नया रूप पूरी तरह से ऑनलाइन किया।

इस कार्यक्रम में गूगल क्लासरूम पर ऑनलाइन कोर्स बनाने, प्रेजेंटेशन के जरिए ऑनलाइन क्लासेज रिकॉर्ड करने, क्लासरूम कंटेंट में यूट्यूब वीडियो एम्बेड करने, कंटेंट बनाने, रजिस्ट्रेशन फॉर्म बनाने और गूगल फॉर्म के जरिए फीडबैक फॉर्म बनाने और ओपन सोर्स वीडियो एडिटिंग सॉफ्टवेयर के जरिए ऑनलाइन क्लासेज रिकॉर्ड करने के अलग-अलग पहलुओं को शामिल किया गया है । प्रशिक्षण इनपुट प्रशिक्षित संकाय को अपने स्वयं के पाठ्यक्रमों को ऑनलाइन बनाने, प्रतिभागियों/छात्रों की प्रगति को निर्धारित समय के भीतर प्रबंधित और निगरानी करने और सीखने के परिणाम को मापने में सक्षम बनाते हैं । अंत में प्रशिक्षुओं/छात्रों को पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा । टीओटी एफडीपी को आंतरिक संकाय द्वारा काफी सराहा गया है और समापन के दौरान महानिदेशक ने डॉ. चौधरी की पहल की सराहना की। उन्होंने इस पहल का लाभ अन्य संस्थानों और कॉलेजों के संकाय को देने का सुझाव दिया, जो समान स्थिति से गुज़र रहे सभी प्रशिक्षकों/शिक्षकों के लिए मददगार होगा ।

चित्र 4.2. संकाय विकास में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी-एफडीपी)

4.4. उत्पाद संवर्धन और पैकेजिंग में डुएल सर्टिफिकेशन पर कार्यक्रम

निम्समे ने 10 से 14 अगस्त 2020 तक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग (आईआईपी), हैदराबाद के सहयोग से उत्पाद संवर्धन और पैकेजिंग पर दोहरी प्रमाणन कार्यक्रम आयोजित किया था। प्रशिक्षण ऑनलाइन आयोजित किया गया। 5 दिवसीय प्रशिक्षण में पूरे भारत से कुल 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस आदान-वे का प्रचार-प्रसार निम्समे और आईआईपीएफसी दोनों के प्रसिद्ध संकाय ने किया। श्री संदीप भटनागर, निदेशक (एम एण्ड बीडी), निम्समे कार्यक्रम निदेशक थे।

आईआईपीएफसी के निदेशक डॉ. तनवीरलम ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह के माध्यम से निम्समे के महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा उपस्थित थे।

प्रमाणन कार्यक्रम को नवीनतम उपलब्ध पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों, ई-मार्केटिंग से परिचित कराते हुए एमएसएमई के विपणन और संवर्धन प्रयासों को सुसज्जित और मजबूत करने के लिए तैयार किया गया था ।

चित्र 4.3. उत्पाद संवर्धन और पैकेजिंग में दोहरी प्रमाण पत्र कार्यक्रम

4.5. एनएमडीसी अधिकारियों के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम

निम्समे के उद्यम प्रबंधन स्कूल ने 17 से 31 अगस्त 2020 के दौरान वर्चुअल पद्धति में एनएमडीसी अधिकारियों के लिए दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया। संकाय सदस्य, उ.प्र. स्कूल डॉ. दिब्येन्दू चौधरी ने एनएमडीसी द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम का निर्देशन किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने किया, जबकि एनएमडीसी की महाप्रबंधक, (एचआर) डॉ. जी.ई. रीता रेड्डी और एनएमडीसी के एचआरडी के वरिष्ठ प्रबंधक बी. दुर्गा विजय चंद ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और

कार्यक्रम का परिचय दिया। कार्यक्रम निदेशक ने कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया और इसका अवलोकन दिया।

सत्रों को आंतरिक संकाय के साथ-साथ अतिथि वक्ताओं द्वारा संबोधित किया गया, जिनके पास संबंधित क्षेत्रों में डोमेन विशेषज्ञता है । प्रेरणा, समय प्रबंधन, कार्यकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही, ग्राहक अभिविन्यास, खनन की बुनियादी बातें, पर्यावरण प्रबंधन और स्थिरता, बॉस-अधीनस्थ/सचिव संबंध, प्रभावी लोगों की आठ आदतें, कार्यकारी स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन, संचार कौशल, लेनदेन विश्लेषण, बुद्धि, ईक्यू और एसक्यू, उद्यमिता, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, व्यापार वातावरण आदि विषयों में मूल्यवान जानकारी दी गई ।

कार्यक्रम प्रशिक्षुओं के मूल्यांकन के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया गया और 31 को औपचारिक रूप से संपन्न हुआ, सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा, महानिदेशक, निम्समे , डॉ. जीई रीता रेड्डी, डीमहाप्रबंधक, -एचआर, एनएमडीसी, श्री बी. दुर्गा विजय चंद, वरिष्ठ प्रबंधक, एचआरडी, एनएमडीसी, सुश्री सौम्या, प्रबंधन प्रशिक्षु, सुश्री टी. पद्मजा, एए और सुश्री ए स्वारूपा, एए, निम्समे और सभी प्रतिभागियों ने 31 अगस्त 2020 को लगभग 10.00 बजे लगभग प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया और सभी प्रतिभागियों ने निम्समे के साथ-साथ एनएमडीसी को धन्यवाद व्यक्त किया और संगठन में उनके आगे के विकास के बारे में व्यक्तिगत रूप से और साथ ही आधिकारिक तौर पर यह बहुत जुड़ा हुआ है । डॉ. रीता रेड्डी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन के लिए सभी निम्समे स्टाफ की सराहना की और उन सभी को संगठन में उनके भविष्य के विकास के लिए प्रतिभागियों के लिए शुभकामनाएं दीं ।

सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने प्रतिभागियों को बधाई दी और उनके पीपीटी की सराहना करते हुए आगामी बैचों में एनएमडीसी और आगे निगम के प्रति उनकी भलाई का सुझाव दिया । कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यक्रम निदेशक डॉ. दिब्येन्दू चौधरी और उनकी टीम स्टाफ को बधाई दी। सुश्री सौम्या ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए, जबकि कार्यक्रम निदेशक ने वर्चुअल मीटिंग का लगभग समापन किया ।

चित्र 4.4. एनएमडीसी अधिकारियों के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम

4.6. उद्यमिता विकास और मेंटरशिप पर एफडीपी

निम्समे के देखिए 7 से 11 सितंबर 2020 के दौरान एनआईटी-रायपुर की संकाय के लिए उद्यमिता विकास और और संरक्षण पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया है। टीक्यू बौद्धिक संपदा के तहत एनआईटी रायपुर द्वारा प्रायोजित एफडीपी में एनआईटी रायपुर के करीब 20 सदस्यों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि उद्यमिता समय की माँग है। संकाय प्रशिक्षुओं को तकनीक के बारे में सिखाएंगे। प्रशिक्षु को पता होना चाहिए कि प्रौद्योगिकी का व्यावसायीकरण कैसे किया जाए और उद्यमी बनें । एफडीपी उद्यमिता और मेंटरशिप से सभी जानकारियाँ देगी। महानिदेशक ने कार्यक्रम के संचालन के लिए **निम्समे** में ट्रस्ट को फिर से शुरू करने के लिए एनआईटी रायपुर के प्रबंधन का आभार जताया ।

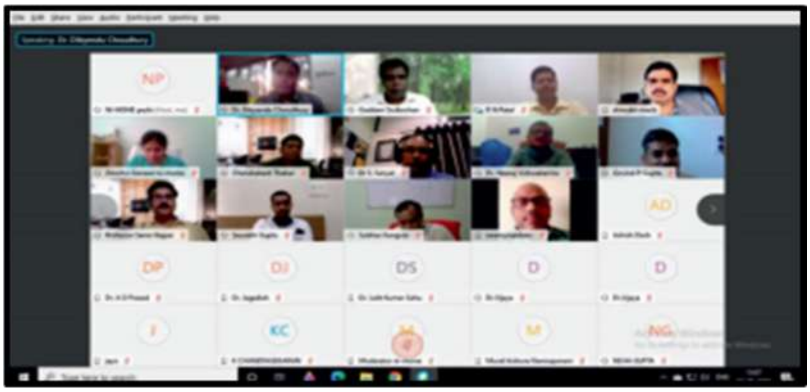

चित्र 4.5. उद्यमिता विकास और मेंटरशिप पर एफडीपी

प्रशिक्षण आदानों में उद्यमशीलता प्रेरणा प्रशिक्षण (ईएमटी), विचार उत्पादन, व्यापार के अवसरों और बाजार सर्वेक्षण की पहचान, उदयम पंजीकरण, संस्थागत सहायता (एमएसएमई, तकनीकी और वित्तीय), एमएसएमई योजनाएँ , उद्यम योजना और प्रक्षेपण के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण, एक सूक्ष्म इकाई स्थापित करने के लिए कानूनी औपचारिकताएं, बौद्धिक संपदा अधिकार, विस्तृत अनुमानित तैयारी और उद्यम का प्रबंधन, सूक्ष्म उद्यम विकास के लिए क्लस्टर दृष्टिकोण शामिल थे। बदलते परिदृश्य में उद्यमिता शिक्षा की आवश्यकता और महत्व, शिक्षा प्रणाली में उद्यमिता पर पाठ्यक्रम नियोजन का महत्व, सलाह देने का परिचय, सलाह संबंधों का निर्माण और प्रबंधन, सलाह शैलियों और कौशल, संरक्षक की भूमिका, सलाह के चरण और सलाह के लाभ । श्री जी सुदर्शन, उद्यमिता और विस्तार स्कूल के संकाय सदस्य कार्यक्रम निदेशक थे।

4.7. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के प्रशिक्षकों के लिए ईएसडी पर टीओटी, टीएस सरकार

निम्समे के देखते ही तेलंगाना सरकार के श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कारखानों विभाग द्वारा प्रायोजित सहायक प्रशिक्षण अधिकारियों, उप प्रशिक्षण अधिकारियों और सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के प्रशिक्षण अधिकारियों के लिए 21 सितंबर से 2 अक्टूबर 2020 तक उद्यमिता और कौशल विकास पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में तेलंगाना राज्य के विभिन्न आईटीआई से कुल 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

चित्र 4.6. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), टीएस सरकार के प्रशिक्षकों के लिए ईएसडी पर टीओटी

कार्यक्रम का उद्घाटन तेलंगाना सरकार की विशेष मुख्य सचिव (लेट एण्ड एफ विभाग) की आईएएस श्रीती आई रानी कुमुदिनी ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने वर्चुअल क्लास रूम के माध्यम से संकाय इंटरैक्शन और शिक्षण में प्रौद्योगिकी की आवश्यकता पर जोर दिया । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सहायक प्रशिक्षण अधिकारियों, उप प्रशिक्षण अधिकारियों और प्रशिक्षण अधिकारियों को उद्यमिता में ज्ञान प्राप्त करने और अपने शैक्षिक पाठ्यक्रमों को पूरा करने के लिए आईटीआई छात्रों के लिए प्रशिक्षकों और आकाओं के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाना है । उन्होंने निम्समे के महानिदेशक को उनके संकाय के लिए इस कार्यक्रम के संचालन के लिए बधाई दी ।

संयुक्त निदेशक श्री नागेश ने अपने संबोधन में कहा कि उद्यमिता समय की माँग है। जबकि आईटीआई के छात्र प्रौद्योगिकी में माहिर हैं, वे उद्यम सृजन के बारे में जागरूकता का अभाव है। यह प्रशिक्षण उनके संकाय को उस दिशा में मार्गदर्शन करने के लिए सशक्त बनाकर अंतर को भरेगा ।

निम्समे की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वापा ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि संकाय को उद्यमशीलता ज्ञान के साथ सशक्त बनाया जाना चाहिए ताकि वे अपने छात्रों को नौकरी चाहने वालों से रोजगार प्रदाता बनने के लिए प्रेरित कर सकें। उन्होंने निम्समे की विशेषज्ञता पर भरोसा जताने के लिए मुख्य सचिव, मुख्य सचिव, निदेशक और तेलंगाना सरकार के श्रम रोजगार प्रशिक्षण और कारखानों के विभाग का शुक्रिया अदा किया ।

इसमें शामिल विषयों में उद्यमी प्रेरणा प्रशिक्षण (ईएमटी), आइडिया जनरेशन, व्यापार के अवसरों और बाजार सर्वेक्षण की पहचान, उधामी पंजीकरण, संस्थागत सहायता (एमएसएमई, तकनीकी और वित्तीय), एमएसएमई योजनाएँ , उद्यम योजना और लॉन्चिंग के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण, एक सूक्ष्म इकाई स्थापित करने में कानूनी औपचारिकताएं, बौद्धिक संपदा अधिकार, विस्तृत अनुमानित तैयारी और उद्यम का प्रबंधन, सूक्ष्म उद्यम विकास के लिए क्लस्टर दृष्टिकोण शामिल थे । बदलते परिदृश्य में उद्यमिता शिक्षा की आवश्यकता और महत्व, शिक्षा प्रणाली में उद्यमिता पर पाठ्यक्रम नियोजन का महत्व, सलाह देने का परिचय, सलाह संबंध का निर्माण और प्रबंधन, सलाह शैलियों और कौशल, एक संरक्षक की भूमिका, सलाह के चरण और सलाह के लाभ । श्री जी सुदर्शन, संकाय सदस्य, देखें कार्यक्रम निदेशक थे।

कार्यक्रमों का समापन समारोह 2 अक्तूबर को किया गया था। संकाय सदस्य (उ.प्र.स्कूल) तथा प्रभारी प्रशासन डॉ. विश्वेश्वर रेड्डी ने प्रमाण पत्र वितरित किए । प्रतिभागियों ने सत्र देने वाले संकाय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस महामारी की स्थिति में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए महानिदेशक का आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम निदेशक श्री जी सुदर्शन ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

चित्र 4.7. उद्यमिता और कौशल विकास में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण का समापन

4.8. उद्यमिता विकास पर एफडीपी

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा उद्यमिता विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम 18 और 19 सितंबर 2020 से शंकर प्रौद्योगिकी संस्थान ने कार्यक्रम का समन्वय किया। एफडीपी कार्यक्रम टीईक्यूआईपीआईआईआई द्वारा प्रायोजित किए गए थे। कार्यक्रम का उद्घाटन 18 सितंबर 2020 को राजस्थान के महामहिम राज्यपाल श्री कलराज मिश्र्धरजी ने किया था। उद्घाटन समारोह में निम्समे के महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा उपस्थित थीं। 10 राज्यों के कुल 200 संकायों ने कार्यक्रम में भाग लिया है सुश्री ग्लोरी स्वरूपा, एनआई-आईएमएसएमई के महानिदेशक एफडीपी कार्यक्रम के लिए सलाहकार समिति की सदस्य थीं, और स्वरोजगार के लिए उद्यमिता और कौशल विकास विषय पर वक्ता भी थीं । अपने व्याख्यान में उन्होंने उद्यमिता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी साझा की, जैसे औद्योगिक प्रेरणा अभियान (आएमसीएस), सूक्ष्म इकाइयों की स्थापना के लिए उद्यमी को प्रेरित करने के लिए औद्योगिक प्रेरणा अभियानों का आयोजन किया जाता है । निम्समे के संकाय सदस्य श्री के सूर्यप्रकाश गौड़ एमएसएमई के लिए संस्थागत सहायता विषय के लिए एफडीपी कार्यक्रम में वक्ता थे । अपने व्याख्यान में उन्होंने माइक्रो जैसे संस्थानों की जानकारी साझा की, लघु और मध्यम उद्यम विकास संस्थान (एमएसएमई-डीआईएस), प्रौद्योगिकी संसाधन केंद्र (टीआरसी), क्षेत्रीय परीक्षण केंद्र (आरटीसी), फील्ड टेस्टिंग स्टेशन (एफटीएस), टूल रूम एण्ड ट्रेनिंग सेंटर (टीआरटीसी), केंद्रीय फुटवियर प्रशिक्षण संस्थान (सीएफटीआई), प्रक्रिया-सह-उत्पाद विकास केंद्र (पीपीडीसी), राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे), हैदराबाद, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एण्ड एस मॉल बिजनेस डेवलपमेंट (निस्बड), नई दिल्ली, नेशनल स्मॉल इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएसआईसी) और राज्य स्तरीय संस्थान श्री जी सुदर्शन, संकाय सदस्य, निम्समे शैक्षिक संस्थानों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के विषय के लिए एफडीपी कार्यक्रम में वक्ता थे।

शिक्षा में उद्यमिता को बढ़ावा देने के विचार ने पिछले कुछ दशकों में बहुत उत्साह को प्रेरित किया है । आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और सामाजिक लचीलापन बढ़ने जैसे परिणाम के लिए असंख्य प्रभाव बताए गए हैं । शैक्षिक संस्थानों में उद्यमिता को बढ़ावा देने का उद्देश्य शिक्षा संस्थानों को कौशल और ज्ञान प्रदान करना है जो छात्रों में उद्यमशीलता मूल्यों को जागृत करने और उद्यमशीलता कैरियर की दिशा में उनकी प्रगति की निगरानी के लिए आवश्यक हैं । विषयों को शामिल किया गया, शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता, शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता शिक्षा की प्रासंगिकता, उद्यमिता शिक्षा के लिए प्रगति मॉडल, पाठ्यक्रम विकास, उद्यमिता कार्यक्रम, लघु उद्योग इकाइयों को बढ़ावा देने और सहायता करने में शामिल एजेंसियाँ ।

चित्र 4.8. उद्यमिता विकास पर एफडीपी

21 सदी की शुरुआत के साथ ही भारत का डोमेस्टिक एक्वेरियम ट्रेड तेजी से बढ़ने लगा। अगले 4 से 5 साल में इसके 1,200 करोड़ रुपये और 2030 तक 3,000 करोड़ रुपये मौजूदा 500 करोड़ रुपये से बढ़ने का अनुमान है। इसकी पहचान हाल ही में घोषित "प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना" के तहत एक महत्वपूर्ण उप-क्षेत्र के रूप में है। एक्वेरियम व्यापार के चार प्रमुख घटक हैं जैसे एक्वेरियम और एक्वेरियम सामान, सजावटी मछलियाँ, फ़ीड और एक्वेरियम सर्विसिंग। हालांकि मछलीघर व्यापार के प्रमुख घटक सजावटी मछली है, यह कुल व्यापार के लिए केवल 20% योगदान देता है । सबसे ज्यादा (63%) हिस्सा मछलीघर और मछलीघर सामान (चित्र 1) द्वारा साझा किया जाता है, जिनमें से लगभग 95% चीनी मूल के हैं । इस तरह इन उत्पादों के आयात पर हमारा विदेशी मुद्रा व्यय बहुत अधिक है, जबकि देश में केवल साढ़े सात करोड़ रुपये की सजावटी मछली का निर्यात हो रहा है।

भारत सहित विश्व आर्थिक ढांचा कोविड-19 के बाद कई मायनों में पूरी तरह से अलग हो सकता है । भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लिए विजन के केंद्र बिंदु के रूप में "आत्मनिर्भर भारत" और "मेक इन इंडिया" की घोषणा की है । कई अन्य देश भी भारत को एक मेगा मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में देख रहे हैं और मौजूदा परिस्थितियों में चीन के विकल्प हैं। यह निश्चित रूप से विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय एमएसएमई के लिए सही

समय है जैसे ग्लास, इलेक्ट्रिकल, प्लास्टिक, एक्रेलिक, लकड़ी, धातु मछलीघर और मछलीघर के सामान के निर्माण को लेने के लिए । भारतीय मछलीघर उद्योग एमएसएमई के सक्रिय योगदान के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाना जा सकता है और बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार और आजीविका सहायता भी प्रदान कर सकता है।

4.9. हेल्थकेयर उत्पादों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

निम्समे परिसर में 28 से 30 अक्टूबर 2020 के दौरान स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों में उद्यमिता विकास पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन निम्समे के महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा, एसईडी के संकाय सदस्य केएस पी गौड़ ने प्रतिभागियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम निदेशक श्री जे कोटेश्वर राव ने कार्यक्रम सामग्री की संक्षेप में रूपरेखा तैयार की। महानिदेशक ने स्वास्थ्य के महत्व के बारे में बताया।

इस समय देखभाल उत्पादों। इस कार्यक्रम में केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के भाग के रूप में, 29 तारीख को ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क, एनआईआरडी और पीआर में स्थित एक घर आधारित उत्पाद निर्माता, यूटीटीएचएएम इंडस्ट्रीज के लिए इन-प्लांट एक्सपोजर विजिट की व्यवस्था की गई थी । रासायनिक योगों के साथ उनके सभी उत्पादों को तैयार करने के तरीके दिखाए गए। प्रतिभागियों को हाथों-हाथ अनुभव भी दिया गया।

चित्र 4.9. हेल्थकेयर उत्पादों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

उद्यमिता पर सत्र, निर्णय लेने की प्रक्रिया, बाजार सर्वेक्षण उपकरण, वित्तीय लागत और बुनियादी लेखांकन, बिजनेस प्लान तैयार करना, परियोजना तकनीकी व्यवहार्यता, एमएसएमई योजनाओं और उदयम पंजीकरण आदि पर **निम्समे** संकाय द्वारा संबोधित किया गया । स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद के एमजीएम (सेवानिवृत्त) श्री वाई. रेड्डी. ने

प्रतिभागियों से बातचीत की और वित्तीय परियोजना रिपोर्ट मूल्यांकन पर उनका मार्गदर्शन किया।

समापन समारोह की अध्यक्षता **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने की। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उत्कृष्ट आंका। महानिदेशक ने सफल उद्यमियों के उदाहरणों का हवाला दिया और स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के लिए मंत्रालय की योजनाओं की गणना की । कार्यक्रम समापन से पहले सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

4.10. कृषि उद्यमिता में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

निम्समे के देख ने 5 से 9 अक्टूबर 2020 के दौरान सिंजेंटा फाउंडेशन, इंडिया के लिए एग्री एंटरप्रेन्योरशिप में ट्रेनर्स (टीओटी) कार्यक्रम का प्रशिक्षण आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 8 विभिन्न राज्यों के संकाय, परियोजना नेताओं और परियोजना समन्वयकों सहित 25 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

श्री भास्कर रेड्डी, कार्यकारी निदेशक, सिंजेंटा फाउंडेशन इंडिया, श्री राजेंद्र जोग, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एईजी फाउंडेशन, श्री रविंद्र कटरे, हेड-ट्रेनिंग, सिंजेंटा फाउंडेशन, एईजी फाउंडेशन की प्रबंधक-व्यापार विकास सुश्री भवना निर्मल और सिंजेंटा फाउंडेशन के प्रबंधक श्री अरविंद ने उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई और प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने का आग्रह किया । निम्समे की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि राष्ट्रीय, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम संस्थान एण्ड सिंजेंटा फाउंडेशन, भारत ने ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उद्यमिता के विकास के लिए प्रयास शुरू किए हैं । दोनों संगठनों के पास 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को सहक्रियात्मक तरीके से विकसित करने और लागू करने की क्षमता है ।

ऑनलाइन वेबएक्स मोड के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षुओं के बीच उद्यमशीलता की सफलता पैदा करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना है । एक उद्यम, प्रशिक्षण विधियों, सलाह, बौद्धिक संपदा अधिकार, जीएसटी, एमएसएमई नीति और योजनाओं, एमएसएमई और क्लस्टर विकास के लिए विपणन के लिए विचार इनपुट में थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम की पठन सामग्री, मूल्यांकन और फीडबैक गूगल क्लासरूम के माध्यम से उपलब्ध कराया गया।

कार्यक्रम के कार्यक्रम निदेशक डॉ. श्रीकांत शर्मा ने कहा कि भारत सरकार ने हाल ही में कृषि क्षेत्र में ढांचागत सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की है ताकि इसे एक व्यवहार्य उद्यम में बदल

दिया जा सके और कृषक समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। इस तरह के कार्यक्रमों से सरकारी विजन को जमीनी स्तर तक बदलने में मदद मिलेगी।
प्रतिभागियों ने राय व्यक्त की कि प्रशिक्षण से उन्हें वर्तमान नौकरी में अपनी दक्षता में सुधार लाने में काफी मदद मिलेगी। कार्यक्रम का समापन उ.प्र. स्कूल के संकाय सदस्य डॉ. दिब्येन्दू चौधरी द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

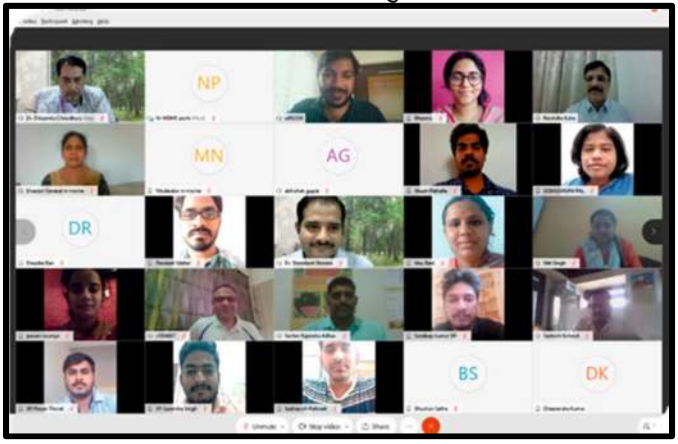

चित्र 4.10. कृषि उद्यमिता में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

4.11. एमएसएमई के लिए ई-वेस्ट मैनेजमेंट और रीसाइक्लिंग विकल्प

उद्य़म विकास स्कूल (एसईडी) ने परिसर में 14 से 18 दिसंबर 2020 तक एमएसएमई के लिए ई-वेस्ट मैनेजमेंट एण्ड रीसाइक्लिंग विकल्पों पर एक सप्ताह का राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। श्री जे कोटेश्वर राव, एसंकाय सदस्य , एसईईटी कार्यक्रम निदेशक थे। प्रतिभागियों ने महाराष्ट्र, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों से स्वागत किया।

कार्यक्रम में ई-कचरे के खतरों, इसके उपयुक्त प्रबंधन की आवश्यकता और जमीनी स्तर पर लागू किए जा सकने वाले विकल्पों पर प्रकाश डाला गया। भारत में ऐसी प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए उपलब्ध उपचार प्रौद्योगिकियों, उनकी क्षमता और वित्तीय तंत्रों और स्थानीय सरकारों में मौजूद विभिन्न साधनों पर जोर दिया गया जिसका उपयोग ग्रीन हाउस गैसों की कमी को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है।

यह कार्यक्रम अच्छी तरह से अनुभवी संकाय द्वारा अच्छे शिक्षण के साथ-साथ विशेषज्ञता के अपने-अपने क्षेत्र में व्यावहारिक विशेषज्ञता के साथ आयोजित किया गया था। विषय सत्रों को संबोधित करने और प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत करने के लिए संसाधन व्यक्तियों के रूप में प्रख्यात विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था।

कार्यक्रम निदेशक और **निम्समे** संकाय के अलावा, संसाधन व्यक्तियों में श्री.एम. रेड्डी, मुख्य प्रबंधक (सेवानिवृत्त), एसबीआई, श्री पी. वीरन्ना, सीनियर एनवायरमेंटल साइंटिस्ट (सेवानिवृत्त), टीएसपीसीबी, हैदराबाद, श्री वाई. वी. मल्लिकार्जुन रेड्डी, सीईओ, प्रथम

एनविरोटेक सॉल्यूशंस, हैदराबाद और डॉ. के. श्रीनिवास, तकनीकी प्रमुख, रामकी एनविरो इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद शामिल थे।

ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग प्लांट्स में बिजनेस के अवसरों के विषयों पर केंद्रित जानकारियाँ, ई-वेस्ट केस स्टडीज के लिए प्रभावी मैनेजमेंट सिस्टम की ओर अप्रोच, ई-वेस्ट मैनेजमेंट में एंटरप्रेन्योरशिप के मौके, उदयम रजिस्ट्रेशन प्रोसीजर, बिजनेस प्लान तैयार करना, तकनीकी व्यवहार्यता, ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग सुविधा की स्थापना के लिए लागत अनुमान, ट्रेड मार्क, जीआई प्रोसेस, प्रोजेक्ट रिपोर्ट मूल्यांकन: बैंकर का दृष्टिकोण, नियामक ढांचा , अनुपालन आवश्यकताओं, ई-कचरे और चुनौतियों का रीसाइक्लिंग: जर्मन अनुभव का एक मामला अध्ययन, और ई-अपशिष्ट रीसाइक्लिंग सुविधाओं की स्थापना के लिए प्रक्रियाएँ।

चित्र 4.11. एमएसएमई के लिए ई-वेस्ट मैनेजमेंट और रीसाइक्लिंग विकल्प

प्रतिभागियों ने सवाल पूछे और वक्ताओं से स्पष्टीकरण का उनुरोध किया। कार्यक्रम के सहभागियों के लिए एक संयंत्र के अंदरूनी दौरे (इन-प्लांट एक्सपोजर विजिट) की भी व्यवस्था की गई थी। कचरे के पुनर्चक्रण के कारोबार में शामिल सफल उद्यमी अन्नान्या ग्रीन टेक के सफल उद्यमी श्री वेणु माधव ने अपने व्यावहारिक अनुभव साझा किए।

समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने कहा कि यह कार्यक्रम उपयोगी व जानकारीपूर्ण है। उन्होंने संकाय और अतिथि वक्ताओं की सराहना की और कार्यक्रम को बहुत अच्छा आंका। समापन भाषण के दौरान संकाय सदस्य डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी ने सरकारी योजनाओं, आतमा निर्भय भारत अभियान और एमएसएमई के लिए इसके महत्व के बारे में जागरूकता की जरूरत पर जोर दिया। बाद में उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान किए।

4.12. महिला उद्यमिता प्रशिक्षण और शिक्षकों का कौशल प्रशिक्षण

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित चार सप्ताह के ऑनलाइन महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम और छह सप्ताह के प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास कार्यक्रम का उद्घाटन 28 दिसंबर 2020 को राष्ट्रीय सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे) में किया गया था। डब्ल्यूईडीपी 23 जनवरी 2021 तक चलेगी, जबकि टेडीपी 6 फरवरी 2021 तक चलेगा। कार्यक्रम निदेशक क्रमशः उ.प्र. स्कूल के संकाय सदस्य श्री जी सुदर्शन और डॉ. ई. विजया हैं।

ईडीपी का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्नातकों की क्षमता और विश्वास का निर्माण करना और उन्हें उद्यमशीलता कैरियर चुनने के लिए प्रेरित करना है, उद्यम को सक्षम रूप से प्रबंधित करने के लिए उन्हें मार्गदर्शन और संरक्षक। एक महीने का ईडीपी मुख्य रूप से उद्योग स्थापित करने के बुनियादी मापदंडों, परियोजना पहचान, परियोजना प्रोफाइल, परियोजना रिपोर्ट तैयार करने और बैंकरों के दृष्टिकोण से मूल्यांकन और प्रबंधन पहलुओं पर केंद्रित है । व्यक्तिगत प्रभावशीलता, उद्यमिता विकास की गतिशीलता, ईएमटी, सकारात्मक दृष्टिकोण, तनाव प्रबंधन आदि पर भी ध्यान दिया जाएगा।

सत्र व्यावहारिक अभिविन्यास के साथ डिजाइन किए हैं, और सफल उद्यमियों, बैंकरों, उद्योग विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों के साथ बातचीत शामिल हैं । दोनों कार्यक्रमों में 50 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

उद्घाटन सत्र के दौरान कार्यक्रम निदेशकों ने प्रतिभागियों को कार्यक्रम डिजाइन, कार्यप्रणाली, कवरेज और असाइनमेंट और परियोजना की तैयारी से परिचित कराया । उन्होंने बताया कि व्यावहारिक अभिविन्यास पर जोर देने से सैद्धांतिक जानकारियों को बफर किया जाएगा, उद्घाटन के दौरान निम्समे के महानिदेशक ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उनसे उद्यमशीलता कैरियर चुनने का आग्रह किया । दुनिया के सबसे युवा देश के रूप में उभर रहे भारत के आलोक में युवाओं को रोजगार चाहने वालों के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बनने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्नातकों के लिए अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए एक लाभ है । इसके अलावा उन्होंने प्रतिभागियों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित होने और अपने उद्यमों को बढ़ाने के लिए स्टार्ट-अप से निम्समे की सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया ।

उद्घाटन कार्यक्रम का समापन एसंकाय सदस्य , ईसंकाय सदस्य डॉ. श्रीकांत शर्मा द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

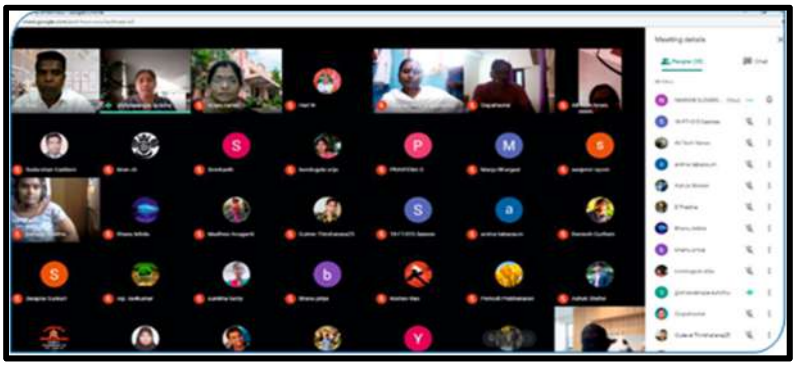

चित्र 4.12. डब्ल्यूईडीपी और टीईडीपी का शुभारंभ

श्रृंखला में स्कूल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एण्ड एक्सटेंशन (उ. एवं वि.स्कूल) ने विज्ञान स्नातकों के लिए महिला और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया है । 18 जनवरी, 2021 को महानिदेशक ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित महिला उद्यमिता विकास प्रशिक्षण और टीईडीपी कार्यक्रमों का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में 4 राज्यों के 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रौद्योगिकी आधारित ईडीपी मुख्य रूप से स्वास्थ्य देखभाल के एक विशिष्ट प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एस एण्ड टी उद्यमियों के प्रशिक्षण और विकास की जरूरत पर केंद्रित है। प्रतिभागियों को वाणिज्यिक दोहन के लिए उपलब्ध अनुसंधान और विकास संस्थानों द्वारा विकसित स्वदेशी प्रौद्योगिकियों में हाथों से प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है । टेडपी का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों को 6 सप्ताह की अवधि के संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम से गुजरने के लिए प्रेरित करना और विकसित करना है ताकि वे सीएसआईआर प्रयोगशालाओं, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, विश्वविद्यालयों आदि द्वारा डिजाइन किए गए विशिष्ट उत्पादों/प्रौद्योगिकियों/प्रक्रियाओं का निर्माण कर सकें । एक टीईडीपी में उद्यमियों को उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के बारे में तकनीकी ज्ञान के संपर्क में हैं और प्रौद्योगिकी प्रदाता की प्रयोगशाला में अपने कौशल को बढ़ाने में सक्षम हैं जो वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य प्रौद्योगिकिय़ाँ प्रदान करता है और संभावित उद्यमियों को नए तकनीकी ज्ञान को अपनाने में भी मदद करता है। प्रशिक्षण अवधि के दौरान, प्रतिभागियों को एक उद्यम शुरू करने और प्रबंधित करने के तरीके की पेचीदगियों को भी जानने को मिलता है।

अंत में वे एक विश्वसनीय परियोजना रिपोर्ट तैयार करने में सहायता कर रहे हैं । इस महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम का उद्देश्य एस एण्ड टी स्नातकों और डिप्लोमा धारकों को एक आर्थिक गतिविधि या उद्यम को सफलतापूर्वक शुरू करने, योजना बनाने, शुरू करने और शुरू करने के मूल सिद्धांतों में प्रशिक्षित करना है । कार्यक्रम सामग्री में उद्यमिता की अनिवार्यता पर क्लास रूम प्रशिक्षण, सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य का सर्वेक्षण, व्यापार के अवसरों की पहचान, भूमिका और कार्य के साथ-साथ सहायता प्रणाली के विभिन्न घटकों

द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता योजनाएँ , तकनीकी रूप से व्यवहार्य और आर्थिक रूप से व्यवहार्य परियोजना रिपोर्ट तैयार करना, उपलब्धि प्रेरणा प्रशिक्षण और किसी उद्यम के प्रबंधन की बारीकियों को भी शामिल किया गया है । चयनित परियोजना की प्रकृति के आधार पर प्रौद्योगिकी, ऑनसाइट एक्सपोजर और वित्तीय अवसरों पर सत्रों की भी व्यवस्था की गई थी ।

कार्यक्रम निदेशक श्री जी सुदर्शन ने प्रतिभागियों का स्वागत किया, सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा और डीएसटी पर्यवेक्षक डॉ. के श्रीनिवास, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कृषि में उद्यमिता के नवाचार विकास के लिए एसोसिएशन । अपने संबोधन में डॉ. के श्रीनिवास ने कहा कि डीएसटी विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्नातकों के लिए बड़ी संख्या में कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री ने स्टार्ट-अप के लिए 1,000 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया है जो उद्यमिता विकास कार्यक्रमों का हिस्सा है।

उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए निम्समे की सराहना की। उद्घाटन भाषण में महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने प्रतिभागियों और डीएसटी प्रेक्षक डॉ. के श्रीनिवास का स्वागत किया। उन्होंने डब्ल्यूईडीपी और टीईडीपी कार्यक्रमों को प्रायोजित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को धन्यवाद दिया । उन्होंने कहा कि एमएसएमई आर्थिक इंजन हैं जो निर्यात बढ़ाते हैं और सकल घरेलू उत्पाद में योगदान देते हैं । उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ज्ञात जोखिम वाहक होने के नाते महिलाओं की एक उद्यमी के रूप में बड़ी भूमिका है । उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को कार्यक्रम का लाभ उठाने के लिए नियमित रूप से उपस्थित होना चाहिए । उन्होंने महिला प्रतिभागियों को तेजी से विस्तारित स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में अवसरों को हड़पने के लिए उपन्यास व्यापार विचारों के साथ आने के लिए भी विस्तारित और प्रेरित किया ।

धन्यवाद ज्ञापन श्री विवेक कुमार ने दिया। उन्होंने उद्घाटन भाषण के लिए महानिदेशक डॉ. के श्रीनिवास को कार्यक्रम प्रायोजित करने के लिए उद्घाटन और डीएसटी की शोभा बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया ।

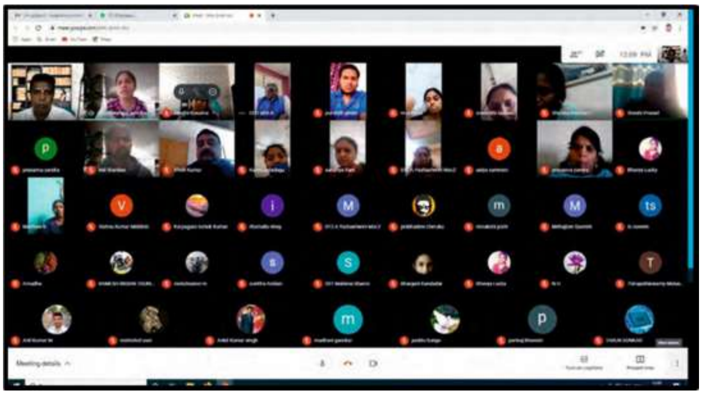

चित्र 4.13. डब्ल्यूईडीपी और टीईडीपी का उद्घाटन

4.13. कृषि उद्यमिता पर (टीओटी) प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

उद्यमिता और विस्तार स्कूल ने 13 से 21 जनवरी 2021 तक एग्री एंटरप्रेन्योरशिप पर (टीओटी) ट्रेनर्स का ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किया। यह कार्यक्रम केरल सरकार के केरल इंस्टीट्यूट फॉर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (केईईई) द्वारा प्रायोजित किया गया था। उद्घाटन के दौरान कार्यक्रम निदेशक डॉ. श्रीकांत शर्मा, एसंकाय सदस्य और संकाय सदस्य के डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें संस्थान और कार्यक्रम कार्यक्रम के बारे में पेश किया । प्रतिभागियों में केरल सरकार के जिला उद्योग केंद्रों (डीआईसी) के नोडल अधिकारी और आईईओ शामिल हैं।

पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान कृषि उद्यमिता पर विभिन्न सत्र, प्रशिक्षण के तरीके, पाठ्यक्रम डिजाइनिंग, आजीविका, सलाह, एमएसएमई योजनाएँ , विपणन, बौद्धिक संपदा अधिकार और जीएसटी का संचालन गूगल मीट के माध्यम से किया गया। पढ़ने की सामग्री और पॉवर पॉइंट प्रस्तुतियाँ गूगल कक्षा में दीगई । 21 जनवरी, 2021 को आयोजित समापन के दौरान प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की और निम्समे को केरल सरकार के अन्य अधिकारियों के लिए इस तरह के और अधिक कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। कीद के सीईओ और कार्यकारी निदेशक श्री शरत वी राज और कीद के कार्यक्रम प्रबंधक श्री मिधु एसवी ने इस कार्यक्रम के संचालन के लिए **निम्समे** की सराहना की और धन्यवाद दिया।

सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों को अपने-अपने जिलों में कृषि उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए बहुमूल्य सुझाव देकर प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि केरल राज्य में नारियल, केला, मसाले और अन्य जैसे बहुत से स्थानीय उत्पाद हैं, जिनके भारत और विदेशों में बाजार की अच्छी माँग है । यह माना जाता है कि तेजी से शहरीकरण और मरुस्थलीकरण के कारण साल दर साल भूमि जमने की कमी के रूप में खाद्य असुरक्षा बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर वस्तुओं के प्रसंस्करण और उपज में मूल्य वर्धन जोड़ने जैसी कृषि व्यवसाय तकनीकों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करने से किसानों को अधिक उपज प्राप्त करने, व्यापार के विस्तार में मदद मिल सकती है, अधिक लाभ उत्पन्न होता है ।

डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी ने केरल इंस्टीट्यूट फॉर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (केईईडी), केरल सरकार की पूरी टीम और इस कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट सहयोग और उत्साह के लिए प्रतिभागियों को धन्यवाद देने का प्रस्ताव रखा ।

4.14. निर्यात प्रलेखन प्रक्रियाएँ और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संचालन

निम्समे की ओर से निर्यात प्रलेखन प्रक्रियाओं और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संचालन पर 18 से 22 जनवरी 2021 तक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पाँच सदस्यों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन करते हुए संकाय सदस्य एवं कार्यक्रम निदेशक डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया, **निम्समे** की उत्पत्ति के बारे में जानकारी दी और निर्धारित कार्यक्रम का अवलोकन किया।

कार्यक्रम में शामिल व्यापक क्षेत्रों में निर्यात व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया, अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक और भुगतान शर्तें, पूर्व और बाद की शिपमेंट प्रक्रिया और प्रलेखन, सरकारी लाभ, एक्जिम वित्त, बीमा और जोखिम प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय निकाय, परिवहन के प्रकार, कंटेनर और पैकेजिंग, अंतरराष्ट्रीय उत्पाद और बाजार चयन शामिल हैं।

समापन समारोह की अध्यक्षता कार्यक्रम निदेशक डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी ने की। प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया लेने पर उन्हें जल्द से जल्द अपना निर्यात व्यवसाय शुरू करने की सलाह दी गई।

चित्र 4.14. निर्यात प्रलेखन प्रक्रियाएं और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संचालन

4.15. महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम (डब्ल्यूईडीपी)

उद्यमिता और विस्तार स्कूल द्वारा महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 28 दिसंबर 2020 को शुरू होकर 23 जनवरी 2021 को संपन्न हुआ । इस कार्यक्रम में 5 राज्यों के 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम निर्देशक डॉ. ई. विजया ने महानिदेशक को कार्यक्रम के बारे में बताया। फीडबैक साझा करते समय प्रतिभागियों ने आवश्यक आदानों के लिए खुशी व्यक्त की जो आत्मविश्वास पैदा करते हैं और अपने स्वयं के उद्यम को शुरू करने के लिए पर्याप्त प्रेरणा देते

हैं । प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के संचालन के लिए डीएसटी और **निम्समे** को प्रायोजित करने पर भी धन्यवाद दिया।

समापन संबोधन में महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम के समापन पर बधाई दी। उन्होंने संकेत दिया है कि यह कार्यक्रम तब तक पूरा नहीं हुआ है जब तक कि वे अपना उद्यम शुरू नहीं करते । उन्होंने ऋण मेले की जानकारी दी और सभी प्रतिभागियों को ऋण मेले में सक्रिय भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार महिला उद्यमियों के लिए विशेष प्रोत्साहन दे रही है। उन्होंने महिला प्रतिभागियों को प्रेरित करने के लिए डेक्कन डेवलपमेंट सोसायटी (डीडीएस) की सफलता की कहानी भी साझा की। डीडीएस तेलंगाना के सांगारेड्डी जिले में महिला संघ (गरीबों के स्वैच्छिक ग्राम स्तरीय संघों) के साथ लगभग 75 गांवों में काम करने वाला साढ़े तीन दशक पुराना ग्रास रूट संगठन है। समाज की 5,000 महिला सदस्य अपने गांव के समुदायों में सबसे गरीब व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं।

इनमें से ज्यादातर दलित हैं, जो भारतीय सामाजिक पदानुक्रमित समाज के सबसे निचले तबके के हैं । समाज के पास इन ग्राम समूहों को प्राथमिक स्थानीय शासन के जीवंत अंगों में मजबूत करने का एक सपना है और उन्हें महिलाओं, गरीबों और दलितों के लिए एक मजबूत दबाव लॉबी में विभाजित करता है । समाज द्वारा सुगम लोगों के साथ निरंतर संवाद, वाद-विवाद, शैक्षिक और अन्य गतिविधियों का एक श्रृंखला महिला सशक्तिकरण के इस दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदलते रहते हैं ।

महानिदेशक ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए कार्यक्रम निदेशक ने महानिदेशक को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम के संचालन के लिए उनके समर्थन और डीएसटी को प्रायोजित करने के लिए धन्यवाद दिया ।

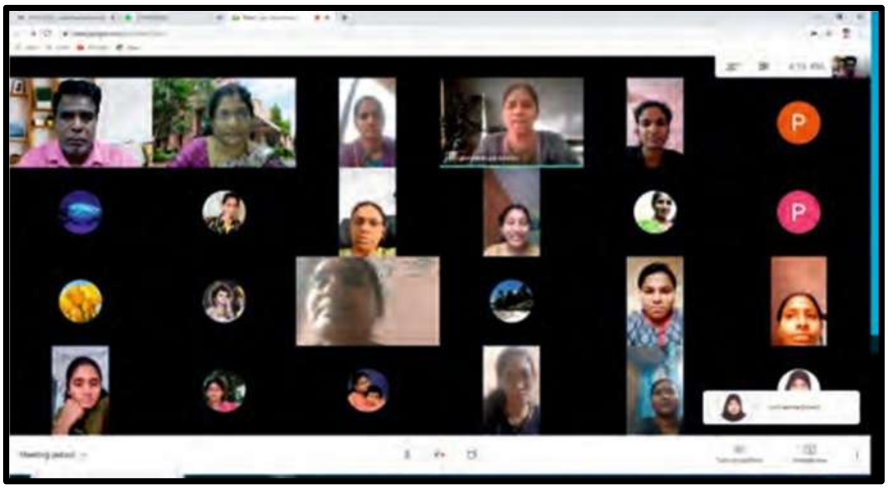

चित्र 4.15. महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम (डब्ल्यूईडीपी)

4.16. टेक्सटाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में टीईडीपी

उद्यमिता और विस्तार स्कूल (एसईई) ने 1 फरवरी 2021 से 13 मार्च 2021 तक टेक्सटाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स पर प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमिता विकास कार्यक्रम शुरू किया है, 8 फरवरी 2021 से 20 मार्च 2021 (इलेक्ट्रॉनिक्स)।

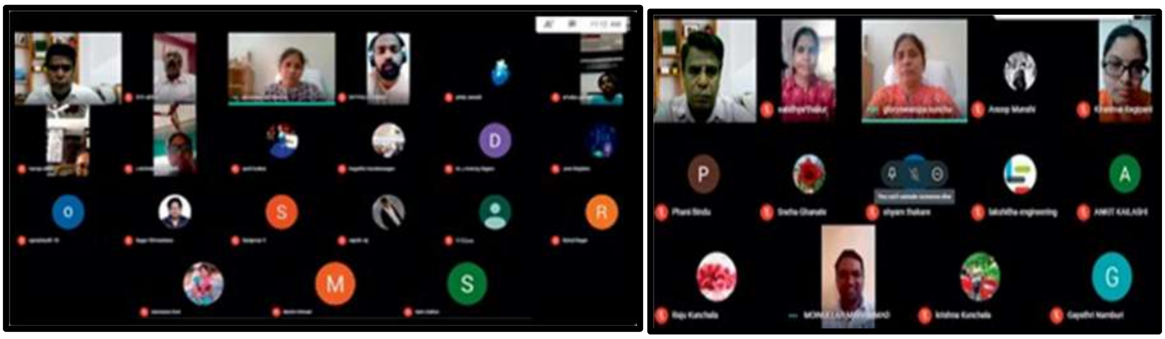

चित्र 4.16. टेक्सटाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में एस एम्ड टी उद्यमियों का प्रशिक्षण

प्रौद्योगिकी आधारित ईडीपी मुख्य रूप से वस्त्र और इलेक्ट्रॉनिक्स पर एक विशिष्ट प्रौद्योगिकी में एस एण्ड टी उद्यमियों के प्रशिक्षण और विकास की आवश्यकता पर केंद्रित है, प्रतिभागियों को वाणिज्यिक दोहन के लिए उपलब्ध अनुसंधान और विकास संस्थानों द्वारा विकसित स्वदेशी प्रौद्योगिकियों में हाथों से प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

प्रत्येक टीईडीपी में 25 व्यक्ति होते हैं, जिनके पास एस एण्ड टी में डिग्री/डिप्लोमा होता है और उन्हें लगभग 6 सप्ताह की अवधि के संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है।

कार्यक्रम का उद्घाटन 1 फरवरी 2021 को निम्समे की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने किया था। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा कि। उन्होंने कहा कि दोनों क्षेत्रों यानी टेक्सटाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स में कारोबार के कई अच्छे अवसर हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि उन्हें नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वाले होने चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम को प्रायोजित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम निदेशक श्री जी सुदर्शन ने बताया कि उद्यमियों को उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के बारे में तकनीकी जानकारी दी जाती है। सफल उद्यमी बनने की उनकी क्षमता का आकलन करने के लिए 5 राज्यों के कुल 50 प्रतिभागियों का चयन विभिन्न परीक्षणों और साक्षात्कारों के माध्यम से किया जाता है। प्रशिक्षण अवधि के दौरान, प्रतिभागियों को एक उद्यम शुरू करने और प्रबंधित करने के तरीके की पेचीदगियों को भी जानने को मिलता है। अंत में वे एक विश्वसनीय परियोजना रिपोर्ट तैयार करने में सहायता कर रहे हैं।

4.17. खाद्य प्रसंस्करण और कृषि उद्यमिता में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

उद्यमिता और विस्तार स्कूल (एसईई) ने 8 से 12 फरवरी 2021 तक खाद्य प्रसंस्करण पर कृषि उद्यमों को बढ़ावा देने और प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) प्रशिक्षण आयोजित किया। इस कार्यक्रम का निर्देशन डॉ. श्रीकांत शर्मा सह-संकाय सदस्य, उद्यमिता एवं विस्तार स्कूल ने किया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में सऊदी अरब के एक प्रतिभागी ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में कृषि उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र, प्रशिक्षण विधियों, एफएसएसएआई, वैकल्पिक ऊर्जा विकल्पों, बाज़ार अनुसंधान, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) , जीएसटी, विपणन, निर्यात और क्लस्टर विकास जैसे विभिन्न विषयों को शामिल किया गया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उत्कृष्ट बताया।

4.18. एमएसएमई का नियोजन और संवर्धन पर प्रशिक्षण

निम्समे के उद्यम विकास स्कूल की ओर से संस्थान परिसर में 22 से 26 फरवरी 2021 के दौरान सूक्ष्म, लधु और मध्यम उद्यमों का नियोजन और संवर्धन विषय पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 3 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम निर्देशक श्री जे. कोटेश्वर राव ने प्रतिभागियों को संकाय सदस्यों से परिचय कराया और कार्यक्रम सामग्री और उद्देश्यों की संक्षिप्त रूपरेखा दी। श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़, संकाय सदस्य (उद्यम विकास स्कूल) ने इस कार्यक्रम के महत्व की जानकारी दी। रनियमित सत्र **निम्समे** संकाय और रिसोर्स पर्सन द्वारा आयोजित किए गए थे। प्रतिभागियों ने हैदराबाद विश्वविद्यालय में स्थित प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेशन (टीबीआई) का दौरा किया ताकि स्टार्ट-अप इको-सिस्टम और टीएसआईआईसी-आईएएलए कुशाईगुड़ा, ईसीआईएल को समझने के लिए सहायक सूक्ष्म उद्यमों और मौजूदा उद्यमियों के साथ बातचीत की जा सके। समापन सत्र के हिस्से के रूप में एक सफल उद्यमी के साथ मुलाकात का आयोजन किया गया। अंत में सभी प्रतिभागियों को महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

चित्र 4.17. एमएसएमई का नियोजन और संवर्धन पर प्रशिक्षण

4.19. शिक्षा में मूल्यांकन को बढ़ावा

विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ), नीति आयोग द्वारा विभिन्न संगठनों में निगरानी और मूल्यांकन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के प्रयासों के अंतर्गत अकादमिक संस्थानों में मूल्यांकन को बढ़ावा देने के बारे में एक वेब सेमिनार का आयोजन 18 और 19 मार्च 2021 को किया गया।

इस संगोष्ठी का उद्देश्य निगरानी और मूल्यांकन पारिस्थितिकी तंत्र से संबंधित सभी प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाना था, जिससे एक व्यवस्थित और वैज्ञानिक निगरानी और मूल्यांकन संस्कृति की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित कर चर्चा की जा सके। इस अवसर पर वक्ताओं ने भारत के साथ ही विश्वभर में अपनाई गई रणनीतियों, पद्धतियों, नवाचारों, प्रयोगों, चुनौतियों और प्रासंगिक सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में उद्यमिता एवं विस्तार स्कूल के सलाहकार श्री वी.बी. राजेंद्र प्रसाद और श्री विवेक कुमार ने भी हिस्सा लिया।

चर्चा सत्र के दौरान यूनिसेफ और नीति आयोग के साथ ही हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे विभिन्न राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारियों तथा संबंधित प्रमुख हस्तियों ने मार्गदर्शन किया। सभी सत्रों में विभिन्न देशों के 250 से भी अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों को अपने सुझाव और समस्याओं को प्रस्तुत करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया तथा वक्ताओं द्वारा उनके संदेहों के समाधान किये गये।

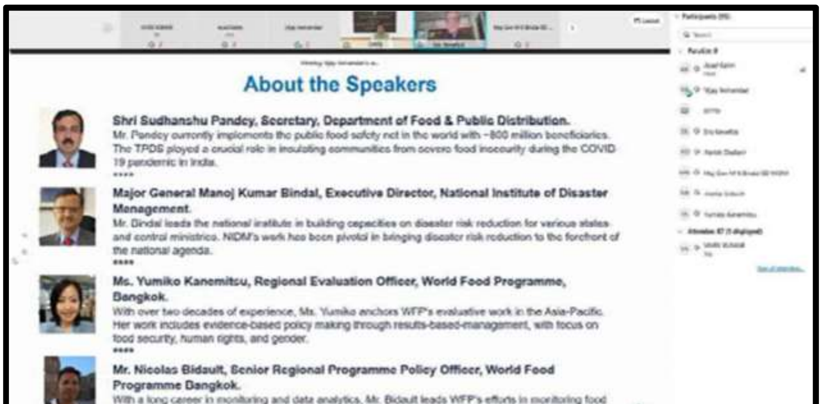

चित्र 4.18. शिक्षा में मूल्यांकन को बढ़ावा देना

4.20. एनएमडीसी के कार्यकारी प्रशिक्षुओं के लिए अधिष्ठापना कार्यक्रम

निम्समे के उद्यम प्रबंधन स्कूल ने 16 से 23 मार्च 2021 के दौरान परिसर में एनएमडीसी के कार्यकारी प्रशिक्षुओं के लिए एक सप्ताह के " अधिष्ठापना कार्यक्रम " का आयोजन किया गया। संकाय सदस्य, उ.प्र. स्कूल के डॉ. दिब्येन्दू चौधरी ने एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम का निर्देश दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने किया, जबकि निदेशक (वित्त) श्री अमिताव मुखर्जी, उप महाप्रबंधक (कार्मिक) श्री रामकृष्ण, एजीएम (कार्मिक) एनएमडीसी लिमिटेड अन्य अधिकारियों ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की शुरुआत की ।

कार्यक्रम निर्देशक ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते संक्षेप में उसकी जानकारी दी। सत्रों में **निम्समे** के संकाय के साथ ही संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञ अतिथि वक्ताओं ने संबोधित किया । इनमें खास तौर परव्यवसाय आचार नीति, पीपुल ओरिएंटेशन, सॉफ्ट स्किल्स, स्ट्रैटेजिक ओरिएंटेशन, फाइनेंशियल ओरिएंटेशन, कॉर्पोरेट प्लानिंग, संगठन का स्वरूप और औद्योगिक संबंध, वाणिज्यि/ विपणन, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, कॉर्पोरेट गवर्नेंस तथा आपसी समझोते (एमओयू), उद्यम संसाधन नियोजन तथा सूचना प्रौद्योगिकी (ईआरपी एण्ड आईटी), स्टील तकनीकी के आधारभूत सिद्धांत, सामग्री प्रबंधन, फाइनेंस और अकाउंट्स, सतर्कता (विजिलेंस), मानव संसाधन गतिविधियाँ, अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट्स), कार्मिक प्रबंधन (एचआर मैनेजमेंट), संसाधन नियोजन (रिसोर्स प्लानिंग), व्यवसाय विकास : वैश्विक परिदृश्य (बिजनेस डेवलपमेंट : ग्लोबल पर्सपेक्टिव) आदि विषय शामिल थे ।

प्रतिभागियों को फील्ड एक्सपोजर का लाभ दिलाने के लिए एनएमडीसी के अनुसंधान और विकास (आर एण्ड डी) अनुभग तथा रामोजी फिल्म सिटी, हैदराबाद का दौरा कराया गया। कार्यकारी प्रशिक्षुओं के मूल्यांकन के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा हुआ और 23 मार्च 2021 को **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा की उपस्थिति में औपचारिक रूप से संपन्न हुआ। श्री के. मोहन, महा प्रबंधक (कार्मिक), श्री रामकृष्ण, श्री नवीन कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक , एचआरडी, एनएमडीसी। निम्समे की एए सुश्री टी पद्मजा और सुश्री ए. स्वारूपा ने कार्यक्रम का समन्वय किया। 23 मार्च 2021 को प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ और सभी प्रतिभागियों ने निम्समे के साथ-साथ एनएमडीसी को धन्यवाद व्यक्त किया और संगठन में व्यक्तिगत रूप से और साथ ही आधिकारिक तौर पर उनके भविष्य के विकास के बारे में बताया। श्री के मोहन ने कार्यक्रम के सफल समापन के लिए सभी निम्समे स्टाफ की सराहना की और एनएमडीसी में सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने प्रतिभागियों को बधाई दी और उनकी पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतियों की सराहना व्यक्त करते हुए निगम को शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यक्रम निर्देशक डॉ. दिब्येन्दू चौधरी और उनकी टीम को भी बधाई दी । सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण की पूर्ति पर प्रमाण-पत्र भेंट किए। कार्यक्रम निर्देशक ने बैठक का समापन किया।

चित्र 4.19. एनएमडीसी के कार्यकारी प्रशिक्षुओं के लिए अधिष्ठापना कार्यक्रम के प्रतिभागी

4.21. कृषि और खाद्य प्रसंस्करण समूहों का संवर्धन

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनेजमेंट (मैनेज), हैदराबाद के सहयोग से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनेजमेंट (मैनेजमेंट) के सहयोग से उद्यमियों के के लाभ के लिए कृषि और खाद्य प्रसंस्करण (एग्रो एण्ड फूड प्रोसेसिंग) क्लस्टर्स को बढ़ावा देने संबंधी ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 24 से 26 मार्च 2021 तक किया गया। इस आयोजन में कुल 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

कार्यक्रम का उद्घाटन **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने किया। उन्होंने सामान्य रूप से क्लस्टर विकास और विशेष रूप से कृषि और खाद्य प्रसंस्करण समूहों में **निम्समे** के हस्तक्षेपों पर प्रकाश डाला है। उन्होंने भटिंडा हनी प्रोसेसिंग क्लस्टर, तिरूर इंटीग्रेटेड नारियल प्रोसेसिंग क्लस्टर और सकोली बैम्बू क्लस्टर में क्लस्टर हस्तक्षेपों का भी उल्लेख किया और प्रतिभागियों को कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया ।

ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य क्लस्टर अवधारणाओं में जागरूकता पैदा करना और कृषि और खाद्य प्रसंस्करण समूहों को बढ़ावा देने की गुंजाइश पर चर्चा करना था। कार्यक्रम का समन्वय **निम्समे** के संकाय सदस्य श्री के सूर्यप्रकाश गौड़ और प्रबंधन के सहायक निदेशक डॉ. के साई महेश्वरी ने किया।

संकाय ने क्लस्टर अवधारणाओं, क्लस्टर निदान, क्लस्टर विकास के लिए रणनीतिक कार्य योजना तैयार करने, क्लस्टर हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन, कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) के प्रबंधन, क्लस्टर गवर्नेंस और निगरानी और मूल्यांकन पर जानकारी दी। कई केस स्टडीज पर भी चर्चा हुई और क्लस्टर विकास पर डॉक्यूमेंट्री फिल्में दिखाई गईं । इस आयोजन में सत्रों का संचालन **निम्समे** की क्लस्टर टीम की ओर से के श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़, श्री डी. नवीन कुमार और श्री एल. विजय कुमार ने लिया। अपनी प्रतिक्रिया में प्रतिभागियों ने इस आयोजन के लिए **निम्समे** के प्रबंधन प्रयासों की सराहना की।

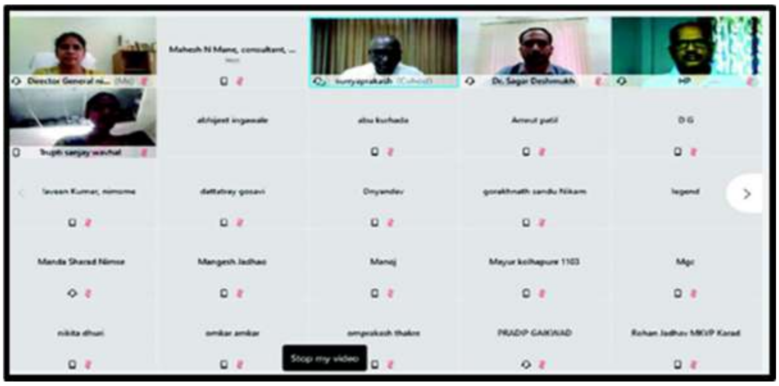

चित्र 4.20. कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर को बढ़ावा

5. केंद्रों की गतिविधियाँ

5.1. नेशनल रिसोर्स सेंटर फॉर क्लस्टर डेवलपमेंट (एनआरसीडी)

5.1.1. मोत्कुर इकत हैण्डलूम क्लस्टर

मोत्कुर इकत हैण्डलूम क्लस्टर में स्फूर्ति कार्यान्वयन के लिए **निम्समे** नोडल एजेंसी है। इसी केअन्तर्गत 50 बुनकरों के लाभ के लिए 15 एक डिज़ाइन विकास कार्यक्रम का आयोजन मार्च से 13 जून 2020 के दौरान किया गयाष इसका उद्देश्य क्लस्टर के कारीगरों को डिज़ाइन और रंगाई कौशल प्रदान करना था ताकि उन्हें बाजार संचालित हथकरघा उत्पादों के उत्पादन में सक्षम बनाया जा सके।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन मोत्कुर नगर पालिका की अध्यक्ष श्रीमती टी. सावित्री मेघा रेड्डी ने 15 मार्च को क्लस्टर के एकीकृत उत्पादन एवं कौशल प्रशिक्षण केंद्र में किया। उन्होंने बुनकरों को अपने कौशल में सुधार करने और ग्राहकों की प्राथमिकताओं के अनुसार नए डिज़ाइन बनाने सलाह दी। श्री जे. रामय्या, अध्यक्ष, कार्यान्वयन एजेंसी, श्री गोवर्धन. एम., अध्यक्ष, स्पेशल पर्पज व्हेहिकल, श्री पी लक्ष्मीनरसैय्या, निदेशक और अन्य निदेशकों ने स्फूर्ति के तहत किए गए हस्तक्षेपों परचर्चा की और **निम्समे** के साथ ही सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा दिये गये समर्थन की सराहना की ।

वरिष्ठ डिज़ाइन श्री टी. लक्ष्मण और श्री आर. सत्यनारायण ने बुनकरों को बाज़ार के रुझानों के अनुसार नए डिज़ाइन , रेशम के धागे को रंगना, मोड़ना और बुनना आदि पहलुओं केबारे में प्रशिक्षण दिया। कारीगरों ने डिज़ाइनर और सीनियर मास्टर क्राफ्ट के मार्गदर्शन में नए डिज़ाइन और तकनीक सीखने का अवसर प्रदान किये जाने के कारण प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण बताया। 13 जून 2020 को कार्यक्रम का सम्पन्न हुआ।

5.1.2 झारखंड राज्य स्फूर्ति क्लस्टर

झारखंड के बसंतराय बैज एवं एम्ब्रायडरी क्लस्टर, लोहरदगा हनी प्रोसेसिंग क्लस्टर, अनंतदेव वुड क्राफ्ट क्लस्टर तथा करियातपुर ब्रास क्लस्टर में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। श्री बी.एम. एल दास, क्लस्टर विशेषज्ञ, श्री श्रीकांत, उपनिदेशक, मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर विकास बोर्ड, झारखंड सरकार, श्री सकीब अहमद, सहायक प्रबंधक, जिडको, तथा वरिष्ठ अधिकारी, स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) के अध्यक्ष, वरिष्ठ कारीगरों तथा कारीगरों ने इस आयोजन में भाग लिया। इस क्लस्टर के कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) का भवन निर्माण कार्य प्रगति पर हैं।

क्लस्टर हस्तक्षेपों की स्थिति को समझने के लिए 26 अगस्त 2020 को तकनीकी एजेंसी, झारखंड इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड (जिडको), कार्यान्वयन एजेंसी, मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर विकास बोर्ड और स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) के सदस्यों के साथ ई-बैठक आयोजित कर क्लस्टर हस्तक्षेपों की समीक्षा की गई। इस बैठक की अध्यक्षता महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने की। चर्चा के दौरान स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) योगदान को जुटाने, मशीनरी विशिष्टताओं को अंतिम रूप देने, कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) योजना को मंजूरी देने, भवन निर्माण अनुमानों के साथ निविदा प्रक्रियाओं और सॉफ्ट इंटरवेशनों के कार्यान्वयन के बारे में चर्चा की गई।

बैठक में श्री सूर्यप्रकाश गौड़, संकाय सदस्य, सलाहकार श्री एल. विजय कुमार और प्रशासनिक सहायक श्रीमती जी. रमा देवी उपस्थित थे। कार्यान्वयन एजेंसी और तकनीकी एजेंसी के प्रतिनिधियों ने प्रत्येक परियोजना की स्थिति स्पष्ट की है । स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) के सदस्यों ने उल्लेख किया कि कोविड-19 के कारण और कारीगरों से स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) योगदान जुटाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है । उन्होंने स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) अंशदान का कम से कम 40 प्रतिशत जमा करने और समूहों की गतिविधियों में तेजी लाने का आश्वासन दिया है।

5.1.3. एकीकृत नारियल प्रसंस्करण क्लस्टर, तिरूर, केरल

तिरूर नारियल उत्पादक कंपनी लिमिटेड की बोर्ड बैठक 1 अगस्त 2020 को मोत्कूर, तिरूर, केरल में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता तिरूर कोकोनट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, तिरूर क्लस्टर ख अध्यक्ष श्री जयकेशरी ने की ।

बैठक के दौरान चर्चा में वीसीओ और फ्लेवर्ड नारियल के दूध के विपणन, आई.ए. शेयर डिपॉजिट, केरल स्टेट फाइनेंशियल कॉरपोरेशन, मलप्पुरम में लागू ऋण की स्थिति, आंतरिक और सांविधिक लेखा परीक्षण, उपकरण एजेंसी की मशीनों की एसेम्ब्लिंग और इन्स्टालेशन तथा मशीनरी और उपकरणों के परीक्षण संचालन पर ध्यान केंद्रित किया गया। क्लस्टर विकास कार्यकारी श्री सुनील कुमार ने बोर्ड को क्लस्टर में संचालित गतिविधियों से अवगत कराया।

चित्र 5.1. कार्यान्वयन एजेंसी, तिरूर, केरल द्वारा स्फूर्ति परियोजना की समीक्षा

5.1.4. लकड़ी इनले क्राफ्ट क्लस्टर, होशियारपुर

जिला उद्योग केंद्र होशियारपुर के महाप्रबंधक अमरजीत सिंह ने होशियारपुर वुड इनले क्लस्टर को लागू करने के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए 1.41 करोड़ रुपये का परिव्यय किया। क्लस्टर से पंजाब के होशियारपुर जिले के 15 गाँवों में रह रहे 150 परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

सीएलयू प्रक्रिया और क्लस्टर कार्यान्वयन के लिए आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) के बारे में चर्चा की गई । श्री सतजोग, स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) अध्यक्ष और अन्य सदस्यों ने 1 अगस्त को महाप्रबंधक, जिला केंद्रों के साथ पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री सुंदर शाम अरोड़ा से भी मुलाकात की। उन्होंने लकड़ी के इनले क्राफ्ट क्लस्टर गतिविधियों का मूल्यांकन किया।

चित्र 5.2. वुडन इनले क्राफ्ट क्लस्टर, होशियारपुर

5.1.5. स्फूर्ति क्लस्टर की समीक्षा

महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने 13 अगस्त 2020 को क्लस्टर इंटरवेंशनों की स्थिति की समीक्षा की । बैठक में क्लस्टर टीम में शामिल के. सूर्यप्रकाश गौड़, डॉ. जी.एस. गिल, एल. विजय कुमार, श्री जी. राज कुमार और सुश्री रमा देवी ने इस बैठक में भाग लिया। बैठक के प्रारंभ में संकाय सदस्य श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ ने स्फूर्ति क्लस्टरों की स्थिति की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि क्लस्टर टीम स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) सदस्यों और कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ लगातार पालन कर रही है ताकि समय रेखा के अनुसार हस्तक्षेप पूरा किया जा सके । झारखंड राज्य में तीन समूहों ने स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) राशि और अन्य समूहों को अभी तक धन जुटाने में योगदान दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि तकनीकी एजेंसी और कार्यान्वयन एजेंसी को निधि जुटाने, मशीनरी स्पेसिफिकेशन तैयार करने और निविदा प्रक्रिया (टेंडरिंग) के लिए गंभीरता से काम कर रही है। महाराष्ट्र के क्लस्टरों में से एसयूएस रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर और साकोली बांस क्लस्टर में भवन निर्माण कार्य शुरू किये गए हैं। शेष क्लस्टरों ने बैंक खाते खोलकर समझौते कर लिये हैं। वुडन इनले क्लस्टर, होशियारपुर, पंजाब ने सॉफ्ट इंटरवेंशन तथा इम्प्लिमेंटिंग एजेंसी के लिए निधि का अनुरोध किया है।

महानिदेशक ने परियोजना की माँग के अनुसार क्लस्टरों में आवश्यक हस्तक्षेप (इंटरवेंशन) करने, कार्यान्वयन एजेंसियों तथा तकनीकी एजेंसियों और क्लस्टरों के स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) सदस्यों को मार्गदर्शन करने जैसे सभी कार्य तेजी से पूरे करने का निर्देश दिया। उनहोंने महाराष्ट्र के साथ ही झारखंड के क्लस्टरों में कॉमन फैसिलिटी सेंटरों (सीएफसी) के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया।

चित्र 5.3. निर्माणाधीन कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी)

एक अन्य कार्यक्रम का आयोजन 25 सितंबर 2020 को किये गया, जिसमें **निम्समे की** परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए संयुक्त सचिव (एआरआई) सुधीर गर्ग ने सभी समूहों को अपने-अपने उत्पादों की सुंदर पेंटिंग्स से सजाने की सलाह दी। प्रत्येक क्लस्टर दूसरों के लिए एक मॉडल बनाया जाएगा और वे एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए । संयुक्त सचिव ने यह भी सुझाव दिया कि प्रत्येक क्लस्टर को कारीगरों के बीच जागरूकता पैदा करने और डिज़ाइन, प्रौद्योगिकी और विपणन के लिए संबंध बनाने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण का संचालन करना चाहिए ।

संयुक्त सचिव ने तकनीकी एजेंसी को प्रत्येक क्लस्टर के लिए एक पेशेवर की सेवाएँ लेने की सलाह दी । इसके अलावा उन्होंने पाँच अन्य बांस क्लस्टरों को बनाने की भी सलाह दी। यह भी कहा कि कि नोडल एजेंसी द्वारा कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) और मशीनरी के लिए मानक निविदा प्रक्रियाएँ निर्धारित की जानी चाहिए।

बांस के क्लस्टरों के लिए अलग से वाट्सएप ग्रूप बनाने की भी उन्होंने सलाह दी। संयुक्त सचिव ने नोडल एजेंसी को संबंधित कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा क्लसटरों से संबंधित जानकारी वेबसाइट में अपलोड करने तथा नोडल एजेंसी द्वारा उसकी नियमित रूप से निगरानी करने के भी निर्देश दिए। निधि आवंटन के लिए उन्होंने नोडल एजेंसी द्वारा अनुरोध पत्र भेजने की सलाह दी।

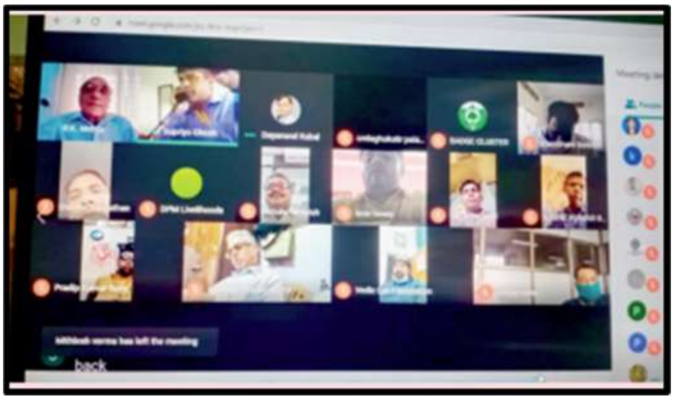

चित्र 5.4. अन्य क्लस्टर

5.1.6. रामपुर पैच वर्क शिल्प कारीगरों के साथ बातचीत

निम्समे द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना के तहत रामपुर पैच वर्क क्राफ्ट क्लस्टर की क्लस्टर डायग्नोस्टिक स्टडी रिपोर्ट बनाने का कार्य किया जा रहा है। क्लस्टर टीम द्वारा संकलित जानकारी की स्वीकृति के लिए जिला उद्योग केंद्र और क्लस्टर कारीगरों के अधिकारियों के साथ 25 अगस्त 2020 को ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया और क्लस्टरों के विकास के लिए रणनीतिक कार्ययोजना भी तैयार की गई। क्लस्टर टीम में श्री के सूर्यप्रकाश गौड़, श्री एल. विजय कुमार और श्री राज कुमार ने

कच्चे माल की खरीद, उत्पादन प्रक्रिया, उत्पादन और विपणन में चुनौतियों और हस्तक्षेप की आवश्यकता पर चर्चा की । उल्लेखनीय है कि क्लस्टर में 90 प्रतिशत से अधिक महिला कारीगर कार्यरत हैं और शेष 30-40 वर्ष आयु वर्ग की हैं। क्लस्टरों के उत्पाद खुदरा और थेक बिक्री इकाइयों के माध्यम से देश भर में बेचे जाते हैं। कारीगरों ने कहा कि कच्चे माल बैंक, प्रशिक्षण सह डिज़ाइन केंद्र, गुणवत्ता और उत्पादकता के लिए कारीगरों की कौशल के अलावा क्लस्टर को अधिक निर्यात आदेश प्राप्त करने और कारीगरों की आय में सुधार करने में मदद मिलेगी ।

5.1.7. नई तकनीकी एजेंसियों का पैनल का मनोनयन

स्फूर्ति की परियोजना स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक का आयोजन ऑनलाइन के माध्यम से 27 अगस्त 2020 को आयोजित किया गया। महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने इसकी अध्यक्षता की। बैठक में श्री एच. के चारी, राष्ट्रीय सलाहकार, आईएलएण्ड एफएस क्लस्टर विकास इनिशिएटिव्स लिमिटेड, श्री आर. के. मेहता, रेनबो बैम्बू अकादमी के अध्यक्ष श्री वी. बी. एस. एस. कोटेश्वर राव, विपणन विशेषज्ञ, श्री बी. एन. वी. पार्थसारथी, वित्त विशेषज्ञ, श्री पी. लक्ष्मी नरसय्या, हथकरघा बुनकर को-ऑपरेटिव सोसायटी के निदेशक, मोत्कुर एवं अधिकारियों ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक के प्रारंभ में सदस्य संयोजक श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ ने सदस्यों का स्वागत किया और **निम्समे** की महानिदेशक तथा परियोजना स्क्रीनिंग समिति की अध्यक्ष से परिचित कराया। उन्होंने स्फूर्ति परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी और कर्नाटक, बिहार, महाराष्ट्र, ओडिशा, नागालैंड और मिजोरम राज्यों में नए स्फूर्ति क्लस्टर शुरू करने के लिए नई तकनीकी एजेंसियों के पैनल के बारे में जानकारी दी।

तत्पश्चात प्रस्तावित तकनीकी एजेंसियों, सुराज फाउंडेशन और महाराष्ट्र अनुसंधान विकास केंद्र, केआईआईटी टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर और ओडिशा के साथ ही ए.आई.सी. के देव नेक्स्ट सोल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों एवं कर्नाटक के एनआईटीटीई इनक्यूबेशन सेंटर ने अपने संगठन के स्वरूप, नवाचार संबंधी अनुभव, उद्यमिता, कौशल विकास, क्लस्टर विकास गतिविधियों, संगठनात्मक क्षमता, बुनियादी ढांचे, विशेषज्ञों की उपलब्धता और टीम तैनाती आदि के बारे में जानकारी प्रस्तुत की।

चित्र 5.5. नई तकनीकी एजेंसियों का पैनल

5.1.8. लीजा हैंण्डलूम क्लस्टर की समीक्षा

लीजा हैंडलूम क्लस्टर की समीक्षा बैठक का आजन 28 अगस्त 2020 को किया गया, जिसमें स्फूर्ति योजना के अंतर्गत हस्तक्षेपों को पूरा करने संबंधी चर्चा की। इस बैठक की अध्यक्षता महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने की। इस अवसर पर अध्यक्ष और क्लस्टर स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) के सचिव, और क्लस्टर विकास कार्यकारी ने इस बैठक में हिस्सा लिया । महानिदेशक ने क्लस्टर सदस्यों को लूम व अन्य उपकरणों की खरीदी संबंधी कार्य तेजी से पूरा करने के और बाजार की माँग के अनुसार नए डिज़ाइन विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने नवम्बर 2020 के अंत तक सभी क्लस्टरों ने इंटरवेंशनों को पूरा करने के निर्देश दिये।

क्लस्टर सदस्यों ने इस पर सहमति जताई। तत्पश्चात उन्होंने निधि जारी करने सहित विभिन्न क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के साथ ही निधि जारी करने और खरीदी तथा कार्यान्वयन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के आयोजन पर चर्चा की । बैठक में श्री सूर्यप्रकाश गौड़, संकाय सदस्य, सलाहकार श्री एल. विजय कुमार और प्रशासनिक सहायक श्रीमती जी रमा देवी उपस्थित थे।

5.1.9. मोत्कुर स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) सदस्यों के साथ बातचीत

मोत्कूर हैण्डलूम क्लस्टर के कुशल कारीगरों को नियमित रूप से कामकाज मुहैया करने के उद्देश्य से मोत्कूर हैण्डलूम क्लस्टर के कारीगरों के लिए आयोजित डिज़ाइन विकास कार्यशाला के सफल कार्यान्वयन के बाद रॉ मटेरियल बैंक के अन्तर्गत स्फूर्ति निधि के उपयोग के लिए कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा नयी उत्पाद श्रृंखला की पहल की गई है। इसी क्रम में स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) के सदस्यों ने 29 अगस्त 2020 को **निम्समे** का दौरा कर महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा को अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने हाल

की में आयोजित कार्यशाला के दौरान विकसित विभिन्न डिजाइनों का अवलोकन किया और बुनकरों के लिए निरंतर कार्य प्रदान करने के लिए अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया । स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) के सदस्यों ने परियोजना के सफल कार्यान्वयन के लिए **निम्समे** की ओर से निरंतर सहयोग के लिए महानिदेशक के प्रति आभार व्यक्त किये ।

चित्र 5.6. मोत्कुर स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) सदस्यों के साथ बातचीत

5.1.10. जोन्नाडा क्लस्टर के लिए क्लस्टर विकास कार्यकारी का चयन

क्लस्टर की नोडल एजेंसी के सुझाव के अनुसार, जोन्नाड खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर के लिए क्लस्टर विकास कार्यकारी (सीडीई) के कार्यालय के लिए उपयुक्त उम्मीदवार का चयन करने के उद्देश्य से जोन्नाडा एवं राजमंड्री (आंध्र प्रदेश) में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से चयन समिति की बैठक का आयोजन 9 सितंबर 2020 को किया गया। सोसाइटी फॉर रूरल सेल्फ डेवलपमेंट एण्ड रिहैबिलिटेशन द्वारा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चयन के सभी दिशा-निर्देशों/ प्रक्रियाओं को कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में चयन किया गया। विभिन्न संबंधित अधिकारियों और सदस्यों ने इस चयन प्रक्रिया में भाग लिया सुश्री एम.वेंकट श्रीदेवी, कार्यान्वयन एजेंसी के अध्यक्ष, श्री के. सूर्य प्रकाश गौड़, तकनीकी एजेन्सी, **निम्समे**, हैदराबाद के प्रतिनिधि, श्री गोथम प्रसाद, प्रबंधक, केनरा बैंक, रावलापालम, श्री शन्मुख राव, एल.डी.एम, आंध्रा बैंक, काकीनाडा और श्री कोटेश्वर राव, उप निदेशक, केवीआईबी, काकीनाडा इस अवसर पर उपस्थित थे।

कार्यान्वयन एजेन्सी के सचिव श्री एम. राजा बाबू ने पैनल के सदस्यों, पर्यवेक्षकों और उम्मीदवारों का स्वागत किया और कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की रूपरेखा की जानकारी दी। उन्होंने सूचित किया कि केवीआईसी केंद्रीय कार्यालय की सलाह के अनुसार साक्षात्कार का आयोजन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया जाएगा । श्री गौड़ ने क्लस्टर विकास कार्यकारी के चयन के संबंध में दिशा-निर्देशों की जानकारी दी।

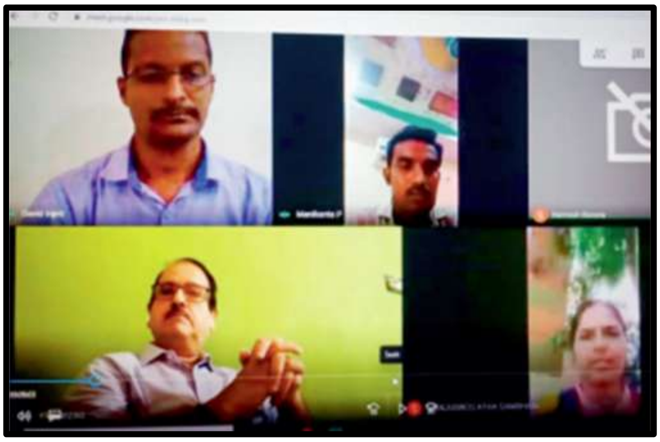

चित्र 5.7. जोन्नाडा क्लस्टर के लिए सीडीई चयन

इस साक्षात्कार में तीन अभ्यर्थियों ने भाग लिया। **निम्समे** की ओर से श्री के.एस.पी गौड़ और श्री एल. विजय कुमार के साथ ही चयन समिति के सभी सदस्यों ने अपने-अपने अनुभव के क्षेत्र के बारे में उम्मीदवारों से सवाल पूछे।

चयन समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से श्री इंजेटी जेडय्या को उनके प्रदर्शन और योग्यता के आधार पर जोन्नाडा खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर के क्लस्टर विकास कार्यकारी (सीडीई) के रूप में चुना गया।

5.1.11. समूहों की आंतरिक समीक्षा

स्फूर्ति के 19 क्लस्टरों के संबंध में कैम्पस रिव्यू मीट का आयोजन 17 सितंबर 2020 को महानिदेशक की अध्यक्षता में किया गया। इन सभी क्लस्टरों के लिए **निम्समे** नोडल एजेंसी है। बैठक में डॉ. जी.एस. गिल,श्री एल. विजय कुमार, सुश्री रमा देवी और श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ शामिल थे।

श्री गौड़ ने महानिदेशक को समूहों और अन्य परामर्श परियोजनाओं की स्थिति के बारे में अवगत कराया। अन्य लोगों ने मेत्कूर इकत हैण्डलूम क्लस्टर, तेलंगाना के बारे में जानकारी दी, जिसने रॉ मटेरियल बैंक द्वारा जारी सामग्री के साथ उत्पादन प्रक्रिया शुरू कर दी है । उन्होंने कहा कि बंगलौर क्लस्टर से रेशम की वार्पिंग लम्बित है और इसके बिक्री आउटलेट के कुछ विविध कार्य भी लम्बित हैं ।

तिरूर नारियल फ्लेवर्ड मिल्क क्लस्टर में विद्युतीकरण व अन्य कार्य 31 सितंबर 2020 तक पूरे कर लिए जाएँगे। महानिदेशक ने दशहरा महोत्सव द्वारा क्लस्टर का उद्घाटन करने, उत्पादन शुरू करने और उनकी धनराशि जारी करने की सलाह दी है। तिरूर फ्लेवर्ड नारियल मिल्क और वर्जिन नारियल ऑयल क्लस्टर मार्केटिंग, प्रोडक्शन प्लान के लिए जा

रहे हैं । उन्हें ऑनलाइन प्रशिक्षण की व्यवस्था करने और विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की पहचान करने को कहा गया।

श्री गौड़ ने भटिंडा क्लस्टर के बारे में पेश किया और बाद में उन्होंने उन्हें रिपोर्ट भेजकर जल्द से जल्द फाइनल ट्रायल रन बनाने को कहा। डीजी ने सलाह दी कि उद्घाटन अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक कर लिया जाए। कोंडापल्ली लकड़ी के खिलौने क्लस्टर में कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) निविदा बैठक को अंतिम रूप दिया गया, नवीनीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है । कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) ठेकेदार के लिए जल्द ही वर्क ऑर्डर जारी कर दिया जाएगा। पेम्पर्ती मेटलवेयर क्लस्टर में मशीनें मिली हैं। उन्हें प्रशिक्षण के लिए योजना बनाने का निर्देश दिया गया।

लीज़ा हैंडलूम क्लस्टर स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) ने कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) निर्माण के लिए भूमि पट्टा समझौता कर कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) और मशीनरी के लिए निविदा का प्रारूप भेज दिया है। पंजाब राज्य के होशेपुर क्लस्टर में मिट्टी की जांच पूरी हो चुकी है। उनसे नरम हस्तक्षेप करने और व्यय का अनुमान लगाने के लिए कार्य योजना प्रस्तुत करने को कहा गया ताकि प्रशिक्षण व्यय के लिए माँग की जा सके । महानिदेशक ने इन्नोवेटिव डिज़ाइन पर प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञ ट्रेनर के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डिज़ाइन, विजयवाड़ा से संपर्क करने का सुझाव दिया। महाराष्ट्र एसयूएस रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर ने स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) की राशि जमा कर दी है और नवीनीकरण का काम चल रहा है। साकोली बांस क्लस्टर में कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) का काम लिंटेल लेवल तक पहुँच गया है, जबकि वर्धा क्लस्टर में साढ़े छह लाख रुपए जमा हुए हैं। मनगांव क्लस्टर ने खाता खोल दिया है। झारखंड कलस्टर्स में मुख्यमंत्री लघु बोर्ड बोर्ड ने बैठक का आयोजन किया है और स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) के योगदान को गति देने की कोशिश कर रहा है । महानिदेशक ने 2016 में अनुमोदित समूहों को पूरा करने की सलाह दी और कहा कि अक्तूबर 2020 के अंत तक उनका उद्घाटन किया जाना चाहिए। इस टिप्पणी के साथ बैठक का समापन हुआ।

5.1.12. कॉयर क्लस्टरों की समीक्षा

निम्समे, आंध्र प्रदेश में स्फूर्ति के तहत दो कयर क्लस्टर के लिए तकनीकी सेवाएँ प्रदान कर रहा है। इनमें कादियापुलांका कयर क्लस्टर और अमलापुरम कॉयर क्लस्टर शामिल हैं। श्री के.एस.पी. गौड़ और श्री विजय कुमार ने 18 सितंबर, 2020 को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लिया । इस बैठक का आयोजन पीपीडीसी, आगरा द्वारा स्फूर्ति के कार्यान्वयन में प्रगति का जायजा लेने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री प्रताप चंद्र सारंगी ने बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने युवाओं से अपने क्षेत्र, शहर आदि के विकास में शामिल होने का आह्वान किया। बैठक में भाग लेने वाले मंत्रालय और कॉयर बोर्ड के अधिकारियों में श्री शामिल थे। सुधीर गर्ग, जेएस (एआरआई), एमएसएमई मंत्रालय, श्री सुप्रियो भगवान, निदेशक, एमएसएमई, श्री एम. कुमार राजा, सचिव, कयर बोर्ड, श्रीमती अनीता जैकब, स्फूर्ति अधिकारी, कयर बोर्ड । श्री के. दशरथ राव, क्षेत्रीय अधिकारी एवं प्रभारी, कयर बोर्ड, श्री के सूर्यप्रकाश गौड़ और श्री विजय कुमार, **निम्समे**, श्री चौधरी स्वपन, निदेशक, एजीबीआई, कार्यान्वयन एजेंसी, श्री के नवीन, पर्यवेक्षक, एजीबीआई, कार्यान्वयन एजेंसी, श्री एनवीवी फानी कुमार, अध्यक्ष, गौतमी कयर क्लस्टर, स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) , श्री के मुरली कृष्ण, सचिव, गोवथामी कॉयर क्लस्टर, स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) , बैठक में क्लस्टर विकास कार्यकारी (सीडीई) श्री वाई वल्लभ के साथ ही श्री गणपथी वीर राघवुलु, निदेशक, क्रुशिवला नारियल किसान उत्पादक कंपनी, स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) श्री ए. गोपाला कृष्ण, निदेशक, कृषिवला नारियल किसान उत्पादक कंपनी, स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) और क्लस्टर विकास कार्यकारी (सीडीई) श्री गोवर्धन उपस्थित थे। ।

कादियापुलंका कयर क्लस्टर के लिए मशीनरी चयन में प्रगति और पुरुद्धार कार्य के बारे में कार्यान्वयन एजेन्सी ने समीक्षा पैनल को अवगत कराया। कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) को दिसंबर 2020 तक इस्तेमाल के लिए तैयार होने की सूचना मिली थी। अमलापुरम क्लस्टर में स्फूर्ति के क्रियान्वयन की स्थिति के बारे में तकनीकी एजेन्सी, **निम्समे** ने जानकारी दी। श्री गौड़ ने कहा कि **निम्समे** कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) के निविदा विशिष्टता और सिविल कार्यों के संबंध में निगरानी और मार्गदर्शन कर रहा है, जो दिसंबर 2020 के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

चित्र 5.8. कयर क्लस्टरों की समीक्षा

5.1.13. पेम्बर्ती मेटलवेयर क्लस्टर, पेम्बर्ती

निम्समे द्वारा जनगांव के पेम्बर्ती जिले के पेम्बर्ती मेटलवेयर क्लस्टर में स्फूर्ति योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इस संदर्भ में एनआरसीडी के परामर्शदाता श्री एल. विजय कुमार ने 22 सितंबर 2020 को क्लस्टर का दौरा किया और क्लस्टर में स्थापित मशीनों का सत्यापन किया। उन्होंने क्लस्टर के अध्यक्ष, सचिव के साथ बैठक भी की । कलस्टर कार्यालय में हुई इस बैठक में सदस्य एवं अन्य कारीगर शामिल थे। क्लस्टर के सचिव श्री वेदांत चारी ने क्लस्टर में स्थापित मशीनों के बारे में जानकारी दी। इनमें बेंडिंग मशीन मैनुअल, जिग सॉ बुड कटिंग मशीन, बफिंग मशीन, पॉवर ड्रिलिंग मशीन और उपकरणों के साथ फिलिंग मशीन का अवलोकन किया गया और लंबित गतिविधियों का सत्यापन किया गया।

क्लस्टर के अध्यक्ष श्री आर. लक्ष्मण चारी और क्लस्टर के निदेशक श्री राजू ने बिक्री आउटलेट, कंप्यूटर और जनरेटर के लिए निविदाएं आमंत्रित करने की सलाह दी । श्री विजय कुमार ने कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) के लिए जारी वर्क आर्डर के अनुसार ठेकेदार द्वारा विद्युतीकरण, कंपाउंड वॉल आदि की लंबित गतिविधियों के साथ ही दिसंबर 2020 से पहले क्लस्टर को पूरा करने को कहा। श्री विजय ने उन्हें सलाह दी कि वे सभी फाइलों को व्यवस्थित रूप से रखने और हर सप्ताह का डाटा मंत्रालय की वेबसाइट में अपलोड करने के भी निर्देश दिया।

क्लस्टर के अध्यक्ष, सचिव, निदेशकों और अन्य सदस्यों ने श्री विजय कुमार द्वारा कार्य योजना के बारे में पूछताछ की और अन्य मशीनों को प्राप्त करने के लिए कहा । साथ ही उन्हें बिक्री आउटलेट, जनरेटर, कंप्यूटर आदि के आंतरिक कार्य के लिए निविदाओं का मसौदा भेजने के लिए भी कहा। उन्होंने फाइलों का सत्यापन किया और वर्क ऑर्डर, स्टॉक रजिस्टर, बैंक स्टेटमेंट, ऑडिट स्टेटमेंट, मिनट्स, क्रय समिति, बिलों के लिए अलग से फाइलों को अलग-अलग रखने की सलाह दी। उन्होंने कौशल विकास कार्यक्रम चलाने और बैंगलोर के हस्तशिल्प संस्थान से बात करने को कहा। श्री एल. विजय कुमार ने तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा यादाद्री मंदिर कार्य को ठेके पर दिए जाने के लिए उन्हें बधाई दी।

5.1.14. महानिदेशक ने मोत्कुर क्लस्टर का दौरा किया

मोत्कूर हैण्डलूम क्लस्टर में स्फूर्ति योजना के किये जा रहे कार्यान्वयन का अवलोकन करने लिए नोडल एजेंसी **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने 27 सितंबर, 2020 को क्लस्टर का दौरा किया । इस दौरे का उद्देश्य इंटरवेंशनों के प्रभाव का आकलन करने के साथ ही बुनकरों के लाभ के लिए नई पहल करना था।

इस क्लस्टर में विगत में शुरू किए गए हस्तक्षेपों को पूरा कर लिया गया है और बुनकर नए कारीगरों के प्रशिक्षण, नए डिजाइनों के विकास और उत्पादन के लिए भी अवसंरचना का उपयोग कर रहे हैं । इस अवसर पर श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़, संकाय सदस्य, **निम्समे**, सुश्री माधवी और सुश्री सुनिता, कपड़ा डिज़ाइनर उपस्थित थी।

दौरा करने वाली टीम ने मास्टर बुनकरों, वरिष्ठ मास्टर शिल्पकार और बुनकरों से बातचीत की और डिज़ाइन विकास, ताना और बाने डिज़ाइन और बुनाई तकनीक के बारे में पूछताछ की। श्री जलदी रामुलु, कार्यान्वयन एजेंसी के सदस्य श्री लक्ष्मीमिनारसैय्या और श्री नरसैय्या ने जैक्कार्ड मशीन और आसू मशीन के लाभों के बारे में बताया । (हथकरघा बुनकर सहकारी समिति, मोठकुर कार्यान्वयन एजेंसी है।

महानिदेशक ने सुझाव दिया कि बुनकर कच्चे माल बैंक का उपयोग विभिन्न प्रकार के नए डिज़ाइन बनाने के लिए करते हैं और इसे बिक्री के लिए बिक्री आउटलेट में रखें । डीजी ने बुनकरों को आगे सलाह दी कि वे अपने कामकाजी स्थान को साफ-सुथरा रखें और मशीनों का सही इस्तेमाल भी करें। उन्होंने एएसयू मशीन तथा वार्पिंग मशीन की कार्यप्रणाली का भी अवलोकन किया और उनके फायदों के बारे में पूछताछ की ।

बाद में, महानिदेशक, संकाय सदस्य और डिज़ाइनरों ने बिक्री आउटलेट का दौरा किया, वहाँ प्रदर्शित क्लस्टर उत्पादों का अवलोकन किया और उनसे घरेलू और राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अभिनव डिज़ाइन बनाने का आग्रह किया और क्लस्टर में और सुधार की सलाह दी । टेक्सटाइल डिज़ाइन र्स ने क्लस्टर प्रोडक्ट्स के प्रोडक्ट डेवलपमेंट और मार्केटिंग के लिए सुझाव दिए। युवा छात्रों और अन्य बेरोजगार युवाओं को डिजिटल मार्केटिंग और ई-कॉमर्स लेने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया गया। महानिदेशक ने क्लस्टर सदस्यों को बधाई दी और सफलता की कामना की।

चित्र 5.9. महानिदेशक ने किया मोत्कुर क्लस्टर का दौरा

5.1.15. लीजा हैंडलूम क्लस्टर की समीक्षा

नोडल एजेंसी के रूप में **निम्समे** तेलंगाना में लीजी हैंडलूम क्लस्टर का विकास कर रहा है। इस पर एक ऑनलाइन वीडियो कार्यक्रम का आयोजन 17 अक्तूबर 2020 को क्लस्टर की वर्तमान स्थिति जानने के लिए किया गया। इस बारे में स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) के अध्यक्ष, कार्यान्वियन एजेन्सी तथा तकनीकी एजेन्सी को पहले से सूचित किया गया था ।

बैठक की अध्यक्षता के सूर्यप्रकाश गौड़, संकाय सदस्य (उद्यम विकास स्कूल) ने की। बैठक में डॉ. जी.एस. गिल, श्री एल. विजय कुमार और सुश्री रमा देवी ने भी भाग लिया।

श्री जगन्नाथम, अध्यक्ष, श्री बसवराजू, स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) के निदेशक, श्री के.वीरेश, क्लस्टर विकास कार्यकारी तथा तकनीकी एजेंसी से श्री एच. के. चारी ने बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) अध्यक्ष ने एसपीवी के लिए नई भूमि लीज पर मुहैया करने की इच्छा जताई।

श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ ने स्कूल नेट इंडिया लिमिटेड (तकनीकी एजेन्सी) से श्री चारी को कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) और मशीनरी के लिए निविदाएँ जारी करने में कार्यान्वयन एजेंसी की सहायता करने की सलाह दी । श्री गौड़ और श्री चारी ने क्लस्टर अध्यक्ष और निदेशक को दो महीने के भीतर क्लस्टर कार्यों को पूरा करने और उत्पादन शुरू करने के निर्देश दिए । स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) अध्यक्ष और निदेशक ने आश्वासन दिया कि क्लस्टर दिसंबर 2020 तक पूरा कर लिया जाएगा।

चित्र 5.10. लीजा हैण्डलूम क्लस्टर की समीक्षा

5.1.16. क्लस्टरों की समीक्षा बैठक

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की सफूर्ति योजना देश भर में 19 क्लस्टरों में **निम्समे** द्वारा नोडल एजेंसी के रूप में कार्यान्वित की जारही है। इस संदर्भ में संस्थान इस योजना का सही क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ ऑनलाइन बैठकें कर रहा है। इससे पूर्व 21 अक्टूबर 2020 को **निम्समे** परिसर में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया था, जिसकी अध्यक्षता महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने की। बैठक में राष्ट्रीय संसाधन समूह विकास केंद्र (एनआरसीडी) की टीम में श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़, डॉ. जी.एस. गिल, श्री एल. विजय कुमार और सुश्री रमा देवी शामिल थे। श्री गौड़ ने डीजी को विभिन्न समूहों में योजना की प्रगति से अवगत कराया। मोत्कुर इकत हैण्डलूम क्लस्टर को सिल्क वार्पिंग मशीन की जरूरत है, जिसकी खरीदी बेंगलुरु से करनी होगी। तिरूर नारियल फ्लेवर्ड मिल्क क्लस्टर विद्युतीकरण और अन्य कार्यों को 31 अक्तूबर 2020 तक पूरा कर लिया जाएगा। भटिंडा हनी बी क्लस्टर में हनी प्रोसेसिंग मशीन और लकड़ी की मशीनों का ट्रायल रन चल रहा है। महानिदेशक ने सलाह दी कि क्लस्टर में सभी हस्तक्षेप जल्द से जल्द पूरे किए जाने चाहिए।

कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) निविदा को अंतिम रूप दिया गया है और आंध्र प्रदेश के कोंडापल्ली वुडन टॉइज क्लस्टर के लिए शीघ्र ही वर्क ऑर्डर जारी किया जाएगा। पेम्बर्ती मेटलवेयर क्लस्टर में शीघ्र ही तीन भारी मशीनों की स्थापना की जाएगी। लीज़ा हैण्डलूम क्लस्टर में स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) ने भूमि लीज पर लेने संबंधी अनुबंध कर कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) और मशीनरी के लिए टेंडर का मसौदा भेज दिया है। पंजाब के होशियारपुर वुडन क्लस्टर में कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) टेंडर को इस महीने के अंत तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा और स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) को सॉफ्ट इंटरवेंशन के लिए एक्शन प्लान फिर से प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

महाराष्ट्र के पुणे में एसयूएस रेडीमेड क्लस्टर में सॉफ्ट इंटरवेंशन का कार्य प्रशासन द्वारा किया जा रहा है और पुनर्सज्जीकरण का कार्य अक्तूबर 2020 के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। महाराष्ट्र के साकोली बांस क्लस्टर में कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) का काम अच्छा चल रहा है। महाराष्ट्र के वर्धा क्लस्टर में स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) ने अपना अंशदान जमा कर दिया है और शीघ्र ही टेंडर नोटिस जारी की जाएगी।

झारखंड में कार्यान्वयन एजेंसी मुखममंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड ने सभी सात समूहों के साथ बैठक कर स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) को जल्द से जल्द अपना अंशदान जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

इस पर महानिदेशक ने 2016 में अनुमोदित सभी क्लस्टरों को दशहरा महोत्सव से पहले पूरा करने और उनमें उत्पादन शुरू करने की की सलाह दी। उन्होंने इसके लिए शेष निधि भी

जारी करने की सलाह दी। महानिदेशक ने सुझाव दिया कि नवंबर 2020 के दौरान ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रबंध को अंतिम रूप दिया जाए। बैठक का समापन योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने के आश्वासन के साथ हुआ।

5.1.17. तिरूर नारियल क्लस्टर के लिए (सीएफसी) के प्रबंधन पर एमडीपी

स्फूर्ति योजना के कार्यान्वयन के लिए केरल के तिरूर नारियल एकीकृत प्रसंस्करण क्लस्टर की नोडल एजेंसी **निम्समे** की ओर से कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) के प्रबंधन और हितधारकों, निदेशकों और क्लस्टर के प्रतिनिधियों के लिए निकास रणनीति पर एक ऑनलाइन प्रबंधन विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 9 से 13 नवंबर 2020 के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम में दस प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़, संकाय सदस्य, उद्यम विकास स्कूल इस कार्यक्रम निर्देशक थे।

चित्र 5.11. तिरूर नारियल क्लस्टर के लिए सीएफसी के प्रबंधन पर एमडीपी

इस प्रशिक्षण के दौरान दी गई जानकारी में डिजिटल मार्केटिंग की विधियाँ, क्लस्टर उत्पादों को ऑनलाइन बढ़ावा देना, ब्रांडिंग और लेबलिंग के तरीके, कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) का प्रबंधन, क्लस्टर क्षमता आदि विषय शामिल थे।

इस आयोजन के उद्घाटन के दौरान **निम्समे** की महानिदेशक ने प्रशिक्षुओं को क्लस्टर में हस्तक्षेप करने के लिए लेबलिंग, ब्रांडिंग और अन्य कार्य योजना के साथ नई प्रौद्योगिकियों, उत्पाद विपणन का विकल्प चुनने की सलाह दी । श्री गौड़ ने कार्यान्वयन एजेंसी से आवश्यक सेवाओं की गणना की और क्लस्टर कार्यों के कई अन्य पहलुओं के बारे में क्लस्टर विकास कार्यकारी और स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) के सदस्यों के साथ चर्चा की । डॉ. बी.एन.वी. पार्थसारथी, श्री एच.के. चारी, राष्ट्रीय सलाहकार, श्री टी. वेंकटेशन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री संदीप भटनागर, निदेशक (वि.एवं. व्य.वि.), **निम्समे**, डॉ. गौरव

मधु, डॉ. दिब्येन्दू चौधरी, संकाय सदस्य , **निम्समे**, कार्यक्रम निर्देशक के साथ **निम्समे** के सह संकाय सदस्य डॉ. श्रीकांत शर्मा रिसोर्स पर्सन के साथ शामिल थे।

अंत में कार्यक्रम निर्देशक ने सभी पहलुओं सहित अगले तीन वर्षों के लिए व्यापक कार्य योजना या प्रवाह चार्ट बनाने के बारे में समझाया । उन्होंने कहा कि क्लस्टर के लिए कार्य योजना या प्रवाह चार्ट अनिवार्य है और क्लस्टर की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रशिक्षण का समापन कार्यक्रम निर्देशक ने प्रशिक्षुओं को ऑनलाइन भागीदारी के लिए बधाई देते हुए किया।

5.1.18. एमएसएमई क्लस्टर के लिए सॉफ्ट और हार्ड इंटरवेंशन पर ऑनलाइन प्रशिक्षण

निम्समे की ओर से 4 से 8 जनवरी 2021 तक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्लस्टरों के लिए हार्ड एण्ड सॉफ्ट इंटरवेंशन पर ऑनलाइन ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। महाराष्ट्र के साकोली, वर्धा, मनगांव बांस और एसयूएस गारमेंट क्लस्टरों जैसे विभिन्न स्फूर्ति क्लस्टरों से 12 सदस्यों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया। जोन्नाडा फूड प्रोसेसिंग क्लस्टर, आंध्र प्रदेश, होशियारपुर वुडक्राफ्ट क्लस्टर और अन्य संगठन स्फूर्ति क्लस्टर के लिए तकनीकी सेवाएँ प्रदान करते हैं। प्रशिक्षण का ध्यान समूहों के नरम और कठोर हस्तक्षेपों, उत्पादों की विपणन रणनीति, मंत्रालय द्वारा आवंटित निधियों के उपयोग और कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) के प्रबंधन पर था ।

महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएँ दी और प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए सभी प्रतिभागियों की सराहना की। उन्होंने समूहों के प्रभावी प्रबंधन के लिए ऐसे प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला, जो निर्भर कारीगरों की आजीविका बढ़ाने में भी मदद करेगा ।

कार्यक्रम निर्देशक श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ ने कार्यक्रम डिज़ाइन के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी और प्रतिभागियों से अपने सुझाव देने का अनुरोध किया। श्री गौड़ ने क्लस्टर पद्धति से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं के साथ-साथ नए समूहों को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं और दिशा-निर्देशों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने क्लस्टर के नैदानिक अध्ययन की आवश्यकता के बारे में विस्तार से बताया क्योंकि यह क्लस्टर के कामकाज में कम बताने और कमियों को दूर करने में मदद करता है। इसके अलावा उन्होंने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के महत्व, रणनीतिक कार्य योजना तैयार करने और क्लस्टर हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन पर भी चर्चा की ।

श्री एल. विजय कुमार ने कार्यान्वयन एजेंसी, तकनीकी एजेंसी और स्पेशल पर्पज व्हेहिकल ((एसपीवी), क्लस्टर में इंटरवेन्शनों के कार्यान्वयन में मुद्दों और **निम्समे** के अनुभवों की

भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी। प्रतिभागियों को विभिन्न सफल समूहों के बारे में विभिन्न वीडियो दिखाए गए और कैसे **निम्समे** द्वारा किए गए इंटरवेन्शनों ने कारीगरों के जीवन को बदल दिया है ।

विपणन, ई-कॉमर्स की अवधारणाओं के बारे में निदेशक (एम एण्ड बीडी) ने जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीण उत्पादों की बिक्री के लिए फेस बुक और गूगल विज्ञापनों, गूगल एनालिटिक्स और ई-रणनीति का उपयोग करने के बारे में भी जानकारी दी। एसोसिएट संकाय सदस्य सुश्री वी. स्वप्ना ने एमएसएमई के लिए आईपीएफसी (बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र) की भूमिका के बारे में जानकारी दी जो वर्ष 2009-10 में स्थापित की गई थी और साथ ही नवाचारों की अवधारणा और विभिन्न बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और पेटेंट अधिनियमों के माध्यम से उनकी रक्षा की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी । संकाय सदस्य डॉ. के विश्वेश्वर रेड्डी ने डेटा समेकन और विश्लेषण, आयात निर्यात व्यवसाय शुरू करने के लिए कदम, आयात निर्यात व्यवसाय को समग्र रूप से शुरू करने के मापदंडों के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने निर्यात और आयात चक्र की निर्यात चक्र और अन्य प्रक्रिया की श्रेणियों के बारे में भी जानकारी प्रदान की।

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर श्री गौड़ ने प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सभी क्लस्टरों के लिए अपनी समस्याओं को सुलझाने और उनसे निजात के तरीकों और साधनों की तलाश करने के लिए एक मंच के रूप में सहायक सिद्ध होगा। इस कार्यक्रम का समापन श्री गौ द्वारा प्रतिभागियों तथा निम्समे के सभी टीम के सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

5.1.19. ग्रामीण समूहों में हस्तक्षेप पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

निम्समे के एनआरसीडी द्वारा ग्रामीण क्लस्टरों में इन्टरवेन्शनों पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 20 से 22 जनवरी 2021 तक किया गया । इस कार्यक्रम में कुल 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सत्र का संचालन संकाय सदस्य श्री सूर्यप्रकाश गौड़, श्री एल. विजय कुमार और श्री डी. कोंडा नवीन कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचाल कार्यक्रम निर्देशक श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ के नेतृत्व किया गया, जिसमें सुश्री सोहेला मित्रा ने सहायता की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्लस्टर सिद्धांत की बुनियादी अवधारणाओं को समझना, क्लस्टर विश्लेषण और डिजाइन रणनीतिक विकास योजना को अंजाम देना, हार्ड इंटरवेन्शनों के कार्यान्वयन के मुद्दों की पहचान करना, क्लस्टर विकास में सरकार, विकास संगठनों और गैर सरकारी संगठनों की भूमिका को समझना तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के महत्व का जानकारी दी गई।

स्वागत कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने क्लस्टर विकास कार्यक्रम के महत्व और इंटरवेंशनों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने विभिन्न क्लस्टर विकास परियोजनाओं में **निम्समे** द्वारा की गई पहलों और विभिन्न हितधारकों को संस्थान द्वारा दिए गए विविध प्रशिक्षणों पर प्रकाश डाला । श्री गौड़ ने क्लस्टर पद्धति और अवधारणा, नैदानिक अध्ययन के महत्व, अन्य घटकों, डेटा संग्रह, कठोर और सॉफ्ट इंटरवेशनोंऔर विस्तृत परियोजना रिपोर्टों पर जानकारी दी। श्री विजय कुमार ने समूहों में कार्यान्वयन एजेन्सी, तकनीकी एजेन्सी, क्लस्टर विकास कार्यकारी, स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) की भूमिका और सामान्य सुविधा केंद्रों की स्थापना पर प्रकाश डाला।

श्री नवीन कुमार ने क्लस्टरों के तकनीकी और वित्तीय विश्लेषण पर जानकारी देने के अलावा स्फूर्ति, एमएसईसीडीपी, आईएचसीडीपी और एएचवीआई जैसी विभिन्न क्लस्टर विकास योजनाओं के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम निर्देशक ने प्रतिभागियों का फीडबैक मांगा और प्रशिक्षण के बाद ड्राफ्ट प्रस्ताव प्रस्तुत किए ।

महानिदेशक ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए और धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

5.1.20. कार्यात्मक क्लस्टर कार्यशाला का कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन

निम्समे के एनआरसीडी ने 28 और 29 जनवरी 2021 के दौरान 2 दिनों के लिए ग्रामीण समूहों में हस्तक्षेप पर एक कार्यशाला आयोजित की थी। कार्यशाला में कुल 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सत्र का संचालन संकाय सदस्यों श्री सूर्यप्रकाश गौड़, श्री एल. विजय कुमार और श्री डी. नवीन कुमार ने किया। कार्यक्रम निर्देशक श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ और सुश्री सोहेला मित्रा द्वारा समन्वित थे।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य क्लस्टर सिद्धांत की बुनियादी अवधारणाओं को समझना, कठोर हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन में मुद्दों को पहचानना, सरकार की भूमिका को समझना, कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) के प्रभावी उपयोग के लिए संस्थागत जुड़ाव, कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) का प्रबंधन और निकास रणनीति था।

चित्र 5.12. कार्यात्मक समूहों का कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन

स्वागत भाषण कार्यशाला के के बाद उद्घाटन महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने संबोधित किया। उन्होंने क्लस्टर विकास कार्यक्रम के महत्व और समूहों में हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दिया । उन्होंने कोविड-19 महामारी के बावजूद अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए सभी प्रतिभागियों और टीम के सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने विभिन्न क्लस्टर विकास परियोजनाओं में **निम्समे** द्वारा शुरू की गई पहलों और विभिन्न हितधारकों को दिए गए विभिन्न प्रशिक्षणों पर प्रकाश डाला ।

श्री गौड़ ने सफल स्फूर्ति समूहों के मामले के अध्ययन के अलावा कठोर हस्तक्षेपों को पूरा करने और सॉफ्ट इंटरवेंशनों के मुद्दों और चुनौतियों के बारे में जानकारी दी।

श्री एस. डेविड ब्रेयार्ड और श्री विवेक कुमार ने प्रतिभागियों को ई-कॉमर्स वेबसाइट की आवश्यकताओं के बारे में अपनी जानकारी दी।

कार्यशाला के अंत में कार्यक्रम निर्देशक ने प्रतिभागियों से फीडबैक मांगा और कार्यशाला के बाद 2021-22 के लिए कार्ययोजना प्रस्तुत की।

5.1.21. अध्ययन दल महाराष्ट्र में स्फूर्ति समूहों का दौरा

संकाय सदस्य श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा प्रतिनियुक्त अध्ययन दल को सहायता प्रदान करने के साथ ही मा. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम द्वारा क्लस्टरों के उद्घाटन के लिए स्फूर्ति योजना का मूल्यांकन करने में कार्यान्वयन एजेंसियों और एसपीवी का समर्थन करने के लिए पेंडूर तथा सावंतवाड़ी कयर क्लस्टर एवं मनगाँव बांस क्लस्टर का दौरा किया ।

20 फरवरी 2021 को श्री गौड़ ने आईआईएम, लखनऊ के प्रोफेसर डॉ. सी.एम. मिश्रा के साथ और उनकी टीम के सदस्यों ने पेंडूर कयर क्लस्टर का दौरा किया। अध्ययन दल को परियोजना कार्यान्वयन और निधि के उपयोग के दौरान सामने आने वाली सॉफ्ट और हार्ड इंटरवेंशनों, चछा चुनौतियों के बारे में जानकारी दी गई। टीम ने कयर कारीगरों, कार्यान्वयन एजेन्सी / स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) प्रतिनिधियों और क्लस्टर विकास कार्यकारी से बातचीत की। अध्ययन दल ने क्लस्टर हस्तक्षेपों और परियोजना हस्तक्षेपों को

पूरा करने के लिए कार्य योजना पर सावंतवाड़ी कयर क्लस्टर की कार्यान्वयन एजेन्सी / स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) और क्लस्टर विकास कार्यकारी के साथ भी बातचीत की। श्रीमती प्रग्ना परब (कार्यान्वयन एजेंसी), श्रीमती अरुणा स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) और सुश्री अश्विनी (सीडीई) पेंडूर क्लस्टर, श्री ए.के. गौडे (कार्यान्वयन एजेन्सी), श्रीमती गीता परब (एसपीवी)) और सावंतवाड़ी कयर क्लस्टर की श्रीमती श्रुति रेडकर (सीडीई) ने अध्ययन दल को परियोजना हस्तक्षेपों के बारे में जानकारी दी ।

21 फरवरी 2021 को टीम ने मनगाँव बांस क्लस्टर का दौरा किया और कार्यान्वयन एजेन्सी, स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) और कुछ कारीगरों से बातचीत की। कार्यान्वयन एजेन्सी और स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी) की प्रतिनिधियों श्रीमती कल्पना और श्री दयानंद ने क्रमशः परियोजना हस्तक्षेपों, परियोजना के कार्यान्वयन में देरी के कारणों और सुधारात्मक कार्रवाई का ब्यौरा दिया। अध्ययन दल ने कार्यान्वयन एजेन्सी / स्पेशल पर्पज व्हेहिकल (एसपीवी)/ सीडीई और कारीगरों के साथ बातचीत की और कार्यान्वयन एजेन्सी, परियोजना दीक्षा, परियोजना अवधारणा में कार्यान्वयन एजेन्सी / तकनीकी एजेन्सी की भूमिका, परियोजना अनुमोदन, निधि जारी, लाइसेंस और अनुमोदन प्राप्त करने में मुद्दे, कारीगरों की आर्थिक गतिविधि याँ , क्लस्टर उत्पाद, क्लस्टर उत्पादों के विपणन, सेवा प्रदाताओं और बीडीएस से जुड़े नए उत्पाद रेंज के विकास की गुंजाइश के बारे में पूछताछ की । बाद में टीम ने कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) साइट का दौरा किया।

चित्र 5.13. अध्ययन दल ने महाराष्ट्र में स्फूर्ति क्लस्टरों का दौरा

5.2. बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र (आईपीएफसी)

5.2.1. बौद्धिक संपदा अधिकारों पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)

निम्समे में सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों के लिए बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र (आईपीएफसी) ने 9 से 11 सितंबर 2020 के दौरान बौद्धिक संपदा अधिकारों पर तीन दिवसीय ऑनलाइन

संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्टार्ट-अप्स और उद्यमियों को बौद्धिक संपदा की पहचान और सुरक्षा के बारे में ज्ञान प्रदान करना, उनके आईपी और प्रौद्योगिकियों के प्रबंधन, व्यावसायीकरण और मुद्रीकरण में एक सफल आईपी रणनीति को कैसे शामिल किया जाए । साथ ही आईपी प्रमोशन पर उपलब्ध सरकारी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। एलपीआर पर सत्र को सह संकाय सदस्य (उ.प्र.स्कूल) और कार्यक्रम समन्वक सुश्री वी. स्वप्ना ने संबोधित किया, जबकि एमएसएमई स्कीम्स सत्र को श्री जी. सुदर्शन, संकाय सदस्य, ने संबोधित किया । कार्यक्रम में प्रतिभागियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई, जिसमें उल्लेख किया गया है कि उनके अभिनव विचारों की रक्षा करने में उनके लिए जानकारी मदद की थी । 11 सितंबर, 2020 को समापन के दौरान महानिदेशक ने महिला प्रतिभागियों को उनके अभिनव उत्पादों के लिए सराहना की और उन्हें अपने उद्यमों की स्थापना के लिए आईपीएफसी सेवाओं को उनके आईपी पंजीकरण और ईडीसी सेवाओं के लिए उपयोग करने की सलाह दी। कार्यक्रम का समापन सुश्री स्वप्ना के धन्यवाद मत से हुआ।

5.2.2. अभिनव उद्यमिता के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र द्वारा 25 से 27 नवम्बर 2020 के दौरान अभिनव उद्यमिता के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। एसईएम की एसोसिएट संकाय सदस्य सुश्री वी. स्वप्ना कार्यक्रम निर्देशक थीं।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को अपने नवाचारों और रचनात्मकता की रक्षा के लिए आवश्यक कौशल प्राप्त करने में मदद करना और धन सृजन के लिए आईपी के महत्व के बारे में स्टार्ट-अप/एमएसएमई/नवोन्मेषकों के बीच सूचना का प्रसार करने में मदद करना, रोजगार के अवसर पैदा करना और व्यापार विकास करना था, जिससे देश का आर्थिक विकास होता है ।कार्यक्रम में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) , पंजीकरण प्रक्रियाओं और अभियोजन के महत्वपूर्ण रूपों, नए उत्पाद विकास और प्रतिस्पर्धी लाभ में आईपी ज्ञान का महत्व, स्टार्ट-अप/एमएसएमई के लिए योजनाएं-आईपी पंजीकरण प्रोत्साहन, वित्तपोषण योजनाएं और अमानीर भारत पैकेज और आईपी प्रवर्तन पर ध्यान केंद्रित किया गया । प्रशिक्षु गोवा काउंसिल ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी और अकादमिक संस्थानों से थे ।

सत्रों का संचालन सुश्री वी. स्वप्ना, श्री सतीश कुमार, निदेशक (डीसी-एमएसएमई), भारत सरकार, श्री अशोक राम कुमार (आईपी एडवोकेट) और श्री विजय भास्कर रेड्डी (आईपी प्रैक्टिशनर) ने किया। प्रतिभागियों ने बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) से संबंधित

विभिन्न पहलुओं पर बहुत अच्छी चर्चा की, जिसमें वास्तविक समय के उदाहरण थे और उन्हें उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली ।

5.2.3. पेटेंट आवेदन मसौदा तैयार करने और फाइलिंग प्रक्रियाओं पर कार्यक्रम

बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र (आईपीएफसी) ने 22 से 26 मार्च 2021 तक पेटेंट एप्लीकेशन ड्राफ्टिंग एण्ड फाइलिंग प्रक्रियाओं पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अकादमिक और तकनीकी संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

भारत में पेटेंट कानून, आविष्कार जो भारतीय पेटेंट कानून, पेटेंट आवेदनों के प्रकार, पेटेंट फाइलिंग प्रक्रिया और भारत में प्रक्रिया, पेटेंट खोज रणनीतियों, अंतरराष्ट्रीय पेटेंट फाइलिंग प्रणाली के तहत पेटेंट योग्य नहीं हैं, शामिल किए गए विषय थे । बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) संवर्धन में सरकारी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया। इसमें पेटेंट विनिर्देश और दावों का मसौदा तैयार करने से संबंधित सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं को भी शामिल किया गया । प्रतिभागियों को पेटेंट खोज और पेटेंट ड्राफ्टिंग पर अभ्यास भी दिया गया । इन सत्रों का संचालन आईपीएफसी के एसोसिएट संकाय सदस्य और आईपी फील्ड में प्रख्यात वक्ताओं के कार्यक्रम निर्देशक सुश्री वी. स्वप्ना ने किया ।

कार्यक्रम का समापन 26 मार्च 2021 को हुआ। समापन के दौरान महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने निम्समे की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पेटेंट प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण के महत्व और हमारी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए अभिनव उद्यमिता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला । उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम में रुचि दिखाने के लिए प्रतिभागियों की सराहना की और प्रतिभागियों को पेटेंट फाइल करने के लिए प्रेरित किया । कार्यक्रम में काफी अच्छा फीडबैक मिला।

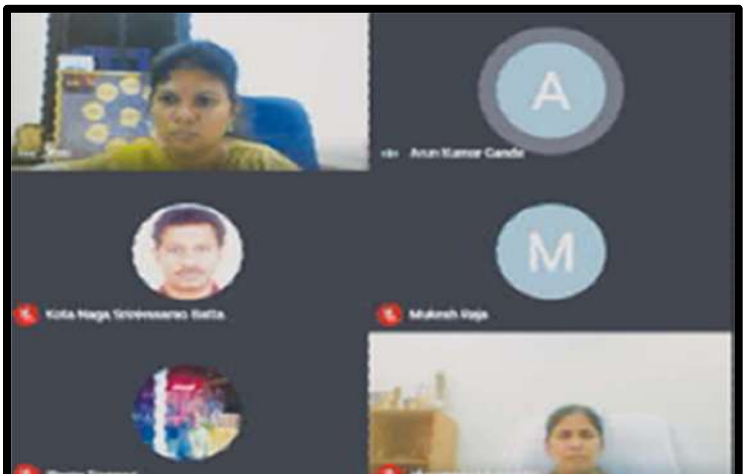

चित्र 5.14. पेटेंट आवेदन मसौदा तैयार करने और फाइलिंग प्रक्रियाओं पर कार्यक्रम

5.3. जीएसटी सेल

5.3.1. जीएसटी और जेम पर प्रशिक्षण

निम्समे के जीएसटी सेल ने 3 से 5 अगस्त 2020 के दौरान जीएसटी और जोम (जीईएम) पर तीन दिवसीय ऑनलाइन ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया था। प्रशिक्षण में सरकारी अधिकारियों, उद्यमियों, कर सलाहकारों, लेखाकारों और **निम्समे** के प्रशासन और लेखा कर्मचारियों सहित विभिन्न व्यावसायिक धाराओं के प्रतिभागियों ने भाग लिया । कार्यक्रम का निर्देशन **निम्समे** की संकाय सदस्य (उ.प्र.स्कूल) डॉ. ई.विजया ने किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षुओं को जीएसटी कानून और कर अनुपालन के बारे में व्यावहारिक ज्ञान से लैस करना था ताकि वे उद्यमों और व्यक्तियों को नए कानून के तहत रिटर्न दाखिल करने में सहायता कर सकें और सरकारी ई-बाजार स्थानों (जीईएम) में सार्वजनिक खरीद और पंजीकरण के बारे में जागरूकता पैदा कर सकें ।

प्रशिक्षण में मुख्य रूप से जीएसटी कानून, इनपुट टैक्स क्रेडिट, पंजीकरण प्रक्रिया की व्यावहारिक समझ, चालान, आरसीएम, रिटर्न फाइलिंग, जीएसटी के तहत भुगतान और रिनिधि के बारे में जानकारी देने और जीईएम के तहत सार्वजनिक खरीद नीति, पंजीकरण, खरीद और भुगतान प्रक्रिया के बारे में जानकारी देने पर जोर दिया गया। सत्र को निम्समे संकाय , जीएसटी और जेम विशेषज्ञों और जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने संबोधित किया और विशेषज्ञों का मिलान भी किया ।

समापन सत्र के दौरान **निम्समे** की महानिदेशक ने प्रतिभागियों को उनके प्रशिक्षण के सफल समापन पर बधाई दी और सुझाव दिया कि प्रतिभागी अपने संगठनों में जेम और जीएसटी कर अनुपालन के कार्यान्वयन के बाद अपनी प्रतिक्रिया भेजें । कार्यक्रम के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रतिभागियों ने कहा कि यह कार्यक्रम काफी उपयोगी और जानकारीपूर्ण था। प्रतिभागियों ने संकाय , **निम्समे** और गेस्ट स्पीकरों की भी सराहना की और कार्यक्रम को बहुत अच्छा आंका।

चित्र 5.15. जीएसटी और जीईएम पर प्रशिक्षण

5.3.2. जीएसटी रिटर्न फाइलिंग में प्रशिक्षण

जीएसटी प्रकोष्ठ, **निम्समे** ने 16 से 18 सितंबर 2020 के दौरान टैली के उपयोग से जीएसटी रिटर्न फाइलिंग में तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन किया था। **निम्समे** की संकाय सदस्या डॉ. ई विजया द्वारा निर्देशित इस कार्यक्रम में सरकारी अधिकारियों, उद्यमियों, कर सलाहकारों और लेखाकारों जैसे विभिन्न धाराओं के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षुओं को जीएसटी कानून और कर अनुपालन के बारे में व्यावहारिक ज्ञान से लैस करना था, ताकि वे नए कानून के तहत रिटर्न दाखिल करने के लिए उद्यमों और व्यक्तियों का समर्थन कर सकें।

5.3.3. जेम प्लेस और जेम पूल अकाउंट पर कार्यशाला

निम्समे के विपणन और व्यवसाय विकास निदेशक श्री संदीप भटनागर तथा उद्यम प्रबंधन स्कूल की संकाय सदस्या डॉ. ई विजया ने 29 सितंबर 2020 को **निम्समे** परिसर स्थित सेन्डॉक भावन के कंप्यूटर लैब में 10:30 बजे से सरकारी ई-मार्केट प्लेस और जेम पूल अकाउंट (जीपीए) पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया। एक्सिस बैंक द्वारा प्रायोजित कार्यशाला में **निम्समे** के ल्खा और प्रशासन अनुभाग के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। एक्सिस बैंक के राज्य प्रतिनिधियों, जिनमें उनकी स्थानीय शाखा के प्रमुख और सरकारी लेखा प्रबंधक शामिल हैं, ने दिल्ली और बेंगलुरु में स्थित टीम के सदस्यों से प्रस्तुतियों और वर्चुअल निर्देशों के माध्यम से जेम और पीएफएमएस प्रैक्टिसों पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रमाण पत्र जारी करने से पहले सभी प्रतिभागियों के लिए मूल्यांकन किया गया था।

चित्र 5.16. जेम प्लेस और जीईएम पूल अकाउंट पर कार्यशाला

5.3.4. सार्वजनिक खरीद में जेम, जीएफआर और सीपीपी एप्लीकेशन के प्रयोग

निम्समे के उ.प्र.स्कूल ने 9 से 13 नवंबर, 2020 के दौरान सार्वजनिक खरीद में जेम, जीएफआर और सीपीपी एप्लीकेशन के प्रयोग पर एक सप्ताह का राष्ट्रीय स्तर का ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक खरीद नीतियों के बारे में जागरूकता पैदा करना और सरकारी ई-मार्केट प्लेस में खरीदार और विक्रेता के लिए पंजीकरण और खरीद प्रक्रिया पर व्यावहारिक ज्ञान के साथ प्रशिक्षुओं को शिक्षित करना और केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल में निविदाओं का पंजीकरण और दाखिल करना था, जो सभी इनपुट में शामिल हैं। इस दल में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, ऊर्जा मंत्रालय, नई दिल्ली, आईटीआई, सोलन, हिमाचल प्रदेश और तेलीबांधा के अधिकारी तथा उद्यमी शामिल थे। **निम्समे** की संकाय सदस्य डॉ. ई विजया कार्यक्रम निर्देशक थीं।

इन सत्रों का संचालन तेलंगाना जेम फैसिलिटेटर की मास्टर ट्रेनर श्री जया वाडवेल राजा ने किया। डॉ. वी.एस. मूर्ति, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, प्रमुख, एनआईसी, तेलंगाना और **निम्समे** की संकाय ने सत्र लिये।

समापन सत्र के दौरान **निम्समे** की महानिदेशक ने सभी प्रतिभागियों को अपने-अपने संगठनों में जेम और सीपीओ के कार्यान्वयन के बाद अपना फीडबैक भेजने की सलाह दी। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम काफी उपयोगी और जानकारीपूर्ण था। उन्होंने संकाय और गेस्ट स्पीकर्स की भी सराहना की और कार्यक्रम को बहुत अच्छा आंका।

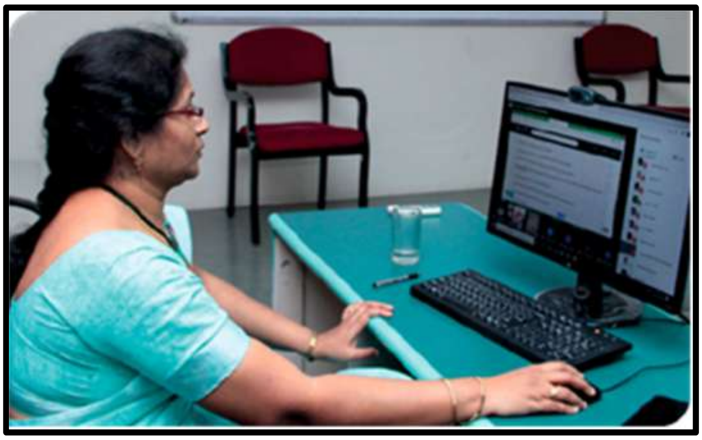

चित्र 5.17. सार्वजनिक खरीद में जीईएम, जीएफआर और सीपीपी एप्लीकेशन का प्रयोग

5.3.5. जेम पूल अकाउंट और पीएफएमएस प्रथाओं पर उन्नत प्रशिक्षण

निम्समे ने एक्सिस बैंक के सहयोग से 22 दिसंबर, 2020 को **निम्समे** के आंतरिक कर्मचारियों के लिए सरकारी ई-मार्केट प्लेस, जीईएम पूल अकाउंट और पीएफएमएस प्रैक्टिसेज पर एक उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खरीद पोर्टल जेम और पीएणएमएस के संबंध में आंतरिक कर्मचारियों की क्षमता का निर्माण करना था । एक्सिस बैंक के श्री अनूप ने पंजीकरण, कैटलॉग प्रबंधन, भुगतान प्रक्रिया और जेम पूल खाते में शामिल व्यावहारिक कदमों के बारे में बताया। उन्होंने पीएफएमएस अवधारणाओं, सरकारी योजनाओं के साथ मैपिंग, पीएफएमएस पोर्टल से व्यय विवरण और यूसी उत्पन्न करने के तरीके पर भी चर्चा की।

चित्र 5.18. जेम पूल अकाउंट और पीएफएमएस प्रथाओं पर उन्नत प्रशिक्षण

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने खरीद पोर्टलों और पीएफएमएस से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अपने सवाल पूछे और विशेषज्ञों से चर्चा की ।

कार्यक्रम में उ.प्र. स्कूल की संकाय सदस्या डॉ. ई. विजया ने प्रशासन और लेखा विभागों के आंतरिक कर्मचारियों और एक्सिस बैंक के अधिकारियों ने हिस्सा लिया ।

5.3.6. टैली के उपयोग से जीएसटी रिटर्न फाइलिंग

निम्समे के जीएसटी प्रकोष्ठ द्वारा 6 से 8 जनवरी 2021 तक टैली के उपयोग से जीएसटी रिटर्न फाइलिंग पर तीन दिवसीय प्रमाणन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उद्यमी, कर सलाहकार और लेखाकार जैसे विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का निर्देशन **निम्समे** की संकाय सदस्या डॉ. ई विजया ने किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जीएसटी कानून और कर अनुपालन के बारे में व्यावहारिक ज्ञान वाले प्रशिक्षुओं को शिक्षित और बेनकाब करनाथा, जिससे वे नए कानून के तहत रिटर्न दाखिल करने के लिए उद्यमों और व्यक्तियों का समर्थन कर सकें। इससे युवाओं को रोजगार बाजार में व्यापक अवसरों से लाभ प्राप्त करने के लिए प्रासंगिक कौशल से परिचित कराने में भी मदद मिलेगी।

उद्घाटन भाषण के दौरान **निम्समे** की महानिदेशक ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों पर जीएसटी के प्रभाव और अपने जीएसटी रिटर्न को सुचारू रूप से दाखिल करने के लिए एमएसएमई को समर्थन देने में जीएसटी प्रैक्टिशनर्स की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों को जागरूक किया । तीन दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य रूप से जीएसटी कानून, जगह और आपूर्ति के समय, इनपुट टैक्स क्रेडिट, पंजीकरण प्रक्रिया की व्यावहारिक समझ, चालान, आरसीएम, रिटर्न फाइलिंग, टैली का उपयोग कर जीएसटी रिटर्न दाखिल करने, भुगतान और जीएसटी के तहत रि निधि के बारे में जानकारी देने पर जोर दिया गया ।

चित्र 5.19. टैली का उपयोग करके जीएसटी रिटर्न फाइलिंग

सभी सत्रों का संचालन **निम्समे** के जीएसटी विशेषज्ञों, जीएसटी के अधिकारियों और टैली विशेषज्ञों से तैयार की गई संकाय की टीम ने किया। समापन सत्र के दौरान **निम्समे** की महानिदेशक ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के सफल समापन के लिए बधाई दी और

प्रतिभागियों को अपने संगठनों में जीएसटी कर अनुपालन के बाद अपना फीडबैक भेजने का सुझाव भी दिया।

5.3.7. जीएसटी के तहत ई-चालान और क्यूआरएमपी योजना पर कार्यशाला

निम्समे के जीएसटी प्रकोष्ठ द्वारा जीएसटी के तहत ई-चालान और क्यूआरएमपी योजना पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 29 जनवरी 2021 को किया गया। कार्यशाला में उद्यमी, उद्योगपति, कर सलाहकार, व्यवसायिक और शिक्षाविद जैसे विभिन्न क्षेत्रों के 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का आयोजन **निम्समे** की संकाय सदस्य डॉ. ई. विजया ने किया और प्रतिभागियों को जीएसटी के तहत नवीनतम संशोधनों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने सभी अकाउंटिंग और बिलिंग सॉफ्टवेयर कंपनियों को ई-इनवॉयस मानकों को अपनाने की सलाह भी दी ताकि उनके यूजर्स सॉफ्टवेयर से जेएसओएन जेनरेट कर आईआरपी पर अपलोड किया जा सके । ये सभी सॉफ्टवेयर नए ई-इनवॉइस मानकों को अपनाएंगे जिसमें वे अपने डेटा एक्सेस को फिर से संरेखित करेंगे और मानक प्रारूप में पुनः प्राप्त करेंगे ।

इस संबंध में जीएसटी के तहत ई-चालान और नवीनतम संशोधनों की तैयारी पर व्यावहारिक एक्सपोजर तैयार करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से बातचीत की और जीएसटी रिटर्न फाइलिंग और ई-इनवॉयस प्रक्रियाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने प्रश्नों को स्पष्ट किया । प्रतिभागियों ने जीएसटी में नवीनतम संशोधनों और व्यावहारिक मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यशाला के आयोजन के लिए **निम्समे** प्रबंधन की सराहना की।

6. एटीआई और एलबीआई के तहत कौशल विकास कार्यक्रम

6.1. फैशन डिजाइनिंग में उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम

एटीआई योजना के तहत फैशन डिजाइनिंग पर उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम का पहला बैच **निम्समे** परिसर में 21 सितंबर 2020 को शुरू हुआ । उद्यम प्रबंधन स्कूल की सह-संकाय सदस्य और कार्यक्रम समन्वयक सुश्री वी. स्वप्ना ने कार्यक्रम की जानकारी देने के साथ ही एटीआई योजना संबंधी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। इस कार्यक्रम की प्रशिक्षक श्रीमती सुनीता और श्रीमती रक्षिता थीं। सुश्री स्वप्ना ने कहा कि यह कार्यक्रम कोविड के मद्देनज़र एहतियाती उपायों के ढांचे के भीतर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें थर्मल स्कैनिंग, सोशल डिस्टेंसिंग, फेस मास्क और हैंड सैनिटाइजंग शामिल हैं । यह प्रशिक्षण 500 घंटे की अवधि का था । यह वैतनिक रोजगार की भूमिका के राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों के अनुपालन में संरचित है होने के साथ ही फैशन डिज़ाइन

और वाणिज्यिक उत्पादन के लिए डिज़ाइन अवधारणाओं के विकास का प्रबंधन करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान पर आधारित था।

इस कार्यक्रम में उद्यमिता विकास मॉड्यूल भी शामिल है, ताकि प्रशिक्षुओं को उद्यमशीलता की भूमिका को अधिक प्रभावी ढंग से निभाने में सक्षम बनाया जा सके। इन जानकारियों में उपलब्धि प्रेरणा प्रशिक्षण, व्यापार के अवसरों को खोलना में मार्गदर्शन, परियोजना रिपोर्ट तैयार करना, एक स्थानों/तकनीकों का विपणन, उत्पाद/सेवा मूल्य निर्धारण, उपलब्ध बुनियादी ढांचा सुविधाएं, विभिन्न एमएसएमई योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता और उद्यम पंजीकरण के लिए सहायता शामिल हैं। महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने अपने संबोधन के दौरान प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त कौशल और ज्ञान की मदद से अवसर का उपयोग करें और अपना उद्यम शुरू करें।

चित्र 6.1. फैशन डिजाइनिंग में उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम

6.2. एटीआई योजना के तहत ईएसडीपी के प्रशिक्षकों के लिए टीओटी कार्यक्रम

एटीआई योजना के तहत उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (टीओटी का तीन दिवसीय आयोजन 28 से 30 सितंबर 2020 के दौरान किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिभागियों और प्रशिक्षकों से परिचय के साथ हुई। उ.प्र. स्कूल और कार्यक्रम समन्वयक की सह-संकाय सदस्य सुश्री वी. स्वप्ना ने कार्यक्रम, एटीआई योजना और इसके दिशा-निर्देशों के बारे में जानकारी दी।

उद्घाटन भाषण देते हुए **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने कार्यक्रम का महत्व समझाया। उन्होंने प्रशिक्षकों को सलाह दी कि वे प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत करते समय नियमों और जिम्मेदारियों पर ध्यान दें, ई-मॉड्यूल तैयार करें और **निम्समे** एसओपी दिशा-निर्देशों के अनुसार सत्र प्रस्तुत करें। इसके अलावा उन्होंने प्रशिक्षकों से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षुओं को अधिक स्वरोजगार/ मजदूरी रोजगार पैदा करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि यह बैच इसलिए खास है क्योंकि कोविड-19 के कारण ऑनलाइन माध्यम से

कौशल प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है और उन्हें दिसंबर 2020 तक अपने कार्यक्रम समाप्त करने की सलाह दी ।

सत्रों के दौरान के डॉ. चौधरी, संकाय सदस्य, उ.प्र. स्कूल और डी. योगेश्वर राव ने एलएमएस प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण के संचालन के बारे में चर्चा की, जबकि श्री जी सुदर्शन ने एमएसएमई योजनाओं के बारे में जानकारी दी। श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ और डॉ. ई. विजया ने संस्थागत सहायता के साथ ही संवर्धनात्मक और वित्तीय पहलुओं पर जानकारी दी। डॉ. श्रीकांत शर्मा ने सलाह कौशल और कौशल कार्यक्रमों में संरक्षक की भूमिका विषय पर संबोधित किया।

चित्र 6.2. एटीसी योजना के तहत ईएसडीपी के प्रशिक्षकों के लिए मुन्ना कार्यक्रम

6.3. एससी /एसटी के प्रशिक्षुओं को टूलकिट वितरण

6.3.1 प्रशिक्षण कार्यक्रम: एनीमेशन, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी

निम्समे की ओर से प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय एससी एसटी हब के तहत 2019-20 के दौरान एनिमेशन और फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर कार्यक्रम पूरा करने वाले प्रशिक्षुओं को डिजिटल टैब वितरित किए। 30 सितंबर 2020 को एसईएम की संकाय सदस्य डॉ. ई. विजया ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और कार्यक्रम और एससी एसटी हब के महत्व को समझाया। एसईएम के संकाय सदस्य डॉ. ई. विजया और डॉ. विश्वेश्वर रेड्डी कार्यक्रम निर्देशक थे। श्री विश्वेश्वर रेड्डी ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया, जिसमें एएसटी रजिस्ट्रार ने भी भाग लिया। इससे पूर्व महानिदेशक ने उपस्थितों को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त कौशल का उपयोग करने और टूलकिट डिजिटल टैब को बुद्धिमानी और सार्थक रूप से करने का आह्वान किया ।

चित्र 6.3. एससी एसटी प्रशिक्षुओं को टूलकिट वितरण

6.3.2. प्रशिक्षण कार्यक्रम: सिलाई, फैशन और ब्यूटीशियन कोर्स

निम्समे द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में 34 क्षमता निर्माण उद्यमिता तथा कौशल विकास कार्यक्रमों (ईएसडीपी) और उद्यमिता विकास कार्यक्रमों (ईडीपी) का सफलतापूर्वक संचालन कर वर्ष 2019-20 के दौरान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के 700 मौजूदा/ संभावित उद्यमियों को प्रशिक्षित किया । कार्यक्रम में अनुभवी संकाय द्वारा संबंधित क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव पूर्ण मार्गदर्शन किया गया। यह कौशल प्रशिक्षण डिजिटल फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी, मेकअप आर्टिस्ट, फैशन डिजाइनिंग, सिलाई, एनीमेशन, और हैंड डाइंग में आयोजित किए गए।

चित्र 6.4. टूलकिट वितरण

प्रशिक्षण के सफल समापन के बाद ईएसडीपी के उम्मीदवारों को समर्थन के रूप में राष्ट्रीय एससी/एसटी हब प्रायोजित टूलकिट वितरित किए गए । डिजिटल फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी व एनिमेशन के प्रशिक्षुओं को 30 सितंबर को व 7 अक्तूबर को मेकअप अभ्यर्थियों को टूल किट वितरित किये गये।

वितरण समारोह के दौरान महानिदेशक **निम्समे** ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कौशल प्रशिक्षण ज्ञान का उपयोग कर अपना उद्यम शुरू करने के साथ ही अपनी सफलता

की कहानियों को भी **निम्समे** के साथ साझा करने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में महानिदेशक ने प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को टूल किट वितरित की। कार्यक्रम निर्देशक डॉ. ई विजया और डॉ. के विश्वेश्वर रेड्डी ने टूल किट का सफल वितरण का समन्वय किया।

6.4. एटीआई योजना के तहत ईएसडीपी गतिविधियाँ

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की एटीआई योजना के तहत **निम्समे** ने विभिन्न ट्रेडों में 20 ऑनलाइन उद्यमिता और कौशल विकास प्रशिक्षण शुरू किए हैं। प्रशिक्षुओं को **निम्समे** द्वारा ऑनलाइन ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों तरह की जानकारियाँ दी जा रही हैं। आईटी-आईटीईएस की धाराओं में जूनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर, क्लाउड इंजीनियर, लेखा कार्यकारी, इंजीनियर - तकनीकी सहायता (लाइनेक्स प्रशासक), डाटा एंट्री ऑपरेटर, बहुआयामी प्रशासनिक कार्यकारी और वेब डेवलपर के नए बैच शुरू किए गए थे। ये कार्यक्रम व्यावहारिक कौशल और उद्यमिता ज्ञान दोनों पर ध्यान केंद्रित हैं।

चित्र 6.5. एटीआई योजना के तहत ईएसडीपी गतिविधियाँ

फैशन डिज़ाइनिंग के ईएसडीपी (ऑफलाइन) का दूसरा बैच 19 अक्टूबर 2020 से शुरू किया गया। इस मॉड्यूल अवधि 500 घंटे थी और प्रशिक्षक के रूप में सुश्री सुनीता ने कार्य किया। प्रैक्टिकल और सिद्धांत पक्ष का अनुपात प्रति एनक्यूआर के अनुसार लगभग 40:60 था। इसमें षामिल विषयों में डिज़ाइन के तत्व और सिद्धांत, रंग सिद्धांत और प्रक्रिया, डिज़ाइन प्रक्रिया, प्रेरणा, विषय और मूड बोर्डों की तैयारी आदि थे। इसी तरह् बोर्डों के आधार पर तकनीक-पैक का विकास, कपड़े की पह्चान और चयन, हेमिंग और तकनीक-पैक के आधार पर प्रोटोटाइप विकास के बारे में भी जानकारी दी गई।

इसी क्रम में **निम्समे** द्वारा 2 नवंबर 2020 से बेकिंग टेक्नीशियन के ऑफलाइन ईएसडीपी का भी संचालन किया गया। इस मॉड्यूल की अवधि 240 घंटे थी और प्रशिक्षक के रूप में प्रमाणित पोषण विशेषज्ञ सुश्री शुभांगी ताम्मलवार ने अपनी सेवाएँ दी।

इस मॉड्यूल में 20% और 80% के व्यापक अनुपात में सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों सत्र शामिल थे। यह सामग्री एनक्यूआर के अनुसार है, और इसमें कच्चे माल के चयन, मापन, पूर्व तैयारी उपचार, पाक समय और पाक तापमान, उपकरणों और मशीनरी के रखरखाव और निर्धारित मानकों के अनुसार स्वच्छता और स्वच्छता जैसे तकनीकी पहलुओं को शामिल किया गया ।

प्रतिभागियों को ब्रेड, कुकीज, केक, पेस्ट्री, डेसर्ट और मिष्ठान्न आइटम बनाने में प्रशिक्षित किया गया यह कार्यक्रम थर्मल स्कैनिंग, सोशल डिस्टेंसिंग, फेस मास्क और हैंड सैनिटसिंग सहित सीओवीडी एहतियाती उपायों के ढांचे के भीतर आयोजित किया जा रहा है ।

नवंबर के दौरान आईटी और आईटीईएसडीपी पाठ्यक्रमों के 17 नए बैच शुरू किए गए । इनमें से तीन वेब डेवलपर (बैच 5), जूनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर (बैच 5), क्लाउड इंजीनियर (बैच 4) में हैं, जो 2 नवंबर 2020 को शुरू किये गये थे। चार घरेलू डाटा एंट्री ऑपरेटर (बैच 4), जूनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर (बैच 6), क्लाउड इंजीनियर (बैच 5), लिनक्स एडमिनिस्ट्रेटर (बैच 3) में थे, जिनकी शुरुआत 10 नवम्बर को की गई थी।

चित्र 6.6. एटीआई योजना के तहत ईएसडीपी

पाँच पाठ्यक्रम - घरेलू डेटा एंट्री ऑपरेटर (बैच 5), जूनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर (बैच 7), लाइनेक्स प्रशासक (बैच 4), मल्टीफंक्शनल एडमिनिस्ट्रेटिव कार्यकारी (बैच 2 और 3) - 16 नवंबर 2020 को शुरू किये गये। अन्य पाँच पाठ्यक्रम- लेखा कार्यकारी (बैच 4, 5 और 6), घरेलू डेटा एंट्री ऑपरेटर (बैच 6), लिनक्स प्रशासक (बैच 5) - 24 नवंबर को शुरू किये गये।

इन कार्यक्रमों को **निम्समे** के ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से वर्चुअल मोड में संचालित किया गया और अपने-अपने डोमेन में व्यावहारिक कौशल और उद्यमिता ज्ञान दोनों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है ।

इसी धरातल पर ऑफलाइन उद्यमिता विकास कार्यक्रम (फैशन डिजाइनिंग - 2 बैच, बेकिंग तकनीशियन - 1 बैच) 9 से 14 दिसंबर 2020 तक आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों की विषयवस्तु निर्दिष्ट कौशल, बाजार सर्वेक्षण, विपणन कौशल, सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों संबंधी योजनाओं, उद्यम स्थापित करने के लिए कानूनी औपचारिकताओं, बैंक औपचारिकताओं/प्रक्रियाओं, विश्वसनीय परियोजना रिपोर्ट तैयार करने और व्यापार योजना तैयार करने में व्यापार के अवसरों पर पर केंद्रित थी।

चित्र 6.7. एटीआई योजना के तहत उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम

प्रतिभागियों ने जूट और संबद्ध फाइबर उत्पादों के निर्माण में सफल उद्यमी श्रीमती वी. दीपा के साथ भी बातचीत की । सत्र में दोनों इन-हाउस संकाय और आमंत्रित विशेषज्ञों द्वारा तिरस्कृत किए गए ।

केवीआईसी, तेलंगाना के निदेशक श्री हरि मदुगुला ने पीएमईजीपी पर चर्चा की, जबकि श्री एम. वाई. रेड्डी ने बैंकर के दृष्टिकोण से परियोजना मूल्यांकन विषय को संबोधित किया। सभी कार्यक्रमों का समन्वय उद्यम प्रबंधन स्कूल की सह संकाय सदस्या सुश्री वी. स्वप्ना द्वारा किया गया।

6.5. विभिन्न कार्यक्रमों के लिए ईएसडीपी विदाई

30 दिसंबर, 2020 को एएसटी फैशन डिज़ाइन र (बैच आई एण्ड II) और ईएसडीपी ऑन बेकिंग टेक्नीशियन (बैच-1) के ईएसडीपी का समापन समारोह आयोजित किया गया। प्रतिभागियों ने अपने इंप्रेशन साझा किए और कार्यक्रम के दौरान प्रदान किए गए कौशल के बारे में संतोष व्यक्त किया और इस अवसर पर स्टालों में अपने उत्पादों का प्रदर्शन भी किया।

संबोधन के दौरान निम्समे की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने महत्वपूर्ण कोविड-19 समय के दौरान कार्यक्रम के सफल समापन के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान सीखे गए कौशल के साथ तैयार उत्पादों का प्रदर्शन करने के लिए प्रतिभागियों की सराहना भी की । उन्होंने प्रतिभागियों को निम्समे योद्धाओं का नाम दिया और सफल उद्यमी बनने की कामना की ।

समापन के दौरान ईएसडीपी प्रशिक्षक श्रीमती सुनिता, श्रीमती रचिता, श्रीमती लक्ष्मी, सुश्री शुभांगी तामलवार और श्री.B आर किरण और श्री मुरली किशोर, निम्समे के एएसटी रजिस्ट्रार उपस्थित थे । अंत में सुश्री वी. स्वप्ना, सह-संकाय सदस्य एण्ड एआइटी (आई/सी) ने धन्यवाद प्रस्ताव किया । सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

शाम को फैशन डिजाइनिंग स्टूडेंट्स द्वारा रैंप वॉक का आयोजन कलागन, निम्समे में किया गया, जिसमें उनकी आर्टिस्टिक डिजाइन्स को प्रदर्शित किया गया।

चित्र 6.8. ईएसडीपीएस वैलिडिक्शन

उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रमों का समापन समारोह (ऑफलाइन)-एनीमेशन, वीएफएक्स एडिटर और बेकिंग टेक्नीशियन एमएसएमई मंत्रालय की एटीसी योजना के तहत प्रायोजित 31 मार्च 2021 को निम्समे परिसर में।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला, दिव्यांग, पूर्व सैनिकों और बीपीएल व्यक्तियों सहित समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाले रोजगारी युवाओं को स्वरोजगार को करियर विकल्पों में से एक माना जाना था। कार्यक्रम में कुल 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन अवसर पर संकाय सदस्य डॉ. . दिब्येन्दू चौधरी, जे. कोटेश्वर राव राव, श्री सूर्यप्रकाश गौड़, डॉ. . श्रीकांत शर्मा, श्री जी सुधराशन, श्री राजेंद्र प्रसाद और एएसटी रजिस्ट्रार श्री एन मुरली किशोर भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम निर्देशक (एआइटी) सुश्री वी. स्वप्ना ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुसार है और कोविड-19 एहतियाती उपायों के बाद आयोजित किया जाता है।

उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि इस कार्यक्रम में उद्यमिता कौशल के साथ-साथ उनके संबंधित लक्षणों में तकनीकी कौशल प्रदान किया गया। छात्रों ने प्रशिक्षण के बारे में अपने इंप्रेशन साझा किए हैं और कार्यक्रमों के संचालन के लिए एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार और निम्समे के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर महानिदेशक निम्समे ने सभी प्रतिभागियों को सफल समापन पर बधाई दी और उन्हें एक ऐसे विशिष्ट उत्पाद की पहचान करने का सुझाव दिया जिसमें एक इकाई स्थापित करने की बाजार क्षमता हो।

उन्होंने बेकरी और मल्टीमीडिया क्षेत्र में केस स्टडीज पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने उन्हें सलाह दी कि वे अपने लिए सफल करियर बनाने के लिए प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त ज्ञान का उपयोग करें। महानिदेशक ने संकाय सदस्यों के साथ निम्समे प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

चित्र 6.9. ऑफलाइन उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रमों का समापन समारोह

6.6. आजीविका व्यापार इनक्यूबेटर (एलबीआई) में गतिविधियाँ

निम्समे ने इच्छुक उद्यमियों को आजीविका व्यवसाय इनक्यूबेटर (एलबीआई) में उपलब्ध बुनियादी ढांचे और मशीनरी का उपयोग करके कोविड -19 के दौरान अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को गति देने का अवसर दिया है ।

सुश्री शिबांगी ने बेकिंग प्रौद्योगिकी सुविधा का उपयोग किया, जबकि सुश्री माधवी, सुश्री सुनिता और सुश्री धना लक्ष्मी ने फैशन प्रौद्योगिकी मशीनरी का उपयोग किया । महानिदेशक ने 14 अगस्त 2020 को एलबीआई का दौरा किया और महिला उद्यमियों से बातचीत की।

चित्र 6.10. एलबीआई में गतिविधि

7. एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए

7.1. एशियन सेंटर फॉर इकोनॉमिक एण्ड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट एण्ड एजुकेशन

निम्समे ने एशियन सेंटर फॉर इकोनॉमिक एण्ड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट एण्ड एजुकेशन (एसीईडीई) के साथ एमओयू किया है। निम्समे की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा और एसीईई की महानिदेशक सुश्री सुषमा ने 24 अप्रैल 2020 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। एसीईडीई भारत एसएमई फोरम का एक अंग है, जो एसएमई के लिए भारत के सबसे बड़े लाभ संगठनों में से एक है, जिसमें 86,460 से अधिक सदस्य और 8,20,000 ग्राहक हैं।

चित्र 7.1. एशियन सेंटर फॉर इकोनॉमिक एण्ड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट एण्ड एजुकेशन

यह समझौता ज्ञापन निम्समे और एसीसीईडे का परिणाम है जो उद्यमिता, निर्यात, विपणन, प्रौद्योगिकी प्रबंधन और उद्यमियों के आर्थिक विकास और अकादमिक सहयोग में उनके पारस्परिक हित के संबंध में अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्रों में एक-दूसरे की ताकत को मान्यता देता है। एमओयू का प्रावधान यह है कि निम्समे आपसी हित के क्षेत्रों में आपसी सहयोग से काम करने के लिए उद्यमिता विकास और निम्समे और एसीईई में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का संचालन करेगा।

इस एमओयू में मुख्य रूप से एमएसएमई, स्टार्ट-अप्स और इच्छुक उद्यमियों के बीच तेजी से निष्पादन कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और इमर्सिव पाठ्यक्रमों के विकास, प्रारंभिक शिक्षा का वितरण, रैपिड रिफ्रेशर, इमर्सिव कोर्स, सतत और प्रौढ़ शिक्षा, कार्यशालाओं और कार्यक्रमों और उद्यमिता विकास और छात्रों के लिए उद्यमिता विकास और उत्पादकता कार्यक्रमों के संचालन और प्रमाणन में सहयोग करने के क्षेत्रों में उत्पादकता वृद्धि हासिल करने की परिकल्पना की गई है। , स्टार्ट-अप, महत्वाकांक्षी के साथ-साथ मौजूदा उद्यमी भी।

7.2. एनआईटीटीई विश्वविद्यालय

डीम्ड यूनिवर्सिटी निम्समे और एनआईटीटीई ने 5 जून 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक एमओयू साइन किया था। निम्समे की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा और एनआईटीटीई के कुलपति प्रो डॉ. सतीश कुमार भंडारी ने एमओयू पर लगभग हस्ताक्षर किए । एमओयू का उद्देश्य उद्यमिता और कौशल विकास, व्यापार इनक्यूबेशन, आउटरीच कार्यक्रम, अनुसंधान और परामर्श के माध्यम से एमएसएमई को बढ़ावा देना था। निदेशक (शिक्षाविदों), इस मौके पर निम्समे के डायरेक्टर (मार्केटिंग) और संकाय मेंबर्स मौजूद थे।

7.3. एनआईटीकॉन लिमिटेड

निम्समे ने वर्चुअल स्पेस में 22 जून 2020 को नई दिल्ली स्थित तकनीकी और प्रबंधन और परामर्श संगठन एनआईटीकॉन लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन किया है। एनआईटीकॉन लिमिटेड के एमडी सतविंदर सिंह और निम्समे की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने इंटरनेट बैठक के माध्यम से इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए और निदेशक (शिक्षाविद) डॉ. अश्विनी गोयल और निम्समे के एसईएम के संकाय सदस्य डॉ. दिब्येन्दू चौधरी और सीनियर जनरल मैनेजर और एमर इमर्सन विक्टर विक्टर की उपस्थिति में एमओयू का आदान-प्रदान किया । , एनआईटीकॉन के वरिष्ठ प्रबंधक ।

निम्समे और एनआईटीकॉन ने सहयोग के लिए निम्नलिखित क्षेत्रों की पहचान की है: दोनों संगठनों के संसाधनों (ज्ञान आधार, बुनियादी ढांचे, नेटवर्क का क्षेत्र, आदि) साझा करना, नए व्यावसायिक रास्ते तलाशना जो अकेले काम करने का दोहन करना मुश्किल है और दोनों संगठनों की संकाय शक्तियों का उपयोग NITCON लिमिटेड के साथ एक अकादमिक वातावरण विकसित करने के लिए है, जहां दोनों संगठनों के संबंधित विशेषज्ञ अपने डोमेन ज्ञान को समृद्ध कर सकते हैं ।

इस एमओयू में नए डोमेन और भौगोलिक क्षेत्रों में प्रवेश करने के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों की परिकल्पना की गई है, एक-दूसरे की दक्षताओं का उपयोग करते हुए विभिन्न योजनाओं/सीएसआर के तहत विभिन्न केंद्रीय/राज्य विभागों, कंपनियों/संगठनों को संयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करें, दोनों संगठनों के लोगो को किसी भी पार्टी द्वारा किए गए वेबिनार में रखें, ताकि संयुक्त रूप से परियोजनाओं को शुरू करने के लिए एसोसिएशन का प्रदर्शन किया जा सके ।

7.4. टिकाऊ पर्यावरण के अनुकूल ग्रामीण क्षेत्रों (सेरा) ट्रस्ट

निम्समे और सस्टेनेबल इको-फ्रेंडली रूरल एरियाज (सेरा) ट्रस्ट के बीच एक समझौता ज्ञापन तैयार किया गया । निम्समे की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा और सेरा ट्रस्ट की प्रबंध निदेशक सुश्री सिंथिया पेडाला ने 3 जुलाई 2020 को संबंधित संगठनों की ओर से हस्ताक्षर किए।

चित्र 7.2. टिकाऊ पर्यावरण के अनुकूल ग्रामीण क्षेत्र (सेरा) ट्रस्ट

इस एमओयू में ग्रामीण भारत के लिए सतत आर्थिक विकास की दिशा में काम करने, क्षमता निर्माण, प्रौद्योगिकी उन्नयन, क्लस्टर विकास आदि में ग्रामीण समुदायों की मदद करने के लिए दोनों संगठनों के सहयोग की परिकल्पना की गई है । विचार "एक गांव एक उत्पाद" मॉडल विकसित करने की दृष्टि से कई संभावनाओं का पता लगाने के लिए है ।

एमओयू का समन्वय करने वाले निम्समे के संकाय सदस्य (एसईएम) डॉ. दिब्येन्दू चौधरी एमओयू की गतिविधियों का मार्गदर्शन करेंगे और ग्रामीण भारत के समग्र विकास के लिए सही दिशा में उनकी प्रगति सुनिश्चित करेंगे ।

7.5. एनसीएफएसई फायर एण्ड सेफ्टी मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड

निम्समे ने 21 अगस्त 2020 को एनसीएफएसई नेशनल फायर एण्ड सेफ्टी मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (एनसीएफएसई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। एनसीएफएफई देश में अग्नि और सुरक्षा शिक्षा में अग्रणी है। इसकी स्थापना वर्ष 2014 में पंजाब के जीरकपुर में जोनल कार्यालय और कई राज्यों के क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ की गई थी। एनसीएफएफई का नेतृत्व अग्नि और सुरक्षा शिक्षा के क्षेत्र में विशेषज्ञ कर रहे हैं। हस्ताक्षर समारोह डीजी कार्यालय निम्समे में आयोजित किया गया। निम्समे की ओर से

महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने हस्ताक्षर किए, जबकि एनसीएफएसई की ओर से प्रबंध निदेशक श्री संतोश सुधन ने हस्ताक्षर किए।

एमओयू का उद्देश्य एनएसडीसी के क्वालिफिकेशन पैक्स (क्यूपी) और जॉब रोल्स के अनुसार कौशल और ज्ञान प्रदान कर बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। निम्समे पूरे भारत में अग्नि और औद्योगिक सुरक्षा, डिजिटल विपणन और ई-कॉमर्स, नर्सरी शिक्षक प्रशिक्षण, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा, नानी और योग शिक्षक प्रशिक्षण के क्षेत्र में लघु/लंबी अवधि के कौशल कार्यक्रमों के संचालन के लिए एनसीएफएसई के साथ सहयोग कर रहा है । इस परियोजना का समन्वय श्री संदीप भटनागर (एम एण्ड बीडी), निम्समे द्वारा किया जाएगा ।

चित्र 7.3. एनसीएफएसई फायर एण्ड सेफ्टी मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड

7.6. मास्टर्स यूनियन (एमयू) बिजनेस स्कूल

निम्समे ने 25 सितंबर 2020 को मास्टर्स यूनियन (एमयू) बिजनेस स्कूल के साथ एमओयू किया था। इसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) में उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करना था ।

संस्थान की ओर से निम्समे की महानिदेशक एम एस. ग्लोरी स्वरूपा ने हस्ताक्षर किए, जबकि बिजनेस स्कूल की ओर से मास्टर यूनियन के सीईओ रूपेश बिष्ट ने हस्ताक्षर किए। यह हस्ताक्षर लगभग निम्समे के संकाय सदस्यों और मास्टर यूनियन के स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति में किए गए थे ।

इस संदर्भ में, महानिदेशक ने कहा कि मास्टर यूनियन के सहयोग से संभावित और इच्छुक उद्यमियों को अपने उपलब्ध संसाधनों के भीतर एआई और एमएल पर आधारित नवीनतम प्रौद्योगिकियों के साथ अपने व्यवसाय स्थापित करने में मदद मिलेगी, एमएसएमई

योजनाओं के माध्यम से सरकारी सहायता का लाभ उठाया जाएगा। वे एक तरफ अपनी उद्यमशीलता क्षमताओं का विकास करेंगे और दूसरी ओर "अमानीरहमान" बनकर रोजगार पैदा करेंगे, अंतत स्वयं समृद्ध हो रहे हैं और भारत को एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बना रहे हैं- अत्मनइभर भारत-माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दृष्टिकोण को साकार करते हुए ।

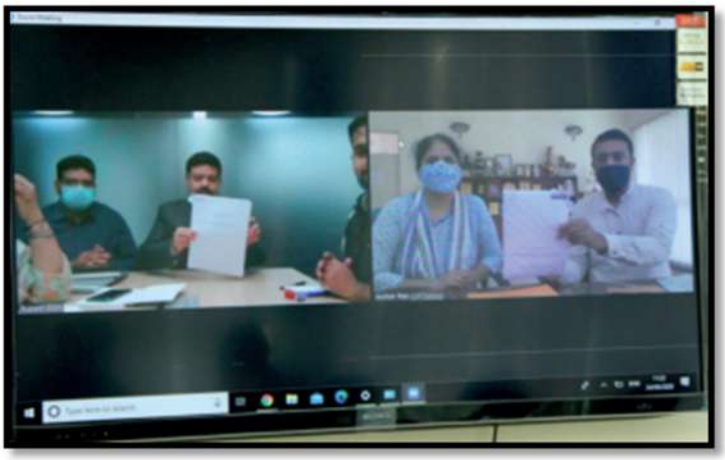

चित्र 7.4. मास्टर्स यूनियन (एमयू) बिजनेस स्कूल

7.7. जोखिम प्रबंधन संस्थान (आईआरएम)

आईआरएम इंडिया, इंस्टीट्यूट ऑफ रिस्क मैनेजमेंट, यूके के इंडिया एफिलिएट, एंटरप्राइज रिस्क मैनेजमेंट और नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर माइक्रो, स्मॉल एण्ड मीडियम एंटरप्राइजेज (एनआई-एमएसएमई) के लिए एक अग्रणी पेशेवर निकाय, ने नीति और शिक्षा पहलों की एक श्रृंखला के माध्यम से कोविड-19 महामारी जैसे खतरों के खिलाफ अपनी सुरक्षा को मजबूत करके भारतीय एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इस सहयोग से सूक्ष्म, लघु और मध्यम व्यवसायों को अपने उद्यमों में संबद्ध वित्तीय और उद्यम जोखिम की पहचान करने, योजना बनाने और कम करने में मदद मिलेगी, लेकिन यह उन्हें उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने, सरकारी सहायता का लाभ उठाने, एमएसएमई सहायता योजनाओं का लाभ उठाने और "Atmanirbhar" बनने से रोजगार पैदा करने के लिए अपनी उद्यमशीलता क्षमताओं को विकसित करने के लिए प्रशिक्षित करेगा, अंततः भारत को एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने में मदद करेगा , अमानीरभर भारत - माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विजन।

उनकी साझेदारी के माध्यम से आईआरएम इंडिया और निम्समे का उद्देश्य जोखिम जागरूकता और रणनीतिक शमन योजना की दिशा में भारतीय स्टार्ट-अप्स और एमएसएमई को फिर से तैयार करना है। इस उद्देश्य के लिए, वे अनुसंधान, परामर्श और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से इस क्षेत्र में जोखिम प्रबंधन विशेषज्ञता को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न पहलों पर भी सहयोग करेंगे। सहयोग के हिस्से के रूप में, वे स्टार्ट-अप्स और एमएसएमई के लिए एंटरप्राइज मैनेजमेंट और रिस्क वैल्यूएशन में एक संयुक्त प्रमाण पत्र कार्यक्रम भी पेश करेंगे जो आईआरएम के स्तर 1 परीक्षा से छूट के लिए अर्हता प्राप्त करेगा।

चित्र 7.5 जोखिम प्रबंधन संस्थान (आईआरएम)

7.8. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एनआईईएलआईटी)

यह समझौता 1 अक्टूबर, 2020 को राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान (एनआई-एमएसएमई) के बीच किया गया था, जो भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा और राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया था। , नाइलिट मिश्रित मोड में इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और उद्यमिता विकास के क्षेत्र में देश भर में संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने की संभावना का पता लगाएगा।

दोनों पक्ष भविष्य की प्रौद्योगिकी और उद्यमिता संभावित क्षेत्रों जैसे 3डी प्रिंटिंग, डिजिटल विनिर्माण और वर्चुअल एण्ड ऑगमेंटेड रियलिटी के क्षेत्रों में सहयोग करने पर सहमत हुए।

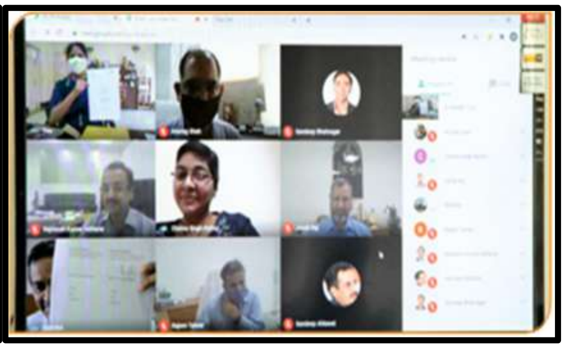

चित्र 7.6. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी

7.9. भारतीय पैकेजिंग संस्थान

16 अक्टूबर 2020 को भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी), मुंबई, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और निम्समे के बीच अकादमिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण क्षेत्रों में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। निम्समे की ओर से महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा और आईआईपी की ओर से निदेशक डॉ. तनवीर आलम ने दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। एमओयू का उद्देश्य पारस्परिक हित के क्षेत्रों में अकादमिक सहयोग के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से ज्ञान प्रदान करना है।

7.10. तेलंगाना बीसी सहकारी वित्त निगम

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एमएसएमई ने 9 नवंबर 2020 को तेलंगाना बीसी को-ऑपरेटिव फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड के साथ एमओयू साइन किया है। इस एमओयू का उद्देश्य तेलंगाना राज्य में पिछड़े वर्ग के समुदायों के शिक्षित और बेरोजगार युवाओं के हित के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों के संचालन में भागीदारी करना था।

टीबीसी कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) एल के एमडी ने इन समूहों में राज्य की क्षमता को देखते हुए तेलंगाना राज्य में मिट्टी के बर्तनों और बांस के समूहों के कार्यान्वयन के संबंध में निम्समे के साथ सहयोग करने में रुचि व्यक्त की।

एमओयू पर हस्ताक्षर करने से पहले एमडी ने निम्समे संकाय -श्री के सूर्यप्रकाश गौड़, एफएम, उद्यम विकास स्कूल और श्री जे. कोटेश्वर राव राव, सह-संकाय सदस्य, उद्यम विकास स्कूल के साथ विस्तृत चर्चा की।

चित्र 7.7. तेलंगाना बीसी को-ऑपरेटिव फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (टीबीसी कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) एल)

7.11. पूर्वोत्तर परिषद

निम्समे ने 9 नवंबर 2020 को पूर्वोत्तर परिषद (भारत सरकार के डीओनेआर मंत्रालय) के साथ एक समझौता ज्ञापन किया है। निम्समे की ओर से महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वर्णकार ने हस्ताक्षर किए, जबकि भारत सरकार के सचिव, पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्रालय (DoNER), पूर्वोत्तर परिषद के आईएएस श्री के मूसा चालाई।

इस एमओयू में मेघालय, असम, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और सिक्किम के पूर्वोत्तर राज्यों के योग्य युवाओं के बीच आजीविका संबंध की उद्यमिता संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सहयोग करने की परिकल्पना की गई है। इसे प्राप्त करने की दिशा में, वे समुदायों को विभिन्न टर्नकी परियोजनाओं को डिज़ाइन और वितरित करेंगे

इस तरह की पहल काम के अपने चुने हुए क्षेत्र में व्यापार के अवसरों के बारे में जागरूकता के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगी, वित्तीय संपर्क, सलाह और हैंडहोल्डिंग की सुविधा देकर संभावित उद्यमियों की क्षमता निर्माण, क्लस्टर और इनक्यूबेटर के साथ सामाजिक उद्यमिता, इनक्यूबेशन केंद्र और त्वरक की स्थापना, टिकाऊ बाजार संपर्क की सुविधा, समाज को एक नई पीढ़ी के साहसिक और नैतिक उद्यमियों को पहुंचाना जो अपने स्टार्ट-अप को स्केलेबल तरीके से चलाने के लिए प्रशिक्षित, प्रमाणित और कुशल हैं, जिससे नौकरियों का सृजन हुआ और पूर्वोत्तर राज्यों और राष्ट्र के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि हुई।

डॉ. विश्वेश्वर रेड्डी, एडीएमएन। i/c. और एफएम, एसईएम, डॉ. दिब्येन्दू चौधरी, एफएम, एसईएम, हस्ताक्षर कार्यक्रम में निदेशक (एम एण्ड बीडी) के निदेशक संदीप भटनागर और सह-संकाय सदस्य, ईएफएम डॉ. श्रीकांत शर्मा उपस्थित थे।

चित्र 7.8. पूर्वोत्तर परिषद के साथ एमओयू

7.12. भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)

निम्समे ने 27 नवंबर 2020 को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साथ करार किया है। निम्समे की ओर से महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने हस्ताक्षर किए और जबकि सीआईआई के लिए उप महानिदेशक सुश्री अमिता सरकार ने हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन का उद्देश्य मुख्य रूप से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों के बीच डिजिटल और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने में सहयोग और सहयोग करना है । सामग्री विकास, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और इमर्सिव पाठ्यक्रमों के निष्पादन, कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन, कार्रवाई/क्षेत्र अनुसंधान आयोजित करने, उत्पादकता बढ़ाने के लिए उद्योग अकादमिक इंटरफेस शुरू करने, संयुक्त प्रायोजित अनुसंधान, विकास और परामर्श पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, संकाय, विशेषज्ञों और कर्मचारियों का आदान-प्रदान, अकादमिक और तकनीकी सामग्री और संयुक्त सम्मेलनों, कार्यशालाओं और अल्पकालिक पाठ्यक्रमों का आदान-प्रदान।

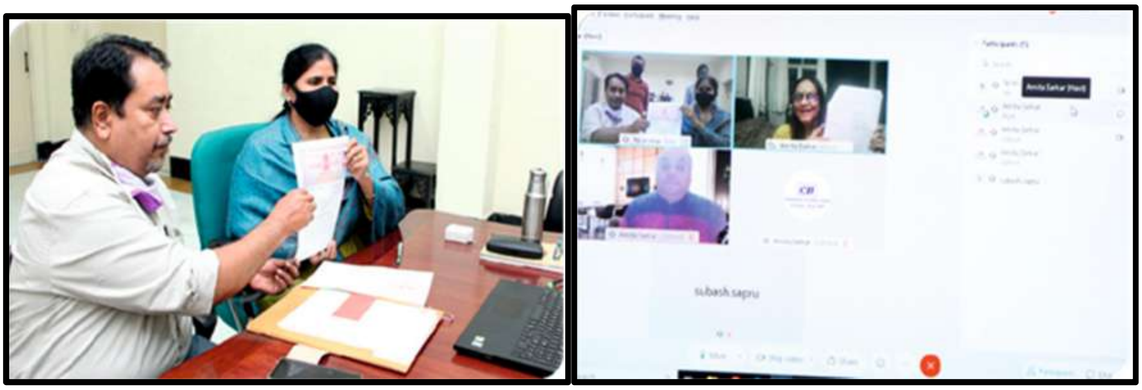

चित्र 7.9. भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)

ऊपर पहचानी गई प्रत्येक गतिविधि का मार्गदर्शन करने वाले विस्तृत नियम और शर्तें दोनों संस्थानों द्वारा अलग से निर्धारित और सहमत की जाएँ गी, जिसमें प्रस्तावित गतिविधि, वित्तीय व्यवस्थाओं और इसके कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी व्यक्ति (ओं) आदि का तकनीकी विवरण शामिल होगा।

7.13. सेंट जोसेफ डिग्री और पीजी कॉलेज

निम्समे ने सेंट जोसेफ डिग्री और पीजी कॉलेज के साथ एमओयू किया। संस्थान की ओर से महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने हस्ताक्षर किए, जबकि प्राचार्य डॉ. डी सुंदर रेड्डी ने 18 नवंबर 2020 को कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया।

समझौता ज्ञापन का उद्देश्य मुख्य रूप से उद्यमिता, कौशल विकास, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, तेजी से निष्पादन कार्यक्रमों और गहन पाठ्यक्रमों के लिए सामग्री विकास, कार्यशालाओं और सम्मेलनों के आयोजन के क्षेत्रों में सहयोग और सहयोग करना है।

चित्र 7.10 सेंट जोसेफ डिग्री और पीजी कॉलेज

दोनों दलों ने शैक्षिक कार्यक्रमों, शिक्षण, अधिगम सामग्री और उनके शैक्षिक और अनुसंधान कार्यक्रमों से संबंधित अन्य साहित्य के बारे में सूचनाओं का आदान-प्रदान करने, पारस्परिक हित के विषयों पर सतत मोड में अल्पकालिक शिक्षा कार्यक्रमों का संयुक्त रूप से आयोजन करने और ऐसे आयोजनों में भाग लेने के लिए एक-दूसरे के संकाय/विशेषज्ञ/पैनलिस्टों को आमंत्रित करने पर भी सहमति व्यक्त की है।

इस अवसर पर निदेशक (एम एण्ड बीडी) डॉ. संदीप भटनागर, एसईएम के संकाय सदस्य डॉ. दिब्येन्दू चौधरी, सीई के संकाय सदस्य जी सुदर्शन और सेंट जोसेफ डिग्री और पीजी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वाणी एच.

7.14. कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई)

निम्समे ने इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के साथ एमओयू किया । यह समारोह 23 दिसंबर, 2020 को ऑनलाइन "राष्ट्रीय कृषि बैठक" के दौरान आयोजित किया गया था, जिसमें श्री नितिन गडकरी जी, माननीय केंद्रीय एमएसएमई और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार की शोभा बढ़ा रहे थे। निम्समे का प्रतिनिधित्व सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा, महानिदेशक द्वारा किया गया था, और आईसीएआई का प्रतिनिधित्व सीएमए श्री बिस्वारूप बसु, राष्ट्रपति द्वारा किया गया था । इस अवसर पर अन्य गणमान्य लोग और वक्ता भी उपस्थित थे ।

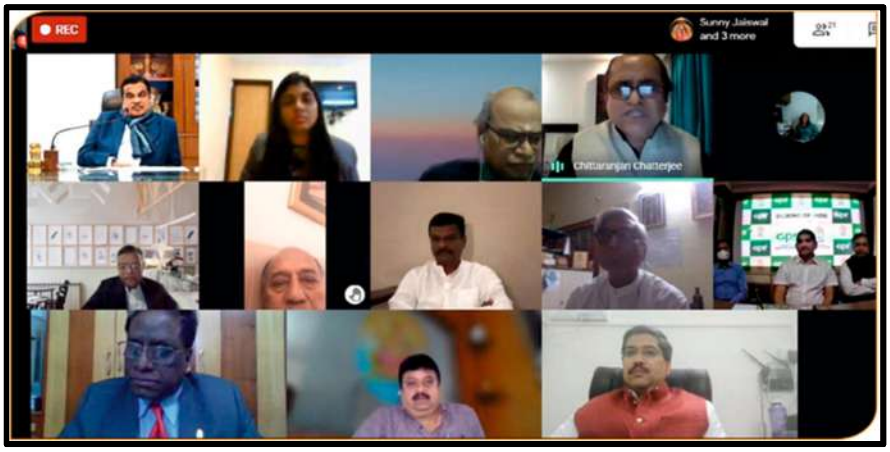

चित्र 7.11कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई)

7.15. तेलंगाना अनुसूचित जाति सहकारी विकास निगम लिमिटेड

19 फरवरी 2021 को शिक्षित अनुसूचित जाति के युवाओं के बीच कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए निम्समे और तेलंगाना अनुसूचित जाति सहकारी विकास निगम लिमिटेड (टीएससीसीडीसीएल) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। प्रस्तावित प्रशिक्षण तेलंगाना राज्य के शिक्षित अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए आवासीय प्रकृति के होंगे । इस एमओयू पर निम्समे की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा और श्री एसपी सिंह ने हस्ताक्षर किए। करुणाकर, उपाध्यक्ष और तेलंगाना अनुसूचित जाति सहकारी विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक

(टीएससीसीडीसीएल) । निम्समे की महानिदेशक ने श्री पी सिंह को यह जानकारी दी। करुणाकर, अनुसूचित जाति समुदाय के लाभ के लिए उद्यमशीलता कौशल विकास कार्यक्रमों (ईएसडीपी) के आयोजन के लिए निम्समे पर विश्वास को फिर से पेश करने के लिए।

चित्र 7.12. तेलंगाना अनुसूचित जाति सहकारी विकास निगम लिमिटेड

8. अन्य गतिविधियां

8.1. उपदेशक विकास कार्यक्रम

व्यवसाय विकास के लिए उपदेशक की सलाह महत्वपूर्ण होती है। उद्यमी की सफलता और उसकी उपदेशक की क्षमताओं के बीच काफी गहरा संबंध होता है। एक अच्छा उपदेशक सफलता की संभावनाओं को बढ़ता है और विफलता के उदाहरणों को कम करता है । इसी को ध्यान मेंरखते हुए निम्समे ने अपने संकाय और वरिष्ठ अधिकारियों के विकास के लिए दो दिवसीय "उपदेशकविकास कार्यक्रम" का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट (बाइट) द्वारा 22 और 23 जून 2020 के दौरान आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का समन्वय सह-संकाय सदस्य, उ. एवं विस्तार के सह संकाय डॉ. श्रीकांत शर्मा ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत बीवाईएसटी के अधिकारियों श्री आशीष खैरकर और सुश्री प्रियंका महापात्रा द्वारा स्वागत भाषण से के साथ की गई। बीवाईएसटी द्वारा विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें उपदेशन परिचय, उपदेशक के गुण, उपदेशक के कौशल, उपदेशक का संबंध और व्यवसायजीवन चक्र आदि शामिल थे। श्री राम बेंडे, कोच, ट्रेनर और मुख्य उपदेशक, बीवाईएसटी ने सत्रों का आयोजन किया गया । इसके अंतर्गत दो ऑनलाइन सत्रों का संचालन किया गया, जिनमें लाइव काउंसलिंग डेमोस्ट्रेशन और मेंटी रिलेशनशिप सेशन शामिल थे, जो काफी दिलचस्प थे। ऐयोजन में शामिल **निम्समे** के सभी 13 अधिकारियों ने कार्यक्रमों के बारे में उत्कृष्ट फीडबैक दिया और उनकी पहल के लिए बीवाईएसटी के प्रति आभार जताया और उनकी सराहना की। सिटी एंड गिल्ड्स, लंदन से प्रमाणन के लिए एक ऑनलाइन परीक्षण भी आयोजित किया गया।

चित्र 8.1 प्रमाण पत्र के साथ निम्समे के संकाय

8.2. पत्रिक समीक्षा के लिए उत्कृष्टता का प्रमाण पत्र

निम्समे के उद्यम प्रबंधन स्कूल (एसईएम) के संकाय सदस्य डॉ दिब्येन्दू चौधरी को 12 जून 2020 को एशियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, बिजनेस एण्ड अकाउंटिंग (आईएसएसएन: 2456-th 639X) द्वारा समीक्षा में उत्कृष्टता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। यह पत्रिका गुणवत्ता नियंत्रित ओपन पीर रिविव्ड पत्रिका है, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार, वित्त और लेखांकन के क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता के अनुसंधान पत्र प्रकाशित करने के लिए समर्पित है । यह पत्रिका की अनुसंधान है कि तकनीकी रूप से सही है और वैज्ञानिक रूप से स्थापित प्रकाशित करता है । जर्नल नकारात्मक परिणामों की रिपोर्ट करने के लिए भी जगह देता है ।

चित्र 8.2 पत्रिक समीक्षा के लिए उत्कृष्टता का प्रमाण पत्र

8.3. नेशनल वेब कांफ्रेंस वीएफएफ 2020

सब्जी किसान मंच विषय पर एक राष्ट्रीय वेब सम्मेलन (नेटवेकॉन वीएफएफ-2020): 25 और 26 जून 2020 के दौरान सब्जी किसान मंच (वीएफएफ) द्वारा पौधों के संरक्षण पर विशेष जोर देने के साथ पोस्ट-लॉकडाउन का आयोजन किया गया था। वीएफएफ देश के विभिन्न हिस्सों के वैज्ञानिकों, कृषि प्रदाताओं, प्रासंगिक विषय विशेषज्ञों और किसानों के एक समूह द्वारा गठित एक मंच है । एसईएफएम की सुश्री वी. स्वप्ना और सह-संकाय सदस्य के डॉ. श्रीकांत शर्मा ने वेब सम्मेलन का समर्थन किया जिसे विधिवत रूप से भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) क्षेत्रीय स्टेशन, पुणे, महाराष्ट्र के आयोजन सचिव और

प्रमुख डॉ. जीके महापरा ने स्वीकार किया । डॉ. श्रीकांत शर्मा ने सब्जियों के प्राथमिक प्रसंस्करण और विपणन पर प्रस्तुत किया: खुदरा उद्योग का केस स्टडी। वहीं सम्मेलन की कार्यवाही में लीड पेपर के रूप में प्रकाशित की गई।

8.4. बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) मूट कोर्ट प्रतियोगिता-2020

सुश्री वी. स्वप्ना, सह-संकाय सदस्य (एसईएम) ने 7 अगस्त 2020 को आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) मूट कोर्ट प्रतियोगिता-2020 में जूरी सदस्य के रूप में भाग लिया। बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) प्रमोशन एण्ड मैनेजमेंट, दिल्ली के लिए सीआईपीएएम-सेल के सहयोग से और उस्मानिया विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लॉ, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) एस और पेटेंट सुविधा सेवाओं के केंद्र के सहयोग से 7 से 9 अगस्त 2020 तक आई-विन आईपी सर्विसेज, हैदराबाद द्वारा पहली वर्चुअल नेशनल बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) मूट कोर्ट प्रतियोगिता-2020 का आयोजन किया गया था।

मूट कोर्ट कानून के छात्रों के लिए काफी आम हैं, हालाँकि, इंजीनियरिंग और विज्ञान के छात्रों को बौद्धिक संपदा प्रशिक्षण देने के इरादे से भी और कानून के छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के क्षेत्र में उनके साथ काम करते हैं । इस मूट कोर्ट में पहली बार लॉ स्टूडेंट्स के साथ इंजीनियरिंग और साइंस के स्टूडेंट्स की भागीदारी शामिल हुई है । चूंकि यह आभासी अदालतों और डिजिटल सबूत का युग है, इसलिए छात्रों के लिए आभासी अदालत-कमरों से निपटने में खुद को लैस और कौशल करना नितांत आवश्यक है।

इस विचार के साथ, मूट कोर्ट प्रतियोगिता पूरी तरह से ज़ूम प्लेटफॉर्म पर लगभग आयोजित की गई थी। इसमें देश भर की विभिन्न लॉ फर्मों और अकादमिक संस्थानों के करीब 40 जजों ने बतौर जज हिस्सा लिया। स्कूल ऑफ लॉ, क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), बेंगलुरु को 7 से 9 अगस्त 2020 तक आयोजित राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) मूट कोर्ट प्रतियोगिता - 2020 के विजेताओं के रूप में चुना गया है। सिम्बायोसिस लॉ स्कूल हैदराबाद को दूसरी सर्वश्रेष्ठ टीम चुना गया है। पेंडेंटी लॉ कॉलेज को बेस्ट मेमोरियल अवार्ड मिला। इसके अतिरिक्त, स्कूल ऑफ लॉ, क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), बेंगलुरु एम श्रीनिधि को सर्वश्रेष्ठ महिला अध्यक्ष और श्री हारून अल्वार्स को प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ पुरुष अध्यक्ष का पुरस्कार दिया गया।

वक्ताओं ने दिल्ली उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश और बौद्धिक संपदा अपीलीय बोर्ड के वर्तमान अध्यक्ष श्री मनमोहन सिंह की सराहना की।

8.5. आईआईटी-मद्रास के साथ पंख अभियान

निम्समे ने एमएसएमई क्षेत्र के महत्व से अवगत कराने के साथ-साथ एमएसएमई क्षेत्र के उत्थान के उद्देश्य से सामाजिक अभियान "पंख" के लिए आईआईटी मद्रास के ई (उद्यमिता) प्रकोष्ठ के साथ सहयोग किया है।

इस अभियान की शुरुआत 19 सितंबर 2020 को श्री नवीन जिंदल (जिंदल स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड) और श्री सुधीर गर्ग (संयुक्त सचिव, सू.ल.म. उद्यम मंत्रालय) ने की थी। नीति निर्माण प्रतियोगिता के पहले चरण के दौरान विभिन्न आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम और लॉ स्कूलों सहित देश भर के 120 संस्थानों के कुल 387छात्रों की 279 टीमों के पंजीकरण के साथ भारी प्रतिक्रिया मिली। प्रतिभागियों को विभिन्न धाराओं के स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों में फैलाया गया था। 31 जनवरी 2021 को क्विज फॉर्मेट में राउंड 1 का आयोजन किया गया था जिसमें 149 सबमिशन प्राप्त हुए थे। राउंड 2 प्रश्न प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक निकाला गया है जिसके लिए 64 टीमों से प्रस्तुति याँ प्राप्त हुई हैं।

नीति निर्माण और विकास पर दूसरे दौर के ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन 22 और 23 फरवरी 2021 को शाम 5:30 बजे से 6:45 बजे तक किया गया। अगले दो सत्र 1 और 2 मार्च, 2021 को आयोजित किए जाएँ गे। राउंड 3 में, शॉर्टलिस्ट किए गए प्रतिभागियों को विशेष डोमेन से जुड़े समस्या विवरण आवंटित किए जाएँ गे और वे न्यायाधीशों की उपस्थिति में अपनी नीति याँ प्रस्तुत करेंगे। अंतिम मूल्यांकन किया जाएगा और विजेताओं की घोषणा बाद में की जाएगी।

8.6. कार्यकारी समिति की बैठक

8.6.1. 25 वीं कार्यकारी समिति की बैठक

निम्समे की 25 वीं कार्यकारी समिति की बैठक 22.09.2020 को भारत सरकार के सचिव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित की गई थी। **निम्समे** की महानिदेशक ने कार्यकारी समिति के सभी विशिष्ट सदस्यों का स्वागत किया और जारी गतिविधियों और प्रस्तावित शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

समिति ने संस्थान की समग्र वित्तीय स्थिति में सुधार लाने के इरादे से बुनियादी ढांचे के विकास सहित अकादमिक गतिविधियों में सुधार के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

चित्र 8.3. ऑनलाइन 25 वीं कार्यकारी समिति

8.6.2. कार्यकारी समिति की 26 वीं बैठक

निम्समे की 26वीं कार्यकारी समिति की बैठक 03.03.2021 को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली के कमरा नंबर 51 में सचिव की अध्यक्षता में हुई। इसमें **निम्समे** की महानिदेशक ने कार्यकारी समिति के सभी विशिष्ट सदस्यों का स्वागत करने के बाद चल रही गतिविधियों और अनुमोदन के लिए प्रस्तावित महत्वपूर्ण गतिविधियों के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया।

समिते के सदस्यों ने **निम्समे** के प्रयासों की सराहना की और **निम्समे** के प्रभावी कामकाज के लिए पाँच साल का रोडमैप तैयार करने का सुझाव दिया।

8.7. तकनीकी संस्थानों के लिए महानिदेशकों के पते

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के सहयोग से एस.के. चौधरी एजुकेशनल ट्रस्ट जयपुर, के. शंकरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा 9 और 10 अक्तूबर 2020 के दौरान प्रबंधन क्षमता विकास पर कार्यशाला आयोजित करने के लिए **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

चित्र 8.4. तकनीकी संस्थानों के लिए महानिदेशकों के पते

मेघालय के माननीय राज्यपाल श्री सत्यपाल मलिक 9 अक्तूबर को आयोजित उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे। प्रो. आर.ए गुप्ता, कुलपति, आरटीयू एआईसीटीई के उपाध्यक्ष डॉ. एम.पी. पुनिया और शंकरा ग्रूप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. संत कुमार चौधरी सम्माननीय अतिथि थे।

महानिदेशक ने तकनीकी शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए संस्थागत तंत्र पर एक सत्र लिया । कार्यक्रम को बेहतर प्रतिक्रिया प्राप्त हुई और सभी ने इसकी सराहना की ।

8.8. एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर वेब सम्मेलन

इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद और एमएसएमई-डीआई ने संयुक्त रूप से 19 नवंबर 2020 को एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने वाले एंटी डंपिंग ड्यूटीज, ट्रेड रौज़ एण्ड एक्सपोर्ट प्रमोशन उपायों पर एक वेब सम्मेलन आयोजित किया था।

ईईपीसी इंडिया के अध्यक्ष श्री महेश देसाई ने अतिथि वक्ताओं का परिचय दिया और एमएसएमई निर्यातों की सुरक्षा के लिए एंटी डंपिंग शुल्क के महत्व पर बात की।

डीजीटीएस, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. आर संपत कुमार ने आयात पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाने के संबंध में भारत सरकार द्वारा किए जा रहे उपायों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। डॉ. के विश्वेश्वर रेड्डी, संकाय सदस्य (उ.प्र.स्कूल) एवं प्रभारी प्रशासन, **निमस्मे** ने अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि विश्व के विकसित ने किस तरह हमेशा अपने

उत्पादों को अल्प विकसित देशों के बाजारों में उतारा और घरेलू सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यमों को नुकसान पहुंचाया ।

ईईपीसी के क्षेत्रीय अध्यक्ष (एसआर) श्री के.एस. मणि ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

8.9. बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार मेला

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (**निम्समे**) की ओर से अपने परिसर में युवाओं तथा बेरोजगारों के लिए "जॉब मेला" का आयोजन 4 फरवरी 2021 को किया, जिसमें 3751 युवाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में बेकर्स, बैंकिंग और वित्त, विपणन, विनिर्माण, आईटीईएस, इलेक्ट्रॉनिक्स, हेल्थकेयर, नेटवर्क, आपूर्ति श्रृंखला और रसद, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र सहित 35 कंपनियों ने भाग लिया। यह रोजगार मेला सफल रहा क्योंकि 1579 उम्मीदवारों के साथ बातचीत कर उन्हें अगले दौर के साक्षात्कार के लिए नियोक्ताओं द्वारा शॉर्टलिस्ट किया गया। नौकरी चाहने वालों को आकर्षित करने वाले विशिष्ट क्षेत्रों में आईटीईएस, बैंकिंग, विनिर्माण, स्वास्थ्य देखभाल, फार्मा और बीपीओ थे । इन उद्योगों/क्षेत्रों में दिन भर रोजगार चाहने वालों की भारी भीड़ देखी गई ।

चित्र 8.5. बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार मेला

8.10. एमएसएमई ऋण मेला

मौजूदा और संभावित उद्यमियों के लिए धन विकल्पों को सुविधाजनक बनाने के लिए 10 फरवरी 2021 को **निम्समे** परिसर में "एमएसएमई ऋण मेला" आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में निजी, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक, यस बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (सिडबी) और नेशनल स्मॉल इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन (एनएसआईसी) जैसे वित्तीय संस्थानों ने भाग लिया ।

इस कार्यक्रम में हैदराबाद और उसके आसपास के 200 से अधिक एमएसएमई और पहली पीढ़ी के उद्यमियों की भारी प्रतिक्रिया देखी गई। बैंकों/वित्तीय देशों ने एमएसएमई विशिष्ट वित्तीय उत्पादों और एमएसएमई के लिए विशेष सेवा प्रसाद के बारे में व्यक्तिगत प्रस्तुति याँ दीं। उन्होंने अपने व्यावसायिक ऋणों के शीघ्र वितरण के लिए आवेदन प्राप्त करने के लिए कार्यक्रम के दौरान उद्यमियों के साथ वन-टू-वन बातचीत भी की।

चित्र 8.6. एमएसएमई ऋण मेला

8.11. आईआईटी दिल्ली में एमएसएमई के लिए सीओई की स्थापना के लिए परिप्रेक्ष्य

आई आईटी दिल्ली के अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विकास प्रशासन विभाग ने आईआईटी दिल्ली में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करने के लिए 8 मार्च 2021 को निम्समे को आमंत्रित किया। **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने प्रस्तावित सीओई के रोडमैप को परिभाषित करने के लिए आईआईटी दिल्ली के अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य प्रस्तावित सीओई की संभावित सेवाओं और संरचना के बारे में निम्समे का परिप्रेक्ष्य प्राप्त करना था।

सुश्री एस ग्लोरी स्वरूपा ने सुझाव दिया कि सीओई सेवाओं में प्रौद्योगिकी विकास, संचालन और गुणवत्ता प्रबंधन के साथ-साथ व्यापार विकास और रणनीति के साथ-साथ अप-

स्किलिंग और प्रशिक्षण आवश्यकताओं पर परामर्श और अनुसंधान सहयोग शामिल हो सकता है ।

चित्र 8.7. आईआईटी दिल्ली में एमएसएमई के लिए सीओई की स्थापना के लिए परिप्रेक्ष्य

उन्होंने कहा कि इस तरह का केंद्र इस क्षेत्र में एमएसएमई के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है ।

गौरतलब है कि आईआईटी दिल्ली गुणवत्ता इंजीनियर -वैज्ञानिकों के उत्पादन के उद्देश्य से विज्ञान आधारित इंजीनियरिंग शिक्षा प्रदान करता है। प्रस्तावित सीओई एमएसएमई से संबंधित ज्ञान प्रदान करेगा और युवा इंजीनियरों के लिए एमएसएमई क्षेत्र की सेवा करने के लिए एक गुस्सा का निर्माण करेगा ।

8.12. एमएसएमई-असिस्ट पर वर्चुअल प्रोग्राम

निम्समे की महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) द्वारा आयोजित "एमएसएमई-असिस्ट स्टेप्स टू एक्सेल" पर वर्चुअल प्रोग्राम में विशेष संबोधन दिया । इस कार्यक्रम का आयोजन 22 मार्च 2021 को किया गया था। इसमें उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मंत्री श्री सिद्धार्थनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

चित्र 8.8. एमएसएमई-असिस्ट पर वर्चुअल प्रोग्राम

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने 2024-25 तक पाँच ट्रिलियन अमेरिकी डॉ. लर की भारतीय अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एमएसएमई को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और तीन ट्रिलियन अमेरिकी डॉ. लर के साथ योगदान करने की आवश्यकता पर बल दिया ।

इसे हासिल करने के लिए एमएसएमई मंत्रालय ने हाल के दिनों में एमएसएमई चैंपियन डेस्क और एमएसएमई टास्क फोर्स जैसे सराहनीय कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि निम्समे ने उत्तर प्रदेश सरकार के एमएसएमई और निर्यात संवर्धन विभाग द्वारा प्रायोजित 10 ओडीओपी परियोजनाओं को तैयार करके उत्तर प्रदेश में एमएसएमई विकास में योगदान दिया है । इसने डीसी (हथकरघा) द्वारा प्रायोजित दो सीएचडीएस परियोजनाओं को भी पूरा किया है ।

निम्समे के एनआरसीडी ने डीसी (एमएसएमई) द्वारा प्रायोजित 21 क्लस्टर्स के लिए डीएसआर तैयार किया है। इसके अलावा **निम्समे** द्वारा विभिन्न कार्यक्रम, जॉब मेले, लोन मेले भी करवाए गए।

माननीय मंत्री श्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने आईसीसी के क्षेत्रीय निदेशक श्री देबमाल्या बनर्जी द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव में एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए निम्समे द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की ।

8.13. मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (**निम्समे**) ने 23 मार्च 2021 को यस स्केल बिजकनेक्ट के साथ साझेदारी में " निम्समे मोबाइल एप्लीकेशन" लॉन्च किया था। वर्चुअल लॉन्च के दौरान सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा, महानिदेशक, श्री राजन पेंटल, ग्लोबल हेड, ब्रांच

एण्ड रिटेल लेंडिंग, यस बैंक, यस बैंक के अन्य अधिकारी, निम्समे और यस बैंक की टीम की बैक-एण्ड टीमों सहित निम्समे के अन्य अधिकारी और लेखा विभाग के कर्मचारी मौजूद थे।

मोबाइल एप्लिकेशन एक डिजिटल समाधान है जो निम्समे बुलेटिन, वीडियो शेयरिंग और चर्चा मंचों के माध्यम से एमएसएमई, उद्यमियों और छात्र समुदाय के साथ जुड़ने के लिए एक सहयोगी मंच प्रदान करता है। यह मोबाइल एप्लिकेशन पंजीकृत सदस्यों को इन-बिल्ट मार्केटप्लेस (एम-कॉमर्स) के माध्यम से अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने, चल रहे और आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण, परामर्श सेवाओं का लाभ उठाने और हैदराबाद में **निम्समे** परिसर में उपलब्ध व्याख्यान हॉल, सभागार/सम्मेलन हॉल और अतिथि कक्षों जैसी बुनियादी सुविधाओं की ऑनलाइन बुकिंग करने में सक्षम बनाएगा। " निम्समे एप्लीकेशन" डाउनलोड के लिए एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

चित्र 8.9. मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च

8.14. एमएसएमई के लिए डिजिटल सक्षमम लॉन्च

नई प्रौद्योगिकि यॉं और आविष्कार तभी सार्थक होते हैं जब वे समाज के संघर्षरत वर्गों में प्रवेश करते हैं और प्रभाव डालते हैं, अपने दिन-प्रतिदिन के मामलों में परिश्रम और टेडियम को कम करने में मदद करते हैं और उन्हें आराम का एक भोजन लाते हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में निर्देशित कोई भी प्रयास वाहवाही का हकदार है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने डिजिटल सूचना और गोद लेने के माध्यम से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के बीच प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के लिए तैयार किए गए डिजिटल सक्षम पहल-एक विशाल कार्यक्रम को शुरू करने के लिए मास्टरकार्ड और

राष्ट्रीयसूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे) के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापन की घोषणा की है। इसका उद्देश्य सूक्ष्म और लघु व्यवसाय मालिकों और उद्यमियों को डिजिटल अर्थव्यवस्था में एकीकृत करने और ऋण का उपयोग करने, बाजार पहुंच का विस्तार करने, ग्राहक आधार में विविधता लाने, वित्तीय संचालन को डिजिटाइज करने और उनकी आपूर्ति श्रृंखला को जमना करने में सक्षम बनाना है । इसका अंतिम उद्देश्य भारत में एमएसएमई की पूरी क्षमता को अनलॉक करना है, जो अधिक लाभप्रदता और वित्तीय लचीलेपन से मापा जाता है ।

"हमें भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास का 50% एमएसएमई क्षेत्र से आने, निर्यात में अपना योगदान 60% तक बढ़ाने और 5 करोड़ नए रोजगार पैदा करने की जरूरत है । इस क्षमता को साकार करने के लिए, सूक्ष्म और छोटे व्यवसायों के लिए एक बदलते बाजार में तेजी से प्रतिस्पर्धी बनने की जरूरत है । मुझे यह देखकर प्रसन्नता हो रही है कि सीआईआई, मास्टरकार्ड और **निम्समे** द्वारा परियोजना डिजिटल सक्षम को ग्रामीण और अर्ध-शहरी समूहों सहित 25 शहरों में 3 लाख से अधिक एमएसएमई तक पहुंचने का पैमाना शामिल है ।

माननीय मंत्री श्री नितिन गडकरी जी ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के साथ साझेदारी में सीआईआई द्वारा लगभग आयोजित 17वें वैश्विक एसएमई बिजनेस समिट 2020 को संबोधित करते हुए कहा, इससे प्रणालीगत परिवर्तन को चलाने और हमारे लक्ष्यों को पूरा करने और वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने की दिशा में उपलब्धियों में और तेजी आएगी । "मैं डिजिटल सक्षम परियोजना को मास्टरकार्ड और निम्समे के साथ बधाई देता हूँ ।"

चित्र 8.10. एमएसएमई के लिए डिजिटल सक्षमम लॉन्च

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव ए.के. शर्मा ने कहा, मैं सीआईआई की टीम को एमएसएमई के साथ आगे जुड़ने का सुझाव दूंगा, जिससे एमएसएमई को डिजिटल बनने में मदद मिल सके।

सीआईआई के महानिदेशक श्री चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि डिजिटल सक्षम पहल सीआईआई के विशाल सदस्यता आधार को सक्रिय करने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसमें 67% एमएसएमई अपस्किल, विशेष रूप से एमएसएमई शामिल हैं। देश भर में 67 कार्यालयों के साथ सीआईआई के व्यापक पदचिह्न और निम्समे के सहयोग के संयोजन के माध्यम से, सीआईआई प्रमुख आपूर्ति श्रृंखलाओं को लक्षित करेगा और अंतिम छोर के उद्यमी को प्रासंगिक कौशल और जानकारी देने के लिए क्लस्टर दृष्टिकोण का उपयोग करेगा। सीआईआई अपनी सप्लाई चेन के जरिए ट्रेनिंग देने में वैल्यू चेन एंकर भी लगाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे पास 3 लाख सूक्ष्म और लघु व्यवसायों के लिए डिजिटल वित्तीय साक्षरता के बारे में जागरूकता पैदा करने पर एक महत्वाकांक्षी आउटरीच लक्ष्य है और इस हस्तक्षेप के माध्यम से व्यक्तिगत वित्त रणनीतियों और डिजिटल वित्तीय साधनों के माध्यम से 7 राज्यों में 25 शहरों तक पहुँचेगी।

इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, एशिया प्रशांत, मास्टरकार्ड के सह-अध्यक्ष श्री अरी सरकेर ने कहा, "छोटे व्यवसाय स्थानीय समुदायों के पुनर्निर्माण और आर्थिक सुधार का समर्थन करने में एक विशाल भूमिका निभाते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हम समाधान है कि सिर्फ कैसे हम एसएमई का समर्थन कर सकते है पर ध्यान केंद्रित नहीं है के लिए देखो, लेकिन यह भी है कि एसएमई को सक्षम करने के लिए खुद को समर्थन करने के लिए डिज़ाइन कर रहे हैं। इस लक्ष्य की ओर, मास्टरकार्ड डिजिटल सक्षम पहल शुरू करने के लिए **निम्समे** और सीआईआई के माध्यम से भारत सरकार के साथ साझेदारी करने के लिए खुश है। यह कार्यक्रम मास्टरकार्ड की वैश्विक और भारत प्रतिबद्धता का विस्तार है ताकि छोटे उद्यमियों को सशक्त, सक्षम और बढ़ाया जा सके, जिससे उन्हें अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। अमिता सरकार, डीडीजी, सीआईआई और एलिसन एल. एस्केसेन, उपाध्यक्ष, मास्टरकार्ड के समावेशी विकास केंद्र ने पुष्टी करते हुए कहा कि इस परियोजना का कार्यान्वयन जनवरी 2021 से प्रस्तावित है और एमएसएमई के बीच जून 2021 से प्रशिक्षण का निष्पादन किया गया है।

9. प्रख्यात और निम्समे अधिकारियों का दौरा

9.1. प्रख्यात आगंतुक

9.1.1. उद्यमिता विकास कार्यक्रम में अतिथि संकाय

उस्मानिया विश्वविद्यालय के बिजनेस मैनेजमेंट विभाग के सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट एण्ड बिजनेस सस्टेनेबिलिटी (सीईडीबीएस) ने **निम्समे** संकाय को उद्यमिता विकास पर राष्ट्रीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने उस्मानिया टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर के सहयोग से 5 से 11 अक्तूबर 2020 के दौरान आयोजित किया था । कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक श्री अरविंद थे।

कुमार, आईएएस, और उस्मानिया विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति, प्रो. चौधरी गोपाल रेड्डी, रजिस्ट्रार, प्रो. टी कृष्णा राव, कुलपति के विशेष कार्याधिकारी, नोडल अधिकारी प्रो. श्रीराम वेंकटेश और निदेशक डॉ. चेमाला श्रीनिवासुलु। श्री गड्डम सुदर्शन, संकाय सदस्य, उद्यमिता और विस्तार स्कूल, **निम्समे** ने 6 अक्तूबर को सहायता और निधि जुटाने की योजनाओं और नियामक और कानूनी अनुपालन, कंपनी निगमन, कराधान और अन्य विनियमों पर 8 अक्तूबर को दो सत्रों को संबोधित किया । कुल मिलाकर रिसोर्स पर्सन और स्टूडेंट्स समेत 600 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया था।

9.1.2. लोकमंगल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के साथ परामर्शदात्री बैठक

निम्समे की ओर से 5 जनवरी 2021 को उद्यमिता कॉलेज, सोलापुर, महाराष्ट्र सहित लोकमंगल ग्रूप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के साथ बैठक की थी। बैठक के मुख्य अतिथि विधायक (महाराष्ट्र) सुभाष देशमुख थे। बैठक में डॉ. रोहन देशमुख, डॉ. जितेंद्र बाजरे, डॉ. सचिन फुगे, श्री बॉबी मेनन, श्री नारायण कामथ और सुश्री अनीता दुबे सहित विशेषज्ञ टीम भी मौजूद थी।

लोकमंगल ग्रूप ऑफ इंस्टीट्यूशन 15 साल से सेवाएं दे रहा है। वर्तमान में, समूह विभिन्न गतिविधियों में शामिल है, जिसमें कृषि उद्योग, बैंकिंग और वित्त, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, बुनियादी ढांचा विकास, निर्माण, खुदरा और रसद शामिल हैं ।

इस सहयोगी बैठक का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र के दिशा-निर्देशों के साथ उद्यमिता और कौशल विकास, व्यापार इनक्यूबेशन, अनुसंधान और परामर्श के माध्यम

से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देना था। निदेशक (एम एण्ड बीडी) श्री संदीप भटनागर ने लोकमंगल समूह के गणमान्य लोगों का स्वागत किया।

इस मौके पर **निम्समे** की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा, संकाय सदस्य और सहायक रजिस्ट्रार मौजूद थे। बाद में सभी सदस्यों ने अपना परिचय दिया। इस संदर्भ में उ.प्र.स्कूल के संकाय सदस्य डॉ. दिब्येन्दू चौधरी ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से **निम्समे** कार्यक्रमों, गतिविधियों, प्रकाशन, बुनियादी ढाँचे आदि के बारे में जानकारी दी। बाद में सुश्री अनिता दुबे ने लोकमंगल ग्रूप ऑफ इंस्टीट्यूशंस और उनके मिशन के बारे में पीपीटी प्रेजेंटेशन दिया।

मुख्य अतिथि श्री सुभाष देशमुख ने एमएसएमई दिशा-निर्देशों को अपनाते हुए 'एक गांव, एक व्यवसाय' पर प्रकाश डाला और स्कूली बच्चों को उद्यमिता अपनाने में सहायता करने के लिए निम्समे से जुड़े होने के लिए गहरी रुचि दिखाई। महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने लोकमंगला समूह के बारे में जानकर खुशी व्यक्त की और निम्समे के साथ सहयोग करने के लिए टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सुझाव दिया है कि उद्यमिता पाठ्यक्रम लोकमंगल छात्रों के लिए स्कूल से स्नातकोत्तर इंटर्नशिप के लिए शुरू हो सकता है। उन्होंने एस्पायर योजना और इनक्यूबेशन केंद्र के बारे में भी प्रकाश डाला जो नवोदित उद्यमियों को लाभ प्रदान करेगा।

महानिदेशक ने बताया कि **निम्समे** ने इस संदर्भ में प्रस्ताव प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि **निम्समे** शोध अध्ययन शुरू करने के लिए लोकमंगल का समर्थन भी ले सकते हैं। उन्होंने "एक गांव, एक व्यापार नारे के लिए एक उत्पाद" पर प्रकाश डाला, उन्होंने उल्लेख किया कि वर्तमान में उद्यमिता के कौशल प्रदान करना और उद्यमियों को तैयार करना आसान हो गया है क्योंकि हमारे पास अच्छी सुविधाएं और संस्थागत सहायता है। यह भी बताया गया है कि शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार हो रहा है।

डॉ. दिब्येन्दू चौधरी ने नई प्रौद्योगिकियों के महत्व और विशेष रूप से आईटी पाठ्यक्रम संरचना में नए कौशल घटकों को शामिल करने के लिए अधिकतम लाभ प्राप्त करने और अधिक से अधिक उत्कृष्टता के केंद्र बनाने के बारे में बताया। इस स

निम्समे और लोकमंगल ग्रूप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने सहयोग के लिए क्षेत्रों की पहचान की है: दोनों संगठनों के संसाधनों (ज्ञान आधार, बुनियादी ढांचा, आईटी, आदि) को साझा करना, नए व्यावसायिक रास्ते तलाशने के लिए जो एक साथ काम करने और दोनों संगठनों की शिक्षा शास्त्रिक शक्तियों का उपयोग करने के तरीके प्रशस्त करते हैं। यह भी कहा गया है कि लोकमंगल समूह एक अकादमिक वातावरण विकसित कर सकता है, जिसमें दोनों संगठनों के संबंधित विशेषज्ञ उद्यमिता के अपने डोमेन ज्ञान को समृद्ध करके पारस्परिक रूप से लाभान्वित होते हैं।

श्री के सूर्यप्रकाश गौड़ ने स्फूर्ति योजना का एक छोटा वीडियो प्रस्तुत किया जो बताते हैं कि इकत बुनाई पैटर्न मोत्कुर क्लस्टर के बुनकरों से संबंधित है । बाद में श्री गौड़ ने लोकमंगल समूह को मरने, बुनाई, वित्तीय सहायता, उत्पादों के विपणन और कच्चे माल से संबंधित जानकारी के बारे में समझाया। संकाय ने संस्थान निर्माण और ज्ञान साझा करने के लिए इस तरह की संयुक्त पहलों पर अपने विचार साझा किए । बैठक का समापन निदेशक (एमएण्ड बीडी) श्री संदीप भटनागर द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया ।

चित्र 9.1. लोकमंगल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के साथ परामर्शदात्री बैठक

9.1.3. केलिपएफसी संचालन समिति की बैठक

निम्समे की सह संकाय सदस्या सुश्री वी. स्वप्ना ने 20 जनवरी 2021 को गुंटूर के के.एल. इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी फैसिलिटेशन सेंटर, केएलईएफ (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) द्वारा आयोजित वर्चुअल स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में भाग लिया। बैठक में भाग लेने वाले अन्य सदस्यों में आं.प्र. चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री फेडरेशन के महासचिव श्री पोटलुरी भाकरा राव, सदस्य, श्री वाई अजय कुमार, उपनिदेशक, उद्योग निदेशालय, विजयवाड़ा, एपी सरकार, सदस्य, श्री जी वी.आर. नायडू, निदेशक, प्रभारी, एमएसएमई-डीआई, विशाखापट्टनम, सदस्य, श्री साई सतेश, के.एल.यू. के पूर्व छात्र, सदस्य, सीईओ-भारतीय सर्वर।

सुश्री वी. स्वप्ना ने निम्समे और आईपीएफसी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने एमएसएमई के बीच बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के उद्देश्यों के प्रचार-प्रसार के लिए विशिष्ट उद्योगों, जिला उद्योग अधिकारियों/प्रबंधकों के लिए विभिन्न जागरूकता और अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सुझाव दिए । वह भी साथ सहयोगात्मक गतिविधियों होने के लिए सुझाव दिया

एमएसएमई के बीच बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) को बढ़ावा देने के लिए निम्समे।

चित्र 9.2 केएलआईपीएफसी संचालन समिति की बैठक

9.2. निम्समे अधिकारियों का दौरा

9.2.1. कौशल विकास के लिए युवा प्रेरणा शिविर

19 अक्तूबर 2020 को तेलंगाना राज्य अनुसूचित जाति निगम द्वारा जगित्याल जिले के गल्लापल्ली में आयोजित कौशल विकास के लिए युवा प्रेरणा शिविर में **निम्समे** को आमंत्रित किया गया था। तेलंगाना सरकार के समाज कल्याण मंत्री श्री कोप्पुला ईश्वर मुख्य अतिथि थे और पेद्दापल्ली के माननीय सांसद श्री बोरलाकुंटा वेंकटेश नेथा सम्माननीय अतिथि थे। शिविर का उद्देश्य बेरोजगार युवाओं को उनके विकास के लिए सरकारी योजनाओं का सदुपयोग करने का अधिकार देना था।

श्री जे. कोटेश्वर राव राव, सह-संकाय सदस्य, उद्यम विकास स्कूल, **निम्समे** की ओर से आयोजित कार्यक्रम में संकाय कंसल्टेंट श्री जी सुदर्शन एफएम, सीआइए और एस के सुभानी ने शिरकत की।

चित्र 9.3. कौशल विकास के लिए युवा प्रेरणा शिविर

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि भारत के पास समृद्ध मानव संसाधन हैं और इन संसाधनों का उत्पादक तरीके से उपयोग करना आवश्यक है। युवाओं को अपनी असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। युवाओं को अपने गांवों तक खुद को सीमित रखने के बजाय अपने कौशल का विकास करना चाहिए और अपने गांवों के बाहर कहीं भी काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। श्री कोटेश्वर राव की ओर से माननीय मंत्री को निम्समे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का ब्रोशर भेंट किया और संस्थान को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया।

निम्समे ने स्टॉल लगाया और वेल्गातूर, धरमपुरी और बुग्गाराम मंडलों के 145 बेरोजगार युवाओं का पंजीकरण कराया। उन्हें उद्यमिता और कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

9.2.2. आकाशवाणी पर निम्समे

ओडिशा के आकाशवाणी (आकाशवाणी) बलांगीर द्वारा रेडियो कार्यक्रम के लिए **निम्समे** के उद्यमिता और विस्तार स्कूल के सह-संकाय सदस्य डॉ. श्रीकांत शर्मा को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने 23 मार्च 2021 को आकाशवाणी बलांगीर द्वारा एफएम 101.9 मेगाहर्ट्ज पर प्रसारित "संस्थागत सहायता और कृषि उद्यमिता के लिए सरकारी योजनाओं" पर बात की। अपने रेडियो भाषण के दौरान डॉ. शर्मा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि किसान विभिन्न सरकारी योजनाओं के सहयोग से खेती के साथ-साथ उद्यमी बनने के लिए अपनी गतिविधि कैसे शुरू कर सकते हैं। इस भाषण को क्षेत्रीय भाषा में दिया गया और दर्शकों ने इसे सराहा।

चित्र 9.4. आकाशवाणी में संकाय, बलांगीर संसाधन व्यक्ति के रूप में

9.2.3. एससी/एसटी महिलाओं के लिए निःशुल्क क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम

एनएसआईसी-टीएससी कमला नगर ईसीआईएल-हैदराबाद कार्यालय ने 27 मार्च 2021 को मुशीराबाद में स्थित कशिश कन्वेंशन सेंटर में अक्षरा स्फूर्ती के सहयोग से राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति महिला आकांक्षा, नवोदित और भावी उद्यमियों के लिए निःशुल्क क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में संकाय सदस्य श्री जी. सुदर्शन और एसोसिएट संकाय सदस्य जे. कोटेश्वर रावको रिसोर्स पर्सन के तौर पर आमंत्रित किया गया था। प्रतिभागियों ने एमएसएमई स्कीम सेशन की तारीफ की जिसे **निम्समे** संकाय ने दिया।

समापन सत्र के दौरान सभी महिला प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव साझा किए कि वे अपने सपनों को साकार करने में अपने सीखने को कैसे लागू करेंगी।

चित्र 9.5. अनुसूचित जाति/जनजाति की महिलाओं के लिए निशुल्क क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम

10. महत्वपूर्ण दिनों का अवलोकन

10.1. आतंकवाद विरोधी दिवस

संस्थान में 21 मई 2020 को आतंकवाद विरोधी दिवस उत्साह से मनाया गया था। संस्थान के सभी कर्मचारियों ने अपनी-अपनी सीटों पर सुबह 11 बजे शपथ ली थी। प्रतिज्ञा का मसौदा उन्हें पहले ही मुहैया किया गया था।

चित्र 10.1. आतंकवाद विरोधी दिवस

10.2. विश्व पर्यावरण दिवस

5 जून 2020 को विशाल वृक्षारोपण का आयोजन कर **निम्समे** परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। सभी कर्मचारियों ने अपार खुशी के साथ कार्यक्रम में हिस्सा लिया। शुरू में सभी कर्मचारी सेंडोक भवन के सामने एकत्रित हुए, लगन से निर्धारित सामाजिक दूरी बनाए रखी। महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने सभा को संबोधित किया।

महानिदेशक ने हमारे जीवन में पर्यावरण और विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने दोहराया कि प्रकृति के साथ सद्भाव में रहना ही प्रकृति के प्रकोप और धरती मां के पतन से बचने का एकमात्र तरीका है ।

विश्व पर्यावरण दिवस हर साल दुनिया भर में 5 जून को मनाया जाता है, पर्यावरण के बारे में जागरूकता पैदा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि ग्रह पृथ्वी जीवित जीवों के अस्तित्व के लिए उपयुक्त है उसकी रक्षा के महत्व को । कार्यक्रम का समापन श्री जे. कोटेश्वर राव, सह-संकाय सदस्य, उ.वि. स्कूल द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया ।

चित्र 10.2. विश्व पर्यावरण दिवस

10.3. अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस

इस अवसर पर **निम्समे** द्वारा कई कार्यक्रमों का अवलोकन किया गया।

महानिदेशक ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) तेलंगाना द्वारा आयोजित पोस्ट कोविड-19 से प्रभारित विश्व में सूक्ष्म, लघु और ध्यम उद्यमो को दोबारा सक्रिया करने के बारे में वर्चुअल संगोष्ठी में एक विशेष संबोधन दिया। अन्य प्रख्यात वक्ताओं में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना, हैदराबाद में ब्रिटिश उप उच्चायुक्त डॉ. एंड्रयू फ्लेमिंग और तेलंगाना सरकार के आईटीआई एण्ड सी, उद्योग एवं वाणिज्य विभागों के प्रमुख सचिव श्री जयेश रंजन थे । इंटरैक्टिव सत्र के दौरान महानिदेशक ने कई शंकाओं को स्पष्ट किया है और एमएसएमई योजनाओं, भारत सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता और **निम्समे**, हैदराबाद द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के बारे में बताया है ।

चित्र 10.3. अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस

महानिदेशक ने एनआईटीटीई विश्वविद्यालय के अटल इनक्यूबेशन केंद्र (एआईसी) द्वारा आयोजित एमएसएमई के सशक्तिकरण: रणनीतियाँ, नीतियाँ और योजनाएँ विषय पर एक वेबिनार में एक प्रस्तुति भी दी । महानिदेशक ने लॉकडाउन के दौरान **निम्समे** और सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम मंत्रालय की गतिविधियों, योजनाओं और रणनीतियों का वर्णन किया है।

10.4. स्थापना दिवस

निम्समे की ओर से 1 जुलाई 2020 को अपना 58वां स्थापना दिवस मनाया। घटना दोनों वास्तविक समय में और आभासी अंतरिक्ष में पहलुओं था । रियल टाइम इवेंट्स में पौधे लगाने और उत्पादन केंद्रों का उद्घाटन शामिल था, जो दोपहर के पूर्व घंटों में आयोजित किए गए थे । वर्चुअल स्पेस में होने वाला यह कार्यक्रम मुख्य रूप से संस्मरण और रिकॉल (वेबिनार) का मंच था। बैठक में सुश्री वी. स्वप्ना, सह-संकाय सदस्य द्वारा स्वागत के शब्दों के साथ और निदेशक (एम एण्ड बीडी) श्री संदीप भटनागर द्वारा उद्घाटन भाषण के साथ हुई । एमएसएमई मंत्रालय, अराडो और एसएमई फोरम की ओर से बधाई इसके बाद (पढ़कर पढ़ें) और उसके बाद स्थापना दिवस ब्रोशर और **निम्समे** वेबिनार कार्यवाही कोविड -19 के परवर्ती काल में सू.ल.मम उद्यमों का पुनरुद्धार विषय पर महानिदेशक द्वारा जारी किया गया । इस असर पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों ने वीडियो संदेश में शुभकामनाएँ दी।

इस अवसर पर रिसर्च इंटर्नशिप पर एक ब्रोशर जारी किया गया । इस आयोजन में महानिदेशकों, निदेशकों के साथ पूर्व संकायों की वर्चुअल उपस्थिति रही । उन्होंने अपनी यादों को ताज करने के साथ ही शुभकामनाएँ दी। स्थापना दिवस व्याख्यान एनआईआरडी एण्ड पीआर के पूर्व महानिदेशक और **निम्समे** गवर्निंग काउंसिल के सदस्य आईएएस (सेवानिवृत्त) डॉ. डब्ल्यूआर रेड्डी ने दिया। उससे पहले निम्समे की महानिदेशक सुश्री एस.

ग्लोरी स्वरूपा ने डायमंड जुबली की ओर संस्थान की यात्रा पर ऑनलाइन सभा को संबोधित किया और शपथ दिलाई।

चित्र 10.4. स्थापना दिवस

सभी संवर्गों के कर्मचारियों सहित निम्समे के संकाय और अधिकारियों ने निम्समे का हिस्सा बनने के अपने अनुभव साझा किए। राष्ट्रीय कार्यक्रमों और ईएसडीपी के प्रतिभागियों ने अपनी शुभकामनाएं साझा कीं । वर्चुअल इवेंट में डॉ. के विश्वेश्वर रेड्डी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा, जिसके बाद राष्ट्रगान का गायन हुआ ।

10.5. स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता सबसे बहुमूल्य तोहफा है। यह स्वतंत्रता सेनानियों के साथ ही संस्थाओं और राष्ट्रों के लिए भी अहम होती है। कड़ी मेहनत और देखभाल के साथ इसकी संरक्षण करना आवश्यक होता है, क्योंकि इसे कुचलने और इसे अधीन करने के लिए विदेशों में हमेशा अदृश्य ताकतें होती हैं ।

निम्समे द्वारा 15 अगस्त 2020 को अपने परिसर में भारत का 74 वाँ स्वतंत्रता दिवस हमेशा की तरह खुशी और समर्पण के साथ मनाया गया। 15 अगस्त, 1947 को भारत राष्ट्र ने ब्रिटिश शासकों से आजादी हासिल की, जो तब देश का शासन कर रहे थे। तब से, हर

साल, देश भर में हर कोने और सड़क पर, सभी छोटे और बड़े प्रतिष्ठानों और समुदाय समूहों 15 अगस्त के उदाहरण मनाते हैं । संस्थान परिसर में सभी कर्मचारी 8.50 बजे नए प्रशिक्षण भवन के सामने झंडा चौकी से इकट्ठे हुए. महानिदेशक ने ध्वज फहराया और संयोजन को संबोधित किया। उन्होंने इस अवसर के महत्व, लॉकडाउन के दौरान निम्समे की गतिविधियों के बारे में बताया और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत का आह्वान किया । इस अवसर पर आनंद की अभिव्यक्ति में सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाए गए। उपस्थित सभी लोगों ने उल्लासपूर्ण भावना से एजेंडे में हिस्सा लिया ।

चित्र 10.5. स्वतंत्रता दिवस

10.6. सद्भावना दिवस

निम्समे ने 20 अगस्त 2020 को परिसर में सद्भावना दिवस मनाया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी की जयंती हर साल सद्भावना दिवस के रूप में मनाई जाती है। **निम्समे** परिवार के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों और सलाहकारों ने 11 बजे अपने-अपने स्थान पर शपथ ली थी।

चित्र 10.6. सद्भावना दिवस

10.7. दशहरा महोत्सव

निम्समे परिसर में दशहरा महोत्सव 23 अक्तूबर 2020 को पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया था। इसमें **निम्समे** परिवार के सभी सदस्यों ने इस जश्न में हिस्सा लिया ।

इस दिन देवी दुर्गा की पूजा-अर्चना के साथ पूजा अर्चना की गई, जिससे संस्थान की समृद्धि के लिए उनकी कृपा प्राप्त हुई। इस अवसर पर कर्मचारी संघ द्वारा दोपहर के भोजन का आयोजन किया गया। शाम को संस्थान की महिला कर्मचारियों ने बथुकम्मा महोत्सव का आयोजन किया और भाग लिया।

समारोह का समापन महामारी के दौरान संस्थान की भलाई और कर्मचारियों और उनके परिवारों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए परम माता से प्रार्थना के साथ हुआ ।

चित्र 10.7. दशहरा महोत्सव

10.8. सतर्कता जागरूकता सप्ताह

निम्समे में 27 अक्तूबर से 2 नवंबर 2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। निम्समे के सभी कर्मचारियों ने 27 अक्तूबर को 11.00 बजे अपने कार्य स्थलों पर शपथ ली।

इस वर्ष के लिए विषय था, सतार्क भारत, समृद्धि भारत।

चित्र 10.8. सतर्कता जागरूकता सप्ताह

10.9. कौमी एकता सप्ताह

निम्समे द्वारा 19 से 25 नवंबर 2020 तक 'कौमी एकता सप्ताह' (राष्ट्रीय एकता सप्ताह) मनाया गया। इसे देखते हुए सभी अधिकारियों, स्टाफ सदस्यों और सलाहकारों के साथ महानिदेशक ने 19 नवंबर 2020 को अपनी-अपनी सीटों पर शपथ की सॉफ्ट कॉपी के साथ हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में शपथ ली थी।

चित्र 10.9. कौमी एकता सप्ताह

10.10. संविधान दिवस

26 नवंबर 2020 को निम्समे में संविधान दिवस मनाया गया था। इस अवसर पर महानिदेशक ने 11 बजे भारत के संविधान की प्रस्तावना को हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में पढ़ा। सभी अधिकारी, स्टाफ सदस्य और परामर्शदाताओं ने अपने-अपने स्थान पर सॉफ्ट कॉपी से संविधान की प्रस्तावना पढ़ी।

चित्र 10.10. संविधान दिवस

10.11. गणतंत्र दिवस

72वां गणतंत्र दिवस **निम्समे** परिसर में हर्ष और देशभक्ति के जोश के साथ मनाया गया। हर साल संस्थान 26 जनवरी 1950 से अमल में लाये गय स्वतंत्र भारत के संविधान के उपलक्ष्य में 26 जनवरी को मनाता है।

समारोह की शुरुआत महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। इसके बाद ध्वजारोहण कर भारत का राष्ट्रगान किया गया, जिस पर सभी स्टाफ ने अपनी आवाज दी। इस अवसर पर महानिदेशक ने अंग्रेजी, हिंदी और तेलुगु में अगस्त सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्पर्धा के महत्व को समझाया है। उन्होंने मसौदा समिति के उन सभी 400 सदस्यों को धन्यवाद दिया है जिन्होंने भारत के संविधान के जन्म के लिए अपनी बौद्धिक शक्ति का योगदान दिया है । उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों को उनके अमूल्य

बलिदानों के लिए भी श्रद्धांजलि अर्पित की । उन्होंने सभी निम्समे परिवार के सदस्यों को सलाह दी है कि वे भारत में प्रत्येक नागरिक के 10वें मौलिक कर्तव्य के रूप में भारतीय संविधान में प्रतिष्ठापित व्यक्तिगत उत्कृष्टता को प्राप्त करने के लिए संस्थान में प्रभावी योगदान दें । उन्होंने अत्यैर भारत के बारे में प्रकाश डाला है और निम्समे परिवार से संस्था विकास और राष्ट्र निर्माण की दिशा में काम करने का अनुरोध किया है ।

कुछ प्रतिभाशाली कर्मचारियों ने परिसर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में देशभक्ति गीत गाए हैं जिन्हें तिरंगे झंडे और प्रेरणादायक छवियों से सजाया गया है ।

चित्र 10.11. गणतंत्र दिवस

10.12. शहीद दिवस

निम्समे की ओर से 30 जनवरी 2021 को सुबह 11.00 बजे शहीद दिवस मनायागया। देश के हजारों वीर लोगों की याद में जिन्होंने देश को विदेशी शासन की पकड़ से मुक्त करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

निम्समे के सभी कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यस्थल पर दो मिनट का मौन रखा।

चित्र 10.12. शहीद दिवस

10.13. नए साल का दिन

1 जनवरी 2021 को परिसर में अंतरराष्ट्रीय नववर्ष दिवस मनाया गया।

सेंडोक बिल्डिंग के सामने आउटडोर पंडाल में निम्समे परिवार के सभी सदस्यों की एक साथ मिल-मिल का आयोजन किया गया । सभी सदस्यों ने बधाई का आदान-प्रदान किया। महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने खुशी और खुशी की सांस लेते हुए उपस्थितों को संबोधित किया।

उन्होंने उपस्थित जनसमूह के साथ संस्थान के विजन और मिशन को साझा किया । इस अवसर पर उन्होंने अपने-अपने स्कूलों में चल रहे कार्यक्रमों और विकास की भविष्य की पहलों के बारे में बताया ।

चित्र 10.13. नए साल का दिन

10.14. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान "नेतृत्व में महिला: एक कोविड -19 विश्व में एक समान भविष्य को प्राप्त करने" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया 8 मार्च 202१ को अपने परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए । संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आयामों में महिलाओं की समस्याओं और संभावनाओं पर चर्चा करना और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए मंच भी प्रदान करना था । सेमिनार में कुल 150 भावी और मौजूदा महिला उद्यमी और निम्समे की महिला कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का समन्वय संकाय सदस्य डॉ. ई विजया और निम्समे की एसोसिएट संकाय सदस्य सुश्री वी. स्वप्ना ने किया। संगोष्ठी के लिए सम्मानित वक्ताओं में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, हैदराबाद के मुख्य प्रबंधक-प्रशिक्षण सुश्री .B एएल कामेश्वरी, फेमिकेयर अस्पताल, हैदराबाद की एमडी डॉ. एल फहमीदा बानू, सिस्टर बीके बिंदू, ब्राम्हा कुमारीज हैदराबाद और सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा, महानिदेशक, निम-एमएसमे शामिल थे । सेमिनार को यूनियन बैंक, इंडियन बैंक और आंध्र लोयोला कॉलेज विजयवाड़ा के पूर्व छात्रों ने प्रायोजित किया।

सुश्री बी.ए.एल. कामेश्वरी ने महिलाओं के लिए वित्तीय साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने नवोदित उद्यमियों से अपने व्यापार और उसके वित्तीय पहलुओं को जानने का आग्रह किया । उन्होंने महिला उद्यमियों के लिए भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई कुछ योजनाओं के बारे में बताया। डॉ. एल फहमीदा बानू ने पीछे मुड़कर देखें तो अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दौरान विभिन्न क्षमताओं में फ्रंट लाइन वर्कर्स के रूप में महिलाओं द्वारा निभाई गई भूमिका के बारे में बात की कोविड -19 महामारी । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे हेल्थकेयर क्षेत्र की महिलाओं ने अपनी सुरक्षा से पहले अपने मरीजों की जरूरतों के लिए खुद को समर्पित किया । सिस्टर बीके बिंदू ने श्रोताओं से आग्रह किया कि वे अपने दिन के व्यस्त कार्यक्रम में स्वयं के लिए समय निकालें । वह अपने विचारों के प्रबंधन के द्वारा स्वयं के प्रबंधन पर सभा प्रबुद्ध ।

महानिदेशक निम्समे ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास और महत्व पर प्रकाश डाला। यह नारीत्व का जश्न मनाने के लिए निर्धारित है और किसी भी सामाजिक विभाजन के संबंध के बिना उसकी उपलब्धियों को भी पहचानता है । उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों और लैंगिक समानता, समानता और महिलाओं की समानता को तेज करने के लिए लोगों को जागरूक करने और उन्हें जागरूक करने का दिन है । उन्होंने याद किया कि अंतर्राष्ट्रीय

महिला दिवस 2021 का विषय "नेतृत्व में महिला: एक कोविड -19 दुनिया में एक समान भविष्य प्राप्त करना" है ।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई अवसर प्रदान करता है। उन्होंने अपील की कि 2021 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को लैंगिक समानता की दिशा में काम करने और बेहतरी के लिए चुनौती देने के लिए चुनने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए ।

महानिदेशक व अन्य गणमान्य लोगों ने महिला उद्यमियों द्वारा प्रदर्शित स्टालों का उद्घाटन अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए किया। महिला उद्यमियों सुश्री हुमेरा, सुश्री अशालाथा और महिलाओं ने सुश्री विजया और सुश्री सुभंगी ने निम्समे से सफलता की अपनी यात्रा के अपने अनुभव साझा किए । संगोष्ठी में महिला प्रतिभागियों को विभिन्न मुद्दों के प्रभावी प्रबंधन को समझने का एक शानदार अवसर प्रदान किया गया और सफल उद्यमियों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान किया गया और स्टालों में अपने अभिनव उत्पादों का प्रदर्शन भी किया गया ।

चित्र 10.14. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

11. कर्मचारी कॉर्नर

11.1 सेवानिवृत्ति

श्री. सरवर खान, एमटीए 30 अप्रैल 2020 (एन.एन.) को संस्थान की सेवा से सेवानिवृत्त होने पर सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर। इस अवसर पर संस्थान के रीति रिवाज के अनुसार विदाई मिलन का आयोजन किया गया। सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा, महानिदेशक, डॉ. ई विजया, एफएम (उ.प्र.स्कूल) और व्यवस्थापक। निम्समे कर्मचारी यूनियन के महासचिव श्री के साई किरण ने निवर्तमान कर्मचारी के बारे में कुछ अच्छे शब्द साझा किए। कुछ अन्य लोगों ने उनके साथ उनके जुड़ाव की उदासीन यादों को याद किया । महानिदेशक ने श्री को प्रस्तुत किया। खान अपने सेवानिवृत्ति लाभ की ओर चेक के साथ संस्थान की ओर से एक टोकन उपहार के साथ ।

चित्र 11.1. श्री की सेवानिवृत्ति। सरवर खान

11.2. श्रद्धांजलि

11.2.1. श्री आई. शेखर

श्री आई. शेखर, एमटीए गंभीर स्वास्थ्य समस्या के कारण 9 मई 2020 को समाप्त हो गया। निम्समे के महानिदेशक, संकाय और स्टाफ ने 11 मई 2020 को शोकसभा आयोजित कर उनकी आत्मा को शांति से विश्राम देने की प्रार्थना की।

सेवा मे शामिल होने की तिथि - 18.05.1992 जन्म तिथि - 18.05.1966 मृत्यु तिथि - 010.05.2020 एमटीए ने 27 वर्ष 11 महीने और 21 दिन सेवा की।

चित्र 11.2. श्री आई. शेखर

11.2.2. श्री एन राजा नरसिंह

श्री। एन राजा नरसिंह, एमटीए का निधन 24 जुलाई 2020 को पचपन की उम्र में हुआ था। हाल ही में श्री राजा नरसिंह बीमार पड़ गए और अस्पताल में इलाज कराते हुए सरकारी छुट्टी पर थे। अफसोस की बात है कि ठीक होने से पहले ही उनका निधन हो गया।

श्री। राजा नरसिंह 1990 में संस्थान के रोजगार में शामिल हुए और अंतिम तक पूरे निष्ठावान सेवा प्रदान की। पूरा निम्समे परिवार श्री के परिवार के प्रति शोक व्यक्त करता है। राजा नरसिंह और उनकी आत्मा को शांति से विश्राम देने की प्रार्थना करते हैं।

चित्र 11.3. श्री. एन. राजा नरसिंह

12. हिंदी खंड

12.1. हिंदी दिवस और राजभाषा सप्ताह

निम्समे द्वारा वार्षिक राजभाषा दिवस के पालन में 7 से 14 सितंबर 2020 तक राजभाषा सप्ताह मनाया गया। सप्ताह भर चलने वाले इस उत्सव का उद्घाटन 7 सितंबर 2020 को वर्चुअल मोड में किया गया था, जिसकी अध्यक्षता निम्समे की महानिदेशक सुश्री ग्लोरी स्वरूपा ने की थी। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष डॉ. मुनव्वर हुसैन काजमी मुख्य अतिथि थे।

सेंडोसी लाइब्रेरी में इस मौके पर हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी की व्यवस्था की गई थी, जो हिंदी दिवस यानी 14 सितंबर 2020 तक जारी रही। डॉ. दिब्येन्दू चौधरी, संकाय सदस्य (एसईएम) और निम्समे की हिंदी कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव, डॉ. के विश्वेश्वर रेड्डी, संकाय सदस्य (एसईएम) और प्रभारी प्रशासन, कार्यक्रम में असिस्टेंट रजिस्ट्रार डॉ. एन मुरली किशोर और हिंदी अनुवादक डॉ. शिरीष प्रभाकर कुलकर्णी मौजूद थे, जबकि अन्य सभी अधिकारी और स्टाफ सदस्य वर्चुअल मोड में कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए डॉ. मुनव्वर हुसैन काजमी ने जबलपुर के मूल निवासी राजेंद्र सिंह के योगदान और हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्थापित करने के उनके प्रयासों को याद किया। उन्होंने हिंदी के जाने-माने कवि और लेखक भारतेंदु हरीश चंद्र ने अपनी अखिल भारतीय समिति के माध्यम से हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा के रूप में स्थान देने के लिए किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सरकारी उद्देश्य के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी हिंदी के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने हिंदी दिवस पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी वह भाषा है जो सभी लोगों को एक दूसरे से जोड़ती है। सरकारी उपयोग के अलावा राजनीति, फिल्म उद्योग के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी हिंदी का व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जा रहा है और कोई भी इसे नजरअंदाज नहीं कर सकता। सीजीओ-1 के टोलिक के सदस्य सचिव श्री.एम बाड़ी फारुकी ने इस बैच को संबोधित करते हुए सीओवीड-19 महामारी को देखते हुए वर्चुअल मोड के माध्यम से प्रशिक्षण आयोजित करने की पहल की सराहना की। हिंदी अनुवादक द्वारा धन्यवाद मत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

चित्र 12.1. हिंदी दिवस और राजभाषा सप्ताह

संस्थान के अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों को कार्यात्मक गतिविधियों में अधिक बार हिंदी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सप्ताह के दौरान हिंदी में पत्र लेखन और कविता पाठ और एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

मुख्य आयोजन 14 सितंबर 2020 को महानिदेशक की अध्यक्षता में किया गया था। हिंदी अनुवादक डॉ. शिरीष कुलकर्णी ने भारत सरकार के गृह मंत्री श्री अमित शाह का संदेश पढ़ा। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को महानिदेशक द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में महानिदेशक ने विजेताओं को बधाई दी और कार्यक्रमों में सभी कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की । उन्होंने सभी क्षेत्रों में रोजमर्रा के काम में हिंदी के उपयोग में वृद्धि का सुझाव दिया। संत कबीर के एक स्वयंसिद्ध का हवाला देते हुए उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे अपने सभी कार्यों में ईमानदारी से समयसीमा का पालन करें ।

12.2. नराकास कोर कमेटी की बैठक

टाउन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 9 नवंबर 2020 को नेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ यूनि मेडिसिन फॉर स्किन डिसऑर्डर्स, एजी कॉलोनी रोड, एर्रागड्डा, हैदराबाद में 11 बजे हुई । बैठक की अध्यक्षता एनआरआईयूएमएसएसडी के निदेशक और समिति के अध्यक्ष डॉ. मुनव्वर हुसैन काजमी ने की। डॉ. विष्णु भगवान, समिति के सलाहकार, समिति के सदस्य सचिव श्री अब्दुल बारी फारुकी और श्रीमती वीणा तिर्की, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे, इस अवसर पर बंदलागुड़ा, हैदराबाद के जीएसआई के निदेशक श्री एम.ए. शुकुर और **निम्समे** के हिंदी अनुवादक डॉ. शिरीष प्रभाकर कुलकर्णी, समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

चित्र 12.2. नराकास कोर कमेटी की बैठक

अध्यक्ष डॉ. विष्णु भगवान द्वारा एजेंडा प्रस्तुत करने के बाद उन्होंने समिति के सदस्य कार्यालयों के हिंदी अधिकारियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने का प्रस्ताव रखा और सदन की सहमति से यह 26 नवंबर 2020 को निर्धारित किया गया। इसके अलावा उन्होंने निबंध लेखन, नोट लेखन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का संचालन करने का सुझाव दिया। प्रश्नोत्तरी और सदस्य कार्यालयों के लिए लघु पैरा का अनुवाद। इसके अलावा उन्होंने नराकास द्वारा एक ई-पत्रिका प्रकाशित करने की सलाह दी, जिसे सदस्यों ने स्वीकार कर लिया ।

डॉ. काजमी ने अपनी प्रस्तुति में कोर कमेटी के सदस्यों की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की सराहना की। उन्होंने सभी सदस्यों से कोविड-19 के लिए सामाजिक दूरी और अन्य सावधानियों को बनाए रखने का अनुरोध किया।

बैठक का समापन श्री एम.ए. बारी फारुकी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ ।

12.3. हिंदी कार्यशाला

वर्चुअल मोड के माध्यम से 21 दिसंबर 2020 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। नेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ यूनानी मेडिसिन फॉर स्किन डिसऑर्डर्स, हैदराबाद के तहत गठित टाउन राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कें.स.का-1), हैदराबाद के सहयोग से **निम्समे** द्वारा आयोजित कार्यशाला में कुल मिलाकर 40 प्रतिभागियों ने आभासी उपस्थिति दर्ज कराई।

केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली के डॉ. मोहन बहुगुणा ने अपने मुख्य भाषण में कंप्यूटर के लिए इन-स्क्रिप्ट और अन्य हिंदी कुंजी-पटल के महत्व पर प्रकाश डाला । इसके अलावा उन्होंने हाल ही में भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा प्रदान किए गए मंत्र, गूगल ट्रांसलेट, माइक्रोसॉफ्ट ट्रांसलेटर और कांथथ सॉफ्टवेयर सहित ऑनलाइन अनुवाद सॉफ्टवेयर के बारे में विस्तृत जानकारी दी ।

डॉ. विश्वनाथ झा, उपनिदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, मुंबई। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग ने केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में कंथा सॉफ्टवेयर के उपयोग और इसे दुनिया भर में हिंदी उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ बनाने पर जोर दिया।

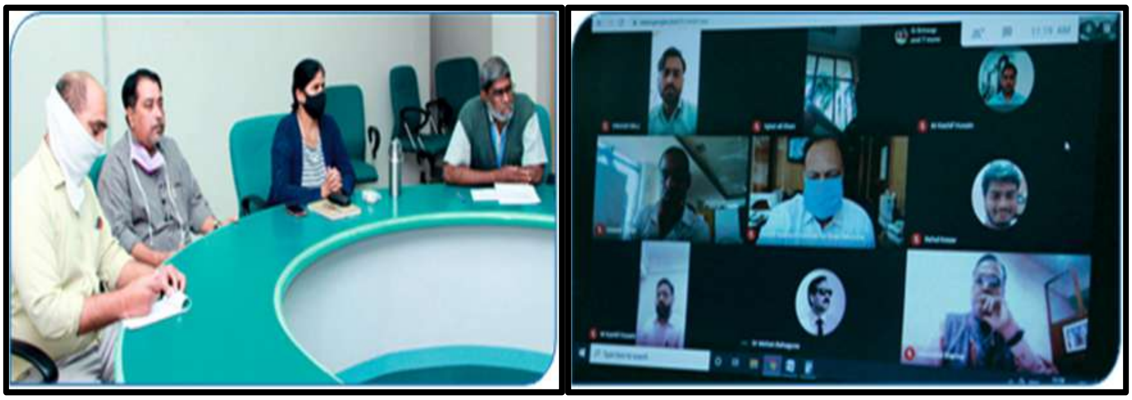

चित्र 12.3. हिंदी कार्यशाला

कार्यक्रम में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, हैदराबाद के उप महाप्रबंधक (एचआर राजभाषा) डॉ. होमनिधि शर्मा भी शामिल हुए।

इससे पहले, हैदरबाद-1 के नराकास (सीजीओ) के सदस्य सचिव श्री एम.ए. बारी फारुकी ने निम्समे की महानिदेशक के साथ संकाय सदस्य और अन्य अधिकारियों का स्वागत किया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए ओएसिल के अध्यक्ष डॉ. एम. एच काजमी ने डॉ. मोहन बहुगुणा के संबोधन की सराहना की और **निम्समे** की महानिदेशक डॉ. एस. ग्लोरी स्वरूपा, हिंदी अनुवादक और अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को उत्कृष्ट सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

12.4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

राजभाषा, हिंदी के कार्यान्वयन की त्रैमासिक समीक्षा के लिए बैठक 29 मार्च 2021 को आयोजित की गई थी। इस बैठक की अध्यक्षता महानिदेशक सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा ने की। उन्होंने राजभाषा, हिंदी के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में राजभाषा, हिंदी के बेहतर कार्यान्वयन के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने हिंदी भाषा में उद्यमिता और कौशल विकास के संबंध में विभिन्न नए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की भी सलाह दी।

चित्र 12.4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

संकाय सदस्य, उ.प्र.स्कूल के डॉ. दिब्येन्दू चौधरी और राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव ने संस्थान की वेबसाइट के आवश्यक उन्नयन और **निम्समे** के कर्मचारियों द्वारा निम्समे बुलेटिन का ई-प्रकाशन तैयार करने का सुझाव दिया, जिसे महानिदेशक ने स्वीकार कर लिया।

डॉ. श्रीकांत शर्मा, सह-संकाय, उ. एवं विस्तर स्कूल ने हिंदी भाषा में आयोजित किये जाने योग्य कुछ कार्यक्रमों का सुझाव दिया। हिंदी अनुवादक और समिति के सदस्य संयोजक डॉ. शिरीष प्रभाकर कुलकर्णी ने समिति के महानिदेशक और अन्य सदस्यों का स्वागत किया और संस्थान के भीतर राजभाषा के कार्यान्वयन के संबंध में विवरण भी प्रस्तुत किया। बैठक का समापन हिंदी अनुवादक डॉ. शिरीष प्रभाकर कुलकर्णी द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

13. भौतिक और वित्तीय प्रदर्शन

13.1. भौतिक प्रदर्शन

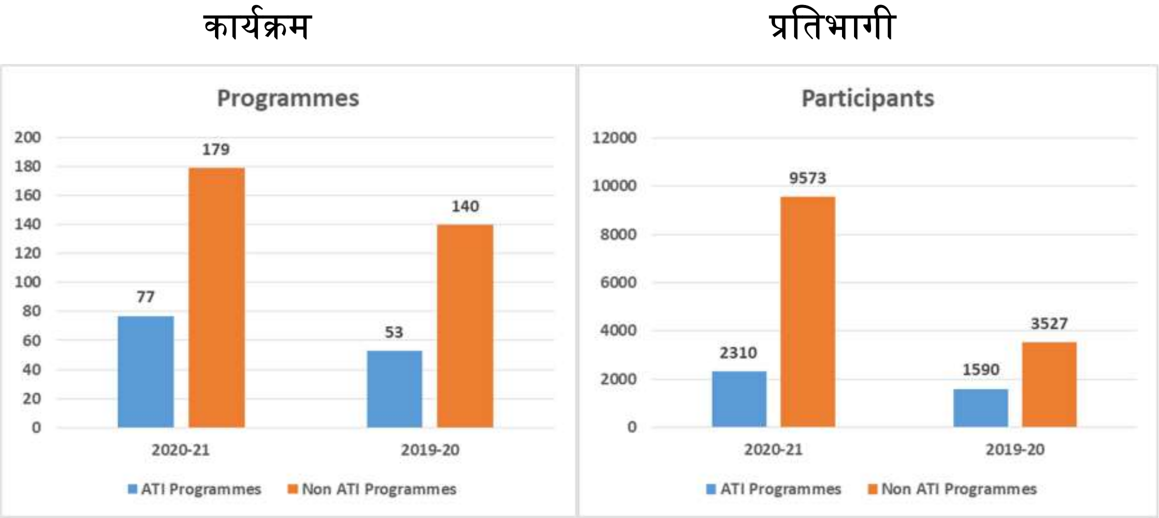

चित्र 13.1. राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रतिभागी

वर्ष 2020-21 में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कुल संख्या 256 थी और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों में 193 कार्यक्रमों की तुलना में 11,883 और 2019-20 के दौरान 5,117 प्रतिभागी थे। पिछले वर्ष के दौरान कार्यक्रमों और प्रतिभागियों की संख्या में कमी मुख्य रूप से महामारी, एटीसी योजना के तहत कार्यक्रमों की कम संख्या और 2020-21 के दौरान मंत्रालय की राष्ट्रीय एससी/एसटी हब योजना के तहत कोई कार्यक्रम नहीं था । लॉकडाउन और यात्रा प्रतिबंध के कारण परिसर में कोई भौतिक राष्ट्रीय (घोषित या प्रायोजित) और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम नहीं।

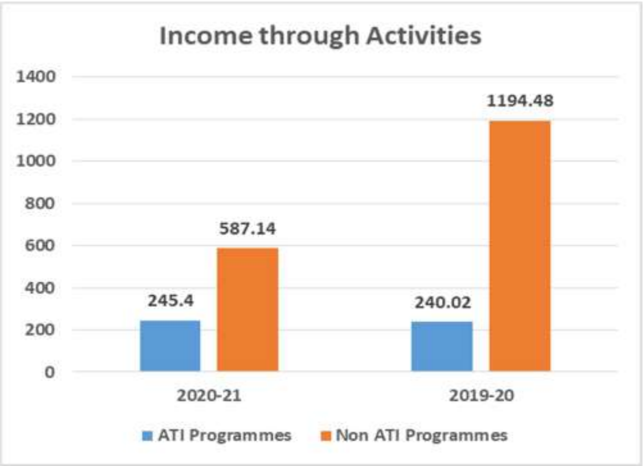

चित्र 13.2. विभिन्न गतिविधियां के द्वारा आय

13.2. वित्तीय प्रदर्शन

संस्थान ने 2020-21 के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से 832.54 लाख रुपये की आय की, जबकि 2019-20 के दौरान 1,434.50 लाख रुपये। इसका कारण पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष के दौरान एआइटी और गैर-एटीआई योजनाओं के तहत उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रमों की संख्या में कमी को माना जा सकता है। दोनों वर्षों का तुलनात्मक वित्तीय प्रदर्शन निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत किया गया है:

तालिका 1.6: वित्तीय रिपोर्ट

(लाख रुपये में)

Activity	2020-21			2019-20		
	Progs.	प्रशिक्षु	आय	Progs.	प्रशिक्षु	आय
1	2	3	4	5	6	7
(a) इ एस डी पी, ए टी आई योजना के तहत	**77**	**2310**	**245.40**	**53**	**1590**	**240.02**
(b) गैर एटीआई के तहत कार्यक्रम						
1. अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम	6	235	12.57	9	231	283.97
2. प्रायोजित कार्यक्रम	64	1731	239.34	92	2624	418.21
3. घोषित कार्यक्रम	19	166	8.70	33	287	31.00
4. सेमिनार और कार्यशालाएं	3	173	0.12	5	385	7.42
5. वेबिनार	54	7268	3.64	0	0	0
6. शोध	02	0	1.28	0	0	0
7. परामर्श	31	0	32.56	1	0	16.42
8. अवसंरचना	0	0	29.00	0	0	125.58
9. अन्य	0	0	259.93	0	0	311.88
उप कुल **(b)** गैर एटीआई	**179**	**9573**	**587.14**	**140**	**3527**	**1194.48**
कुल योग **(a+b)**	**256**	**11883**	**832.54**	**193**	**5117**	**1434.50**

14. सूचना का अधिकार अधिनियम

सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत जानकारी के लिए, नागरिक किसी भी कार्य दिवस पर नए प्रशिक्षण भवन (भूतल: सहायक रजिस्ट्रार कार्यालय), निम्समे, यूसुफगुडा, हैदराबाद-500 045 में स्थित लोक सूचना अधिकारी (आरटीआई) से संपर्क कर सकते हैं। वर्ष 2020-21 के दौरान संस्थान को छत्तीस आवेदन प्राप्त हुए। लेकिन पिछले वर्ष के 6 आवेदनों सहित 43 का निस्तारण किया । तीन अपीलें प्राप्त हुईं और 31 मार्च 2021 तक विधिवत उत्तर प्रस्तुत कर तीन अपीलों का निस्तारण किया गया।

तालिका 1.7. सलाहकारों की भर्ती

Sr.No.	Name	Designation	Date of Joining
1.	श्री एसवीएल नरसिम्हा राजू	सलाहकार (इंजीनियर)	28.08.2020
2.	श्री जे रघु राम	सलाहकार (व्यवस्थापक)	01.01.2021
3.	श्री डी नवीन कुमार	सलाहकार (एस ई डी)	07.01.2021
4.	श्री वी बी राजेंद्र प्रसाद	सलाहकार (एस ई ई)	15.01.2021
5.	श्री विवेक कुमार	सलाहकार (एस ई ई)	15.01.2021
6.	श्री एस डेविड बीरनार्ड	सलाहकार (एस ई डी)	22.01.2021
7.	श्री जी भास्कर राव	सलाहकार (वित्त)	02.02.2021

तालिका 1.8. शिकायतों के समाधान के लिए नोडल अधिकारी और सूचना हेतु निवेदन के लिए जन-सूचना अधिकारी आदि के पते

सूचना और सुविधा काउंटर
सूचना और सुविधा काउंटर तल मंजिल ,सेन्डॉक भवन **निम्समे** फोन नं 23608544-040 ./ विस्तार नं235 . तल मंजिलनया प्रशिक्षण भवन , **निम्समे** फोन नं. 040-23608544 वि.नं .217/260 एफ 'ब्लॉक, तल मंज़िल ,गेस्ट रूम कॉम्प्लेक्स **निम्समे** फोन नं .040-23608544 /.विस्तारित नं.2 70 / 280 सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 तल मंजिल, नया प्रशिक्षण भवन, **निम्समे** फोन नं .: 236-04033260

केंद्रीय जन सूचना अधिकारी का पता
सहायक रजिस्ट्रार **निम्समे**, यूसुफगुडा हैदराबाद - 500045 Tel no.040-23633260, 23633217 E-mail:ar@nimsme.org

प्रथम अपीलीय प्राधिकरण का पता
निदेशक (विपणन और व्यापार विकास) **निम्समे**, यूसुफगुडा हैदराबाद - 500045 Tel No: 040-23608544/Extn.203 E-mail:directormarketing@nimsme.org

तालिका 1.9. कार्यकारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मार्च 2021 तक शामिल पूर्व छात्र

क्र. सं	देश	कुल	क्र. सं	देश	कुल
1	अफगानिस्तान	575	21	कंबोडिया	114
2	अल्जीरिया	18	22	कैमरून	20
3	एंटीगुआ और बर्बूडा	13	23	केप वर्दे	2
4	अंगोला	4	24	चिली	14
5	अर्जेंटीना	2	25	चीन	10
6	आर्मीनिया	24	26	कोलम्बिया	9
7	आज़रबैजान	9	27	कोमोरोस	3
8	बांग्लादेश	566	28	कोस्टा रिका	21
9	बारबाडोस	12	29	कोट दि आइवर (आइवरी कोस्ट)	69
10	बेलारूस	5	30	क्रोएशिया	2
11	बेलीज	10	31	क्यूबा	23
12	बेनिन	8	32	चेक गणतंत्र	2
13	भूटान	193	33	कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (ज़ैरे)	45
14	बोलीविया	3	34	जिबूती	2
15	बोत्सवाना	58	35	डोमिनिका	2
16	ब्राज़िल	8	36	डोमिनिकन गणराज्य	1
17	ब्रुनेई	5	37	इक्वाडोर	16
18	बुल्गारिया	3	38	मिस्र, अरब गणराज्य	177
19	बुर्किना फासो	13	39	एल. सल्वाडोर	20
20	बुरुण्डी	10	40	इरिट्रिया	34

क्र. सं	देश	कुल
41	एस्तोनिया	4
42	इथियोपिया	293
43	फ़िजी	61
44	गैबॉन	2
45	गाम्बिया	34
46	जॉर्जिया	14
47	घाना	446
48	यूनान	1
49	ग्वाटेमाला	12
50	गिन्नी	13
51	गिनी बिसाऊ	2
52	गुयाना	65
53	हैती	2
54	होंडुरस	14
55	इंडिया	5
56	इंडोनेशिया	178
57	ईरान इस्लामिक गणराज्य	63
58	इराक	213
59	जमैका	5
60	जापान	1
61	जॉर्डन	89
62	कजाखस्तान	140
63	केन्या	234

क्र. सं	देश	कुल
64	किरिबाती गणराज्य	11
65	कोरिया	29
66	किर्गिज़स्तान	57
67	लाओ पीडीआर	78
68	लेबनान	3
69	लिसोथो	31
70	लाइबेरिया	42
71	लीबिया	4
72	लिथुआनिया	17
73	मैसेडोनिया	4
74	मेडागास्कर	69
75	मालावी	159
76	मलेशिया	231
77	मालदीव	80
78	माली	42
79	माल्टा	5
80	मॉरीशस	254
81	मेक्सिको	22
82	मंगोलिया	76
83	मोरक्को	25
84	मोजाम्बिक	17
85	म्यांमार	349
86	नामीबिया	39

क्र. सं	देश	कुल
87	नेपाल	173
88	निकारागुआ	10
89	नाइजर	73
90	नाइजीरिया	352
91	ओमान	119
92	पाकिस्तान	19
93	फिलिस्तीन	27
94	पनामा	11
95	पापुआ न्यू गिनी	47
96	पैराग्वे	4
97	पेरू	12
98	फिलीपींस	251
99	पोलैंड	4
100	रोमानिया	3
101	रूस	95
102	रवांडा	12
103	समोआ	12
104	सऊदी अरब	2
105	सेनेगल	36
106	सेशेल्स	18
107	सियरा लिओन	118
108	सिंगापुर	5
109	सोलोमन आईलैण्ड	25
110	सोमालिया	13
111	दक्षिण अफ्रीका	104
112	दक्षिण सूडान	20
113	श्रीलंका	690
114	सेंट किट्स एंड नेविस (वे. इंडीज)	3
115	सेंट लूसिया (वे. इंडीज)	9
116	सेंट विंसेंट (वे. इंडीज)	4
117	सूडान	381
118	सूरीनाम	23
119	स्वाजीलैंड	27
120	सीरियाई अरब गणराज्य	172
121	तीजिकिस्तान	105
122	तंजानिया	387
123	थाईलैंड	172
124	तिब्बत	16
125	तिमोर लेस्ते	3
126	टोगो	17
127	टोंगा	7
128	त्रिनिदाद और टोबैगो	28
129	ट्यूनीशिया	35
130	तुर्की	20
131	तुर्कमेनिस्तान	13
132	तुवालु	1

क्र. सं	देश	कुल
133	युगांडा	378
134	संयुक्त अरब अमीरात	1
135	यूक्रेन	6
136	अमेरिका	15
137	उज़्बेकिस्तान	156
138	वैनुआतु	2
139	वेनेज़ुएला	5
140	वियतनाम	137
141	यमन	131
142	जाम्बिया	233
143	जिम्बाब्वे	217
	कुल	**10623**

प्रमुख उपलब्धियाँ

1964	काकीनाड़ा प्रयोग के दौरान प्रोर प्रोत्साहन उपलब्धि के बारे में डेविड मैकलेलैंड के साथ मिलक . एक अग्रणी अनुसंधान अध्ययन किया गया।
1967	लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के विकास में पहले अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया।
1971	लघु उद्यम राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र (सेन्डॉक) नामक एक सूचना केंद्र की स्थापना की गई।
1974	तांज़ानिया की सरकार को लघु उद्योग विकास संगठन (सिडो) की स्थापना में सहायता की गई।
1979	गुवाहाटी में एक क्षेत्रीय केंद्र की शाखा की स्थापना की गई।
2001	अरुणाचल प्रदेश के वस्त्र और हस्तशिल्प क्षेत्र में तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन किया गया।
2002	संस्थान को स्वयंपोषी स्वरूप प्राप्त हुआ।
2003	पूर्वोत्तर क्षेत्र में विशिष्ट संसाधन आधार के लिए परियोजनाओं की पहचान के बारे में अध्ययन किया गया। मॉरीशस में महिला सशक्तीकरण के लिए दृष्टि दस्तावेज
2004	मॉरीशस के लिए एसएमई पर परियोजना की रूपरेखा का निर्माण
2000-07	युगांडा, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका, भूटान, नाइजीरिया, सूडान, कैमरून और घाना के साथ खरीदार से खरीदार लेनदेन।-
2004-07	एमएसएमई क्लस्टरों का कार्यान्वयननिगर ,ानी और आवश्यक सहायता का प्रावधान
2006-08	बैंक ऑफ घाना के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम
	परंपरागत उद्योगों के लिए निधि पुनर्सृजन योजना (स्फूर्ति)हथकरघा ,, हस्तशिल्प क्लस्टरों के लिए हैंड होल्डिंग।
2008	नई दिल्ली में सूक्ष्मलघु एवं मध्यम उद्यम क्लस्टर विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला का , आयोजन
	भारत-अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन के अग्रदूत के रूप में अफ्रीका की महिला अधिकारियों के लिए आउटरीच कार्यक्रम।
2008-15	एनबीसीएफडीसी की विभिन्न राज्यों में जारी योजनाओं का मूल्यांकन अध्ययन
2008-09	बांग्लादेश लघु एवं कुटीर उद्योग निगम (बीएससीआईसी) के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम
2009-10	बौद्धिक संपदा अधिकार सुविधा केन्द्र (आईपीएफसी) की स्थापना
	सूक्ष्मलघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की एटीआई योजना के अंतर्गत कार्यक्रमों का आयोजन ,
	आवास एवं शहरी गरीबी निर्मूलन मंत्रालय (एमएचयूपीए), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित अनुसंधान अध्ययनों का निष्पादन
2010-11	हस्तशिल्प में पारंपरिक चित्रों के लिए संसाधन केंद्र की स्थापना

2012-13	भवन और अन्य निर्माण संबंधी पंजीकृत श्रमिकों के लिए कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम
	भारत-अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन के अंतर्गत अफ्रीकी समुदाय के लिए खाद्य प्रसंस्करण पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन
2013-14	राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता संस्थान के कार्यक्रम।
	स्वर्णोत्सव समारोह का आयोजन ।
	विकास आयुक्त (सूक्ष्मलघु और मध्यम उद्यम ,) द्वारा प्रायोजित "निर्यात प्रोत्साहन" (पैकेजिंग और निर्यात के बारे में प्रशिक्षण कार्यक्रमकार्यक्रम (का मूल्यांकन।
2015-16	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (एससीएम) पर जूनियर कमिश्नड ऑफिसरों / अन्य रैंक के लिए सेवानिवृत्त सैनिकों (रक्षा कार्मिक) के लिए पुनर्वास उद्यमिता प्रशिक्षण।
	सौर ऊर्जा पर उद्यमिता / कैरियर उन्मुख प्रशिक्षण।
	पुष्प खेती के बारे में बांग्लादेश की महिला उद्यमियों / किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
	कोलंबो (श्रीलंका), ढाका (बांग्लादेश) और भूटान (नेपाल) में सार्क देशों में मूल्य विरहन बाधाओं एनटीबी) और मूल्य विरहण प्रावधान (एनटीएम) माहौल की बाधाओं)(एनटीबी) पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण।
2016-17	लाइवलीहुड बिजिनेस इन्क्यूबेशन की स्थापना की गई।
	माल एवं सेवा कर जी)एसटी प्रकोष्ठ की स्थापना (की गई।
18-2017	उद्यमिता एवं उद्यमिता विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा डीड) प्रकोष्ठ की स्थापना की -पीजी) गई।
	उद्यमिता विकास कोष्ठ की स्थापना की गई।ईडी) प्र)
	अनुसूचित जाति / जन जाति के उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण ।
19-2018	सर्वोत्कृष्ट लम्बी अवधि का प्रशिक्षण कार्यक्रम पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन एन्ट्रेप्रेन्युअरशिप एण्ड एटरप्राइज डेवलपमेंट (पीजीडीड)
	तेलंगाना शेड्यूल्ड कास्ट्स को ,(ऑपरेटिव डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि. (टीएससीसीडीसीएल-तेलंगाना सरकार द्वारा प्रायोजित अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
	निम्समे की ओर से लगभग क्लस्टरों में हस्तक्षेप तथा विकास का कार्य किया गया 125
	शोषित समुदाय के युवाओं के लिए व्यावसायिक रुचि की तलाश के लिए पहली बार 'दिशा' नामक पेटेंट के लिए आवेदन किया गया।
2019-20	अकादमिक शिल्प कौशल के लिए डेनिश कंसोर्टियम के साथ समझौता (डीसीएसी)
	सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सिपेट) के साथ समझौता
	आईआईएम, त्रिची, आईआईएफटी, कोलकाता के प्रमुख संस्थानों के साथ रणनीतिक गठबंधन।
	नाटोनल कैश ट्रांसफर ऑफिस (एनसीटीओ) नाइजीरिया की संघ सरकार के साथ, 'सेव दि चिल्ड्रन' अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण योजना के तहत सरकारी अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण और हस्तक्षेप।
2020-21	ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी प्रोग्राम
	लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) के माध्यम से ऑनलाइन एक्सट्रेप्रेन्योरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स
	वेबिनार की श्रृंखला

वित्तीय रिपोर्ट

एम.वी. नारायण रेड्डी एण्ड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स

<u>लेखा परीक्षकों की स्वायत्त रिपोर्ट</u>

सेवा में,

सदस्य, राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान

वित्तीय लेखा परीक्षण संबंधी बयानों पर रिपोर्ट

हमारी राय

हमने **राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे)** (**'संस्थान'**) के संलग्न विवरण का लेखा परीक्षण किया है। इसमें 31 मार्च 2021 तक का तुलन-पत्र, समाप्त वित्त वर्ष संबंधी आय और व्यय की तालिकाओं एवं भुगतान तथा प्राप्तियों की रसीदों के साथ वित्तीय विवरण संबंधी टिप्पणियों, जिनमें लेखा परीक्षण संबंधी महत्वपूर्ण नीतियों का सारांश के अतिरिक्त अन्य विश्लेषणात्मक जानकारी (जिसका इस रिपोर्ट में **"वित्तीय विवरण"** के रूप में उल्लेख किया गया है) भी शामिल हैं।

हमारी राय में हमें दी गई सर्वोत्कृष्ट सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार उपरोक्त वित्तीय विवरण संबंधित अधिनियम के अनुसार आवश्यक जानकारी देने के साथ ही भारत में आम तौर पर स्वीकार्य लेखा परीक्षण के सिद्धांतों के अनुरूप स्पष्ट और यथार्थ सूचनाएँ प्रस्तुत करता है :

ए. तुलन-पत्र के अनुसार 31 मार्च 2021 तक की संस्थान की विभिन्न मामलों की स्थिति।

बी. वर्ष की समाप्ति की तिथि पर आय और व्यय के बारे में, आय से अधिक व्यय के बारे में।

सी. प्राप्तियों और भुगतान संबंधी विवरण के बारे में, वर्ष के समाप्ति की तिथि पर प्राप्तियों और भुगतान के बारे में।

राय का आधार

हमने अपना लेखा परीक्षण कार्य इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी किये गये लेखा परीक्षण मानकों (एसएएस) के अनुरूप पूरा किया है। उन मानकों के अनुसार हमारी ज़िम्मेदारियों की जानकारी हमने अपनी रिपोर्ट के वित्तीय विवरण खंड डमें लेखा परीक्षण और वित्तीय विवरण संबंधी लेखा परीक्षकों की ज़िम्मेदारी शीर्षक के अन्तर्गत अगले पृष्ठों पर स्पष्ट की हैं। आईसीएआई द्वारा जारी संहिता और आचार

नीति के अनुसार हम हम स्वायत्त व्यवस्था हैं, साथ ही हमने वित्तीय विवरण के अपने लेखा परीक्षण के लिए उचित नीतिपरक आवश्यकताओं की पूर्ति की हैं साथ ही हमने इन आवश्यकताओं के अनुरूप तथा नीति संहिता के अनुसार हमारी नैतिक ज़िम्मेदारियों को भी पूरा किया है। हमें विश्वास है कि लेखा परीक्षण के लिए हमने जो भी प्रमाण प्राप्त किये हैं, वह उनके आधार पर हमारी राय का निर्धारण करने के लिए पर्याप्त और सटीक हैं।

वित्तीय विवरण के बारे में प्रबंधन की ज़िम्मेदारी

संस्थान का प्रबंधन का उत्तरदायित्व है कि वह संस्था से संबंधित वित्तीय लेन-देन का विवरण उपलब्ध कराएँ, जिससे संस्थान की वित्तीय स्थिति तथा कार्य-प्रदर्शन के बारे में सही और न्यायोचित जानकारी प्राप्त हो सके, जो आईसीएआई द्वारा जारी किये गए लेखा मानकों सहित भारत में सामान्य तौर पर स्वीकार्य लेखा परीक्षा मानदंडों के अनुरूप हो। इस ज़िम्मेदारी में संस्थान की परिसंपत्तियों को महफ़ूज़ रखने के लिए पर्याप्त दस्तावेजों का रखरखाव, भ्रष्टाचार या फिर अन्य अनियमितताओं से युक्त गतिविधियों की रोकथाम करने के साथ उनकी पहचान के लिए लेखा परीक्षण से संबंधित समुचित दस्तावेज़ों का रख-रखाव करना शामिल होता है। साथ ही योग्य लेखा नीतियों का चयन करना, न्यायोचित निर्णय लेना और तर्कसंगत आकलन तैयार करने के साथ लेखा दस्तावेज़ों को विशुद्ध एवं परिपूर्ण बनाए रखने के लिए अंतर्गत वित्तीय नियंत्रणों का रखरखाव करना का भी अनिवार्य होता है। इसी तरह अंतर्गत वित्तीय नियंत्रणोंका कार्यान्वियन और रखरखाव भी करना होता है, जिसका हम लेखा परीक्षण संबंधी दस्तावेजों की सटीकता तथा परिपूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से उपयोग कर रहे हैं, जो वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक हैं ताकि अनियमितता या फिर त्रुटी के कारण गुमराह करने वाले गलत विवरणों से रहित यथार्थ और स्पष्ट स्थिति का पता चल सके।

वित्तीय लेन-देन संबंधी तालिकाएँ तैयार करते समय प्रबंधन अपना व्यवसाय जारी रखने की अपनी क्षमता का मूल्यांकन करने के साथ ही आवश्यक पहलुओं के बारे में विवरण देने, अपने व्यवसाय से संबंधित मामलों की जानकारी देने तथा अपने व्यवसाय के स्वरूप के आधार पर लेखा परीक्षण करने के लिए तब तक जिम्मेदार रहता है, जब तक वह संस्था की संपत्तियों की बिक्री करने के लिए बाध्य नहीं होता, संस्था का संचालन पूरी तरह बंद नहीं करता या फिर ऐसा करने के लिए उसके पास अन्य कोई यथार्थवादी विकल्प उपलब्ध नहीं होता।

संस्था की वित्तीय रिपोर्ट प्रक्रिया का निरीक्षण करने करने की जिम्मेदारी संस्थान के सक्षम अधिकारियों की होती है।

वित्तीय घोषणाओं के बारे में लेखा परीक्षकों की ज़िम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी वह न्यूनतम सुनिश्चितता को कायम करना है, कि प्रस्तुत किया गया वित्तीय विवरण किसी भी तरह के भ्रष्टाचार अथा त्रुटी से मुक्त है या नहीं। हमें इस बारे में समुचित प्रमाण प्राप्त कर लेखा परीक्षण के बारे में हमारी राय भी देनी होती है। न्यूनतम सुनिश्चतता एक उच्चस्तर का आश्वासन मात्र है, और इसकी कोई गारंटी नहीं होती कि मानकों के आधार पर किया गये लेखा परीक्षण से भ्रष्टाचार अथवा जालसाजी से परिपूर्ण विवरण की पहचान करेगा ही। गलत विवरण किसी तरह के भ्रष्टाचार अथवा त्रुटी के कारण दिया जा सकता हैं और उन पर तभी विचार किया जा सकता है, जब वह व्यक्तिगत या फिर सामूहिक रूप से इन वित्तीय विवरणों के आधार पर आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की संभावना रखते हों।

लेखा परीक्षण मानकों के अनुसार लेखा परीक्षण के अन्तर्गत हमने सम्पूर्ण लेखा परीक्षण के दौरान पेशेवर न्यायवादिता और पेशेवर संदेहवादिता का उपयोग किया है। साथ ही हमने :

किसी भ्रष्टाचार अथवा त्रुटी के कारण दिये गये गलत बयानों की जोखिमों को पहचान कर उनका आकलन करने, उन जोखिमों के बारे में प्रतिक्रियाशील लेखा परीक्षण प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार कर उनका उपयोग करने और लेखा परीक्षण के बारे में हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने वाले पर्याप्त और समुचित प्रमाण जुटाने का प्रयास किया है। किसी भ्रष्टाचार अथवा त्रुटी के फलस्वरूप दी गई गलत बयानबाज़ी का पता नहीं लगाने का जोखिम किसी एक व्यक्ति पर त्रुटी के कारण होने वाले प्रभाव से कहीं अधिक होता है, क्योंकि भ्रष्टाचार में मिलीभगत, धोखाधड़ी, अन्तर्गत चूक, गलत बयानबाज़ी अथवा अन्तर्गत नियंत्रणों पर हावी होना हो सकता है।

अन्तर्गत नियंत्रणों के बारे में जानकारी प्राप्त करना समुचित परिस्थितियों में लेखा परीक्षण प्रक्रिया की रूपरेखा बनाने के लिए आवश्यक होता है। संस्था की अन्तर्गत प्रभावशीलता के बारे में कोई राय व्यक्त करने के लिए नहीं।

प्राप्त किये गये लेखा दस्तावेजों के आधार पर व्यवसाय के बारे में प्रबंधन की उपयोगिता सटीकता संबंधी यह निष्कर्ष निकालना कि कहीं मुहैया कराए गए दस्तावेजों में विभिन्न गतिविधियों संबंधी बताए गए आंकड़े अवास्तविक तो नहीं हैं या फिर ऐसी कुछ गतिविधियों को तो अंजाम नहीं दिया गया है, जो अपना व्यवसाय जारी रखने की संस्थान की योग्यता पर संदेह उत्पन्न करती हो।

हम लेखा परीक्षण के दौरान अंतर्गत नियंत्रणों के बारे में पाई जाने वाली महत्वपूर्ण कमियों के साथ ही लेखा संबंधी महत्वपूर्ण नतीजों, लेखा परीक्षण के नियोजित दायरे और समय-सीमा के अतिरिक्त अन्य मामलों के बारे में प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की है।

हमने शासन के सभी संबंधितों को भी तालिकाओं के साथ सूचित किया है कि हमने स्वायत्तता से संबंधित प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का पालन किया है और साथ ही उन्हें सभी प्रकार के संबंधों तथा अन्य मुद्दों के बारे सूचनाएँ प्रदान करने, जो हमारी स्वायत्तता के बनाए रखने के लिए आम तौर पर आवश्यक है एवं जहाँ कहीं वह लागू हो या हमारी सुरक्षा से उनका संबंध हो, उनके बारे में जानकारी दी है।

अन्य वैधानिक तथा नियामक आवश्यकताओं के बारे में रिपोर्ट

हम आगे यह भी स्पष्ट करते हैं कि :

ए. हमने अपने ज्ञान और विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षण के लिए आवश्यक दस्तावेजों तथा सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों की मांग कर उन्हें प्राप्त किया है;

बी. हमारी राय में संस्थान द्वारा कानून के अनुसार आवश्यक उचित दस्तावेज़ रखे गए हैं और लेखा परीक्षण के दौरान वह सभी दस्तावेज़ हमारे समक्ष पेश किये गये, जिनका हमने परीक्षण किया है।

सी. इस रिपोर्ट के साथ संलग्न तुलन-पत्र (बैलेन्स शीट) और आय तथा व्यय संबंधी तालिकाएँ और प्राप्तियाँ तथा भुगतान लेखा दस्तावेजों के मानकों के अनुसार हैं और

डी. हमारी राय में उपरोक्त वित्तीय तालिकाएँ लेखा मानकों के अनुरूप हैं।

कृते एम.वी. नारायण रेड्डी एंड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म रजिस्ट्रेशन नं. 002370एस

वाई. वी. सुब्बा रामी रेड्डी
साझेदार
सदस्यता नं. :218248
यूडीआईएन नं 22 जून 2021

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान

8-3-289/4, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद- 500 045

31 मार्च 2021 तक का तुलन-पत्र

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	2020-21	2019-20
संचित / मूल निधि और देनदारियाँ			
संचित / मूल निधि	1	40,52,73,676	42,35,61,217
आरक्षित निधि और अधिशेष	2	6,59,00,113	7,84,62,077
निश्चित की गई निधि / अक्षय निधि	3	11,63,22,958	23,33,14,905
वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान	4	10,73,85,762	10,80,27,632
कुल		**69,48,82,509**	**84,33,65,831**
परिसंपत्तियाँ			
स्थिर परिसंपत्तियाँ	5	7,38,77,071	7,88,87,144
नगद निधि/ बैंक में जमा निधि	6	47,07,65,383	58,37,16,639
वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ	7	15,02,40,054	18,07,62,048
TOTAL		**69,48,82,508**	**84,33,65,831**
महत्वपूर्ण लेखाकर्म नीतियाँ	16		
लेखा कार्य संबंधी टिप्पणियाँ	17		

हमारी समान तिथि की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम.वी. नारायण रेड्डी एण्ड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म रजि. नं. 002370S

वाई. सुब्बारामी रेड्डी
(साझेदार)
सदस्यता क्रमांक 218248

स्थान : हैदराबाद
तिथि 22 जून, 2021

कृते राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान

एस. ग्लोरी स्वरूपा
महानिदेशक

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान

8-3-289/4, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद 500 045

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष संबंधी आय और व्यय का लेखा

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	2020-21	2019-20
(ए) आय			
अनुदान / रियायतें	8	1,80,24,880	5,62,82,680
शुल्क / ग्राहकी शुल्क	9	3,25,82,623	5,57,14,245
आधारभूत सुविधाओं से आय	10	32,38,469	35,26,384
अर्जित ब्याज	11	2,83,24,665	2,56,82,576
अन्य आय	12	11,93,121	22,44,155
कुल (ए)		**8,33,63,757**	**14,34,50,039**
(बी) व्यय			
कार्यक्रम और परियोजना शुल्क	13	1,66,72,072	3,06,61,448
स्थापना लागत	14	5,87,75,030	6,78,74,563
प्रशासनिक लागत	15	2,11,94,179	6,21,14,409
अवमूल्यन		50,10,017	58,36,394
कुल (बी)		**10,16,51,299**	**16,64,86,814**
शुद्ध आय/ व्यय		(1,82,87,541)	(2,30,36,775)
अप्रयुक्त निधि के खाते में स्थानांतरित		-	-
मूल निधि खाते में स्थानांतरित		(1,82,87,541)	(2,30,36,775)
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	16		
लेखा संबंधी टिप्पणियाँ	17		

हमारी समान तिथि की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान

कृते एम.वी. नारायण रेड्डी एण्ड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म रजि. नं. 002370S

एस. ग्लोरी स्वरूपा
महानिदेशक

वाई. सुब्बारामी रेड्डी
(साझेदार)
सदस्यता क्रमांक 218248

स्थान : हैदराबाद

तिथि 22 जून, 2021

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान
यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500 045

31 मार्च 2021 के अंत तक की प्राप्तियाँ और भुगतान

(Amount in Rs.)

प्राप्तियाँ		As At 31-03-2021	भुगतान		As At 31-03-2021
I. शुरुआती जमा		**23,30,35,924**	**कैपिटल अकाउंट**		**62,00,000**
(बी)बैंकों में जमा राशि :	23,30,12,073		कॉर्पस कैपिटल फंड	62,00,000	
आंध्रा बैंक-IGNOU A/C-22389	11,464		**वर्तमान देनदारियां**		**12,74,80,179**
आंध्रा बैंक-RBF A/c	11,57,108		शुल्क और कर	3,71,046	
आंध्रा बैंक श्रीनगर कॉलोनी	7,67,73,249		जीएसटी देय	3,71,046	
आंध्रा बैंक, एस.आर.नागर	54,939		प्रावधानों	7,19,92,464	
देना बैंक ,163211031007	3,50,343		ऑडिट शुल्क भुगतान योग्य	2,38,836	
एफडीआर-आईडीबीआई, जुबली हिल्स	10,70,00,000		सलाहकार पारिश्रमिक देय	1,60,56,149	
एचडीएफसी बैंक ए/सी	2,75,082		डीसीआरजी पेबल	30,01,924	
आईडीबीआई बैंक, जुबली हिल्स शाखा - A/c No.44758	7,19,535		डॉ गिरिजा बाई	70,670	
इंडियन बैंक - A/c No.6267477511	20,29,500		ईएल पेबल	9,19,971	
एसबीआई, बाल्कमपेट C A/C.30760656383	44,49,535		ईएस-इलेक्ट्रिसिटी शुल्क पेबल	11,51,551	
एसबीआई, बाल्कमपेट SB A/C .31101015388	3,83,27,504		ESE-हाउसकीपिंग पेबल	17,00,013	
एसबीआई येला रेड्डी गुडा C A/C. 10276211377	27,032		ESE-चिकित्सा व्यय PAYBLE	4,05,928	
एसबीआई येला रेड्डी गुडा SB A/C. 10276217992	12,97,387		टीडीएस पर जीएसटी	2,86,060	
यस बैंक A/c - A/c No.51994600000495	5,39,396		एचआरए और अन्य भत्ते	70,332	
नगदी	23,851		एमएसीपी बकाया देय	31,266	
एअरमार्केड एंडोमेंट फंड्स		**3,89,16,300**	श्री- भूमि सजा देय	26,47,015	
अव्यय निधि	3,89,16,300		बाहर खड़े खर्च	52,82,437	
वर्तमान देनदारियां		**3,61,08,491**	कर्मचारियों को वेतन भुगतान	2,46,88,789	
एटीआई इमारतों के लिए अनुदान	3,16,88,333		सलाहकार पर टीडीएस - वेतन	10,91,313	
कर एवं शुल्क	42,120		ठेकेदारों पर टीडीएस	1,67,052	
आउटपुट सीजीएसटी 20-21	21,060		जीएसटी पर टीडीएस शुल्क से काटा	18,500	
आउटपुट एसजीएसटी 20-21	21,060		पेशेवरों पर टीडीएस	8,70,980	
प्रावधानों	12,74,774		कर्मचारियों की कटौती	1,32,93,678	
सलाहकार पारिश्रमिक देय	2,64,306		सीसीएस	13,06,992	
टीडीएस पर जीएसटी	1,27,052		ईपीएफओ	89,40,279	
एचआरए और अन्य भत्ते	5,861		ग्रुप इंश्योरेंस	1,26,311	
लैंड स्कैपिंग देय	640		एलआईसी	9,02,197	
कर्मचारियों को देय वेतन	63,650		पीएलआई	5,244	
पेशेवरों पर टीडीएस	3,21,000		प्रोफेशनल टैक्स	1,70,700	
कर्मचारियों की कटौती	4,92,265		मनोरंजन क्लब	5,400	
निसियत ट्रस्ट का सीपीएफ	4,20,000		वेतन पर टीडीएस	18,27,605	
सामूहिक बीमा	71,265		संयोग	8,950	
यूनियन	1,000		विविध लेनदार	5,36,98,029	

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान
यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500 045

31 मार्च 2021 के अंत तक की प्राप्तियाँ और भुगतान

(Amount in Rs.)

प्राप्तियाँ		As At 31-03-2021	भुगतान		As At 31-03-2021
विविध लेनदार	5,60,264		आकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड	1,28,640	
अमेज़न	6,140		एसी आराम समाधान	28,140	
देवकरीपा इंटरप्राइजेज	22,727		रणचंडी	15,120	
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग	1,23,502		आनंद टूर्स एंड ट्रैवल्स	30,429	
सेज पब्लिकेशनज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	81,294		एएस ग्राफिक्स	1,84,333	
श्री साई पावरकंट्रोल	23,600		अश्विनी कुमार गोयल अकदमिक दीर	63,095	
सुजाता रूपनर, एए	3,00,000		एसेट इंटिग्रेटेड इन्फो सिस्टम्स	9,364	
संकायों	3,000		अटरिया अभिसरण	2,83,116	
करंट देनदारियां और प्रावधान	25,43,000		बाल्मर लॉरी एण्ड कं. लि.	2,28,165	
ईएमडी/सिक्योरिटी डिपॉजिट	21,10,000		बीएसएनएल	3,44,011	
ईएमडी/सिक्योरिटी डिपॉजिट - एटीआई	1,38,000		डॉ जया शेट्टी	20,000	
सुरक्षा जमा प्रतिचुके	2,95,000		ई-मुद्रा	16,280	
वर्तमान संपत्ति		**36,42,98,683**	गरुड़ टेक्नो सॉल्यूशंस	12,898	
साक्षात आय		**4,64,02,349**	जीएनटीएस ग्राफिक्स	600	
शुल्क और ग्राहकी शुल्क	2,18,47,469		होटल सिपाही ग्रांड	88,560	
निर्यात-आयात लॉजिस्टिक और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	8,850		आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कॉम्पैने लिमिटेड	10,127	
एनसीएफएसई फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट (पी) लिमिटेड	2,03,999		आईआईएम तिरुचिरापल्ली	57,60,406	
परामर्श सेवा-अन्य परियोजनाएँ	84,600		भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, कोलकत्ता	50,50,400	
आईपीएफसी-आवेदन शुल्क	74,100		इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग	49,400	
बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र	10,500		जगन्नाथ कला	15,812	
अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	4,270		कल्याणी संचार	4,44,809	
आईपीएफसी शुल्क	5,000		कामथम कम्युनिकेशंस	2,535	
राष्ट्रीय प्रायोजित सामान्य कार्यक्रम	2,15,29,375		कप्स्टन फैसिलिटी मैनेजमेंट लिमिटेड	9,86,302	
एनएसजी - गेस्ट फैकल्टी मानदेय	3,000		कोहिनूर बुक डिस्ट्रीब्यूटर	65,273	
राष्ट्रीय प्रायोजित कार्यक्रम	2,15,26,375		के प्रेम स्वरूप रेड्डी	3,000	
सेमिनार और कार्यशालाएँ	11,375		केआरपीसी एंटरप्राइजेज	5,64,111	
एस डब्ल्यू-केवीआई-कार्यशालाएँ	9,125		के.वी.रमण मूर्ति	2,36,482	
सेमिनार और कार्यशालाएँ-जे के आर	2,250		के.वी.एस.कैब्स	58,666	
अनुदान और सब्सिडी	2,45,54,880		लक्ष्मी स्वच्छता	27,094	
अप्रत्यक्ष आय		**1,15,85,328**	एम गुंशेखर एनबीसीएफडीसी	53,810	
अर्जित ब्याज	1,13,90,669		मोहाना लक्ष्मी एनबीसीएफडीसी	39,909	
एफडीआरएस एबी एसआरनगर पर इंटरएसेंट	1,145		एमपी एंटरप्राइजेज	2,240	
इंट्रेस्ट्सन एफडीआर एबी श्रीनगर	3,27,646		मेसर्स कॉग्नोलैब्स सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	35,100	
हितों को एनएफडीआर-आईडीबीआई	11,03,860		मेसर्स डिजिटेक पेरिफेरल्स, हैदराबाद	16,29,915	
एफडीआर-एसबीआई पर ब्याज	6,38,132		मेसर्स फायरस्ट	28,898	
केवीबी एफडीआर पर ब्याज	4,88,680		मेसर्स जुबिल हिल्स फिलिंग स्टेशन	47,972	

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान
यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500 045

31 मार्च 2021 के अंत तक की प्राप्तियाँ और भुगतान

(Amount in Rs.)

प्राप्तियाँ		As At 31-03-2021	भुगतान		As At 31-03-2021
एसबी खातों पर ब्याज	6,90,576		मेसर्स कोनिकी एसोसिएट्स	41,625	
एफडीआर-इंडियन बैंक पर मिला ब्याज	67,74,347		मेसर्स केवाईटी आईटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	15,561	
आरबीएफसी एफडीआर पर मिला ब्याज	6,37,475		मेसर्स एलएन आउटसोर्स्स प्राइवेट लिमिटेड	9,25,911	
यस बैंक पर मिला ब्याज	7,28,808		मेसर्स फोटॉन एंटरप्राइजेज	4,425	
अन्य आय	1,94,659		मेसर्स चश्मे होस्पाटलिटी सर्विसेज	9,82,301	
क्लस्टर के लिए आवेदन शुल्क	5,500		मेसर्स साई कृष्ण जेरॉक्स	1,12,667	
कॉयर बोर्ड किराया	72,000		मेसर्स सीतारमण फैशन	4,49,246	
एलबीआई रूम रेंट	10,000		मेसर्स शिवा साईं कम्युनिकेशन	29496	
विविध आय	40,195		मेसर्स ट्रेस नेटवर्क एंड इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड	1,75,749	
अन्य आय	66,954		मेसर्स विष्णु एंड कंपनी	41,625	
आरटीआई आवेदन शुल्क	10		नेटकेयर इंटीग्रेशन	46,350	
अप्रत्यक्ष खर्च		**1,07,00,714**	नेटटक इंफ्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड	9,40,953	
महिला दिवस समारोह 20-21	1,00,000		नई प्रक्षाल इलेक्ट्राल सप्लायर्स	4,983	
प्रशासन का खर्च	55,819		एनआईसीएसआई	16,987	
बैंक शुल्क	26,318		एन राजेश्वर राव	5,100	
राजभाषा का निहित (हिंदी)	1,325		देहाती केंद्र NBCFDC	28,600	
ईएमडी निविदा शुल्क	1,000		चश्मे आतिथ्य सेवाएं	25,000	
सामान्य व्यय	12,109		प्रोसियंस बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	10,69,405	
डाक, टेलीफोन और संचार	250		पुष्पक ब्यूटी सेंटर	1,42,905	
मुद्रण और स्थिर	4,316		क्वांटम एंटरप्राइजेज	1,28,502	
मरम्मत और मेनटेंस	10,000		राकेश कुमार पाठक	3,000	
यात्रा और वाहन	500		रमेश। ई	21,323	
डायरेक्ट एक्सपेंडेंस	1,05,29,500		रविन्द्र विश्वनाथ एडवोकेट	14,960	
कार्यक्रम और परियोजना लागत	1,05,29,500		ऋषि पब्लिकेशनज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	2,33,000	
स्थापना लागत	15,395		शंकर मेटल हैंडीक्राफ्ट	4,172	
भत्ता और बोनस	770		श्री ओम शिवा साईं	19,000	
कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और टर्मिनल बेन का खर्च	14,625		सिलिकॉन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	42,78,279	
क्लोजिंग बैलेंस		**30,000**	सिंगर इंडिया लिमिटेड	78,570	
बैंक खाते	30,000		श्री स्थिर	2,465	
आंध्रा बैंक श्रीनगर कॉलोनी	30,000		श्रीेश्वर इंटरप्राइजेज	7,65,000	
			श्रीनिवास, एनएसआईसी	4,000	
			श्री साई पावरकंट्रोल	23,600	
			स्टिकर सॉफ्ट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड	15,930	
			सुजाता रूपनर, एए	3,00,000	
			सस कॉटन क्लस्टर, पुणे	1,97,40,000	
			सैयद निसार मेहदी (फोटो ग्राफर)	10,620	
			टी हनुमंत रेड्डी	10,800	

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान
यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500 045

31 मार्च 2021 के अंत तक की प्राप्तियाँ और भुगतान

(Amount in Rs.)

प्राप्तियाँ		As At 31-03-2021	भुगतान		As At 31-03-2021
			टीयूवी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	25,920	
			उदय न्यूज पेपर एजेंट	4,609	
			विनय कुमार ओडीओपी कंसल्टेंट	55,950	
			वेबेक्स एंटरप्राइजेज ऑटोमेशन	22,727	
			जेनपाक कंप्यूटर्स और पेरिफेरल्स	61,95,000	
			संकायों	1,16,700	
			क्यूरेंट देनदारियां और प्रावधान	6,62,750	
			ईएमडी//सिक्योरिटी डिपॉजिट	6,12,750	
			सुरक्षा जमा प्रतिचुके	50,000	
			अन्य वर्तमान देनदारियां	7,55,890	
			एआइटी के तहत शीर्ष कार्यक्रम	7,55,890	
			वर्तमान संपत्ति		**35,90,18,139**
			प्रत्यक्ष आय		**3,05,792**
			फीस और सब्सक्रिप्शन	3,00,392	
			कंसल्टेंसी-अन्य परियोजनाएं	2,93,000	
			बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र	2,93,000	
			राष्ट्रीय प्रायोजित सामान्य कार्यक्रम	1,392	
			एनएसजी - सामान्य खर्च	1,392	
			सेमिनार और काम की दुकान	6,000	
			शुल्क - सेमिनार/कार्यशाला	6,000	
			बुनियादी सुविधाएं	5,400	
			बीएंडएल शुल्क प्राप्तियां	5,400	
			अप्रत्यक्ष आय		**2,400**
			पत्रिकाओं के लिए सदस्यता	2,400	
			अप्रत्यक्ष खर्च		**13,88,73,840**
			खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय	1,05,000	
			प्रशासन का खर्च	21,28,675	
			बैंक शुल्क	66,027	
			मेसर्स केंद्रीय भंडार	54,054	
			पूजा का खर्च	7,400	
			ईएमडी निविदा शुल्क	1,72,680	
			सामान्य व्यय	76,109	
			डाक, टेलीफोन और संचार	50,747	
			किराया दरें और कर	14,94,634	
			मरम्मत और मेनटेंस	1,94,067	
			यात्रा और वाहन	12,958	
			डायरेक्ट एक्सपेंडेंस	13,57,46,342	
			स्थापना लागत	3,40,769	
			बच्चों की शिक्षा शुल्क देय	2,75,769	

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान
यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500 045

31 मार्च 2021 के अंत तक की प्राप्तियाँ और भुगतान

(Amount in Rs.)

प्राप्तियाँ		As At 31-03-2021	भुगतान		As At 31-03-2021
			कर्मचारियों की वर्दी	65,000	
			कार्यक्रम और परियोजना लागत	13,54,05,573	
			स्थापना लागत	8,39,823	
			बीमा	3,92,558	
			भत्ता और बोनस	2,16,814	
			कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और टर्मिनल बेन का खर्च	2,30,451	
			अतिथि संकाय मानदेय	54,000	
			A. युवाराजू जीएफ-0192	1,000	
			बी.मल्लिकार्जुन गुप्ता जीएफ-0176	5,000	
			B Saseendran GF-0182	2,000	
			धर्मेंद्र कुमार स्पो ट्र्स,सीसीएमबी	1,500	
			डॉ रजना नीरदी जीएफ-0187	1,000	
			डी जितेंद्र राव जीएफ-0169	1,000	
			गौरव मधु जीएफ-0177	1,000	
			आईआईपी, हैदराबाद जीएफ-0172	1,000	
			जॉय जोसेफ GF-0180	2,000	
			किशोर कुमार झा जीएफ- 0174	1,000	
			एल नरसिंह मूर्ति जीएफ-0186	1,000	
			महंतेश शिरूर जीएफ-0191	1,000	
			एम भुजंगा राव जीएफ-0164	1,000	
			एम एन रेड्डी (डीआईआर मैनेज)	1,500	
			एम युगांधर रेड्डी	1,000	
			नागराजू मांडली GF0168	6,000	
			नंदुरू नटराज जीएफ-0185	1,000	
			प्रवीण कुमार जीएफ-0175	2,000	
			पीएसएन मूर्ति- जीएसएफ- 0100	3,000	
			पी एस संपत जीएफ-0171	1,000	
			राजन टी नायर जीएफ-0181	2,000	
			रामनाथन वेंकट कृष्णन जीएफ-0160	3,000	
			सागर देशमुख जीएफ-0190	2,000	
			सरवनन राज जीएफ-0189	1,000	
			सिजुमैथ्यू जीएफ-0179	2,000	
			श्रीनिवास केशवरापू जीएफ-0170	2,000	
			सुरेश देवतकाल जीएफ-0184	1,000	
			वेंकट रेड्डी लिंगम जीएफ-0173	3,000	
			यज्ञशाला सत्यनारायण मूर्ति	3,000	

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान
यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500 045

31 मार्च 2021 के अंत तक की प्राप्तियाँ और भुगतान

(Amount in Rs.)

प्राप्तियाँ		As At 31-03-2021	भुगतान		As At 31-03-2021
			क्लोजिंग बैलेंस		**10,91,97,438**
			बैंक खाते	10,91,22,956	
			एफडीआर-आईडीबीआई, जुबली हिल्स	5,84,68,327	
			एचडीएफसी बैंक ए/सी	2,83,574	
			आईडीबीआई बैंक, जुबली हिल्स शाखा- ए/सी नंबर 44758	22,55,898	
			इंडियन बैंक- ए/सी नंबर 6267477511	13,01,007	
			आरबीएफ ए/सी यूनियन बैंक ऑफ इंडिया-ए/सी नंबर 05221010002125	11,59,514	
			एसबीआई, बलकामपेट सी ए 30760656383	3,64,75,639	
			एसबीआई, BALKAMPET SB A/C.31101015388	51,87,972	
			एसबीआई येल्ला रेड्डी गुडा सी ए/सी 10276211377	26,383	
			एसबीआई येल्ला रेड्डी गुडा एसबी ए/सी 10276217992	19,938	
			यू बी आई श्रीनगर कॉलोनी - 054311011101064	26,86,683	
			यू बी आई एस आर नगर-ए/सी नंबर 052210011045	24,829	
			यस बैंक ए/सी-ए/सी नंबर 519946000000495	12,33,191	
			कैश-इन-हैंड	74,482	
कुल		**74,10,77,788**	**कुल**		**74,10,77,788**

हमारी समान तिथि की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम.वी. नारायण रेड्डी एण्ड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म रजि. नं. 002370S

कृते राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान की ओर से

वाई. सुब्बारामी रेड्डी
(साझेदार)
सदस्यता क्रमांक 218248

एस. ग्लोरी स्वरूपा
महानिदेशक

स्थान : हैदराबाद
तिथि 22 जून, 2021

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थानENTERPRISES
8-3-289/4, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद -500 045
31 मार्च 2021 तक के तुलन-पत्र की अनुसूचियाँ

अनुसूची 1 - संचित निधि / पूँजीगत निधि : **(Amount in Rs.)**

विवरण	2020-21		2019-20	
वर्ष की शुरुआत में शेष जमा राशि	42,35,61,217		44,65,97,992	
बढ़त : आरक्षित निधि से स्थानांतरित	-		-	
बढ़त : अव्ययित राशि से स्थानांतरित (स्फूर्ति),	-		-	
बढ़त : सामान्य आरक्षित निधि से स्थानांतरित,	-		-	
कमी: वर्तमान वर्ष का नुकसान	(1,82,87,541)		(2,30,36,775)	
वर्षांत के समय शेष जमा राशि		**40,52,73,676**		**42,35,61,217**

अनुसूची 2(ए) - आरक्षित निधि एवं अधिशेष :

विवरण	2020-21		2019-20	
1. पूँजीगत आरक्षित निधि (भूमि - अनुदान)	92,92,139		92,92,139	
बढत- एलबीआई संयंत्र एवं मशीनरी	-		-	
		92,92,139		**92,92,139**
2. विशेष आरक्षित निधि :	-		-	
कमी : पूँजीगत निधि को स्थानांतरित	-		-	
		-		-
3. सामान्य आरक्षित निधि :	-		-	
बढ़त : वर्ष का शुद्ध अधिशेष	-		-	
कुल	-		-	
कमी : पूँजीगत निधि को स्थानांतरित	-	-	-	-
कुल - 2(ए)		**92,92,139**		**92,92,139**

अनुसूची 2 (बी) - पूँजीगत अनुदान :

विवरण	2020-21		2019-20	
एमएसएमई मंत्रालय, इंफ्रास्ट्रक्चर	6,91,69,938		3,18,60,000	
कम: एआइटी बिल्डिंग के लिए चल रहे सिविल कार्य	(4,42,50,297)		(10,57,862)	
जोड़ें: एटीआई इमारतों से अनुदान	3,16,88,333		3,83,67,800	
कुल - 2(बी)		5,66,07,974		6,91,69,938
कुल - 2		**6,59,00,113**		**7,84,62,077**

31 मार्च 2021 तक के तुलन-पत्र की अनुसूचियाँ

अनुसूची 3- सुनिश्चित निधि / दान निधि :

विवरण	2020-21		2019-20	
अव्ययित अनुदान				
आंध्र प्रदेश सरकार, हर्बल नर्सरी	4,42,448		4,42,448	
संकाय विकास कार्यक्रम के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी	1,75,000		1,75,000	
सू.ल.म. उद्यम मंत्रालय द्वारा (स्फूर्ति)	9,00,55,510		20,70,47,457	
अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा (एमएएनएएस)	2,56,50,000		2,56,50,000	
Total		**11,63,22,958**		**23,33,14,905**

अनुसूची 4 - वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान

विवरण	2020-21		2019-20	
ए. वर्तमान देनदारियाँ				
अन्य वर्तमान देनदारियाँ	7,10,12,501		6,85,67,234	
कुल (ए)		**7,10,12,501**		**6,85,67,234**
बी. प्रावधान :				
1. उपादान आरंभिक जमा राशि	2,00,09,669		2,00,09,669	
बढ़त : वर्ष के लिए प्रावधान	30,01,924		49,12,045	
कमी : आरबीएफसी को भुगतान	30,01,924	2,00,09,669	49,12,046	2,00,09,669
2. अर्जित अवकाश नगदीकरण शुरुआती जमा	1,31,62,944		1,31,62,944	
बढत : वर्ष के लिए प्रावधान	10,68,080		29,28,933	
कमी : आरबीएफसी को भुगतान	9,19,971	1,33,11,053	29,28,933	1,31,62,944
3. अन्य प्रावधान	30,52,540	30,52,540	47,96,019	47,96,019
शुल्क और कर				
सीजीएसटी आउटपुट	-		14,932	
आईजीएसटी आउटपुट	-		18,39,908	
एसजीएसटी आउटपुट	-	-	(3,63,073)	14,91,767
कुल बी		**3,63,73,262**		3,94,60,399
कुल (ए + बी)		**10,73,85,762**		**10,80,27,632**

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उदयम संस्थानENTERPRISES
8-3-289/4, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद -500 045

31 मार्च 2021 तक के तुलन-पत्र की अनुसूचियाँ

अनुसूची 6 - नगद और नगद समतुल्य

विवरण	2020-21		2019-20	
ए. सावधि निधि	36,15,97,945	**36,15,97,945**	45,76,82,149	**45,76,82,149**
बी. बैंकों में जमा राशि				
चालू खाते में:	9,99,70,343		8,55,59,806	
बचत खातों में	91,22,613		4,04,50,833	
कुल बी		**10,90,92,956**		**12,60,10,639**
सी. नगद जमा राशियाँ	74,482	**74,482**	23,851	**23,851**
कुल (ए+बी+सी)		**47,07,65,383**		**58,37,16,639**

अनुसूची 7 - वर्तमान परिसम्पत्तियाँ और पेशगियाँ

विवरण	2020-21		2019-20	
ए. विविध कर्जदार (अन्य)	1,76,55,567	**1,76,55,567**	4,52,76,441	**4,52,76,441**
बी. अनुदान की प्राप्य राशियाँ	8,22,58,545	**8,22,58,545**	9,78,93,554	**9,78,93,554**
सी. ऋण /पेशगियाँ और अन्य परिसंपत्तियाँ				
1. ऋण				
एलटीसी पेशगियाँ	57,622		31,317	
त्योहार पेशगियाँ	10,885		12,150	
		68,507		**43,467**
2. पेशगियाँ				
कार्यक्रम पेशगियाँ	8,45,897		6,92,985	
शैक्षिक यात्रा पेशगियाँ	39,774		2,01,399	
अस्थायी पेशगियाँ	3,81,035		5,21,573	
यात्रा पेशगियाँ	2,77,325		2,75,141	
ईपीएफ ऋण	80,529		3,27,291	
एटीआई भवन निर्माण के लिए अग्रिम	1,86,46,546			
		2,02,71,106		**20,18,389**
3. जमा राशियाँ				
सेवाशुल्क न्यायाधिकरण के पास जमा	1,78,90,911		1,78,90,911	
न्यायालयीन अपीलों के लिए जमा	3,18,525		3,18,525	
जमा (निविदाओं के लिए)	7,10,000		6,10,000	
आंध्र प्रदेश ट्रान्सको	6,52,235		6,52,235	
दूरसंचार	43,481		43,481	
जल कार्य	33,186		33,186	
		1,96,48,338		**1,95,48,338**

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थानENTERPRISES
8-3-289/4, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद -500 045

31 मार्च 2021 तक के तुलन-पत्र की अनुसूचियाँ

4. प्राप्त ब्याज				
i) निवेशित राशि पर	12,37,996		2,34,522	
ii) अन्य	-	**12,37,996**	-	**2,34,522**
5. अन्य				
टीडीएस प्राप्य राशि	44,93,425		16,50,114	
Income tax Refund Receivable	46,06,571		1,40,16,717	
जीएसटी पर प्राप्य टीडीएस	-		30,948	
		90,99,996		**1,56,97,779**
6. प्रीपेड व्यय				
बीमा	-	**-**	49,559	**49,559**
Total		**15,02,40,054**		**18,07,62,048**

31.03.21 को समाप्त वर्ष की आय और व्यय की अनुसूची

अनुसूची 8 - अनुदान / रियायतें

विवरण	2020-21		2019-20	
(स्थिर अनुदान राशियाँ औप प्राप्त रियायतें)				
1) केंद्र सरकार	1,80,24,880		5,62,82,680	
2) राज्य सरकारें	-		-	
4) सरकारी एजेंसियाँ /मंत्रालय/ विभाग, राज्य सरकारी विभाग..	-		-	
कुल		**1,80,24,880**		**5,62,82,680**

अनुसूची 9 - शुल्क / ग्राहकी शुल्क

विवरण	2020-21		2019-20	
वार्षिक शुल्क /ग्राहकी शुल्क	-		6,64,966	
घोषित राष्ट्रीय कार्यक्रम	5,47,713		30,30,386	
राष्ट्रीय प्रायोजित कार्यक्रम	2,71,86,859		3,69,48,232	
सहयोगी कार्यक्रम	-		1,25,45,517	
संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ	-		7,33,881	
बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र सदस्यता और भराई	1,81,000		1,42,880	
पीजी डीडी कार्यक्रम के लिए आवेदन शुल्क	-		6,183	
निर्यात-आयात रसद और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	8,850		-	
सलाहकार अन्य परियोजनाएं	28,60,400			
शुल्क-आईटी कार्यक्रम	4,34,838			
एनसीएफएससी - फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट	2,03,999			
ओडीओपी सलाहकार परियोजना	-		16,42,200	
वेबिनार कार्यक्रमों से शुल्क	3,47,582			
घोषित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम शुल्क	8,11,382		-	
कुल		**3,25,82,623**		**5,57,14,245**

अनुसूची 10 - आधारभूत संरचना सुविधाएँ

विवरण	2020-21		2019-20	
आवास सुविधा एवं खान-पान प्राप्तियाँ	32,38,469		35,26,384	
कुल		**32,38,469**		**35,26,384**

अनुसूची 11- अर्जित ब्याज

विवरण	2020-21		2019-20	
1) शेड्यूल्ड बैंकों में जमा राशि				
ए) मियादी जमा	2,76,34,089		2,54,77,651	
बी) बचत खाते	6,90,576		2,04,925	
कुल		**2,83,24,665**		**2,56,82,576**

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थानENTERPRISES
8-3-289/4, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद -500 045

31.03.2021 को समाप्त विच्च वर्ष में आय और व्यय को दर्शाती अनुसूची

अनुसूची 12 - अन्य आय

विवरण	2020-21		2019-20	
लाइसेंस शुल्क	54,860		62,244	
आयकर वापसी पर ब्याज	-		10,69,502	
किराया आय	53,740		68,000	
अन्य आय	10,84,521		10,25,009	
विविध आय	-		19,400	
जल और बिजली संबंधी प्राप्तियाँ	-		-	
कुल		**11,93,121**		**22,44,155**

अनुसूची 13 - कार्यक्रम और परियोजना शुल्क

विवरण	2020-21		2019-20	
घोषित राष्ट्रीय कार्यक्रम	6,94,810		9,13,362	
प्रायोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम	1,58,53,341		75,61,673	
अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	-		2,12,39,267	
संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ	1,10,457		15,750	
परामर्श परियोजनाएँ	13,464		9,31,396	
कुल		**1,66,72,072**		**3,06,61,448**

अनुसूची 14 - स्थापना शुल्क

विवरण	2020-21		2019-20	
ए) वेतन भुगतान और मजदूरी	4,97,00,536		4,86,76,465	
बी) भत्ते और बोनस	12,36,067		59,47,233	
सी) भविष्य निर्वाह निधि में योगदान	30,82,713		50,95,724	
डी) कर्मचारियों के कल्याण पर व्यय	4,69,885		3,81,663	
इ) कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवा समाप्ति लाभ पर व्यय	42,85,830		77,73,478	
कुल		**5,87,75,030**		**6,78,74,563**

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उदयम संस्थानENTERPRISES
8-3-289/4, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद -500 045

31.03.2021 को समाप्त विच्च वर्ष में आय और व्यय को दर्शाती अनुसूची

अनुसूची 15 - प्रशासनिक लागत.

विवरण	2020-21		2019-20	
विज्ञापन और प्रचार लागत	4,32,213		8,79,497	
निविदा दस्तावेजो की खरीदी	-		7,000	
बिजली और ऊर्जा	10,83,605		32,28,888	
जल शुल्क	47,86,757		51,42,583	
ईएमडी निविदा शुल्क	1,76,680		1,10,000	
मरम्मत और रखरखाव	53,46,620		51,68,749	
किराया, मूल्य और करो का भुगतान	14,92,290		66,46,838	
वाहन खर्च और रखरखाव	1,65,568		21,00,508	
डाक, दूरसचार और सचार लागत	5,71,232		11,32,449	
छपाई और स्टेशनरी	5,71,439		20,67,554	
फोटो और वीडियो शुल्क	2,04,558			
पूजा खर्च	7,400		14,900	
यात्रा और परिवहन	1,23,398		43,13,797	
आईएसओ प्रमाणन शुल्क	99,000		3,49,933	
शुल्क पर व्यय (सेन्डॉक)	2,50,116		12,46,631	
पेशेवर शुल्क	2,27,231		3,89,806	
नेशनल एससी/एसटी हब	-		91,61,700	
ओडीओपी परियोजना पर व्यय	-		87,039	
डीसीएसी व्यय	-		45,040	
वैधानिक लेखा परीक्षण शुल्क	35,000		45,000	
अतिथ्य पर व्यय	27,37,191		1,20,01,766	
व्यवसाय विकास पर व्यय	2,92,848		20,19,797	
सुरक्षा सेवाएँ	18,34,720		20,62,193	
वेबसाइट विकास पर व्यय	32,500		2,55,439	
बीमा	-		1,82,957	
बैंक शुल्क	39,839		57,319	
एमएसएमई इंटरनेशनल डे पर खर्च	-		28,87,930	
सामान्य व्यय	2,19,791		5,328	
अन्य : विधिक व्यय	99,110		-	
राजभाषा (हिन्दी) का कार्यान्वयन	3,65,074		3,98,866	
का.स./शा.स./संस्था की बैठकों पर व्यय	-		1,04,903	
कुल		**2,11,94,179**		**6,21,14,409**

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान
8-3-289/4, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद- 500 045
31 मार्च 2021 को तुलन पत्र का हिस्सा बनाने वाले कार्यक्रम

अनुसूची 5 (ए) - अचल संपत्ति

(राशि रुपए)

विवरण	ग्रॉस ब्लॉक				31.03.2020 तक 31.03.2020 कारण से समायोजित				शुद्ध खंड	
	01.04.2020 तक	जोड	बिक्री/समायोजनj.	31.03.2021 तक	अनुदान	31.03.2020 तक	पूंजी निधि	कुल	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
गैर-योजना										
1. भूमि	7,83,139	-	-	7,83,139	-	-	-	-	7,83,139	1
2. आंतरिक सड़कें	3,32,011	-	-	3,32,011	-	-	3,32,010	3,32,010	1	1
3. इमारतें	18,34,158	-	-	18,34,158	-	18,30,168	3,990	18,34,157	1	1
4. फर्नीचर और फिक्स्चर	8,74,630	-	-	8,74,630	-	8,68,334	6,295	8,74,629	1	1
5. संयंत्र, मशीनरी और उपकरण	26,33,254	-	-	26,33,254	-	26,27,307	5,943	26,33,250	4	4
6. पुस्तकें और पत्रिकाएं	27,19,188	-	-	27,19,188	-	24,07,245	3,11,942	27,19,187	1	1
7. परिवहन-मोटर वाहन	1,15,069	-	-	1,15,069	-	1,04,813	10,255	1,15,068	1	1
9. विविध संपत्ति	41,276	-	-	41,276	-	41,273	-	41,273	3	3
कुल गैर-योजना	**93,32,725**	**-**	**-**	**93,32,725**	**-**	**78,79,140**	**6,70,435**	**85,49,574**	**7,83,151**	**7,83,151**
योजना										
1. फर्नीचर और फिक्स्चर	13,55,769	-	-	13,55,769	-	13,27,796	27,970	13,55,766	3	3
2. प्लांट, मेसर्स एंड इक्विपमेंट	57,68,383	-	-	57,68,383	-	54,68,970	2,99,406	57,68,376	7	7
3. पुस्तकें और पेरिडिकल्स	78,87,528	-	-	78,87,528	-	64,16,973	14,70,553	78,87,526	2	2
4. इमारतें	1,22,07,513	-	-	1,22,07,513	-	50,15,332	71,92,166	1,22,07,498	15	15
5. वेल्स	86,220	-	-	86,220	-	86,220	-	86,218	2	2
6. टेनिस कोर्ट	15,922	-	-	15,922	-	7,031	8,890	15,921	1	1
7. इलेक्ट्रिक इंस्टॉलेशन	2,38,492	-	-	2,38,492	-	2,38,488	-	2,38,488	4	4
कुल योजना	**2,75,59,827**	**-**	**-**	**2,75,59,827**	**-**	**1,85,60,810**	**89,98,985**	**2,75,59,793**	**34**	**34**
कुल गैर योजना और योजना	**3,68,92,552**	**-**	**-**	**3,68,92,552**	**-**	**2,64,39,950**	**96,69,420**	**3,61,09,367**	**7,83,185**	**7,83,185**

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान
8-3-289/4,यूसुफगुड़ा, हैदराबाद 500 045
31 मार्च 2021 तक के तुलन-पत्र को दर्शाती अनुसूची

राशि रु. मे

स्थिर आस्तियाँ 8(ख) - स्थिर आस्तियाँ

संपति का विवरण	कुल ब्लॉक					अवमूल्यन			कुल	नगद निधि	खाते में समायोजन				कुल (9+10+13)	31.3.2021 तक का शुद्ध खंड	31.3.2020 तक का शुद्ध खंड
											अनुदान						
	1.04.2020 तक	30.9.2020 तक के जोड	30.9.2020 के बाद जोड़	बिक्री / समायोजन	कुल 31.03.2021 तक	1.4.20 तक	वर्ष के लिए	समायोजन			पूर्ति अवधि 31.3.20	वर्ष 2020-21	समायोजन	कुल			
(1)	(2)	(3)		(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(10)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
निम्समे का नवीनीकरन																	
भवनों पर	2,26,78,710	-	-	-	2,26,78,710	12,13,012	83,743		12,96,755	1,81,15,993	-			-	1,94,12,748	32,65,962	33,49,705
ए ब्लॉक	2,82,377	-	-	-	2,82,377	98,291	4,602		1,02,893	-	-	-	-	-	1,02,893	1,79,484	1,84,086
बी ब्लॉक	80,39,079	-	-	-	80,39,079	5,90,263	1,45,019		7,35,281	16,48,067	-			-	23,83,348	56,55,731	58,00,749
सी ब्लॉक	41,95,945	-	-	-	41,95,945	2,16,976	18,407		2,35,383	7,42,686	25,00,000			25,00,000	34,78,069	7,17,876	7,36,283
डीईएफ ब्लॉक (तल मंजिल)	2,03,47,745	-	-	-	2,03,47,745	2,42,903	0		2,42,903	2,01,04,841	-			-	2,03,47,744	-	1
डीईएफ ब्लॉक (अतिरिक्त मंजिल	3,35,60,307	-	-	-	3,35,60,307	12,288	1,200		13,488	-	3,35,00,000			3,35,00,000	3,35,13,488	46,819	48,019
सिक्योरिटी ब्लॉक	5,09,207	-	-	-	5,09,207	8,505	0		8,505	5,00,701	-			-	5,09,206	-	1
प्रशिक्षण भवन	3,82,25,437	-	-	-	3,82,25,437	21,36,677	1,15,635		22,52,313	1,42,70,000	1,71,93,356			1,71,93,356	3,37,15,669	45,09,768	46,25,404
कर्मचारियों के आवास	9,22,784	-	-	-	9,22,784	1,77,437	14,739		1,92,176	59,508	96,260			96,260	3,47,944	5,74,840	5,89,579
वीआईपी अतिथि गृह	84,032	-	-	-	84,032	1,050	0		1,050	82,981	-			-	84,031	-	1
सेन्डॉक भवन	25,21,117	-	-	-	25,21,117	1,67,777	10,716		1,78,493	17,77,664	1,47,044			1,47,044	21,03,201	4,17,916	4,28,632
नालियाँ और सुरंग	3,58,222	-	-	-	3,58,222	4,478	-		4,478	3,53,743	-			-	3,58,221	-	1
बोर वेल / पम्पसेट	6,65,687	-	-	-	6,65,687	1,11,333	12,511		1,23,844	53,921	-			-	1,77,765	4,87,922	5,00,433
बाहरी नालियाँ	22,66,376	-	-	-	22,66,376	1,875	-		1,875	5,12,281	-			-	5,14,156	17,52,220	17,52,220
भीतरी सड़कें	70,05,214	-	-	-	70,05,214	-	-		-	31,71,750	23,08,000			23,08,000	54,79,750	15,25,464	15,25,464
आधारभूत संरचनाएँ	35,46,465	-	-	-	35,46,465	-	-		-	11,58,784	-			-	11,58,784	23,87,681	23,87,681
भू-दृश्य निर्माण	44,30,730	-	-	-	44,30,730	8,11,116	39,637		8,50,753	20,34,143	-			-	28,84,896	15,45,834	15,85,471
फर्नीचर और जुड़नार (फिक्स्चर्स	86,42,344	-	-	-	86,42,344	23,03,777	1,49,852		24,53,629	27,40,825	20,99,222			20,99,222	72,93,676	13,48,668	14,98,520
बिजली उप-केंद्र	82,86,287	-	-	-	82,86,287	7,91,363	447		7,91,810	74,20,314	56,728			56,728	82,68,852	17,435	17,882
उकरण	1,21,92,384				1,21,92,384	48,28,647	7,64,872		55,93,519	22,64,590				-	78,58,109	43,34,275	50,99,147
छात्रावास के उपकरण	36,04,917	-	-	-	36,04,917	14,72,022	1,21,846		15,93,868	7,38,269	5,82,320			5,82,320	29,14,457	6,90,460	8,12,306
उद्यान के उपकरण	1,16,666	-	-	-	1,16,666	79,066	5,321		84,387	2,129				-	86,516	30,150	35,471
सभागृह	51,000	-	-	-	51,000	10,821	-		10,821	40,178				-	50,999	-	1
भोजन-गृह सुविधाएँ	6,44,135	-	-	-	6,44,135	2,93,561	**26,031**		3,19,592	90,267				-	4,09,859	2,34,276	2,60,307
दृक्-श्रव्य उपकरण	7,12,600	-	-	-	7,12,600	2,30,724	-		2,30,724	4,81,875				-	7,12,599	-	1
सौर ऊर्जा प्रणाली	64,90,736	-	-	-	64,90,736	15,83,544	6,05,862		21,89,406	8,68,109				-	30,57,515	34,33,220	40,39,083
वातानुकूलन उपकरण	1,11,90,023	-	36,433	-	1,12,26,456	39,88,535	8,09,712		47,98,247	4,17,497	13,85,912	36,433		14,22,345	66,38,088	45,88,317	53,98,079
ईपीएबीएक्स	15,78,830	-	-	-	15,78,830	71,667	9		71,676	15,07,101				-	15,78,777	53	62
डीईएफ प्रथम तल	1,41,18,447	-		-	1,41,18,447	6,45,670	33,905		6,79,575	82,23,407	38,93,179			38,93,179	1,27,96,161	13,22,286	13,56,191
प्रहरी दीवार	45,55,069	-	-	-	45,55,069	35,645	5,016		40,661	43,18,791				-	43,59,452	1,95,617	2,00,633
डायमंड चेन बाड़	1,55,62,905	-	-	-	1,55,62,905	11,15,046	3,61,196		14,76,243					-	14,76,243	1,40,86,662	1,44,47,859
डायनिंग हॉल	1,57,56,180	-	-	-	1,57,56,180	12,97,462	2,16,986		15,14,448	57,79,270				-	72,93,718	84,62,462	86,79,448
सीआरएमए परियोजना	63,960	-	-	-	63,960	-	-		-	-	63,960			63,960	63,960	-	-
आरसीटीपी परियोजना	5,32,802	-	-	-	5,32,802	-	-		-	-	5,32,802			5,32,802	5,32,802	-	-
Gymnasium	5,43,428	-	-	-	5,43,428	16,795	4,536		21,331	-	3,45,195			3,45,195	3,66,526	1,76,902	1,81,438
एलबीआई संयंत्र और मशीनरी	81,28,427	-	-	-	81,28,427	35,07,672	6,93,113		42,00,785	-	-			-	42,00,785	39,27,642	46,20,755
पॉलीग्रीन हाउस	4,59,946	-	-	-	4,59,946	-	-		-	-	4,59,946			4,59,946	4,59,946	-	-
फुटबॉल कोर्ट	3,87,893	-	-	-	3,87,893	63,562	8,108		71,670	-	-			-	71,670	3,16,223	3,24,331
मोटर वाहन	9,44,111	-	-	-	9,44,111	6,41,451	45,399		6,86,850					-	6,86,850	2,57,261	3,02,660
जल संयंत्र	5,15,840	-	-	-	5,15,840	2,26,207	28,963		2,55,170					-	2,55,170	2,60,670	2,89,633
पार्किंग शेड और वाक-वे	43,12,305	-	-	-	43,12,305	5,68,349	93,599		6,61,948					-	6,61,948	36,50,357	37,43,956
कुल	**26,90,30,669**	**-**	**36,433**	**-**	**26,90,67,102**	**2,95,65,567**	**44,20,983**	**-**	**3,39,86,550**	**9,94,79,685**	**6,51,63,924**	**36,433**	**-**	**6,52,00,357**	**19,86,66,592**	**7,04,00,455**	**7,48,21,494**

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान
8-3-289/4,यूसुफगुड़ा, हैदराबाद 500 045
31 मार्च 2021 तक के तुलन-पत्र को दर्शाती अनुसूची

संपत्ति का विवरण	कुल ब्लॉक					अवमूल्यन			31.03.2021 तक	नगद निधि	खाते का समायोजन				कुल (9+10+13)	31.3.2021 तक का शुद्ध खंड	31.3.2020 तक का शुद्ध खंड
	1.04.2020 तक	30.9.2020 तक	30.9.2020 के बाद जोड़	बिक्री / समायोजन	31.03.2021 तक	1.4.20 तक	वर्ष के लिए	समायोजन			अनुदान						
											तक 31.3.20	वर्ष 2019-20	समा योजन	कुल			
(1)	(2)	(3)		(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(10)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
सेन्डॉक का उन्नयन																	
उपकरण	33,31,751	8,54,231	35,81,480		77,67,461	12,93,145	6,034		12,99,179	15,31,420	4,66,959	44,35,710		49,02,669	77,33,269	34,193	40,227
फर्निचर और जुड़नार	7,92,299				7,92,299	2,09,377	7,155		2,16,533	2,18,821	2,92,547	-		2,92,547	7,27,901	64,398	71,554
टेलीफोन / टेलेक्स	1,16,597				1,16,597	49,074	0		49,074	67,522	-	-		-	1,16,596	-	1
बोर वेल	4,38,588				4,38,588	-	50,918		50,918	99,138	-	-		-	1,50,056	2,88,533	3,39,450
पुस्तकें	50,58,628				50,58,628	7,17,329	32,932		7,50,260	26,45,334	12,56,878	-		12,56,878	46,52,472	4,06,156	4,39,087
पत्रिकाएँ	38,95,144				38,95,144	10,48,452	64,119		11,12,570	8,43,758	11,48,019	-		11,48,019	31,04,347	7,90,797	8,54,915
कम्प्यूटर	2,11,56,828	53,55,085			2,65,11,913	1,39,78,515	3,32,144		1,43,10,659	32,66,334	30,81,619	53,55,085		84,36,704	2,60,13,697	4,98,216	8,30,361
कम्प्यूटर उन्नयन	10,88,929				10,88,929	8,21,958	8,345		8,30,303	79,136	1,66,973	-		1,66,973	10,76,412	12,517	20,862
कम्प्यूटरों के प्रिंटर	4,38,103				4,38,103	3,51,856	8,510		3,60,365	19,754	45,219	-		45,219	4,25,338	12,765	21,274
कम्प्यूटर टेबल	5,51,959				5,51,959	2,81,792	14,398		2,96,191	1,26,182	-	-		-	4,22,373	1,29,586	1,43,984
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	23,04,307				23,04,307	14,84,361	5,558		14,89,919	5,84,771	2,21,280	-		2,21,280	22,95,970	8,337	13,895
इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन	19,25,915				19,25,915	-	-		-	9,17,165	10,08,750	-		10,08,750	19,25,915	-	-
सर्वर	14,67,391	13,81,284			28,48,675	2,90,896	6,198		2,97,094	10,80,200	80,800	13,81,284		14,62,084	28,39,378	9,297	15,495
नेटवर्किंग	21,69,294				21,69,294	12,94,390	52,723		13,47,113	3,22,502	4,20,595	-		4,20,595	20,90,210	79,085	1,31,808
वेबसाइट	3,89,118				3,89,118	-	-		-	3,52,443	36,675	-		36,675	3,89,118	-	-
उपभोग्य वस्तुएँ	7,43,579				7,43,579	1,54,766	-		1,54,766	2,43,925	3,44,888	-		3,44,888	7,43,579	-	-
बार कोडिंग	59,500				59,500	-	-		-	59,500	-	-		-	**59,500**	-	-
बैंडविड्थ	13,88,009				13,88,009	5,55,227	-		5,55,227	-	8,32,782	-		8,32,782	13,88,009	-	-
कुल	**4,73,15,939**	**75,90,599**	**35,81,480**		**5,84,88,018**	**2,25,31,136**	**5,89,034**		**2,31,20,170**	**1,24,57,905**	**94,03,984**	**1,11,72,079**		**2,05,76,063**	**5,61,54,138**	**23,33,879**	**29,22,913**
अनुसूची 5(a) कुल	**3,68,92,552**	-	-		3,68,92,552	**2,64,39,950**	-	-	2,64,39,950	**96,69,420**	-	-		-	**3,61,09,370**	**7,83,185**	**7,83,185**
कुल योग	**35,32,39,161**	**75,90,599**	**36,17,912**	-	**36,44,47,672**	**7,85,36,653**	**50,10,017**	-	**8,35,46,670**	**12,16,07,010**	**7,45,67,908**	**1,12,08,512**	-	**8,57,76,420**	**29,09,30,100**	**7,35,17,519**	**7,85,27,591**
प्रगति अधीन कार्य :									-								
एसएमई विश्वविद्यालय- प	3,59,552			-	3,59,552	-	-		-	-	-	-	-	-	-	3,59,552	3,59,552
ATI Building WIP	-	-	3,30,41,787	-	3,30,41,787	-	-	-	-	-	-	3,30,41,787	-	3,30,41,787	**3,30,41,787**	-	-
कुल प्रगति अधीन कार्य	3,59,552	-	3,30,41,787	-	3,34,01,339	-	-	-	-	-	-	3,30,41,787	-	3,30,41,787	3,30,41,787	3,59,552	3,59,552
कुल योग	**35,35,98,713**	**75,90,599**	**3,66,59,699**	-	**39,78,49,011**	**7,85,36,653**	**50,10,017**	-	**8,35,46,670**	**12,16,07,010**	**7,45,67,908**	**4,42,50,299**	-	**11,88,18,207**	**32,39,71,887**	**7,38,77,071**	**7,88,87,143**

कर निर्धारिती का नाम	
	राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान
पता	8-3-289/4 यूसुफगुड़ा हैदराबाद - 500 045
दर्जा	स्वायत्त संस्थान
मूल्यांकन वर्ष	2021-22
पूर्व समाप्त वर्ष	31st March, 2021
पंजाकरण दिनांक	27/04/1962
पैन नं	**AAAJN0177F**

कुल आय और कर देयता का विवरण

विवरण	**राशि रु.**	**राशि रु..**
अन्य स्रोतों से आय :		
पूँजीगत अनुदान	3,16,88,333	
कटौती: आयकर अधिनियम की छूट यू/एस 11 (1) (घ)	**(3,16,88,333)**	**-**
अन्य स्रोत से आय:		
अनुदान/सब्सिडी	1,80,24,880	
शुल्क और सदस्यता	3,25,82,623	
आधारभूत संरचना सुविधाओं से आय	32,38,469	
बैंक ब्याज	2,83,24,665	
अन्य आय	11,93,121	
अन्य स्रोत से आय		8,33,63,757
जोड़ें: डिसलाइंस यू/एस 40 ए (ii)		
टीडीएस देर से दाखिल फीस		3,94,736
कुल आय		8,37,58,493
कम: भविष्य के लिए अलग सेट आय का 15% U/s 11 (1) (क)		1,25,63,774
		7,11,94,719
कम: धर्मार्थ उद्देश्य के लिए आवेदन आय		10,16,51,299
कॉरपस फंड से आय पर अतिरिक्त आवेदन		(3,04,56,579)
कर योग्य आय		NIL
करों का विवरण		
आयकर		-
कमी : प्राप्य टीडीएस		44,93,425
रिफंड		44,93,425

कृते सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान की ओर से

एस. ग्लोरी स्वरूपा
महानिदेशक

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान
8-3-289/4, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद 500 045

अनुसूची - 16
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

1 लेखा पद्धतियाँ

वित्तीय परिणामों के बारे में निकाले गये निष्कर्षों का आधार भारत में आम तौर पर अपनायी जाने वाली लेखांकन नीतियों पर आधारित हैं और संस्थान नियमित आधार पर लेखांकन की उपार्जन प्रणाली का पालन करता है।

2 स्थिर आस्तियाँ :

अचल संपति के बारे में निष्कर्ष उनके अधिग्रहण के साथ ही परिवहन और आकस्मिक लागत, शुल्क एवं कर तथा उनकी स्थापना से संबंधित खर्च के आधार पर निकाले गये हैं।

3 अवमूल्यन :

क. भवनों और पुस्तकों / पत्रिकाओं का अवमूल्यन सीपीडब्ल्यूडी नियमों के तहत निर्धारित दरों पर उनके लिखित मूल्यों पर मूल्यह्रास के अधीन हैं ।

ख. अन्य सभी परिसंपत्तियों का अवमूल्यन आयकर अधिनियम के नियम 5 के तहत निर्धारित पद्धति के अधीन है।

4 सरकारी अनुदान :

परियोजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में प्राप्त अनुदान राजस्व के रूप में स्वीकृत किया जाता है और उनका उपयोग वे जिस वर्ष से संबंधित है, उस वर्ष के व्यय के रूप में स्वीकार किया जाता है, जबकि अप्रयुक्त अनुदानों की पहचान वर्ष के अंतिम दिन की उनकी स्थिति के आधार पर उसी रूप में की जाती है

5 कर के लिए प्रावधान :

संस्थान को 8 जून 2007 के प्रभाव से आयकर (छूट), हैदरबाद का धारा 12एए के प्रावधानों के तहत एक संस्था के रूप में पंजीकृत किया गया है और वर्ष के अपने शुद्ध अधिशेष के संबंध में वह आयकर के अधीन नहीं है।

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान
8-3-289/4, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500 045
परिशिष्ट - 17
लेखा संबंधी टिप्पणियाँ

1 **सरकारी अनुदान :**
समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के साथ-साथ केंद्र सरकार के अन्य मंत्रालयों से परियोजनाओं और कार्यक्रमों के लिए अनुदान प्राप्त हुए हैं । ऐसे प्राप्त अनुदानों का विवरण, किया गया खर्च और 31.03.2021 तक अप्रयुक्त राशि संबंधी विवरण संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है :-

क्रम सं.	विवरण	राशि
a.	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय से परियोजनाओं / कार्यक्रमों के लिए प्राप्त समग्र अनुदान	8,80,81,013
	कटौती : वर्ष के दौरान खर्च किया गया अनुदान	8,31,70,837
	31.03.2021 तक उपयोग में लाया गया अनुदान	49,10,176
b.	विभिन्न मंत्रालयों विभागों से परियोजनाओं / कार्यक्रमों के लिए प्राप्त अनुदान	
	कटौती : कटौती : वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि	-
	31.03.2021 तक अनुप्रयुक्त राशि	Nil
c.	राज्य सरकारों से परियोजनाओं/कार्यक्रमों के लिए प्राप्त समग्र अनुदान	
	कटौती : वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि	-
	अप्रयुक्त राशि 31.03.2021 को	Nil

कुल उपयोग की गई राशि 31.03.2021 तक 49,10,176 रुपये हो जाएगी।

2 संस्थान ने 31-03-2021 से पहले कई परियोजनाओं और कार्यक्रमों का कार्यान्वयन पूरा कर लिया है। इस संबंध में प्राप्त अनुदान राशि का कुल 31.03.2021 तक 8,22,58,545 रुपये है। इसकी शीघ्र वसूली सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने हैं।

3 कार्यक्रमों के कार्यान्वयन, पर्यटन और यात्रा तथा अस्थायी प्रकृति की पेशगियों के संबंध में कर्मचारियों को दी गई राशि बकाया है । इससे संबंधित राशियों का विवरण इस प्रकार हैं:-
i) कार्यक्रम पेशगी -Rs. 8,45,897
ii) कर्मचारियों को दी गई अग्रीम राशि-- Rs.69,772
iii) अध्ययन यात्रा पेशगियाँ -Rs.39,774
iv) अस्थायी पेशगियाँ -Rs.3,81,035
v) यात्रा पेशगियाँ -Rs.2,77,325

उपरोक्त पेशगियों का निपटारा किया जाना चाहिए और प्राथमिकता के आधार पर इसका हिसाब करना चाहिए तथा संस्थान इसका नियमित रुप से पालन कर रहा है।

4 संस्थान में आयोजित सेमिनारों, कार्यशाला, कार्यक्रमों और आयोजनों के संबंध में विभिन्न दलों से उत्कृष्ट 1,76,55,567 रुपये की राशि के विविध देनदारों के साथ-साथ सहयोगात्मक कार्यों से संबंधित है । संस्थान नियमित रूप से इसका पालन कर रहा है ।

5 आकस्मिक देनदारियां:

ए) केंद्रीय कर विभाग के आयुक्त ने वर्ष 2004-05 से 2014-15 की अवधि के लिए 26 करोड़ रुपये के सेवा कर के भुगतान की मांग उठाई। हमने सीईSTAT में एक मामला दायर किया और मंडप कीपर सेवाओं, प्रबंधन परामर्श सेवाओं और अचल संपत्ति के किराए पर लेने के खिलाफ सेवा कर बढ़ाने के लिए केंद्रीय कर विभाग से मांग करके मामले का निपटारा किया गया। तदनुसार, सेवा कर विभाग ने इस कार्यालय को सलाह दी कि वह लगभग 26 करोड़ रुपये की पहले की मांग के मुकाबले 1,15,86,047 रुपये की सेवा कर राशि का भुगतान करे। इस कार्यालय ने सेवा कर की दिशा में उपरोक्त अवधि के दौरान विभिन्न मंत्रों में किए गए 1,78,90,911 रुपये का पूर्व जमा किया और आयुक्तालय से अनुरोध किया कि हमारे पूर्व जमाओं के विरुद्ध मांगे गए सेवा कर को समायोजित किया जाए । यह मामला कमिश्नरेट, सेंट्रल टैक्स, हैदराबाद के पास लंबित है।

ख) संस्थान के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स और पूर्व सांविधिक लेखा परीक्षकों ने आयकर से संस्थान की आय में छूट से संबंधित छूट आदेशों से संबंधित छूट आदेशों से संबंधित विस्तार प्राप्त करने के मामले में प्रदान की गई सेवाओं के लिए अपने शुल्क के लिए 818203 रुपये शुल्क का दावा करते हुए एक वाद दायर किया, जैसा कि पहले बढ़ाया गया है । २०१० के O.S.No.2507 में सिटी सिविल कोर्ट ने उनके पक्ष में डिक्री पारित की । हालांकि संस्थान ने माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष चुनाव लड़ा है। माननीय उच्च न्यायालय ने 2015 के सीकैंप नंबर 2010 में 2015 के सीकैंप 290 में अंतरिम निर्देश पारित किया कि पहले दी गई अंतरिम रोक प्रतिवादी (एमएसएमई) की शर्त पर पूर्ण रूप से बनाई गई है, जो डेंजरल राशि का एक तिहाई राशि और लागत ट्रेल कोर्ट के समक्ष जमा कर रही है। इसके अनुसार 14.08.2015 को माननीय न्यायालय में चालान के माध्यम से 318525.33 रुपये की राशि जमा की गई। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

ग) वित्त वर्ष 2016-17 के लिए आयकर रिटर्न और ऑडिट रिपोर्ट को गैर/देर से दाखिल करने के लिए एवाई 2017-18 के लिए आयकर विभाग से प्राप्त सूचना और छूट को अस्वीकार कर दिया और 22,08,06,769 रुपये की मांग उठाई और संस्थान ने क्षेत्राधिकार निर्धारण अधिकारी के समक्ष सुधार आवेदन दायर किया है ।

6 31 मार्च, 2021 को शेष पत्रक के अभिन्न अंग से और उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय के लिए 1 से 17 तक कार्यक्रम संलग्न किए गए हैं।

7 पिछले वर्ष के आंकड़ों को जहां भी आवश्यक हो, पुन समूहीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है ।

संलग्न तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

एम वी नारायण रेड्डी एंड कंपनी के
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या 002370S

कृते राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान की ओर से

वाई सुब्बा रामी रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं.: 218248

एस. ग्लोरी स्वरूपा
महानिदेशक

स्थान : हैदराबाद
तिथि 22 जून, 2021

Table of Contents

1. Overview 1
  1.1. Background 1
  1.2. ni-msme Charter 2
  1.3. Institute’s Clientele 3
  1.4. Administration and Management 4
  1.5. Governing Council 5
    1.5.1. Members of the Governing Council 5
  1.6. Executive Committee 8
    1.6.1. Members of the Executive Committee 8
  1.7. Schools of Excellence 9
  1.8. Infrastructural Facilities 10
    1.8.1. Existing Infrastructural Facilities 10
      1.8.1.1. Training Building 10
      1.8.1.2. Library 10
      1.8.1.3. Guest Room Complex 10
      1.8.1.4. Closed Circuit Cameras 10
      1.8.1.5. Sports and Games 11
      1.8.1.6. Medical Care 11
      1.8.1.7. Recreational Facilities 11
      1.8.1.8. Water Treatment (RO) Plant 11
      1.8.1.9. Parking Area 11
      1.8.1.10. Laundromat 11
      1.8.1.11. Solar Panels 11
    1.8.2. New Infrastructural Facilities 12
      1.8.2.1. NINADAH Studio 12
      1.8.2.2. Solar and Wind Hybrid Energy Demo Unit 12
      1.8.2.3. Electric Vehicle Charging Station 13
      1.8.2.4. New ATI Building Construction 14
        1.8.2.4.1. Infrastructure Augmentation 14
        1.8.2.4.2. Foundation Stone Laying Ceremony 14
  1.9. Staff Strength 15
  1.10. ni-msme Organogram 16
  1.11. Activities from April 2020 to March 2021 17
2. International Programmes 18
  2.1. Programms Sponsored by AARDO 18
    2.1.1. Adaptive Innovative Strategies for SME Development (AISSD) 18
    2.1.2. Innovative Agro Food Processing Enterprises and Green Tech (IAFEG) 19
    2.1.3. Development of Rural Clusters with ICT and e-Governance (DRIEG) 21
    2.1.4. Sustainable Rural Development for Food Production and Processing 22
    2.1.5. Disruptive Agri. Tech for Promotion of International Trade African-Asian Countries 24
  2.2. Program Sponsored by Ministry of External Affairs 25
    2.2.1. International Programme on Promotion of Start-Ups in Healthcare Sector 25

2.3. Kenya - Virtual Alumni Meet ... 27
3. Webinars ... 29
3.1. Challenges of MSMEs in COVID-19 period and Rejuvenation Strategies ... 29
3.2. The Road to IP Commercialization: Recommended Strategies for MSME growth 30
3.3. Impact of COVID-19 on MSME Exporters: Challenges and Way Forward ... 31
3.4. Challenges & Opportunities for MSME Financing in post COVID-19 ... 32
3.5. Managing Clusters Post COVID-19 ... 33
3.6. Be your Own Boss ... 34
3.7. Business Opportunities in Green Technologies Post COVID-19 ... 34
3.8. Digital and Social Media Marketing Strategies for MSMEs ... 35
3.9. e-Governance: Policy Formulation, Implementation and Assessment ... 36
3.10. Innovation is the Key for MSMEs post lockdown ... 37
3.11. Re-assessing the Challenges and opportunities of Retailing ... 38
3.12. Own Your Future through the Journey of Entrepreneurship ... 39
3.13. Reforms for Sustaining India's Growth in post COVID-19 World ... 40
3.14. Role of FPOs in Rebuilding Agricultural Supply Chain ... 42
3.15. Be Your Own Boss: Set Up an Enterprise ... 43
3.16. Unlocking Manufacturing Potential for MSME ... 43
3.17. Impact & Opportunities on Tourism, Hospitality & Transport Sector Post COVID-19 ... 44
3.18. e-Governance and its Implications to MSMEs ... 45
3.19. Export Opportunities for Indian Handicrafts ... 46
3.20. Scope for Young Entrepreneurs in India ... 47
3.21. Lessons from Start-up Failures ... 48
3.22. Scope for Women Entrepreneurs in India after COVID-19 ... 48
3.23. Importance of Cyber Security in the Arena of Digitalization ... 49
3.24. Building Your Business Digitally Post COVID-19 ... 50
3.25. How to Start Export Business ... 51
3.26. Transforming Agricultural Education Institutions for Better Future through Industry Academia Collaboration, ANGRAU (Guntur) ... 51
3.27. Importance of Enterprise Risk Management for MSMEs and Entrepreneurs ... 52
3.28. Cost Management Strategies for MSMEs in Post COVID-19 ... 52
3.29. Hospitality and Travel Trade under MSMEs Covid-19 & Rejuvenation Strategies of India Initiative Support ... 53
3.30. Prospects of Social Entrepreneurship in India ... 54
3.31. International Trade-Legal Issues in International Marketing ... 55
3.32. Be your Own Boss- how to set up an enterprise. ... 55

3.33. e-Cyber Security 56
3.34. Intellectual Property Protection-A Way to Stimulate Your Innovation and Creativity 57
3.35. Government e–Market Place Opportunities for MSMEs 57
3.36. Awareness programme on Food Processing 58
3.37. Release of e-Books: COVID-19 Impact on MSME's in Tourism Sector 58
3.38. Women Safety Issues & Challenges at Work Place 59
3.39. IPR Strategy for Start-ups and MSMEs 60
3.40. Hospitality Trade under COVID-19 & Rejuvenation Strategies 61
3.41. International Trade Finance: Opportunities for MSMEs 63
3.42. Trademark Management for Promoting SME Products in Digital-Era 63
3.43. Role of Geographical indications for promotion of Cluster products 63
3.44. Awareness on MSME Schemes 64
3.45. International Alumni Meet 65
3.46. Industrial Design Registration for MSMEs 65
3.47. Importance of Packaging for MSME to Enhance Export Market 66
4.1. Entrepreneurship Development in Healthcare Products 69
4.2. Certificate in Export - Import and International Trade Operations 70
4.3. Training of Trainers in Faculty Development (ToT-FDP) 70
4.4. Dual Certificate Programme in Product Promotion & Packaging 71
4.5. Executive Development Programme for NMDC Officers 72
4.6. FDP on Entrepreneurship Development and Mentorship 73
4.7. ToT on ESD for Instructors of Industrial Training Institutes (ITI), Govt. of TS 73
4.8. FDP on Entrepreneurship Development 75
4.9. Training Programme on Healthcare Products 77
4.10. ToT in Agri Entrepreneurship 78
4.11. e-Waste Management & Recycling Options for MSMEs 79
4.12. Launch of WEDP & TEDP 80
4.13. Training of Trainers (ToT) on Agri Entrepreneurship 82
4.14. Export Documentation Procedures and International Trade Operations 83
4.15. Women Entrepreneurship Development Programme (WEDP) 84
4.16. TEDP in Textiles & Electronics Sector 85
4.17. ToTs in Food Processing and Agri Entrepreneurship 85
4.18. Training on Planning and Promotion of MSME 86
4.19. Promoting Evaluations in Academia 86
4.20. Induction Programme for Executive Trainees of NMDC 87

4.21. Promotion of Agro & Food Processing Clusters 88
5. Activities of the Centers 89
5.1. National Resource Centre for Cluster Development (NRCD) 89
5.1.1 Mothkur Ikkat Handloom Cluster 89
5.1.2 Jharkhand State SFURTI Clusters 89
5.1.3. Integrated Coconut Processing Cluster, Tirur, Kerala 90
5.1.4. Wooden Inlay Craft Cluster, Hoshiarpur 90
5.1.5. Review of SFURTI Clusters 91
5.1.6. Interaction with Rampur Patch work Crafts Artisans 92
5.1.7. Empanelment of New Technical Agencies 92
5.1.8. Review of Ieeza Handloom Cluster 93
5.1.9. Interaction with Mothkur SPV members 93
5.1.10. CDE Selection for Jonnada Cluster 94
5.1.11. Internal Review of Clusters 94
5.1.12. Review of Coir Clusters 95
5.1.13. Pembarthy Metalware Cluster, Pembarthy 96
5.1.14. Director General Visits Mothkur Cluster 97
5.1.15. Ieeza Handloom Cluster Review 98
5.1.16. Cluster's Review Meeting 98
5.1.17. MDP on Management of CFC for Tirur Coconut Cluster 99
5.1.18. Online Training on Soft and Hard Interventions for MSME Clusters 100
5.1.19. Training Programme on Interventions in Rural Clusters 101
5.1.20. Implementation, Monitoring & Evaluation of Functional Clusters workshop 102
5.1.21. Study Team Visits SFURTI Clusters in Maharashtra 102
5.2. The Intellectual Property Facilitation Centre (IPFC) 104
5.2.1. Faculty Development Programme (FDP) on Intellectual Property Rights 104
5.2.2. IPR for Innovative Entrepreneurship 104
5.2.3. Programme on Patent Application Drafting and Filing Procedures 104
5.3. GST Cell 106
5.3.1. Training on GST & GeM 106
5.3.2. Training in GST Returns Filing 106
5.3.3. Workshop on GeM Place and GeM Pool Account 107
5.3.4. Application of GeM, GFR and CPP in Public Procurement 107
5.3.5. Advanced Training on GeM Pool Account and PFMS Practices 108
5.3.6. GST Returns filing using Tally 109
5.3.7. Workshop on e-Invoicing & QRMP Scheme under GST 110
6. Skill Development Programmes under ATI & LBI 111
6.1. ESDP in Fashion Designing 111
6.2. ToT programme for the trainers of ESDPs under ATI scheme 111
6.3. Toolkit Distribution to SC/ST Trainees 112
6.3.1 Training Programme: Animation, Photography & Videography 112
6.3.2. Training Programme: Tailoring, Fashion and Beautician course 113
6.4. ESDP Activities under ATI scheme 113
6.5. ESDPs Valediction for various programmes 116
6.6. Activities at Livelihood Business Incubator (LBI) 118
7. MoUs Signed 119

7.1. Asian Centre for Economic & Entrepreneurship Development & Education 119
7.2. NITTE University 119
7.3. NITCON Limited 120
7.4. Sustainable Eco-friendly Rural Areas (SERA) Trust 120
7.5. NCFSE Fire & Safety Management Private Limited... 121
7.6. Masters' Union (MU) Business School.. 121
7.7. Institute of Risk Management (IRM).. 122
7.8. National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT) 123
7.9. Indian Institute of Packaging... 123
7.10. Telangana BC Co-operative Finance Corporation Limited (TBCCFCL) 124
7.11. North Eastern Council... 124
7.12. Confederation of Indian Industry (CII) 125
7.13. St. Joseph Degree and PG College 126
7.14. Cost Accountants of India (ICAI).. 126
7.15. Telangana Scheduled Castes Cooperative Development Corporation Ltd. 127
8. Other Activities.. 128
8.1. Mentor Development Programme.. 128
8.2. Certiicate of Excellence for reviewing Journal 128
8.3. National Web Conference VFF 2020 129
8.4. IPR Moot Court Competition-2020.. 129
8.5. PANKH with IIT-Madras.. 130
8.6. Executive Committee Meeting 130
8.6.1. 25th Executive Committee Meeting 130
8.6.2. 26th Executive Committee Meeting 131
8.7. DG's Addresses for Technical Institutions 131
8.8. Web Conference on Strengthening MSME Ecosystem..................................... 132
8.9. Job Mela for Unemployed Youth.. 132
8.10. MSME Loan Mela 133
8.11. Perspective for establishment of CoE for MSME at IIT Delhi 133
8.12. Virtual Programme on MSME-ASSIST 134
8.13. Mobile Application Launch.. 135
8.14. Digital Saksham for MSMEs Launched... 136
9. Eminent & ni-msme Officials' Visits.. 138
9.1. Eminent Visitors... 138
9.1.1. Guest Faculty at EDP... 138
9.1.2. Consultative Meeting with Lokmangal Group of Institutions 138
9.1.3. KLIPFC Steering Committee Meeting... 140

9.2. ni-msme Officials' Visits 140
9.2.1. Youth Motivation Camp for Skill Development 140
9.2.2. ni-msme on AIR 141
9.2.3. Free Capacity building training programme for SC/ST women 142
10. Observation of Important Days 143
10.1. Anti-Terrorism Day 143
10.2. World Environment Day 143
10.3. International MSME Day 144
10.4. Foundation Day 145
10.5. Independence Day 146
10.6. Sadbhavana Diwas 147
10.7. Dusserah Festival 147
10.8. Vigilance Awareness Week 148
10.9. Quami Ekta Week 148
10.10. Constitution Day 149
10.11. Republic Day 149
10.12. Martyr's Day 150
10.13. New Year's Day 151
10.14. International Women's Day 151
11. Employee Corner 154
11.1 Retirement 154
11.2. Obituary 154
11.2.1. Shri. I. Sekhar 154
11.2.2. Shri. N. Raja Narasimha 155
12. Hindi Section 156
12.1. Hindi Day and Rajbhasha Week 156
12.2. Minutes of TOLIC Core Committee Meeting 157
12.3. Hindi Workshop 158
12.4. Meeting of Official Language Implementation Committee 158
13. Physical and Financial Performance 160
13.1. Physical Performance 160
13.2. Financial Performance 161
14. Right to Information Act 162
Major Milestones 166
Financials Report 168

List of Figures

Figure 1.1. Different Milestones 1
Figure 1.2. Spectrum of activities and services 2
Figure 1.3. ni-msme Charter 3
Figure 1.4. Schools of Excellence 9
Figure 1.6. NINADAH Studio 12
Figure 1.7. Hybrid Energy Demo Unit 13
Figure 1.8. Electric Vehicle Charging Station 13
Figure 1.9. Infrastructure Augmentation 14
Figure 1.10. Foundation Stone Laying Ceremony 15
Figure 1.11. ni-msme Organogram 16
Figure 2.1. Adaptive Innovative Strategies for SME Development (AISSD) 18
Figure 2.2. Innovative Agro Food Processing Enterprises and Green Tech (IAFEG) 20
Figure 2.3. Development of Rural Clusters with ICT and e-Governance (DRIEG) 22
Figure 2.4. Sustainable Rural Development for Food Production and Processing 23
Figure 2.5. Valedictory of International Programme of (FPTRD) 24
Figure 2.6. Disruptive Agri. Tech for Promotion of International Trade African-Asian Countries (DATAC) 25
Figure 2.7. International Programme on Promotion of Start-Ups in Healthcare Sector .. 26
Figure 2.8. Kenya - Virtual Alumni Meet 27
Figure 3.1 Challenges of MSMEs in COVID-19 period and Rejuvenation Strategies 29
Figure 3.2. The road to IP Commercialization: Recommended Strategies for MSME growth 30
Figure 3.3. Impact of COVID-19 on MSME Exporters: Challenges and Way Forward ... 31
Figure 3.4. Challenges & Opportunities for MSME Financing in post COVID-19 32
Figure 3.5. Managing Clusters Post COVID-19 33
Figure 3.6. Business Opportunities in Green Technologies Post COVID-19 35
Figure 3.7. Digital and Social Media Marketing Strategies for MSMEs 36
Figure 3.8. e-Governance: Policy Formulation, Implementation and Assessment 37
Figure 3.9. Innovation is the Key for MSMEs post lockdown 38
Figure 3.10. Own Your Future through the Journey of Entrepreneurship 40
Figure 3.11. Reforms for Sustaining India’s Growth in post COVID-19 World 41
Figure 3.12. Unlocking Manufacturing Potential for MSME 43
Figure 3.13. Impact & Opportunities on Tourism, Hospitality & Transport Sector Post COVID-19 44
Figure 3.14. e-Governance and its Implications to MSMEs 45

Figure 3.15. Export Opportunities for Indian Handicrafts 46
Figure 3.16. Lessons from Start-up Failures 48
Figure 3.17. Importance of Cyber Security in the Arena of Digitalization 50
Figure 3.18. Transforming Agricultural Education Institutions for Better Future through Industry Academia Collaboration, ANGRAU (Guntur) 52
Figure 3.19. Cost Management Strategies for MSMEs in Post COVID-19 53
Figure 3.20. Hospitality and Travel Business 54
Figure 3.21. Be your Own Boss 56
Figure 3.22. Intellectual Property Protection 57
Figure 3.23. Virtual release of COVID-19 Impact on MSME's in Tourism Sector Book .. 59
Figure 3.24. Women Safety Issues & Challenges at Work Place 60
Figure 3.25. IPR Strategy for Startups and MSMEs 60
Figure 3.26. Hospitality Trade under COVID-19 & Rejuvenation Strategies 61
Figure 3.27. Hospitality Trade under COVID-19 & Rejuvenation Strategies 62
Figure 3.28. Hospitality Trade under COVID-19 & Rejuvenation Strategies 62
Figure 3.29. Trademark Management for Promoting SME Products in Digital-Era 63
Figure 3.30. Role of Geographical indications for promotion of Cluster products 64
Figure 3.31. Awareness on MSME Schemes 64
Figure 3.32. Alumni Meet- International Participants 65
Figure 3.33. Industrial Design Registration for SMEs 66
Figure 3.34. Importance of Packaging for MSME 68
Figure 4.1. Entrepreneurship Development in Healthcare Products 69
Figure 4.2. Training of Trainers in Faculty Development (ToT-FDP) 71
Figure 4.3. Dual Certificate Programme in Product Promotion & Packaging 71
Figure 4.4. Executive Development Programme for NMDC Officers 72
Figure 4.5. FDP on Entrepreneurship Development and Mentorship 73
Figure 4.6. ToT on ESD for Instructors of Industrial Training Institutes (ITI), Govt. of TS74
Figure 4.7. Valedictory of ToT in Entrepreneurship and Skill Development 75
Figure 4.8. FDP on Entrepreneurship Development 76
Figure 4.9. Training Programme on Healthcare Products 77
Figure 4.10. ToT in Agri Entrepreneurship 78
Figure 4.11. e-Waste Management & Recycling Options for MSMEs 79
Figure 4.12. Launch of WEDP & TEDP 81
Figure 4.13. Inauguration of WEDP & TEDP 82
Figure 4.14. Export Documentation Procedures and International Trade Operations 83
Figure 4.15. Women Entrepreneurship Development Programme (WEDP) 84

Figure 4.16. TEDP in Textiles & Electronics Sector 85
Figure 4.17. Training on Planning and Promotion of MSME 86
Figure 4.18. Promoting Evaluations in Academia... 87
Figure 4.19. Participants of Induction Programme for Executive Trainees of NMDC 88
Figure 4.20. Promotion of Agro & Food Processing Clusters 88
Figure 5.1. Review of SFURTI Project by Implementing Agency, Tirur, Kerala 90
Figure 5.2. Wooden Inlay Craft Cluster, Hoshiarpur.. 90
Figure 5.3. CFC under construction 91
Figure 5.4. Other Clusters 92
Figure 5.5. Empanelment of New Technical Agencies 93
Figure 5.6. Interaction with Mothkur SPV members 93
Figure 5.7. CDE Selection for Jonnada Cluster... 94
Figure 5.8. Review of Coir Clusters.. 96
Figure 5.9. Director General Visits Mothkur Cluster 97
Figure 5.10. Ieeza Handloom Cluster Review 98
Figure 5.11. MDP on Management of CFC for Tirur Coconut Cluster 99
Figure 5.12. Implementation, Monitoring and Evaluation of Functional Clusters 102
Figure 5.13. Study Team Visits SFURTI Clusters in Maharashtra............................... 103
Figure 5.14. Programme on Patent Application Drafting and Filing procedures 105
Figure 5.15. Training on GST & GeM.. 106
Figure 5.16. Workshop on GeM Place and GeM Pool Account................................... 107
Figure 5.17. Application of GeM, GFR and CPP in Public Procurement 108
Figure 5.18. Advanced Training on GeM Pool Account and PFMS Practices 108
Figure 5.19. GST Returns filing using Tally... 109
Figure 6.1. ESDP in Fashion Designing 111
Figure 6.2. ToT programme for the trainers of ESDPs under ATI scheme 112
Figure 6.3. Toolkit Distribution to SC ST Trainees 112
Figure 6.4. Toolkit Distribution 113
Figure 6.5. ESDP Activities under ATI scheme 114
Figure 6.6. ESDPs under ATI Scheme... 115
Figure 6.7. Entrepreneurship and Skill Development Programme under ATI Scheme . 116
Figure 6.8. ESDPs Valediction 117
Figure 6.9. Valedictory function of Offline Entrepreneurship & Skill Development Programmes 118
Figure 6.10. Activity at LBI 118
Figure 7.1. Asian Centre for Economic & Entrepreneurship Development & Education119

Figure 7.2. Sustainable Eco-friendly Rural Areas (SERA) Trust.................................. 120
Figure 7.3. NCFSE Fire & Safety Management Private Limited 121
Figure 7.4. Masters' Union (MU) Business School 122
Figure 7.5. Institute of Risk Management (IRM) 123
Figure 7.6. National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT)....... 123
Figure 7.7. Telangana BC Co-operative Finance Corporation Limited (TBCCFCL) 124
Figure 7.8. MoU with North Eastern Council 125
Figure 7.9. Confederation of Indian Industry (CII) 125
Figure 7.10. St. Joseph Degree and PG College 126
Figure 7.11. Cost Accountants of India (ICAI) 127
Figure 7.12. Telangana Scheduled Castes Cooperative Development Corp., Ltd........ 127
Figure 8.1. ni-msme Faculty with Certificates.. 128
Figure 8.2. Certiicate of Excellence... 129
Figure 8.3. Online 25th Executive Committee 131
Figure 8.4. DG's Addresses for Technical Institutions 131
Figure 8.5. Job Mela for Unemployed Youth 132
Figure 8.6. MSME Loan Mela 133
Figure 8.7. Perspective for establishment of CoE for MSME at IIT Delhi 134
Figure 8.8. Virtual Programme on MSME-ASSIST.. 134
Figure 8.9. Mobile Application Launch 135
Figure 8.10. Digital Saksham for MSMEs Launched 136
Figure 9.1. Consultative Meeting with Lokmangal Group of Institutions 139
Figure 9.2. KLIPFC Steering Committee Meeting 140
Figure 9.3. Youth Motivation Camp for Skill Development 141
Figure 9.4. Faculty at AIR, Balangir as Resource Person 141
Figure 9.5. Free Capacity building training programme for SC/ST women.................. 142
Figure 10.1. Anti-Terrorism Day... 143
Figure 10.2. World Environment Day 144
Figure 10.3. International MSME Day 144
Figure 10.4. Foundation Day.. 145
Figure 10.5. Independence Day... 146
Figure 10.6. Sadbhavana Diwas 147
Figure 10.7. Dusserah Festival 147
Figure 10.8. Vigilance Awareness Week.. 148
Figure 10.9. Quami Ekta Week 148
Figure 10.10. Constitution Day... 149

Figure 10.11. Republic Day 150
Figure 10.12. Martyr's Day 150
Figure 10.13. New Year's Day 151
Figure 10.14. International Women's Day 153
Figure 11.1. Retirement of Shri. Sarwar Khan 154
Figure 11.2. Shri. I. Sekhar 154
Figure 11.3. Shri. N. Raja Narasimha 155
Figure 12.1. Hindi Day and Rajbhasha Week 156
Figure 12.2. Minutes of TOLIC Core Committee Meeting 157
Figure 12.3. Hindi Workshop 158
Figure 12.4. Meeting of Official Language Implementation Committee 159
Figure 13.1. National Training Programmes and Participants 160
Figure 13.2. Income through different programmes 160

List of Tables

Table 1.1. Institute's Clientele 4
Table 1.2. Members of the Governing Council 5
Table 1.3. Members of the Executive Committee 8
Table 1.4. Staff Strength 15
Table 1.5. Details of Activities 17
Table 1.6. Financial Report 161
Table 1.7. Hiring of Consultants 163
Table 1.8. The Addresses of Information & Facilitation, Central Public Information Officer and First Appellate Authority for soliciting information 163
Table 1.9. ni-msme's Global Alumni 164

1. Overview

1.1. Background

Origin: Following the recommendations of the Working Group on the Third Five Year Plan for Small Scale Industries, the Government of India decided to set up an institution. Accordingly, “Central Industrial Extension Training Institute (CIETI)” was created in Delhi in October 1960 as Department of Central Government under the Ministry of Commerce and Industry. The main objective was to provide training to the personnel of the Central Small Industries Organisation and of the Departments of Industries of the State Governments.

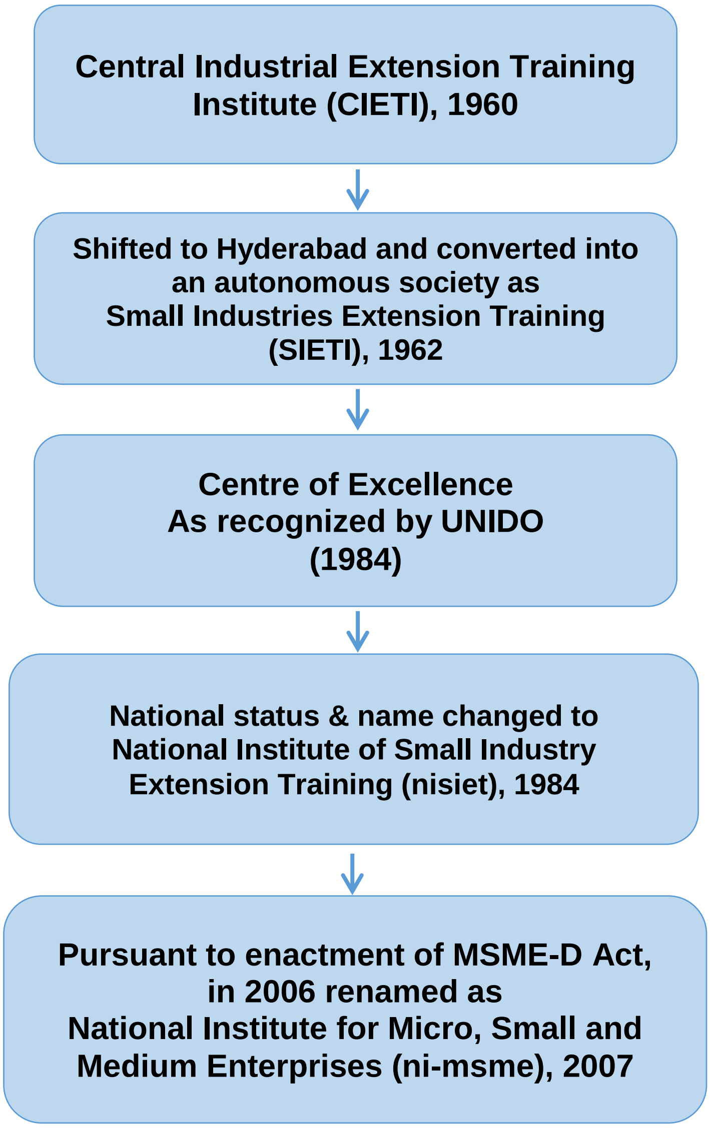

Figure 1.1. Different Milestones

The Institute was associated with prestigious world bodies such as UNIDO, UNESCO, ILO, Commonwealth Fund for Technical Cooperation (CFTC), United Nations Children's Education Fund (UNICEF), Afro-Asian Rural Development Organization (AARDO), ARB Bank (Ghana) and GIZ (Germany). The Institute's collaborative efforts with various international organisations and institutions make its endeavor's more result-oriented.

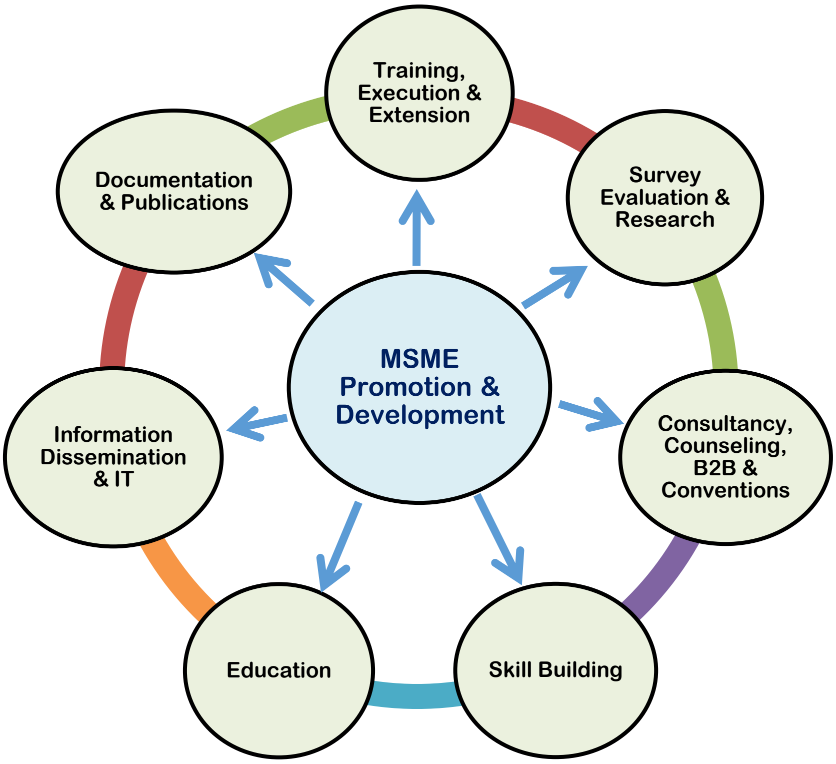

Figure 1.2. Spectrum of activities and services

The Institute's programmes are globally compatible and upgraded according to the expertise accomplishments. **ni-msme** is widely recognised as one of the world's best Institute for Entrepreneurship Development besides its facilities for training, research and extension.

1.2. ni-msme Charter

As specified in the Result Framework Document (RFD), Sevottam Compliant Citizens' Charter, a Sevottam Compliant Grievance Redress Mechanism is mandatory. Accordingly, a Citizens' Charter has been adopted for the Institute and the same can be viewed at the Institute's website.

The objectives of the Institute are to conduct training programmes or seminars and workshops for national and international executives, for employees of all MSME service providers. It undertakes and executes research and consultancy projects for the development and promotion of enterprises, offers skill-based training programmes for youth and also provides information relating to MSME to citizens and clients.

Focused attention on specific topical specification issues through conferences, seminars and programmes with special emphasis on need based programmes

Evaluation Studies and publications

Paradigm shift towards client driven approach & innovative interventions

Keeping in line with the national objective of economic development through industrialisation and based on the expertise available, ni-msme has identified following thrust areas for prominence and exploration

Policy Issues	**Entrepreneurship Development**
Technology Transfer & Upgradation	**Networking with Micro and Small Enterprises**
Skill Development	**Cluster Development**
Agri-Business	**Export Facilitation**
Environment Concerns	**Financial Services**
Management Consultancy	**Quality Management Services**
Information Services	**Intellectual Property Rights (IPR)**
Incubation	**Mentoring**

Figure 1.3. ni-msme Charter

Enterprise promotion and entrepreneurship development being the central focus of **ni-msme's** functions, the competencies of the Institute converge on the following domains:

- Enabling enterprise creation
- Capacity building for enterprise growth and sustainability
- Creation, development and dissemination of enterprise knowledge
- Diagnostic and development studies for policy formulation

1.3. Institute's Clientele

ni-msme being executive arm of Ministry of MSME, Govt. of India and has been instrumental in policy advocacy, research, training and consultancy for various Union & State Governments, PSUs, Banks, Premier Institutions, Private Sectors and International Organisations. The list of clients served by **ni-msme** during the financial year is presented in the table below.

Table 1.1. Institute's Clientele

<table>
<tr><th>Central Ministries/Departments</th><th>State Governments</th></tr>
<tr><td>• Ministry of MSME
• Ministry of External Affairs
• Ministry of Minority Affairs
• Ministry of Agriculture Farmers Welfare
• Ministry of Science & Technology
• National Mineral Development Corporation</td><td>29 States & 7 UTs</td></tr>
<tr><th>Banks</th><th>Private Organisations</th></tr>
<tr><td>• Small Industrial Development Bank of India
• AXIS Bank
• YES Bank</td><td>• Syngenta Foundation
• Lokmangal Group of Institutions</td></tr>
<tr><th colspan="2">International</th></tr>
<tr><td>African-Asian Rural Development Organization (AARDO)</td><td>Govt. of Guyana</td></tr>
</table>

1.4. Administration and Management

The affairs of the Society are managed, administered, directed and controlled through the Governing Council constituted by Government of India as per Rule 22 (a & b) of Rules and Regulations of the Society. The Society, as provided under Rule 3 of Rules and Regulations, was constituted by Government of India.

Shri Nitin Jairam Gadkari, Hon'ble Union Minister for MSME, Govt. of India is the President of the Society and Chairman of the Governing Council. Secretary to Govt. of India is ex-officio Chairman of Executive Commmittee (EC). This financial year has witnessed change of three Chairmen for EC. Dr. Arun Kumar Panda, IAS retired on 30th April 2020. Shri. Arvind Kumar Sharma, IAS, assumed charge as Secretary, Ministry of MSME on 30th April 2020 and was relived on 10th January 2021. Shri. Bidyut Bihari Swain, IAS took over the charge of Secretary, Ministry of MSME on 11th January 2021. Secretary, Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Govt. of India is the Vice-President of the Society, Vice-Chairman of the Governing Council and Chairman of the Executive Committee. Ms. Alka Nangia Arora is the Joint Secretary (SME), Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Govt. of India and Ms. S. Glory Swarupa is the Director General of the Institute.

1.5. Governing Council

The affairs of the society (**ni-msme**) is managed, administered, directed and controlled in accordance with the rules and regulations of the society, by the Governing Council which shall consist of 20 members and the Director General as Member Secretary.

1.5.1. Members of the Governing Council

Table 1.2. Members of the Governing Council

S.No.	Name	Address	Designation
1.	Shri Nitin Gadkari	Hon'ble Minister of State Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Udyog Bhavan New Delhi -110011	Chairman (ex-officio)
2.	Shri Arun Kumar Panda, IAS Shri. A.K. Sharma, IAS Shri. Bidyut Bihari Swain, IAS	Secretary to the Govt. of India Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Udyog Bhavan New Delhi -110 011	Vice-Chairman (ex-officio)
3.	Shri Devendra Kumar Singh, IAS	Additional Secretary & Development Commissioner (MSME) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Nirman Bhavan Moulana Azad Road New Delhi -110 011	Ex-officio Member
4.	Shri Vijoy Kumar Singh, IAS Shri Shashank Priya, IRS	Additional Secretary & Financial Adviser Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Udyog Bhavan New Delhi -110011	Ex-officio Member
5.	Smt. Alka Nangia Arora, IDAS	Joint Secretary (SME) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Udyog Bhavan New Delhi-110011	Ex-officio Member

6.	Shri Sudhir Garg, IRSEE	Joint Secretary (Agro & Rural Industries) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Udyog Bhavan New Delhi -110011	Ex-officio Member
7.	Chairman	Coir Board Coir House M.G. Road, Ernakulam Kochi-682016, Kerala	Ex-officio Member
8.	Chairman and Managing Director	Small Industries Development Bank of India (SIDBI) MSME Development Centre C-11, G-Block, Bandra- Kurla Complex, Bandra (East) Mumbai- 400051 Maharashtra	Ex-officio Member
9.	Chief Executive Officer	Khadi & Village Industries Commission, Gramodaya, 3 IRLA Road Vile Parle (West) Mumbai - 400056	Ex-officio Member
10.	Chairman and Managing Director	National Small Industries Corporation (NSIC) NSIC Bhawan Okhla Industrial Estate New Delhi-110020	Ex-officio Member
11.	Director	Entrepreneurship Development Institute of India (Via Ahmedabad Airport & Indira Bridge) P.O. Bhat-382428, Gujarat	Ex-officio Member
12.	Principal Secretary	Ministry of Industries & Commerce (FP&MSME) Govt. of Telangana Hyderabad-50002	Nominated Member (Tenure Completed)
13	Chief General Manager	State Bank of India Local Head Office Hyderabad-500 095	Nominated Member
14	Shri Sricharan Kumar Thetapally	# 16-2-835/8, H.B. No. 5/A New Saidabad Colony Hyderabad - 500 059 Telangana Mobile: 9866003837	Nominated Member
15	Shri A. Krishna Balaji	Managing Partner M/s Lalitha Metals A1 & 2 Apie Auto Nagar Visakhapatnam – 530 012 Andhra Pradesh Mobile: 9848188822	Nominated Member

16	Shri Veesamsetty Vidyasagar	Managing Director Sagar Asia Group 201, 2nd Floor, Mayfair Building Sardar Patel Road Secunderabad-500003 Telangana. Mobile: 9963319098	Nominated Member
17	Mrs. Yedla Geetha Gangadhar	501, Anand Nilayam Dr. Anna Dorai Chowdary Lane Ameerpet, Hyderabad-500016 Mobile: 9177585833	Nominated Member
18	Shri Rajashekhar Sheelavanth	M.G. Road, Saraff Bazar Guledgudd – 587 203 Mobile: 9448137293	Nominated Member
19	Shri Vijay Surana Jain	24, Janakapuri Colony Karkhana, Secunderabad – 500 003 Mobile: 9848025554	Nominated Member
20	Shri Amarnath Sarangula	B-411, Manasa BHEL Executive Towers Miyapur, Hyderabad - 500 050 Telangana Mobile: 9912744000	Nominated Member
21	Smt. S. Glory Swarupa	Director General National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises, Yousufguda, Hyderabad-500 045	Member Secretary

1.6. Executive Committee

The functions of the Executive Committee include consideration of Annual plans and programmes (training, research, consultancy, other activities, etc.,) of the Institute taking into account the recommendation of the Institute's management and making recommendation for approval of the Governing Council. The Executive Committee consist 9 members including the Director General, **ni-msme** as Member Secretary.

1.6.1. Members of the Executive Committee

Table 1.3. Members of the Executive Committee

S.No.	Name	Address	Designation
1.	Shri Arun Kumar Panda, IAS Shri. A.K. Sharma, IAS Shri. Bidyut Bihari Swain, IAS	Secretary to the Govt. of India, Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India, Udyog Bhavan New Delhi-110011	Chairman
2.	Shri Devendra Kumar Singh, IAS	Additional Secretary & Development Commissioner (MSME), Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Govt. of India, Nirman Bhavan, Moulana Azad Road, New Delhi-110011	Vice Chairman
3.	Shri Vijoy Kumar Singh, IAS Shri Shashank Priya, IRS	Additional Secretary & Financial Adviser Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India, Udyog Bhavan New Delhi-110011	Member
4.	Smt. Alka N. Arora, IDAS	Joint Secretary (SME) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India, Udyog Bhavan New Delhi-110 011	Member
5.	Shri Sudhir Garg, IRSEE	Joint Secretary (Agro & Rural Industries) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India, Udyog Bhavan New Delhi-110011	Member
6.		Vacant	Nominated Member
7.		Vacant	Nominated Member
8.		Vacant	Nominated Member

9.	Smt. S. Glory Swarupa	Director General National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (**ni-msme**), Yousufguda, Hyderabad-500045	Member Secretary

1.7. Schools of Excellence

Since its inception, **ni-msme** has been rendering services to MSMEs. **ni-msme's** intellectual activities are pursued by its four Schools of Excellence, through their eleven existing centers, which also include four theme focused cells devoted to specific disciplines.

The four Schools are indicated in the following chart:

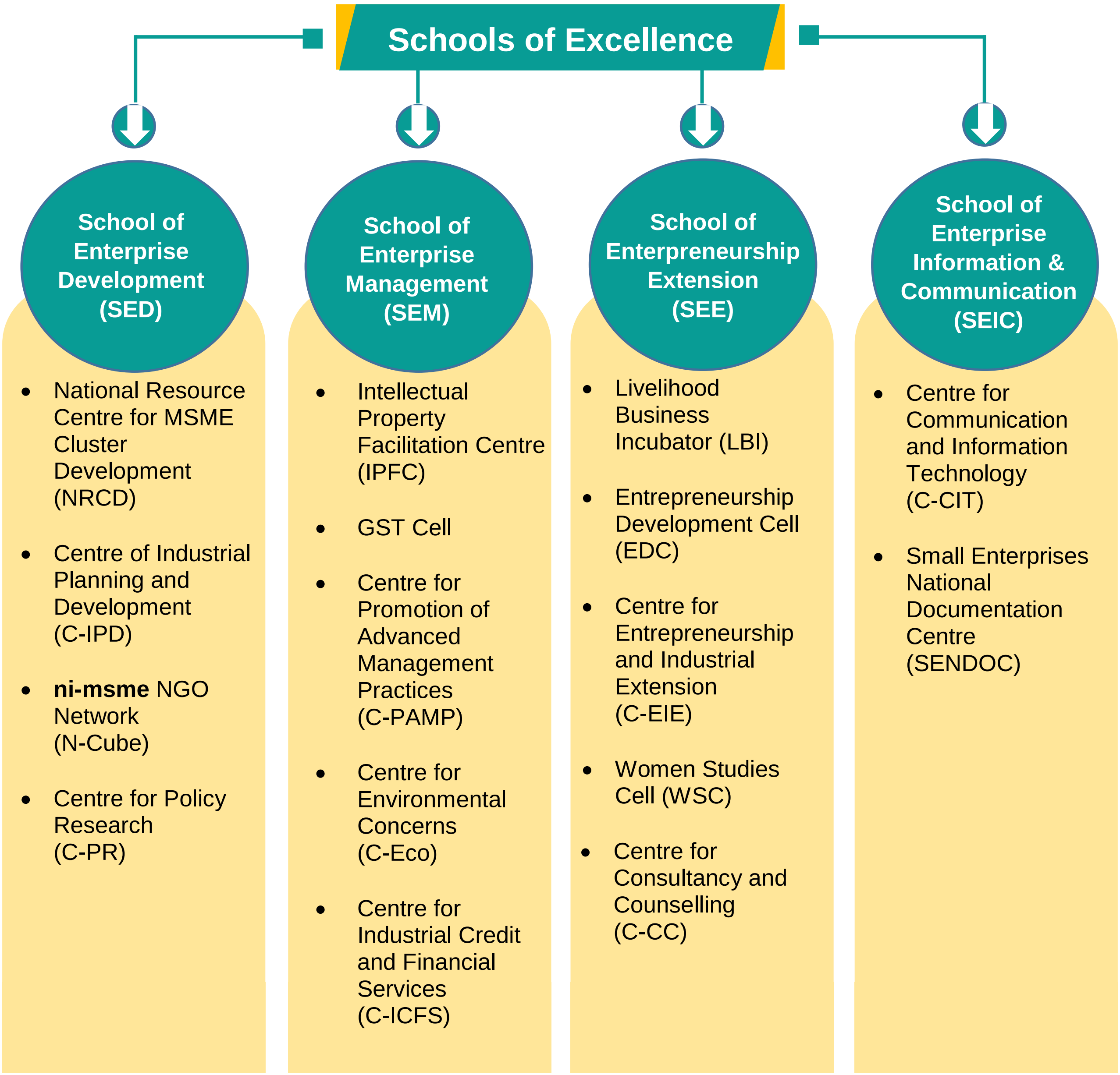

Figure 1.4. Schools of Excellence

1.8. Infrastructural Facilities

1.8.1. Existing Infrastructural Facilities

1.8.1.1. Training Building

Well-laid infrastructure provides the framework for better and efficient functioning of an organisation. **ni-msme's** facilities are spread over several hectares of sylvan surroundings and are ranked among the best in the world. Apart from the facilities for teaching and training, the Institute provides an excellent library that offers internet facility with round-the-clock reference-cum-reading rooms. Spacious and well-equipped air-conditioned classrooms and conference halls, with state-of-the-art instructional and functional gadgets, computers with specific software for cutting edge IT courses; advanced laptops and other instructional tools make learning at **ni-msme** a pleasant pursuit. The infrastructure at the Institute includes:

- Auditorium : 350 persons capacity
- Conference Hall : 125 persons capacity
- 18 Lecture Halls : 30 – 40 persons capacity each
- Faculty work-stations with support services

1.8.1.2. Library

The SENDOC at **ni-msme** has one of the finest specialised libraries in India with the best collection of 40,000 books, ni-msme bullitons and SEDME publications, 8,100 Back volumes and 100 current Titles journals, 1,000 Project Profiles and 20,000 contemporary business reports, with Internet connectivity and documentation solutions.

1.8.1.3. Guest Room Complex

The Institute's clean and comfortable guest rooms, with modern amenities on par with international standards, can accommodate over 280 guests. The hostel complex has clean and hygienic dining facilities, serving appetising cuisines that make the campus a home away from home for the participants. The hospitality wing has the following features:

- Multi-cuisine mess with five dining halls
- Guests and participants are accommodated in Air-Conditioned rooms
- Suites for VIP's and dignitaries
- All rooms are equipped with TV, Wi-Fi and intercom facilities

1.8.1.4. Closed Circuit Cameras

73 CC cameras with monitors are located at strategic points on the **ni-msme** campus for surveillance.

1.8.1.5. Sports and Games

Fitness, enthusiasts among the participants at the Institute use the jogging track and gym on the campus. The campus also has facilities for playing tennis and football (outdoor games) and badminton, table tennis, chess and caroms (indoor games).

1.8.1.6. Medical Care

A visiting physician is available in the campus during fixed hours and also available 24/7 on call to attend health issues.

1.8.1.7. Recreational Facilities

The amphitheatre, '*Kalangan'* provides an ideal venue for staging entertainment concerts and to show-case the creative talents of the participants. *'Musing'* is another outdoor location within the campus, set amidst tall trees beside a pond that is best suited for get-togethers. *'Utsav'* is a wonderful location for outdoor meetings and social gatherings. The Herbal Vista, which houses medicinal and aromatic plants, is well maintained and visitors can soak in the natural ambience.

1.8.1.8. Water Treatment (RO) Plant

The water treatment plant meets the requirement of drinking water to all the buildings located in the campus and supply pure drinking water 1500 liters to the national and international participants and the staff of the Institute.

1.8.1.9. Parking Area

Two new facilities have been added to the campus infrastructure by way of a covered walkway connecting the New Training Building and the dining block, and a covered parking space for 16 four wheelers and 60 two wheelers. Coincidentally, the ground at the premises has also been graded and levelled to suit the contour of the land.

1.8.1.10. Laundromat

For the bulk cloths washing and handling an Industrial Washing machine of 150 Kg capacity is installed for hygiene washing. Also in each floor of the hostel one washing machine is installed for the International Executives.

1.8.1.11. Solar Panels

200 KV Solar panels are installed to make the campus greener and for complementing the electricity consumptions.

1.8.2. New Infrastructural Facilities

1.8.2.1. NINADAH Studio

In view of online mode becoming the normal style of functioning and also in the wake of the unabated pandemic, **ni-msme** has set up a studio for online training. The studio was inaugurated by Ms. Glory Swarupa, Director General on 2nd September 2020 and was named as NINADAH by Director General. Addressing the assemblage of **ni-msme** family, the DG emphasised the need for the studio in the pandemic constrained environment. She called on all members of the faculty to use the studio for recording the instructional discourse and conduct online classes. When the Director General was interviewed in the studio, she reminisced on the glorious past of the Institute and shared information on programmes completed as well as activities. She congratulated the faculty team for coming up with the studio concept. Further she appreciated Mr. G. Sudarshan, Faculty Member for coordinating the effort of setting up the studio NINADAH.

Figure 1.6. NINADAH Studio

1.8.2.2. Solar and Wind Hybrid Energy Demo Unit

A demo unit on Solar and Wind Hybrid Energy was installed at **ni-msme** campus on 12th November 2020 supported by WindStream Energy Technologies India Pvt. Ltd. The company has developed and tested first-of-its-kind, integrated, hybrid energy solution and is now marketing and selling Solar Mills® to a worldwide customer base, in more than 35 countries. It is designed to generate power at lowest possible wind speeds and coupled with solar panels, it provides energy generation round the clock and throughout the year.

In the inauguration function Ms. S. Glory Swarupa, Director General appreciated the efforts of WindStream Technologies in popularising the use of non-renewable sources of energy among MSMEs. Mr. Venkat Kumar Tangirala, Managing Director said it is one of the suitable alternative renewable energy generation device and Mr. T. Venu Gopal, Senior Vice President (Technologies & Manufacturing) explained about its engineering aspects. **ni-msme** faculty and officials participated in this event.

Figure 1.7. Hybrid Energy Demo Unit

1.8.2.3. Electric Vehicle Charging Station

The Telangana State Renewable Energy Development Corporation Ltd. is a nodal agency for implementation of Public EV Charging Station in the state of Telangana has installed two AC-001 10kW EV Chargers in **ni-msme** campus in the month of March 2021. This facility will enable to recharge 4 two wheelers and 2 Four wheelers at a time. This is sanctioned under Faster Adoption and Manufacturing of (Hybrid &) Electric Vehicles in India (FAME-India) though Rajasthan Electronics & Instruments Ltd (REIL) a government of India initiative for promotion of E Vehicles in India.

Figure 1.8. Electric Vehicle Charging Station

1.8.2.4. New ATI Building Construction

1.8.2.4.1. Infrastructure Augmentation

ni-msme signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Central Public Works Department (CPWD) on 16th September 2020 for construction of new ATI building.

The signing ceremony was held in the mini conference hall of **ni-msme**. Ms. S. Glory Swarupa, Director General signed on behalf of **ni-msme**, while Mr. V. Srinivasulu, Executive Engineer (Civil), Hyderabad – II, CPWD, Hyderabad signed on behalf of CPWD, in the presence of Mr. T.S. Vivekananda, ADG, CPWD, Hyderabad; Mr. N.N.S.S. Rao, Chief Engineer, CPWD, Hyderabad and staff of **ni-msme**.

Mr. N.N.S.S Rao, speaking on the occasion, assured that the construction of new ATI (G+3) building will be completed within 15 months.

Figure 1.9. Infrastructure Augmentation

1.8.2.4.2. Foundation Stone Laying Ceremony

Expansion of activities requires suitably appointed infrastructure to facilitate smooth execution. Of all the components of infrastructure, proper housing facility is the most basic. Incidentally, new building also signifies a phase of ascent.

The foundation stone for the new ATI (G+3) building at **ni-msme** was laid on 1st October 2020 at 12.30 p.m through video conference mode. The project was supported by the Ministry of MSME under infrastructure development.

Shri. A.K. Sharma, IAS, Secretary to Govt. of India, Ministry of MSME was the Chief Guest. Ms. Alka Nangia Arora, Joint Secretary, Ministry of MSME, GoI was the Guest of Honour. Ms. S. Glory Swarupa, Director General of **ni-msme** welcomed the distinguished personages.

The foundation stone laying was done virtually by the Chief Guest. Dr. K. Visweswara Reddy, FM (SEM) & Admin I/c, **ni-msme**; Mr. Murali Kishore, Asst. Registrar, **ni-msme**; Mr. S.V.L. Narasimha Raju, Consultant Engineer, **ni-msme**; Mr. V. Srinivasulu, Executive Engineer (Civil), CPWD; Mr. P. Sai Komareswar, Executive Engineer

(Electrical), CPWD; Mr. N. Janardhana Rao, works contractor, other faculty members and staff of **ni-msme** were present at the event. Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (M & BD), **ni-msme** proposed the vote of thanks.

Figure 1.10. Foundation Stone Laying Ceremony

1.9. Staff Strength

The staff strength of the Institute as on 31st March, 2021 is given in the table below.

Table 1.4. Staff Strength

Category	Sanctioned Strength	Posts filled	Posts vacant
Group - A	23	17	06
Group - B	06	03	03
Group - C	95	36	59
Total	**124**	**56**	**68**

1.10. ni-msme Organogram

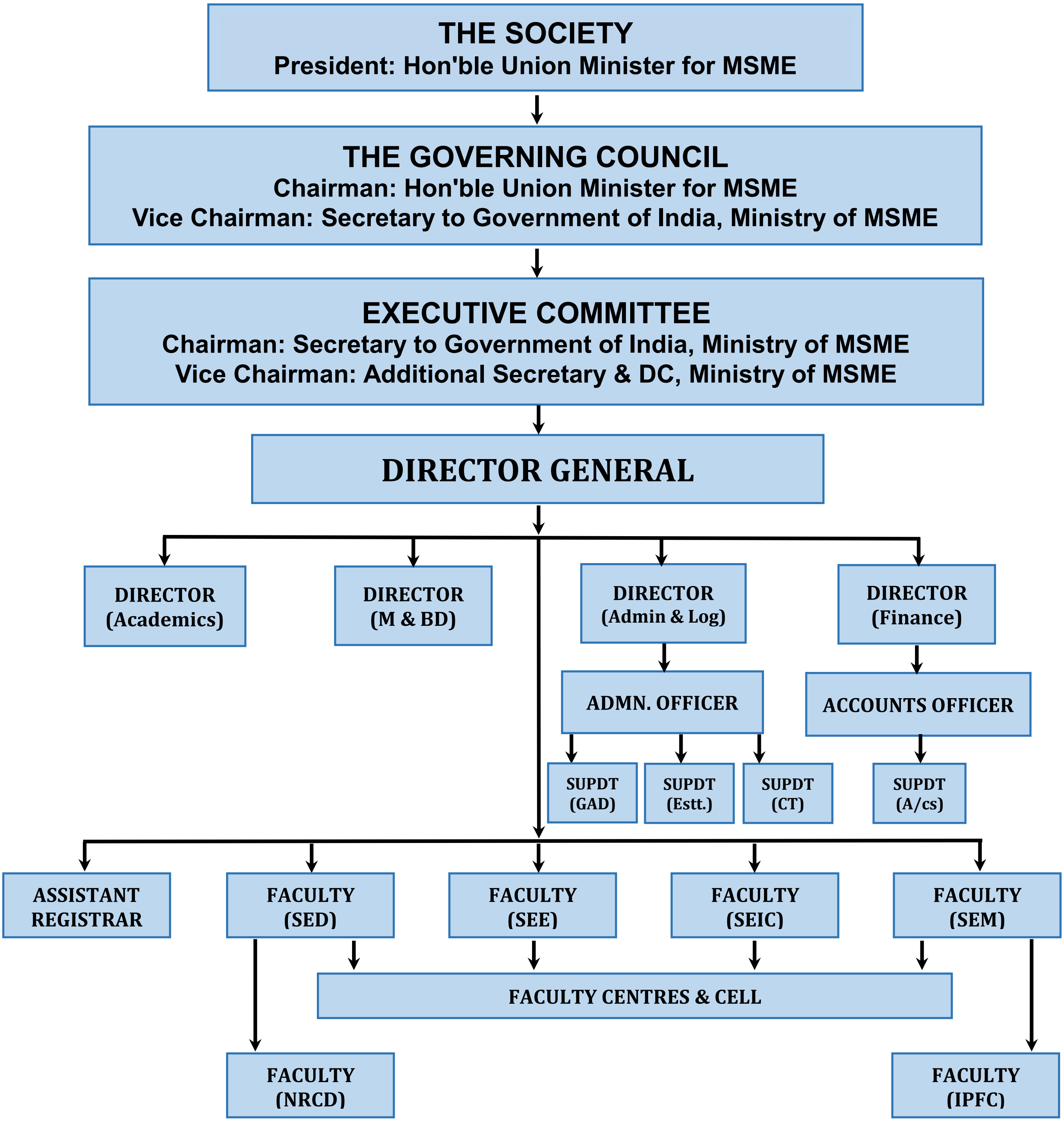

Figure 1.11. ni-msme Organogram

1.11. Activities from April 2020 to March 2021

The following table indicates total number of programmes conducted, participants trained and proposals submitted during the period from 01.04.2020 to 31.03.2021.

Table 1.5. Details of Activities

Sr.No.	Activities	Numbers
1.	International Training Programmes	06
2.	Sponsored Programmes	64
3.	Announced Programmes	19
4.	Seminars and Workshops	03
5.	Entrepreneurship & Skill Development Programmes	77
6.	Webinars	54
7.	Participants Trained	11883
8.	Research	02
9.	Consultancy	25
10.	Proposal submitted	82

2. International Programmes

2.1. Programms Sponsored by AARDO

2.1.1. Adaptive Innovative Strategies for SME Development (AISSD)

Every challenge is a hamper of one or more needs to be met. Meeting the needs requires imaginative improvisations and creations. So, as our Hon'ble Prime Minister Modi ji says, "every challenge must be viewed as an opportunity". So is it with COVID-19 pandemic.

ni-msme had organised a two-week international e-training programme on Adaptive Innovative Strategies for SME Development (AISSD) from 20th to 31st July 2020, sponsored by the African-Asian Rural Development Organization (AARDO). In all 46 Executives from 16 countries participated in the programme to discuss MSME policies and schemes being implemented by the participating countries, as also innovative strategies for SME development. The programme helped the participants to support and guide SMEs to invent and innovate.

Figure 2.1. Adaptive Innovative Strategies for SME Development (AISSD)

Dr. Manoj Nardeo Singh, Secretary General, AARDO inaugurated the programme. He called on the participants to derive best benefit from the training and faculty interactions. Earlier, Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme** presented a short review of **ni-msme**'s activities related to SME development and inspired the participants to actively engage in the programme, while Mr. K. Surya Prakash Goud, Programme Director welcomed the participants and experts. The inauguration concluded with Dr. S. M. Ovais, Head (Capacity Building & Development Projects), AARDO proposing the vote of thanks.

Broadly, the topics discussed spanned over MSME Policy for Champions, Schemes and Programmes for MSMEs, Cluster Strategy, Branding and Marketing, Institutional Framework for SME Development, IPR, Exports, Make in India and Innovations to cope with COVID-19. The sessions were addressed by **ni-msme** faculty who shared the inventions and innovations happening in India. The participants shared the innovations in their individual countries and exchanged ideas, discussed the drawbacks due to regulating laws in different countries, etc. Question and Answer rounds were held after each session, where the participants interacted with each other as well as with the speakers.

The guest speakers included some pioneer minds and distinguished personages of the industry, who took time out of their busy schedules to interact with the participants and share their knowledge and experiences. A few experts viz. Prof. Anil Gupta, CEO of National Innovation Foundation; Mr. K. Ullas Kamat, Joint CEO of Jyothy Labs; Mr. Partho P. Kar, Social Entrepreneur, experienced mentor; Mr. Sunil Choudhury, official of SIDBI; Mr. Kameswara Rao, an industry expert; Mr. Aiyeppan Ramaswami, Siemens gave inputs on strategy for promotion of innovation, opportunities in India for SMEs, financial products for start-ups and emerging technologies and opportunities in SME sector as also business ethics. Mr. Jayesh Ranjan, IAS, Principal Secretary, Govt. of Telangana addressed the participants on Emerging Technologies during the pandemic and mentioned some initiatives that can be taken up by the Government officials in their respective countries.

During the concluding session, the participants expressed satisfaction on e-training and thanked the AARDO and **ni-msme** for the initiative. They stated that the programme was useful and wanted to implement the concepts learned at their work places. Dr. Ovais appreciated the efforts of the trainees and their active participation.

Ms. Glory Swarupa, in her valedictory address, appreciated that in spite of the pandemic and official work, participants took time to learn something new from each other. She urged the participants to think of innovations in healthcare, as it is the fastest growing sector in these times. Further, she suggested to focus on field level implementation.

2.1.2. Innovative Agro Food Processing Enterprises and Green Tech (IAFEG)

The Association between **ni-msme** and AARDO runs to deades back. Both organisations have moved ahead a long way on the path of progress. This programme is a wonderful come-together opportunity for experience sharing.

ni-msme conducted a two week International Training programme on “Innovative Agro Food Processing Enterprises and Green Tech” through virtual mode from 16th to 26th November 2020. The programme was sponsored by AARDO. In this programme 41 participants consisting of Executives, Government Officials and Project Officers from 15 different countries participated. Dr. S. Sharma, AFM, SEE and Mr. J. Koteswara Rao, AFM, SED of **ni-msme** were Progrogramme Directors.

In the Inaugural remarks given by His Excellency Dr. Manoj Nardeo Singh, Secretary General, African-Asian Rural Development Organization (AARDO), urged the participants to get maximum knowledge from this training programme. Ms. S. Glory Swarupa, Director General of **ni-msme** stated in her inaugural speech that National Institute for MSME have initiated efforts for the development of agro food processing enterprises and its importance in rural areas in developing countries. Both the organisations have the potential to develop and implement projects for rural development through technology interventions in a synergistic way. The Government of India has initiated programmes for doubling the farmers’ income by 2022. Dr. S.M. Ovais, Head, Capacity Building & Development Projects (CB & DP) Division, African-Asian Rural Development Organization (AARDO) emphasized on technology applications which could be directly helpful for rural development in member countries. Mr. Mohsin, AARDO was also present in the online event.

The programme was conducted through online WebEx mode, aimed at imparting skills and knowledge essential for inculcating entrepreneurial culture among the participants in agro food processing enterprises and green technology sector. Various sessions like Idea for an enterprise, Agro food processing methods, Solar applications in small business, agriculture sector, fruits and vegetables, Solar dehydrators, fish processing and value addition aspects, IPR, MSME policy & schemes, marketing for MSMEs, khadi and power looms cluster approach were dealt in great detail. The reading material, of the sessions was made available through Google Classroom. Country wise presentation were made by the participants.

The programme were conducted by well experienced faculty with good teaching as well as practical expertise in their respective field of specialisations. During the valediction the Director General, **ni-msme** addressed the participants and advised them to use the practical demonstration training knowledge to guide entrepreneurs to start their own enterprises with agro, food and green tech applications. This implementation of learning in their back home situations will empower their stakeholders. She advised the participants to share their success stories with **ni-msme**. Dr. S.M. Ovais, Head, Capacity Building & Development Projects (CB & DP) Division, African-Asian Rural Development Organization (AARDO) appreciated the **ni-msme** efforts and the participants for their active participation during the entire programme. There was on active Q & A session and all doubts of the trainees were clarified.

Figure 2.2. Innovative Agro Food Processing Enterprises and Green Tech (IAFEG)

Assessments and feedback of the training programme was taken online. The participants of different countries made presentation about their developmental plan after attending this training. The **ni-msme** faculty guided and assured all possible support in the future guidance and suggestions in implementing these plans. Certificates were awarded by virtual mode. Dr. Shreekant Sharma, Programme Director, stated that the Government of India has recently initiated a series of structural reforms in agro food processing sector to transform it into a viable enterprise and financially empower the farming community. Such programmes would help transform the government vision to the grassroots level. The participants expressed the opinion that the training would help them immensely in improving their efficiency in their current job.

2.1.3. Development of Rural Clusters with ICT and e-Governance (DRIEG)

ni-msme had organised an online international training programme on Development of Rural Clusters with ICT and e-Governance from 30th November to 10th December 2020. A total of 32 participants from 12 countries attended the programme, sponsored by the African-Asian Rural Development Organization (AARDO). The focus was on development of rural clusters and applications of IT tools for market development, monitoring and evaluation.

Dr. Manoj Nardeosingh, Secretary General, AARDO, inaugurated the programme. He thanked **ni-msme** for designing a customised programme for the benefit of member countries. Hoping that the programme would lead to further interventions and fruitful results, he urged for need based interventions and technology transfer. Ms. S. Glory Swarupa, Director General of **ni-msme**, appreciated AARDO for the initiative of online training during COVID-19 disruption. She highlighted the need for such interventions, and outlined the initiatives taken by **ni-msme**, including training and projects. She pointed out the relevance of cluster strategy for rural development and experiences of **ni-msme** in cluster development. The Programme Directors are Mr. K. Surya Prakash Goud and Mr. Sandeep Bhatnagar.

Mr. Goud, along with cluster stakeholders/entrepreneurs of Kolhapur Textile Cluster, Pune Engineering Cluster, Mubarakpur Handloom Cluster, gave inputs on cluster concepts and methodology, significance of cluster diagnosis, designing strategic interventions, need for infrastructure development for strengthening backward and forward linkages and interventions for value addition. During the discussions, case studies on coir and village industry clusters promoted by the Coir Board, Khadi & Village Industries Commission, and Ministry of Textiles were presented, and documentary films were screened for better understanding of the concepts.

The concepts of marketing interventions and e-commerce were explained by Mr. Sandeep Bhatnagar, using practical demonstrative videos on Rural Advertising in Rural Clusters of Bihar (India) and NABARD support for micro enterprises to participate in exhibitions and fairs. He discussed case studies on Amul India Story, ITC e-choupal, and explained Facebook, Quora, Twitter, Instagram, Blogs, Pinterest Google Adwords, Google Analytics and other website traffic analysis tools as well as the Digital Framework: e-strategy for Rural Products.

During conclusion of the programme, Dr. S.M. Ovais, Head (Capacity Building & Development Projects), AARDO thanked the participants for their active cooperation and making the programme a success. He further stated that the programme demonstrated well the importance of clusters, problems faced by the clusters and ways of overcoming them. The Director General of **ni-msme** stressed on the importance of digitisation of MSMEs for online marketing, cluster development and internet banking. She mentioned the MoU with Mastercard to train over 3 lakh MSMEs on digitisation.

Figure 2.3. Development of Rural Clusters with ICT and e-Governance (DRIEG)

2.1.4. Sustainable Rural Development for Food Production and Processing

Online International Training Programme on Food Production and Processing Technologies for Sustainable Rural Development (FPTRD) was inaugurated on 22nd February 2021. This is a two week training programme goes till 04th March 2021. The programme was sponsored by AARDO. In this programme 53 participants comprising of Executives, Government Officials and Project Officers from 13 different countries participated. Dr. Shreekant Sharma, AFM, SEE directed the training programme. In the Inaugural remarks given by His Excellency Dr. Manoj Nardeo Singh, Secretary General, African-Asian Rural Development Organization (AARDO), he urged the participants to get maximum knowledge from this training programme. He emphasized on the importance of food production and processing technologies for achieving sustainable rural development in the globe. Ms. S. Glory Swarupa, Director General of **ni-msme** stated in her inaugural speech that National Institute for MSME has facilitated the development of food processing enterprises in rural areas in India and abroad. Dr. Singh said **ni-msme** has been a trusted partner of AARDO and there are great potential to develop and implement joint projects for rural development through technology interventions in a synergistic way, for this AARDO is also comingup with a compendium of technologies. Dr. S.M. Ovais, Head, Capacity Building & Development Projects (CB&DP) Division, African-Asian Rural Development Organization (AARDO) and Mr. Mohsin, AARDO were also present in the online event.

The programme was conducted online through Google Meet. The programme aimed at imparting knowledge on latest food production and processing technologies. The sessions were conducted by well experienced faculty with specialization in horticulture, poultry, dairy, meat processing, fish processing technology, millets, incubation, packaging, cluster development, IPR, marketing, exports and green tech applications. The participants of different countries made presentation about their country's agriculture status and developmental plan for future. The participants appreciated the sessions and few of them expressed their interest to collaborate in future.

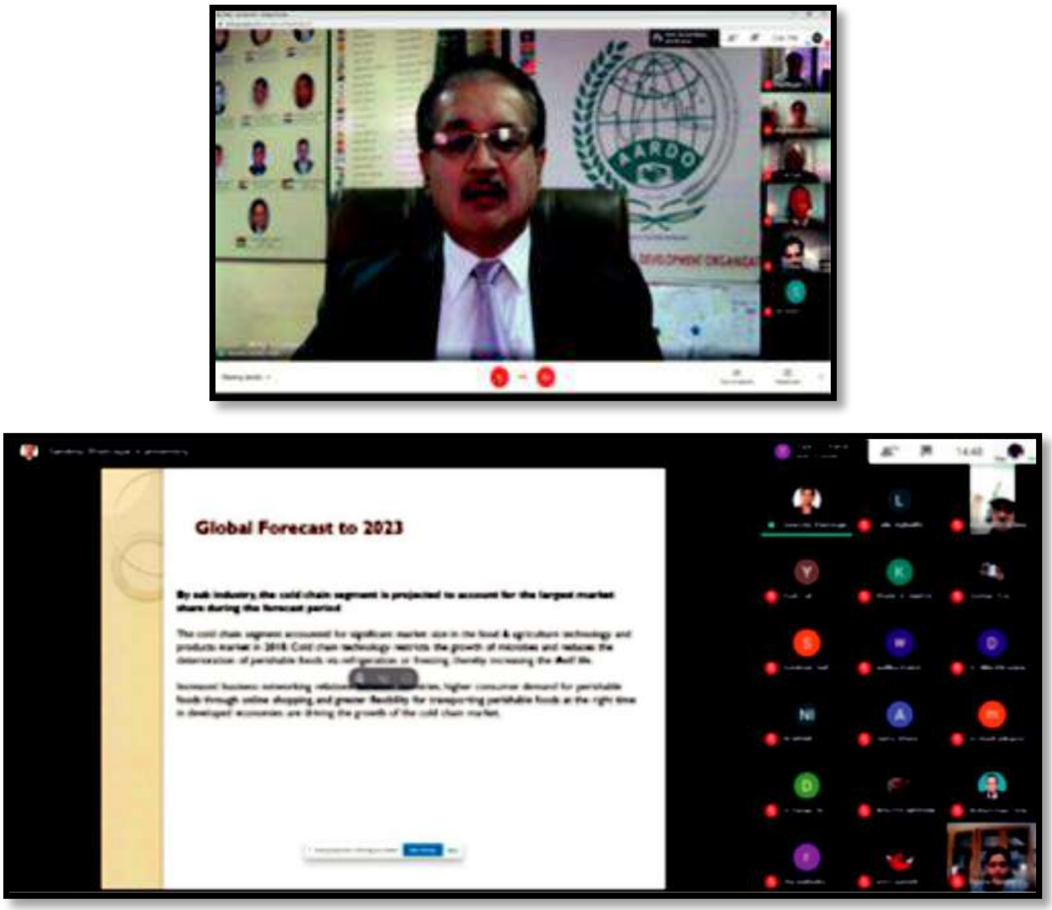

Figure 2.4. Sustainable Rural Development for Food Production and Processing

On 4th March 2021, during the valedictory function Dr. S.M. Ovais, Head, Capacity Building & Development Projects (CB&DP) Division, African-Asian Rural Development Organization (AARDO) appreciated the efforts of **ni-msme** and the participants for their active participation during the entire programme.

Assessments and feedback of the training programme was conducted online. The participants from different countries made presentation about their developmental plan after attending this training.

The **ni-msme** faculty guided and assured all possible support in the future for implementing their plans. During the certificate distribution ceremony by virtual mode. Dr. Shreekant Sharma, Programme Director, stated that Government of India has recently initiated a series of structural reforms in agro-food processing sector to transform it into a viable enterprise and financially empower the farming community. The participants expressed the opinion that the training would help them immensely in improving their efficiency in their current job.

This training programme promoted exchange of experiences & technology in areas of food production and processing. The participants appreciated the programme and few of them expressed their interest to collaborate in future.

Figure 2.5. Valedictory of International Programme of (FPTRD)

2.1.5. Disruptive Agri. Tech for Promotion of International Trade African-Asian Countries

National Institute for MSME organized a two week International Online training programme on “Disruptive Agri. Tech for Promotion of International Trade in African-Asian Countries (DATAC)” sponsored by AARDO scheduled from 15th to 25th March 2021. A formal inauguration was held on 15th March. The Programme Director Dr. K. Visweswara Reddy, Faculty Member welcomed all the 57 participants from 18 countries. The Director General Ms. S. Glory Swarupa enlightened the participants about the Disruptive Agri Technologies (DAT) and specifically in agriculture sector with its impact on scalability of the output and reach international market. She encouraged the participants to understand DATs and apply them in their respective countries. She thanked AARDO for sponsoring five Programmes in 2020-21.

The Guest of Honor for the inaugural function was Dr. P. Chandra Shekara, Director General, National Institute of Agricultural Extension Management (MANAGE), Hyderabad, An organization under Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, GoI. He stressed on the need of DAT, resulting in Economies of Scale to the farmers. He was emphatic about the viable and cost effective Agri Technologies that would help poor and marginal farmers in these two continents.

The Chief Guest of the day was His Excellency Dr. Manoj Nardeosingh, Secretary General, African-Asian Rural Development Organization (AARDO). His Excellency formally inaugurated the two week training programme. He embolden the participants to get the best knowledge about Disruptive Agriculture Technologies and implement them to get better returns for the farmers. He stressed upon usage of DAT, to not only meet the domestic demand but also to export the products to other countries.

The programme is spread across two weeks with 16 sessions. The training topics include both specialized lectures showcasing Agri-Tech startups.

Figure 2.6. Disruptive Agri. Tech for Promotion of International Trade African-Asian Countries (DATAC)

The topics include understanding and usage of Disruptive Agriculture Technologies (DAT), Advisory and Information for Agricultural Productivity through Agri-Tech, Government Policies for the Promotion of Agri-Tech in Developing Countries, Technology Disruptions in Agri. based Clusters, Digital Disruptions in Agriculture, Innovations and technological interventions in Mushroom Cultivation, Technological Interventions for Market Access to small farmers, Digitally enabled farm equipment hiring services, Platforms for input credit, e-wallets and insurance products, Data Analytics and Agricultural Intelligence, Methods of Agri-Tech Diffusion for farming population, Export-led agricultural strategy in Developing Countries, Export potentialities of agro and food products and six startups have showcased their technologies.

On 25th March 2021 the valedictory function was held. The participants gave positive feedback about the Programme. They appreciated the presentations made by the experts from **ni-msme**, MANAGE, ICRISAT, Digital Green and IIIT Hyderabad. In closing remarks by Dr. S.M. Ovais, Head Capacity Building & Development Projects (CB&DP) Division, AARDO commended the efforts of the speakers in dissemination of disruptive technologies to participants.

The Director General Ms. S. Glory Swarupa delivered valedictory address. She advocated the participants to apply knowledge gained through training for getting better income for farmers. She added that the nations should strive hard for promotion of Agri-Food exports. The two week training concluded by vote of thanks by Dr. K. Visweswara Reddy, Programme Director.

2.2. Program Sponsored by Ministry of External Affairs

2.2.1. International Programme on Promotion of Start-Ups in Healthcare Sector

One week online international programme on Promotion of Start-Ups in Healthcare Sector (PSHS) was organized from 22nd to 26th March 2021 sponsored by the Ministry of External Affairs, Govt. of India under ITEC programme. Programme was coordinated by Ms. V. Swapna & Mr. G. Sudarshan. Main objective of the programme was to discuss the best practices undertaken by Government of India for promotion of Start-up in Healthcare sector.

Total 19 participants from developing countries namely Peru, Vietnam, Thailand, Kenya, Mauritius, Laos, Azerbaijan, Saint Kitts and Nevis, Maldives, Jordan, Turkmenistan, Nigeria and Côte d'Ivoire attended the programme. The programme was conducted online through Google Meet and reading material was provided through Google Classroom. Programme covered the concept of entrepreneurship, startup ecosystem in India, Institutional support, Market survey, Business plan preparation, IP strategy and innovative technologies in Healthcare sector. The sessions also covered the Journey of successful Start-Ups in healthcare sector.

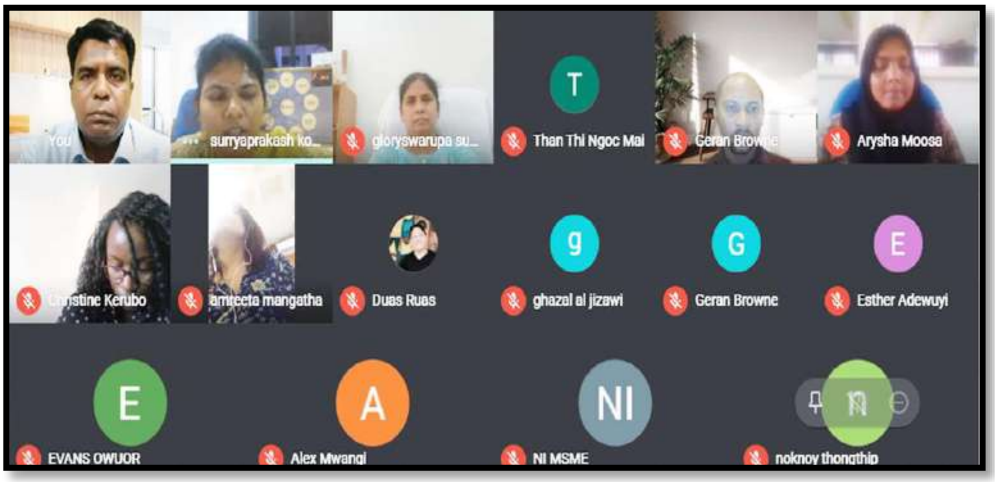

Figure 2.7. International Programme on Promotion of Start-Ups in Healthcare Sector

In the inaugural address, Director General Ms. S. Glory Swarupa appreciated all participants for showing interest in the training programme. She also highlighted that this programme would enable knowledge dissemination and exchange of best practices in healthcare sector among different countries. She also stated that COVID pandemic has provided lot of opportunities for healthcare startups and highlighted some Indian startups which have adopted different business models for providing cost effective and easy accessible technologies in healthcare sector. Sessions were handled by both internal Faculty of **ni-msme** and also by external speakers, Dr. Renu John, CFHE, IIT Hyderabad; Dr. H. Purushotham, DIIPT, IPR Chair Professor, Andhra University and Start-up Founder Ms. Hetika Shah, 4S SHEILD. The participants also made presentation about their country's initiatives for Start-up and best practices in healthcare sector.

During the valedictory address, Director General Ms. S. Glory Swarupa congratulated all the participants for successful completion of the programme. She also requested participants to implement the learnings in their respective countries. She also suggested to share their success stories with **ni-msme**. The participants appreciated the sessions and expressed that the knowledge given would help them in promoting the Start-up in their respective countries.

They also appreciated the innovative technologies developed by Indian healthcare Start-ups.

2.3. Kenya - Virtual Alumni Meet

A virtual alumni meet for International participants was conducted on 22nd March 2021. The primary objective of the alumni meet was to discuss with the participants and get acquainted with their country specific requirements. The alumni requested sup- port from **ni-msme** to Kenya in the areas of Training, Research and Consultancy.

Dr. Shreekant Sharma, AFM SEE and Mr. Vivek Kumar, Consultant, SEE coordinated the event. Earlier Mr. Sandeep Bhatnagar, Director, Marketing and Business Development appraised the house about the logic behind organizing the same. He appraised the house that it will help both Kenya and **ni-msme** in collaborating on various requirements.

This was followed by a brief presentation by Mr. K. Surya Prakash Goud, FM SED. In his presentation Mr. Goud updated about the activities **ni-msme** had already undertaken. He also presented how **ni-msme** has conducted country specific projects for Uganda, Eritrea and Ghana.

This was followed by a brief input given by Mr. Jeremy M on behalf of Kenya. He stated that **ni-msme** may support the small and medium enterprises of Kenya with the skill enhancement in selected sectors. He also appreciated the bank linkage activity of India and requested **ni-msme** to support in this regard. Similarly Mr. David, Mr. Keneth, Ms. Christina and Ms. Hanna also gave fruitful suggestion and their expectation from **ni-msme**.

Figure 2.8. Kenya - Virtual Alumni Meet

Dr Dibyendu Choudhury, FM, SEM gave valuable inputs and suggested various ways where-in **ni-msme** can come up with innovative measures for Kenya. Then the house was open to discussion by each individual in which they discussed about their challenges in specific departments. Probable solution was also suggested by faculty members.

Ms S. Glory Swarupa, Director General gave her input on way forward to the virtual meet. She suggested that the participants can coordinate with respective departmental heads and should write to us so that concrete plan and proposal can be made,

specifically mentioning Mr. Keneth’s idea on Agri-Tourism. She also made her remarks on all the suggestions made by other Kenyan participants.

Participants were also encouraged to give their sincere feed- back through Google form. The attendees appreciated the effort of **ni-msme** in conducting the programme. Dr. K. Visweswara Reddy, FM, SEM presented a vote of thanks in which he highlighted all the points and discussion taken place during the meet.

3. Webinars

3.1. Challenges of MSMEs in COVID-19 period and Rejuvenation Strategies

The COVID-19 pandemic has disrupted the national economy and functioning of MSMEs in a noticeable manner. Activities along the supply chain came to a standstill practically. The three major contributors to GDP — private consumption, investment and external trade - are deeply affected. The outbreak is posing fresh challenges to the Indian economy, creating severe disruptive impact on both demand and supply side elements, which have the potential to retard the country's growth. The ever extending lockdown and non-operational situation is making many a small business to pull down the shutters and look into a vacuum. **ni-msme** took the initiative of probing the matter and pooling ideas, facilitated by technology: through online platform.

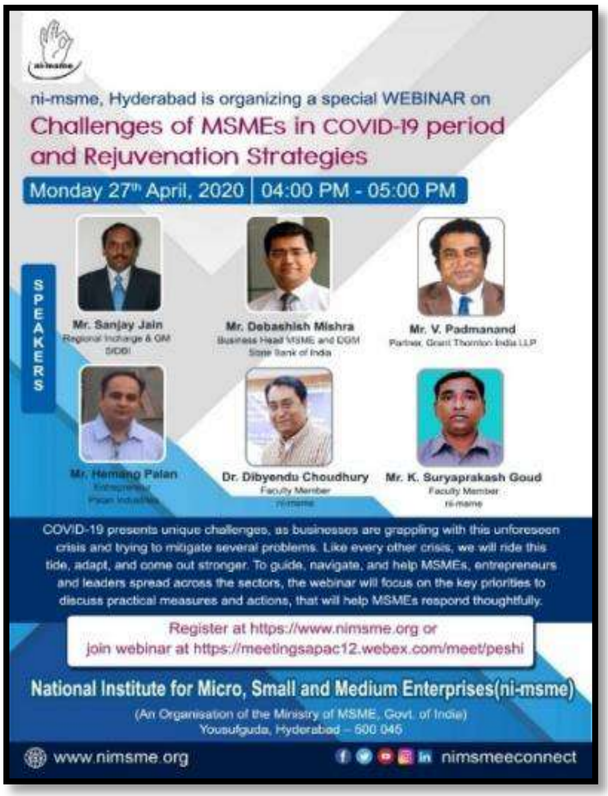

Figure 3.1 Challenges of MSMEs in COVID-19 period and Rejuvenation Strategies

In this context, **ni-msme** had organised a special webinar on Challenges of MSMEs in COVID-19 Period and Rejuvenation Strategies, on 27th April 2020. Industry experts, bankers and entrepreneurs were invited on the panel. The webinar was open for the MSMEs and they were asked to clarify their doubts.

The experts on the panel were: Mr. Sanjay Jain, Regional In-charge and GM, SIDBI; Mr. Debashish Mishra, Business Head (MSME) and DGM, State Bank of India; Mr. V. Padmanand, Partner, Grant Thornton India LLP; Mr. Hemang Palan, Entrepreneur, Palan Industries; Mr. Surya Prakash Goud, Faculty Member,**ni-msme**; and Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member, **ni-msme** and Programme Director.

There were 110 virtual participants joined the Webinar. Several questions were asked and majority of which were in respect to banking and financial help and addressing the financial crunch.

The discussions brought to light the need for funds mobilisation to deal with scarcity of cash flow to MSMEs. This intervention is very important for the Govt. of India and policy makers to ensure flow of funds to address the immediate crisis created by COVID-19. A relief of Rs 1 lakh crore has been earmarked by the Govt. of India through MoMSME, Govt. of India to address this immediate need. Whether it is adequate will be decided in real time. There is a need to identify and remove the bottlenecks and continuously it is needed to be monitored and modify the framework of disbursements.

3.2. The Road to IP Commercialization: Recommended Strategies for MSME growth

On the occasion of World Intellectual Property Day 2020, the Intellectual Property Facilitation Centre (IPFC) of **ni-msme** had organised a webinar titled “Road to IP Commercialisation: Recommended Strategies for MSME Growth”, on 29th April 2020 in partnership with Clarivate Analytics and with support of the Development Commissioner (MSME), Ministry of MSME, Govt. of India.

Figure 3.2. The road to IP Commercialization: Recommended Strategies for MSME growth

The theme this year was ‘Innovate for a Green Future’. During the webinar Ms. Ridhma Dhar, IP Solutions Consultant, Clarivate Analytics, Southeast Asia spoke about the importance of commercialising the intellectual property, challenges in technology transfer, bridging the technology transfer gap, achieving success through patent research and analysis. Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member, IPFC, **ni-msme** discussed various government initiatives for IP promotion.

About 122 virtual participants registered for the webinar. The speakers fielded several questions from the participants. Majority of questions devolved on the schemes related to start ups and IP reimbursement.

The webinar received good response. Participants stated that the webinar was insightful and enriching.

3.3. Impact of COVID-19 on MSME Exporters: Challenges and Way Forward

With the aim of assessing the nature and extent of the COVID pandemic on MSME exporters, **ni-msme** had organised a webinar with the theme of Impact of COVID-19 on MSME Exporters: Challenges and Way Forward, on 4th May 2020. The objective of the webinar was, as evident from the theme, to identify the opportunities for sustaining and boosting the MSME exports in particular.

The resource persons addressing the theme online were: Mr. K. Unnikrishnan, Deputy Director General, FIEO (Southern Region); Mr. Ramanathanlyer, former African Head, Maersk Logistics; Dr. K. Visweswara Reddy, Faculty Member, **ni-msme,** programm Director of the webinar.

Dr. Reddy, in his comprehensive analysis, said that the Indian MSME exports will be among the worst sufferers. The most affected will be the labour intensive sectors like carpets, handicrafts, apparels, footwear, gems and jewellery, marine and perishable goods. The extent of loss due to cancelled orders may be worth USD 25 billion. Further there will be balance of payment crisis and currency depreciation of the Rupee vis-à-vis the US Dollar.

Figure 3.3. Impact of COVID-19 on MSME Exporters: Challenges and Way Forward

Mr. Iyer focused on converting the adversity into opportunity for Indian MSMEs The global anti-China sentiment presents a huge opportunity, especially as countries like Japan and USA have already announced the intent to relocate their China-based businesses. The pandemic related health and medical items open up new export avenues with their globally bulging demand.

Mr. Unnikrishnan described in detail the role FIEO is playing to help the exporters overcome the downturn in exports, which is likely to be more steep in sectors characterised by complex value chain linkages, particularly electronics and automotive products. The need is for sustainability, skills updating and quick adaptability. During the open house session that followed the speakers' presentations, questions were fielded from the online participants.

The webinar was concluded with the programme Director thanking the panel speakers Mr. Unnikrishnan and Mr. RamanathanIyer for sparing their valuable time to address the concerns of MSME exporters and guiding them in the right direction. About 64 participants from different streams of interest made their presence in the virtual space of the webinar.

3.4. Challenges & Opportunities for MSME Financing in post COVID-19

MSMEs are perhaps the hardest hit due to the COVID-19 lockdown in India. In response to COVID-19 impact on the industry, the Central government and RBI announced various measures to support MSMEs to come out of the crisis caused by the pandemic, **ni-msme** being a premier capacity building training institute for the promotion and development of MSMEs, had organised a webinar on Challenges and Opportunities for MSME Financing in Post COVID-19 on 6th May 2020. The main objective of the webinar was to help understand and overcome the challenges in MSME financing, identify the new opportunities and rating of MSME financing post COVID-19.

Figure 3.4. Challenges & Opportunities for MSME Financing in post COVID-19

The speakers on the webinar panel were Mr. T.C.A. Prasad, Cost and Management Consultant; Mr. Vidya Sagar, Associate Director and Rating Head, CARE Ratings and Dr. E. Vijaya, Faculty Member, **ni-msme**. The virtual space attracted 98 participants. Many of the online participants had sought clarifications and clarity on different points from specific speakers. Majority of the questions were on MSME financing schemes and MSME ratings.

The webinar concluded with expression of thanks to all the speakers for sharing their valuable time, knowledge and experience regarding MSMEs.

3.5. Managing Clusters Post COVID-19

The NRCD of **ni-msme** had organised a webinar on Managing Clusters Post COVID-19 on 8th May 2020. A total of 52 participants including the officials of nodal agencies, technical agencies, implementing agencies, cluster development executives, development agencies and cluster SPV members participated in the webinar.

Mr. K. Surya Prakash Goud, faculty member, NRCD and webinar coordinator outlined the problems of MSME clusters due to the pandemic and observed that this is the right time for MSMEs to review their business operations to design post COVID-19 strategies.

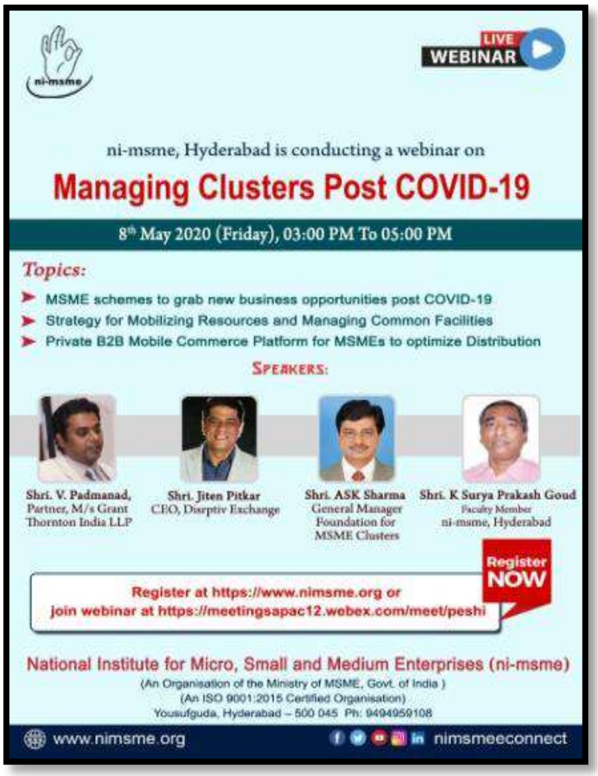

Figure 3.5. Managing Clusters Post COVID-19

Mr. V. Padmanad, Partner, M/s Grant Thornton India LLP, gave an elaborate presentation on MSME schemes suitable for prospective and practicing entrepreneurs as well as clusters. Role of cluster stakeholders and state governments and issues in project implementation were discussed at length.

Mr. Jitin Pitkar, CEO, Disruptive Exchange highlighted unprecedented and extraordinary challenges faced by the manufacturers, brand suppliers and distributors during COVID-19. On the one hand inventory movement across the supply chain has either come to a halt or is severely fragmented, while on the other hand there is rapid increase in demand for goods. Mr. A.S.K. Sharma, General Manager, Foundation for MSME Clusters discussed the challenges and strategies for management of CFCs, focusing on impact of COVID, cost escalations and unaccounted expenses, net worth of the SPV promoters, dropouts from SPV, conflicts among SPV members, challenges related to procurement norms, poor response for tenders and obtaining necessary clearances from concerned departments. In the last session, the panelists fielded questions from the online delegates.

3.6. Be your Own Boss

Be Your Own Boss webinar was conducted on 13th May 2020. The aim of the webinar was to motivate the job seeking youth to turn towards job giving careers, that is, to opt for self-employment and job creation.

The domain experts who took part as panel speakers in the virtual space consisted of three faculty members of the Institute, Mr. G. Sudarshan, Dr. E. Vijaya and Dr. K. Visweswara Reddy.

Mr. Sudarshan discussed about the essentials of starting a small business, funding sources and institutional support and also government schemes and programmes. Dr. Vijaya focused on financial planning, registration process and submitting the returns of Goods and Service Tax (GST), while Dr. Visweswara Reddy explained product selection and market survey. 45 aspirant and interested candidates have participated in the Webinar.

3.7. Business Opportunities in Green Technologies Post COVID-19

Renewable energy is in stiff competition from conventional fuels. Faced with the task of reviving their COVID-19 hit economies, many countries are dropping their renewable energy (RE) promotion agenda. Some energy-rich economies are even relaxing environmental restrictions. India is all set to announce a bailout package for the power sector.

Against this backdrop, **ni-msme** had organised a webinar on Business Opportunities in Green Technologies Post COVID-19 on 13th May 2020 with industry experts, bankers and entrepreneurs as resource persons. This Webinar was open for the MSMEs only. Free access was given to all MSMEs to clarify their doubts. A total of 100 participants representing solar technicians and solar consultancy executives were present in the virtual space.

The panel consisted of Col. Dr. T.S. Surendra, Adviser, Surabhi Institute for Renewable Energy Hyderabad; Mr. N. Ramachandhar, Associate Professor, EEE Dept., BVRIT, Hyderabad; Mr. J. Koteswara Rao, Associate Faculty Member, **ni-msme** and Programme Director. The main objective of the webinar was to impart knowledge on Green Building concepts and share best practices in Green Technologies.

Figure 3.6. Business Opportunities in Green Technologies Post COVID-19

The deliberations were focused on different aspects of concerning Green Technologies, Water Conservation, Energy Efficiency, Environment Quality, Innovation and Development. The panel speakers fielded questions and gave clarifications. The outcomes of this webinar by ni-msme have given a new direction to MSME eco system and policy makers.

3.8. Digital and Social Media Marketing Strategies for MSMEs

Intelligence is the ability to adapt to change -Stephen Hawkins

The COVID pandemic is likely to cause a long term psychological shift in how we do things. It becomes imperative for marketers to adapt to the change, to win consumer trust in the face of diminishing demand. Keeping this in view, **ni-msme** had organised a webinar on Digital and Social Media Marketing Strategies for MSMEs on 20th May 2020.

The subject experts who led the panel were Mr. Vijay Nadimindti Chief Operating Officer, a-IDEA, Hyderabad; Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member, **ni-msme**; Mr. Sathya Prasad, Senior Faculty Consultant, **ni-msme**.

Mr. Vijay Nadimindti said that brands across the globe are slowly coming to terms with the volatile business environment influenced by the pandemic. Innovation-driven remote working system and digital marketing strategy should be the primary focus in this climate. Dr. Dibyendu Choudhury also emphasised on the changed business model. During this interval of crisis, digital busines prove to be an effective mode to reach the consumers.

Figure 3.7. Digital and Social Media Marketing Strategies for MSMEs

Mr. Sathya Prasad focused on CSR and giving back to society. He said digital platform is the ideal way for CSR activities, product launching campaigns, etc. He concluded by saying that adaptability would improve crisis-handling. Digital marketing cannot work in isolation. Understanding cross platform and cross device behaviour of consumers, including online to offline, offline to online shift habits, should be focused.

3.9. e-Governance: Policy Formulation, Implementation and Assessment

A webinar was conducted on e-Governance: Policy Formulation, Implementation and Assessment on 21st May 2020.The event had three external experts and one in-house faculty. All the panelists were introduced by Ms. Soumya, Programme Coordinator, **ni-msme**. The panel list were Mrs. Arpita Khare, Director, e-Governance (Centre of Good Governance); Mr. Vishnu Chandra, Deputy Director General (National Informatics Centre); Mr. Deepak Uppal, Director Govt. and Public Sector Consultant (PwC) and Dr. Gurpreet Singh Gill, Senior Faculty Consultant, School of Enterprise Development, **ni-msme**.

The webinar started with the introduction of e-Governance, its back-ground and various initiatives started by the Ministry of MSME. The initiatives started by the Ministry of MSME and by the states were discussed. Then e-Governance initiatives in various states were outlined. It was emphasised that all state governments are now shifting their focus to G2C. State initiatives such as e-Office e-Mela, Lokvani project in Uttar Pradesh, e-Mitra project in Rajasthan, Project friends in Kerala, e-Seva in Andhra Pradesh, Gyandoot and others were discussed.

Figure 3.8. e-Governance: Policy Formulation, Implementation and Assessment

Creation of digital infrastructure of e-governance in India and the mandate of National Information Centre (NIC) were expatiated. Also, focus areas on drivers, infrastructure, inclusion and governance, the nine pillars of digital India and various dimensions of e-Governance, national GE-vision and geo-spatial data available for various stakeholders were elucidated. Digital platforms and services for governance such as e-office, e-way bill, e-courts, interoperable criminal justice systems (ICJS), e-transport, national power portal and open government data were underscored.

Other points of focus were: role of ease of doing business (EoDB) in accelerating growth of MSMEs, key statistics of MSMEs – nearly 6.33 crore enterprises in manufacturing and services sectors, of which 99.4% are micro enterprises. In EoDB, India ranked 69 among 190 countries, in year 2020. In 2018, Business Reforms Action Plan (BRAP) was updated to 372 action points. Telangana was ranked the 1st in 2016 and 2nd in 2018.

The webinar concluded by stating that collaboration and cooperation among various stakeholders and technology partnership with industry is the key for holistic development and deployment of e-governance process.

3.10. Innovation is the Key for MSMEs post lockdown

A discussion in the form of webinar was organised by **ni-msme**, in partnership with SIDBI and the Confederation of Indian Industry (CII) on the topic, Innovation that Can Drive the Business forward for MSMEs on 22nd May 2020. The event was sponsored by Insta Bee Pvt. Ltd. and attended online by nearly 97 MSMEs, policy makers, entrepreneurs and students.

Figure 3.9. Innovation is the Key for MSMEs post lockdown

During the session, Mr. Kallu Vinay Kumar Reddy, Founder, Insta Bee Pvt. Ltd., spoke about the entrepreneur's perspective on the way forward. Mr. Suneel Regulla, Founder and Partner, Hansa Equity Partners highlighted the investors' perspective on SME growth and sustainability.

Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (M & BD), **ni-msme** suggested the ways in which innovation works for MSMEs. Mr. Ashok Pandey, GM, Credit Vertical, SIDBI elucidated the business continuity measures and support system for MSMEs, while Mr. Ashok Saigal, Co-chairman, CII National MSME Council underscored that agile businesses will lead the world of business, post-COVID-19 and also suggested that businesses need to be more adaptive, flexible and creative through a changing environment.

3.11. Re-assessing the Challenges and opportunities of Retailing

In response to the present pandemic climate, **ni-msme**, had organised a webinar on Re-assessing the Challenges and Opportunities of Retailing in Post Covid-19 on 27th May 2020, from 16.00 to 17.00 hours. The foremost objective of the webinar was to discuss the prevailing challenges in Indian retail industries and ways to overcome them.

Ms. Deepty Aggarwal, HR and Strategy Consultant spoke on Continuous Connect with teams, Re-hire, Re-Train and Re-engage staff with ability to flex up. To offer creative incentive plans for extraordinary initiatives driving sales, use staff to traffic data. Mr. Abhay Gupta, Founder and CEO of Luxury Connect and Luxury Connect Business School shared his views about challenges in the COVID context vis-à-vis luxury retailing. Ms. Indu Nair, Co-founder, Aasmi Designs LLP and ihaworld.com spoke

about supply chains and significant implications of disruption. If disruptions continue for an extended period, the impact can be dire.

Ms. Jyoti Gupta, Sr. Faculty Consultant said that major challenge the retailers face today is the disruption caused by the pandemic. Indian retailers will need to devise strategies for the “now”, “next” and “beyond”, while managing their costs through operational improvement. By evaluating the store portfolio, they also invest in service, experience, and omni-channel to serve the new consumer.

3.12. Own Your Future through the Journey of Entrepreneurship

Intellectual property has been gaining increased significance with technological advancement. All technology is intelligent innovation and therefore property of the creator. Especially the rise and spread of artificial intelligence dramatically enhances the value of the innovation and needs to be protected with utmost care.

The Intellectual Property Facilitation Centre for MSMEs at **ni-msme** had organised a national level virtual seminar on Own Your Future through the Journey of Entrepreneurship, in collaboration with Intellectual Property Rights Cell and Auxilium Business Incubation Centre of Auxilium College from 27th to 29th May 2020. Mr. Gunasekaran, Matha Educational Trust was the NGO partner. Dr. Sugantha Kumari V., Assistant Professor of Chemistry (IPR Cell) and Dr. Beulah Suresh, Head & Assistant Professor of Business Administration (ABIC) were the co-coordinators of the seminar. The entire seminar was moderated by Mr. Dinesh Gajendran, catalyst and Executive Director, Audacious Dreams Foundation.

The speakers enlisted on the panel were: Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member, ni-msme and a Registered Patent Agent and Trademark Agent, IPFC, Certified ZED Assessor (QCI-India), Dr. L. Stanley Abraham, Scientist-E, Centre for Ocean Research (DST-FIST sponsored), MoES-ESTC Nodal Centre for Marine Biotechnological Studies, Sathyabama Institute of Science & Technology (Deemed University), Chennai; Mr. Ramangujral, Regional Head, EDII, Bengaluru.

Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme** inaugurated the seminar. In the inaugural address she highlighted the characteristics of entrepreneurship. She highlighted few legendary names from Tamil Nadu like Bharat Ratna Dr. APJ. Abdul Kalam and Smt. M.S. Subbalakshmi. She also quoted the successful examples like Ms. Indra Nui, Former, CEO, Pepsico and Mr. Sundar Pichai, CEO, Google to motivate the participants towards entrepreneurship. She explained the Chinese way of manufacturing for the world. She elaborated the benefits of being an entrepreneur especially for girls and the various benefits and schemes offered by the Government to start an enterprise. Further she elaborated on the benefits of being an entrepreneur.

During the technical sessions, Ms. Swapna focused on IPR and the importance of securing intellectual property (IP) in the early stages. The session highlighted the various types of IPR, patentable and non-patentable inventions in India, trademark requirements and exceptions, fundamentals of copyright and related rights. She also discussed the NMCP scheme for building awareness on intellectual property rights (IPR) for MSMEs and start-ups and the intellectual property protection scheme initiated under start-up action plan.

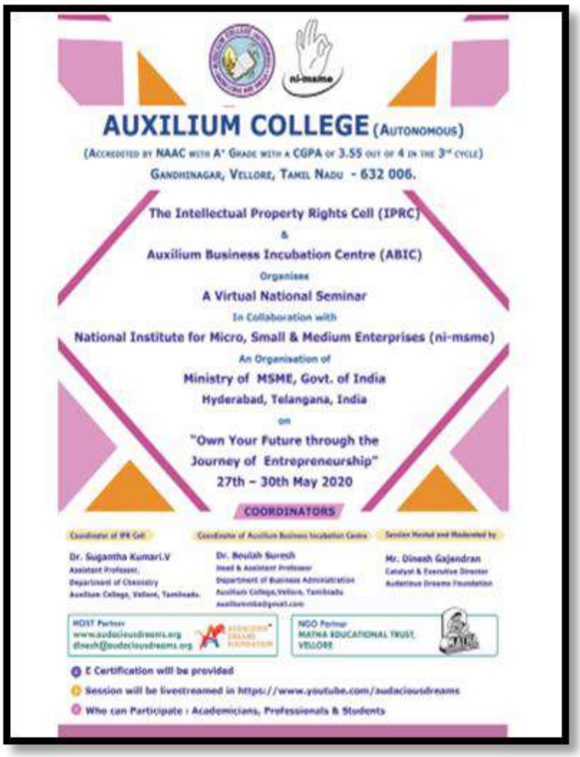

Figure 3.10. Own Your Future through the Journey of Entrepreneurship

Dr. Stanley Abraham gave an in-depth view of patent drafting and filing, the procedures involved and the agencies concerned. Mr. Ramangujral suggested innovative ideas for starting a business and being successful. The session also dealt with creating value by becoming an entrepreneur.

The response to the webinar was overwhelming. Nearly 887 online participants registered for the event from various colleges across the country. The first 500 participants were accommodated through video conferencing and others through live streaming. The welcome, introduction and vote of thanks for all the sessions were given by Dr. Sugantha Kumari and Dr. Beulah Suresh. The webinar was cited as a fruitful experience by the participants. Overall, the webinar appears to have ignited the spark of entrepreneurship in the minds of the student participants.

3.13. Reforms for Sustaining India's Growth in post COVID-19 World

On the first day 28th May, 2020, under the title, over view of Reforms, Prof. Usha Munipalle, Chairperson, Andhra Mahila Sabha Arts and Science College, Hyderabad highlighted the two important areas. The first one, to Invest in sustainable infrastructure - Infrastructure investments are an effective way to boost economic activity and create jobs. But what kind of infrastructure should be built? Data from the 2008-09 financial crisis shows that South Korea, which directed nearly 70% of its stimulus towards green measures, rebounded faster than other economies, in the Organisation for Economic Co-operation and Development (OECD). In the United States' 2009 Great Recession recovery package, investments in clean energy and public transport created more jobs than traditional investments.

While the 2nd one she highlighted was to build the resilience for the most vulnerables. About 90% of India's workforce is informally employed, which includes gig economy

workers. This population is extremely vulnerable to economic shocks and needs greater access to formal credit and social safety nets such as insurance and pension schemes.

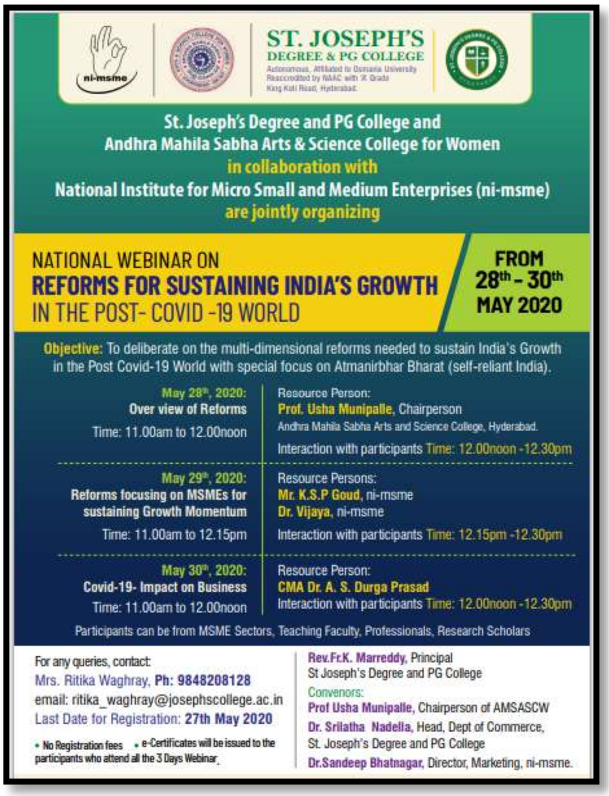

Figure 3.11. Reforms for Sustaining India's Growth in post COVID-19 World

One the 2nd day i.e. 29th May, 2020, under the title, Reforms focusing on MSMEs for sustaining Growth Momentum, Mr. Surya Prakash Goud & Ms. Vijaya faculty, **ni-msme** – highlighted on the use fiscal mechanisms for recovery and resilience. As fiscal mechanisms can help support recovery and resilience efforts, while promoting low-carbon footprint. The Indian government has announced an economic stimulus of INR 1.7 trillion ($24 billion), and is exploring another bailout of INR 750 billion for Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), among other steps. Though MSMEs need immediate financing to deal with their wage bills, the government can also infuse capital for them to undertake needed industrial energy efficiency upgrades.

The 3rd day i.e. 30th May 2020 under the title, COVID-19 Impact on Business and on Supply Chain, Dr. A. S Durga Prasad highlighted the key points such as The 'Atma Nirbhar' economic stimulus package, to the tune of 10% of the GDP (Rs. 21 lakh crores) cushions the economy to a certain extent, but certainly there is more than this can be done until the structural reforms are implemented. This is particularly critical in the current global context. A World Trade Organization (WTO) report published in December 2019 found that trade-restrictive measures have been rising for the past two years as the US-China trade war escalated and are currently at historically high levels. In a post COVID-19 world, this is expected to rise further as governments deal with massive unemployment in the wake of this unprecedented crisis across the globe.

3.14. Role of FPOs in Rebuilding Agricultural Supply Chain

ni-msme conducted a webinar on Role of FPOs in Rebuilding Agricultural Supply Chain during COVID-19 on 29th May 2020. About 250 online participants made presence in the event. The participants were mostly members of Farmer Producer Organisations (FPOs). It also attracted around 130 views in the **ni-msme** YouTube channel.

As we know, MSMEs are perhaps one of the hardest hit due to the Covid-19 lockdown in India, more so the agri based enterprises. The Central government announced various support measures to come out of the crisis, with FPOs as the focal point. The main objective of the webinar was to understand the challenges by FPOs during the pandemic and how the collective farming approach can help in rebuilding the agricultural supply chain through the pandemic and beyond.

To discuss this topic, eminent panellists who joined the discussion were Dr. Shobhana K. Pattanayak, IAS (Retd), Director General, Administrative Staff College of India, Hyderabad who delivered the keynote address; Dr. Shreekant Sharma, Agri-Business Expert, Associate Faculty Member, **ni-msme**, Hyderabad, who was the Programme Director of the event; Dr. Rashmi Singh, Principal Scientist, Division of Agricultural Extension, IARI, New Delhi; Ms. Purabi Sarkar, Director- TARE & FPO Impact Assessment & Value Chain Expert (IIM alumni); and Ms. Phanipriya Nandula, FPO Expert, Samunnati Financial Intermediation & Services Pvt. Ltd.

Dr. Shobhana Pattanayak in his key note address highlighted the importance of FPOs, government schemes and initiatives towards rebuilding the agricultural supply chain in the country during the pandemic.

Dr. Shreekant Sharma spoke about the issues faced by agricultural sector. He pointed out that as 86% of farmers are small and marginal, aggregation is the only way out, and suggested small storage and processing structures like solar drying are more viable rather than big factories and storage in India.

Dr. Rashmi Singh discussed about the best practices by FPOs and ways of strengthening in COVID-19 and beyond. Speaking about the supply and price volatility for the cost sensitive crops during the pandemic, she discussed the concept of collective farming with examples.

Ms. Purabi Sarkar discussed the value chain, agri reforms and sustainability aspects of FPOs to rebuild the agricultural supply chain. She focused on financial measures and legal amendments with respect to the schemes and financial allocations for micro food enterprises (MFE), herbs cultivation and beekeeping development, and on Operation Greens.

Ms. Phanipriya Nandula discussed the demand and supply side of the FPOs and how they have dealt with the scenario. She spoke about disruptions in logistics, closure of mandis thereby leading to procurement issues. There was a great think tank discussion on how FPOs are managing the supply chain in the COVID-19 pandemic and how they are re-building the agricultural value chain with respect to market linkage, logistics, trade and also the planning for COVID-19 and beyond towards sustainability of complete agriculture value chain.

3.15. Be Your Own Boss: Set Up an Enterprise

ni-msme had organised a programme in virtual space on Be Your Own Boss, on 5th June 2020. Mr. G. Sudarshan, Faculty Member, **ni-msme** was Programme Director of the programme. The topics discussed includes revised definition of MSME, methods of identifying the opportunity, starting the business, selection of location and product, preparing business plan, structuring the accounts, finding the markets and marketing, funding sources, govt. schemes of assistance. The resource persons on the panel were Mr. G. Sudarshan, Dr. E. Vijaya and Dr. K. Visweswara Reddy – all three are faculty of **ni-msme**.

3.16. Unlocking Manufacturing Potential for MSME

A discussion in the form of webinar on Unlocking Manufacturing Potential for Micro, Small and Medium Enterprises, was organised by **ni-msme** on 16th June 2020. It was attended by MSMEs, policy makers, entrepreneurs and students. The speakers included Dr. Bharat Bhushan, Director, IGNOU Head Quarters, New Delhi; Mr. Aiyyapan Ramamurthy, Technical Director – Manufacturing Solutions, Siemens India; Prof. Atul Kumar Jain, Ornamental Fisheries Training and Research Institute, Udaipur, Rajasthan, India; Mr. Surya Prakash Goud, Faculty Member, **ni-msme**, Hyderabad; and Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (M&BD), **ni-msme**, who was also the Programme Director of the webinar. Mr. Ramamurthy gave an expose on digital manufacturing, which uses integrated, computer based system comprised of simulation, 3D visualisation, analytics and collaboration tools to create the product and manufacturing process definitions simultaneously.

Figure 3.12. Unlocking Manufacturing Potential for MSME

Mr. Bhatnagar added that digital manufacturing helps improve productivity in planning and production processes. Prof. Jain highlighted the Indian aquarium trade and four major components of aquarium trade viz; aquarium and aquarium accessories, ornamental fishes, feeds and aquarium servicing.

Mr. Goud enumerated important government schemes that entrepreneurs can avail the fund for their small businesses.

3.17. Impact & Opportunities on Tourism, Hospitality & Transport Sector Post COVID-19

In the prevailing pandemic gripped situation, Governments across the world are regulating the international cross-over of borders by restricting the international flights and other modes of travel. Even domestic travel especially between the states is regulated. The circumstance is compounded by variously defined lockdown in different countries and states. In this scenario, tourism and hospitality emerges as one of the sectors suffering the greatest setback. Against this backdrop, with a view to generate strategies to reengineer the operations of the sector and restore normalcy.

Figure 3.13. Impact & Opportunities on Tourism, Hospitality & Transport Sector Post COVID-19

ni-msme had organised a webinar on Impact and Opportunities on Tourism, Hospitality & Transport Sector post COVID-19, on 19th June 2020. The panel of speakers consisted of leading subject experts Ms. Sujatha Cecilia, Founder Director, Across the Mode Travel and Tours Pvt. Ltd.; Mr. P. Udaya Shanker, former Director General, **ni-msme**, Hyderabad; Dr. D.S. Duke Thavamin, Asst. Lecturer, I.H.M., Bengaluru and Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member, **ni-msme**, also the webinar coordinator. The webinar was open for MSMEs only of travel, tourism and hospitality

segments and free for all to clarify their doubts. There were 62 virtual participants in the online event. Ms. Sujatha Cecilia said that the picture is bleak, unless a vaccine is found at the earliest and the lockdown is lifted. Mr. P. Udaya Shanker emphasised on changing the business model. Dr. Duke Thavamin observed that new challenges will give new opportunities to change business models and approach to stay in business and further grow with time. Dr. Dibyendu Choudhury foresees inevitable and rapid surge in e-commerce. With the Union Government contemplating to reduce import and enhance self-reliance, MSMEs are in for a boom. However, they need to act with speed and respond to the openings.

3.18. e-Governance and its Implications to MSMEs

The Indian economy in FY-20 was already in a parlous state and the COVID pandemic has further disrupted the growth. **ni-mmse** organised a series of webinars to interact with MSMEs through its outreach programme. A webinar on e-Governance and Its Implications for MSMEs was organised on 25th June 2020.

Figure 3.14. e-Governance and its Implications to MSMEs

There were four panelists: Mrs. Arpita Khare, Director, e-Governance, Centre of Good Governance (CGG); Comd. (Retd.) Deepak Uppal, Director, Government and Public Sector Consultancy (Price-Water Cooper (PwC); Mr. J. Raja Kishore, Assistant Vice President, CSC, e-Governance Services India Ltd. and Dr. Gurpreet Singh Gill, Senior Faculty Consultant, **ni-msme**. The key points discussed in the webinar were the significance and contribution of MSMEs to the economy and inclusive development. The practice of e-governance was introduced across the world in the year 1999. In e-governance readiness, the UNDESA Survey (2018) ranked India as 96 among 193 countries. In India National e-Governance Service Delivery Index Assessment (NeSDA) survey was published in December 2019. NeSDA divided all the states and

Union Territories in three categories: Himalayan states, states and union territories and their ranking was based on seven parameters. The central ministries were also ranked. BHIM, e-Office, Bharat Net, Megh Raj for cloud computing (GI Cloud), Digilocker, e-sign (launched in 2015), e-Hospitals, e-NAM, SWAYAM, Gyandoot, e-mitra, e-seva are some of the e-governance instruments within Digital India. The websites launched by the Ministry of MSME are: www.champions.gov.in, www.dcmsme.com. www.msmenaukri.com. The Ministry of Health and Welfare was ranked first among the ministries, while among the states Kerala stood first. In Himalayan states, Himachal Pradesh emerged as number one. Andaman and Nicobar Islands was the first ranker in Union Territories. To make the last mile contact, CSC manages the Bharatnet with 3,25,000 centers and 4,000 academies, CSC deals with more than 600 to 700 services and has the reach in one lakh villages. CSC has established more than one lakh e-stores to sell products in rural areas through e-marketing. However, there is a long way to go to pave the success and reap the fruits of such initiatives.

3.19. Export Opportunities for Indian Handicrafts

On the occasion of International MSME Day 2020 a webinar on Export Opportunities for Indian Handicrafts was conducted by **ni-msme** on 27th June 2020. Mr. T.S.K. Reddy, Managing Director, Maharashtra Bamboo Development Board (MBDB), Nagpur; Mr. Prabakaran, Regional Director, Office of the DC-Handicrafts, Chennai; Mr. B.M.L. Das, Cluster Expert and retired Additional Director of Industries, Govt. of Jharkhand, Ranchi and Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty Member, **ni-msme** were on the panel. Mr. Reddy highlighted the interventions of MBDB for developing innovative bamboo products including handicrafts, furniture and industrial products.

Figure 3.15. Export Opportunities for Indian Handicrafts

Bamboo is a fast growing plant with a life span of 50 to 100 years and plays a very vital role in human life. MBDB has created common infrastructure for producing a wide range of bamboo products using machinery and equipment.

The bamboo artisans are trained by experienced designers. The wastage is used in making handicrafts and other interior decoration and so on. Mr. Prabakaran explained about the various schemes emanating from the Office of the DC (Handicrafts) for the welfare and benefit of the handicrafts artisans across the country. He mentioned that producing quality craft items, improving income of the craftsmen and catering the need of the arts and crafts of the nation are their major objectives. He presented some case studies too. Mr. Das described how the handicrafts sector is providing rural employment and major income for the rural people. He shared about some rural handicraft artisans who are producing the handicrafts and selling in native as well as in the foreign markets. The Government of India is implementing different schemes for the welfare of the handicrafts artisans and awareness of these schemes is essential for handicrafts artisans all over India. Mr. Surya Prakash Goud said that the handicraft artisans are struggling for their bread and butter, though India is well-known for handlooms and handicrafts. The artisans have to produce new innovative products and diversification is need of the hour to attract new customers along with traditional products. Most of the artisans are working on part time basis and interventions are required to provide work throughout the year to improve their income level. The artisans have to produce the products which are used in Government offices which gives a wide publicity. He shared that some projects being implemented by **ni-msme** across India and urged development agencies to support the artisans by implementing various schemes.

3.20. Scope for Young Entrepreneurs in India

A national webinar on Scope for Young Entrepreneurs in India was jointly organised by P.G & Research Department of Social Work and Department of Extension Education & Services of Sacred Heart College (Autonomous), Tirupathur Dist. Tamil Nadu, in association with **ni-msme** and District Industries Centre, Govt. of Tamil Nadu, Vellore Dist. on 2nd July 2020.

The webinar started with welcome address by J. Andrews Raja, Head, Dept. of Social Work, Sacred Heart College and introduction of the speaker by Dr. K. Arockia Raj, Assistant Professor.

Ms. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme** addressed the first session. She gave an overview of entrepreneurship opportunities in India for young entrepreneurs in the climate of COVID-19 impact. She described the government's supportive initiatives for the MSMEs and mentioned the Champion Desk portal which aims at making the smaller units big by solving their grievances, encouraging, supporting, helping and hand-holding. It is an ICT based system, set up to help the MSMEs in the present difficult situation. Mr. K. Ravi, Joint Director and General Manager, DIC, Vellore spoke about various programmes and schemes implemented by the State and Central Governments through the DIC such as the Unemployed Youth Employment Generation Programme (UYEGP), Prime Minister Employment Generation Programme (PMEGP), New Entrepreneur cum-Enterprise Development Programme (NEEDS), Credit Guarantee Scheme, Capital Subsidy Scheme and Generator Subsidy for MSMEs. Mr. Ravi fielded questions from the participants.

The discussion session was moderated by Dr. R. Arockiamary, Assistant Professor, Sacred Heart Institute of Management Studies (SHIMS). Sharing their impressions about the webinar, the participants expressed that the programme was informative and shed light on various government programmes and initiatives.

Mr. Nicola Prakash, Project Officer coordinated the event in which a total of 267 persons made virtual presence. Of them 130 were students, 77 faculty, 18 NGO representatives, 17 entrepreneurs and 25 were of other streams.

3.21. Lessons from Start-up Failures

ni-msme had organised a webinar on Lessons from Failed Start-ups, on 3rd July 2020. Mr. Ashwani Goel, Director (Academics) coordinated the virtual event, in which a total of 94 persons from various streams had participated. The discussion brought out that start-ups generally fail due to inadequate planning lacking the basis of comprehensive information and business understanding, improper selection of partners, markets, etc., emotional rather than intelligent approach, lack of anticipation and unpreparedness for contingencies and unturned mindset. The future enterprise aspirants may take cognisance of these points and acclimatise themselves to start-up climate.

Figure 3.16. Lessons from Start-up Failures

3.22. Scope for Women Entrepreneurs in India after COVID-19

A national webinar on Scope for Women Entrepreneurs in India after COVID-19 was jointly organised by **ni-msme** and the Entrepreneurship Development Cell, Cauvery College for Women (Autonomous), Tiruchirappalli, Tamil Nadu, on 9th July 2020.

The webinar started with welcome address by Dr. (Mrs). V. Sujatha, Principal, Cauvery College for Women (Autonomous) and Mrs. Zeenuthunisha, Assistant Professor, Department of Micro-biology introduced the resource person to the participants.

Ms. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme** presided over the session. She presented an overview of entrepreneurship opportunities for women in India during this pandemic crisis, and explained the significance of the government initiatives to support entrepreneurs' innovative ideas to start MSME ventures that will benefit the entrepreneurs and also the economy, such as giving employment opportunities, providing solutions to the existing problems. She impressed the participants with real time examples of young women who initiated start-ups in manufacturing safety shields required during the pandemic and enumerating how many industries are supporting homepreneurs to start and run their ventures successfully.

The discussion session was moderated by the EDC coordinators and interacted with the resource person on behalf of the participants. The participants stated that the webinar was informative and motivating towards entrepreneurship.

Dr. S. Sowmya, Assistant Professor in Commerce; Dr. R. Subha, Assistant Professor, Department of Chemistry; Mrs. Illakiya, Assistant Professor, Department of Computer Applications and Mrs. Zeenuthihisha, Assistant Professor, Department of Microbiology, of the Cauvery College were the programme coordinators.

The online event ended with expression of gratitude to the resource person for a fruitful session. A total of 263 participants attended the event online, of whom 159 were students, 67 faculty, 18 research scholars and 19 of miscellaneous pursuits.

3.23. Importance of Cyber Security in the Arena of Digitalization

ni-msme, in association with Aviana Nrit, Bengaluru, had organised an International Webinar on Cyber Security, on 14th August 2020. A total of 48 delegates from different parts of the globe took part in the webinar, coordinated by Mr. Prabhu Kumar (Founder of Aviana Nrit) and Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty of **ni-msme**.

Ms. S. Glory Swarupa, Director General of **ni-msme** gave the inaugural address. Technology adoption has always been a major challenge for the MSME sector. MSMEs have adopted business management software for digital banking, payment services, customer relationship management and financial applications. Digital asset protection is the need of the hour for the MSME Sector. Then she welcomed the international speakers.

The panel of speakers consisted of Mr. Suri Anantharama (CTO, Sonline LLC, USA); Mr. Guillaume Caron (CEO, VARS, Canada) and Mr. Maxime Boutin (COO, VARS). They gave wonderful insights into the need for cyber security, challenges posed by Ransomware attacks, provided specific examples, walked through best practices that organisations should follow and finally fielded questions from the audience (virtual). The participation was excellent with attendees from Egypt, Israel, United States and Canada, apart from India.

The web session was very engaging as the speakers explained how data is growing in the digital universe. Suri pointed out that it would hit 175 Zetta Bytes by 2025 and the need for securing our systems, network and applications. Guillaume talked about spear phishing (type of cyber-attack) and gave examples of Shark Tank star (Barbara

Corcoran), City of Atlanta, Travelex and how they suffered due to ransomware attacks. Max took a deep dive into different types of Ransomware attacks and explained the attack vectors (phishing email, application vulnerabilities, RDP, VPN, legacy systems) and took a deep dive into ransomware like Cryptolocker, Ryuk, REvil / Sodinokibi, Phobos and WannaCry.

Suri explained the concept of Zero-Day and why it is so dangerous. He showed how the Threat Agents and Hackers probe networks and intrude without notice, download payloads, corrupt backups and finally perform cyber attack after all defenses are removed. Max gave a wonderful Technical walk-through of how Trickbot / Ryuk infects the hosts and the danger it brings. Then, they went on to explain 13 steps to protect and prevent cyber attacks, and it was well received.

Later, the speakers took questions from the global attendees and overall, it was a wonderful, educational and informative session. Cyber Security Awareness Training, Review of Security policies, 3-2-1 Backup strategy are some critical elements to prepare against this unknown enemy. The webinar was concluded with vote of thanks proposed by Mr. Surya Prakash.

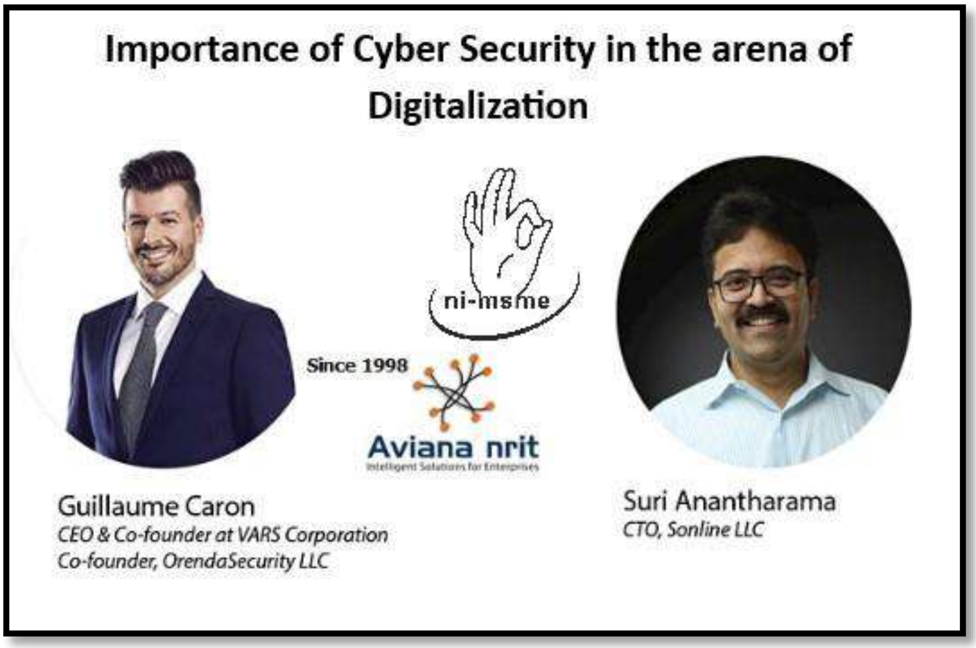

Figure 3.17. Importance of Cyber Security in the Arena of Digitalization

3.24. Building Your Business Digitally Post COVID-19

The National Institute for MSME (**ni-msme**) and Indian Women Institutional League (IWIL India) had jointly organised a webinar on 17th October 2020, attended by 95 participants from across the country.

Ms. Deepa Sayal, Social Entrepreneur, President and Chief Patron, IWIL India, CEO, ADG made an online presentation about the benefits of Digital Media Marketing to MSMEs. Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (M & BD) gave a presentation on Entrepreneurship through Digital Transformation and Technology and how to build revenue pipeline and generating business post COVID-19. Enthusiastic participants enquired and discussed about the various schemes of the Ministry of MSME. The virtual event was coordinated by Mr. Sandeep Bhatnagar.

3.25. How to Start Export Business

The SEM of **ni-msme** had organised a webinar on How to Start an EXIM Business, on 20th October 2020. The programme was formally inaugurated by Dr. K. Anuradha, Head, Department of Commerce, St. Ann's College, Hyderabad. Speaking on the occasion Dr. Anuradha emphasised the importance of international business in the present situation Dr. K. Visweswara Reddy, Faculty Member (SEM) addressed 58 final year students of International Trade who made virtual presence in the event. Being an expert in international business, he elaborated on the broad changes that have taken place in the documentation procedures in the post-liberalisation period. He also explained the basic steps to be followed in starting EXIM business.

The topics covered included importance of export-import business, benefits for small business, international and local bodies, IE code, EXIM finance, shipping documents and so on. Mrs. Suma Reddy, Faculty of International Trade made the closing remarks. The virtual event was coordinated by Dr. K. Visweswara Reddy.

3.26. Transforming Agricultural Education Institutions for Better Future through Industry Academia Collaboration, ANGRAU (Guntur)

Ms. S. Glory Swarupa, Director General delivered a session in the webinar on Transforming Agricultural Education Institutions for Better Future through Industry Academia Collaboration, on 22nd October 2020, conducted by the Institutional Development Plan, Acharya N.G. Ranga Agricultural University, Guntur, Andhra Pradesh.

The DG focused on Impact of COVID-19 on the Industry and Future Prospects. She said corporates and MNCs fared a little better because major part of their activities are IT enabled, while organisations and enterprises which function basically through manual and real time work had to face a serious challenge.

The MSMEs are precisely of this type. Besides, long intervals of inaction disrupt their production, delivery schedules, payables and receivables which, in turn, would affect their future activity and all the stakeholders along the supply chain. Therefore COVID-19 impact is strong on MSMEs.

Mr. Pradeep Hazari, Special Secretary-cum-Advisor, Department of Agriculture, Animal Husbandry & Cooperatives, Government of Jharkhand; Dr. A. Vishnuvardhan Reddy, Vice-Chancellor, ANGRAU; Dr. P. Ram Babu, Director of Extension, ANGRAU and Dr. A. Pratap Kumar Reddy, Dean of Agriculture and Principal Investigator-IDP, ANGRAU participated in the inaugural event.

A panel discussion was held on Opportunities for the Industry-Academia Collaboration: Way Ahead, which came out with very good suggestions to overcome the current situation. Vote of thanks was proposed by Dr. T.V. Sridhar.

Figure 3.18. Transforming Agricultural Education Institutions for Better Future through Industry Academia Collaboration, ANGRAU (Guntur)

3.27. Importance of Enterprise Risk Management for MSMEs and Entrepreneurs

The National Institute for MSME (**ni-msme**) and the Institute for Risk Management (UK) – India Affiliate had jointly organised a webinar on Risk Management for MSMEs, on 24th October 2020. A total of 997 participants from across the country and abroad participated in the event, coordinated by Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (M & BD), **ni-msme**.

Mr. Sairam Natarajan, GRC Champion, D&I Advocate, London presented the overview about Risk Management principles. Mr. Sandeep Bhatnagar gave a strategic presentation on Managing Risk for Young Enterprises, while Mr. Nicholas Stylianakis, Management Consultant, London, United Kingdom discussed Risk Mitigation strategies post COVID-19. Some of the enthusiastic participants enquired about and discussed the ways MSMEs can negotiate operational risk in the current scenario.

3.28. Cost Management Strategies for MSMEs in Post COVID-19

The National Institute for MSME (**ni-msme**), in association with the Institute of Cost Accountants of India (ICAI), organised a virtual National Webinar on Cost Management Strategies for MSMEs in post Covid-19 on 6th November 2020. The main objective of the webinar is to understand the post COVID-19 financial challenges faced by MSMEs in and to identify the best Cost Management Strategies for the sustenance and growth of MSMEs post- pandemic. The virtual programme was inaugurated by CMA Biswarup Basu, President, ICAI and Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme**.

During the inaugural address, the Director General emphasised the need for awareness about Government schemes and Atma Nirbar Bharat Abhiyaan policy reforms for MSMEs to understand the support from the Government for their enterprises. During the technical sessions, Dr. E. Vijaya, Programme Director enumerated the financial challenges faced by the MSMEs and how to overcome the problems, Atma Nirbhar Bharat reforms focused on MSMEs. Mr. CMA Sukrut Mehta, ICAI provided the detailed cost management strategies for MSMEs in the post-pandemic. A total of 75 entrepreneurs, students from the ICAI participated in the webinar.

Figure 3.19. Cost Management Strategies for MSMEs in Post COVID-19

3.29. Hospitality and Travel Trade under MSMEs Covid-19 & Rejuvenation Strategies of India Initiative Support

A series of four webinars on Hospitality and Travel Trade under MSMEs Covid-19 & Rejuvenation Strategies of India Initiative Support, was organised by the SEM of **ni-msme** on 6th November 2020, sponsored by the Ministry of Tourism, Govt. of India. The entire series was directed by Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member (SEM). The programme was preceded by a survey in association with the regional tourism offices, using a pre-tested questionnaire, uploaded through google survey tool.

a) The first event was held on the 6th November. The panellists were: Mr. Sanjay Basu, Senior Vice-President, Association of Domestic Tours India (ADTOI); Mr. Balbheem Vaidya, AGM-SME, LHO, Hyderabad; Mr. Anil Oraw, Regional Director (North) & Dy. Director General, MoT; Mr. Chetan Sharma, General Secretary, ADTOI; Mr. P. Udaya Shanker, former DG, **ni-msme**; Mr. Sanjay Jain, Regional In-charge & GM, SIDBI and Dr. Dibyendu Choudhury. About 115 persons from the northern zone registered for this event.

b) The second webinar was conducted on the 12th November, with the following panellists: Mr. Venkatesan Dhattareyan, Regional Director (West & Central India), India tourism, Mumbai, MoT; Mr. Pratul Trivedi, Secretary, ADTOI, MP Chapter; Ms. Vasuki Sundaram, Chairperson, IATO, Maharashtra Chapter; Mr. N. Srinivasan, Director, Swell Financial Services Pvt. Ltd.; Mr. Ajit Nath Jha,

General Manager, SIDBI, Pune Regional Office; Mr. Balbheem Vaidya and Dr. Dibyendu Choudhury. In all, 75 persons from the western and central zones registered for this event.

c) The panellists for the third event, organised on the 25th November, included: Mr. Sagnik Chowdhury, Deputy Director General and Regional Director (East); Mr. Debjit Dutta, Chapter Chairman, IATO, & ADTOI (West Bengal); Mr. Balbheem Vaidya and Dr. Dibyendu Choudhury.

d) The fourth and last webinar was scheduled on the 27th November. The panellists were: Mr. S. S. Devbarman, Regional Director, India tourism, Guwahati; Mr. Tridip Sharma, HRAA, Chief Advisor; Mr. Ranjeeth Das, President Tour Operator Association of Assam; Mr. Arijit Purkayastha, Chapter Chairman – North East, ADTOI; Mr. Gopi Nammi, Asst Manager, SIDBI-NER, Guwahati; Mr. Balbheem Vaidya and Dr. Dibyendu Choudhury.

Figure 3.20. Hospitality and Travel Business

Each webinar had a Question and Answer session, where the speakers fielded questions from the online participants and clarified the ambiguities. Ms. Somya and Ms. T. Padmaja of **ni-msme** moderated the theme sessions as well as the Q & A sessions in the entire series.

The deliberations focused on the challenges and opportunities in the tourism sector, with emphasis on MSME segment, their requirements, support schemes available, credit accessibility, impact of COVID and resuscitation strategies and measures.

3.30. Prospects of Social Entrepreneurship in India

Chhatrapati Shahu Institute of Business Education and Research (CSIBER), Kolhapur, Maharashtra and National Institute of MSME (**ni-msme**) had jointly organised a national webinar on Social Entrepreneurship, for the students of Master of Social Work (MSW).

Dr. K. Visweswara Reddy, FM, Admn I/c. & Rector made an online presentation on 'Prospects of Social Entrepreneurship in India' on 10th November 2020. The presentation began with the definition of social entrepreneurship and expatiated on social enterprise with examples. The functioning of social enterprises in India and their services was illustrated. How social entrepreneurship is an option for individuals, groups, start- up companies and entrepreneurs, how they are funded and how to implement solutions regarding social, cultural, or environmental issues were widely discussed.

Mr. Kiran Kakade, final year MSW student invited the resource person and introduced the topic. Dr. S.V. Shirol, HoD, Social Work, CSIBER commended the initiative of the **ni-msme** and its resource person Dr. K. Visweswara Reddy for his comprehensive presentation on Social Entrepreneurship. Dr. Durgesh Dalvi proposed the vote of thanks.

3.31. International Trade-Legal Issues in International Marketing

ni-msme had organised a webinar series on International Trade jointly with St. Ann's College, Mehdipatnam, Hyderabad, for the final year students of International Trade.

The first intervention of the series was conducted on 18th November 2020. Dr. K. Visweswara Reddy, FM, SEM, Admn. I/c & Rector made a presentation on 'Legal Issues in International Marketing', focusing on the concepts of international environment of business, legal environment, international treaties and laws, economic and political unions and finally, arbitration.

The next event of the series was held on the 24th November. The topics presented were, 'Laws of Export Contract and Export Agency Agreements', by Dr. K. Visweswara Reddy, expert in International Trade. Live illustration of an export contract was presented, including the main contents.

The HoD of Commerce, St. Ann's College introduced the guest speaker and Ms. Suma Reddy, Faculty proposed the vote of thanks.

3.32. Be your Own Boss- how to set up an enterprise.

The School of Entrepreneurship and Extension of **ni-msme** conducted two webinars "Be Your Own Boss" (how to set up an enterprise), on 13th and 27th November 2020. Above 400 participants, from 4 states, comprising of students, faculty, aspiring and existing entrepreneurs participated.

The programme was inaugurated by Ms. S. Glory Swarupa, Director General. In her inaugural speech emphasised the need for risk taking behaviour among the students. Students today are dynamic and aware of the latest technology and information. Entrepreneurship is nothing but grabbing the opportunity. She shared that Ms. Hetika shah from Gujarat was the recipient of 'Digital Women Awards 2020' for her innovative product 4s shield mask during lockdown. She thanked the Principal of St. Joseph Degree and PG College, Hyderabad and Dr. P. Adhi Lakshmi, Head Dept. of Management, Prasad V. Potluri Siddhartha Institute of Technology, Vijayawada for motivating students to participate in the webinar.

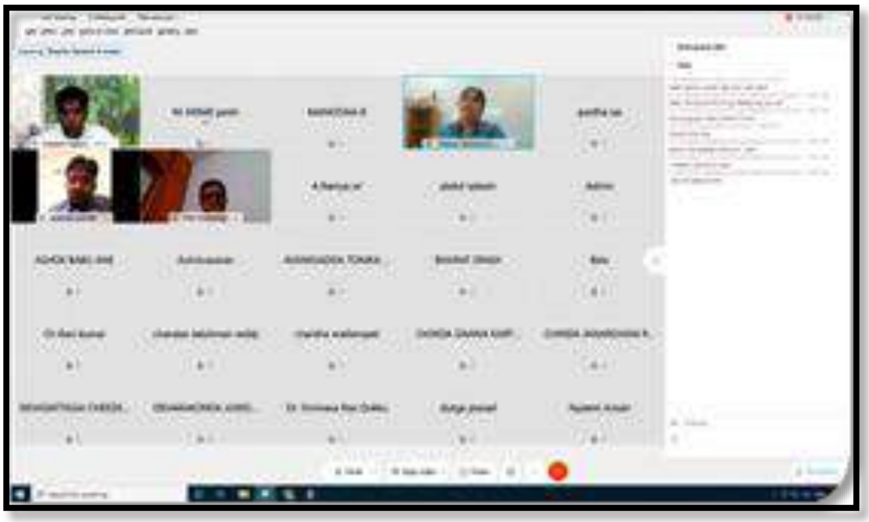

Figure 3.21. Be your Own Boss

The topics covered in the webinar were: Financial Schemes, MSME Schemes, Institutional Support, Udhyam Registration and Government e-Marketing. The webinars were directed by Mr. G. Sudarshan, Faculty Member.

3.33. e-Cyber Security

The NRCD of **ni-msme** had conducted a free introductory webinar on Online e-Cyber Security, in association with Aviana, NRIT, Bengaluru on 18th November 2020. There were 50 participants in virtual attendance for the event.

The main objective of the webinar was to create awareness among youth on cyber attacks, cyber security methods and its implementation.

Mr. Prabhu, C.E.O. of Aviana, NRIT and co-organiser of the programme welcomed the attendees. He said that the programme gives a good career opportunity for the unemployed youth with technical as well as non-technical background. Employed persons would also get insights into new development cycles in cyber security measures to safeguard confidential information of their organisation, data challenges, personal information, institutional data, avoiding data frauding challenges, etc.

Mr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member discoursed on preventive methods in personal data hacking, safety measures to protect and said, implementing cyber security measures nowadays is a must in organisations.

The participants threw up many queries and sought clarifications from speakers. Mr. Prabhu expressed the desire to coordinate with **ni-msme** in conducting a one week online cyber security programme.

3.34. Intellectual Property Protection-A Way to Stimulate Your Innovation and Creativity

The Intellectual Property Rights Facilitation Centre (IPFC) for MSMEs at **ni-msme** had organised a webinar on Intellectual Property Protection - A Way to Stimulate Your Innovation and Creativity, on 23rd November 2020, in association with St. Ann's College, Hyderabad. A total of 215 B.Com. students participated.

The main objective of the webinar was to promote innovation and entrepreneurship at the institute level. The focus was on introduction to basic concepts and definitions of IP and IPR.

Figure 3.22. Intellectual Property Protection

Additionally, the participants were given an overview of existing practices and processes related to IP management, with relevant examples.

The programme started with the welcome address by Mrs. Suma Reddy, Faculty, Department of Commerce, St Ann's College for Women. The session was addressed by Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member, IPFC, **ni-msme**. The programme received an impressive feedback from the participants.

3.35. Government e–Market Place Opportunities for MSMEs

The National Institute for MSME (**ni-msme**), in association with YES Bank, organised a national webinar on Government e-Market Place: Opportunities for MSMEs, on 17th December 2020, in virtual mode. Special focus was given to MSMEs. Sponsored by the YES Bank as part of business development activity, the main objective of the webinar was to create awareness about public procurement policies, Government e-market place concepts, practical knowledge on registration, catalogue management, payment process and GeM pool account for MSMEs. A total of 130 MSMEs from 10 states attended the programme online.

Dr. E. Vijaya, faculty of **ni-msme** and webinar organiser highlighted the public procurement policies and need for the MSMEs as sellers to understand the benefits through public procurement portals and concepts of Government e-Market place. Mr. Ramanathan, GeM expert explained the practical components of registering in the GeM portal as sellers, catalogue management and payment procedures involved in GeM portal. Mr. Karthik Narayan, Manager, YES Bank spoke about YES Bank services to MSMEs and GeM pool account services.

The final session was kept for interaction. Participants asked questions and clarified their ambiguities on various issues concerning the procurement portals. They appreciated the management of **ni-msme** for supporting MSMEs through webinars to create awareness about Government schemes and procurement benefits for MSMEs.

3.36. Awareness programme on Food Processing

School of Entrepreneurship and Extension (SEE) organised a webinar on Food Processing on 18th December, 2020 in which 41 participants from 3 states made virtual presence. The objective of the webinar was to provide information on innovative food processing products, FSSAI, MSME schemes and institutional support.

Mr. G. Sudarshan, Faculty Member, **ni-msme** discussed the schemes for MSMEs including MUDRA, CGTMSE and PMEGP. He also spoke about Udyam Registration, GeM and Mahila e-Haat. Dr. Shreekant Sharma, Associate Faculty Member, **ni-msme** expatiated on Institutional Support available for food processing MSME units and also highlighted various schemes of Ministry of Food Processing Industries. Mr. S.K. Sood, Food Technologist addressed the session on innovative food products, utilisation of food processing industry by-products, food license and registration.

The participants interacted with the experts during the Question and Answer session. They stated that they were confident of starting own food business.

3.37. Release of e-Books: COVID-19 Impact on MSME's in Tourism Sector

The virtual e-Book launch event was held on 13th January 2021 and Ms. Somya has moderated the event. Dr. Choudhury gave the welcome address inviting all the dignitaries and briefed them about the four webinars conducted across pan India with the help of Zonal Offices of Ministry of Tourism. The webinar topic was “Hospitality and Travel Trade under MSME Post COVID-19 & Rejuvenation Strategies. It is a Govt. of India initiative to support MSMEs. The webinars were organised with the Industry Experts, Bankers and Entrepreneurs as panel and subject matter experts. Both the books are the output of four webinars. The first book is about the webinar proceedings, discussions and the excerpts of views of the participants. The second book contains the research findings of the survey which was conducted to generate the primary data and which revealed the real time crisis of this segment and their dire need of the Govt. support to cope up with the losses due to COVID-19.

Ms. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme** had spoken about the data and research outcome in the book. She expressed that research data is revealing more than 70 interesting data points. The most important point is all the enterprises working in the supply side of Tourism Sector belong to services segment of Micro and Small Enterprises. Out of the total 242 respondents 40% had never heard about “Udyog Aadhar”. Data sources have revealed the facts and figures of the sector and also purport the view of immediate attention of Government to stabilize the sector.

Ms. Rupinder Brar, Deputy Director General, Ministry of Tourism expressed her heart felt gratitude to Mr. Devendra Singh, Additional Secretary & Development Commissioner, MoMSME, Director General (**ni-msme**) for taking interest in publishing such an informative document which would definitely help the policy makers to focus on recovery measures and supportive policies to bring in cheer among all the stakeholders in the Travel and Tourism sector.

Mr. Devendra Kumar Singh, AS&DC, MoMSME inaugurated and launched the books and appreciated the efforts of **ni-msme** for grounding such documentation to bring out relevant policy interventions. He said that traditionally manufacturing sector is been always given more priorities within the MoMSME. He also indicated that as on today the services segment supports the system of the manufacturing sector too but it does not mean requirements of services sector ignored for long.

At the end Ms. Bharti Sharma, Assistant Director General, Ministry of Tourism thanked all the dignitaries, authors of the Book and everyone involved in bringing out of these books. At the end, the webinar participants also shared their feedback on the books. The programme concluded after thanking all the organizers and participants.

Figure 3.23. Virtual release of COVID-19 Impact on MSME's in Tourism Sector Book

3.38. Women Safety Issues & Challenges at Work Place

National Institute for MSME (**ni-msme**), Hyderabad, organised a webinar on "Women Safety: Issues & Challenges at Workplace" on 4th February 2021. A total of 93 participants from various streams such as Government officials, bankers, professionals and academicians across India and International participants attended the webinar. The main objective of the webinar was to create awareness on gender equality through empowerment, safety and well-being of women and how to overcome the issues & challenges faced at workplace by women employees. The webinar was coordinated by Dr. E. Vijaya, Faculty Member, **ni-msme**.

During the inaugural address, Director General, **ni-msme** expressed the need for gender equality in workplace in terms of equal pay for equal work. She expressed that women in the workplace have proved their stupendous presence in almost every industry and in huge numbers. But despite achieving such huge laurels, women still face many obstacles in their workplace. She suggested that creating awareness on gender equality through empowerment, safety and well-being of women is crucial and fundamental at present situation.

The Chief Guest of the webinar was Smt. B. Sumathi, IPS, DIG, CID, TS-Women Safety Wing, Govt. of Telangana, Hyderabad. During the key note address, the Chief Guest shared her valuable experience with participants that how she tackled various issues and problems in a male dominated society. She motivated the women participants to be proactive in accepting challenges and proved their ability in solving the problems. She guided the participants in how to overcome day-to-day issues they face at workplace and also in the society.

At the end of the webinar, the Chief Guest interacted with the participants and clarified their queries on various women issues and support services from Telangana Women Safety Wing, Govt. of Telangana. The participants appreciated **ni-msme** effort for organising the webinar to create awareness on various women issues and how to overcome the challenges at workplace. The program ended with vote of thanks proposed by Ms. V. Swapna, AFM, **ni-msme**.

Figure 3.24. Women Safety Issues & Challenges at Work Place

3.39. IPR Strategy for Start-ups and MSMEs

Intellectual Property Facilitation Center for MSMEs organised a series of IPR Webinars under the scheme. "Building Awareness on Intellectual Property Rights (IPR) for the MSMEs" sponsored by MSME Development Institute, Hyderabad. Webinars was convened by V. Swapna, Associate Faculty Member, IPR, School of Enterprise Management, **ni-msme**.

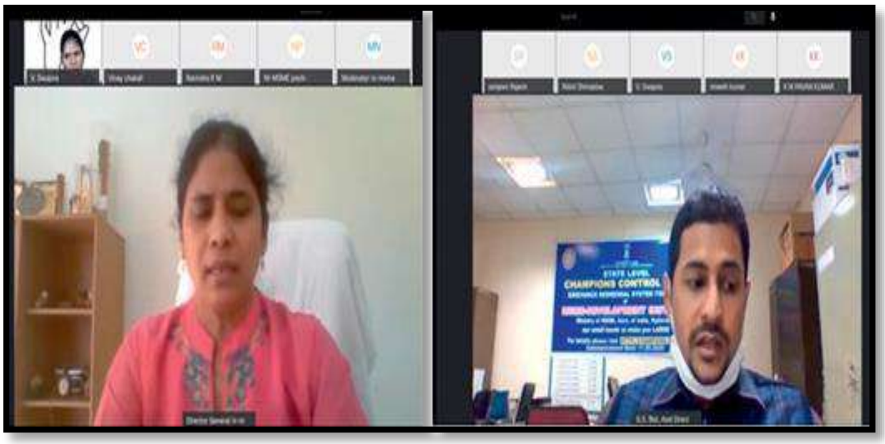

Figure 3.25. IPR Strategy for Startups and MSMEs

Webinar on "IPR Strategy for Start-ups and MSMEs was organised 12th February 2021. Main objectives of the webinar was to help the start-ups and MSMEs to identify and protect intellectual property, how to incorporate a successful IP strategy in the management, commercialization and monetization of their IP and technologies. Total 170 participants from Start-ups, MSMEs, Incubators, Cluster Stakeholders, Industry Associations, stakeholders and consultants having work experience in MSME sector attended the webinar. During the inaugural address, Ms. S. Glory Swarupa, Director General highlighted the importance of IPR to enhance the competitiveness of Micro,

Small & Medium Enterprises (MSMEs). She explained the contributions of **ni-msme** to MSME sector from past 60 years through capacity building programmes, awareness workshops, consultancy and research works in various IPR aspects. She also briefed the activities of the IPR organized through IPFC center and IPR registrations done till date supporting Start-ups and MSMEs. She advised all participants to utilize the services of IPFC centers for IP filings. Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member delivered a session on IPR and discussed Patents, Trade Marks, Designs & Copyright Registration & prosecution procedures. She also heighted some examples how IP can benefit the start-ups & MSMEs. Mr. Gulshan Bisht. Asst. Director MSME-DI Hyderabad delivered a session on MSME schemes. He also shared the information on new MSME definition, GEM Registration, Udhyam Registration, Incubator Schemes, PMEGP scheme, MSME, Champions portal, EDC activities and MY MSME app.

3.40. Hospitality Trade under COVID-19 & Rejuvenation Strategies

A series of three webinars were organized by Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member.

a) The first webinar was on Hospitality Trade under COVID-19 and Rejuvenation Strategies with Government of India Schemes to Support (North Region) held on 17th February 2021. Inaugural speech given by Mr. Bikas Singh, Vice President Corporate Affairs at OYO, New Delhi, India. Other eminent speakers included Mr. Anil Oraw Regional Director (North) & Dy. Director General, MoT; Mr. P. Udaya Shanker, Former Director General, **ni-msme**; Mr. Balbheem Vaidya AGM (SME) LHO, Hyderabad; Mr. Sanjay Jain Regional Incharge & GM-SIDBI; Mr. Bikas Singh, Vice President Corporate Affairs at OYO, New Delhi.

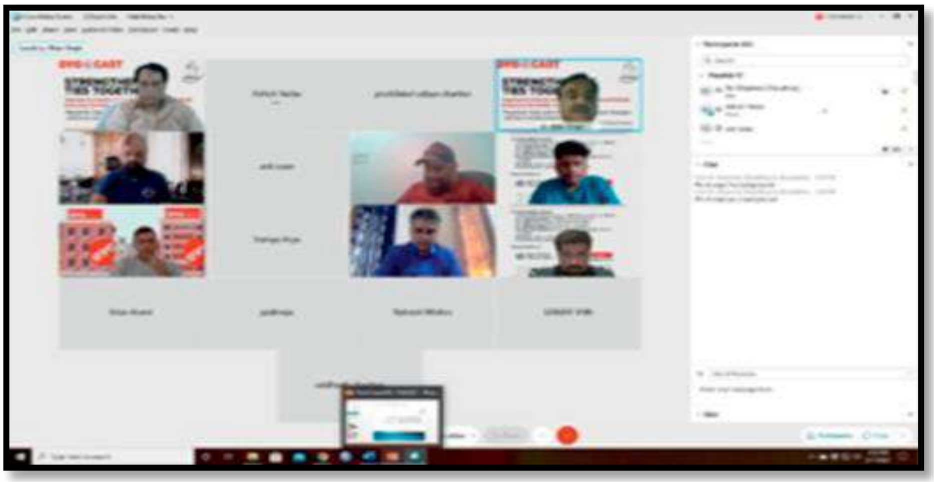

Figure 3.26. Hospitality Trade under COVID-19 & Rejuvenation Strategies

b) The second webinar was on Hospitality Trade under COVID-19 "Rejuvenation Strategies for Hotel Industry" Sponsored by Ministry of Tourism and in association with SIHRA held on 18th February 2021.

The inaugural speech was delivered by Mr. Syma Raju. K. Mr. Sundar Singaram, Director Operation, SIHRA, Chennai also took session on Current Challenges & Opportunities for the Tourism Sector. Eminent speakers included Mr. Venkatashan Dattatreya Regional Director (West & Central India), MoT; Dr.

Dibyendu Choudhury, Mr. P. Udaya Shanker, Mr. Balbheem Vaidya, AGM (SME) LHO, Hyderabad; Mr. Sanjay Jain, Regional Incharge & GM- SIDBI; Mr. Suresh Babuji, Director, MSME-DI, Mr. Venkatashan Dattatreya Regional Director (West & Central India), MoT. The programme had more than 72 participants and accepted very well by SIHRA Members.

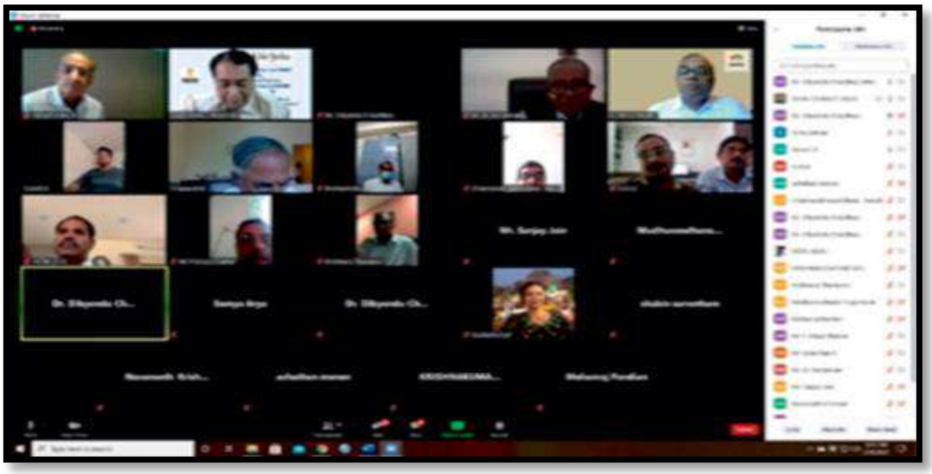

Figure 3.27. Hospitality Trade under COVID-19 & Rejuvenation Strategies

c) The third webinar was on Hospitality Trade under COVID-19 & Rejuvenation Strategies with Government of India Schemes to Support (Eastern Region) held on 22nd February 2021. Mr. Bikas Singh, Vice President Corporate Affairs at OYO, New Delhi, India spoke on Current Challenges & Opportunities for the Tourism Sector. Mr. Anil Oraw, Regional Director (North) & Dy. Director General, MoT; Mr. P. Udaya Shanker, Mr. Balbheem Vaidya, Mr. Sanjay Jain, Regional Incharge & GM-SIDBI, Mr. D. K.Bhattacharaya, Joint Director & Head of Office, MSME-DI, Kolkata. Mr. Bikas Singh, Vice President Corporate Affairs at OYO, New Delhi, India: Dr. Dibyendu Choudhury, Programme Director, **ni-msme** thanked all the speakers.

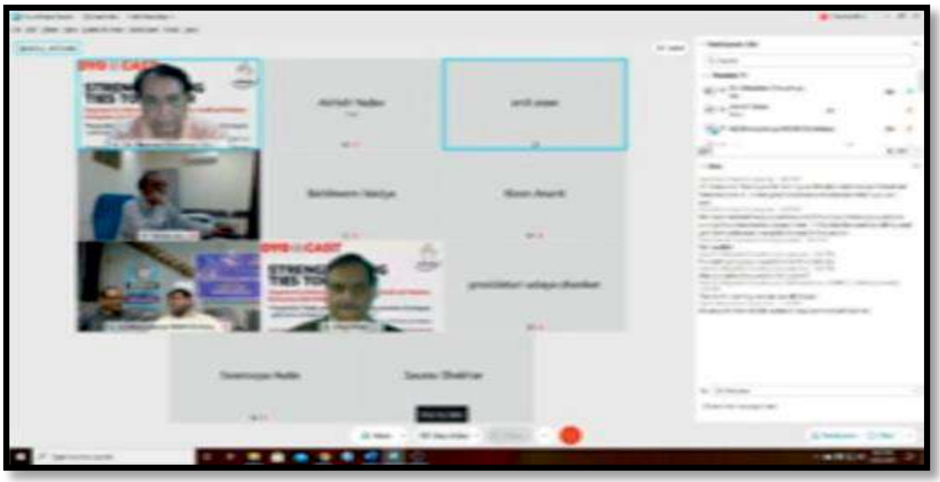

Figure 3.28. Hospitality Trade under COVID-19 & Rejuvenation Strategies

3.41. International Trade Finance: Opportunities for MSMEs

School of Enterprise Management (SEM) organised one day webinar on “International Trade Finance: Opportunities for MSMEs” on 19th February 2021. This Programme is sponsored by YES bank. This topic is very relevant for all MSMEs, aspiring to scale up their business and enter into international trade. Topics like international payment terms, International trade finance including both pre-shipment and post-shipment finance, letters of credit were discussed. It also highlighted on various finance products related to export finance. Prominent speakers like Mr. Ramanathan Iyer, an international trade expert and practitioner, Mr. Kizhepat Gopal, Senior Vice President, Trade Finance and Forex, YES bank and Dr. K. Visweswara Reddy, Faculty Member delivered sessions in the webinar. The speakers have answered the questions of the MSME owners and encouraged them to enter into international trade.

3.42. Trademark Management for Promoting SME Products in Digital-Era

Webinar on "Trademark Management for Promoting SME Products in Digital-Era" was organised on 23rd February 2021. Total 150 participants from startups, MSMEs, Academic Institutes, individual consultants attended the programme. Main objective of the webinar was to provide the SMEs, practical advices on how to protect their trade mark in India, how to choose the brand name, requirements for registration, procedures for registering trademark, also to discuss some relevant case studies. The webinar also discussed few MSME schemes. Speakers for the programme is Mr. Vijay Bhasker Reddy, IP Advocate, Mr. Tushar Bhargava, Co-founder & Chief Legal Officer Mike Legal, Mr Gulshan Bisht, Asst. Director MSME-DI, Hyderabad. The webinar was convened by V. Swapna, Associate Faculty, IPFC **ni-msme**.

Figure 3.29. Trademark Management for Promoting SME Products in Digital-Era

3.43. Role of Geographical indications for promotion of Cluster products

Webinar on “Role of Geographical indications for promotion of Cluster products” was organised on 24th February 2021. Total 107 participants from MSME officials, Cluster Development Executives, Industry Associations, NGOs, Technical Agencies and Individual Consultants registered for the programme. Key speaker for the programme were Mr. K. Saravanan, Legal & Tribunal Section Incharge, Head of Office, TMR & GI, Chennai. The speaker discussed on Importance of GI, Registration procedures & Post

GI measures for the benefit of clusters. Mr. Gulshan Bisht. Asst. Director MSME-DI, Hyderabad delivered a session on MSME schemes. He also shared the information on new MSME definition, GEM Registration, Udyam Registration, MSME SAMADHAAN-Delayed Payments, Incubator Schemes, PMEGP scheme, MSME, Champions portal, EDC activities and MY MSME app. Mr. Sanjeev Kumar Saini, Assistant Director, MSME-Development Institute, Hyderabad briefed the SFURTI scheme to promote the cluster development. Overall the webinars received a good feedback. Participants expressed that webinar was useful and informative.

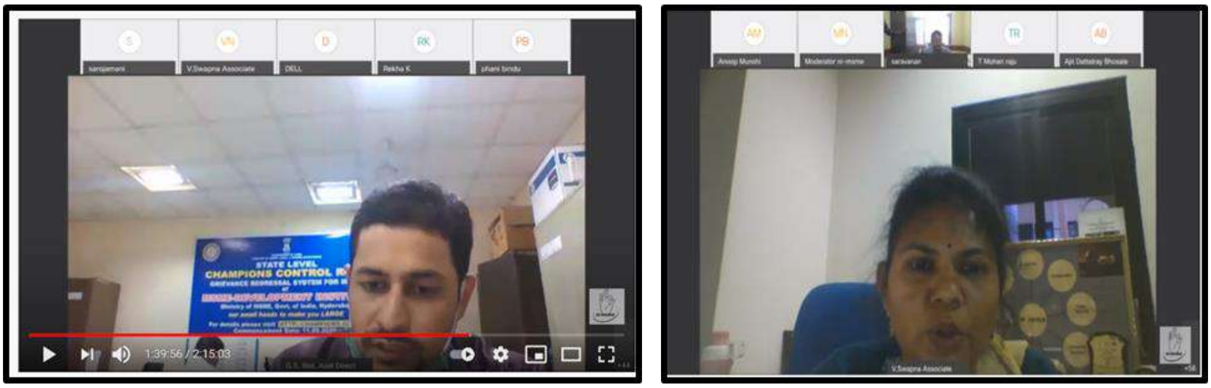

Figure 3.30. Role of Geographical indications for promotion of Cluster products

3.44. Awareness on MSME Schemes

ni-msme in association with Solapur Social Foundation organized one day webinar on 25th February 2021 on "Awareness of MSME schemes" which was attended by nearly 100 MSMEs it also included potential entrepreneurs from the Solapur district. The webinar was inaugurated by Mr. Subhash Deshmukh, M.L.A and Founder, Lokmangal Group and Ms. S. Glory Swarupa Director- General, **ni-msme** along with Faculty Members from **ni-msme**.

During the webinar, participants were briefed about **ni-msme** and its activities, Cluster Development initiatives of the Ministry of MSME and MSME schemes for their business requirements and expansion.

Figure 3.31. Awareness on MSME Schemes

3.45. International Alumni Meet

A virtual alumni meet of International executives was conducted on 26th February 2021. The primary objective of the alumni meet was to interact and know the well-being of the participants. The programme coordinated by Dr. Shreekant Sharma, AFM SEE and Vivek Kumar, Consultant, SEE. Around 90 participants from various countries attended the event. Earlier Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (Marketing and Business Development) appraised the house about the objective behind organizing the same. He shared with the participants **ni-msme**'s post COVID-19 Enterprise Promotional activities. This was followed by a presentation by Dr. Dibyendu Choudhury, FM, SEM on the impact of COVID on tourism sector in India. In his presentation Dr. Choudhury also updated the participants about various Government of India initiates during COVID-19 pandemic period. He also presented the status of online training programmes and other initiatives which helped the MSME sector in having an excellent virtual platform presence. He also shared the result of the study which was conducted to capture the challenges faced during COVID-19 Pandemic. Then the house was open to discussion by the alumni, they talked about the challenges in their specific countries. Probable solution was also suggested by faculty members Dr E. Vijaya and Sri J Koteswara Rao.

As a way forward, it was also mutually suggested to have a country specific Facebook page. This will not only enable the participants of that particular country to interact with each other but also country specific virtual meet can also be conducted to have tangible benefits. Participants were also encouraged to give their sincere feedback through a Google form. The attendees appreciated the effort of **ni-msme** in conducting the alumni meet. Mr. G Sudarshan, FM, SEE presented vote of thanks.

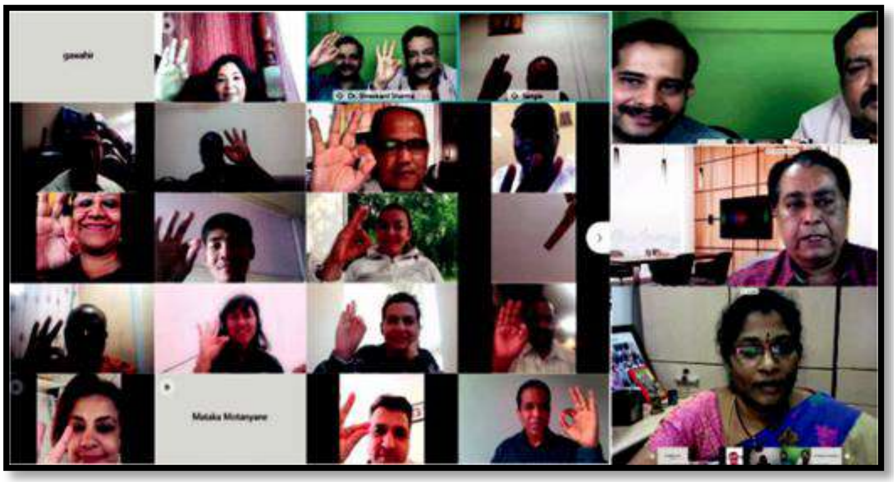

Figure 3.32. Alumni Meet- International Participants

3.46. Industrial Design Registration for MSMEs

Intellectual Property Facilitation Center for MSMEs, National Institute for MSME, Hyderabad with the support of MSME Development Institute, Hyderabad organized Free Webinar on "Industrial Design Registration for SMEs" on 12th March 2021. Total 194 participants comprising of MSME officials, Cluster development executives, industry associations, NGOs, Technical Agencies and Individual consultants registered for the programme.

Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member, Registered Patent & Trademark Agent, IPFC **ni-msme** delivered a session on Industrial Design Registration & its importance to SMEs. She also discussed how to search the design registered in Design database, requirements for design registration and step by step procedure for filing the design registration in e-filing portal. She also highlighted few examples. Mr. J. Koteswara Rao, Associate Faculty Member, SED delivered a session on MSME schemes. He shared the information on new MSME definition, GEM Registration, Udhyam Registration, MSME SAMADHAAN- Delayed Payments, Incubator Schemes, PMEGP scheme, MSME Champions portal, EDC activities , MUDRA Scheme and Relief package for MSMEs under Aatma Nirbhar Bharat Abhiyaan. The webinar concluded with Question & Answer Session. Most of the Participants rated the webinar as "Very Good ".

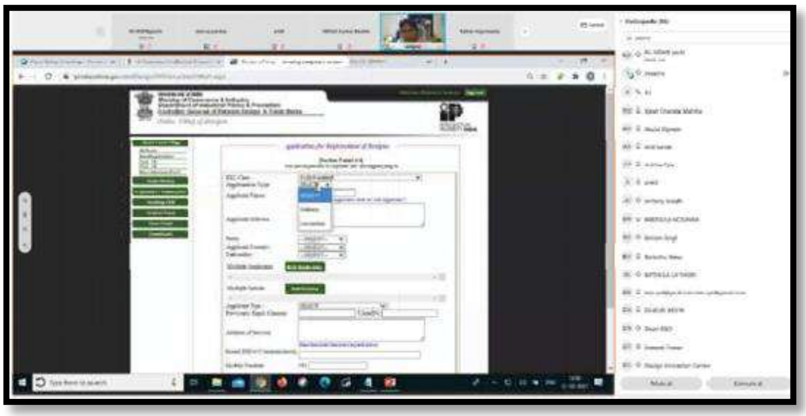

Figure 3.33. Industrial Design Registration for SMEs

3.47. Importance of Packaging for MSME to Enhance Export Market

The National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (**ni-msme**), Hyderabad and the Foundation for Innovative Packaging and Sustainability (FIPS) have jointly organized a webinar on "Importance of Packaging for MSME to Enhance Export Market on 23rd March 2021. The aim of the webinar was to highlight the opportunity offered by modern packaging technology and design for the growth of export from the MSME sector.

Dr. U. Venkateswarlu, IAS Retd., former Chief Secretary of Government of Tripura was present as the Chief Guest on this occasion. During the Inaugural speech, he stressed upon the vital role of packaging for market success. He suggested that every MSME entrepreneur must understand the vital role played by packaging to boost sales opportunity. Sectors such as agro-produce, marine products, horticulture, handloom and handicrafts must be supported by the packaging industry in rural areas to encourage all around growth.

Ms. S. Glory Swarupa, Director General of **ni-msme** was present as Guest of Honour, during the Inaugural session of the Webinar. In her opening address, she emphasized about the vast contribution of MSME sector to Indian GDP and support provided by **ni-msme** to this sector by skill development and other activities. She highlighted the employment potential of this sector to provide opportunities for unemployed youth and women in particular. The MoU signed by **ni-msme** with FIPS, she asserted, was a step towards strengthening skill development programs in the field of packaging.

Dr. N.C. Saha, Founder-Chairman, FIPS explained the objectives and mission behind the formation of the Foundation for Innovative Packaging and Sustainability. He highlighted the objectives of this Webinar and also invited MSME sector to participate into this kind of program to learn more on this subject and avail the benefits for their business growth.

He introduced his fellow Directors who were instrumental in conceptualizing the idea of FIPS. Then he introduced the honorable Mentors, Advisors, Thought- Leaders and Chief Consultants who constitute the full team of FIPS.

The full scope of activities of FIPS was then explained by Dr. A.K. Ghosh, Director, R & D and Training, FIPS. The areas of work in which FIPS can offer its expertise are Skill Development; Research & Innovation; Projects & Innovation and Publication & Policy Advocacy. To enable all this, Dr. Ghosh highlighted the unique KITE module of FIPS, viz: Knowledge Platform; Information Package and Training & Education.

The Inaugural session of the webinar was concluded with vote of thanks by Mr. Sandeep Bhatnagar, Director M&BD. He thanked the Chief Guest, Dr. Venkateswarlu and the Guest of Honour, Ms. S. Glory Swarupa for their inspiring words and reiterated that **ni-msme** would look forward to work closely with FIPS on joint training programs in the near future.

Mr Shailendra Singh, Chief Consultant, FIPS then initiated the second part of the webinar which consisted of four technical sessions with Dr. N.C. Saha as session chairman.

Mr Subhas Bhattacharjee, Chief Consultant, FIPS spoke on the Importance of Packaging for the Export Market. He highlighted the opportunity of marketing organic produce from N.E. States of India. He pointed out the 130 products from India which have Geographical Indications, from which 18 of those are from N.E. States. Among those products he also mentioned the N.E. pineapples for which our President of India, his Excellency Shri Ram Nath Kovind himself has also praised about the initiative taken by Govt. of Tripura for the exporting to UAE. In the next technical session by Dr. A.K. Ghosh, Director, FIPS, highlighted the Innovative Aspects for Food Packaging Applications. He traced the growth of food packaging from glass and metal cans to paper and plastics. He described the various forms of plastics that have been developed for packaging. Advanced packaging systems such as: Modified Atmosphere Packaging; Active & Smart Packaging and Bio-degradable plastics were discussed. He highlighted the need for sustainable and recyclable packaging.

Mr. Rahul Bhargava, Chief Consultant, FIPS then spoke of the Importance of Packaging for Pharma Products. The critical need to follow regulatory and statutory specifications for pharma product packaging was emphasized. He outlined a typical pharma product development time schedule to ensure all mandatory compliance protocols are followed. In the end he highlighted the latest trends in pharma product packaging and its cost management.

In the end, the Role of Packaging Design of Handicrafts and Other Goods for Export Markets was presented by Mr. Deepak Manchanda, Chief Consultant, FIPS. He presented the key elements of packaging design that can help to boost sales of any product.

Figure 3.34. Importance of Packaging for MSME

The key elements highlighted were: Brand Communication; Aesthetic form and Disruptive presentation. He highlighted how a small extra investment in design can boost sales prospects hugely.

The webinar was summed up by Mr. Shailendra Singh by pointing out the benefits of packaging not only as a means of value addition but as a means of creating employment opportunities. It is to mention here that 86 participants consisting of MSME, individual, faculty members had registered to this Webinar.

4. National Programmes

4.1. Entrepreneurship Development in Healthcare Products

Health is the most precious wealth of all the treasures that humans can possess. Hence, it becomes the highest responsibility of the individual, the society and the government to ensure the maintenance and upkeep of conditions conducive to best health everywhere and always.

A three-day campus training programme on Entrepreneurship Development in Healthcare Products was organised by **ni-msme** from 17th to 19th June 2020, directed by Mr. J. Koteswara Rao, AFM, SED. In all, there were 17 participants.

The programme was inaugurated by Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme**. She spoke about the importance of healthcare products in the prevailing context of COVID pandemic. While the virus prevalence has topsy-turvied the affairs of world nations, it has also opened up new avenues of opportunities for enthusiasts. The emerging urgent needs for products and formulations healthcare, hygiene, sanitisation and safety, curatives, medicines and vaccines, and immunity boosters have created attractive pastures both domestic and export. MSMEs, practicing as well as potential, can respond to this need by way of expanding/enhancing or starting up, as the case may be.

Figure 4.1. Entrepreneurship Development in Healthcare Products

Earlier, Mr. K.S.P. Goud, Faculty Member, SED welcomed the participants, and the trainees introduced themselves. Regular sessions got in motion after the inaugural event. The main purpose of the training was to create awareness about the need for and importance of changing the outlook and re-modelling the lifestyle to come out as a winner in negotiating with the pandemic.

As part of the programme, hands on training and demonstration session was arranged for the participants. The sessions were addressed by Mr. K.S. Murthy, expert from Nacharam Industrial Estate, Hyderabad. All the participants were actively involved in the practical session and interacted with the experts during the programme.

Throughout the training duration, **ni-msme** management has taken all precautionary measures to ensure safety from the virus infection by giving suitable instructions. They included maintaining social distance and frequently using hand sanitisers by all the trainees during the programme days.

4.2. Certificate in Export - Import and International Trade Operations

An online training programme was organised by **ni-msme,** in collaboration with India SME Forum, on Import Export & International Trade Operations, from 29th June to 18th July 2020. There were 10 participants, all of them practicing entrepreneurs.

Addressing the inaugural session on 18th June 2020, Mrs. Sushma Morthania, Director General, India SME Forum spoke about the importance of international trade. Earlier, Mr. Vinod Kumar of India SME Forum welcomed the participants and urged them to scale up their business. Dr. K. Visweswara Reddy, Faculty Member of **ni-msme** and Programme Director presented an overview of the programme structure.

The 8-day programme was designed to consist a one hour session each day of the programme. Soft copy of the material was transferred to the participants in advance and there was pre- and post-assessment for each session. Various topics pertaining to international trade were covered which included: How to Start Export – Import Business, Global and Local Bodies, Shipping and Logistics Management, Payment Terms and Shipping Documents, Government Incentives and Schemes, Risk Management and Insurance, Export Import Finance and Product and Market Selection. The online training was concluded on 18th July with distribution of e-certificates of participation to the trainees.

4.3. Training of Trainers in Faculty Development (ToT-FDP)

Due to the COVID pandemic the training scenario and dimension are continuously changing. In view of the fact, the Director General has suggested exploring innovative formats for disseminating training/ education.

Thus inspired, Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member, SEM undertook to research the topic. Dr. Choudhury, making use of handy internet convenience, created an online course for the faculty fraternity on How to Teach Online with Minimal Investment. He conducted the new form of training of the trainers/faculty development programme (ToT-FDP) for the internal faculty members from 15th to 21st July 2020, completely online.

This programme covers different facets of creating online courses on Google Classroom, recording the online classes through presentation, embedding YouTube videos in the classroom content, creation of the content, creation of the registration form and feedback form through Google Forms and open source video editing software. The training inputs enable the trained faculty to create their own courses online, manage and monitor the participants'/students' progress within the stipulated time and measure the learning outcome. At the end the trainees/students will be awarded the e-certificate for the completion of the course. The ToT - FDP has been highly appreciated by the internal faculty, and during the valedictory the Director General appreciated Dr. Choudhury's initiative. She suggested extending the benefit of this initiative to the faculty of other institutions and colleges, as it would be helpful to all trainers/ teachers facing the same situation.

Figure 4.2. Training of Trainers in Faculty Development (ToT-FDP)

4.4. Dual Certificate Programme in Product Promotion & Packaging

ni-msme had conducted the Dual Certification Programme on Product Promotion & Packaging, in collaboration with Indian Institute of Packaging (IIP), Hyderabad, from 10 to 14th August 2020. The training was conducted online. A total of 13 participants from all over India participated in the 5-day training. The inputs were disseminated by renowned faculty of both **ni-msme** and IIP. Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (M & BD), **ni-msme** was the Programme Director.

Dr. TanweerAlam, Director, IIP inaugurated the programme. Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme**, were present through the inaugural ceremony.

The certification programme was designed to equip and strengthen the marketing and promotion efforts of MSMEs by acquainting them with the latest available packaging technologies, e-marketing.

Figure 4.3. Dual Certificate Programme in Product Promotion & Packaging

4.5. Executive Development Programme for NMDC Officers

The School of Enterprise Management of **ni-msme** organised a two-week Entrepreneurship Development Programme for NMDC Officers, in virtual space, during 17th to 31st August 2020. Dr. Dibyendu Choudhury, FM-SEM directed the programme sponsored by the NMDC.

The programme was inaugurated by Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme**, while Dr. G.E. Reeta Reddy, DGM-HR, NMDC and Mr. B. Durga Vjjay Chand, Sr. Manager, HRD, NMDC welcomed the participants and introduced the programme. The Programme Director emphasised the importance of the programme and has given the overview of it.

The sessions were addressed by internal faculty as well as guest speakers who have domain expertise in related areas. Valuable inputs were given in subjects including Motivation, Time management, Responsibility and accountability of the executive, Customer orientation, Fundamentals of mining, Environment management and sustainability, Boss-subordinate/secretary relationship, Eight habits of effective people, Executive health and stress management, Communication skills, Transactional analysis, IQ, EQ and SQ, Entrepreneurship, Corporate social responsibility, Business environment, etc. The programme was completed successfully with evaluation of trainees and concluded formally on the 31 , in the presence of Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme**; Dr. G.E. Reeta Reddy, DGM-HR, NMDC; Mr. B. Durga Vjjay Chand, Sr. Manager, HRD, NMDC; Ms. Soumya, Management Trainee; Ms. T. Padmaja, A.A. and Ms. A. Swaroopa, A.A., **ni-msme** and all participants on 31st August 2020 around 10.00 am virtually the training programme was concluded and all the participants expressed thanks to **ni-msme** as well as NMDC and spoke about their further growth in the organisation personally as well as officially it is very connected. Dr. Reeta Reddy appreciated all of the **ni-msme** staff for successful completion of the training programme and wished all of them the very best to the participants for their future growth in the organisation. Ms. Glory Swarupa congratulated the participants and appreciated their PPTs suggested her good will towards NMDC and further corporation in upcoming batches. Congratulated Dr. Dibyendu Choudhury, Programme Director and his team staff for making the programme successful. Ms. Soumya virtually presented the training completion certificates to the participants, while the Programme Director virtually concluded the virtual meeting.

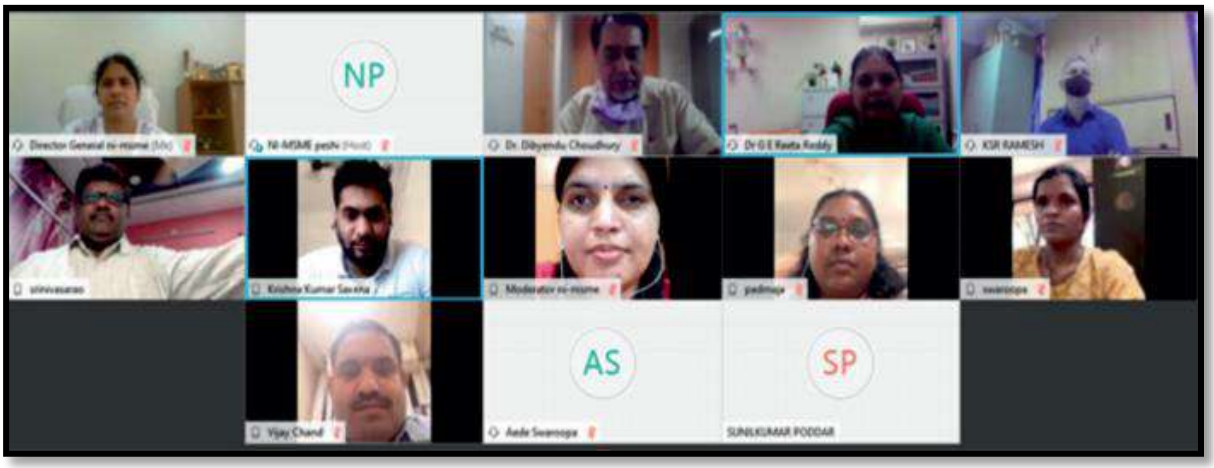

Figure 4.4. Executive Development Programme for NMDC Officers

4.6. FDP on Entrepreneurship Development and Mentorship

The SEE of **ni-msme** has conducted a Faculty Development Programme on Entrepreneurship Development and Mentorship for the faculty of NIT-Raipur during 7 to 11th September 2020. About 20 members of NIT Raipur participated in the FDP, sponsored by NIT Raipur under TEQIP.

The programme was inaugurated by Ms. S. Glory Swarupa, Director General. In her address she said that entrepreneurship is the need of the hour. The faculty will teach the trainees about technology. The trainee should know how to commercialise the technology and become an Entrepreneur. The FDP will provide all the inputs on entrepreneurship and mentorship. The Director General thanked the management of NIT Raipur for reposing trust in **ni-msme** for conducting the program.

Figure 4.5. FDP on Entrepreneurship Development and Mentorship

The training inputs included Entrepreneurial motivation training (EMT), Idea generation, Identification of business opportunities and market survey, Udyam Registration, Institutional support (MSME, technical and financial), MSME schemes, Systematic approach to enterprise planning and launching, Legal formalities for setting up a micro unit, Intellectual property rights, Detailed project preparation and management of enterprise, Cluster approach for micro enterprise development, Need and importance of entrepreneurship education in the changing scenario, Importance of curriculum planning on entrepreneurship in the education system, Introduction to mentoring, building and managing the mentoring relationship, Mentoring styles and skills, Role of the mentor, Stages of mentoring and advantages of mentoring. Mr. G. Sudarshan, Faculty Member of the School of Entrepreneurship and Extension was the Programme Director.

4.7. ToT on ESD for Instructors of Industrial Training Institutes (ITI), Govt. of TS

The SEE of **ni-msme** conducted a programme on Training of Trainers on Entrepreneurship and Skill Development from 21st September to 2nd October 2020 for Assistant Training Officers, Deputy Training Officers and Training Officers of the Government Industrial Training Institutes (ITIs), sponsored by the Department of Labour, Employment, Training and Factories, Government of Telangana. A total of 20 participants from various ITIs of Telangana State had participated in this training.

Figure 4.6. ToT on ESD for Instructors of Industrial Training Institutes (ITI), Govt. of TS

The programme was inaugurated by Mrs. I. Rani Kumudini, IAS, Special Chief Secretary (LET&F Dept.), Govt. of Telangana. In her inaugural address she emphasised the need for technology in faculty interaction and teaching through virtual class-room. The main objective of the programme is to enable Assistant Training Officers, Deputy Training Officers and Training Officers to acquire knowledge in entrepreneurship and act as Trainers and Mentors for ITI students in setting up own enterprise, on completing their educational courses. She congratulated the Director General of **ni-msme** for conducting this programme for their faculty.

Mr. Nagesh, Joint Director, in his address observed that entrepreneurship is the need of the hour; while ITI students are adept at technology, they lacked awareness regarding enterprise creation. This training would fill the gap by empowering their faculty to guide them in that direction.

Ms. Glory Swaupa, Director General of **ni-msme**, addressing the trainees, said that the faculty should be empowered with entrepreneurial knowledge so that they can motivate their students from becoming job seekers to job providers. She thanked the Spl. Chief Secretary, the Chief Secretary, the Director and the Department of Labour Employment Training and Factories, Government of Telangana for reposing trust in **ni-msme** expertise.

The topics covered in included Entrepreneurial motivation training (EMT), Idea generation, Identification of business opportunities and market survey, Udhyami registration, Institutional support (MSME, technical & financial), MSME schemes, Systematic approach to enterprise planning and launching, Legal formalities in setting up a micro unit, Intellectual property rights, Detailed project preparation and management of enterprise, Cluster approach for micro enterprise development, Need and importance of entrepreneurship education in the changing scenario, Importance of curriculum planning on entrepreneurship in the education system, Introduction to mentoring, Building and managing the mentoring relationship, Mentoring styles and skills, Role of a mentor, Stages of mentoring and Advantages of mentoring. Mr. G. Sudarshan, Faculty Member, SEE was the Program Director.

The valedictory function of the programmes was orgniaed on 2nd October. Dr. Visweswara Reddy, FM (SEM) & Admin I/c. distributed the certificates. The participants appreciated the efforts of the faculty who delivered the sessions. They thanked the Director General for conducting the programme in this pandemic situation. Mr. G. Sudarshan, Programme Director proposed the vote of thanks.

Figure 4.7. Valedictory of ToT in Entrepreneurship and Skill Development

4.8. FDP on Entrepreneurship Development

Faculty Development program on Entrepreneurship Development organized by Rajasthan Technical University from 18th & 19th September 2020, Shankar Institute of Technology coordinated the program. FDP programs were sponsored by TEQIPIII. The program was inaugurated by his Excellency Governor of Rajasthan Shri Kalraj MirshraJi on 18th September 2020. Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme**, were present in the inaugural ceremony. Total 200 faculties from 10 states have attended the program Ms. Glory Swarupa, Director General of **ni-imsme** was member of Advisory Committee for FDP Program, and was also a speaker on the topic Entrepreneurship and Skill Development for Self Employment. In her lecture she shared the information on various programs for Entrepreneurship, like Industrial Motivation Campaigns (IMCs): Industrial Motivation Campaigns are organized to motivate entrepreneur's for setting up of micro units. Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty Member, **ni-msme** was a speaker in FDP program for the topic Institutional Support for MSMEs. In his lecture he shared the information of Institutes like Micro, Small And Medium Enterprises Development Institutes (MSME-DIs), Technology Resource Centers (TRCs), Regional Testing Centers (RTCs), Field Testing Stations (FTSs), Tool Room & Training Centers (TRTCs), Central Footwear Training Institutes (CFTIs), Process – Cum – Product Development Centers (PPDCs), **ni-msme** (National Institute For Micro, Small & Medium Enterprises), Hyderabad, NIESBUD (National Institute of Entrepreneurship and Small Business Development), New Delhi. NSIC (National Small Industries Corporation Ltd) and State level institutions Mr. G Sudarshan, Faculty Member, **ni-msme** was a speaker in FDP program for the topic Promotion of Entrepreneurship in Educational Institutes.

The Idea of infusing entrepreneurship into education has spurred much enthusiasm in the last few decades. A myriad of effects has been stated to result from this, such as economic growth, job creation and increased social resilience. Putting these ideas into practice has however posted significant challenges along the stated positive effects.

Promotion of Entrepreneurship in Educational Institutes aims at equipping Education Institutes to impart skills and knowledge that are essential for inculcating entrepreneurial values in students guiding and monitoring their progress towards entrepreneurial career. Topics were covered, Entrepreneurship in Education Institutes, Relevance of Entrepreneurship Education in Education Institutes, Progression Model for Entrepreneurial Education, Curriculum Development, Entrepreneurship Programs, Agencies involved in promoting & assisting SSI units.

Figure 4.8. FDP on Entrepreneurship Development

The domestic aquarium trade of India started growing faster with the beginning of 21 century. It is estimated to grow to Rs.1,200 crore in the next 4 to 5 years and Rs. 3,000 crore by 2030 from the present Rs. 500 crore. It is identified as an important sub-sector under the recently announced “Pradhan Mantri Matsya Sampada Yojana”. There are four major components of aquarium trade viz. aquarium and aquarium accessories, ornamental fishes, feeds and aquarium servicing. Although the key component of the aquarium trade is ornamental fish, it contributes only 20% to the total trade. The highest (63%) chunk is shared by aquarium and aquarium accessories (Fig. 1), of which about 95% are of Chinese origin. As such our forex expenditure on import of these products is very high, while the country is exporting ornamental fish worth about Rs. 7.5 crore only.

The world economic structure, including that of India, may be altogether different in many ways post-COVID-19. Hon’ble Prime Minster of India has proclaimed “Self-reliant India” and “Make in India” as focal points of the vision for a developed India. A number of other countries are also looking at India as a mega manufacturing hub and a substitute to China in the present circumstances. It is certainly the right time for Indian

MSMEs in different sectors viz. glass, electrical, plastic, acrylic, wood, metal to take up manufacturing of aquarium and aquarium accessories. The Indian aquarium industry could become internationally known with active contribution of MSMEs and also provide employment and livelihood support to a large number of people.

4.9. Training Programme on Healthcare Products

A three-day training programme on Entrepreneurship Development in Health Care products was conducted during 28th to 30th October 2020, at **ni-msme** campus. The programme was inaugurated by Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme**, Mr. K.S.P. Goud, Faculty Member, SED welcomed the participants.

Mr. J. Koteswara Rao, Programme Director briefly outlined the programme content. The DG spoke about importance of health.

Care products at this point of time. This programme was attended by participants from Kerala, A.P. and Telangana. As part of the programme, in-plant exposure visit was arranged on 29th to UTTHAM industries, a home based products manufacturer located at Rural Technology Park, NIRD & PR. All their products preparation methods along with chemical formulations were shown. The participants were also given hands-on experience.

Figure 4.9. Training Programme on Healthcare Products

Sessions on entrepreneurship, decision making process, market survey tools, financial costing and basic accounting, business plan preparation, project technical feasibility, MSME schemes and Udyam registration, etc., were addressed by **ni-msme** faculty. Mr. M.Y. Reddy, Chief Manager (Retd.), SBH interacted with participants and guided them on financial project report appraisal.

The valedictory function was chaired by Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme**. The participants rated the programme as excellent. The Director General cited examples of successful entrepreneurs and enumerated the ministry schemes for establishing micro enterprises in health care products. Training participation certificates were distributed to all the participants before closing the programme.

4.10. ToT in Agri Entrepreneurship

The SEE of **ni-msme** conducted Training of Trainers (ToT) programme in Agri Entrepreneurship for Syngenta Foundation, India during 5th to 9th October 2020. In this programme 25 trainees comprised of Faculty, Project Leaders and Project Coordinators from 8 different states participated.

Mr. Baskar Reddy, Executive Director, Syngenta Foundation India; Mr. Rajendra Jog, Chief Executive Officer, AEG Foundation; Mr. Ravindra Katre, Head-Trainings, Syngenta Foundation; Ms. Bhawna Nirmal, Manager-Business Development, AEG Foundation and Mr. Aravind, Manager, Syngenta Foundation graced the inaugural function and urged the participants to get maximum knowledge from this training programme. Ms. S. Glory Swarupa, Director General of **ni-msme** stated in her inaugural speech that National Institute for MSME and Syngenta Foundation, India have initiated efforts for the development of agri entrepreneurship in rural areas. Both the organisations have the potential to develop and implement in a synergistic way, various programmes for doubling the farmers' income by 2022.

The programme, conducted through online WebEx mode, aimed at imparting skills and knowledge essential for inculcating entrepreneurial success among the trainees in agricultural sector. Idea for an enterprise, Training methods, Mentoring, IPR, GST, MSME policy and schemes, Marketing for MSMEs and Cluster development were in the inputs. The reading material, assessments and feedback of the training programme was made available through Google Classrooms.

Dr. Shreekant Sharma, Programme Director of the programme, stated that the Government of India has recently initiated a series of structural reforms in agriculture sector to transform it into a viable enterprise and financially empower the farming community. Such programmes would help transform the government vision to the grassroots level.

The participants expressed the opinion that the training would help them immensely in improving their efficiency in the current job. The programme ended with vote of thanks proposed by Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member, SEM.

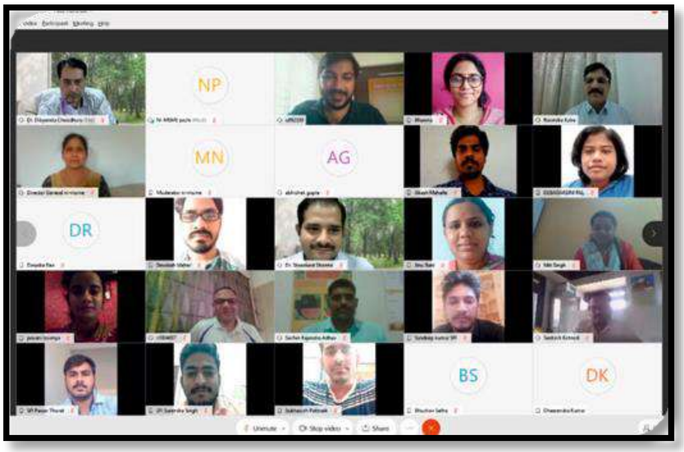

Figure 4.10. ToT in Agri Entrepreneurship

4.11. e-Waste Management & Recycling Options for MSMEs

School of Enterprise Development (SED) organised a one week National Training Programme on e-Waste Management & Recycling Options for MSMEs, from 14th to 18th December 2020 at the campus. Mr. J. Koteswara Rao, AFM, SED was the Programme Director. The participants hailed from Maharashtra, Kerala, Andhra Pradesh and Telangana states.

The programme highlighted the hazards of e-wastes, the need for its appropriate management and options that can be implemented at grass-root level. Emphasis was laid on treatment technologies, their potential and financial mechanisms available for promoting such technologies in India and the various instruments existing in local governments that can be used for promoting the reduction of green house gases.

The programme was conducted by well experienced faculty with good teaching as well as practical expertise in their respective field of specialisation. Eminent subject specialists were invited as resource persons to address the theme sessions and interact with the trainees.

Apart from the Programme Director and **ni-msme** Faculty, the resource persons included: Mr. M.Y. Reddy, Chief Manager (Retd.), SBI; Mr. P. Veeranna, Sr. Environmental Scientist (Retd.), TSPCB, Hyderabad; Mr. Y.V. Mallikarjuna Reddy, CEO, Pratham Envirotech Solutions, Hyderabad & Dr. K. Srinivas, Technical Head, Ramky Enviro Engineers Pvt. Ltd., Hyderabad.

The inputs focused on the themes of Business opportunities in e- waste recycling plants, approach towards effective management systems for e-waste case studies, entrepreneurial opportunities in e-waste management, Udyam Registration procedures, business plan preparation, technical feasibility, cost estimation for establishment of e-waste recycling facility, Trade Mark, GI Process, project report appraisal: banker's point of view, regulatory framework, compliance requirements, recycling of e-wastes & challenges: a case study of German experience; and procedures for setting up e-waste recycling facilities.

Figure 4.11. e-Waste Management & Recycling Options for MSMEs

The participants asked questions and sought clarifications from the speakers. In-plant exposure visit was arranged. Mr. Venu Madhav, a successful entrepreneur, Annanya Green Tech, involved in the business of recycling of wastes shared his practical experience.

During the valedictory session, the participants said that the programme was useful and informative. They appreciated the faculty and guest speakers, and rated the programme as Very Good. During the valedictory address, Dr. K. Visweswara Reddy, FM, SEM emphasised the need for awareness about Government schemes, Atma Nirbhar Bharat Abhiyaan and its importance for MSMEs. Later, he awarded training completion certificates to the participants.

4.12. Launch of WEDP & TEDP

A four-week online Women Entrepreneurship Development Programme, and a six-week Technology Entrepreneurship Development Programme, sponsored by the Department of Science & Technology, Govt. of India were inaugurated at the National Institute for MSME (**ni-msme**), on 28th December 2020. The WEDP will run up to 23rd January 2021, while the TEDP will continue up to 6th February 2021. The programme directors are Mr. G. Sudarshan, Faculty Member, SEE and Dr. E. Vijaya, Faculty Member, SEM respectively.

The objective of the EDPs is to build the capacity and confidence of the science and technology graduates and motivate them to choose entrepreneurial career; guide and mentor them to manage the enterprise competently. The one month EDP mainly focuses on the basic parameters of setting up the industry, project identification, project profile, project report preparation & appraisal from the bankers' point of view, and management aspects. Focus will also be on personal effectiveness, dynamics of entrepreneurship development, EMT, positive attitude, stress management, etc.

The sessions are designed with practical orientation, and include interaction with successful entrepreneurs, bankers, industry experts and government officials. Cumulatively, 50 participants are attending the two programmes.

During the inaugural session, the Programme Directors acquainted the participants with programme design, methodology, coverage, and assignments and project preparation. They pointed out that the emphasis on practical orientation will buffer the theoretical inputs with applicational insights during the inaugural, the Director General of **ni-msme**, addressing the participants, urged them to choose entrepreneurial career. In the light of India emerging as the youngest country in the world, the youth should focus on becoming job creators rather than job seekers. She observed that this is an advantage for science and technology graduates to start their own business. Further she encouraged the participants to benefit from the Government schemes and utilise **ni-msme**'s services from start-up to scale up their enterprises.

The inaugural event concluded with vote of thanks proposed by Dr. Shreekant Sharma, AFM, SEE.

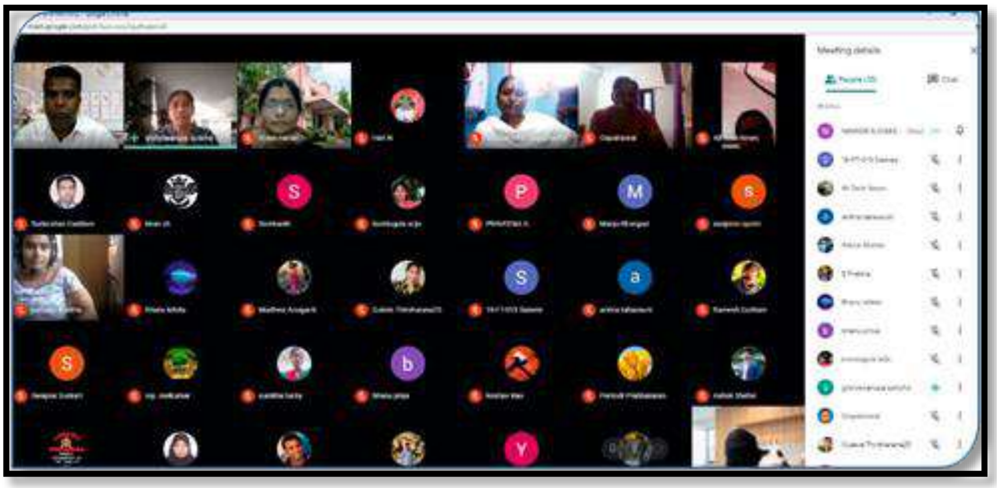

Figure 4.12. Launch of WEDP & TEDP

In the series School of Entrepreneurship & Extension (SEE) has conducted Women & Technology Entrepreneurship Development Programme for Science Graduates. On 18th January 2021, the Director General has inaugurated the WEDP & TEDP programmes sponsored by Dept. of Science and Technology, New Delhi. This programme was attended by 50 participants from 4 states.

Technology based EDP primarily focuses on training and development need of S&T entrepreneurs in a specific technology area of Health Care. The participants are provided with hands-on training in indigenous technologies developed by R&D institutions that are available for commercial exploitation. The main objective of TEDP is to motivate and develop entrepreneurs to undergo a structured training programme of 6-weeks duration to enable them to manufacture specific products/ technologies/ processes designed by CSIR labs, R&D institutions, universities, etc. In a TEDP the entrepreneurs are exposed to technical knowledge about the products and technologies and are enabled to enhance their skills in the lab of the technology provider who offers commercially viable technologies and also help potential entrepreneurs to adopt the new technological knowhow. During the training period, the participants also get to know the intricacies of how to start and manage an enterprise. At the end they are assisted in preparing a bankable project report. This Women Entrepreneurship Development Programme, aims at training the S&T graduates and the diploma holders in the fundamentals of conceiving, planning, initiating and launching an economic activity or an enterprise successfully. The programme content includes class room training on essentials of entrepreneurship, survey of the socio-economic scenario, identification of business opportunities, role and function as well as schemes of assistance offered by various constituents of the support system, preparation of a technically feasible and economically viable project report, achievement motivation training and also the nuances of management of an enterprise. Sessions on technology, onsite exposure and financial opportunities were also arranged, depending upon the nature of project selected.

The Programme Director, Mr. G. Sudarshan welcomed participants, Director General, Ms. S. Glory Swarupa and DST observer Dr. K. Srinivas, Chief Executive Officer, Association for Innovation Development of Entrepreneurship in Agriculture. In his address, Dr. K. Srinivas said DST is conducting large number of programmes for science and technology graduates. He said that Hon'ble Prime Minister has allocated

Rs. 1,000 crore fund for start-ups which is the part of Entrepreneurship Development Programmes. He emphasized the need of Health Care programmes. He appreciated **ni-msme** for organising the programme. In inaugural address, Director General, Ms. S. Glory Swarupa welcomed participants and DST observer Dr. K. Srinivas. She thanked Department of Science and Technology for sponsoring WEDP and TEDP programmes. She said the MSMEs are economic engines which increases exports and contributes to GDP. She highlighted that women being the known risk bearers have a greater role to play as an entrepreneur. She pointed out that the participants should attend regularly to reap the benefits of the programme. She also elaborated and motivated the women participants to come up with novel business ideas to grab the opportunities in the rapidly expanding health care sector.

Vote of thanks was given by Mr. Vivek Kumar. He thanked Director General for her inaugural address, participants for attending the programme, Dr. K. Srinivas for gracing the inauguration and DST for sponsoring programmes.

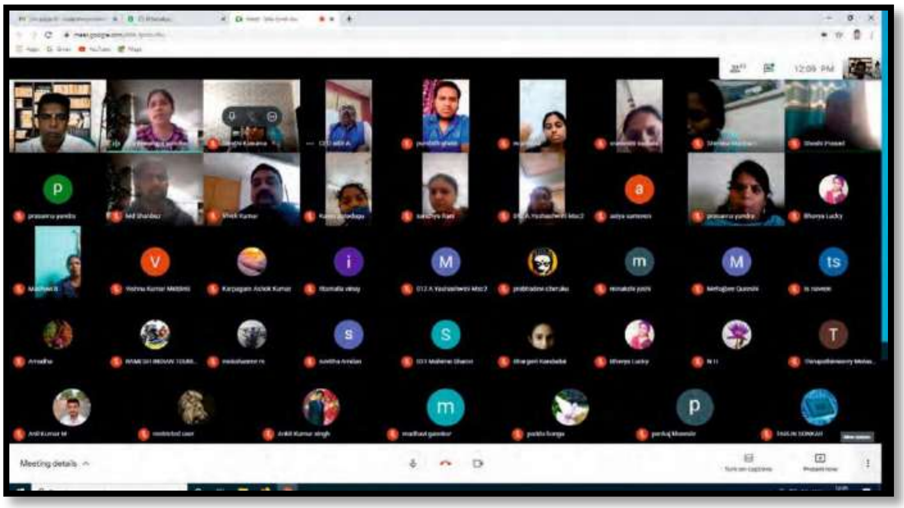

Figure 4.13. Inauguration of WEDP & TEDP

4.13. Training of Trainers (ToT) on Agri Entrepreneurship

The School of Entrepreneurship and Extension (SEE) organised an online Training of Trainers (ToT) on Agri Entrepreneurship from 13th to 21st January 2021. This programme was sponsored by Kerala Institute for Entrepreneurship Development (KIED), Govt. of Kerala. During inauguration, Programme Directors, Dr. Shreekant Sharma, AFM and Dr. K. Visweswara Reddy, FM, welcomed the participants and introduced them about the institute and programme schedule. The participants include Nodal Officers and IEOs from District Industries Centers (DICs), Government of Kerala. During five day programme different sessions on, Agriculture Entrepreneurship; Training Methods; Curriculum Designing; Livelihoods; Mentoring; MSME Schemes; Marketing; IPR and GST were conducted through Google Meet. The reading materials and PowerPoint presentations were made available in Google Classroom. During the valedictory held on 21st January 2021 the participants appreciated the training programme and suggested **ni-msme** to conduct more such kind of programmes for other officers of Govt. of Kerala. Mr. Sarath V. Raj, CEO and Executive Director, KIED and Mr. Midhu S.V., Programme Manager, KIED appreciated and thanked **ni-msme** for conducting this programme.

Ms. S. Glory Swarupa, Director General in her address provided and motivated the participants by giving valuable suggestion to promote agri entrepreneurs in their respective districts. She said that Kerala state has lots of local products, like Coconut, Banana, Spices and others, which has good market demand across India and abroad. It is perceived that food insecurity is on the rise as the shortage of land accumulating year by year due to rapid urbanization and desertification. Focusing on implementing the agribusiness techniques like processing the commodities at village level and adding value addition to the produce may help the farmers to get more yield, expansion of business, generates more profit, she added. Dr. K. Visweswara Reddy proposed vote of thanks to the entire team of Kerala Institute for Entrepreneurship Development (KIED), Govt. of Kerala and the participants for their excellent cooperation and enthusiasm during this programme.

4.14. Export Documentation Procedures and International Trade Operations

ni-msme had organized programme on Export Documentation Procedures and International Trade Operations from 18th to 22nd January 2021. This programme was attended by five members.

Dr. K. Visweswara Reddy, Faculty Member and Programme Director while formally inaugurating the programme, welcomed the participants, briefed about genesis of National Institute of MSME and gave an overview of the scheduled programme.

The broad areas that covered in the programme include the procedure for starting export business, international commercial and payment terms, pre- & post- shipment procedure and documentation, Government benefits, EXIM finance, insurance & risk management, international and local bodies, types of transportation, containers and packaging, international product and market selection.

The valedictory function chaired by Programme Director, Dr. K. Visweswara Reddy. The feedback of the participants was taken and they were advised to start their export business at the earliest.

Figure 4.14. Export Documentation Procedures and International Trade Operations

4.15. Women Entrepreneurship Development Programme (WEDP)

The SEE has conducted Women Entrepreneurship Development Programme which commenced on 28th December 2020 and concluded on 23rd January 2021. There were 25 participants from 5 states for this programme.

Dr. E. Vijaya, Programme Director appraised Director General, about the programme. While sharing the feedback the participants expressed pleasure for necessary inputs which instill confidence and enough motivation to start their own enterprise. The participants also thanked the DST sponsoring the programme and **ni-msme** for conducting the programme.

In valedictory address Director General, Ms. S. Glory Swarupa congratulated all the participants on completion of the programme. She has indicated that the programme is not complete until and unless they start their own enterprise. She informed about loan mela and motivated all the participants to take active part in the loan mela. She told that the Govt. of India is offering special incentives for women entrepreneurs. She also shared a success story of The Deccan Development Society (DDS) to inspire the women participants. DDS is a three and half decade old grass root organization working in about 75 villages with women's Sanghams (voluntary village level associations of the poor) in Sangareddy District of Telangana. The 5,000 women members of the society represent the poorest of the poor in their village communities. Most of them are dalits, the lowest strata of the Indian social hierarchical society. The society has a vision of consolidating these village groups into vibrant organs of primary local governance and federates them into a strong pressure lobby for women, the poor and dalits. A series of continuing dialogues, debates, educational and other activities with the people, facilitated by the society, keep translating this vision of women empowerment into a reality.

The Director General distributed certificates to the participants. While rendering Vote of thanks Mr. G. Sudarshan, Programme Director thanked the Director General for her support to conduct the programme and DST for sponsoring the same.

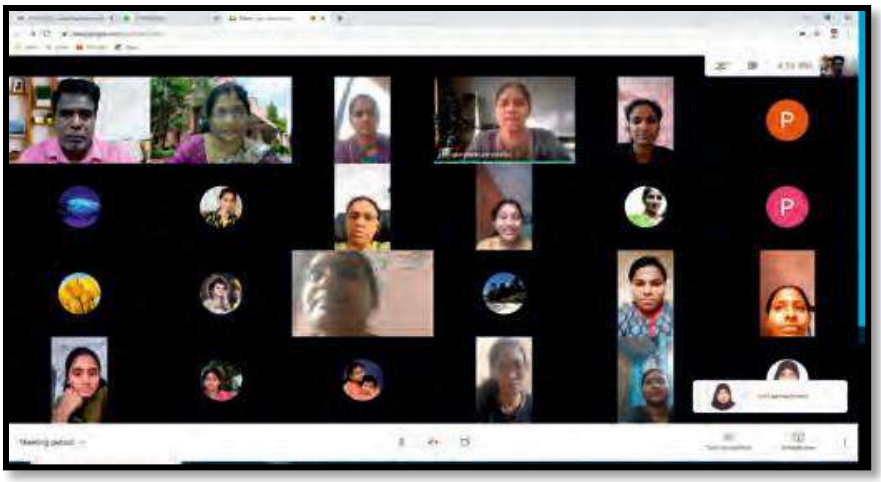

Figure 4.15. Women Entrepreneurship Development Programme (WEDP)

4.16. TEDP in Textiles & Electronics Sector

The School of Entrepreneurship and Extension (SEE) has started Technology Based Entrepreneurship Development program on Textiles and Electronics conducted from 1st February 2021 to 13th March 2021 (Textiles); from 8th February 2021 to 20th March 2021 (Electronics).

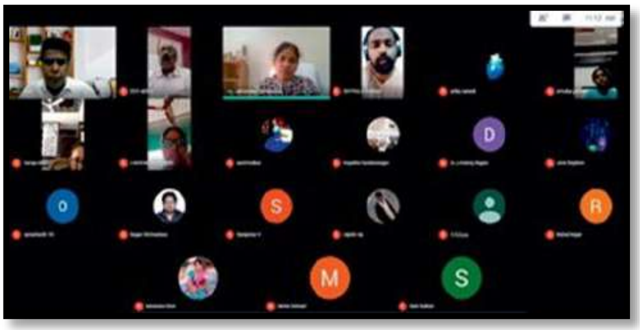

Figure 4.16. TEDP in Textiles & Electronics Sector

Technology Based EDP primarily focuses on training and development need of S&T entrepreneurs in a specific technology on Textiles and Electronics, the participants are provided with hands-on training in indigenous technologies developed by R&D institutions that are available for commercial exploitation.

In each TEDP there are 25 persons, having a degree/diploma in S&T and are trained through a structured training programme of about 6 weeks duration.

The program was inaugurated on 1st February 2021, by Ms. S. Glory Swarupa, Director General **ni-msme**. In her inaugural address she said that. She said that both the sectors i.e. Textile and Electronics have many good business opportunities. She motivated participants that they should be job givers rather than job seekers. She thanked Department of Science and Technology (DST) for sponsoring the program.

Mr. G Sudarshan, Programme Director informed that entrepreneurs are exposed to technical knowledge about the products and technologies. Total 50 participants from 5 states are selected through various tests and interviews to assess their potential of becoming a successful entrepreneur. During the training period, the participants also get to know the intricacies of how to start and manage an enterprise. At the end they are assisted in preparing a bankable project report.

4.17. ToTs in Food Processing and Agri Entrepreneurship

School of Entrepreneurship & Extension (SEE) organized Training of Trainers (ToT) on Promotion of Agri Enterprises and Training of Trainers (ToT) on Food Processing from 8th to 12th February 2021. The programme director for this programme was Dr. Shreekant Sharma, AFM, SEE. In this online programme a participant from Saudi Arabia also participated. The programme covered various topics like agri entrepreneurship ecosystem, training methods, FSSAI, alternate energy options, market research, IPR, GST, marketing, exports and cluster development were covered. The participants rated the programme as excellent.

4.18. Training on Planning and Promotion of MSME

The SED of **ni-msme** organised a one week training programme on Planning and Promotion of MSMEs (PPMSME) during 22nd to 26th February 2021 at the campus. In this programme 3 participants attended. The Programme Director, Shri J. Koteswara Rao introduced the faculty members to the participants and gave a brief outline of the programme content and objectives. Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty Member (SED) explained the importance of the PPMSME course. The regular sessions were conducted by **ni-msme** faculty and resource persons. The participants visited Technology Business Incubation (TBI) located at University of Hyderabad to understand Start-Up eco-system and TSIIC- IALA Kushaiguda, ECIL to interact with the ancillary micro enterprises and existing entrepreneurs. A successful entrepreneur interface was conducted as part of the closing session. Participation certificates were awarded by Ms. S. Glory Swarupa, Director General.

Figure 4.17. Training on Planning and Promotion of MSME

4.19. Promoting Evaluations in Academia

A Web seminar on Promoting evaluations in academic institutions was organized by DMEO, NITI Aayog in its efforts to strengthen the Monitoring and Evaluation ecosystem in various organisations on 18th and 19th March 2021.

The seminar was aimed at bringing together key stakeholders in the M&E ecosystem to dwell upon and discuss, the need for a systematic and scientific M&E culture. The speakers shared strategies, methodologies, innovations, experiments, challenges and relevant best practices adopted in India and across the world. Mr. V.B. Rajendra Prasad and Mr. Vivek Kumar, Consultant, SEE attended the workshop.

Eminent personalities from various orgainsation like UNICEF, NITI Aayog, Senior officials of Various State Governments, like Haryana, UP, MP, Tamil Nadu and Karnataka contributed to the session talks. Each session was attended by over 250 participants virtually across the globe. Attendees were also encouraged to put forth their suggestions and queries which were suitable answered by the session speakers.

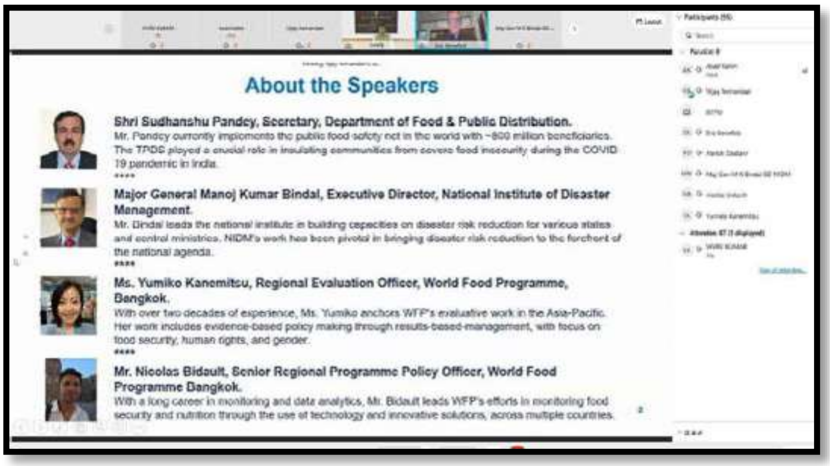

Figure 4.18. Promoting Evaluations in Academia

4.20. Induction Programme for Executive Trainees of NMDC

The School of Enterprise Management of **ni-msme** organised a one - week "Induction Programme for Executive Trainees of NMDC", at Campus, during 16th to 23rd March 2021. Dr.Dibyendu Choudhury, F.M. SEM directed the programme sponsored by the NMDC Ltd. The programme was inaugurated by Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme**, while Mr. Amitava Mukherjee, Director (Finance), Mr. V. Srinivas, DGM (Personnel), Mr.Ramakrishna, AGM (Personnel) NMDC Ltd., Other officials welcomed the participants and introduced the programme. The Programme Director emphasised the importance of the programme and has given the overview of it. The sessions were addressed by internal faculty as well as guest speakers who have domain expertise in related areas. Valuable inputs were given in subjects including Business Ethics, People Orientation, Soft Skills, Strategic Orientation, Financial Orientation, Corporate Planning, Organisation Culture and Industrial Relations, Commercial/ Marketing, Corporate Social Responsibility, Corporate Governance and MoU, ERP & IT, Basic Concepts of Steel Technology, Material Management, Finance & Accounts, Vigilance, HRD Activities, Contracts, Personnel Management, Resource Planning, Business Development - Global Perspective etc. The participants were taken to NMDC R&D and Ramoji Film City, Hyderabad for their exposure. The programme was completed successfully with evaluation of Executive trainees and concluded formally on the 23rd March 2021, in the presence of Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme**; Mr. K. Mohan, G.M. (Personnel), Mr. Ramakrishna, Mr. Naveen Kumar, Sr. Manager, HRD, NMDC. Ms. T. Padmaja, A.A. and Ms. A. Swaroopa, A.A. of **ni-msme** co- ordinated the programme. On 23rd March 2021 the training programme was concluded and all the participants expressed thanks to **ni-msme** as well as NMDC and spoke about their future growth in the organisation personally as well as officially. Mr. K. Mohan appreciated all of the **ni-msme** staff for successful completion of the programme and wished all of them very bright future in NMDC. Ms. Glory Swarupa congratulated the participants and appreciated their Power Point Presentations and expressed her good wishes towards NMDC and further corporation in upcoming batches. She congratulated Dr. Dibyendu Choudhury, Programme Director and his team for making the programme successful. Ms. Glory Swarupa presented the training completion certificates to the participants, while the Programme Director concluded the meeting.

Figure 4.19. Participants of Induction Programme for Executive Trainees of NMDC

4.21. Promotion of Agro & Food Processing Clusters

National Institute for MSME (**ni-msme**) in association with National Institute of Agricultural Extension Management (MANAGE), Hyderabad organized Online Training Programme on 'Promotion of Agro & Food Processing Clusters' from 24th to 26th March 2021 for the benefit of Agripreneurs. A total of 24 participants have attended the Online Training Programme.

The programme was inaugurated by Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme**. She has highlighted interventions of **ni-msme** in cluster development in general and agro & food processing clusters in particular. She also mentioned cluster interventions in Bathinda Honey Processing Cluster, Tirur Integrated Coconut Processing Cluster and Sakoli Bamboo Cluster and encouraged the participants for their active participation in the programme.

The objective of the Online Training Programme was to create awareness in Cluster Concepts and discuss on scope for promotion of Agro & Food processing clusters. The programme was coordinated by Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty Member, **ni-msme** and Dr. K. Sai Maheswari, Assistant Director, MANAGE. The faculty gave inputs on cluster concepts, cluster diagnosis, preparation of strategic action plan for cluster development, implementation of cluster interventions, management of CFC, Cluster governance and monitoring & evaluation. Several case studies were also discussed and documentary films on cluster development was screened. The cluster team of **ni-msme** Mr. K. Surya Prakash Goud, Mr. D. Naveen Kumar and Mr. L. Vijaya Kumar took sessions. The participants mentioned that it is very useful and appreciated efforts of **ni-msme** and MANAGE for organizing the programme.

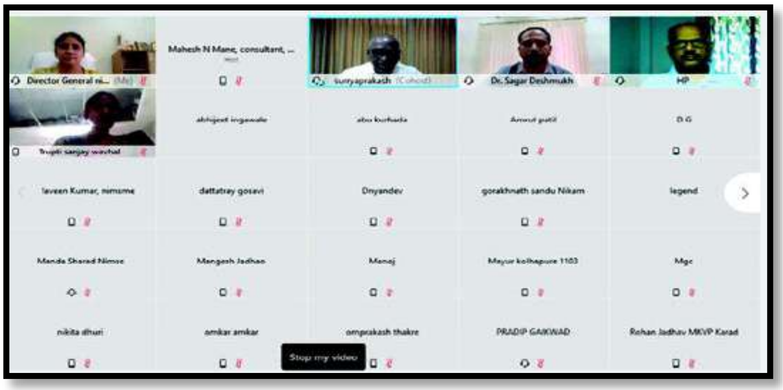

Figure 4.20. Promotion of Agro & Food Processing Clusters

5. Activities of the Centers

5.1. National Resource Centre for Cluster Development (NRCD)

5.1.1 Mothkur Ikkat Handloom Cluster

ni-msme is the Nodal agency for SFURTI implementation in Mothkur Ikkat Handloom Cluster. A design development programme was organised during 15th March to 13th June 2020 for the benefit of 50 weavers, with the objective of imparting design and dyeing skills to make them competent to produce market driven handloom products.

Mrs. T. Savithra Megha Reddy, Chairperson of Mothkur Municipality inaugurated the programme at the Integrated Production and Skill Training Centre of the cluster on 15 March. She advised the weavers to improve their skills and create new designs as per customer preferences. Mr. J. Ramaiah, Chairman, Implementing Agency; Mr. M. Govardhan, Chairman, Special Purpose Vehicle; Mr. P. Lakshminarsaiah, Director; and other directors discussed interventions carried out under SFURTI and appreciated the support given by **ni-msme** and the Ministry of MSME.

Senior designers Mr. T. Laxman and Mr. R. Satyanarayana trained the weavers in new designs, dyeing of silk yarn, warping and weaving according to the market trends. The artisans appreciated the training as an opportunity to learn new designs and techniques under the guidance of the designer and senior master craft persons. The programme was successfully concluded on 13th June 2020.

5.1.2 Jharkhand State SFURTI Clusters

Awareness programmes have been conducted in the Basantrai Badge and Embroidery Cluster, Honey Processing Cluster Lohardaga, Anantadev Wood Craft Cluster, Kariyatpur Brass Cluster, in Jharkhand. Mr. B.M.L. Das, Cluster Expert; Mr. Srikant, Deputy Director, Mukhya Mantra Laghu Evam Kutir Udyam Vikas Board, Govt. of Jharkhand; Mr. Saquib Ahmed Assistant Manager, JIIDCO; Senior officer, Chairman of SPVs, senior artisans and artisans participated in the programmes. Cluster CFC civil works are in progress.

The cluster interventions were reviewed by organizing an e-meeting with officials of Technical Agency, Jharkhand Industrial Infrastructure Corporation Ltd (JIIDCO), Implementing Agency, Mukhyamantri Laghu Evam Kutir Udyam Vikas Board and SPV members on 26th August 2020 to understand status of cluster interventions. The e-Meeting was chaired by the Director General, Ms. S. Glory Swarupa. The discussion concentrated on mobilization of SPV contribution, finalization of machinery specifications, approval CFC plan, civil estimations, tendering process, and implementation of soft interventions. Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty Member, Mr. L. Vijay Kumar, Consultant and Mrs. G. Rama Devi, Administrative Assistant were present the meeting. The representatives of Implementing Agency and Technical Agency have explained status of each project. The SPV members mentioned that they are in deep trouble due to COVID-19 and facing challenges in mobilization of SPV contribution from the artisans. They have assured for depositing at least 40% of SPV contribution and speed up the activities of clusters.

5.1.3. Integrated Coconut Processing Cluster, Tirur, Kerala

The board meeting of Tirur Coconut Producer Company Ltd. was held on 1st August 2020 at Muttanur, Tirur, Kerala with Mr. Jayakesari, Chairman, Tirur Coconut Producer Company Ltd. Tirur Cluster chairing the event.

The discussions focused on the marketing of VCO and flavoured coconut milk, deposit of IA share, status of the loan applied in Kerala State Financial Corporation, Malappuram, internal and statutory auditing, assembling and final installation of equipment agency's machines and trial run of the machinery and equipment. Mr. Sunil Kumar, CDE apprised the board of the activities carried out in the cluster till date.

Figure 5.1. Review of SFURTI Project by Implementing Agency, Tirur, Kerala

5.1.4. Wooden Inlay Craft Cluster, Hoshiarpur

Mr. Amarjit Singh, General Manager, District Industries Centre, Hoshiarpur chaired a meeting conducted regarding the implementation of Hoshiarpur Wooden Inlay Cluster with an outlay of Rs 1.41 crores. The cluster is expected to benefit 150 families spread across 15 villages in the Hoshiarpur district of Punjab.

The discussions devolved on the CLU procedure and the required NOCs for cluster implementation. Mr. Satjog, SPV President, and other members also met Mr. Sunder Sham Arora, Hon'ble Minister, Industry and Commerce, Punjab along with the General Manger, DIC on the 1st of August. They appraised the wooden inlay craft cluster activities.

Figure 5.2. Wooden Inlay Craft Cluster, Hoshiarpur

5.1.5. Review of SFURTI Clusters

The Director General, Ms. S. Glory Swarupa has reviewed the status of cluster interventions on 13th August 2020. The cluster team Mr. K. Surya Prakash Goud, Dr. G.S. Gill, Mr. L. Vijay Kumar, Mr. G. Raj Kumar, and Ms. Rama Devi were present in the meeting. Initially, Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty Member briefed the status of SFURTI clusters.

He informed that the cluster team has been consistently following up with SPV members and implementing agencies to complete interventions as per the time lines. Three clusters in Jharkhand state have contributed SPV amount and the other clusters yet to mobilize funds. However, Technical Agency and Implementing Agency are closely working for mobilization of funds, preparation of machinery specifications and tendering. The civil work in Maharashtra Clusters namely SUS Readymade Garment Cluster, and Sakoli Bamboo Cluster has started and rest of the clusters opened Bank Accounts and executed agreements. Wooden Inlay Cluster, Hoshiarpur, Punjab have requested to provide fund for Soft Interventions and Implementing Agency.

The Director General instructed to speed-up cluster interventions, guide Implementing Agencies, Technical Agencies and Cluster SPV members as per the project demand and initiate CFC tendering process in Maharashtra, and Jharkhand clusters.

Figure 5.3. CFC under construction

In another incident, while reviewing **ni-msme** projects on 25th September 2020, Mr. Sudhir Garg, Joint Secretary (ARI) advised all clusters to decorate with beautiful paintings of their respective products. Each cluster shall be made a model to others and they should compete with each other. The Joint Secretary further suggested that each cluster should conduct skill development training to create awareness among the artisans and create linkages for design, technology and marketing.

The Joint Secretary further advised the Technical Agency to hire a Lean professional for each cluster. In addition, he advised that five more bamboo clusters should be executed and advised that standard tender procedures be laid down for CFC and machinery by the Nodal Agency. A separate WhatsApp group may be created for bamboo clusters. The Joint Secretary instructed the Nodal Agency to ensure that information pertaining to clusters is uploaded in the website by the concerned Implementing Agency, regularly monitored by the Nodal Agency. A letter of request may be sent through the nodal agency with regard to funds release.

Figure 5.4. Other Clusters

5.1.6. Interaction with Rampur Patch work Crafts Artisans

ni-msme is involved in preparation of cluster diagnostic study report of Rampur Patch work craft cluster under One District One Product (ODOP) scheme of Government of Uttar Pradesh. An online meeting was organized on 25th August 2020 with the officials of District Industries Centre and Cluster artisans to validate the cluster information collected by the cluster team and also design strategic action plan for development of the clusters. The cluster teams Mr. K. Surya Prakash Goud, Mr. L. Vijay Kumar and Mr. Raj Kumar have discussed on procurement of raw material, production process, challenges in production and marketing and need for interventions. It was understood that more than 90% of women artisans are working in the cluster and are in the age group of 30-40 years. The cluster products are sold across the country through retail and whole sale units. The artisans expressed that raw material bank, training cum design centre, apart from skilling of artisans for quality and productivity would help the cluster to get more export orders and improve income of the artisans.

5.1.7. Empanelment of New Technical Agencies

The meeting of Project Screening Committee of SFURTI was conducted through online on 27th August 2020 chaired by the Director General, Ms. S. Glory Swarupa. The members of the committee, Mr. H.K. Chari, National Advisor, IL&FS Cluster Development Initiatives Ltd., Mr. R.K. Mehta, Chairman, Rainbow Bamboo Academy, Mr. V.B.S.S. Koteswara Rao, Marketing Expert, Mr. B.N.V. Parthasaradhi, Financial Expert, Mr. P. Laxmi Narsaiah, Director, Handloom Weavers Co- Operative Society, Mothkur and officer from IDBI were present in the meeting. Initially, member convener, Mr. K. Surya Prakash Goud welcomed the members and introduced to the Director General, **ni-msme** and Chairperson of Project Screening Committee. He briefed about present status of SFURTI projects and informed about empanelment of new technical agencies to take up new SFURTI clusters in the States of Karnataka, Bihar, Maharashtra, Odisha, Nagaland and Mizoram.

Later the representatives of proposed Technical Agencies, Suraj Foundation, and Maharashtra Research Development Center of Maharashtra, KIIT Technology Business Incubator, and Dev next solutions private limited of Odisha and AIC, NITTE Incubation Center of Karnataka have presented profile of their organization, experiences in innovation, entrepreneurship, skill development, cluster development activities, organizational capacity, infrastructure, availability of experts and team deployment etc.

Figure 5.5. Empanelment of New Technical Agencies

5.1.8. Review of Ieeza Handloom Cluster

A review meeting of Ieeza Handloom Cluster was organized on 28th August 2020 to discuss on completion of SFURTI interventions which was chaired by the Director General, Ms. S. Glory Swarupa. The President and Secretary of cluster SPV, and CDE have attended the meeting. The Director General has advised the cluster members to speed-up the work for procurement of looms and other equipment and also to develop new designs as per the market demand. Further, she has instructed to complete all cluster interventions by end of November 2020.

The cluster members have agreed the same. Later, they have discussed on procedure to be followed for procurement and implementation of various capacity building programs including release of fund. Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty Member, Mr. L. Vijay Kumar, Consultant and Mrs. G. Rama Devi, Administrative Assistant were present the meeting.

5.1.9. Interaction with Mothkur SPV members

The Implementing Agency has taken initiative for development of new product range after successful completion of design development workshop in order to provide continuous work for select skilled artisans of MothkurIkkat Handloom Cluster by utilizing SFURTI funding under the Raw Material Bank. The SPV members have visited **ni-msme** on 29th August 2020 and presented their plan of action to the Director General, Ms S. Glory Swarupa. She observed various designs developed during recent workshop and encouraged to continue their efforts to provide continuous work for the weavers. The SPV members thanked Director General for continuous support from **ni-msme** for successful implementation of the project.

Figure 5.6. Interaction with Mothkur SPV members

5.1.10. CDE Selection for Jonnada Cluster

As suggested by the Nodal Agency of the Cluster, a meeting of the selection committee was held on 9th September 2020, through video conference (VC) at Jonnada, Rajahmundry (Andhra Pradesh) in order to select a suitable candidate for the office of Cluster Development Executive (CDE) for the Jonnada Food Processing Cluster. All the guidelines/procedures of selection in fair and transparent manner were observed by the Society for Rural Self-Development and Rehabilitation as the implementing agency. The officials and members participated in the selection process were Ms. M. Venkata Sridevi, Chairman of implementing agency; Mr. K. Surya Prakash Goud, representative of TA, **ni-msme**, Hyderabad; Mr. Gowtham Prasad, Manager, Canara Bank, Ravulapalem; Mr. Shanmukha Rao, LDM, Andhra Bank, Kakinada and Mr. Koteswara Rao, Dy. Director, KVIB, Kakinada.

Mr. M. Rajababu, Secretary of IA welcomed the panel members, observers and candidates and outlined the services rendered by the implementing agency and informed them that the interview will be conducted through video conferencing, as advised by the KVIC Central Office. Mr. Goud explained the guidelines in respect of selection of CDE.

Figure 5.7. CDE Selection for Jonnada Cluster

Three candidates participated in the interview. Mr. Goud and Mr. L. Vijayakumar of **ni-msme** and all members of the selection committee interviewed the candidates in their respective domains of experience.

The selection committee members unanimously selected Mr. Injeti Jedidiah for the post of Cluster Development Executive (CDE) for Jonnada Food Processing Cluster, on the basis of his performance and qualifications.

5.1.11. Internal Review of Clusters

Chaired by the Director General on 17th September 2020, a campus review meet was held with respect to the 19 SFURTI clusters for which **ni-msme** is the Nodal Agency. The NRCD team consisting of Dr. G.S. Gill, Mr. L. Vijay Kumar, Ms. Rama Devi and Mr. K. Surya Prakash Goud - attended the meeting.

Mr. Goud apprised the Director General about the status of the clusters and other consultancy projects. The others spoke about MothkurIkkat Handloom Cluster, Telangana which has started production process with material released by the Raw Material Bank. They stated that silk warping was pending from Bangalore cluster and a few miscellaneous works of its sales outlet.

At the Tirur Coconut Flavoured Milk Cluster, electrification and other works will be completed by 31st September 2020. The Director General has advised to inaugurate the cluster by Dussera festival, to start production and to release their funds. The Tirur Flavoured Coconut Milk and Virgin Coconut Oil Cluster are going for marketing, production plan. They were asked to arrange online training and to identify the expert trainers.

Mr. Goud presented about the Bathinda cluster and later he asked to them to send the report and make the final trial run at the earliest. The DG advised that inauguration may be done by the second week of October. At the Kondapally Wooden Toys Cluster, CFC tender meeting was finalised, refurbishing work has been completed. Work order for the CFC contractor will be issued soon. The Pembarthi Metalware Cluster has received the machineries. They were directed to make plan for training.

The Ieeja Handloom Cluster SPV has provided land lease agreement for CFC construction and sent the draft of tender for CFC and machineries. At the Hoshairpur cluster of Punjab state, soil testing has been completed. They were asked to submit the action plan to conduct soft interventions and estimate the expenditure so that a requisition for training expenditure can be made. The DG suggested further to contact the National Institute for Design, Vijayawada for expert trainer for training on innovative designs. The Maharashtra SUS Readymade Garment Cluster has deposited the SPV amount and the refurbishment work is in progress. At the Sakoli Bamboo Cluster, CFC work has reached the lintel level, while the Wardha cluster has deposited Rs. 6.5 lakh. The Mangaon cluster has opened the account. At the Jharkhand clusters the Mukhyam Laghu Board has conducted the meeting and is trying to speed up the SPV contribution. The Director General advised the completion of the clusters approved in 2016 and that they should be inaugurated by the end of October 2020. On this note, the meeting concluded.

5.1.12. Review of Coir Clusters

ni-msme, is providing technical services for two coir clusters under SFURTI in Andhra Pradesh: Kadiyapulanka Coir Cluster and Amalapuram Coir Cluster. Mr. K.S.P Goud and Mr. Vijay Kumar participated in the review meeting conducted virtually through video conferencing on 18th September 2020, by the Ministry of MSME and hosted by the PPDC, Agra with the objective to take stock of progress in SFURTI implementation.

Mr. Pratap Chandra Sarangi, Honorable Minister of State, Ministry of MSME chaired the meeting. He called on the youth to involve in developing their areas, cities, etc. Officials of the Ministry and the Coir Board who attended the meet included Shri. Sudhir Garg, JS (ARI), Ministry of MSME; Mr. Supriyo Gosh, Director, MSME; Mr. M. Kumar Raja, Secretary, Coir Board; Mrs. Anita Jacob, SFURTI officer, Coir Board. Mr. K. Dasaradha Rao, Regional Officer I/c., Coir Board; Mr. K. Surya Prakash Goud and Mr. Vijay Kumar, **ni-msme**; Mr. Ch. Swapan, Director, AGBI, Implementing Agency; Mr. K. Naveen, Supervisor, AGBI, Implementing Agency; Mr. N.V.V. Phani Kumar, President, Gowthami Coir Cluster, SPV; Mr. K. Murali Krishna, Secretary, Gowthami Coir Cluster,

SPV; Mr. Y. Vallabh, CDE were present in the meeting, along with Mr. Ganapthi Veeraraghavulu, Director, Krushivala Coconut Farmer Producer Company, SPV; Mr. A. Gopala Krishna, Director, Krushivala Coconut Farmer Producer Company, SPV and Mr. Govardhan, CDE.

The review panel was apprised about the progress in machinery selection for Kadiyapulanka Coir Cluster and renovation work by the IA. The CFC was reported to be ready for use by December 2020. The status of SFURTI implementation at the Amalapuram cluster was reported by the TA, **ni-msme**. Mr. Goud stated that **ni-msme** is monitoring and guiding with regard to tender specification and civil works of the CFC, which is likely to be completed by end of December 2020.

Figure 5.8. Review of Coir Clusters

5.1.13. Pembarthy Metalware Cluster, Pembarthy

ni-msme is implementing SFURTI at Pembarthy Metalware Cluster, Pembarthy district of Jangaon. In this context, Mr. L. Vijay Kumar and Consultant of NRCD visited the cluster on 22nd September 2020 and verified the machineries erected in the cluster. He called for a meeting with the President, Secretary of the cluster. Members and other artisans attended the meeting at the cluster office. Mr. Vedantha Chary, Secretary of the cluster spoke about the machineries that arrived at the cluster: bending machine manual, jig saw wood cutting machine, buffing machine, power drilling machines and filling machine with tools and verified the pending activities. Mr. R. Laxmana Chary, President of the cluster and Mr. Raju, Director of cluster advised calling tenders for sales outlet, computers and for generator. Mr. Vijay Kumar asked them to complete the cluster before December 2020 along with pending activities of electrification, compound walls, etc. by the contractor as per the work order issued for CFC. Mr. Vijay advised them to arrange all files systematically and to upload the data for every week in the ministry website.

The President, Secretary, Directors and other members of the cluster welcomed Mr. Vijay Kumar asked about the action plan and asked to get the other machineries and told them to send the draft of tenders for interior work of sales outlet, generator, computers, etc. He verified the files and advised maintaining files separately for work orders, stock register, bank statement, audit statement, minutes, purchase committee, billsseparately, etc. He asked them to conduct skill development programme and to speak with Handicraft Institute of Bangalore. Mr. L. Vijay Kumar congratulated them for the award of Yadadri Temple work by the State Government of Telangana.

5.1.14. Director General Visits Mothkur Cluster

Ms. Glory Swarupa, Director General of **ni-msme**, which is the Nodal Agency for Implementation of SFURTI in MothkurIkkat Handloom Cluster has visited the cluster on 27th September 2020 in order to assess impact of the interventions and also to take up new initiatives for the benefit of weavers.

The interventions initiated earlier have been completed and weavers are utilising the infrastructure for training of new artisans, development of new designs and also for production. Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty Member, **ni-msme;** Ms. Madhavi and Ms. Sunitha, textile designers were also present during the visit.

The visiting team interacted with the master weavers, senior master craftsperson and weavers and enquired about design development, warp and weft design and weaving techniques. Mr. Jaldi Ramulu; Mr. Laxmiminarsaiah and Mr. Narsaiah - members of the implementing agency - explained the benefits of Jacquard machine and Asu machine. (The Handloom Weavers Cooperative Society, Mothkur is the implementing agency.)

The Director General suggested that the weavers utilise the Raw Material Bank for making a wide variety of new designs and place the same in the sales outlet for selling. The DG further advised the weavers to keep their working place neat and clean and also use the machines properly. She also witnessed the functioning of the Jacquard and Asu machines, Warping machine and enquired about their advantages.

Later, the Director General, the Faculty Member and the designers visited the sales outlet, observed the cluster products displayed there and urged them to make innovative designs to compete in the domestic and national markets and advised further improvements in the cluster. The textile designers gave suggestions for product development and marketing of cluster products. It was decided to encourage young students and other unemployed youth to take up digital marketing and e-commerce. The Director General congratulated and wished success for the cluster members.

Figure 5.9. Director General Visits Mothkur Cluster

5.1.15. Ieeza Handloom Cluster Review

ni-msme as a Nodal Agency (NA) is implementing Ieeza Handloom Cluster in Telangana. An online video interaction was convened on
17th October 2020 to know the present status of the cluster. The SPV President, IA and TA were informed in advance.

The meeting was headed by Mr. K. Surya Prakash Goud, FM (SED). Dr. G.S. Gill, Mr. L. Vijaykumar and Ms. Rama Devi also participated in the meeting.

Mr. Jagnathanam, President; Mr. Basavaraju, Director from the SPV; Mr. K. Veeresh, CDE; Mr. H. K Chary from the Technical Agency attended the meeting. The SPV President stated that the SPV desires to get new land on lease.

Mr. K Surya Prakash Goud advised Mr. Chary from the School Net India Ltd. (TA) to assist the IA in issuing the tenders for CFC and machinery. Mr. Goud and Mr. Chary instructed the Cluster President and Director to complete the cluster works within two months and start production. The SPV President and the Director assured that cluster will be completed by December 2020.

Figure 5.10. Ieeza Handloom Cluster Review

5.1.16. Cluster's Review Meeting

ni-msme, the Nodal Agency for SFURTI of the Ministry of MSME, is implementing 19 clusters across the country. In this context, the Institute is conducting online meetings with various agencies to ensure proper implementation of the scheme. The last review meeting was conducted on 21st October 2020 in the **ni-msme** campus, chaired by Ms. S. Glory Swarupa, Director General. The National Resource Cluster Development Centre (NRCD) team comprised of Mr. K. Surya Prakash Goud, Dr. G.S. Gill, Mr. L. Vijay Kumar and Ms. Rama Devi participated in the meet.

Mr. Goud apprised the DG about the progress of the scheme in different clusters. Mothkur Ikkat Handloom cluster is in need of a silk warping machine which has to be procured from Bengaluru. At the Tirur Coconut Flavoured Milk Cluster electrification and other works will be completed by 31st October 2020.

At the Bathinda Honey Bee Cluster, trial runs of honey processing machine and wooden machines is going on. The DG advised that all interventions in the cluster be completed at the earliest.

The CFC tender is finalised and work order will be issued shortly for Kondapally Wooden Toys Cluster, Andhra Pradesh. At the Pembarthi Metalware Cluster, three heavy machineries shall be installed shortly. In Ieeja Handloom Cluster, the SPV has provided land lease agreement and sent the draft tenders for CFC and machinery. In the Hoshiarpur Wooden Cluster in Punjab the CFC tender will be finalised by the end of this month and the SPV has been asked to resubmit the action plan for soft interventions.

The SUS Readymade Cluster in Pune, Maharashtra is administering soft interventions and the refurbishment work will be completed by the end of October 2020. In the Sakoli Bamboo Cluster, Maharashtra the CFC work is progressing well. In the Wardha Cluster, Maharashtra the SPV has deposited their contribution and tender shall be floated shortly.

In Jharkhand, the Implementing Agency, Mukhyamantri Laghu Evam Kutir Udhyam Vikas Board (MMLKUVB), has conducted meeting with all seven clusters and encouraged the SPV to deposit their contribution at the earliest.

The DG advised that all clusters approved in 2016 be completed by the Dusshera festival, start production and release the remaining funds. Also, the Director General suggested that online training programme be arranged and finalised during November 2020.

The meeting concluded with the promise to speed up the scheme implementation.

5.1.17. MDP on Management of CFC for Tirur Coconut Cluster

ni-msme, the Nodal Agency of Tirur Coconut Integrated Processing Cluster, Kerala for SFURTI implementation, had organised an online Management Development Programme on Management of CFC and Exit Strategy for Stakeholders, directors and representatives of the cluster.

Ten participants attended the programme conducted during 9th to 13th November 2020. Mr. K. Surya Prakash Goud, FM, SED was the Programme Director.

Figure 5.11. MDP on Management of CFC for Tirur Coconut Cluster

The inputs of the training were: digital marketing methods, online promoting of cluster products, branding and labelling methods, management of CFC, cluster capacity, etc. During the inauguration, the Director General, **ni-msme** advised the trainees to opt new technologies, product marketing with labelling, branding and other action plan to conduct interventions in the cluster. Mr. Goud enumerated the services required from the Implementing Agency and had discussed with the CDE and SPV members regarding many other aspects of cluster functions. Dr. B.N.V. Parthasarathi, Mr. H.K. Chary, National Advisor; Mr. T. Venkatesan, CEO; Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (M & BD), **ni-msme**; Dr. Gaurav Madhu; Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member, **ni-msme**; Dr. Shreekant Sharma, Associate Faculty Member, **ni-msme** were among the resource persons, along with the Programme Director.

Towards the end, the Programme Director explained about making comprehensive action plan or flow chart for next three years including all aspects. He said that action plan or flow chart is mandatory for the cluster and is vital to the success of the cluster. The training concluded with the Programme Director congratulating the trainees for their online participation.

5.1.18. Online Training on Soft and Hard Interventions for MSME Clusters

ni-msme has organised an online training on Hard and Soft Interventions for MSME Clusters from 4th to 8th January 2021. There were 12 members attended the training from various SFURTI Clusters viz., Sakoli, Wardha, Mangaon Bamboo and Sus Garment Clusters of Maharashtra; Jonnada Food Processing Cluster, Andhra Pradesh; Hoshiyarpur Woodencraft Cluster and other organisations providing technical services for SFURTI clusters. The focus of the training was on soft and hard interventions of the Clusters, marketing strategy of the products, utilisation of funds allocated by the ministry and the management of CFCs.

The Director General, Ms. S. Glory Swarupa greeted everyone a happy new year and appreciated all the participants for attending the training. She highlighted the importance of such training for effective management of the clusters as per the modalities which would also help in enhancing the livelihoods of the depended artisans.
Mr. K. Surya Prakash Goud, Programme Director gave brief details on the programme design and requested the participants to give their suggestions. Mr. Goud gave inputs about various concepts pertaining to the cluster methodology as well as the schemes and guidelines for promotion of new clusters. He elaborated on the need for diagnostic study of the cluster as it helps in understating and to plug in the drawbacks in functioning of the cluster. Further he discussed on significance of detailed project report, preparation of strategic action plan and implementation of cluster interventions. Mr. L. Vijaya Kumar gave inputs on the roles and responsibilities of Implementing Agency, Technical Agency and special purpose vehicle (SPV), issues in implementation of cluster interventions and experiences of **ni-msme**. The participants were shown various videos about different successful clusters and how the interventions by **ni-msme** have changed the lives of the artisans.

The concepts of marketing, e-commerce were explained by Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (M & BD) and even about the face book and google ads, Google analytics and e-strategy for selling rural products. Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member briefed about the role of IPFC (The Intellectual Property Facilitation Centre) for MSME which was established in the year 2009-10 as well as the concept of innovations and the

need to protect them through various IPR and Patent Acts. Dr. K. Visweswara Reddy, Faculty Member highlighted about the data consolidation and analysis, steps for starting an import export business, the parameters for starting an import export business holistically. He also provided inputs about the categories of export, the export cycle and other pharaphranalia of export and import cycle.

During conclusion of the training, Mr. Goud thanked the participants for their active participation and making the programme a success. He stated that the training was served as a platform for all the clusters to come up with their problems and find out the ways and means to overcome them. The programme ended with Mr. Goud‘s vote of thanks to the participants and all the **ni-msme** team members for their contribution for successful the completion of the training.

5.1.19. Training Programme on Interventions in Rural Clusters

The NRCD of **ni-msme** had conducted a training programme on Interventions in Rural Clusters for three days from 20th to 22nd January 2021. Total of 12 participants participated in the programme. The sessions were handled by faculty members: Mr. Surya Prakash Goud, Mr. Vijay Kumar Ledalla and Mr. D. Konda Naveen Kumar. Being a programme Director Mr. K. Surya Prakash Goud lead the programme and Ms. Sohela Mitra assisted him in conducting the programme.

The main objective of the training programme was to understand basic concepts of cluster theory, carry out cluster analysis and design strategic development plan, recognise issues in implementation of hard interventions, understand the role of Government, development organisations, NGOs in cluster development and highlighted the the significance of detailed project report.

The welcome address was given by Director General, Ms. Glory Swarupa who inaugurated the programme and emphasized the importance of cluster development programme and the need of interventions. She welcomed all the participants and team members besides highlighting the initiatives undertaken by **ni-msme** in various cluster development projects and diverse trainings imparted by the institute to the varied stakeholders.

Mr. Goud gave inputs on cluster methodology and concept, importance of diagnostic study, other components, data collection, hard and soft interventions and detailed project reports. Mr. Vijay Kumar highlighted the role of IA, TA, CDE, SPV in the clusters and establishment of common facility centers.

Mr. Naveen Kumar explained about various cluster development schemes like SFURTI, MSECDP, IHCDP & AHVY, in addition to the inputs on technical and financial analysis of clusters. Towards the end of the programme, the program director sought the feedback of participants and submission of draft proposals after the training.
The Director General issued certificates to the participants and the programme was concluded with Vote of thanks.

5.1.20. Implementation, Monitoring & Evaluation of Functional Clusters workshop

The NRCD of **ni-msme** had conducted a workshop on Interventions in Rural Clusters for 2 days during 28th & 29th January 2021. Total of 17 participants participated in the workshop. The sessions were handled by faculty members: Mr. Surya Prakash Goud, Mr. Vijay Kumar Ledalla and Mr. D. Naveen Kumar. The Programme Director was Mr. K. Surya Prakash Goud and Coordinated by Ms. Sohela Mitra.

The main objective of the workshop was to understand basic concepts of cluster theory, recognise issues in implementation of hard interventions, understanding the role of Government, institutional linkages for effective utilization of CFC, management of CFC and exit strategy.

Figure 5.12. Implementation, Monitoring and Evaluation of Functional Clusters

The welcome address was given by Director General, Ms. Glory Swarupa who inaugurated the workshop. She stressed on the importance of cluster development programme and the need for interventions in the clusters. She welcomed all the participants and team members for their active participation despite of the COVID-19 pandemic. She highlighted the initiatives undertaken by **ni-msme** in diverse cluster development projects and various trainings imparted to varied stakeholders.

Mr. Goud gave inputs on the issues and challenges in completion of hard interventions and designing of soft interventions besides case study of successful SFURTI clusters.

Mr. S. David Brynerd and Mr. Vivek Kumar gave their inputs on the requirements of e-commerce website to the participants.

Towards the end of workshop, the Programme Director sought the feedback from the participants and submission of action plan for 2021-22 after the workshop.

5.1.21. Study Team Visits SFURTI Clusters in Maharashtra

Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty Member visited Pendur & Sawantwadi Coir Clusters and Mangoan Bamboo Cluster to facilitate study team deputed by the Ministry of MSME to analyse the SFURTI interventions and to support Implementing Agencies and Special Purpose Vehicles for inauguration of clusters by Hon'ble Minister for MSME.

On 20th February 2021, Mr. Goud along with Dr. C.M. Misra, Professor, IIM, Lucknow and his team members visited Pendur Coir Cluster. The details of soft and hard

interventions, challenges faced during project implementation and utilization of fund were explained to the study team. The team interacted with coir artisans, IA/SPV representatives and CDE. The study team also interacted with IA/SPV and CDE of Sawantawadi Coir cluster on cluster interventions and plan of action for completion of project interventions. Mrs. Pragna Parab (IA), Mrs. Aruna (SPV), and Ms. Ashwini (CDE) of Pendur cluster, Mr. M.K. Gaude (IA), Mrs. Geeta Parab (SPV) and Mrs. Shruti Redkar (CDE) of Sawantwadi Coir Cluster gave details on project interventions to the study team.

On 21st February 2021, the team visited Mangoan Bamboo Cluster and interacted with IA, SPV and few artisans. The representatives of IA and SPV, Mrs. Kalpana and Mr. Dayanand respectively gave details of project interventions, reasons for delay in implementation of project and corrective action taken. The study team interacted with IA/SPV/CDE and artisans and enquired about profile and experience of IA, project initiation, role of IA/TA in project conceptualization, project approval, fund release, issues in obtaining licenses and approvals, economic activities of artisans, cluster products, marketing of cluster products, scope for development of new product range involving service providers and BDS. Later, team visited CFC site.

Figure 5.13. Study Team Visits SFURTI Clusters in Maharashtra

5.2. The Intellectual Property Facilitation Centre (IPFC)

5.2.1. Faculty Development Programme (FDP) on Intellectual Property Rights

The Intellectual Property Facilitation Centre (IPFC) for MSMEs at **ni-msme** organised a three-day Online Faculty Development Programme on Intellectual Property Rights during 9th to 11th September 2020. The programme aimed at imparting knowledge to the start-ups and entrepreneurs on how to identify and protect intellectual property, how to incorporate a successful IP strategy in the management, commercialisation and monetisation of their IP and technologies. It also highlighted the Government schemes available on IP promotion. The session on IPR was addressed by Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member (SEM) and Programme Coordinator, while the MSME schemes session was delivered by Mr. G. Sudharshan, Faculty Member, SEE. The programme received encouraging feedback from the participants, mentioning that the inputs were of help to them in protecting their innovative ideas. During the valedictory on 11th September 2020, the Director General appreciated the women participants for their innovative products and advised them to utilise the IPFC services for their IP registrations and EDC services for setting up their enterprises. The programme concluded with vote of thanks by Ms. Swapna.

5.2.2. IPR for Innovative Entrepreneurship

The Intellectual Property Facilitation Centre for MSMEs organised a 3-day online training programme on Intellectual Property Rights for Innovative Entrepreneurship during 25th to 27th November 2020. Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member, SEM was the Programme Director.

The main objective of the programme was to help the participants to acquire the skills necessary to protect their innovations and creativity and also to help them to disseminate the information among the start-ups/MSMEs/innovators regarding the importance of IP for wealth creation, generating employment opportunities and business development which, in turn, leads to the economic development of the country. The programme focused on important forms of IPR, Registration procedures and prosecution, Importance of IP knowledge in new product development and competitive advantage, Schemes for start-ups/MSMEs – IP registration incentives, Funding schemes and Atmanirbhar Bharat package and IP enforcement. The trainees were from Goa Council of Science & Technology and Academic Institutes.

The sessions were handled by Ms. V. Swapna; Mr. Satish Kumar, Asst. Director (DC MSME), Govt. of India; Mr. Ashok Ram Kumar (IP advocate) and Mr. Vijaya Bhaskar Reddy (IP Practitioner). Overall, the participants had a very good discussion on various aspects related to IPR, with real time examples and received encouraging feedback.

5.2.3. Programme on Patent Application Drafting and Filing Procedures

Intellectual Property Facilitation Centre (IPFC) organized online training programme on "Patent Application Drafting and Filing procedures" from 22nd to 26th March 2021. Participants from academic & technical institutes attended the training programme.
The topics covered were Patent law in India, Inventions that are not patentable under Indian Patent Law, Types of Patent Applications, Patent filing process & procedure in India, Patent search strategies, International patent filing system. Government

schemes in IPR promotion was also highlighted. It also covered theoretical and practical aspects relating to patent specification & claims drafting. The participants were also given exercises on patent search & patent drafting. The sessions were handled by Programme Director Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member, IPFC & eminent speakers in the IP field. Programme concluded on 26th March 2021. During the valedictory, the Director General Ms. S. Glory Swarupa, addressed the participants. She briefed about various activities of **ni-msme**. She also highlighted the importance of commercialization of patented technologies and the need for promoting innovative entrepreneurship for the growth of our economy. She appreciated the participants for showing interest in the training programme and motivated the participants to file their patents. The programme received very good feedback.

Figure 5.14. Programme on Patent Application Drafting and Filing procedures

5.3. GST Cell

5.3.1. Training on GST & GeM

The GST cell of **ni-msme** had organised a three-day online training programme on GST and GeM, during 3rd to 5th August 2020. Participants from different occupational streams including government officials, entrepreneurs, tax consultants, accountants and **ni-msme's** administration and accounts staff participated in the training. The programme was directed by Dr. E. Vijaya, Faculty Member (SEM), **ni-msme.** The main objective of the programme was to equip the trainees with practical knowledge about GST law and tax compliances so that they can assist enterprises and individuals to file returns under the new law and also to create awareness on public procurement and registration in the Government e-market places (GeM).

The training mainly focused on imparting knowledge about the GST law, input tax credit, practical understanding of registration process, invoicing, RCM, return filing, payments and refunds under GST and also public procurement policy, registration, procurement and payment process under the GeM. The sessions were addressed by **ni-msme** faculty, GST and GeM experts and officials from GST department and also tally experts.

During the valedictory session, the Director General of **ni-msme** congratulated the participants on successful completion of their training and suggested that the participants send their feedback post-implementation of GeM & GST tax compliance in their organisations. Expressing their views about the programme, the participants said that the programme was very useful and informative. The participants also appreciated the faculty, **ni-msme** and the guest speakers and rated the programme as Very Good.

Figure 5.15. Training on GST & GeM

5.3.2. Training in GST Returns Filing

The GST cell, **ni-msme** had organised a three-day online training in GST Returns Filing Using Tally, during 16th to 18th September 2020. Participants from different streams such as Government officials, Entrepreneurs, Tax consultants and Accountants attended the programme, directed by Dr. E. Vijaya, Faculty Member, **ni-**

msme. The main objective of the training programme was to equip the trainees with practical knowledge about GST law and tax compliances, so that they can support enterprises and individuals to file returns under the new law. The inputs will also help the youth to acquire the relevant skills to benefit from opportunities in the wider job market. The training mainly focused on the topics of GST law, place and time of supply, input tax credit, practical understanding of Registration process, invoicing, RCM, return filings, payments and refunds under GST. The sessions were addressed by **ni-msme** faculty, GST experts, officials from GST department and Tally experts.

5.3.3. Workshop on GeM Place and GeM Pool Account

Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (M & BD) and Dr. E. Vijaya, Faculty Member, SEM of **ni-msme** had organised an exclusive workshop on Government e-Market Place and GeM Pool Account (GPA), at the Computer Lab in SENDOC, **ni-msme** on 29th September 2020, from 10:30 a.m. onwards. The members of Accounts and Admin staff of **ni-msme** actively participated in the workshop, sponsored by the Axis Bank. State representatives of Axis Bank, including the Head of their local branch and the Government Accounts Manager provided hands-on training to the participants on the GeM and PFMS practices, through presentations and virtual instructions from team members based in Delhi and Bengaluru. An assessment was conducted for all the participants before issuing the certificates.

Figure 5.16. Workshop on GeM Place and GeM Pool Account

5.3.4. Application of GeM, GFR and CPP in Public Procurement

The SEM of **ni-msme** had organised a one week national level Online Training programme on Application of GeM, GFR and CPP in Public Procurement, during 9th to 13th November 2020.

The main objective of the training programme was to create awareness about public procurement policies and educate the trainees with practical knowledge on registration and procurement process for buyer and seller in the government e-market place and registration and filing of tenders in the Central public procurement portal, all of which are included in the inputs. The batch comprised of officials from the Bureau of Energy Efficiency, Ministry of Power, New Delhi; ITI, Solan, Himachal Pradesh and entrepreneurs from Telanagana. Dr. E. Vijaya, Faculty Member, **ni-msme** was the Programme Director.

The sessions were addressed by Mr. Jaya Vadivel Raja, Master Trainer, Telangana GeM Facilitator; Dr. Y.S. Murthy, Senior Technical Director, Head, NIC, Telangana and **ni-msme** faculty.

During the valedictory session, the Director General of **ni-msme** suggested that the participants should send their feedback post- implementation of GeM and CPPO in their respective organisations. The participants, expressing their views about the programme, said that the programme was very useful and informative. They also appreciated the faculty and Guest speakers and rated the programme as Very Good.

Figure 5.17. Application of GeM, GFR and CPP in Public Procurement

5.3.5. Advanced Training on GeM Pool Account and PFMS Practices

ni-msme, in association with Axis Bank, organized an Advanced Training Programme on Government e-Market Place, GeM Pool Account and PFMS Practices, for internal staff of **ni-msme**, on 22nd December 2020.

The main objective of the programme was to build the capacity of the internal staff regarding the procurement portal GeM and Public Finance Management Practices.
Mr. Anoop of Axis Bank explained the practical steps involved in Registration, Catalogue Management, Payment Process and GeM Pool Account. He also discussed the PFMS concepts, mapping with government schemes, how to generate expenditure statements and UCs from the PFMS portal.

Figure 5.18. Advanced Training on GeM Pool Account and PFMS Practices

Towards the end of the programme, the participants interacted with the experts to clarify their ambiguities on various issues related to procurement portals and PFMS.

The internal staff of Administration and Accounts departments and Axis Bank officials participated in the programme, coordinated by Dr. E. Vijaya, Faculty Member, SEM.

5.3.6. GST Returns filing using Tally

GST Cell, of **ni-msme** has organised Three day certification programme on GST Returns filing using Tally from 6th to 8th January 2021. Participants from different streams such as Entrepreneurs, Tax Consultants and Accountants attended the programme. The programme was directed by Dr. E. Vijaya, Faculty Member, **ni-msme**. The main objective of the programme was to educate and expose the trainees with practical knowledge about GST law and tax compliances, so that they can support enterprises and individuals to file returns under the new law. It will also help the youth to acquaint with the relevant skills to seek benefit from the wider opportunities in the job market.

Figure 5.19. GST Returns filing using Tally

During the inaugural address, Director General, **ni-msme**, enlightened the participants about GST impact on MSMEs and role of GST practitioners in supporting the MSMEs for smooth filing of their GST returns. The three day programme was mainly focused on imparting the knowledge about GST law, place & time of supply, input tax credit, practical understanding of registration process, invoicing, RCM, return filings, GST returns filing using Tally, payments and refunds under GST.

All the sessions were handled by a team of faculty drawn from **ni-msme**, GST experts, officials from GST and Tally experts. During the valedictory session, Director General, **ni-msme**, congratulated the participants for successful completion of their training and also suggested the participants to send their feedback after post implementation of GST tax compliance in their organisations.

5.3.7. Workshop on e-Invoicing & QRMP Scheme under GST

On 29th January 2021, GST Cell, **ni-msme** has organised a one day Workshop on "e-Invoicing & QRMP Scheme under GST". 25 participants from various streams such as entrepreneurs, industrialists, tax consultants, professional and academicians have attended the workshop. Workshop was organised by Dr. E. Vijaya, Faculty Member, **ni-msme** and also briefed the participants about the latest amendments under GST. She also advised all the accounting and billing software companies to adopt the e-invoice standards so that their users can generate the JSON from the software and upload the same on the IRP. All these software would adopt the new e-invoice standards wherein they would re-align their data access and retrieval in the standard format.

In this regard, the workshop was conducted to create practical exposure on preparation of e-invoicing and latest amendments under GST.

At the end of the workshop, participants interacted with the experts and clarified their queries on various issues involved in GST returns filing and e-invoice procedures. The participants appreciated the management, **ni-msme** for organising the workshop to create awareness on latest amendments and practical issues in GST.

6. Skill Development Programmes under ATI & LBI

6.1. ESDP in Fashion Designing

The first batch of Entrepreneurship and Skill Development Programme on Fashion Designing under ATI Scheme started on 21st September 2020 at **ni-msme** campus. Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member, SEM and Programme Coordinator introduced the programme, ATI scheme and guidelines. The trainers for the programme were Mrs. Sunitha and Mrs. Rachitha. Ms. Swapna observed that the programme was being conducted within the framework of COVID precautionary measures which included thermal scanning, social distancing, face mask and hand sanitising. The training was of 500 hours duration and is structured in compliance with the National Occupational Standards of Job Role/ Qualification Pack: 'Assistant Fashion Designer'. The training focus is on the skills and knowledge required to develop fashion design briefs and manage the development of design concepts for commercial production.

The programme also includes an entrepreneurship development module, in order to enable the trainees to play the entrepreneurial role more effectively. The inputs included Achievement motivation training, Guidance in spotting business opportunities, Project report preparation, Marketing a venues/techniques, Product/service pricing, Infrastructure facilities available, Financial assistance through various MSME schemes and support for enterprise registration. Ms. S. Glory Swarupa, Director General, during her address urged the participants to utilise the opportunity and start their own enterprise with the help of the skills and knowledge acquired during the training.

Figure 6.1. ESDP in Fashion Designing

6.2. ToT programme for the trainers of ESDPs under ATI scheme

3-day Training of Trainers (ToT) programme for the trainers of ESDPs under the ATI scheme was scheduled during 28th to 30th September 2020. The programme started with introduction of the participants and the trainers. Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member, SEM and Programme Coordinator gave orientation about the programme, ATI scheme and its guidelines.

Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme**, delivering the inaugural address, explained the importance of the programme. She advised the trainers to focus on the

rules and responsibilities while interacting with trainees, preparation of e-modules and present the sessions as per the **ni-msme** SOP guidelines. Further she urged the trainers to motivate the trainees to generate more self/wage employment. She pointed out that this batch is special as the skill training is being conducted through online mode due to COVID-19 and advised them to finish their programmes by December 2020.

During the sessions, Dr. Choudhury, FM, SEM and Mr. D. Yogeshwar Rao discussed about conducting the training on LMS platform, while Mr. G. Sudarshan spoke about the MSME schemes. Mr. K Surya Prakash Goud and Dr. E. Vijaya expatiated on institutional support - Promotional and Financial. Dr. Shreekant Sharma addressed the topic of mentoring skills and the role of mentor in skill programmes.

Figure 6.2. ToT programme for the trainers of ESDPs under ATI scheme

6.3. Toolkit Distribution to SC/ST Trainees

6.3.1 Training Programme: Animation, Photography & Videography

As part of training, the SC ST Hub scheme, the **ni-msme** distributed digital tabs to trainees who completed the programme on Animation and Photography and Videography during 2019-20 under the National SC ST Hub, MoMSME, Govt. of India. On 30th September 2020, Dr. E. Vijaya, Faculty Member, SEM welcomed the gathering and explained the importance of the programme and of SC ST Hub. Dr. E. Vijaya and Dr. Visweswara Reddy, FM, SEM were the programme directors. Mr. Visweswara Reddy coordinated the event which the Asst. Registrar had also attended. Earlier, the Director General, addressing the gathering, called on the trainees to utilise the skills acquired during the training and the toolkit digital tabs wisely and meaningfully.

Figure 6.3. Toolkit Distribution to SC ST Trainees

6.3.2. Training Programme: Tailoring, Fashion and Beautician course

ni-msme has successfully completed 34 Capacity Building ESDPs and EDPs in different domains and trained 700 prospective / existing SC / ST entrepreneurs for the year 2019-20. The programmes were conducted by well experienced faculty with good teaching as well as practical experience in their respective fields of specialisations. The skill trainings were conducted in Digital Photography and Videography; Make-up Artist; Fashion Designing; Tailoring; Animation; and Hand Dyeing.

Figure 6.4. Toolkit Distribution

After successful completion of training, as part of hand-holding support to the ESDP candidates, the National SC/ST Hub sponsored toolkits under 6 skill training programmes were distributed to the candidates. The tool kits were distributed on 30th September to the trainees of Digital Photography and Videography and Animation and on 7th October to the Make-up candidates.

During the distribution ceremony, the Director General, **ni-msme** addressed the participants and advised them to use the skill training knowledge to start their own enterprises and also to share their success stories with **ni-msme**. At the end of the programme, the Director General distributed the tool kits to the trained candidates. Programme Directors Dr. E. Vijaya and Dr. K. Visweswara Reddy coordinated the successful distribution of tool kits.

6.4. ESDP Activities under ATI scheme

Under the Assistance to Training Institutes (ATI) Scheme of MoMSME, **ni-msme** has started 20 online ESDPs in various trades. The trainees are being given both theoretical and practical inputs through online **ni-msme** e-learning platform. The new batches initiated in the streams of IT-ITes were: Junior Software Developer; Cloud Engineer; Accounts Executive; Engineer - Technical Support (Linux Administrator); Data Entry Operator; Multifunctional Administrative Executive and Web Developer. These programmes focus on both practical skills and entrepreneurship knowledge.

Figure 6.5. ESDP Activities under ATI scheme

The second batch of ESDP (offline) of Asst. Fashion Designer has started from 19th October 2020. The module duration is 500 hours, and the trainer is Ms. Sunitha. The ratio of theory to practicals is approximately 40:60 and the content is as per NQR. The topics include Elements and principles of design; Colour theory and process; Design process; Preparation of inspiration, theme and mood boards; Development of tech-packs based on theme and mood boards; Fabric identification and selection; Hemming works; and Prototype development based on tech-packs.

In continuation to the same, **ni-msme** also conducted offline ESDP in Baking Technician, from 2nd November 2020. The module duration is 240 hours and the trainer is Ms. Shubangi Tammalwar, Certified Nutritionist.

The module comprises of both theoretical and practical sessions in a broad ratio of 20% and 80%. The content is as per NQR, and covers technical aspects like raw material selection, measurements, pre-preparation treatment, baking time & baking temperature, maintenance of equipment and machinery, and cleanliness & hygiene as per prescribed standards.

The participants are trained in making bread, cookies, cakes, pastries, desserts and confectionary items. The programme is being conducted within the framework of COVID precautionary measures including thermal scanning, social distancing, face mask and hand sanitising.

In all, 17 new batches of IT & ITes ESDP courses have been initiated during November. Three of them in Web Developer (batch 5), Jr. Software Developer (batch 5), Cloud Engineer (batch 4), which started on 2nd November 2020. Four were in Domestic Data Entry Operator (batch 4), Jr. Software Developer (batch 6), Cloud Engineer (batch 5), Linux Administrator (batch 3), which took off on the 10th.

Figure 6.6. ESDPs under ATI Scheme

Five of the courses - Domestic Data Entry Operator (batch 5), Jr. Software Developer (batch 7), Linux Administrator (batch 4), Multifunctional Administrative Executive (batches 2 & 3) - started on 16th November 2020. Another five courses - Accounts Executive (batches 4, 5 & 6), Domestic Data Entry Operator (batch 6), Linux Administrator (batch 5) - started on 24th November.

These programmes are being conducted in virtual mode through **ni-msme** e-learning platform and focus on both practical skills in their respective domains and also entrepreneurship knowledge.

On the same gronds, focussed offline **EDPs on** (Fashion Designing - 2 batches; Baking Technician - 1 batch) were conducted from 9th to 14th December 2020.

The programme contents spanned over business opportunities in the specified skills, Market survey, Marketing skills, MSME schemes, Legal formalities for setting up the enterprise, Bank formalities/procedures, Preparation of bankable project report and Business plan preparation.

Figure 6.7. Entrepreneurship and Skill Development Programme under ATI Scheme

The participants also interacted with Mrs. V. Deepa, a successful entrepreneur manufacturing jute and allied fibre products. The sessions were dispensed by both the in-house faculty and invited experts.

Mr. Hari Madugula, Asst. Director, KVIC Telangana discussed PMEGP, while Mr. M.Y. Reddy addressed the theme of Project Appraisal from Banker's point of View. All the programmes are being coordinated by Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member, SEM.

6.5. ESDPs Valediction for various programmes

The valedictory function of ESDPs of Asst. Fashion Designer (batch I & II) and ESDP on Baking Technician (batch-I) held on 30th December 2020. The participants shared their impressions and expressed satisfaction about the skills provided during the programme and also exhibited their products in the stalls on this occasion.

During the address Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme** congratulated the participants for successful completion of the programme during the critical COVID-19 time. She also appreciated the participants for exhibiting the products prepared with the skills learnt during the programme. She named the participants as **ni-msme** warriors and wished them to become successful entrepreneurs.

ESDP Trainers Mrs. Sunitha, Mrs. Rachita, Mrs. Laxmi, Ms. Shubangi Tammalwar & Mr. B.R. Kiran and Mr. Murali Kishore, Asst. Registrar, **ni-msme** were present during the valedictory. At the end, Ms. V. Swapna, AFM & ATI (I/c) proposed vote of thanks. Certificates to the successful trainees were distributed.

In the evening, a ramp walk by Fashion Designing students was organised in Kalangan, **ni-msme** to display their artistic designs.

Figure 6.8. ESDPs Valediction

Valedictory function of Entrepreneurship Skill Development Programmes (Offline) - Animation, VFX Editor & Baking Technician Sponsored under ATI scheme of Ministry of MSME on 31st March 2021 at **ni-msme** campus.

Main objective of the programme was to motivate umemployed youth representing different sections of the society including SC/ST/Women, differently-abled, Ex-servicemen and BPL persons to consider self-employment as one of the career options. Total 300 participants attended the programme. Faculty Members Dr. Dibyendu Choudhury, Mr. J.Koteswara Rao, Mr. K.Surya Prakash Goud, Dr. Shreekant Sharma, Mr. G. Sudharshan, Mr. Rajendra Prasad and Asst Registrar Mr. N. Murali Kishore were also present during the valedictory function.

Ms. V. Swapna, Programme Director (ATI) welcomed the gathering and briefed about the programme objectives. She also explained that the course curriculum is as per National Skills Qualifications Framework (NSQF) and conducted following COVID-19 precautionary measures.

She also highlighted that the programme imparted technical skills in their respective traits along with entrepreneurship skills. Students have shared their impressions about the training and expressed gratitude to the Ministry of MSME, Govt. of India and **ni-msme** for conducting the programmes. Speaking on the occasion, Director General, **ni-msme** congratulated all the participants on successful completion and suggested them to identify a specific product that has a market potential for setting up a unit.

She also highlighted the case studies in bakery and multimedia sector. She advised them to use the knowledge gained through the training to build successful careers for themselves. Director General along with Faculty Members, **ni-msme** awarded the certificates to the trainees.

Figure 6.9. Valedictory function of Offline Entrepreneurship & Skill Development Programmes

6.6. Activities at Livelihood Business Incubator (LBI)

ni-msme has given an opportunity for aspiring entrepreneurs to give momentum their business activities during COVID-19, by utilising the infrastructure and machinery available at Livelihood Business Incubator (LBI).

Ms. Shibangi utilised the baking technology facility, whereas Ms. Madhavi, Ms. Sunitha and Ms. Dhana Lakshmi made use of the fashion technology machinery. The Director General visited the LBI and interacted with the women entrepreneurs on 14 August 2020.

Figure 6.10. Activity at LBI

7. MoUs Signed

7.1. Asian Centre for Economic & Entrepreneurship Development & Education

ni-msme has entered into an MoU with the Asian Centre for Economic & Entrepreneurship Development and Education (ACEEDE). Ms. S. Glory Swarupa, Director General of **ni-msme** and Ms. Sushma, Director General of ACEEDE had signed the MoU on 24th April 2020. The ACEEDE is an organ of the India SME Forum, one of India's largest Not for Profit organisations for SMEs, with over 86,460 members and 8,20,000 subscribers.

Figure 7.1. Asian Centre for Economic & Entrepreneurship Development & Education

The MoU is the outcome of **ni-msme** and ACCEDE recognising each other's strengths in the domains of research and education in respect of entrepreneurship, exports, marketing, technology management and economic development of entrepreneurs and their mutual interest in academic cooperation. The provision of the MoU is that **ni-msme** shall conduct a series of training programmes in entrepreneurship development and **ni-msme** and ACEEDE to work in mutual cooperation in areas of mutual interest.

The MoU primarily envisages to achieve productivity enhancement among MSMEs, start-ups and aspiring entrepreneurs in the areas of development of rapid execution programmes, workshops and immersive courses, delivery of early education, rapid refresher, immersive courses, continuing and adult education, workshops and programmes and collaborating in conduct and certification of entrepreneurship development and productivity programmes for students, start-ups, aspiring as well as existing entrepreneurs.

7.2. NITTE University

ni-msme and NITTE, a deemed university, signed an MoU through video conferencing on 5th June 2020. Ms. S. Glory Swarupa, Director General of **ni-msme** and Prof. Dr. Satheesh Kumar Bhandary, Vice-Chancellor of NITTE, signed the MoU virtually. The aim of the MoU was to promote MSMEs through entrepreneurship and skill development, business incubation, outreach programmes, research and consultancy. The Director (Academics); Director (Marketing) and faculty members of **ni-msme** were present on the occasion.

7.3. NITCON Limited

ni-msme has entered into a Memorandum of Understanding with NITCON Limited a New Delhi based technical and management and consultancy organisation on 22nd June 2020, in virtual space. Mr. Satvinder Singh, MD of NITCON Ltd., and Ms. S. Glory Swarupa, Director General of **ni-msme** signed this MoU virtually through internet meeting and exchanged the MoU in the presence of Dr. Aswani Goel, Director (Academics) and Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member, SEM of **ni-msme** and Mr. Amarpal Singh, Sr. General Manager and Mr. Emerson Victor, Sr. Manager of NITCON.

ni-msme and NITCON have identified the following areas for collaboration: sharing the resources (Knowledge base, Infrastructure, Sphere of network, etc.) of both the organisations, to explore new business avenues which are difficult to tap working alone and utilise the faculty strengths of both organisations to With NITCON Ltd. develop an academic environment, where respective experts of both the organisations can enrich their domain knowledge.

The MoU envisages joint training programmes in order to venture into new domains and geographies; submit joint proposals to various Central/State departments, companies/organisations under different schemes/CSR using each other's competencies; place the logo of both organisations in the webinar done by either party, to showcase the association for undertaking projects jointly.

7.4. Sustainable Eco-friendly Rural Areas (SERA) Trust

A memorandum of understanding was drawn between **ni-msme** and Sustainable Eco-friendly Rural Areas (SERA) Trust. Ms. S. Glory Swarupa, Director General of **ni-msme** and Ms. Synthia Pedala, Managing Director of SERA Trust signed on behalf of the respective organisations on 3rd July 2020.

Figure 7.2. Sustainable Eco-friendly Rural Areas (SERA) Trust

The MoU envisages collaboration of both organisations in working towards sustainable economic development for rural India, to help rural communities in capacity building, technology upgradation, cluster development and so on. The idea is to explore multiple possibilities with a view to evolving" One Village One Product" model.

Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member (SEM) of **ni-msme**, who coordinated the MoU, will guide the activities of the MoU and ensure their progress in the right direction for the holistic development of rural India.

7.5. NCFSE Fire & Safety Management Private Limited

ni-msme signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the NCFSE National Fire & Safety Management Pvt. Ltd. (NCFSE), on 21st August 2020. NCFSE is a pioneer in fire and safety education in the country. It was established in the year 2014, with zonal office at Zirakpur, Punjab and regional offices in several states. NCFSE is led by experts in the field of fire and safety education. The signing ceremony was held at the DG's office, **ni-msme**. Ms. S. Glory Swarupa, Director General signed on behalf of **ni-msme**, while Mr. Santhosh Sudhan, Managing Director signed on behalf of NCFSE. The objective of the MoU is to provide employment opportunities for the unemployed youth by imparting skills and knowledge as per Qualification Packs (QP) and Job Roles of NSDC. **ni-msme** is collaborating with NCFSE for conducting short/long duration skill programmes in the area of Fire and Industrial Safety, Digital Marketing and e-commerce, Nursery Teacher Training, Early Childhood Care and Education, Nanny and Yoga Teacher Training throughout India. The project will be coordinated by Mr. Sandeep Bhatnagar (M & BD), **ni-msme**.

Figure 7.3. NCFSE Fire & Safety Management Private Limited

7.6. Masters' Union (MU) Business School

ni-msme entered into an MoU with the Masters' Union (MU) Business School on 25th September 2020. The objective was to launch an entrepreneurship and skill development programme in Artificial Intelligence (AI) and Machine Learning (ML).

Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme** signed on behalf of the Institute, while Mr. Rupesh Bisht, CEO, Master's Union signed on behalf of the Business School. The signing was done virtually, in the presence of faculty members of **ni-msme** and staff members of Master's Union.

In this context, the Director General stated that by collaboration with Master's Union will help the potential and aspiring entrepreneurs to set up their businesses with latest

technologies based on AI and ML within their available resources, availing government support through MSME schemes. They will be developing their entrepreneurial capabilities on the one hand and generating employment on the other by becoming “Atmanirbhar”, ultimately themselves becoming prosperous and making India a self-reliant nation - Atmanirbhar Bharat - realising the vision of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi ji.

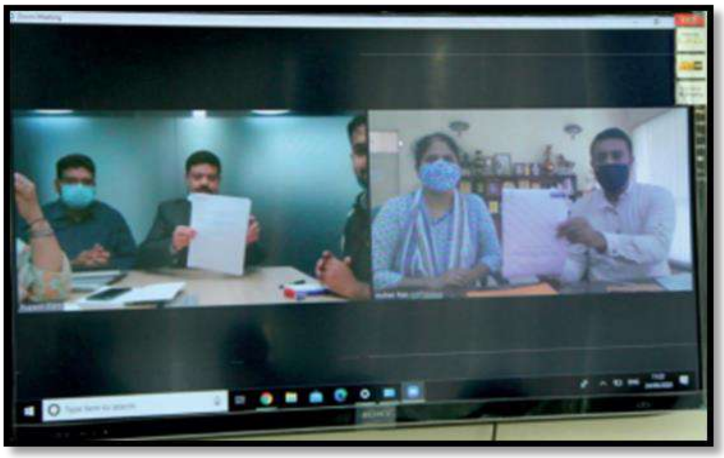

Figure 7.4. Masters’ Union (MU) Business School

7.7. Institute of Risk Management (IRM)

IRM India, India Affiliate of the Institute of Risk Management, UK, a leading professional body for Enterprise Risk Management and National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (**ni-msme**), signed a Memorandum of Understanding (MoU), to support the Indian MSME sector by strengthening its defenses against threats such as the COVID-19 pandemic, through a series of policy and education initiatives.

This collaboration will help the micro, small and medium businesses to identify, plan and mitigate the associated financial and enterprise risk in their enterprises but will also train them to utilise the available resources, avail government support, MSME support schemes and develop their own entrepreneurial capabilities to generate employment by becoming “Atmanirbhar”, ultimately helping India to become a self-reliant nation, Atmanirbhar Bharat - the vision of the Hon'ble PM Shri Narendra Modiji.

Through their partnership, the IRM India and **ni-msme** aim to reorient the Indian start-ups and MSMEs towards risk awareness and strategic mitigation planning. To this end, they will also collaborate on various initiatives to advance risk management expertise in the sector, through research, consultation and training events. As part of the collaboration, they will also offer a Joint Certificate Programme in Enterprise Management and Risk Valuation, for start-ups and MSMEs that will qualify for an exemption from IRM’s Level 1 examination.

Figure 7.5. Institute of Risk Management (IRM)

7.8. National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT)

This Agreement was entered on 1st October, 2020 between National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (**ni-msme**), represented by Ms. S Glory Swarupa, Director General, and National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT), under the administrative control of the Ministry of Electronics & Information Technology, Government of India represented by Dr. Jaideep Kumar Mishra, Director General, NIELIT to explore the possibility to provide joint training programs across the country in the fields of Electronics, Information Technology, and Entrepreneurship Development in blended mode. Both the parties agreed to cooperate in the areas of future technology and entrepreneurship potential areas like 3D Printing, Digital Manufacturing, and Virtual & Augmented Reality.

Figure 7.6. National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT)

7.9. Indian Institute of Packaging

A Memorandum of Understanding on cooperation in academic, research and training areas was signed between the Indian Institute of Packaging (IIP), Mumbai, Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India and the **ni-msme** on 16th October 2020. Ms. S. Glory Swarupa, Director General on behalf of **ni-msme** and Dr. Tanweer Alam, Director on behalf of IIP signed the document. The MoUs intends to impart knowledge through training programmes and collaborative research projects, through academic cooperation in the domains of mutual interest.

7.10. Telangana BC Co-operative Finance Corporation Limited (TBCCFCL)

The National Institute for MSME has signed MoU with Telangana BC Co-operative Finance Corporation Limited on 9th November 2020. The objective of the MoU was to partner in conducting skill development programmes for the benefit of educated and unemployed youth of backward class communities in the state of Telangana.

Figure 7.7. Telangana BC Co-operative Finance Corporation Limited (TBCCFCL)

The MD of TBCCFCL expressed interest in collaborating with **ni-msme** regarding the implementation of pottery and bamboo clusters in the state of Telangana in view of the state's potential in these clusters.

Prior to signing the MoU, the MD had elaborate discussions with **ni-msme** faculty - Mr. K. Surya Prakash Goud, FM, SED and Mr. J. Koteswara Rao, AFM, SED.

7.11. North Eastern Council

ni-msme has entered into a Memorandum of Understanding with the North Eastern Council (Ministry of DoNER, Govt. of India), on 9th November 2020. Ms. S. Glory Swarupa, Director General signed on behalf of **ni-msme**, while Mr. K. Moses Chalai, IAS, Secretary to Govt. of India, Ministry of Development for North Eastern Region (DoNER), North Eastern Council.

The MoU envisages to Collaborate for promoting the entrepreneurship culture of livelihood linkage among the deserving youth of the North-Eastern states comprised of Meghalaya, Assam, Manipur, Mizoram, Nagaland, Arunachal Pradesh, Tripura and Sikkim. Towards achieving this, they will together design and deliver various turnkey projects to the communities

Such initiatives will focus on building awareness about business opportunities in their chosen sector of work; capacity building of prospective entrepreneurs by facilitating financial linkage, mentoring & handholding; social entrepreneurship with clusters and incubators; setting up incubation centres and accelerators; facilitation of sustainable market linkage; delivering to the society a new generation of bold and ethical entrepreneurs who are trained, certified and skilled to run their start-ups in a scalable manner, leading to creation of jobs and add to the GDP of the north- eastern states and the nation.

Figure 7.8. MoU with North Eastern Council

Dr. Visweswara Reddy, Admn. i/c. & FM, SEM; Dr. Dibyendu Choudhury, FM, SEM; Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (M & BD) and Dr. Shreekant Sharma, AFM, SEE were present at the signing event.

7.12. Confederation of Indian Industry (CII)

ni-msme has entered into an agreement with Confederation of Indian Industry (CII) on 27th November 2020. Ms. S. Glory Swarupa, Director General signed on behalf of **ni-msme** and while Ms. Amita Sarkar, Deputy Director General signed for the CII.

The objective of the MoU is primarily to collaborate and cooperate in promoting digital and financial literacy among micro and small entrepreneurs. The focus will be on content development, execution of training programmes and immersive courses, organising workshops and conferences, conducting action/field research, initiating industry academic interface for increasing productivity, joint sponsored research, development and consulting; exchange of faculty, experts and staff; exchange of academic and technical material and joint conferences, workshops and short term courses.

Figure 7.9. Confederation of Indian Industry (CII)

Detailed terms and conditions that guide each activity identified above will be separately determined and agreed upon by the two institutions, which will include technical description of the proposed activity, financial arrangements and person(s) responsible for its implementation, etc.

7.13. St. Joseph Degree and PG College

ni-msme entered into MoU with St. Joseph Degree and PG College. Ms. S. Glory Swarupa, Director General signed on behalf of the Institute, while Fr. Dr. D. Sunder Reddy, Principal represented the College on 18th November 2020.

The aim of the MoU is primarily to collaborate and cooperate in the areas of entrepreneurship, skill development, capacity building programmes, content development for rapid execution programmes and intensive courses, organising workshops and conferences.

Figure 7.10. St. Joseph Degree and PG College

Both parties have also agreed to exchange information on educational programmes, on teaching, learning material and other literature relevant to their educational and research programmes, to jointly organise short term education programmes in continuing mode on topics of mutual interest and to invite each other's faculty/experts/panelists to participate in such events.

Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (M & BD), Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member, SEM, Mr. G. Sudarshan, Faculty Member, SEE and Dr. Vani H., Associate Professor of St. Joseph Degree and PG college were present on the occasion.

7.14. Cost Accountants of India (ICAI)

ni-msme entered into MoU with the Institute of Cost Accountants of India (ICAI). The ceremony took place on 23rd December, 2020 during the online “National Agriculture Meet”, graced by Shri Nitin Gadkariji, Hon’ble Union Minister for MSME and Road Transport & Highways, Govt. of India. **ni-msme** was represented by Ms. S. Glory Swarupa, Director-General, and ICAI was represented by CMA Mr. Biswaroop Basu, President. Other dignitaries and speakers too were present on the occasion.

Figure 7.11. Cost Accountants of India (ICAI)

7.15. Telangana Scheduled Castes Cooperative Development Corporation Ltd.

On 19th February 2021 an Memorandum of Understanding (MoU) was signed between **ni-msme** and Telangana Scheduled Castes Cooperative Development Corporation Ltd. (TSCCDCL) for skill development training among educated Scheduled caste youth. The proposed trainings will be residential in nature for the educated Scheduled Caste youth of Telangana state. The MoU was signed by Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme** and Shri.P. Karunakar, Vice Chairman & Managing Director of Telangana Scheduled Castes Cooperative Development Corporation Ltd.

(TSCCDCL). Director General, **ni-msme** conveyed her regards to Shri.P. Karunakar, for reposing the trust on **ni-msme** for organizing Entrepreneurial Skill Development Programmes (ESDPs) for the benefit of SC community.

Figure 7.12. Telangana Scheduled Castes Cooperative Development Corp., Ltd.

8. Other Activities

8.1. Mentor Development Programme

Entrepreneurial mentoring is critical for business development. There is a relation between entrepreneur's success and abilities of his mentor. A good mentor increases the chances of success and lowers the instances of failure for is mentee. With this in focus the **ni-msme** organized 2 days "Mentor Development Programmes" for the development of its faculty and senior officials. The programme was conducted by Bharatiya Yuva Shakti Trust (BYST) during 22nd and 23rd June 2020. The programme was coordinated by Dr. Shreekant Sharma, AFM, SEE, **ni-msme**. The programme started with welcome address from BYST officials Mr. Ashish Khairkar and Ms. Priyanka Mohapatra. The BYST conducted various sessions like Introduction to Mentoring, Qualities of Mentor, Skills of a Mentor, Mentor-Mentee Relationship, and Business Life Cycle. Mr. Ram Bende, Coach, Trainer & Key Mentor BYST delivered excellent sessions. Two practical sessions like Live Counselling Session Demonstration and Mentor Mentee Relationship sessions in which the mentor and mentee joined live online sessions, which were very interesting. All the participating 13 officials from **ni-msme** gave excellent feedback about the programmes and thanked and appreciated BYST for their initiative. There was also an online test conducted for certification from City and Guilds, London.

Figure 8.1. ni-msme Faculty with Certificates

8.2. Certiicate of Excellence for reviewing Journal

Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member, SEM, **ni-msme** has been awarded the Certificate of Excellence in Reviewing by the Asian Journal of Economics, Business and Accounting (ISSN: 2456- th 639X), on 12th June 2020. The journal is a quality controlled, open peer reviewed, open access international periodical dedicated to publishing papers of high quality in the areas of Economics, Business, Finance and Accounting. The journal facilitates and publishes research that is technically correct and scientifically established. The journal also gives space to report negative results.

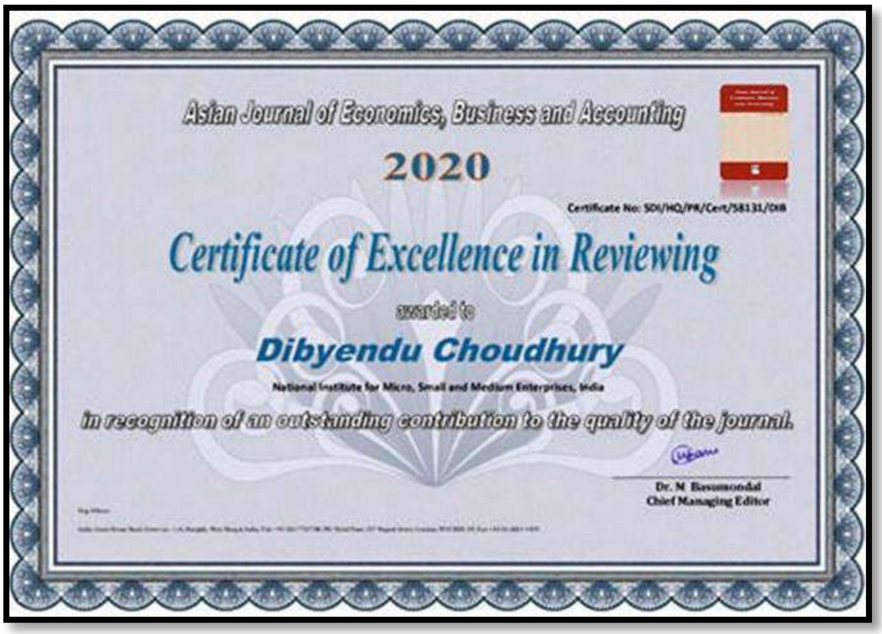

Figure 8.2. Certiicate of Excellence

8.3. National Web Conference VFF 2020

A National Web Conference (Natwebcon VFF-2020) on the theme Vegetable Farmers Forum: Post-Lockdown with Particular Emphasis on Plant Protection was organised by the Vegetable Farmers Forum (VFF) during 25th and 26th June 2020. The VFF is a platform formed by a group of scientists, agripreneurs, relevant subject specialists and farmers from various parts of the country. Ms. V. Swapna, AFM, SEM and Dr. Shreekant Sharma, AFM, SEE supported the web conference which was duly acknowledged by Dr. G.K. Mahapatro, Organising Secretary and Head, Indian Agricultural Research Institute (IARI) Regional Station, Pune, Maharashtra. Dr. Shreekant Sharma presented on Vegetables Primary Processing and Marketing: Case Study of Retail Industry. The same was published as a lead paper in the conference proceedings.

8.4. IPR Moot Court Competition-2020

Ms. V. Swapna, AFM (SEM) participated as a Jury Member in the IPR Moot Court Competition-2020, held virtually on 7th August 2020. The First Virtual National IPR Moot Court Competition-2020 was organised by I-WIN IP Services, Hyderabad in association with CIPAM-Cell for IPR Promotion and Management, Delhi and in collaboration with the Centre for IPRS and Patent Facilitation Services of Osmania University and University College of Law, Osmania University, Hyderabad from 7th to 9th August 2020.

Moot Courts are quite common to law students, however, with the intent of imparting intellectual property training to engineering and science students too and make law students work with them in the field of IPR. This moot court has, for the first time, involved the participation of engineering and science students along with law students. Since it is the era of virtual courts and digital evidence, it is absolutely essential for students to equip and skill themselves in dealing with virtual court-rooms. With this idea, the Moot Court Competition was completely conducted on Zoom Platform

virtually. About 40 judges from various law firms and academic institutions across the country participated as judges. School of Law, Christ (Deemed to be University), Bengaluru have been adjudged as the winners of the National IPR Moot Court Competition – 2020 held from 7th to 9th August 2020. Symbiosis Law School Hyderabad is adjudged as the second best team. Pendekanti Law College received the Best Memorial Award. Additionally, School of Law, Christ (Deemed to be University), Bengaluru M. Srinidhi was awarded the Best Female Speaker and Mr. Aaron Alvares was awarded the Best Male Speaker of the competition.

The speakers received immense appreciation from Mr. Justice Manmohan Singh, Retired Judge of the Delhi High Court and the current chairperson of the Intellectual Property Appellate Board.

8.5. PANKH with IIT-Madras

ni-msme has collaborated with E (Entrepreneurship) Cell of IIT Madras for the social campaign "PANKH" with an objective to uplift the MSME sector by imbuing the spirit of entrepreneurship in them along with making India's student community aware of the importance of the MSME sector. The campaign was launched by Mr. Naveen Jindal (Jindal Steel and Power Ltd.) and Mr. Sudhir Garg (Joint Secretary, Ministry of MSME) on 19th September 2020. During the round one of policymaking competition, an overwhelming response was received with registrations of 279 teams totaling 387 students from 120 institutions across the country including various IITs, NITs, IIMs and Law Schools. The participants were spread across undergraduate, postgraduate and doctoral programmes of various streams. Round 1 was conducted in quiz format on 31st January 2021 in which 149 submissions were received. The round 2 questions have been rolled out to the participants successfully for which submissions from 64 teams have been received. As a part of second round online training sessions on "Policy Formulation & Development" were held on 22nd & 23rd February 2021 from 5:30 pm to 6:45 pm. Next two sessions will be held on 1st & 2nd March 2021. In round 3, the shortlisted participants will be allotted problem statements associated with particular domains and they will be presenting their policies in the presence of judges. The final evaluation will be done and winners will be announced subsequently.

8.6. Executive Committee Meeting

8.6.1. 25th Executive Committee Meeting

The 25th Executive Committee meeting of **ni-msme** was held on 22.09.2020 through Video Conference under the Chairmanship of the Secretary to Government of India, Ministry of MSME. The Director General, **ni-msme** after welcoming all the distinguished members of the Executive Committee explainedthe ongoing activities and proposed academic activities.

The committee discussed various issues for improvement of academic activities including infrastructure development with the intention to improvise the overall financial status of the institute.

Figure 8.3. Online 25th Executive Committee

8.6.2. 26th Executive Committee Meeting

The 26th Executive Committee meeting of **ni-msme** was held on 03.03.2021 at Ministry of MSME, Room No. 51, Udyog Bhawan, New Delhi under the Chairmanship of the Secretary to Government of India, Ministry of MSME. The Director General, **ni-msme** after welcoming all the distinguished members of the Executive Committee made a presentation about the ongoing activities and proposed important activities for approval.

The Committed appreciated the efforts of **ni-msme** and suggested to prepare a five year Roadmap for effective functioning of **ni-msme**.

8.7. DG's Addresses for Technical Institutions

Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme** was invited as Guest of Honour to the workshop on Management Capacity Development was conducted during 9th & 10th October 2020 by the Shankara Institute of Technology of S. K. Chaudhary Educational Trust, Jaipur in association with Rajasthan Technical University, Kota.

Figure 8.4. DG's Addresses for Technical Institutions

Mr. Satya Pal Malik, Hon'ble Governor of Meghalaya was the Chief Guest of the inaugural ceremony held on the 9th for the inaugural ceremony. Prof. R.A. Gupta, Vice-Chancellor, RTU; Dr. M.P. Poonia, Vice-Chairman, AICTE and Dr. Sant Kumar Chaudhary, Chairman, Shankara Group Institutions were the Guests of Honour.

The Director General delivered a session on Institutional mechanism for excellence in technical education. The programme was well received and highly appreciated.

8.8. Web Conference on Strengthening MSME Ecosystem

The Engineering Export Promotion Council and MSME-DI had jointly organised a web conference on Anti Dumping Duties, Trade Remedies & Export Promotion Measures Strengthening MSME Ecosystem, on 19th November 2020.

Mr. Mahesh Desai, Chairman, EEPC India introduced the guest speakers of the day and spoke on the importance of anti-dumping duties for the protection of MSME exports.

Dr. R. Sampath Kumar, ITS, Director, DGTS, New Delhi made an elaborate presentation on the measures being taken by the Government of India regarding imposing the anti-dumping duty on imports. Dr. K. Visweswara Reddy, FM, Admn. I/c & Rector presented his views, citing the examples of how the developed world has always dumped its products in the markets of under- developed countries and damaged the interests of domestic MSMEs.

Mr. K.S. Mani, Regional Chairman (SR) of EEPC proposed the vote of thanks.

8.9. Job Mela for Unemployed Youth

National Institute for MSME **ni-msme** organised the "Job Mela" for youth and unemployed on 4th February 2021 at campus wherein 3751 youth participated. In this event 35 recruitment companies including Bakers, Banking & Finance, Marketing, Manufacturing, ITeS, Electronics, Healthcare, Network, Supply Chain & Logistics, Solid Waste Management participated. This Job Mela was a success as 1579 candidates were screened and shortlisted by the recruiters for the next round of interview. The specific sectors which attracted the job seekers were ITeS, Banking, Manufacturing, Health Care, Pharma, and BPO. These industries/sectors witnessed the huge rush of the job seekers throughout the day.

Figure 8.5. Job Mela for Unemployed Youth

8.10. MSME Loan Mela

In order to facilitate the funding options for existing and prospective entrepreneurs "MSME Loan Mela" was organised at **ni-msme** campus on 10th February 2021. This event was attended by private, public sector banks and financial institutions such as Union Bank of India, State Bank of India (SBI), Punjab National Bank, YES Bank, AXIS Bank, HDFC Bank, Small Industries Development Bank of India (SIDBI) and National Small Industries Corporation (NSIC).

The event witnessed overwhelming response from more than 200 MSMEs and first-generation entrepreneurs from in and around Hyderabad. The banks/FIs gave individual presentations about their MSME specific financial products and exclusive service offerings for the MSMEs. They also interacted one-to-one with the entrepreneurs during the event to receive the applications for an early disbursement of their business loans.

Figure 8.6. MSME Loan Mela

8.11. Perspective for establishment of CoE for MSME at IIT Delhi

I IT Delhi' s Department of Research and Technology Development Administration invited **ni-msme** on 8th March 2021 for sharing it's expertise to establish a Centre of Excellence (CoE) for Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) at IIT Delhi. Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme** held an online meeting with the Officials of IIT Delhi to define the roadmap for proposed CoE. The purpose of this meeting was to obtain the perspective of **ni-msme** regarding potential services and structure of the proposed CoE.

Ms. S. Glory Swarupa suggested that the CoE services may include consultancy and research collaborations on technology development, operations and quality management as well as business development and strategy, along with up-skilling and training requirements.

Figure 8.7. Perspective for establishment of CoE for MSME at IIT Delhi

She said that such centre could play a significant role in the development of MSMEs, in the region.

It is noteworthy that IIT Delhi provides science based engineering education with a view to produce quality engineer - scientists. The proposed CoE would provide MSME related knowledge and build a temper for young engineers to serve MSME sector.

8.12. Virtual Programme on MSME-ASSIST

Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme** delivered special address at “Virtual Programme on MSME-ASSIST Steps to Excel” organized by Indian Chamber of Commerce (ICC). This event was organized on 22nd March 2021. It was graced by Shri Siddharth Nath Singh, Hon’ble Minister, MSME and Export Promotion, Government of Uttar Pradesh as Chief Guest.

Figure 8.8. Virtual Programme on MSME-ASSIST

Addressing the programme, Ms. S. Glory Swarupa stressed the need for MSMEs to play a vital role and contribute with USD Three Trillion to achieve the target of USD Five Trillion Indian economy by 2024-25.

In order to achieve this, the ministry of MSME has taken commendable steps like MSME Champion Desk and MSME Task Force in the recent past. She informed that **ni-msme** has contributed to MSME Development in Uttar Pradesh by preparing 10 ODOP projects, Sponsored by Department of MSME and Export Promotion, Govt. of U.P. It has also completed two CHDS projects, sponsored by DC (Handlooms).
The NRCD of **ni-msme** has prepared DSR for 21 clusters sponsored by DC (MSME). Beside this, various programme, Job Melas, Loan Melas were also conducted by **ni-msme**.

Hon'ble Minister Shri Siddharth Nath Singh lauded the efforts, made by **ni-msme**, for promotion of MSMEs in U.P. Vote of thanks was proposed by Mr. Debmalya Banerjee, Regional Director, ICC.

8.13. Mobile Application Launch

National Institute for MSME (**ni-msme**) had launched "**ni-msme** mobile application" in partnership with YES SCALE BizConnect on 23rd March 2021. During the virtual launch Ms. S. Glory Swarupa, Director General, Mr. Rajan Pental, Global Head, Branch and Retail Lending, YES BANK, other officials from Yes Bank, faculty members and accounts department staff of **ni-msme** including back-end teams of **ni-msme** and Yes Bank team were present. The mobile application is a digital solution that offers a collaborative platform for engaging with MSMEs, entrepreneurs, and student community through **ni-msme** bulletin, video sharing and discussion forums. This mobile application will enable the registered members to display and sell their products through the in-built marketplace (m-commerce), register for ongoing and upcoming training programs, avail consulting services, and do online booking of infrastructure facilities such as lecture halls, auditorium/ conference hall and guest rooms available at **ni-msme** campus in Hyderabad. The "**ni-msme** application" is available both on android and iOS platforms for download.

Figure 8.9. Mobile Application Launch

8.14. Digital Saksham for MSMEs Launched

New technologies and inventions become meaningful only when they penetrate and impact the struggling segments of society, help reduce drudgery and tedium in their day-to-day affairs and bring them a modicum of comfort. Any effort directed towards achieving this goal deserves an applause.

The Confederation of Indian Industry (CII) has announced a strategic MoU with Mastercard and National Institute for Micro, Small & Medium Enterprises (**ni-msme**) to launch the Digital Saksham Initiative - an expansive programme designed to strengthen the competitiveness of MSMEs through digital know-how and adoption. The aim is to educate and train micro and small business owners and entrepreneurs enabling them to integrate into the digital economy and access credit, expand market access, diversify customer base, digitise financial operations and solidify their supply chain. The ultimate objective is to unlock the full potential of MSMEs in India, measured by greater profitability and financial resilience.

"We need to make 50% of the growth of the Indian economy come from the MSME sector, raise its contribution to exports to 60% and create 5 crore new jobs. To realise this potential, micro and small businesses need to become increasingly competitive in a changing marketplace. I am pleased to note that the project Digital Saksham by CII, Mastercard and **ni-msme** entails a scale of reaching out to more than 3 lakh MSMEs in 25 cities including rural and peri-urban clusters. This will help drive systemic transformation and further accelerate achievements towards meeting our goals and ensure financial inclusion", stated Hon'ble Minister Shri Nitin Gadkariji, while speaking at the 17th Global SME Business Summit 2020, virtually, organised by the CII, in partnership with the Ministry of MSME.

Figure 8.10. Digital Saksham for MSMEs Launched

"I congratulate the Digital Saksham project with mastercard and **ni-msme**. I'll suggest the CII team to engage with MSMEs further on, helping MSMEs become digital", stated A.K. Sharma, IAS, Secretary to GoI, MSME.

Mr. Chandrajit Banerjee, Director General, CII, stated that the Digital Saksham initiative will focus on activating CII's vast membership base, including 67% of MSMEs to upskill, specially the MSEs. Through a combination of CII's broad footprint with 67 offices across the country and collaboration with **ni-msme**, CII will target key supply chains and use cluster approach to deliver relevant skills and know-how to the last mile

entrepreneur. CII will also engage value chain anchors in the delivery of training through their supply chains. “We have an ambitious outreach target on creating awareness on digital financial literacy for 3 lakh micro and small business who will attain the knowledge, and access to personal finance strategies and digital financial instruments through this intervention which will spread across 25 cities in 7 states”, he added.

Commenting on the partnership, Mr. Ari Sarker, Co-President, Asia Pacific, Mastercard said, “Small businesses play an enormous role in rebuilding local communities and supporting economic recovery. It is critical that we look for solutions that don’t just focus on how we can support SMEs, but also those that are designed to enable SMEs to support themselves. Towards this goal, Mastercard is delighted to partner with the Government of India via **ni-msme** and CII to launch the Digital Saksham initiative. The programme is an extension of Mastercard’s global and India commitment to empower, enable, and enhance small entrepreneurs, making them more competitive.” The implementation of the project is proposed from January 2021 and execution of training among the MSMEs from June 2021", confirmed Amita Sarkar, DDG, CII and Alison L. Eskesen, Vice President, Mastercard’s Centre for Inclusive Growth.

9. Eminent & ni-msme Officials' Visits

9.1. Eminent Visitors

9.1.1. Guest Faculty at EDP

The Centre for Entrepreneurship Development & Business Sustainability (CEDBS), Department of Business Management, Osmania University invited **ni-msme** faculty as guest speakers at the national online training programme on Entrepreneurship Development, which they had organised during 5^{th} to 11^{th} October 2020, in collaboration with Osmania Technology Business Incubator. The Chief Patrons for the programme were Mr. Arvind

Kumar, IAS, Vice Chancellor I/C, OU; Prof. Ch. Gopal Reddy, Registrar; Prof. T. Krishna Rao, OSD to Vice-Chancellor; Prof. Sriram Venkatesh, Nodal Officer and Dr. Chelmala Srinivasulu, Director. Mr. Gaddam Sudarshan, Faculty Member, School of Entrepreneurship and Extension, **ni-msme** addressed two sessions on Schemes of Assistance and Fund Raising, on the 6th October and on Regulatory and Legal Compliances, Company Incorporation, Taxation and Other Regulations, on the 8th October. In all, 600 participants including resource persons and students had attended the programme.

9.1.2. Consultative Meeting with Lokmangal Group of Institutions

ni-msme had meeting with Lokmangal Group of Institutions including Entrepreneurship College, Solapur, Maharastra on 5^{th} January 2021. The Chief Guest of the meeting was Mr. Subhash Deshmukh, MLA (Maharashtra). The expert team including Mr. Rohan Deshmukh, Dr. Jitendra Bajare, Dr. Sachin Fuge, Mr. Bobby Mennon, Mr. Narain Kamath and Ms. Anita Dube were also present in the meeting.

The Lokmangal Group of Institution has been rendering services since 15 years. Currently, the Group is involved in varied activities that include Agro-Industries, Banking & Finance, Education, Health Care, Infrastructure Development, Construction, Retail and Logistics.
The main aim of the collaborative meeting was to promote MSMEs through entrepreneurship and skill development, business incubation, research and consultancy with MSME guidelines. Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (M & BD) welcomed the dignitaries of Lokmangal Group.

Ms. S. Glory Swarupa, Director General of **ni-msme**, faculty members and Assistant Registrar were present on this occasion. Later, all the members introduced themselves. In this context, Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member, SEM, gave information through PPT presentation about **ni-msme** programmes, activities, publication, infrastructure, etc. Later, Ms. Anita Dubey had PPT presentation about Lokmangal Group of Institutions and their mission.

Chief Guest, Mr. Subhash Deshmukh highlighted 'One village, One business' adopting MSME Guidelines and shown keen interest to get associated with **ni-msme** to support school children to adopt entrepreneurship. Director General, Ms. Glory Swarupa expressed pleasure to got to know about Lokmangala group and thanked the team for having collaborated with **ni-msme**. She has suggested that entrepreneurship course

may start from School to Post- Graduate internship for Lokmangal students. She also highlighted about the ASPIRE scheme and incubation centre which would offer benefits to the budding entrepreneurs.

Director General informed that **ni-msme** submitted proposals in this context. She said that **ni-msme** can take Lokmangal support for initiating research studies too. She highlighted “One village, one product for one business slogan”, she mentioned that currently it has become easier to impart skills of entrepreneurship and to groom entrepreneurs as we have good facilities and institutional support. It is also informed that innovation is happening in rural areas than in urban areas.

Dr. Dibyendu Choudhury explained the importance of new technologies and inclusion of new skill components especially in the IT course structure for getting maximum benefits and make more and more centres of excellence. In this regard the Government of India is supporting startups, incubation centres with adequate and financial support.

ni-msme and Lokmangal Group of Institutions have identified areas for collaboration: sharing the resources (Knowledge base, Infrastructure, IT, etc.) of both the organisations, to explore new business avenues which pave the ways for working together and utilise the pedagogic strengths of both organisations. It is also said that the Lokmangal Group can develop an academic environment, wherein respective experts of both the organisations mutually benefit by enriching their domain knowledge of entrepreneurship.

Mr. K. Surya Prakash Goud presented a short video of SFURTI scheme that explains the IKKAT weaving pattern belong to weavers of Mothkur Cluster. Later, Mr. Goud explained about dying, weaving, financial support, marketing the products and raw material related information to Lokmangal Group. Faculty shared their views on joint initiatives of this kind for institution building and knowledge sharing. Meeting was concluded with vote of thanks by Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (M & BD).

Figure 9.1. Consultative Meeting with Lokmangal Group of Institutions

9.1.3. KLIPFC Steering Committee Meeting

Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member, **ni-msme** attended the virtual Steering Committee Meeting held by KL Intellectual Property Facilitation Centre, KLEF (Deemed to be University), Guntur on 20th January 2021 Dr. K. Raghava Rao, Head-KLIPFC convened the meeting. Other members who attended the meeting include Mr. Potluri Bhasakara Rao, General Secretary, AP Chamber of Commerce & Industry Federation, Member; Mr. Y. Ajay Kumar, Deputy Director, O/o Directorate of Industries, Vijayawada, Govt. of AP, Member; Mr. G. V. R. Naidu, Asst. Director, In-charge, MSME-DI, Vishakhapatnam, Member; Mr. Sai Sateesh, KLU Alumni, Member, CEO-Indian servers.

Ms. V. Swapna briefed about **ni-msme** & IPFC activities. She gave suggestions for conducting various awareness & customized training programmes for the specific industries, District Industry Officers/ Managers for the disseminating the objectives of IPRs among the MSMEs. She also suggested for having collaborative activities with **ni-msme** for promoting IPR among MSMEs.

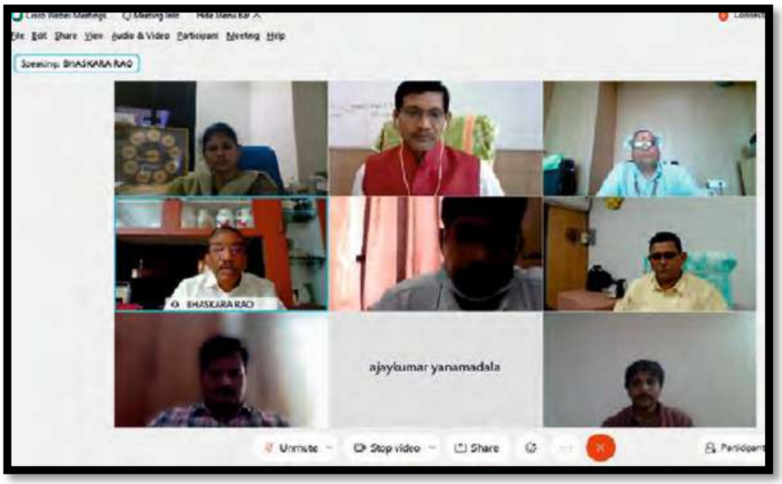

Figure 9.2. KLIPFC Steering Committee Meeting

9.2. ni-msme Officials' Visits

9.2.1. Youth Motivation Camp for Skill Development

ni-msme was invited to the Youth Motivation Camp for Skill Development, organised by the Telangana State SC Corporation on 19th October 2020 at Gollapally, Jagitial District. Mr. Koppula Eshwar, Hon'ble Minister for Social Welfare, Govt. of Telangana was the Chief Guest and Mr. Borlakunta Venkatesh Netha, Hon'ble Member of Parliament from Peddapalli was the Guest of Honour. The aim of the camp was to empower the unemployed youth to utilise government schemes for their development.

Mr. J. Koteswara Rao, AFM, SED; Mr. G. Sudarshan FM, SEE and S. K. Subhani, Faculty Consultant attended the event on behalf of **ni-msme**.

Figure 9.3. Youth Motivation Camp for Skill Development

Speaking on the occasion, the Chief Guest said India has rich human resources and it is necessary to utilise these resources in a productive manner. Youth should move ahead by learning from their failures. Instead of confining themselves to their villages, youth should develop their skills and be ready to work anywhere outside their villages. On behalf of, Mr. Koteswara Rao presented the brochure of **ni-msme** training programmes to the honorable minister and thanked him for inviting the institute to participate in the event.

ni-msme put up a stall and registered 145 unemployed youth from Velgatur, Dharmapuri and Buggaram mandals. They will be given training in entrepreneurship and skill development.

9.2.2. ni-msme on AIR

Dr. Shreekant Sharma, AFM, SEE was invited for a radio programme by All India Radio (AIR), Balangir, Odisha. He spoke on "Institutional Support and Government Schemes for Agri Entrepreneurship" which was broadcasted by AIR, Balangir on 23rd March 2021 on FM 101.9 MHZ. During his radio talk, Dr. Sharma highlighted on how the farmers can choose to start their activity to become entrepreneur along with farming as their occupation with the support of various government schemes. The talk was delivered in regional language and was appreciated by the audience.

Figure 9.4. Faculty at AIR, Balangir as Resource Person

9.2.3. Free Capacity building training programme for SC/ST women

NSIC-TSC Kamala Nagar ECIL-Hyderabad office organized Free Capacity building training programme for SC/ST women Aspiring, Budding and Prospective Entrepreneurs under National SC/ST Hub scheme in association with Akshara Spoorthy at Kashish Convention centre located at Musheerabad held on 27th March 2021.

In this programme Mr. G. Sudarshan, Faculty Member and Mr. J.Koteswara Rao, Associate Faculty Member were invited as resource person. The participants complimented MSME Scheme session which was delivered by **ni-msme** faculty.

During the valedictory session, all women trainees shared their experience as to how they would implement their learning in realizing their dreams.

Figure 9.5. Free Capacity building training programme for SC/ST women

10. Observation of Important Days

10.1. Anti-Terrorism Day

The Anti-Terrorism Day was observed diligently on 21 May 2020 at the Institute. All the employees of the Institute had taken the pledge, at their respective seats, at 11.00 a.m. The text of the pledge was supplied to them in advance.

Figure 10.1. Anti-Terrorism Day

10.2. World Environment Day

The World Environment Day was celebrated at **ni-msme** campus by organising massive tree plantation on 5 June 2020. All the employees took part in the event with immense delight. At the outset, all employees assembled in front of the SENDOC building, diligently maintaining the stipulated social distance. Director General Ms. S. Glory Swarupa addressed the gathering.

The DG highlighted the importance of environment and World Environment Day in our life. She reiterated that living in harmony with nature is the only way to avoid Nature's wrath and collapse of Mother Earth.

World Environment Day is celebrated every year on 5 June across the globe, to create awareness about environment and the importance of protecting it to ensure that planet Earth is fit for the survival of living organisms. The event was concluded with vote of thanks proposed by Mr. J. Koteswara Rao, AFM-SED.

Figure 10.2. World Environment Day

10.3. International MSME Day

Series of events were observed by **ni-msme** on this occasion.

The Director General gave a Special Addresses in Virtual Seminar on ‘Rebooting MSMEs in the Post COVID-19 World’ organised by Confederation of Indian Industry (CII) Telangana. Other eminent speakers were Dr. Andrew Fleming, British Deputy High Commissioner to Andhra Pradesh and Telengana, Hyderabad and Mr. Jayesh Ranjan, IAS, Principal Secretary, ITEE&C, Industries & Commerce Departments, Govt. of Telangana. During the interactive session the Director General has clarified several doubts and explained the MSME Schemes, support offered by a Govt. of India and services rendered by **ni-msme**, Hyderabad.

Figure 10.3. International MSME Day

Director General also made a presentation in a webinar on Empowerment of MSMEs: Strategies, Policies and Schemes organised by Atal Incubation Center (AIC), NITTE

University. The Director General has described the Activities, Schemes & Strategies of **ni-msme** and Ministry of MSME during lockdown.

10.4. Foundation Day

ni-msme celebrated its 58 Foundation Day on 1st July 2020. The event had aspects both in real time and in virtual space. The real time events consisted of planting of saplings and inauguration of production centers, which were held in pre-noon hours. The programme in virtual space was mainly a platform of reminiscence and recall (webinar). The meeting took off with words of welcome by Ms. V. Swapna, AFM and opening remarks by Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (M & BD). Greetings from the Ministry of MSME, AARDO and SME Forum followed (read out), and thereafter the Foundation Day brochure and **ni-msme** Webinar Proceedings on Post COVID-19 Rejuvenation of MSMEs was released by the Director General. Video messages of good wishes flowed in from the international participants.

Figure 10.4. Foundation Day

A brochure on Research Internship was released. Former Faculty, Directors and Director Generals made virtual presence and voiced their nostalgic memories as well as good wishes. The Foundation Day lecture was delivered by Dr. W.R. Reddy, IAS (Retd.), former Director General of NIRD & PR and Member of the **ni-msme** Governing Council. Prior to that, Ms. S. Glory Swarupa, DG of **ni-msme** addressed the online gathering on the Institute's journey towards the Diamond Jubilee and administered a pledge.

Faculty and officers of **ni-msme** including employees of all cadres shared their experience of being a part of **ni-msme**. Participants of national programmes and ESDPs shared their good wishes. The virtual event closed with Dr. K. Visweswara Reddy proposing vote of thanks, followed by the singing of the National Anthem.

10.5. Independence Day

Freedom is the most precious felicity and facility, for individuals as well as institutions and nations. It needs to be protected with assiduous care and attention, for there are always invisible forces abroad to crush it and subjugate it.

ni-msme celebrated the 74th Independence Day of India on 15th August 2020, at its campus, with the usual fervour of joy and dedication. On the 15 of August, 1947 the Nation of Bharat achieved freedom from the British rulers, who were then governing the country. Since then, every year, all across the country in every nook and corner and street, all small and big establishments and community groups celebrate the instance of 15 August. At the Institute campus, all the employees assembled by the flag post in front of the New Training Building at 8.50 a.m. The Director General hoisted the flag and addressed the assemblage. She spoke about the importance of the occasion, activities of **ni-msme** during lockdown and gave a call for hard work to achieve the targets. Cultural programmes were conducted in expression of joy on the occasion. All those present took part in the agenda in a jovial spirit.

Figure 10.5. Independence Day

10.6. Sadbhavana Diwas

ni-msme has observed the Sadbhavana Diwas at the campus on 20 August 2020. The birth anniversary of the former Prime Minister Late Shri Rajiv Gandhi is commemorated as the Sadbhavana Diwas every year. All the officers/staff and consultants of **ni-msme** family had taken the pledge at their own respective seat, at 11.00 a.m.

Figure 10.6. Sadbhavana Diwas

10.7. Dusserah Festival

Dusserah was observed at the **ni-msme** campus on 23rd October 2020 with traditional gaiety. Entire **ni-msme** family joyfully participated in the celebration.

On this day, puja of goddess Durga was performed with prayers to receive her grace for the Institute's prosperity. Lunch was hosted by the employees union on the occasion. In the evening woman employees of the Institute organised and participated in the Bathukamma festival.

The celebrations ended with prayers to the Supreme Mother for the well-being of the Institute and good health of the employees and their families during the pandemic.

Figure 10.7. Dusserah Festival

10.8. Vigilance Awareness Week

Vigilance Awareness Week was observed at **ni-msme** from 27th October to 2nd November 2020. All the employees of **ni-msme** took the pledge at their work places/ desks at 11.00 a.m. on 27th October.

For this year, the theme was, Satark Bharat, Samriddh Bharat.

Figure 10.8. Vigilance Awareness Week

10.9. Quami Ekta Week

'Quami Ekta Week' (National Integration Week) was observed by **ni-msme** from 19th to 25th November 2020. In view of this, Director General with all the Officers, Staff Members and Consultants had taken pledge in Hindi and English Languages with soft copies of the pledge in their respective seats on 19th November 2020.

Figure 10.9. Quami Ekta Week

10.10. Constitution Day

The Constitution Day was observed at **ni-msme** on 26th November 2020. On this occasion, the Director General had read out the preamble of the Constitution of India in Hindi and English languages, at 11.00 A.M. All the officers, staff members and consultants joined reading from soft copies in their respective seats.

Figure 10.10. Constitution Day

10.11. Republic Day

The 72nd Republic Day of the Nation was celebrated at **ni-msme** campus with a spirit of joy and patriotic fervor. Every year the Institute celebrates the 26th of January to commemorate the Constitution of independent India come into force from 26th January 1950.

The celebration began with the hoisting of the national flag by the Director General, Ms. S. Glory Swarupa. The flag hoisting was followed by the rendition of India's National Anthem, to which all the staff gave their voice. On the occasion, the Director General has addressed the august gathering in English, Hindi and Telugu and explained the significance of the national event. She has thanked all the four hundred members of the draft committee who have contributed their intellectual might for the birth of Constitution of India. She also paid rich tributes to the freedom fighters for their invaluable sacrifices. She has advised all the **ni-msme** family members to contribute to the institute effectively to achieve the personal excellence which is enshrined in Indian Constitution as 10th Fundamental Duty of the each citizen in India. She has highlighted about Atmanirbhar Bharat and requested the **ni-msme** family to work towards the Institution development and Nation Building.

Some talented staff have sung patriotic songs in the cultural programme arranged in the campus which is decorated with tricolor flags & inspiring images.

Figure 10.11. Republic Day

10.12. Martyr's Day

ni-msme observed the Martyrs' Day at 11.00 a.m. on 30th January 2021 in remembrance of the thousands of brave people of this land who sacrificed their lives to free the country from the grip of foreign rule.

All the employees of **ni-msme** observed two minutes silence at their own workplace.

Figure 10.12. Martyr's Day

10.13. New Year's Day

International New Year day was celebrated at the campus on 1st January 2021.

A get-together of all the members of **ni-msme** family was organised at the outdoor venue in front of SENDOC building. All members exchanged greetings. Ms. S. Glory Swarupa, Director General addressed the gathering with a sigh of happiness and joy.

She shared the vision and mission of the Institute with the gathering. On this occasion she spoke about the on-going programmes and future initiatives of development in their respective schools.

Figure 10.13. New Year's Day

10.14. International Women's Day

National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises organized a seminar on "Women in leadership: Achieving an equal future in a COVID-19 World" to celebrate the International Women's Day at its campus on 8 March 2021. The main objective of the seminar was to discuss the problems & prospects of women in social, economic and political dimensions and also provides the platform to share the best practices to empower the women. A total of 150 prospective and existing women entrepreneurs and **ni-msme's** women employees attended the seminar. The programme was coordinated by Dr. E. Vijaya, Faculty Member and Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member, **ni-msme**. Among the esteemed speakers for the seminar were, Ms. B.A.L. Kameswari, Chief Manager-Training, Union Bank of India, Hyderabad, Dr. L. Fahmida Banu, MD, Fehmicare Hospital, Hyderabad, Sister B.K. Bindu, Bramha Kumaris, Hyderabad and Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme**. The seminar was sponsored by Union Bank, Indian Bank and Alumni of Andhra Loyola College, Vijayawada.

Ms. B.A.L. Kameswari highlighted the importance of "Financial Literacy for Women". She urged the budding entrepreneurs to know their business and its financial aspects. She explained about few schemes provided by the Government of India for the Women Entrepreneurs. Dr. L. Fahmida Banu, in retrospect talked about the role played by women as front line workers in different capacities during International Women's Day the COVID-19 pandemic. She emphasized on how the women in the healthcare sector devoted themselves to the needs of their patients before their own safety. Sister B.K. Bindu urged the audience to take time out for self in their busy schedule of day. She enlightened the gathering on managing self by managing own thoughts.

The Director General, **ni-msme** highlighted the history and significance of International Women's Day. This is earmarked to celebrate womanhood and also recognize her achievements without regard to any social divisions. She said, it is a day to acknowledge and make people aware of women's rights and gender equality, parity and call to action for accelerating women's equality. She recalled that the theme for International Women's Day 2021 is "Women in leadership: Achieving an equal future in a COVID-19 world".

She said, MSME sector offers multiple opportunities to empower women by promoting entrepreneurship among them and help to create a benchmark. She appealed that International Women's Day in 2021 should be seen as an opportunity to work towards gender parity and choose to challenge for betterment.

The Director General and other dignitaries inaugurated the stalls displayed by women entrepreneurs to showcase their products. Women entrepreneurs Ms. Humeera, Ms. Ashalatha and women incubates Ms. Vijaya and Ms. Subhangi from **ni-msme** shared their experience of their journey to success. The seminar provided a great opportunity to the women participants to understand the effective management of various issues and provided an opportunity to interact with the successful entrepreneurs and also showcase their innovative products in the stalls.

Figure 10.14. International Women's Day

11. Employee Corner

11.1 Retirement

Shri. Sarwar Khan, MTA retired from the service of the Institute on 30th April 2020 (A.N.), on attaining the age of superannuation. On the occasion, a farewell get-together was organised as per the custom of the Institute. Ms. S. Glory Swarupa, Director General; Dr. E. Vijaya, FM (SEM) and Admin. i/c; Mr. K. Sai Kiran, General Secretary of the **ni-msme** Employees Union shared some good words about the outgoing employee. A few others recalled nostalgic memories of their association with him. The Director General presented Shri. Khan with a token gifts on behalf of the Institute along with the cheques towards his retirement benefits.

Figure 11.1. Retirement of Shri. Sarwar Khan

11.2. Obituary

11.2.1. Shri. I. Sekhar

Shri. I. Sekhar, MTA expired on 9th May 2020 due to severe health problem. The Director General, Faculty and staff of **ni-msme** held a condolence meeting on 11th May 2020 to pray for his soul to rest in peace.

Date of joining - 18.05.1992 Date of Birth - 18.05.1966 Date of death - 010.05.2020
Shri I. Shekhar, MTA has put in 27 years 11 months and 21 days.

Figure 11.2. Shri. I. Sekhar

11.2.2. Shri. N. Raja Narasimha

Shri. N. Raja Narasimha, MTA passed away on 24th July 2020, at the age of fifty-five. Recently, Mr. Raja Narasimha fell sick and was on official leave, taking treatment at hospital. Sadly, he passed away before he could recover.

Shri. Raja Narasimha joined the Institute's employment in 1990 and rendered sincere service throughout, until the last. The entire **ni-msme** family express sad condolence to the family of Shri. Raja Narasimha and pray for his soul to rest in peace.

Figure 11.3. Shri. N. Raja Narasimha

12. Hindi Section

12.1. Hindi Day and Rajbhasha Week

Rajbhasha week was observed from 7th to 14th September 2020 by **ni-msme** in observance of the Annual Rajbhasha Day. The weeklong celebration was inaugurated on 7th September 2020, in virtual mode, presided over by Ms. Glory Swarupa, Director General of **ni-msme**. Dr. Munavvar Hussain Kazmi, President of Town Official Language Implementation Committee was the chief guest.

A Hindi book exhibition was arranged on this occasion at SENDOC Library, which continued till the Hindi Day i.e. 14th September 2020. Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member (SEM) and Member Secretary of Hindi Implementation Committee of **ni-msme**; Dr. K. Visweswara Reddy, Faculty Member (SEM) & Admin I/c; Mr. N. Murali Kishore, Asst. Registrar and Dr. Shirish Prabhakar Kulkarni, Hindi Translator were present at the event, while all the other officers and staff members joined the programme in virtual mode.

Delivering the address on the occasion, Dr. Munavvar Hussain Kazmi recalled the contribution of Rajendra Singh, native of Jabalpur and his efforts to establish Hindi as the Official Language of India. He highlighted the efforts made by the renowned Hindi poet and writer Bhartendu Harish Chandra through his All India Committee to place Hindi as a National Language of India. He also stressed upon maximum usage of Hindi for official purpose as well as in other areas.

In her presidential address, Ms. S. Glory Swarupa, Director General conveyed her greetings to all on Hindi Day and stated that Hindi is the language that connects all the people with each other. Apart from official usage, Hindi is being widely used in politics, film industry as well as in other areas and no one can ignore it. Addressing the batch virtually, Mr. M.A. Bari Faruki, Member Secretary, TOLIC, CGO-1, Hyderabad appreciated the initiative of conducting the training through virtual mode in view of COVID-19 pandemic. The programme concluded with vote of thanks by the Hindi translator.

Figure 12.1. Hindi Day and Rajbhasha Week

Various competitions including letter writing and poetry recitation in Hindi and one-day Hindi workshop were conducted during the week to encourage the officers and staff members of the Institute to use Hindi more frequently in functional activities.

The main event was conducted on the 14th September 2020 presided by the Director General. Dr. Shirish Kulkarni, Hindi Translator read out the message of Shri Amit Shah, Hon'ble Minister of Home Affairs, Govt. of India. The winners of the competitions were awarded certificates by the Director General.

In her address, the Director General congratulated the winners and appreciated active participation by all the employees in the events. She suggested increased usage of Hindi in day-to-day work in all areas. Quoting an axiom by Sant Kabir, she urged all the officers and employees to scrupulously adhere to timelines in all their work.

12.2. Minutes of TOLIC Core Committee Meeting

The meeting of the Town Official Language Implementation Committee was held on 9th November 2020, at the National Research Institute of Unani Medicine for Skin Disorders, A.G. Colony Road, Erragadda, Hyderabad, at 11.00 A.M. The meeting was presided by Dr. Munavvar Hussain Kazmi, Director, NRIUMSD and President of the committee. Dr. Vishnu Bhagwan, Advisor of the committee; Mr. Abdul Bari Faruqi, Member Secretary of the Committee and Mrs. Veena Tirki, Sr. Rajbhasha Adhikari, South Central Railway; Mr. M.A. Shukur, Asst. Director, GSI, Bandlaguda, Hyderabad and Dr. Shirish Prabhakar Kulkarni, Hindi Translator, **ni-msme**, other members of the committee were also present at the event.

Figure 12.2. Minutes of TOLIC Core Committee Meeting

After presentation of agenda by the President, Dr. Vishnu Bhagwan, he proposed conducting one day workshop for Hindi Officers of the member offices of the committee and with consent of the house, it was scheduled on 26th November 2020. He further suggested to conduct various competitions like Essay Writing, Note Writing. Quiz and Translation of Short Paragraph for the member offices. Further he advised publishing an e-magazine by TOLIC, which the members accepted.

Dr. Kazmi, in his presentation, appreciated active participation of the members of the core committee in the activities of TOLIC and the members for physical participation in spite of the pandemic situation. He requested all members to maintain social distance and other precautions for COVID-19.

The meeting concluded with vote of thanks by Mr. M.A. Bari Faruqi.

12.3. Hindi Workshop

Hindi workshop was conducted on 21st December 2020, through virtual mode. In all, 40 participants made virtual presence in the workshop, organised by **ni-msme** in association with the Town Official Language Implementation Committee (Central Government Offices-1), Hyderabad, constituted under the National Research Institute of Unani Medicine for Skin Disorders, Hyderabad.

Dr. Mohan Bahuguna of the Central Translation Bureau, New Delhi in his key-note address, highlighted the importance of in-script and other Hindi key-boards for computer. Further he gave detailed information about online translation software including Mantra, Google Translate, Microsoft Translator and Kanthasth Software, provided by the Department of Official Language, Govt. of India recently.

Dr. Vishwanath Jha, Deputy Director, Hindi Teaching Scheme, Mumbai. Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Govt. of India stressed on the utilisation of kanthastha software in all Central Government offices and make it accessible to Hindi users worldwide.

Figure 12.3. Hindi Workshop

Dr. Homenidhi Sharma, Dy. General Manager (H.R.Official Language), Bharat Dynamics Limited, Hyderabad also attended the programme.

Earlier, Mr. M.A. Bari Faruki, Member Secretary, TOLIC (CGO), Hyderbad-1 welcomed the Director General of **ni-msme**, Faculty and Officers.

Addressing the workshop, Dr. M.H. Kazmi, Chairman, TOLIC appreciated Dr. Mohan Bahuguna for his address, and thanked Ms. S. Glory Swarupa, Director General, **ni-msme**, Dr. Shirish Prabhakar Kulkarni, Hindi Translator and other officers and employees for their excellent support.

12.4. Meeting of Official Language Implementation Committee

Meeting for the quarterly review of the Implementation of Official Language, Hindi was conducted on 29th March 2021. This meeting was presided by Ms. S. Glory Swarupa, Director General. She appreciated the efforts made by officers and employees for better implementation of Official Language, Hindi in day to day official work as well as

in other areas. She also advised to conduct various new training programmes regarding entrepreneurship and skill development in Hindi language.

Figure 12.4. Meeting of Official Language Implementation Committee

Dr. Dibyendu Choudhury, F.M. SEM and Member Secretary, OLIC suggested necessary upgradation of institute's website and preparation of **ni-msme** bulletin for e-publication by **ni-msme** staff, which was accepted by Director General.

Dr. Shreekant Sharma, AFM, SEE suggested some programmes to be conducted in Hindi language. Dr. Shirish Prabhakar Kulkarni, Hindi Translator and member convenor of the committee welcomed the Director General and other members of the committee and also presented details regarding implementation of official language within the institute. Meeting concluded with vote of thanks by Dr. Shirish Prabhakar Kulkarni, Hindi Translator.

13. Physical and Financial Performance

13.1. Physical Performance

Programmes **Participants**

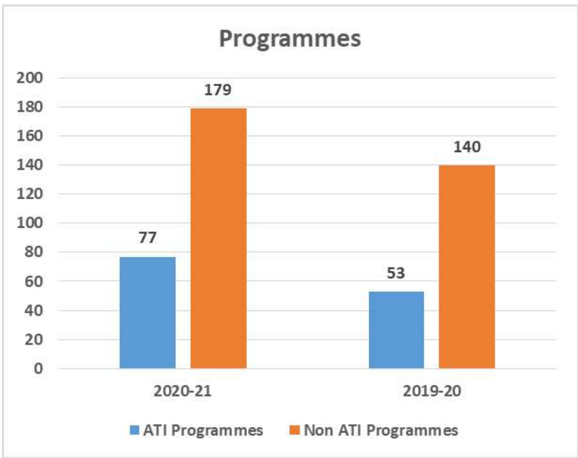

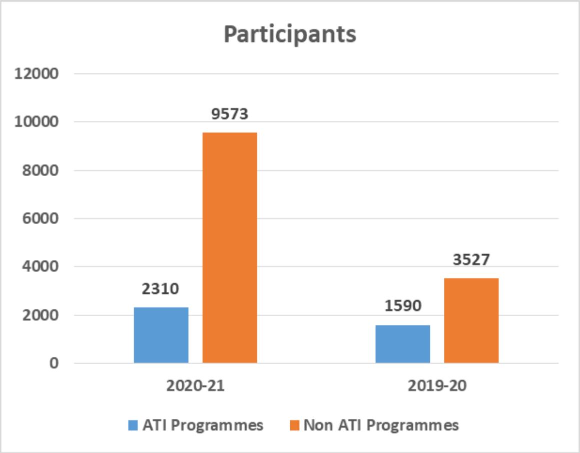

Figure 13.1. National Training Programmes and Participants

In the year 2020-21, the total number of training programmes conducted was 256 and the participants trained were 11,883 as compared to 193 programmes and 5,117 participants during 2019-20. The decrease in the number of programmes and participants over the previous year was mainly due pandemic, less number of programmes under ATI scheme and no programmes under National SC/ST Hub Scheme of the Ministry during 2020-21. No physical National (Announced or sponsored) & International programmes in the campus due to Lockdown and Travel restriction.

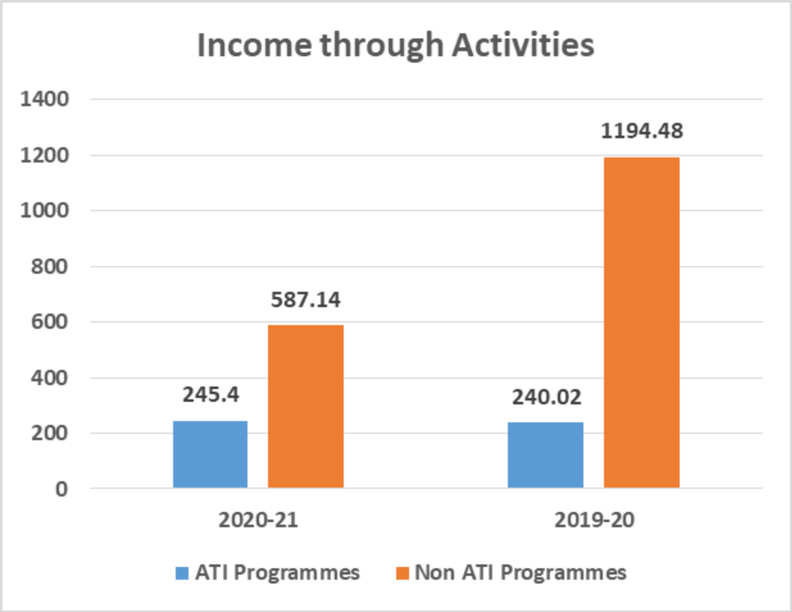

Figure 13.2. Income through different programmes

13.2. Financial Performance

The Institute generated an income of Rs.832.54 lakh through various activities during 2020-21, as against Rs.1,434.50 lakh during 2019-20. This may be attributed to the decrease in the number of entrepreneurship and skill development programmes under ATI and Non-ATI schemes during the current year over the previous year. The comparative financial performance of both the years is presented in the following table:

Table 1.6. Financial Report

(Rs. in lakhs)

Activity	2020-21			2019-20		
	Progs.	Trainees	Income	Progs.	Trainees	Income
1	2	3	4	5	6	7
(a) ESDPs under ATI Scheme	**77**	**2310**	**245.40**	**53**	**1590**	**240.02**
(b) Programmes under Non- ATI						
1. International Programmes	6	235	12.57	9	231	283.97
2. Sponsored Programmes	64	1731	239.34	92	2624	418.21
3. Announced Programmes	19	166	8.70	33	287	31.00
4. Seminars & Workshops	3	173	0.12	5	385	7.42
5. Webinars	54	7268	3.64	0	0	0
6. Research	02	0	1.28	0	0	0
7. Consultancy	31	0	32.56	1	0	16.42
8. Infrastructure	0	0	29.00	0	0	125.58
9. Others	0	0	259.93	0	0	311.88
Sub Total (b) Non-ATI	**179**	**9573**	**587.14**	**140**	**3527**	**1194.48**
Grand Total (a+b)	**256**	**11883**	**832.54**	**193**	**5117**	**1434.50**

14. Right to Information Act

For information under the Right to Information (RTI) Act, 2005, citizens may approach the Public Information Officer (RTI) located in the New Training Building (Ground Floor: Assistant Registrar's Office), ni-msme, Yousufguda, Hyderabad-500 045 on any working day. During the year 2020-21, the Institute received thirty seven applications. But disposed forty three including 6 applications of the previous year. Three appeals were received and three appeals were disposed by duly furnishing the reply as on 31st March 2021.

Table 1.7. Hiring of Consultants

Sr.No.	Name	Designation	Date of Joining
1.	Mr. S.V.L. Narsimha Raju	Consultant (Engineer)	28.08.2020
2.	Mr. J Raghu Ram	Consultant (Admin)	01.01.2021
3.	Mr. D. Naveen Kumar	Consultant (SED)	07.01.2021
4.	Mr. V.B. Rajendra Prasad	Consultant (SEE)	15.01.2021
5.	Mr. Vivek Kumar	Consultant (SEE)	15.01.2021
6.	Mr. S. David Brynerd	Consultant (SED)	22.01.2021
7.	Mr. G. Bhaskar Rao	Consultant (Finance)	02.02.2021

Table 1.8. The Addresses of Information & Facilitation, Central Public Information Officer and First Appellate Authority for soliciting information

Information and Facilitation Counters
Ground Floor of SENDOC Building, **ni-msme** Tel No: 040-23608544 Extn. 235 Ground Floor of New Training Building, **ni-msme** Tel No: 040-23608544 Extn.217/260 F' Block (Ground Floor), Guest Rooms Complex **ni-msme** Tel No: 040-23608544 Extn.270/280 Right to Information Act, 2005 Ground Floor, New Training Building, **ni-msme** Tel No: 040-23633260

Address of Central Public Information Officer
Assistant Registrar **ni-msme**, Yousufguda Hyderabad-500045 Tel no.040-23633260, 23633217 E-mail:ar@nimsme.org

Address of First Appellate Authority
Director (Marketing & Business Development) **ni-msme**, Yousufguda Hyderabad 500 045 Tel No: 040-23608544/Extn.203 E-mail:directormarketing@nimsme.org

Table 1.9. ni-msme's Global Alumni

Sr.No	Country	Total	Sr.No	Country	Total
1	Afghanistan	575	36	Dominican Republic	1
2	Algeria	18	37	Ecuador	16
3	Antigua and Barbuda	13	38	Egypt, Arab Rep. of	177
4	Angola	4	39	El Salvador	20
5	Argentina	2	40	Eritrea	34
6	Armenia	24	41	Estonia	4
7	Azerbaijan	9	42	Ethiopia	297
8	Bangladesh	566	43	Fiji	61
9	Barbados	12	44	Gabon	2
10	Belarus	5	45	Gambia	34
11	Belize	10	46	Georgia	14
12	Benin	8	47	Ghana	446
13	Bhutan	193	48	Greece	1
14	Bolivia	3	49	Guatemala	12
15	Botswana	58	50	Guinea	13
16	Brazil	8	51	Guinea Bissau	2
17	Brunei	5	52	Guyana	65
18	Bulgaria	3	53	Haiti	2
19	Burkina Faso	13	54	Honduras	14
20	Burundi	10	55	India	5
21	Cambodia	114	56	Indonesia	178
22	Cameroon	20	57	Iran, Islamic Rep. of	63
23	Cape Verde	2	58	Iraq	213
24	Chile	14	59	Jamaica	5
25	China	10	60	Japan	1
26	Colombia	9	61	Jordan	89
27	Comoros	3	62	Kazakhstan	140
28	Costa Rica	21	63	Kenya	234
29	Cote D'Ivoire (Ivory Cost)	69	64	Kiribati, Rep. of	11
30	Croatia	2	65	Korea	29
31	Cuba	23	66	Kyrgyzstan	57
32	Czech, Republic	2	67	Lao PDR	78
33	Democratic Republic of Congo (Zaire)	45	68	Lebanon	3
34	Djibouti	2	69	Lesotho	31
35	Dominica	2	70	Liberia	42

Sr.No	Country	Total	Sr.No	Country	Total
71	Libya	4	108	Singapore	5
72	Lithuania	17	109	Solomon Islands	25
73	Macedonia	4	110	Somalia	13
74	Madagascar	69	111	South Africa	104
75	Malawi	159	112	South Sudan	20
76	Malaysia	231	113	Sri Lanka	690
77	Maldives	80	114	St. Kitts & Nevis (WI)	3
78	Mali	42	115	St. Lucia (WI)	9
79	Malta	5	116	St. Vincent (WI)	4
80	Mauritius	254	117	Sudan	381
81	Mexico	22	118	Suriname	23
82	Mongolia	76	119	Swaziland	27
83	Morocco	25	120	Syrian Arab Rep.	172
84	Mozambique	17	121	Tajikistan	105
85	Myanmar	349	122	Tanzania	387
86	Namibia	39	123	Thailand	172
87	Nepal	173	124	Tibet	16
88	Nicaragua	10	125	Timor Leste	3
89	Niger	73	126	Togo	17
90	Nigeria	352	127	Tonga	7
91	Oman	119	128	Trinidad & Tobago	28
92	Pakistan	19	129	Tunisia	35
93	Palestine	27	130	Turkey	20
94	Panama	11	131	Turkmenistan	13
95	Papua New Guinea	47	132	Tuvalu	1
96	Paraguay	4	133	Uganda	378
97	Peru	12	134	United Arab Emirates	1
98	Philippines, The	251	135	Ukraine	6
99	Poland	4	136	USA	15
100	Romania	3	137	Uzbekistan	156
101	Russia	95	138	Vanuatu	2
102	Rwanda	12	139	Venezuela	5
103	Samoa	12	140	Vietnam	137
104	Saudi Arabia	2	141	Yemen	131
105	Senegal	36	142	Zambia	233
106	Seychelles	18	143	Zimbabwe	217
107	Sierra Leone	118	**Grand Total**		**10623**

Major Milestones

1964	Conducted a Pioneering Research Study in Achievement Motivation in association with Prof. David McClelland when conducting the Kakinada Experiment
1967	First International Training Programme in Small and Medium-Sized Enterprises (SME) Development
1971	Established an Information Centre, the Small Enterprises National Documentation Centre (SENDOC)
1974	Assisted the Tanzanian Government in establishing Small Industries Development Organization (SIDO)
1979	Established a Branch Regional Centre at Guwahati
2001	Techno-economic feasibility studies in Textiles and Handicrafts Sector of Arunachal Pradesh
2002	Achieved self–sufficiency
2003	Study on identification of projects for specific resource base in North Eastern Region Vision document for empowering women in Mauritius
2004	Project profiles on SMEs for Mauritius
2000-07	B2B Transactions with Uganda, Namibia, South Africa, Bhutan, Nigeria, Sudan, Cameroon and Ghana
2004-07	Hand-holding, monitoring, implementation of MSME Clusters
2006-08	International programmes for Bank of Ghana
	Hand-holding of Scheme of Fund for Regeneration of Traditional Industries (SFURTI), Handlooms, Handicrafts Clusters
2008	National workshop on MSME Cluster Development conducted in New Delhi
	Outreach programme for African women executives as a fore-runner to the India-Africa Forum Summit
2008-15	Evaluation study of ongoing schemes of NBCFDC in different States
2008-09	International programmes for Bangladesh Small & Cottage Industries Corporation (BSCIC)
2009-10	Establishment of Intellectual Property Rights Facilitation Centre (IPFC)
	Programmes under ATI Scheme sponsored by Ministry of MSME
	Execution of research studies sponsored by the MHUPA, GoI
2010-11	Establishment of Resource Centre for Traditional Paintings in Handicrafts
2012-13	Skill Up-gradation Training Programmes for Registered Building & Other Construction Workers
	International Training Programmes on Food Processing for Africans under India-Africa Forum Summit
2013-14	NIFTEM Programmes
	Celebrated Golden Jubilee
	Evaluation of the Scheme Export Promotion (Training Programmes on Packaging for Exports) sponsored by the DC-MSME

2015-16	Entrepreneurship Training for Retiring Soldiers (Defence Personnel) and Resettlement Training on Supply Chain Management (SCM) for JCOs/OR (at AOC Centre, Hyderabad)
	Entrepreneurship/Career Oriented Training on Solar Energy
	Capacity Building of Women Entrepreneurs/Farmers of Bangladesh in Floriculture
	Training of Trainers on Non-Tariff Barriers (NTB) and Non-Tariff Measures (NTM) Environment in SAARC countries at Colombo, Srilanka, Dhaka, Bangladesh, Bhutan and Nepal
2016-17	Established Livelihood Business Incubation (LBI)
	Established GST (Goods & Services Tax) Cell
2017-18	Established Post Graduation Diploma in Entrepreneurship and Enterprise Development (PG-DEED) Cell
	Established Entrepreneurship Development (ED) Cell
	Training for SC/ST candidates
2018-19	A flagship long term Post Graduate Diploma in Entrepreneurship and Enterprise Development (PG-DEED)
	Residential Training Programme for educated SC Youth Sponsored by Telangana Schedule Castes Co-operative Development Corporation Ltd. (TSCCDCL) Govt. of Telangana
	ni-msme has successfully intervened and developed nearly 125 clusters
	First time applied for a Patent named “DISHA” on finding Vocational Interests for the underprivileged youth.
	Agro based entrepreneurship development programme for Agriculture Graduates under IDP Scheme sponsored by World Bank
2019-20	Collaboration with Danish Consortium for Academic Craftsmanship (DCAC)
	MoU with Central Institute of Plastics Engineering & Technology (CIPET)
	Strategic tie-up with premier institutions viz IIM, Trichy & IIFT, Kolkata
	National Cash Transfer Office (NCTO) Federal Government of Nigeria, Training and Intervention for the Government Officials under the funding of Save the Children International
2020-21	Online International Executive Programm
	Online Extrepreneurship & Skill Development Programms through Learning Management System (LMS)
	Series of Webinars

National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (ni-msme)

Financials Report

M.V.NARAYANA REDDY & CO.,
CHARTERED ACCOUNTANTS
✆ : 040-2374 3975
040-2374 4448

INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To the Members of
National Institute of Micro, Small and Medium Enterprises

Report on the Audit of Financial Statements

Opinion

We have audited the accompanying financial statements of National Institute of Micro, Small and Medium Enterprises (NI-MSME) ("the Institution"), which comprise the Balance Sheet as at 31st March 2021, and the Statement of Income & Expenditure and Receipts & Payments for the year then ended and notes to the financial statements, including a summary of the significant accounting policies and other explanatory information (herein after referred to as "Financial Statements").

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

a. in case of Balance Sheet, of the state of affairs of the Institution as at 31st March, 2021

b. in case of Income and Expenditure Statement, of Excess of expenditure over income for the year ended on that date.

c. in case of Receipts and payments Statement, of the receipts and payments for the year ended on that date.

Basis of Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Institute in accordance with the Code of Ethics issued by the ICAI together with the ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Management's Responsibility for the Financial Statements

The Institution's Management is responsible with respect to the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position and financial performance of the Institute in accordance with the Accounting principles generally accepted in India, including the accounting standards issued by ICAI. This responsibility also includes the maintenance of adequate accounting records for safeguarding the assets of the Institute and for preventing and detecting the frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgment and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the entity's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the entity or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS

Flat No. 504, Vijaya Sree Apartments, D.No. 8-3-941, Ameerpet, Hyderabad-500 073.
E-mail : reddymv_ca@yahoo.com

Those charged with governance are responsible for overseeing the entity's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.

Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of the entity's internal controls.

Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.

Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Institute's ability to continue as a going concern.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

We further report that:

a. We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit;

b. In our opinion, proper books of account as required by act have been kept by the Institution so far as it appears from our examination of those books;

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS HYDERABAD

c. The Balance Sheet, and the Statement of Income & Expenditure and Receipts & Payments dealt with by this Report are in agreement with the books of account;

d. In our opinion, the aforesaid financial statements comply with the Accounting Standards.

For **M V Narayana Reddy & Co.,**
Chartered Accountants
Firm Registration No: 002370S

Y Subba Rami Reddy
Partner
Membership No:218248

UDIN: 21218248AAAAMC5186

Place: Hyderabad
Date : 22nd June, 2021

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045
BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2021

(Amount in Rs)

DESCRIPTION	Schedule	2020-21	2019-20
CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES:			
Corpus / Capital Fund	1	405,273,676	423,561,217
Reserves And Surplus	2	65,900,113	78,462,077
Earmarked / Endowment Funds	3	116,322,958	233,314,905
Current Liabilities And Provisions	4	107,385,762	108,027,632
TOTAL		**694,882,509**	**843,365,831**
ASSETS:			
Fixed Assets	5	73,877,071	78,887,144
Cash & Bank Balances	6	470,765,383	583,716,639
Current Assets, Loans, Advances	7	150,240,054	180,762,048
TOTAL		**694,882,508**	**843,365,831**
Significant Accounting Policies	16		
Notes to Accounts	17		

As per our report of even date attached

For M V Narayana Reddy & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. 002370S

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS HYDERABAD

Y Subba Rami Reddy
Partner
Membership No: 218248

Place: Hyderabad
Date: 22nd June, 2021

For and on behalf of National Institute of Micro, Small and Medium Enterprises

S. Glory Swarupa
Director General

महानिदेशक
DIRECTOR GENERAL
निम्समे/NI-MSME
(सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय का संगठन भारत सरकार)
(An Orgn. of the Ministry of MSME Govt. of India)
युसुफगूड़ा, हैदराबाद-५०० ०४५. भारत.
Yousufguda, Hyderabad-500 045. India

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2021

(Amount in Rs)

DESCRIPTION	Schedule	2020-21	2019-20
(A) INCOME			
Grants / Subsidies	8	18,024,880	56,282,680
Fees / Subscriptions	9	32,582,623	55,714,245
Income from Infrastructure facilities	10	3,238,469	3,526,384
Interest Earned	11	28,324,665	25,682,576
Other Income	12	1,193,121	2,244,155
Total (A)		**83,363,757**	**143,450,039**
(B) EXPENDITURE			
Programs and Project costs	13	16,672,072	30,661,448
Establishment Costs	14	58,775,030	67,874,563
Administrative Costs	15	21,194,179	62,114,409
Depreciation		5,010,017	5,836,394
Total (B)		**101,651,299**	**166,486,814**
Net income/ (Expenditure)		(18,287,541)	(23,036,775)
Transfer to Unutilized Grant		-	-
Transfer to Capital Fund		(18,287,541)	(23,036,775)
Significant Accounting Policies	16		
Notes to Accounts	17		

As per our report of even date attached

For M V Narayana Reddy & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. 002370S

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS HYDERABAD

Y Subba Rami Reddy
Partner
Membership No: 218248

Place: Hyderabad
Date: 22nd June, 2021

For and on behalf of National Institute of Micro, Small and Medium Enterprises

S. Glory Swarupa
Director General

महानिदेशक
DIRECTOR GENERAL
निम्समे/NI-MSME
(सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय का संगठन भारत सरकार)
(An Orgn. of the Ministry of MSME Govt. of India)
युसुफगुडा, हैदराबाद-५०० ०४५. भारत.
Yousufguda, Hyderabad-500 045. India

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045

RECEIPTS AND PAYMENTS AS AT 31st MARCH, 2021

(Amount in Rs.)

Receipts		As At 31-03-2021
Opening Balance		233,035,924
BANK ACCOUNTS	233,012,073	
ANDHRA BANK-IGNOU A/C-22389	11,464	
Andhra Bank-RBF A/c	1,157,108	
Andhra Bank Srinagar Colony	76,773,249	
ANDHRA BANK, S.R.NAGAR	54,939	
DENA BANK ,163211031007	350,343	
FDR-IDBI,JUBILEE HILLS	107,000,000	
HDFC Bank A/C	275,082	
IDBI BANK,JUBILEE HILLS BRANCH - A/c No.44758	719,535	
Indian Bank - A/c No.6267477511	2,029,500	
SBI,BALKAMPET C A/C.30760656383	4,449,535	
SBI,BALKAMPET SB A/C .31101015388	38,327,504	
SBI YELLA REDDY GUDA C A/C. 10276211377	27,032	
SBI YELLA REDDY GUDA SB A/C. 10276217992	1,297,387	
Yes Bank A/c - A/c No.51994600000495	539,396	
Cash-in-hand	23,851	
Earmarked Endowment Funds		38,916,300
Unspent Grants	38,916,300	
Current Liabilities		36,108,491
GRANTS FOR ATI BUILDINGS	31,688,333	
DUTIES & TAXES	42,120	
Output CGST 20-21	21,060	
OUTPUT SGST 20-21	21,060	
PROVISIONS	1,274,774	
Consultants Remuneration Payable	264,306	
GST on TDS	127,052	
HRA & Other Allowances	5,861	
Mr- Land Scaping Payable	640	
SALARIES PAYBLE TO EMPLOYEES	63,650	
TDS on Professionals	321,000	
STAFF DEDUCTIONS	492,265	
CPF OF NISIET TRUST	420,000	
Group Insurance	71,265	
Union	1,000	
SUNDRY CREDITORS	560,264	
Amazon	6,140	
Devkripa Enterprises	22,727	
Indian Institute of Packaging	123,502	
Sage Publications India Private Ltd	81,294	
SRI SAI POWERCONTROLS	23,600	
Sujata Rupner,AA	300,000	
Faculties	3,000	
CURENT LIABILITIES & PROVISIONS	2,543,000	
EMD//SECURITY DEPOSIT	2,110,000	
EMD-Security Deposit- ATI	138,000	
Security Deposit Repayable	295,000	
Current Assets		364,298,683
Direct Incomes		46,402,349
FEES & SUBSCRIPTIONS	21,847,469	
Export-Import Logistics & International Trade	8,850	
NCFSE Fire & Safety Management (P) Ltd	203,999	
CONSULTANCY-OTHER PROJECTS	84,600	
IPFC-APPLICATION FEE	74,100	
INTELLECTUAL PROPERTY FACILITATION CENT	10,500	
INTERNATIONAL PROGRAMMES	4,270	
IPFC FEE	5,000	
NATIONAL SPONSORED GENERAL PROGRAMMES	21,529,375	
NSG - Guest Faculty Honorarium	3,000	
NATIONAL SPONSORED PROGRAMMES	21,526,375	
SEMINARS AND WORK SHOP	11,375	
SW - KVIC-Work Shop Expenses	9,125	
SEMINAR & WORKSHOPS-J K R	2,250	
Grants & Subsidies	24,554,880	
Indirect Incomes		11,585,328
INTEREST EARNED	11,390,669	
INTERESST ON FDRS AB SRNAGAR	1,145	
InterestonFDR AB Srinagar	327,646	
INTERESTONfdr-Idbi	1,103,860	
Interest on FDR-SBI	638,132	
Interest on KVB FDR	488,680	
Interest on SB Accounts	690,576	
Interest Received on FDR-Indian Bank	6,774,347	
INTEREST RECEIVED ON RBFC FDR	637,475	
Interest Received on Yes Bank	728,808	
OTHER INCOME	194,659	

Payments		As At 31-03-2021
Capital Account		6,200,000
Corpus Capital Fund	6,200,000	
Current Liabilities		127,480,179
DUTIES & TAXES	371,046	
GST Payable	371,046	
PROVISIONS	71,992,464	
AUDIT FEE PAYBLE	238,836	
Consultants Remuneration Payable	16,056,149	
DCRG Payble	3,001,924	
Dr.Girija Bai	70,670	
EEL Payble	919,971	
ESE-ELECTRICITY CHARGES PAYBLE	1,151,551	
ESE-HOUSEKEEPING PAYBLE	1,700,013	
ESE-MEDICAL EXPENSES PAYBLE	405,928	
GST on TDS	286,060	
HRA & Other Allowances	70,332	
MACP Arrears Payable	31,266	
Mr- Land Scaping Payable	2,647,015	
Out Standing Expenses	5,282,437	
SALARIES PAYBLE TO EMPLOYEES	24,688,789	
TDS on Consultant - Salaries	1,091,313	
TDS on Contractors	167,052	
TDS on GST Deducted From Fee	18,500	
TDS on Professionals	870,980	
STAFF DEDUCTIONS	13,293,678	
CCS	1,306,992	
EPFO	8,940,279	
Group Insurance	126,311	
LIC	902,197	
PLI	5,244	
Professional Tax	170,700	
Recreation Club	5,400	
TDS on Salaries	1,827,605	
Union	8,950	
SUNDRY CREDITORS	53,698,029	
Aakash Industries Limited	128,640	
AC Comforts Solutions	28,140	
Amazon	15,120	
ANAND TOURS & TRAVELS	30,429	
A.S.Graphics	184,333	
Ashwani Kumar Goel Accadamic Dir	63,095	
Asset Intigrated Info Systems	9,364	
ATRIA Convergence	283,116	
Balmer Lawrie &Co.LTD	228,165	
BSNL	344,011	
Dr.Jaya Shetty	20,000	
E-Mudra	16,280	
Garuda Techno Solutions	12,898	
GNTS Graphics	600	
Hotel Sepoy Grande	88,560	
ICICI LOMBARD GENERAL INSURANCE C(	10,127	
IIM TIRUCHIRAPALLI	5,760,406	
Indian Institute of Foreign Trade, Kolkatta	5,050,400	
Indian Institute of Packaging	49,400	
Jagannath Arts	15,812	
Kalyani Communication	444,809	
Kamatham Communications	2,535	
Kapston Facility Management Limited	986,302	
Kohinoor Book Distributor	65,273	
K Prem Swaroop Reddy	3,000	
KRPC ENTERPRISES	564,111	
K.V.Ramana Murthy	236,482	
K.V.S.Cabs	58,666	
Laxmi Sanitation	27,094	
M Gunashekhar NBCFDC	53,810	
Mohana Lakshmi NBCFDC	39,909	
MP Enterprises	2,240	
M/s Cognolabs Systems Pvt Ltd	35,100	
M/s Digitech Peripherals, Hyderabad	1,629,915	
M//s Fireist	28,898	
M/S.JUBILLE HILLS FILLING STATION	47,972	
M/s Koniki Associates	41,625	
M/s Kytes It Services Private Limited	15,561	
M/s LN Outsources Pvt Ltd	925,911	
M/s Photon Enterprises	4,425	
M/S.PRISM HOSPATALITY SERVICES	982,301	

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045

RECEIPTS AND PAYMENTS AS AT 31st MARCH, 2021

(Amount in Rs.)

Receipts		As At 31-03-2021	Payments		As At 31-03-2021
Application Fee for Cluster	5,500		M/s. Sai Krishna Xerox	112,667	
Coir Board Rent	72,000		M/s Sithara Fashions	449,246	
LBI Room Rent	10,000		M/s Siva Sai Communication	29,496	
MISCELLANEOUS INCOME	40,195		M/s Trace Network & Engineering Pvt Ltd.	175,749	
Other Income	66,954		M/s Vishnu & Co	41,625	
RTI APPLICATION FEE	10		Netcare Integrations	46,350	
Indirect Expenses		**10,700,714**	Netstak Infrotech Pvt Ltd	940,953	
Womens Day Celebrations 20-21	100,000		New Praksh Electrail Suppliers	4,983	
ADMINISTRATION EXPENSES	55,819		NICSI	16,987	
Bank Charges	26,318		N Rajeshwara Rao	5,100	
Implimentaion of Official Language (Hindi)	1,325		Pastoral Centre NBCFDC	28,600	
EMD Tender Fees	1,000		Prism Hospitality Services	25,000	
General Expenditure	12,109		Prosys Business Solutions Pvt Ltd	1,069,405	
Postage, Teleophone and Communication	250		Pushpak Beauty Center	142,905	
Printing and Stationary	4,316		Quantum Enterprises	128,502	
Repairs and Maintance	10,000		Rakesh Kumar Pathak	3,000	
Travelling and Conveyance	500		RAMESH.E	21,323	
DIRECT EXPENCES	10,529,500		Ravinder Viswanath Advocate	14,960	
Programme and Project Cost	10,529,500		Sage Publications India Private Ltd	233,000	
ESTABLISHMENT COSTS	15,395		Shanker Metal Handicrafts	4,172	
Allowance and Bonus	770		Shri Om SHiva Sai	19,000	
Expense of Employees Retirement and Terminial Ben	14,625		SILICON BUSINESS SOLUTIONS PVT LTD	4,278,279	
Closing Balance		**30,000**	Singer India Limited	78,570	
BANK ACCOUNTS	30,000		Sree Stationary	2,465	
Andhra Bank Srinagar Colony	30,000		Sri Eshwar Enterprises	765,000	
			Srinivas, NSIC	4,000	
			SRI SAI POWERCONTROLS	23,600	
			Stiker Soft Solution Pvt Ltd	15,930	
			Sujata Rupner,AA	300,000	
			Sus Cotton Cluster, Pune	19,740,000	
			Syed Nisar Mehdi (Photo Grapher)	10,620	
			T Hanumantha Reddy	10,800	
			TUV India Private Limited	25,920	
			Uday News Paper Agent	4,609	
			Vinay Kumar ODOP Consultant	55,950	
			Webex Enterprises Automation	22,727	
			Zenpaq Computers & Peripherals	6,195,000	
			Faculties	116,700	
			CURENT LIABILITIES & PROVISIONS	662,750	
			EMD//SECURITY DEPOSIT	612,750	
			Security Deposit Repayable	50,000	
			OTHER CURRENT LIABILITIES	755,890	
			APEX PROGRAMMES UNDER ATI	755,890	
			Current Assets		**359,018,139**
			Direct Incomes		**305,792**
			FEES & SUBSCRIPTIONS	300,392	
			CONSULTANCY-OTHER PROJECTS	293,000	
			INTELLECTUAL PROPERTY FACILITAT	293,000	
			NATIONAL SPONSORED GENERAL PROGR	1,392	
			NSG - General Expenses	1,392	
			SEMINARS AND WORK SHOP	6,000	
			Fee - Seminars / Workshop	6,000	
			INFRASTRUCTURE FACILITIES	5,400	
			B&L CHARGES RECEIPTS	5,400	
			Indirect Incomes		**2,400**
			SUBSCRIPTION FOR PERIODICALS	2,400	
			Indirect Expenses		**138,873,840**
			MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES	105,000	
			ADMINISTRATION EXPENSES	2,128,675	
			Bank Charges	66,027	
			M/s Kendriya Bhandar	54,054	
			Pooja Expenses	7,400	
			EMD Tender Fees	172,680	
			General Expenditure	76,109	
			Postage, Teleophone and Communication	50,747	
			Rent Rates & Taxes	1,494,634	
			Repairs and Maintance	194,067	
			Travelling and Conveyance	12,958	
			DIRECT EXPENCES	135,746,342	
			ESTABLISHMENT COST	340,769	
			Children Education Fee Payable	275,769	
			STAFF UNIFORM	65,000	
			Programme and Project Cost	135,405,573	
			ESTABLISHMENT COSTS	839,823	
			Insurance	392,558	
			Allowance and Bonus	216,814	
			Expense of Employees Retirement and Terminial	230,451	
			GUEST FACULTY HONORARIUM	54,000	
			A. Yuvaraju GF-0192	1,000	
			B.MALLIKARJUNA GUPTA GF-0176	5,000	
			B Saseendran GF-0182	2,000	
			DHARMENDRA KUMAR SPO,CCMB	1,500	
			Dr Rajanna Neeradi GF-0187	1,000	
			D Zitendra Rao GF-0169	1,000	

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045

RECEIPTS AND PAYMENTS AS AT 31st MARCH, 2021

(Amount in Rs.)

Receipts		As At 31-03-2021	Payments		As At 31-03-2021
			Gaurav Madhu GF-0177	1,000	
			IIP,Hyderabad GF-0172	1,000	
			Joy Joseph GF-0180	2,000	
			Kishore Kumar Jha GF- 0174	1,000	
			L Narasimha Murthy GF-0186	1,000	
			Mahantesh Shirur GF-0191	1,000	
			M Bhujanga Rao GF-0164	1,000	
			M N Reddy (Dir MANAGE)	1,500	
			M Yugandhar Reddy	1,000	
			Nagaraju Mandly GF0168	6,000	
			Nandamuru Nataraj GF-0185	1,000	
			Praveen Kumar GF-0175	2,000	
			Psn Murthy- Gsf- 0100	3,000	
			P S Sampath GF-0171	1,000	
			Rajan T Nair GF-0181	2,000	
			Ramanathan Venkata Krishnan GF-0160	3,000	
			Sagar Deshmukh GF-0190	2,000	
			Saravanan Raj GF-0189	1,000	
			Sijumathew GF-0179	2,000	
			Srinivas Kesavarapu GF-0170	2,000	
			Suresh Devatkal GF-0184	1,000	
			Venkata Reddy Lingam GF-0173	3,000	
			Yamajala Satyanarayana Murty	3,000	
			Closing Balance		109,197,438
			BANK ACCOUNTS	109,122,956	
			FDR-IDBI.JUBILEE HILLS	58,468,327	
			HDFC Bank A/C	283,574	
			IDBI BANK.JUBILEE HILLS BRANCH - A/c N	2,255,898	
			Indian Bank - A/c No.6267477511	1,301,007	
			RBF A/c Union Bank of India - A/c No.0522101	1,159,514	
			SBI,BALKAMPET C A/C.30760656383	36,475,639	
			SBI,BALKAMPET SB A/C .31101015388	5,187,972	
			SBI YELLA REDDY GUDA C A/C. 10276211	26,383	
			SBI YELLA REDDY GUDA SB A/C. 1027621	19,938	
			U B I Srinagar Colony - 054311011101064	2,686,683	
			U B I S R Nagar - A/c No.052210011045	24,829	
			Yes Bank A/c - A/c No.519946000000495	1,233,191	
			Cash-in-hand	74,482	
Total		741,077,788	Total		741,077,788

As per our report of even date attached

For M V Narayana Reddy & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. 002370S

Y Subba Rami Reddy
Partner
Membership No: 218248

Place: Hyderabad
Date: 22nd June, 2021

M.V. NARAYANA REDDY & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
HYDERABAD

For and on behalf of National Institute of Micro, Small and Medium Enterprises

S. Glory Swarupa
Director General

महानिदेशक
DIRECTOR GENERAL
निम्समे/NI-MSME
(सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय का
संगठन भारत सरकार)
(An Orgn. of the Ministry of MSME Govt. of India)
युसुफगूडा, हैदराबाद-५०० ०४५. भारत.
Yousufguda, Hyderabad-500 045. India

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2021

Schedule 1 - Corpus / Capital Fund: (Amount in Rs.)

Particulars	2020-21		2019-20	
Balance as at the beginning of the year	423,561,217		446,597,992	
Add: Transfer from Special Reserve	-		-	
Add: Transfer from Unspent Grant (SFURTI)	-		-	
Add: Transfer from General Reserve	-		-	
Less: Current Year Loss	(18,287,541)		(23,036,775)	
Balance as at the year - End		405,273,676		423,561,217

Schedule 2(A) - Reserves And Surplus:

Particulars	2020-21		2019-20	
1. Capital Reserve (Grant-Land)	9,292,139		9,292,139	
Add:LBI Plant & Machinery	-		-	
		9,292,139		**9,292,139**
2. Special Reserves:	-		-	
Less: Transfer to Capital Fund	-		-	
		-		-
3. General Reserve:	-		-	
Add: Net Surplus for the year	-		-	
Total	-		-	
Less: Transfer to Capital Fund	-	-	-	-
Total - 2(A)		**9,292,139**		**9,292,139**

Schedule 2(B) - Capital Grants:

Particulars	2020-21		2019-20	
M/o MSME, Infrastructure	69,169,938		31,860,000	
Less: Civil works in progress for ATI Building	(44,250,297)		(1,057,862)	
Add: Grant From ATI Buildings	31,688,333		38,367,800	
Total - 2(B)		56,607,974		69,169,938
Total - 2		65,900,113		78,462,077

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS HYDERABAD

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2021

Schedule 3- Earmarked/Endowment Funds:

Particulars	2020-21		2019-20	
Unutilised Grants				
Govt. of AP for Herbal Nursery	442,448		442,448	
DST for Faculty Development programs	175,000		175,000	
M/o MSME (SFURTI)	90,055,510		207,047,457	
M/o Minority Affairs (MANAS)	25,650,000		25,650,000	
Total		**116,322,958**		**233,314,905**

Schedule 4 - Current Liabilities And Provisions:

Particulars	2020-21		2019-20	
A. Current Liabilities				
Other current liabilities	71,012,501		68,567,234	
Total (A)		**71,012,501**		**68,567,234**
B. Provisions:				
1. Gratuity opening balance	20,009,669		20,009,669	
Add: Provision for the year	3,001,924		4,912,045	
Less: paid to RBFC	3,001,924	20,009,669	4,912,046	20,009,669
2. Earned Leave Encasement Opening Balance	13,162,944		13,162,944	
Add: Provision for the year	1,068,080		2,928,933	
Less: paid to RBFC	919,971	13,311,053	2,928,933	13,162,944
3. Other Provisions	3,052,540	3,052,540	4,796,019	4,796,019
Duties & Taxes				
Output CGST	-		14,932	
Output IGST	-		1,839,908	
Output SGST	-	-	(363,073)	1,491,767
Total B		**36,373,262**		39,460,399
Total (A+B)		**107,385,762**		**108,027,632**

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS * HYDERABAD *

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2021

Schedule 6 - Cash And Cash Equivalents:

Particulars	2020-21		2019-20	
A. Fixed Deposits	361,597,945	**361,597,945**	457,682,149	**457,682,149**
B. Bank Balances				
Current Accounts:	99,970,343		85,559,806	
Savings Accounts:	9,122,613		40,450,833	
Total B		**109,092,956**		**126,010,639**
C. Cash Balances	74,482	**74,482**	23,851	**23,851**
Total (A+B+C)		**470,765,383**		**583,716,639**

Schedule 7 - Current Assets -Loans And Advances:

Particulars	2020-21		2019-20	
A. Sundry Debtors (Others)	17,655,567	**17,655,567**	45,276,441	**45,276,441**
B. Grant Receivables	82,258,545	**82,258,545**	97,893,554	**97,893,554**
C. Loans/Advances And Other Assets				
1. Loans				
LTC Advances	57,622		31,317	
Festival Advances	10,885		12,150	
		68,507		**43,467**
2. Advances				
Program Advances	845,897		692,985	
Study Tour Advances	39,774		201,399	
Temporary Advances	381,035		521,573	
Tour Advances	277,325		275,141	
EPF Loans	80,529		327,291	
Advance for ATI Building Construction	18,646,546			
		20,271,106		**2,018,389**
3. Deposits				
Deposit with Service tax Tribunal	17,890,911		17,890,911	
Deposit for Court Appeals	318,525		318,525	
Deposit (for Tenders)	710,000		610,000	
AP Transco	652,235		652,235	
Telephones	43,481		43,481	
Water works	33,186		33,186	
		19,648,338		**19,548,338**

M.V. NARAYANA REDDY & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
HYDERABAD

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2021

4. Accrued Interest				
i) on Investments	1,237,996		234,522	
ii) others	-	**1,237,996**	-	**234,522**
5. Others				
TDS Receivable	4,493,425		1,650,114	
Income tax Refund Receivable	4,606,571		14,016,717	
TDS Receivable On GST	-		30,948	
		9,099,996		**15,697,779**
6. Prepaid Expenditure				
Insurance	-	-	49,559	**49,559**
Total		**150,240,054**		**180,762,048**

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS HYDERABAD

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045

SCHEDULE FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR YEAR ENDED 31.03.2021

Schedule 8 - Grants/Subsidies:

Particulars	2020-21		2019-20	
(Irrevocable Grants & Subsides Received)				
1) Central Government	18,024,880		56,282,680	
2) State Government (s)	-		-	
4) Government Agencies/Ministry/Depts., State Depts..	-		-	
Total		18,024,880		56,282,680

Schedule 9 - Fees/Subscriptions:

Particulars	2020-21		2019-20	
Annual Fee /Subscriptions	-		664,966	
National Announced Programs	547,713		3,030,386	
National Sponsored programs	27,186,859		36,948,232	
Collaborative programs	-		12,545,517	
Seminar and Workshops	-		733,881	
IPFC Membership & Filling Fee	181,000		142,880	
Application fee For PG Deed	-		6,183	
Export-Import Logistics & International Trade	8,850		-	
Consultant Other Projects	2,860,400			
Fee- IT Programmes	434,838			
NCFSC Fire & Safety Management	203,999			
ODOP Consultant project	-		1,642,200	
Fee from Webinar Programmes	347,582			
Fee International Announced	811,382		-	
Total		32,582,623		55,714,245

Schedule 10 - Infrastructure Facilities:

Particulars	2020-21		2019-20	
Boarding & Lording Receipt	3,238,469		3,526,384	
Total		3,238,469		3,526,384

Schedule 11 - Interest Earned:

Particulars	2020-21		2019-20	
1) On Deposits with scheduled Banks:				
a) Term deposits	27,634,089		25,477,651	
b) Savings Account	690,576		204,925	
Total		28,324,665		25,682,576

M. V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS HYDERABAD

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045

SCHEDULE FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR YEAR ENDED 31.03.2021

Schedule 12 - Other Income:

Particulars	2020-21		2019-20	
License Fee	54,860		62,244	
Interest on income tax refund	-		1,069,502	
Rental Income	53,740		68,000	
Other Income	1,084,521		1,025,009	
Miscellaneous Income	-		19,400	
Water Electricity Receivables	-		-	
Total		**1,193,121**		**2,244,155**

Schedule 13 - Programmes And Project Costs:

Particulars	2020-21		2019-20	
National Announced programs	694,810		913,362	
National Sponsored programs	15,853,341		7,561,673	
International programs	-		21,239,267	
Seminar and Workshops	110,457		15,750	
Consultancy project	13,464		931,396	
Total		**16,672,072**		**30,661,448**

Schedule 14 - Establishment Costs:

Particulars	2020-21		2019-20	
a) Salaries and Wages	49,700,536		48,676,465	
b) Allowances and Bonus	1,236,067		5,947,233	
c) Contribution to Provident Fund	3,082,713		5,095,724	
d) Staff Welfare Expenses	469,885		381,663	
e) Expenses on Employees Retirement and Terminal Benefits	4,285,830		7,773,478	
Total		**58,775,030**		**67,874,563**

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS * HYDERABAD *

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045

SCHEDULE FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR YEAR ENDED 31.03.2021

Schedule 15 - Administrative Costs:

Particulars	2020-21		2019-20	
Advertisement and Publicity	432,213		879,497	
Tender Documents Purchase	-		7,000	
Electricity and power	1,083,605		3,228,888	
Water charges	4,786,757		5,142,583	
Emd Tender Fee	176,680		110,000	
Repairs and maintenance	5,346,620		5,168,749	
Rent, Rates and Taxes	1,492,290		6,646,838	
Vehicles Running and Maintenance	165,568		2,100,508	
Postage, Telephone and Communication Costs	571,232		1,132,449	
Printing and Stationary	571,439		2,067,554	
Photos and Video charges	204,558			
Pooja Expenses	7,400		14,900	
Travelling and Conveyance	123,398		4,313,797	
ISO Certificate charges	99,000		349,933	
Expenses on Fees (SENDOC)	250,116		1,246,631	
Professional Fees	227,231		389,806	
NATIONAL SC ST HUB	-		9,161,700	
ODOP Project Exp	-		87,039	
Dcac Expenses	-		45,040	
Statutory Audit fee	35,000		45,000	
Hospitality Expenses	2,737,191		12,001,766	
Business Development Expenses	292,848		2,019,797	
Security Services	1,834,720		2,062,193	
Website Development Expenses	32,500		255,439	
Insurance	-		182,957	
Bank Charges	39,839		57,319	
MSME International Day Expenses	-		2,887,930	
General Expenses	219,791		5,328	
Others: Legal expenses	99,110		-	
Implementation of Official language (Hindi)	365,074		398,866	
EC/GC/Society meeting Expenses	-		104,903	
Total		**21,194,179**		**62,114,409**

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS * HYDERABAD *

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2021

Schedule 5(a) - FIXED ASSETS

(Amounts in Rs.)

Particulars	GROSS BLOCK				Adjusted upto 31.03.2020 on account of				NET BLOCK	
	As on 01.04.2020	Additions	Sale/Adj.	As on 31.03.2021	Grant	As on 31.03.2020	Capital Fund	Total	As on 31.03.2021	As on 31.03.2020
Non-Plan										
1. Land	783,139	-	-	783,139	-	-	-	-	783,139	1
2.Internal Roads	332,011	-	-	332,011	-	-	332,010	332,010	1	1
3.Buildings	1,834,158	-	-	1,834,158	-	1,830,168	3,990	1,834,157	1	1
4.Furniture & Fixtures	874,630	-	-	874,630	-	868,334	6,295	874,629	1	1
5.Plant, Machinery & Equipment	2,633,254	-	-	2,633,254	-	2,627,307	5,943	2,633,250	4	4
6.Books & Periodicals	2,719,188	-	-	2,719,188	-	2,407,245	311,942	2,719,187	1	1
7.Transport-Motor Vehicles	115,069	-	-	115,069	-	104,813	10,255	115,068	1	1
9. Sundry Assets	41,276	-	-	41,276	-	41,273	-	41,273	3	3
Total Non-Plan	**9,332,725**	-	-	**9,332,725**	-	**7,879,140**	**670,435**	**8,549,574**	**783,151**	**783,151**
Plan										
1.Furniture & Fixtures	1,355,769	-	-	1,355,769	-	1,327,796	27,970	1,355,766	3	3
2.Plant, M/c & Equipment	5,768,383	-	-	5,768,383	-	5,468,970	299,406	5,768,376	7	7
3. Books & Peridicals	7,887,528	-	-	7,887,528	-	6,416,973	1,470,553	7,887,526	2	2
4.Buildings	12,207,513	-	-	12,207,513	-	5,015,332	7,192,166	12,207,498	15	15
5.Wells	86,220	-	-	86,220	-	86,220	-	86,218	2	2
6.Tennis Court	15,922	-	-	15,922	-	7,031	8,890	15,921	1	1
7.Electric Installations	238,492	-	-	238,492	-	238,488	-	238,488	4	4
Total Plan	**27,559,827**	-	-	**27,559,827**	-	**18,560,810**	**8,998,985**	**27,559,793**	**34**	**34**
Total Non-Plan & Plan	**36,892,552**	-	-	**36,892,552**	-	**26,439,950**	**9,669,420**	**36,109,367**	**783,185**	**783,185**

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS HYDERABAD

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2021

(Amounts in Rs.

FIXED ASSETS 5(b) - FIXED ASSETS

Name of the Asset	Gross Block					Depreciation			Total	Capital Fund	Adjustment on account of				Total (9+10+13)	Net Block as on 31.3.2021	Net Block as on 31.3.2020
	As on 1.04.2020	Additions upto 30.9.2020	Additions after 30.9.2020	Sale/ Adjustment	Total as on 31.03.2021	As on 1.4.20	For the Year	Adjust ment			Grants						
											Upto 31.3.20	For 2020-21	Adjus tment	Total			
(1)	(2)	(3)		(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(10)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
Modernisation of ni-msme																	
Buildings	22,678,710	-	-	-	22,678,710	1,213,012	83,743		1,296,755	18,115,993	-			-	19,412,748	3,265,962	3,349,705
A Block	282,377	-	-	-	282,377	98,291	4,602		102,893	-	-	-	-	-	102,893	179,484	184,086
B Block	8,039,079	-	-	-	8,039,079	590,263	145,019		735,281	1,648,067	-			-	2,383,348	5,655,731	5,800,749
C Block	4,195,945	-	-	-	4,195,945	216,976	18,407		235,383	742,686	2,500,000			2,500,000	3,478,069	717,876	736,283
DEF Block (Gr.Floor)	20,347,745	-	-	-	20,347,745	242,903	0		242,903	20,104,841	-			-	20,347,744	-	1
DEF Block (addl.floor)	33,560,307	-	-	-	33,560,307	12,288	1,200		13,488	-	33,500,000			33,500,000	33,513,488	46,819	48,019
Security Block	509,207	-	-	-	509,207	8,505	0		8,505	500,701	-			-	509,206	-	1
Training Building	38,225,437	-	-	-	38,225,437	2,136,677	115,635		2,252,313	14,270,000	17,193,356			17,193,356	33,715,669	4,509,768	4,625,404
Staff Quarters	922,784	-	-	-	922,784	177,437	14,739		192,176	59,508	96,260			96,260	347,944	574,840	589,579
VIP Guest House	84,032	-	-	-	84,032	1,050	0		1,050	82,981	-			-	84,031	-	1
SENDOC Building	2,521,117	-	-	-	2,521,117	167,777	10,716		178,493	1,777,664	147,044			147,044	2,103,201	417,916	428,632
Ducts & Drains	358,222	-	-	-	358,222	4,478	-		4,478	353,743	-			-	358,221	-	1
Borewell/Pumpset	665,687	-	-	-	665,687	111,333	12,511		123,844	53,921	-			-	177,765	487,922	500,433
External Drainage	2,266,376	-	-	-	2,266,376	1,875	-		1,875	512,281	-			-	514,156	1,752,220	1,752,220
Internal Roads	7,005,214	-	-	-	7,005,214	-	-		-	3,171,750	2,308,000			2,308,000	5,479,750	1,525,464	1,525,464
Infrastructure	3,546,465	-	-	-	3,546,465	-	-		-	1,158,784	-			-	1,158,784	2,387,681	2,387,681
Landscaping	4,430,730	-	-	-	4,430,730	811,116	39,637		850,753	2,034,143	-			-	2,884,896	1,545,834	1,585,471
Furniture & Fixtures	8,642,344	-	-	-	8,642,344	2,303,777	149,852		2,453,629	2,740,825	2,099,222			2,099,222	7,293,676	1,348,668	1,498,520
Electric Sub-Station	8,286,287	-	-	-	8,286,287	791,363	447		791,810	7,420,314	56,728			56,728	8,268,852	17,435	17,882
Equipment	12,192,384				12,192,384	4,828,647	764,872		5,593,519	2,264,590				-	7,858,109	4,334,275	5,099,147
Hostel Equipment	3,604,917	-	-	-	3,604,917	1,472,022	121,846		1,593,868	738,269	582,320			582,320	2,914,457	690,460	812,306
Garden Equipment	116,666	-	-	-	116,666	79,066	5,321		84,387	2,129				-	86,516	30,150	35,471
Auditorium	51,000	-	-	-	51,000	10,821	-		10,821	40,178				-	50,999	-	1
Canteen Facilities	644,135	-	-	-	644,135	293,561	26,031		319,592	90,267				-	409,859	234,276	260,307
A.V. Equipment	712,600	-	-	-	712,600	230,724	-		230,724	481,875				-	712,599	-	1
Solar System	6,490,736	-	-	-	6,490,736	1,583,544	605,862		2,189,406	868,109				-	3,057,515	3,433,220	4,039,083
Air Conditioners	11,190,023	-	36,433	-	11,226,456	3,988,535	809,712		4,798,247	417,497	1,385,912	36,433		1,422,345	6,638,088	4,588,317	5,398,079
EPABX	1,578,830	-	-	-	1,578,830	71,667	9		71,676	1,507,101				-	1,578,777	53	62
DEF I Floor	14,118,447	-		-	14,118,447	645,670	33,905		679,575	8,223,407	3,893,179			3,893,179	12,796,161	1,322,286	1,356,191
Compound Wall	4,555,069	-	-	-	4,555,069	35,645	5,016		40,661	4,318,791				-	4,359,452	195,617	200,633
Diamond chain fencing	15,562,905	-	-	-	15,562,905	1,115,046	361,196		1,476,243					-	1,476,243	14,086,662	14,447,859
Dining Halls	15,756,180	-	-	-	15,756,180	1,297,462	216,986		1,514,448	5,779,270				-	7,293,718	8,462,462	8,679,448
CRMA Project	63,960	-	-	-	63,960	-	-		-	-	63,960			63,960	63,960	-	-
RCTP Project	532,802	-	-	-	532,802	-	-		-	-	532,802			532,802	532,802	-	-
Gymnasium	543,428	-	-	-	543,428	16,795	4,536		21,331	-	345,195			345,195	366,526	176,902	181,438
LBI- Plant & Machinary	8,128,427	-	-	-	8,128,427	3,507,672	693,113		4,200,785	-	-			-	4,200,785	3,927,642	4,620,755
Poly Green House	459,946	-	-	-	459,946	-	-		-	-	459,946			459,946	459,946	-	-
Football Court	387,893	-	-	-	387,893	63,562	8,108		71,670	-	-			-	71,670	316,223	324,331
Motor vehicle	944,111	-	-	-	944,111	641,451	45,399		686,850					-	686,850	257,261	302,660
Water plant	515,840	-	-	-	515,840	226,207	28,963		255,170					-	255,170	260,670	289,633
Parking shed&walk way	4,312,305	-	-	-	4,312,305	568,349	93,599		661,948					-	661,948	3,650,357	3,743,956
TOTAL	269,030,669	-	36,433	-	269,067,102	29,565,567	4,420,983	-	33,986,550	99,479,685	65,163,924	36,433	-	65,200,357	198,666,592	70,400,455	74,821,494

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2021

Name of the Asset	Gross Block					Depreciation			Total as on 31.03.2021	Capital Fund	Adjustment on account of Grants				Total (9+10+13)	Net Block as on 31.3.2021	Net Block as on 31.3.2020
	As on 1.04.2020	Additions upto 30.9.2020	Additions after 30.9.2020	Sale/ Adjustment	Total as on 31.03.2021	As on 1.4.20	For the Year	Adjust ment			Upto 31.3.20	For 2019-20	Adjus tment	Total			
(1)	(2)	(3)		(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(10)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
Upgradation of SENDOC																	
Equipment	3,331,751	854,231	3,581,480		7,767,461	1,293,145	6,034		1,299,179	1,531,420	466,959	4,435,710		4,902,669	7,733,269	34,193	40,227
Fur. & Fix.	792,299				792,299	209,377	7,155		216,533	218,821	292,547	-		292,547	727,901	64,398	71,554
Telephone/ Telex	116,597				116,597	49,074	0		49,074	67,522	-	-		-	116,596	-	1
Borewell	438,588				438,588	-	50,918		50,918	99,138	-	-		-	150,056	288,533	339,450
Books	5,058,628				5,058,628	717,329	32,932		750,260	2,645,334	1,256,878	-		1,256,878	4,652,472	406,156	439,087
Periodicals	3,895,144				3,895,144	1,048,452	64,119		1,112,570	843,758	1,148,019	-		1,148,019	3,104,347	790,797	854,915
Computers	21,156,828	5,355,085			26,511,913	13,978,515	332,144		14,310,659	3,266,334	3,081,619	5,355,085		8,436,704	26,013,697	498,216	830,361
Computers Upgradation	1,088,929				1,088,929	821,958	8,345		830,303	79,136	166,973	-		166,973	1,076,412	12,517	20,862
Printers for Computers	438,103				438,103	351,856	8,510		360,365	19,754	45,219	-		45,219	425,338	12,765	21,274
Computer Tables	551,959				551,959	281,792	14,398		296,191	126,182	-	-		-	422,373	129,586	143,984
Computer Software	2,304,307				2,304,307	1,484,361	5,558		1,489,919	584,771	221,280	-		221,280	2,295,970	8,337	13,895
Electronic Publications	1,925,915				1,925,915	-	-		-	917,165	1,008,750	-		1,008,750	1,925,915	-	-
Servers	1,467,391	1,381,284			2,848,675	290,896	6,198		297,094	1,080,200	80,800	1,381,284		1,462,084	2,839,378	9,297	15,495
Networking	2,169,294				2,169,294	1,294,390	52,723		1,347,113	322,502	420,595	-		420,595	2,090,210	79,085	131,808
Website	389,118				389,118	-	-		-	352,443	36,675	-		36,675	389,118	-	-
Consumables	743,579				743,579	154,766	-		154,766	243,925	344,888	-		344,888	743,579	-	-
Bar Coding	59,500				59,500	-	-		-	59,500	-	-		-	59,500	-	-
Bandwidth	1,388,009				1,388,009	555,227	-		555,227	-	832,782	-		832,782	1,388,009	-	-
TOTAL	**47,315,939**	**7,590,599**	**3,581,480**		**58,488,018**	**22,531,136**	**589,034**		**23,120,170**	**12,457,905**	**9,403,984**	**11,172,079**		**20,576,063**	**56,154,138**	**2,333,879**	**2,922,913**
Schedule 5(a) Total	36,892,552	-	-		36,892,552	26,439,950	-	-	26,439,950	9,669,420	-	-		-	36,109,370	783,185	783,185
GRAND TOTAL	353,239,161	7,590,599	3,617,912	-	364,447,672	78,536,653	5,010,017	-	83,546,670	121,607,010	74,567,908	11,208,512	-	85,776,420	290,930,100	73,517,519	78,527,591
Works-in-progress:									-								
SME University-PE	359,552			-	359,552	-	-		-	-	-	-	-	-	-	359,552	359,552
ATI Building WIP	-	-	33,041,787	-	33,041,787	-	-	-	-	-	-	33,041,787	-	33,041,787	33,041,787	-	-
Total WIP	359,552	-	33,041,787	-	33,401,339	-	-	-	-	-	-	33,041,787	-	33,041,787	33,041,787	359,552	359,552
GRAND TOTAL	353,598,713	7,590,599	36,659,699	-	397,849,011	78,536,653	5,010,017	-	83,546,670	121,607,010	74,567,908	44,250,299	-	118,818,207	323,971,887	73,877,071	78,887,143

M.V. NARAYANA REDDY & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
HYDERABAD

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045

SCHEDULE - 16
Significant Accounting Policies

1 **Method of Accounting:**
The Financial Statements are prepared on the basis of Generally Accepted Accounting Principles in India and the Institute adheres to the accrual system of Accounting system of Accounting on a consistent basis.

2 **Fixed Assets:**
Fixed assets are stated at Cost of acquisition inclusive of transportation and incidental costs, duties and taxes and expenses relating to installation thereof.

3 **Depreciation:**
A. Buildings and Books / Periodicals are subject to Depreciation on their Written Down Values at the rates prescribed under CPWD Rules.

B. All other Assets are subject to Depreciation at the rates and in the manner provided under Rule 5 of the Income Tax Rules.

4 **Government Grants:**
Project and Programme Grants are recognized as revenue and the application thereof are treated as spendings in the year to which they relate, and Unutilised grants are recognized and accounted for as such, as on the last day of the accounting year.

5 **Provision for Taxation:**
The Institute is a Registered Society under the Provisions of Section 12AA of the Income tax (Exemptions), Hyderabad, w.e.f 8th June 2007, and is not subject to Income Tax in respect of its Net Surplus for the year.

M.V. NARAYANA REDDY & CO. * HYDERABAD * CHARTERED ACCOUNTANTS

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045
SCHEDULE - 17
NOTES TO ACCOUNTS

1 **GOVERNMENT GRANTS:**

During the year under review, the Institute has received Project and Programme Grants from the Ministry of MSME as well as other Ministries of the Central Government .Details of such Grants received, expended and the unutilized amounts as of 31.03.2021 are summarized as under:-

S.No.	Particulars	Amount
a.	Aggregate Projects/ Programme Grants received from the Ministry of MSME	88,081,013
	Less: Amount spent during the year	83,170,837
	Unutilised amount as on 31.03.2021	4,910,176
b.	Aggregate Projects/ Programme Grants received from other Ministries/Departments	
	Less: Amount spent during the year	-
	Unutilised amount as on 31.03.2021	Nil
c.	Aggregate Projects/ Programme Grants received from State Government	
	Less: Amount spent during the year	-
	Unutilised amount as on 31.03.2021	Nil

Aggregate unutilized amount as on 31.03.2021 works out to Rs.49,10,176/- It will be adjustable in due course of time.

2 The Institute has completed the Implementation of several Projects and Programmes prior to 31.03.2021. The Aggregate of the Grant amount receivable in this regard as on 31.03.2021 works out to Rs.8,22,58,545/- .Necessary steps are to be taken to ensure expeditious realisation of the same.

3 Advances to Employees in respect of Programme implementation, Tours and Travel and Advances of Temporary nature are outstanding. The relevant amounts in this regard are as under:-

i) Programme Advance-Rs. 8,45,897
ii) Staff Advance- Rs.69,772
iii) Study Tour Advance-Rs.39,774
iv) Temporary Advance-Rs.3,81,035
v) Tour Advance-Rs.2,77,325

The above Advances must be settled and accounted for on priority, and the Institute has been regularly following up the same.

4 Sundry Debtors amounting to Rs. 1,76,55,567/- which are outstanding from various parties in respect of Seminars, Workshop, programms and Events conducted at the Institute as well as relating to collaborative work carried out. The Institute has been regularly following up the same.

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS HYDERABAD

5 **Contingent Liabilities:**

a) The Commissioner, Central Tax Department raised a demand for payment of service tax of Rs.26 crores for the period from 2004-05 to 2014-15. We filed a case in CESTAT and the matter was disposed-off by demanding to Central Tax department to raise service tax against Mandap Keeper Services, Management Consultancy Services and Renting of Immovable Property. Accordingly, the service tax department advised this office to pay service tax amount of Rs.1,15,86,047/- against the earlier demand of 26 crores approx. This office made pre-deposit of Rs.1,78,90,911/- made in different spells during the above period towards service tax and requested the Commissionerate to adjust the service tax demanded against our pre-deposits. **The matter is pending with Commissionerate, Central Tax, Hyderabad.**

b) M/s. Ramanantham & Rao, Chartered Accountants and former Statutory Auditors of the Institute filed a suit claiming a fee of Rs.818203/- towards their charges for the services rendered in the matter of obtaining extension relating to the exemption Orders relating to the exemption of the Income of the Institute from the Income Tax as has been extended earlier. The City Civil Court in the O.S.No.2507 of 2010 passed decree in their favour.However the Institute has contested before the Honorable High Court. The Honorable High Court passed an Interim direction in CCAMP 290 of 2015 in CCAMP No.210 of 2015 that the interim stay earlier granted is made absolute on condition of respondent(in - msme) depositing 1/3rd of decrial amount plus costs before the trail Court. Accordingly, an amount of Rs.318525.33 was deposited in the Honorable Court Vide Challan on 14.08.2015. The Matter continues to be sub judice.

c) Intimation received from Income Tax Department for AY 2017-18 for Non/late filing of Income tax return & audit report for the financial year 2016-17 and disallowed the exemption and raised demand of Rs. 22,08,06,769 and the Institute has filed the rectification application before Jurisdictional Assessing Officer.

6 Schedules 1 to 17 are annexed to and from an integral part of the Balance Sheet as at 31st March 2021 and the Income and Expenditure for the year ended on that date.

7 Previous year figures have been regrouped/ rearranged wherever necessary.

As per our report of even date attached

For M V Narayana Reddy & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. 002370S

Y Subba Rami Reddy
Partner
Membership No: 218248

Place: Hyderabad
Date: 22nd June, 2021

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS HYDERABAD

For and on behalf of National Institute of Micro, Small and Medium Enterprises

S. Glory Swarupa
Director General

महानिदेशक
DIRECTOR GENERAL
निम्समे/NI-MSME
(सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय का संगठन भारत सरकार)
(An Orgn. of the Ministry of MSME Govt. of India)
युसुफगूडा, हैदराबाद-५०० ०४५. भारत.
Yousufguda, Hyderabad-500 045. India

Name of the Assessee	**National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises**
Address	8-3-289/4 Yusufguda Hyderabad - 500 045
Status	Charitable Institution
Assessment Year	2021-22
Previous Year ended	31st March, 2021
Date of Registration	4/27/1962
P A N	**AAAJN0177F**

COMPUTATION STATEMENT OF TOTAL INCOME & TAX LIABILITY

PARTICULARS	**AMOUNT Rs.**	**AMOUNT Rs.**
Income from Capital Grants:		
Capital Grants	31,688,333	
Less: Exemption u/s 11 (1) (d) of Income Tax Act	**(31,688,333)**	-
Income from other source:		
Grants / Subsidies	18,024,880	
Fee & Subscriptions	32,582,623	
Income from Infrastructure facilities	3,238,469	
Bank Interest	28,324,665	
Other Income	1,193,121	
Income from other source		83,363,757
Add: Disallowances u/s 40 a(ii)		
TDS late filing Fees		394,736
Total Income		83,758,493
Less : 15% of Income set apart for future U/s.11(1)(a)		12,563,774
		71,194,719
Less: Income applied for Charitable Purpose		101,651,299
Excess Application over Income out of Corpus Fund		(30,456,579)
Taxable Income		NIL
STATEMENT OF TAXES		
Income tax there on		-
Less : TDS Receivable		4,493,425
REFUND		4,493,425

For National Institute For Micro, Small And Medium Enterprises

S. Glory Swarupa
Director General

महानिदेशक
DIRECTOR GENERAL
निम्समे/NI-MSME
(सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय का संगठन भारत सरकार)
(An Orgn. of the Ministry of MSME Govt. of India)
युसुफगूडा, हैदराबाद-५०० ०४५. भारत.
Yousufguda, Hyderabad-500 045. India

National Institute for MSME (ni-msme) - The Premier Institute

National Institute for MSME (ni-msme), the pioneer institute in the field of MSME is playing a major role in providing pro-business environment to foster the progress of MSME towards success and prosperity. The raison detre of this Institute is to assist the Government in formulating policies for micro, small and medium enterprises and to help the practicing and potential entrepreneurs through a host of services like training, research, consultancy, information, education and extension.

Set up in 1962, **National Institute for MSME (ni-msme)** has made valuable contributions by creating an impressive record of achievements beyond the Indian shores, enabling other developing countries to get the benefit of the Institute's facilities and expertise. The Institute is associated with prestigious world bodies such as UNIDO, UNESCO, ILO, CFTC, UNICEF, AARDO and GIZ.

ni-msme's intellectual activities are pursued by its four Schools of Excellence, viz., School of Enterprise Development (SED), School of Enterprise Management (SEM), School of Entrepreneurship and Extension (SEE) and School of Enterprise Information and Communication (SEIC). The Institute has been publishing Small Enterprise Development and Management Extension (SEDME) Journal since 1974 in the domain of small enterprises, attracting contributors and users not only from every corner of the country but also from other developing as well as developed nations.

The Institute is having theme focused Centers like National Resource Centre for Cluster Development (NRCD) for helping the MSMEs by implementing the Cluster Development Approach. At present, the Institute is involved in development of more than 50 Rural, Artisan, Industry clusters across the nation and supporting to KVIC, Coir Board, NBCFDC, NSFDC and various state Governments for development of Handlooms, Handicrafts, Food Processing and Textiles Clusters. Intellectual Property Facilitation Centre for MSMEs (IPFC) provide IP advisory services to various research and academic institutions, Clusters, SMEs, Start-ups and Individual innovators. Around 350 SMEs & Start-Ups got benefited from IP registrations including 102 Trade Marks, 41 Patents, 4 Copyrights, 6 Industrial Designs and one Geographical Indication. Goods and Services Tax Cell (GSTC) provide GST registrations and tax compliances, Entrepreneur Development Cell (EDC) and Livelihood Business Incubator (LBI) supports MSMEs for creating a favorable ecosystem for entrepreneurial development in the country. The Institute stores and supplies information that helps to make a successful entrepreneur who is well versed in the intricacies of business and can participate in business activities intelligently and diligently through its Small Enterprises National Documentation Centre (SENDOC).

The Institute has trained more than 5,48,815 participants by organizing around 16,198 programmes which includes prospective/existing entrepreneurs and officials from various Ministries of Govt. of India and State Governments. **ni-msme** has also imparted skill training to 1,18,531 educated unemployed youth by conducting 3908 Entrepreneurship and Skill Development Programmes (ESDPs). The Institute is implementing ITEC Scheme of Ministry of External Affairs, Govt. of India since 1967 and trained more than 10,600 International Executives from 143 developing countries. The Institute has also completed more than 947 research and consultancy projects.

The management of the Institute rests with the Governing Council appointed by the Govt. of India. The governing body acts through the Director General. The present Director General is Ms. S. Glory Swarupa.

ni-msme

National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (ni-msme)
(An Organisation of Ministry of MSME, Govt. of India and An ISO 9001:2015 Certified)
Yousufguda, Hyderabad - 500 045 Tel: 91-40-23608544 – 46, 23633202
Website: www.nimsme.org webmaster@nimsme.org